

वार्षिक रिपोर्ट तथा
लेखा
2021-22



महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

(कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी)

स्था/पो – जागृति विहार, बुर्ला

सम्बलपुर -768020 (ओडिशा)

वेबसाइट: www.mahanadicoal.in

‘संकल्पना’

“खदान से बाजार तक सर्वोत्तम कार्य पद्धतियों का पालन
करते हुए विश्व के अग्रणी ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं में
उभरना”

‘लक्ष्य’

“सुरक्षा, संरक्षण और गुणवत्ता को सम्यक प्रतिष्ठा प्रदान करते हुए कुशलतापूर्वक
और मितव्ययता के साथ पर्यावरण हितैषी तरीके से योजनाबद्ध परिमाण में
कोयला एवं कोयला उत्पाद का उत्पादन एवं विपणन करना”

गत 10 वर्षों हेतु प्रमुख वित्तीय आंकड़े

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
1	कोयले का उत्पादन	एमटी)मिलियन टन(	107.89	110.44	121.38	137.90	139.21	143.01	144.15	140.36	148.01	168.17
2	कोयले का प्रेषण	एमटी)मिलियन टन(	111.96	114.34	123.00	140.22	143.01	138.26	142.30	134.02	146.71	176.37
3	कोयले की बिक्री)सकल(	रु .करोड़	13,190.42	13,165.61	14989.05	19829.58	23450.72	22379.91	24607.68	22834.92	23619.94	30557.39
4	पीबीटी	रु .करोड़	6,202.48	5,429.08	5,314.24	6260.43	6854.72	7339.66	9281.08	8645.47	9316.79	11462.42
5	पीएटी	रु .करोड़	4,212.44	3,624.30	3,554.10	4184.74	4492.01	4761.29	6039.54	6427.39	6872.35	8480.50
6	लाभांश	रु .करोड़	2,529.45	5,983.16	3,841.82	3608.45	2982.00	4350.00	3875.00	5225.00	5225.00	5800.00
7	शुद्ध नियत परिसंपत्तियाँ	रु .करोड़	2,212.52	2,788.58	3,087.48	3252.55	3943.29	4534.24	6433.84	7248.57	8232.15	9944.72
8	नेट वर्थ	रु .करोड़	8,939.12	5,563.42	4,477.57	4319.26	3385.38	2943.12	3873.17	3923.11	5533.04	8212.55
9	दीर्घ अवधि ऋण	रु .करोड़	96.60	9.14	6.90	7.21	6.64	7.09	6.29	6.10	5.67	4.93
10	नियोजित पूंजी	रु .करोड़	18126.89	16252.95	17553.76	19961.90	20544.53	21095.03	23346.84	24602.08	25309.74	28758.09
11	नियोजित पूंजी पर रिटर्न	%	23%	22%	20%	21%	22%	23%	26%	26%	27%	29%
12	मूल्य संवर्धन	रु .करोड़	8159.64	7537.20	7609.89	8629.48	9638.58	10787.19	12836.41	12375.37	13176.55	15867.11
13	प्रति शेयर अंकित मूल्य	रु.	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00
14	प्रति शेयर पर बही मूल्य	रु.	47,956.42	29,846.53	24,021.18	23171.89	23971.26	4167.94	5852.16	5927.61	8360.13	12,408.73
15	प्रति शेयर लाभांश	रु.	13,569.95	32,098.34	20,610.52	19358.54	21,115.00	6160.31	5854.92	7894.70	7894.70	8,763.50
16	प्रति शेयर अर्जन	रु.	22,598.82	19,443.58	19,066.97	22450.21	31800.60	32419.32	8622.45	9592.93	10327.22	12,812.59
17	इक्विटी शेयर सं.	सदस्य	1,864,009	1,864,009	1,864,009	1,864,009	1,864,009	1412266	7061330	6618363	6618363	6618363

विषय सूची

क्रमांक	पृष्ठ संख्या
1. प्रबंधन/बैंकर्स/लेखा परीक्षक	1-3
2. सूचना	4-7
3. अध्यक्ष का वक्तव्य	8-12
4. निदेशको की रिपोर्ट	13-99
5. सामाजिक उत्तरदायित्व की रिपोर्ट	100-123
6. सचिवीय लेखा परीक्षक की रिपोर्ट	124-131
7. निदेशको की रिपोर्ट का अनुलग्नक	132-135
8. कॉर्पोरेट शासन पर रिपोर्ट	136-149
9. प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट	150-154
10. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां	154-158
11. स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	159-197
12. 31 मार्च, 2022 के अनुसार तुलनपत्र	198-199
13. 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का विवरण	200-201
14. नकद प्रवाह विवरण	202-203
15. तुलनपत्र एवं लाभ- हानि लेखा के अंश स्वरूप टिप्पणियां	204-276
16. एमसीएल और उसके सहायक कंपनियों का समेकित लेखा	277-355

वर्तमान प्रबंधन
(20.07.2022 के अनुसार)

अध्यक्ष-सह-प्रबंधन निदेशक	:	श्री ओ. पी. सिंह (अतिरिक्त प्रभार)
कार्यकारी निदेशकगण	:	श्री ओ. पी. सिंह निदेशक (तक./संचालन) श्री के. आर. वासुदेवन निदेशक (वित्त) श्री केशव राव निदेशक (कार्मिक) श्री जुगल किशोर बोरह निदेशक (तक./परियोजना एवं योजना)
आधिकारिक अंशकालिक निदेशकगण	:	श्री नागराजू मदीराला अतिरिक्त सचिव, कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली श्री विनय रंजन, निदेशक (कार्मिक और आईआर), सीआईएल, कोलकाता
गैर- आधिकारिक अंशकालिक निदेशकगण	:	श्री एस. मोहन डॉ. आशा लाकरा
स्थायी आमंत्रित	:	श्री पी. के. जेना प्रधान मुख्य संचालन प्रबंधक, ईस्ट कोस्ट रेलवे, भुवनेश्वर
कंपनी सचिव	:	श्री सौभाग्य परिडा

2021-22 के दौरान प्रबंधन

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	:	श्री ओ. पी. सिंह (अतिरिक्त प्रभार- 01.01.2022 से प्रभावी) श्री पी. के. सिन्हा (31.12.2021 तक)
कार्यकारी निदेशक	:	श्री ओ.पी. सिंह निदेशक (तक/संचालन) श्री के.आर. वासुदेवन निदेशक (वित्त) श्री केशव राव निदेशक (कार्मिक) श्री एस.के. पाल निदेशक (तक./योजना एवं परियोजना) (01.01.2022 से प्रभावी) श्री बबन सिंह निदेशक (तक./योजना एवं परियोजना) (30.11.2021 तक)
आधिकारिक अंशकालिक निदेशकगण	:	श्री नागराजू मदीराला अतिरिक्त सचिव, कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली। श्री एस.एन. तिवारी, निदेशक (विपणन), सीआईएल, कोलकाता
गैर- आधिकारिक अंशकालिक निदेशकगण	:	श्री एस. मोहन डॉ. आशा लाकरा (01.11.2021 से प्रभावी)
स्थायी आमंत्रित	:	श्री पी. के. जेना प्रधान मुख्य संचालन प्रबंधक, ईस्ट कोस्ट रेलवे, भुवनेश्वर
कंपनी सचिव	:	श्री सौभाग्य परिडा

बैंकर्स

भारतीय स्टेट बैंक,
यूको बैंक,
केनरा बैंक,
पंजाब नेशनल बैंक,
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
बैंक ऑफ इंडिया,
आईसीआईसीआई बैंक,
बैंक ऑफ बड़ौदा,
एक्सिस बैंक,
एचडीएफसी बैंक,
बैंक ऑफ महाराष्ट्र
इंडियन बैंक

सांविधिक लेखा परीक्षक

मेसर्स पीएएमएस एंड एसोसिएट्स, (पहली तिमाही के लिए)
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, भुवनेश्वर
मेसर्स लालदाश एंड कंपनी, (दूसरी, तीसरी तिमाही और वार्षिक के लिए)
चार्टर्ड एकाउंटेंट, सम्बलपुर

शाखा लेखा परीक्षक

मेसर्स पीएएमएस एंड एसोसिएट्स (पहली तिमाही के लिए)
चार्टर्ड एकाउंटेंट, भुवनेश्वर
मेसर्स बी एन मिश्रा एंड कंपनी (दूसरी, तीसरी तिमाही और वार्षिक के लिए)
चार्टर्ड एकाउंटेंट, भुवनेश्वर

लागत लेखा परीक्षक

मेसर्स एम. गोयल एंड कंपनी
लागत लेखा परीक्षक, जयपुर, राजस्थान

शाखा लागत लेखा परीक्षक

मेसर्स जितेंद्र नवनीत एंड कंपनी
लागत लेखा परीक्षक, नई दिल्ली

सचिवीय लेखा परीक्षक

मेसर्स देब महापात्र एंड कंपनी, कंपनी सचिव,
भुवनेश्वर, उड़ीसा

पंजीकृत कार्यालय

पोस्ट: जागृति विहार, बुर्ला, संबलपुर- 768020, ओडिशा

वेबसाइट: www.mahanadicoal.in

30वीं सामान्य वार्षिक बैठक की सूचना

एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड की 30वीं वार्षिक सामान्य बैठक सोमवार 25 जूलाई, 2022 को सुबह 10.30 बजे कंपनी के पंजीकृत कार्यालय पोस्ट- जागृति विहार, बुर्ला, संबलपुर-768020 में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग/अन्य ऑडियो-विजुअल माध्यम द्वारा निम्नलिखित कार्यों के प्रबंधन के लिए आयोजित की जाएगी।

I. सामान्य कार्य :**1. विचार करने और स्वीकार करने हेतु :**

- क) 31 मार्च, 2022 को लेखा परीक्षित तुलन पत्र समेत 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का विवरण और निदेशक मंडल तथा सांविधिक लेखा परीक्षक और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट।
- ख) 31 मार्च, 2022 को समेकित लेखापरीक्षित तुलन पत्र समेत 31 मार्च, 2022 के अनुसार वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का विवरण और निदेशक मंडल तथा उस पर सांविधिक लेखा परीक्षक और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट।
2. 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए 5000 करोड़ रुपये के अंतरिम लाभांश को मंजूरी देने के लिए और 1025 करोड़ रुपये के अंतिम लाभांश अर्थात् 1548.72 प्रति इक्विटी शेयर रुपये की घोषणा करने के लिए। इस प्रकार वर्ष 2021-22 के लिए कुल लाभांश रु. 6025 करोड़ हुआ।
3. श्री के.आर. वासुदेवन, निदेशक (डीआईएन: 07915732) के स्थान पर निदेशक की नियुक्ति के लिए, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 152 (6) के संदर्भ में रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होंगे, और पात्र होने पर पुनर्नियुक्ति के लिए स्वयं को प्रस्तुत करेंगे।
4. श्री केशव राव, निदेशक (डीआईएन:08651284) के स्थान पर निदेशक की नियुक्ति के लिए, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 152 (6) के संदर्भ में रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होंगे, पात्र होने पर पुनः नियुक्ति के लिए स्वयं को प्रस्तुत करेंगे।

II. विशेष कार्य :

मद संख्या. 1

विषय : वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए लागत लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक का अनुसमर्थन :

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए मेसर्स एम गोयल एंड कंपनी और मैसर्स जितेंद्र नवनीत एंड कंपनी को क्रमशः केंद्रीय लागत लेखा परीक्षक और शाखा लागत लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। तद्विषय निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किया जाना प्रस्तावित है:-

सामान्य संकल्प :

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए लागत लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक की पुष्टि करने के लिए और यदि योग्य साबित हो, तो संशोधन के अथवा बिना संशोधन के पारित होने के लिए एक साधारण संकल्प के रूप में निम्न संकल्प किया जाता है :

संकल्प किया जाता है कि मेसर्स गोयल एंड कंपनी को कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखा परीक्षा) नियमावली, 2014 के अनुसार वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी मुख्यालय और उसकी इकाइयों, ईब वैली कोलफील्ड्स क्षेत्र, बसुंधरा एवं केंद्रीय कर्मशाला (ईब वैली) के लागत रिकॉर्ड का लेखा-परीक्षण करने के लिए कुल लेखा परीक्षा शुल्क ₹ 6,00,000.00 तथा ऊपरी व्यय तथा लेखापरीक्षा शुल्क पर लागू जीएसटी ₹3,00,000.00 (कुल शुल्क का अधिकतम 50%) के साथ केंद्रीय लागत लेखा परीक्षक के रूप में एतद द्वारा नियुक्त किया जाता है।”

“संकल्प किया जाता है कि मैसर्स जितेंद्र नवनीत एंड कंपनी को कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखा परीक्षा) नियमावली, 2014 के अनुसार वर्ष 2021-22 के लिए सीडबल्यूएस (तालचेर), तथा कनिहा सहित तालचेर कोलफील्ड्स क्षेत्रों के लागत रिकॉर्ड का लेखा-परीक्षण करने के लिए कुल लेखा परीक्षा शुल्क ₹ 3,98,000.00, तथा ऊपरी व्यय 1,99,000.00 (कुल शुल्क का अधिकतम 50%) के साथ शाखा लागत लेखा शुल्क पर लागू जीएसटी के लिए एतद द्वारा नियुक्त किया जाता है।”

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
कृते महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

हस्ताक्षर/-
(एस. परिडा)
कंपनी सचिव

पंजीकृत कार्यालय

जागृति विहार, बुर्ला, संबलपुर, ओडिशा -768020

व्याख्यात्मक कथन
(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 102(1) के अनुसार)

मद संख्या. 1

विषय : वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए लागत लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक का अनुसमर्थन

भारत सरकार के राजपत्र प्रकाशन और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की अधिसूचना संख्या G.S.R. 430 (ई) दिनांक 3 जून, 2011 तथा कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के लागत लेखा परीक्षक शाखा, भारत सरकार द्वारा जारी आदेश F. No. 52/26 / CAB-2010 दिनांक 24 जनवरी, 2011 और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 52/26 / CAB- 2010 दिनांक 24 जनवरी, 2012 को कोयला उद्योग के संबंध में लागत लेखा परीक्षा अनिवार्य बनाने हेतु।

लेखा परीक्षा समिति की सिफारिश के आधार पर, निदेशक मंडल ने दिनांक 22. सितम्बर, 2021 को आयोजित अपनी 238 वीं बैठक में वित्तीय वर्ष 2020-21 तथा 2021-22 के लिए एमसीएल में लागत लेखा परीक्षा आयोजित करने के लिए निम्नलिखित फर्मों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई। लागत लेखा परीक्षा और लागू वैधानिक करों / लेवी की प्रतिपूर्ति के लिए शुल्क की संरचना निम्नानुसार है:

1. मेसर्स गोयल एण्ड कंपनी को कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखा परीक्षा) नियमावली, 2014 के अनुसार वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी मुख्यालय और उसकी इकाइयों, ईबवैली कोलफील्ड्स क्षेत्र, बसुंधरा एवं केंद्रीय कर्मशाला (ईब वैली) के लागत रिकॉर्ड का लेखा-परीक्षण करने के लिए कुल लेखा परीक्षा शुल्क ₹ 6,00,000.00 तथा ऊपरी व्यय तथा लेखापरीक्षा शुल्क पर लागू जीएसटी ₹3,00,000.00 (कुल शुल्क का अधिकतम 50%) के साथ केंद्रीय लागत लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।”
2. “मैसर्स जितेंद्र नवनीत एंड कंपनी को कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखा परीक्षा) नियमावली, 2014 के अनुसार वर्ष 2021-22 के लिए सीडबल्यूएस (तालचेर), तथा कनिहा सहित तालचेर कोलफील्ड्स क्षेत्रों के लागत रिकॉर्ड का लेखा-परीक्षण करने के लिए कुल लेखा परीक्षा शुल्क ₹ 3,98,000.00, तथा ऊपरी व्यय तथा लेखापरीक्षा शुल्क पर लागू जीएसटी 1,99,000.00 (कुल शुल्क का अधिकतम 50%) के साथ शाखा लागत लेखा परीक्षक के रूप में एतद द्वारा नियुक्त किया जाता है।”

कंपनी नियमावली (लेखा परीक्षा एवं लेखापरीक्षक), 2014 के नियम 14 जिसे कंपनी अधिनियम (2013) की धारा 148 (3) के साथ पढ़ा जाएँ, कंपनी अधिनियम के अनुसार लेखा परीक्षा समिति द्वारा अनुशंसित पारिश्रमिक को निदेशक मंडल द्वारा स्वीकार एवं अनुमोदित किया जाएगा और उसके बाद शेयरधारकों द्वारा पुष्टि की जाएगी।

तदनुसार, सदस्यों से अनुरोध किया जाता है कि वे वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए लागत लेखा परीक्षकों को देय पारिश्रमिक की पुष्टि करें।

कंपनी का कोई भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदार किसी भी तरह से वित्तीय या अन्यथा, संकल्प में संबंधित या रुचि नहीं रखते हैं।

बोर्ड ने आपकी अनुमोदन के लिए प्रस्ताव की अनुसंशा की है।

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
कृते महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

हस्ताक्षर/-
(एस. परिडा)
कंपनी सचिव

स्थान : संबलपुर
दिनांक : 20.07.2022

सामान्य वार्षिक बैठक में रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले और पुनर्नियुक्ति की मांग करने वाले निदेशकों का विवरण:

सामान्य बैठक ("एसएस-2") पर सचिवीय मानक के अनुपालन में, वार्षिक आम बैठक में पुनर्नियुक्ति चाहने वाले निदेशकों का अपेक्षित विवरण नीचे सारणीबद्ध है-

का नाम और पदनाम	श्री के. आर. वासुदेवन, निदेशक (वित्त)	श्री केशव राव , निदेशक (कार्मिक)
डीआईएन	07915732	08651284
जन्मतिथि	17.07.1962	10.06.1966
राष्ट्रियता	भारतीय	भारतीय
बोर्ड में नियुक्ति की तिथि	04-02-2018	18-12-2019
नियुक्ति/पुनर्नियुक्ति के नियम और शर्तें और मांगे गए पारिश्रमिक और अंतिम आहरित पारिश्रमिक का विवरण	कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार	कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार
योग्यता और अनुभव	भारतीय लागत लेखाकार संस्थान के सदस्य, एलएलबीऔर बी कॉम (ऑनर्स)।	आई.आई.टी. बॉम्बे और आईआईएम अहमदाबाद के पूर्व छात्र, एचआर में पीजी डिप्लोमा।
कंपनी में शेयरधारिता	शून्य	शून्य
अन्य निदेशकों, प्रबंधक और अन्य प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक के साथ संबंध	शून्य	शून्य
वर्ष 2021-22 के दौरान बोर्ड की बैठकों की संख्या, जिनमें सहभागिता की।	12	12
अन्य कंपनियों में आयोजित निदेशक पद की सूची	1. एमएनएच शक्ति लिमिटेड 2. एमजेएमजे कोल लिमिटेड	1. महानदी बेसेन पावर लिमिटेड 2. महानदी कोल रेलवे लिमिटेड
एमसीएल में अन्य समिति के अध्यक्ष/सदस्यता	1. सीएसआर और सतत विकास उप-समिति 2. तकनीकी उप-समिति, 3. जोखिम प्रबंधन समिति 4. एमसीएल के भू- विस्थापित मामलों के लिए उप-समिति	1. सीएसआर और सतत विकास उप-समिति 2. तकनीकी उप-समिति 1. जोखिम प्रबंधन समिति 2. एमसीएल के भू- विस्थापित मामलों के लिए उप-समिति

अध्यक्ष महोदय का वक्तव्य

साथियो,

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड की 30वीं वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) में आपका स्वागत करते हुए मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। वर्ष 2021-22 के लेखा परीक्षित रिपोर्ट, निदेशकों की रिपोर्ट के साथ ही साथ वैधानिक लेखा परीक्षक तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के रिपोर्ट एवं समीक्षा, पहले ही आप तक परिचालित कर दी गई है। आपकी अनुमति से मैं यह मानता हूँ कि आपने इसे पढ़ लिया है।

राष्ट्र की बढ़ती ऊर्जा मांग के अनुरूप एमसीएल, उत्पादन बढ़ाने, निरंतर विकास के साथ उत्पादकता और समाज के समावेशी विकास के साथ स्वच्छ कोयले की आवश्यकता को पूरा करने हेतु कोयला उत्पादन और उत्पादकता पर जोर दे रहा है। जबकि पूरा देश "आजादी का अमृत महोत्सव" मना रहा है, आपकी कंपनी राष्ट्र को पर्याप्त ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने, बढ़ती जरूरतों और चुनौतियों को पूरा करने हेतु दिन-रात 24x7 कड़ी मेहनत कर रही है और महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

आपकी कंपनी ने एक लंबा सफर तय किया है और यह अब कोयला उत्पादन, ओबीआर और प्रेषण के सभी मानकों को पूरा करते हुए सीआईएल की सर्वश्रेष्ठ कंपनी के रूप में उभरी है। आपकी कंपनी ने कोयला उत्पादन, ऑफटेक, ओबीआर, कैपेक्स और सीएसआर व्यय के सभी क्षेत्रों में अब तक की सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की है। यह आपके सतत सहयोग और अमूल्य मार्गदर्शन से संभव हो पाया है। आपके सतत विश्वास और सद्भावना ने हमें सदैव प्रेरित किया है तथा हितधारकों और राष्ट्र के लिए मूल्यों का निर्माण करने और कोयला क्षेत्र के लिए नया मानक बनाने में हमारी सभी गतिविधियों में मार्गदर्शक शक्ति रही है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 एमसीएल के लिए एक और चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा है। सभी विषमताओं के बावजूद, एमसीएल अपने सर्वोत्तम कार्यों और उत्कृष्ट परिचालन क्षमता के कारण सीआईएल की सर्वश्रेष्ठ अनुषंगी कंपनी के रूप में उभरी है। एमसीएल ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के अपने उच्चतम कोयला उत्पादन 148.01 मिलियन टन के मुकाबले 14% की वृद्धि के साथ इस वर्ष 168.17 मिलियन टन उत्पादन करके कोयला उत्पादन में एक नया कीर्तिमान हासिल किया। एमसीएल ने गत वर्ष की तुलना में 19% की वृद्धि दर्ज करते हुए चालू वर्ष में 206.88 मिलियन क्यूबिक मीटर का अब तक का उच्चतम ओबीआर हासिल किया है। आपकी कंपनी ने पिछले वर्ष की तुलना में 21% की वृद्धि दर्ज करते हुए इस वित्तीय वर्ष में अब तक का सबसे अधिक 176.16 मिलियन टन कोयले का प्रेषण किया है। एमसीएल ने पर्यावरण अनुकूल माध्यमों जैसे रेल और एमजीआर (128.73 मिलियन टन, जो गत वर्ष की तुलना में 20% की वृद्धि दर्ज करते हुए लगभग 73% हैं) के माध्यम से उच्चतम ऑफ-टेक दर्ज किया है। एमसीएल ने सीआईएल में अब तक का सबसे अधिक कर पश्चात लाभ (पीएटी) 8,480.50 करोड़ रुपये अर्जित किया है।

1. कोयला – भारत में ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत:

कोयला भारत में ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान भारत में कुल बिजली उत्पादन 1491.9 बिलियन यूनिट (बीयू) था, जिसमें से कोयले के माध्यम से बिजली उत्पादन पिछले वित्तीय वर्ष अर्थात् 2020-21 में 950.9 बिलियन यूनिट के मुकाबले इस वर्ष 1041.5 बिलियन यूनिट था, जिसके परिणामस्वरूप 9.5% की वृद्धि हुई।

भारतीय कोयला अगली सदी और उससे आगे के लिए भी घरेलू ऊर्जा बाजार के लिए एक अद्वितीय पर्यावरण अनुकूल ईंधन स्रोत प्रदान करता है। 27 प्रमुख कोयलांचलों में व्यास कठोर कोयले के भंडार मुख्य रूप से देश के पूर्वी और दक्षिण मध्य भागों तक ही सीमित हैं। हमारे देश में कोयला, जीवाश्म संसाधनों का 97% है। राष्ट्रीय कोयला सूची के अनुसार 68 कोयलांचलों में 1200 मीटर की गहराई तक 352.12 बिलियन टन (बीटी) कठोर कोयला संसाधन है।

ओडिशा के तालचेर और ईब-वैली कोलफील्ड्स तापीय श्रेणी के नॉन – कोकिंग कोयले का विशाल भंडार है। भारत में कोयला भंडार में ओडिशा का झारखंड के बाद दूसरा स्थान है। 1 अप्रैल, 2021 के अनुसार ओडिशा में कुल कोयले भंडार का 84.88 बिलियन टन का अनुमान लगाया गया है, जो कुल राष्ट्रीय कोयला भंडार का लगभग 24% है। ओडिशा के दो कोलफील्ड्स, तालचेर और ईब-वैली कोलफील्ड्स एमसीएल के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। तालचेर, भारत का सबसे बड़ा कोलफील्ड्स (52.78 बिलियन टन) तथा ईब-वैली कोलफील्ड्स भारत का तीसरा सबसे बड़ा (32.10 बिलियन टन) कोलफील्ड्स है। ओडिशा में कुल कोयला भंडार का लगभग 62% तालचेर कोलफील्ड्स में और शेष 38% ईब-वैली कोलफील्ड्स में है।

2. परिचालन उत्कृष्टता:

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान आपकी कंपनी सीआईएल के कुल 662 मिलियन टन के उत्पादन में से 168 मिलियन टन (14% की वृद्धि) का उत्पादन कर देश में नंबर 1 कोयला उत्पादक कंपनी बन गई है, जो कि सीआईएल के उत्पादन का 27% था। कंपनी ने गत वर्ष की तुलना में 21% की वृद्धि दर्ज करते हुए अब तक का सर्वाधिक 176.16 मिलियन टन कोयला ऑफटेक दर्ज किया है। आपकी कंपनी ने गत वर्ष की तुलना में 32.38 मिलियन क्यूबिक मीटर (19%) की वृद्धि दर्ज करते हुए अब तक का उच्चतम ओबी रिमुवल का लक्ष्य 206.88 मिलियन क्यूबिक मीटर तथा गत वर्ष की तुलना में 1,387 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए अब तक का उच्चतम कैपेक्स रु. 3,805 करोड़ हासिल किया है।

3. वित्तीय कार्य निष्पादन:

वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने अब तक की सबसे अधिक सकल बिक्री, शुद्ध बिक्री, पीबीटी और पीएटी हासिल किया है। वर्ष के लिए सकल बिक्री 30,557.39 करोड़, शुद्ध बिक्री रु. 19,165.50 करोड़, पीबीटी रु. 11,462.42 करोड़ (23.03% की वृद्धि) और पीएटी रु. 8,480.50 करोड़ (23.40% की वृद्धि) था। वर्ष के दौरान अंतरिम लाभांश के रूप में रु. 5,000/- करोड़ की घोषणा की गई थी और एजीएम में आपके अनुमोदन के लिए रु. 1025 करोड़ के अंतिम लाभांश की सिफारिश की गई है। आपकी कंपनी सरकारी राजकोष के लिए भी सबसे अधिक योगदानकर्ता है। एमसीएल ने रॉयल्टी, उपकर, वस्तु एवं सेवा कर, जीएसटी प्रतिपूर्ति उपकर, एनएमईटी, डीएमएफ और अन्य लेवी के लिए 13,461.39 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

4. विकास हेतु कार्यनीतियाँ :

आपकी कंपनी आने वाले वर्ष में चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों का सामना करने जा रही है। भविष्य में अपनी उत्पादन गति और ऑफ-टेक में वृद्धि की गति को बनाए रखने के लिए, एमसीएल ने निम्नलिखित बहु-आयामी कार्यनीतियाँ तैयार की हैं :-

- सर्वे-ऑफ उपकरणों के बदले प्रतिस्थापन और अतिरिक्त एचईएमएम की खरीद।
- आंतरिक चयन के साथ-साथ बाहरी भर्ती द्वारा एचईएमएम के लिए ऑपरेटरों की नियुक्ति।
- ऑपरेटरों के प्रशिक्षण के लिए सिमुलेटर की खरीद।
- भूमि अधिग्रहण के लिए गांवों का स्थानांतरण किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष के दौरान एमसीएल ने 527.03 हेक्टेयर भूमि पर भौतिक अधिकार प्राप्त किया है।
- कोयला भंडारण और लदान के लिए प्रमुख खुली खदान परियोजनाओं में साइलो/सीएचपी का उपयोग बढ़ाना।
- उपभोक्ता संतुष्टि प्राप्त करने और उसे बनाए रखने के लिए उपभोक्ताओं के साथ लगातार बातचीत।
- उपभोक्ताओं के साथ नियमित बातचीत द्वारा उपभोक्ता के विश्वास को और बढ़ाना।
- सभी उपभोक्ताओं को सुनिश्चित गुणवत्ता और आकार के कोयले का प्रेषण सुनिश्चित करने हेतु गुणवत्ता नियंत्रण विभाग द्वारा सभी रेलवे साइडिंग की निरंतर निगरानी।
- कार्य के सुचारू संचालन के लिए ईआरपी का कार्यान्वयन।

5. हरित पहल:

आपकी कंपनी ने पूरे सीआईएल में 50% से कम की औसत उपलब्धि की तुलना में 96% के बराबर पर्यावरण हितैषी सरफेस माइनर द्वारा सर्वोच्च मात्रा में कोयले का उत्पादन किया है। परिवहन में भी आपकी कंपनी ने पर्यावरण हितैषी रेल मोड के माध्यम से 73% कोयले का प्रेषण किया है। आवासीय क्षेत्रों में धूल, प्रदूषण को कम करने के लिए, घनी आबादी वाले क्षेत्रों से दूर अलग कोल कॉरीडोर के निर्माण हेतु आपकी कंपनी ने आवश्यक कदम उठाए हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करने हेतु आपकी कंपनी ने आनंद विहार, बुर्ला, संबलपुर में 02 मेगावाट फोटोवोल्टिक सौर ऊर्जा संयंत्र सफलतापूर्वक स्थापित किया है और यह 22 लाख इकाई/वर्ष बिजली का उत्पादन कर रहा है। मानव उपयोग हेतु खदान जल के बेहतर उपयोग के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं। अप्रयुक्त खदानों/खान संपों में संग्रहित ओसीपी के अधिशेष जल का उपयोग एचईएमएम की धुलाई, धूल दमन, अग्निशमन और जलभृतों के पुनर्भरण जैसे उद्देश्यों के लिए किया जाता है। अतिरिक्त भूमिगत खान के जल का उपयोग समुदाय के पीने, कृषि, वानिकी, तालाबों के पुनर्भरण आदि के लिए आपूर्ति हेतु किया जा रहा है।

6. सुरक्षा:

एमसीएल कार्यसूची में खानों और खनिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। उच्च उत्पादन की दौड़ में सुरक्षा पहलू पर कोई समझौता नहीं किया जाता है। 'शून्य दुर्घटना' लक्ष्य के लिए आपकी कंपनी नियमित रूप से तैयार रहती है, योजना बनाती है और स्वयं को सुसज्जित करती है। इस दिशा में हमारे प्रयासों में अन्य बातों के साथ-साथ उचित सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना,

प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं विकास और सुरक्षा संबंधी अनुपालनों की सख्त निगरानी शामिल है। आपकी कंपनी अपने सभी कर्मचारियों को एक सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करने हेतु प्रयासरत है और किसी भी खनन कार्य में सुरक्षा मानकों के साथ वह कभी समझौता नहीं करती है। इसके अलावा, खनन कार्य के दौरान किसी भी अप्रत्याशित घटना को दूर करने के लिए आपकी कंपनी ने अपने सभी बचाव स्टेशनों को पूरी तरह से सुसज्जित किया है और पर्याप्त प्रशिक्षित बचाव कर्मचारियों को तैनात किया है। पिछले वर्ष की तुलना में 2021-22 में प्रति मिलियन टन उत्पादन मृत्यु दर में 70% की कमी और मृत्यु दर में 66.67% की कमी आई है।

आपकी कंपनी का दृढ़ विश्वास है कि सुरक्षा और उत्पादकता को अलग नहीं किया जा सकता है। निदेशक की रिपोर्ट के प्रासंगिक हिस्से में "सुरक्षा और बचाव" शीर्षक के तहत विस्तृत आंकड़े प्रदान किए गए हैं।

आपकी कंपनी उत्पादकता से समझौता किए बिना कंपनी के शून्य हानि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी कामगारों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है।

7. निगमित प्रशासन:

एमसीएल ने सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के लिए निगमित प्रशासन पर दिशानिर्देशों में निर्धारित निगमित प्रशासन की शर्तों का अनुपालन किया है। कथित दिशानिर्देशों और प्रावधानों के तहत निदेशकों की रिपोर्ट में निगमित प्रशासन पर एक अलग खंड जोड़ा गया है और निगमित प्रशासन की शर्तों के अनुपालन का प्रमाणपत्र कार्यरत कंपनी सचिव से प्राप्त किया गया है। बोर्ड के कामकाज में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकता के अनुसार सचिवीय लेखा परीक्षा शुरू की गई है। सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट निदेशकों की रिपोर्ट के भाग के रूप में संलग्न है।

8. निगमित सामाजिक जिम्मेदारी:

एक जिम्मेदार सार्वजनिक कॉर्पोरेट होने के नाते, आपकी कंपनी ने अपने सीएसआर के माध्यम से राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकासात्मक उद्देश्यों में योगदान देने के लिए अपनी अद्वैत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन जारी रखा है, जो कंपनी अधिनियम 2013 में सीएसआर के अधिनियमन में अंतर्निहित सिद्धांत है। वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने 181.62 करोड़ रुपये के बजटीय आंकड़े के मुकाबले 251.76 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। सीएसआर शीर्षक के तहत कंपनी का प्रमुख व्यय स्वच्छता, स्वास्थ्य देखभाल और पाइप जलापूर्ति आदि पर किया गया है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के प्रावधानों के अनुपालन में निदेशकों की रिपोर्ट के साथ सीएसआर की रिपोर्ट संलग्न की गई है।

9. अपेक्षा:

हमें आशा है कि जिस तरह से कंपनी ने संसाधनों और क्षमताओं का निर्माण किया है; उससे निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में और अधिक सफलता मिलेगी और इस निरंतरता से आपकी कंपनी भविष्य में सम्पूर्ण राष्ट्र की अपेक्षा सहित हमारे कई हितधारकों की अपेक्षाओं को लगातार पूरा करेगी।

10. अभिस्वीकृति:

मैं कंपनी के सभी शेयरधारकों, कोयला मंत्रालय, भारत सरकार, कोल इंडिया लिमिटेड, विभिन्न केन्द्रीय सरकार के अधिकारियों, राज्य सरकार के अधिकारियों, जनप्रतिनिधि, स्थानीय गांव, स्थानीय निकायों, सभी कर्मचारियों तथा उनके संघों, हमारे मूल्यवान ग्राहकों, आपूर्तिकर्ता और मीडिया के प्रति उनके सहयोग एवं सहकारिता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

ह/-

(ओम प्रकाश सिंह)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

(डीआईएन: 07627471)

निदेशक-प्रतिवेदन

सेवा में
शेयरधारको
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

प्रिय शेयरधारको,

मुझे निदेशक मण्डल की ओर से कंपनी की 30वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ दिनांक 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित लेखों के साथ सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट एवं भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ प्रस्तुत करते हुए काफी हर्ष का अनुभव हो रहा है।

आपकी कंपनी ने सभी मोर्चों में उत्कृष्टता प्राप्त की है। उत्पादकता, कोयला उत्पादन, ओबी और प्रेषण में यह वर्ष भी सफल रहा।

2.1 संगठन

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड संगठन में 2 कोलफील्ड्स शामिल हैं जिसमें तालचर कोलफील्ड्स तथा ईब वैली कोलफील्ड्स शामिल हैं, इनमें 13 खनन क्षेत्र के साथ 4 संचालित भूमिगत खदानें एवं 15 खुली खदान, 02 केन्द्रीय कर्मशालाएँ तथा 02 केन्द्रीय अस्पताल, एक कार्यालय भुवनेश्वर में बुर्ला, संबलपुर में मुख्यालय के साथ शामिल हैं।

संचालन क्षेत्र निम्नवत हैं :

क	तालचर कोलफील्ड्स
(i)	जगन्नाथ क्षेत्र
(ii)	भुवनेश्वरी क्षेत्र
(iii)	भरतपुर क्षेत्र
(iii)	हिंगुला क्षेत्र
(iv)	लिंगराज क्षेत्र
(v)	कनिहा क्षेत्र
(vi)	सुभद्रा क्षेत्र
(vi)	तालचर क्षेत्र (भूमिगत)

ख	ईब वैली कोलफील्ड्स
(i)	लखनपुर क्षेत्र
(ii)	ईब वैली क्षेत्र
(iii)	बसुंधरा क्षेत्र
(iv)	महालक्ष्मी क्षेत्र
(iv)	ओरिएंट क्षेत्र (भूमिगत)

दोनों कोलफील्ड्स में एक केन्द्रीय कार्यशाला और एक केन्द्रीय अस्पताल है।

3. एमसीएल की सहायक कंपनियां:

एमसीएल की 04 अनुषंगी/सहयोगी कंपनियां हैं। ऐसी कंपनियों का विवरण नीचे दिया गया है:

3.1 एमजेएसजे कोल लिमिटेड

उत्कल-ए और गोपालप्रसाद वेस्ट कोल ब्लॉक (15mt) को संयुक्त रूप से महानदी कोलफील्ड लिमिटेड (MCL), JSW स्टील लिमिटेड, JSW एनर्जी लिमिटेड, JSL स्टेनलेस लिमिटेड और श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड को 60:11:11:09 के अनुपात में आवंटित किया गया था। : कोयला मंत्रालय के पत्र क्रमशः 09 दिनांक 10 नवंबर, 2005 द्वारा आवंटन पत्र की शर्तों के अनुसार, कोल ब्लॉक एंड माइनिंग के विकास के उद्देश्य से एक संयुक्त उद्यम कंपनी, एमजेएसजे कोल लिमिटेड को शामिल किया गया था। संयुक्त उद्यम के गठन को कोयला मंत्रालय द्वारा विधिवत अनुमोदित किया गया था। JVC में, MCL, महानदी कोलफील्ड लिमिटेड (MCL), JSW Steel Ltd, JSW Energy Ltd, JSL Stainles Ltd और श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड और कोयला मंत्रालय द्वारा निदेशकों को नामित किया गया था।

कंपनी ने समय-समय पर रुपये की राशि जुटाई है। अपने शेयरधारकों से 60:11:11:09:09 के अनुपात में इक्विटी की ओर से 95.10 करोड़ निम्नानुसार है:

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड - 57.06 करोड़।

जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड - 10.461 करोड़।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड - 10.461 करोड़।

जेएसएल स्टेनलेस लिमिटेड - 8.559 करोड़।

श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड - 8.559 करोड़।

24 सितंबर 2014 को, माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने आवंटन प्रक्रिया को मनमानी और आवंटन को अवैध बताते हुए 1993-2012 के दौरान किए गए 204 कोयला ब्लॉकों के आवंटन को रद्द कर दिया। उत्कल-ए-गोपा प्रसाद कोयला ब्लॉक, जो 204 कोयला ब्लॉकों का हिस्सा था, का भी आवंटन रद्द कर दिया गया।

नामित प्राधिकारी ने कोयला खान (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के अनुसार महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड को उत्कल-ए-गोपाल प्रसाद कोयला ब्लॉक आवंटित करने के निर्णय से अवगत कराया और पूर्व आबंटिती को देय मुआवजे के मूल्यांकन के लिए कुछ जानकारी मांगी। पूर्व आबंटिती द्वारा निर्धारित प्रारूप में सूचना प्रस्तुत की गई थी।

कंपनी नए आबंटिती से नामित प्राधिकारी, एमओसी के माध्यम से भूमि अधिग्रहण, पूंजीगत कार्य प्रगति पर और अमूर्त संपत्ति के लिए खर्च की गई राशि के लिए मुआवजा पाने की हकदार है। कोयला खान (विशेष प्रावधान) अधिनियम के तहत नामित प्राधिकारी द्वारा मुआवजे का निर्धारण किया जा रहा है।

बीजी स्थिति:

कंपनी ने आवंटन पत्र के अनुसार कोयला मंत्रालय के माध्यम से कार्य करते हुए, भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में 22.248 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा की है। सरकार से F.No-47011/7(6)/93-CPAM/CA से प्राप्त एक पत्र। भारत सरकार, कोयला मंत्रालय, दिनांक: 09 जुलाई, 2013 बीजी (अर्थात, 22.248 करोड़ रुपये) के 20% की कटौती के संबंध में, जिसके खिलाफ कंपनी के निजी शेयरधारक माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में अपील के लिए आगे बढ़ रहे हैं और निम्नलिखित 4 नं। दिल्ली उच्च न्यायालय, नई दिल्ली में अदालती मामले चल रहे हैं और यह लंबित है।

- (1) डब्ल्यू.पी. (सी) 2015 की संख्या 8090 (श्याम मेटलिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड बनाम सीआईएल और अन्य);
- (2) डब्ल्यू.पी. (सी) 2015 की संख्या 8002 (जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड बनाम यूओआई और अन्य);
- (3) डब्ल्यू.पी. (सी) 2015 की संख्या 7871 (जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड बनाम यूओआई और अन्य);
- (4) डब्ल्यू.पी. (सी) 2015 की संख्या 7992 (जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड बनाम यूओआई और अन्य।)

यह कटौती कंपनी द्वारा निर्दिष्ट/विस्तारित समय सीमा तक लक्षित उत्पादन को पूरा करने में सक्षम नहीं होने के मद्देनजर की गई थी।

आईएमजी की 44वीं बैठक में सिफारिश की गई कि बीजी की कटौती न की जाए और उसे वापस किया जाए। तदनुसार कोयला मंत्रालय ने कोयला नियंत्रक कार्यालय, कोलकाता को 10 अगस्त, 2021 को एमजेएसजे कोल लिमिटेड को बीजी जारी करने का निर्देश दिया और मंत्रालय को सूचित किया। सीसीओ कार्यालय, कोलकाता। तदनुसार कोयला नियंत्रक कार्यालय, कोलकाता द्वारा बीजी जारी किया गया।

नामित प्राधिकारी पत्र सं. 103/1/2016/एनए, दिनांक 17 फरवरी, 2016 ने कोयला खान (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के अनुसार नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को तालाबीरा - II और III कोयला खदान आवंटित करने के निर्णय से अवगत कराया और कुछ जानकारी मांगी पूर्व आवंटिती को देय मुआवजे का मूल्यांकन निर्धारित प्रारूप में करने के लिए पूर्व आवंटिती अर्थात् एमएनएच शक्ति लिमिटेड द्वारा 29 फरवरी, 2016 को ई-मेल द्वारा सूचना प्रस्तुत की गई थी।

नामांकित प्राधिकारी ने मुआवजे की राशि को भूवैज्ञानिक रिपोर्ट की लागत और लागत सहमति राशि के रूप में रु। 15,88,94,332/- और खदान अवसंरचना की लागत रु. फरवरी, 2017 में तालाबीरा-द्वितीय एवं तृतीय कोयला खदान के लिए 2,66,56,000/- रुपये।

कंपनी रुपये के भुगतान के लिए मुआवजा पाने की हकदार है। राज्य सरकार को 26.58 करोड़ रुपये। गैर वन सरकार की ओर भूमि। कंपनी को अभी तक नामित प्राधिकारी से राशि नहीं मिली है। राशि पूर्व आवंटिती को यथासमय वितरित कर दी जाएगी।

3.1 एमएनएच शक्ति लिमिटेड

15 नवंबर, 2017 को संबलपुर में आयोजित एमएनएच शक्ति लिमिटेड की 42वीं बोर्ड बैठक ने एमएनएच शक्ति लिमिटेड की पूंजी को 85.10 करोड़ से घटाकर 35.10 करोड़ रुपये करने के प्रस्ताव को 5,00,00,000 (पांच करोड़) को रद्द करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रुपये के पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयरों की। 10 प्रत्येक (केवल दस रुपये) ("इक्विटी शेयर") (कंपनी की चुकता शेयर पूंजी में इक्विटी शेयरों की कुल संख्या का 58.75% का प्रतिनिधित्व करता है) कुल रु। केवल 50,000,000 (पचास करोड़ रुपये), एक विशेष संकल्प और संयुक्त उद्यम भागीदारों की सहमति के माध्यम से आम बैठक में शेयरधारक की मंजूरी के अधीन। एनसीएलटी द्वारा अंतिम आदेश पारित करने के बाद, नवंबर, 2021 के महीने में 50 करोड़ रुपये को उनके मौजूदा शेयर होल्डिंग अनुपात के साथ जेवी पार्टनर के बीच वितरित किया गया था।

3.3 महानदी बेसिन पावर लिमिटेड।

एक अन्य कंपनी "महानदी बेसिन पावर लिमिटेड" को 2 दिसंबर, 2011 को शामिल किया गया था और 06-02-2012 को आरओसी द्वारा जारी व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रमाण पत्र जारी किया गया था। एमबीपीएल का गठन एसपीवी के रूप में किया गया है, जिसमें महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और उसके नामांकित व्यक्तियों के पास

100% हिस्सेदारी है, जिसमें बसुंधरा कोलफील्ड्स में पिट हेड पावर प्लांट के माध्यम से 2X800 मेगावाट की बिजली उत्पादन क्षमता है।

3.4 महानदी कोल रेलवे लिमिटेड

ओडिशा राज्य में रेल कॉरिडोर विकसित करने के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) बनाने के लिए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल), इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन) और ओडिशा इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (आईडीसीओ) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस प्रकार, 31 अगस्त, 2015 को निगमित 64:26:10 के इक्विटी भागीदारी अनुपात के साथ महानदी कोल रेलवे लिमिटेड (एमसीआरएल) के नाम पर एक अलग कंपनी बनाने की कल्पना की गई थी। ऐसा उद्यम प्रशासनिक मांग करके तालमेल बनाता है। कोयला खानों के सामने आने वाली रसद चुनौतियों का सामना करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार से समर्थन, रेलवे से तकनीकी सहायता और एमसीएल से वाणिज्यिक सहायता। रेल बुनियादी ढांचे में निवेश करके और रेल कॉरिडोर से यातायात से उत्पन्न राजस्व को साझा करके एक सहभागी व्यवसाय मॉडल के माध्यम से उद्यम में बने रहने के लिए इसकी अवधारणा की गई है। एमसीआरएल संपत्तियों की रियायत, संचालन और रखरखाव के लिए रेल मंत्रालय के साथ अलग समझौते करेगा।

एमसीआरएल की परियोजना का संक्षिप्त विवरण।

11.09.2015 को आयोजित अपनी पहली बोर्ड बैठक के दौरान एमसीआरएल द्वारा अंगुल-बलराम-पुतागड़िया-जरापड़ा और एक पैर से तेंतुलोई (68 किमी) खंड को अपनी पहली परियोजना के रूप में पहचाना गया है। इस परियोजना में मुख्य रूप से 3 पैर हैं, (1) अंगुल-बलराम, (2) बलराम-पुतागड़िया और (3) जरापड़ा-पुतागड़िया-तेंतुलोई। कॉरिडोर के अंगुल-बलराम लेग के लिए भूमि पहले ही एमसीएल द्वारा अधिग्रहित कर ली गई है। बलराम-पुतागरिया और जरापड़ा-पुतागड़िया-तेंतुलोई पैरों के लिए रेलवे अधिनियम, 1989 के तहत भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है क्योंकि पूरी परियोजना को विशेष रेलवे परियोजना के रूप में घोषित किया गया है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर)

रेलवे बोर्ड द्वारा 27.10.2017 को अंगुल-बलराम-पुतागड़िया-जरापड़ा की डीपीआर और तेंतुलोई (लगभग 68 किमी) तक एक पैर की डीपीआर सैद्धांतिक रूप से अनुमोदित कर दी गई है। पूर्व तट रेलवे द्वारा डीपीआर की अंतिम स्वीकृति 31.01.2018 को प्रदान की गई है। कॉम, ईस्ट कोस्ट रेलवे ने 29.01.2018 को रेलवे बोर्ड को 60% के बड़े हुए माइलेज के अनुमोदन और रेलवे परियोजना के रूप में स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा। 60% के बड़े हुए माइलेज और विशेष रेलवे परियोजना के लिए रेलवे से अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है। परियोजना की कुल लागत रु. मुद्रास्फीति, परियोजना प्रबंधन और निर्माण के दौरान ब्याज सहित 1,700 करोड़।

अंगुल-बलराम खंड का निर्माण

बीओडी की छठी बैठक के दौरान, यह निर्णय लिया गया कि अंगुल-बलराम सेक्शन के बीच का काम वित्तीय बंद होने के बावजूद किया जाएगा। परियोजना के इस हिस्से के लिए आवश्यक धनराशि की व्यवस्था एमसीएल द्वारा ऋण के रूप में की जाएगी। तदनुसार, मैसर्स इरकॉन ने 16.11.2018 को मैसर्स लक्ष्मी एंटरप्राइजेज, झारखंड को अंगुल-बलराम खंड के लिए 64.69 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत और 09 महीने की पूर्णता अवधि के साथ काम सौंपा है।

एमसीआरएल ने एमसीएल से उपरोक्त खंड के निर्माण के लिए 145 करोड़ रुपये की निधि की व्यवस्था करने का अनुरोध किया और अधिकृत और प्रदत्त शेयर पूंजी को 100,00,00,000 रुपये (एक सौ करोड़ रुपये) तक बढ़ाने के लिए भी सहमति व्यक्त की। रुपये के 10,000,000,000 (दस करोड़) इक्विटी शेयरों में। 10 प्रत्येक।

अंगुल-बलराम खंड में निर्माण कार्य जोरों पर है जो स्थानीय ग्रामीणों के प्रतिरोध के कारण प्रभावित हुआ है। जिला प्रशासन की मदद से काम चल रहा है और करीब 85 फीसदी काम पूरा हो चुका है।

भूमि

आईडीसीओ ने मैसर्स ब्राह्मणी रेलवे लिमिटेड (बीआरएल) के लिए रेलवे, सड़क और पानी की पाइपलाइन को समायोजित करने के लिए व्यापक गलियारे के लिए भूमि अधिग्रहण शुरू किया था। सरकार ओडिशा ने मैसर्स ब्राह्मणी रेलवे लिमिटेड / आईडीसीओ की भूमि आवश्यकता के लिए एलए अधिनियम, 1894 के तहत मई, 2015 को 6(1) अधिसूचना प्रकाशित की है।

कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा दिनांक 21.03.2016 को हुई अपनी बैठक में केवल रेल लाइन को समायोजित करने के लिए भूमि की चौड़ाई को कम करने और रखरखाव/पहुंच मार्ग के लिए आवश्यक अतिरिक्त भूमि का निर्णय लिया गया है। तदनुसार, नया सर्वेक्षण शुरू किया गया है और संशोधित भूमि अनुसूची तैयार की गई है।

एमसीआरएल कॉरिडोर का संपूर्ण संरेखण रणनीतिक रूप से मैसर्स ब्राह्मणी रेलवे लिमिटेड/आईडीसीओ की अधिसूचित भूमि सीमा के भीतर रखा गया है। अब चूंकि पूरी परियोजना को रेलवे विशेष परियोजना के रूप में भारत के राजपत्र अधिसूचना संख्या 4171 दिनांक 23 अक्टूबर, 2018 के तहत घोषित किया गया है, भूमि अधिग्रहण रेलवे अधिनियम (आरएए-2008) के तहत किया जा रहा है।

सक्षम प्राधिकारी को भारत के राजपत्र अधिसूचना संख्या 0709 दिनांक 14 फरवरी, 2020 के माध्यम से धारा 7 (ए) के तहत नामित किया गया है। पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर के माध्यम से 09.06.2022 को 20ए राजपत्र अधिसूचना जारी की गई है।

बाहरी गलियारे के लिए सर्वेक्षण

11.09.2015 को एमसीआरएल की पहली बीओडी बैठक में, एक अन्य कॉरिडोर जिसे 'आउटर कॉरिडोर' नाम दिया गया है, यानी तिरिबिरा, चंद्रबीला, सखीगोपाल के माध्यम से तेंतुलोई-बुधापंक लगभग 98 किलोमीटर की दूरी पर कंपनी द्वारा पहचान की गई है। इस कॉरिडोर का प्रारंभिक कार्य अंगुल-बलराम-पुतगडिया-तेंतुलोई-जरापड़ा रेल कॉरिडोर के शुरू होने और परियोजना की व्यवहार्यता को देखते हुए शुरू होने की उम्मीद है।

दिनांक 30.09.21 को मुख्य सचिव/सरकार की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान ओडिशा के, बाहरी कॉरिडोर के निर्माण के कार्य को एमसीआरएल से राज्य के नेतृत्व वाले जेवी ओआरआईडीएल को उतारने का निर्णय लिया गया।

वित्तीय बंद

वित्तीय अध्ययन के अनुसार अंगुल-बलराम-पुतगडिया-तेंतुलोई-जरापड़ा रेल कॉरिडोर के विकास पर कुल व्यय लगभग रु. 1,700 करोड़। प्रमोटर से इक्विटी के रूप में 30% लेने के बाद, वित्तीय संस्थानों से ऋण के रूप में लगभग 1,190 करोड़ रुपये की आवश्यकता थी। एमसीआरएल के इनर कॉरिडोर के वित्तीय समापन यानी 1,190 करोड़ रुपये के सावधि ऋण की व्यवस्था के लिए 26.11.2019 को निविदा जारी की गई है। वित्तीय समापन की गतिविधियां प्रक्रिया में हैं।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में एमसीएल की मुख्य विशेषताएं / उपलब्धियां:

- ❖ पिछले वर्ष से 20.16 मीट्रिक टन (14%) की वृद्धि दर्ज करते हुए, 168.17 मीट्रिक टन का अब तक का उच्चतम कोयला उत्पादन।
- ❖ पिछले वर्ष से 30.16 मीट्रिक टन (21%) की वृद्धि दर्ज करते हुए, 176.16 मीट्रिक टन का अब तक का उच्चतम कोयला ऑफटेक करना।
- ❖ पिछले वर्ष से 32.38 मीट्रिक टन (19%) की वृद्धि दर्ज करते हुए, 206.88 एम.क्यू.मी. का अब तक का उच्चतम ओबी निष्कासन।
- ❖ पिछले वर्ष की तुलना में 1,387 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए, 3,805 करोड़ का अब तक का उच्चतम पूंजीगत व्यय।
- ❖ सरफेस माइनर्स (96%) के माध्यम से लगभग 161.35 मीट्रिक टन का अब तक का सबसे अधिक पर्यावरण के अनुकूल कोयला उत्पादन।
- ❖ वित्त वर्ष 2020-21 में विद्युत क्षेत्र को कोयला प्रेषण 98.2 मीट्रिक टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 127.61 मीट्रिक टन हो गया है, जिसमें 30% की वृद्धि हुई है।
- ❖ रेल और एमजीआर के माध्यम से उच्चतम पर्यावरण अनुकूल प्रेषण अर्थात् 128.73 मीट्रिक टन (73%) 20% की वृद्धि के साथ।
- ❖ 28 अक्टूबर, 2021 को एक दिन में 6.05 लाख टी कोयले का अब तक का सबसे अधिक प्रेषण।
- ❖ 28 अक्टूबर, 2021 को एक दिन में 110 रैक में अब तक की सबसे अधिक लोडिंग।
- ❖ 12 दिसंबर, 2021 को तालचर कोलफील्ड्स से 66 रैक की अब तक की सबसे अधिक लोडिंग।
- ❖ 181 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले सीएसआर गतिविधियों पर 187 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिसमें से 134 करोड़ रुपये कोविड-19 महामारी में खर्च किए गए।
- ❖ झारसुगुडा-सरडेगा रेल लाइन के दोहरीकरण की प्रमुख रेल परियोजना, झारसुगुडा रेलवे स्टेशन पर डबल लेग फ्लाई ओवर का निर्माण और 70 एमटीपीए क्षमता के 7 साइलो/आरएलएस रखने के लिए 7 संकेंद्रित लाइनों से बरपाली बल्ब का निर्माण स्वीकृत किया गया। कुल 51 किलोमीटर में से लगभग 10 किलोमीटर के लिए दोहरीकरण का काम पूरा कर लिया गया है और जून, 23 तक पूरा होने की उम्मीद है जिसमें कुल 3,200 करोड़ की अनुमानित व्यय होगी। बरपाली बल्ब लेआउट के लिए भूमि अधिग्रहण शुरू हो गया है और पूरा होने की समय सीमा दिसंबर 24 है, और डबल लेग फ्लाईओवर के लिए समय सीमा अक्टूबर '25 है।
- ❖ पर्यावरण के अनुकूल ओबी हटाने के लिए सीआईएल द्वारा पहली बार हिंगुला और कनिहा ओसीपी में वर्टिकल रिपर द्वारा ब्लास्ट फ्री ओबीआर शुरू किया गया।
- ❖ वर्ष के दौरान 50 एमटीपीए क्षमता की सियारमल एमडीओ परियोजना की शुरुआत की गई। अनुमानित कोयला उत्पादन 1,091 मीट्रिक टन है और ओबी हटाने का अनुमानित कार्य 25 वर्षों की अवधि में 36,819.06 करोड़ रुपये के मूल्य के साथ 1,285 मिलियन घन मीटर है।
- ❖ 25 एमटीपीए क्षमता की सुभद्रा एमडीओ परियोजना, एलओआई ने 524 मीट्रिक टन का कोयला उत्पादन किया और 25 वर्षों की अवधि में 586.41 एमएम ओबी हटाने का मूल्य 30,730.5 करोड़ है।
- ❖ हिंगुला क्षेत्र में बलराम रेलवे साइडिंग (साइडिंग नंबर X) का उद्घाटन 9 अप्रैल, 2022 को सुश्री विस्मिता तेज, संयुक्त सचिव, एमओसी, भारत सरकार द्वारा किया गया। रेलवे साइडिंग ओडिशा में तलचर कोलफील्ड्स से उपभोक्ताओं को कोयले के प्रेषण को बढ़ाने में मदद करेगी।

- ❖ महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने तालचर कोलफील्ड्स और तालचर टाउन के एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) और सीसीटीवी निगरानी प्रणाली के लिए तालचर नगर पालिका, अंगुल के साथ एक (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। 7.88 करोड़ रुपये के अनुमानित मूल्य के साथ, एमसीएल द्वारा वित्त पोषित परियोजना से शहर सहित तालचर कोलफील्ड्स में बेहतर निगरानी और बेहतर यातायात प्रबंधन वाले लोगों को लाभ होगा।
- ❖ कंपनी ने रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (आरपीएएस) में शुरू किया है, जिसे आमतौर पर निगरानी और खान निरीक्षण के लिए 'ड्रोन' के रूप में जाना जाता है, जिसे लिंगराज और भुवनेश्वरी क्षेत्र में 'विहंगम' कहा जाता है, जो इंटरनेट प्लेटफॉर्म के साथ दुनिया के वास्तविक समय में किसी भी खदान के दूरस्थ दृश्य पहुंचता है। ।
- ❖ इस वित्तीय वर्ष में 11 बीएलएस एम्बुलेंस की खरीद की गई और 04 एएलएस एम्बुलेंस को स्वास्थ्य सेवा आपातकालीन सेवाओं में सुधार के लिए किराए पर लिया गया।
- ❖ पर्यावरण के अनुकूल कोयले की निकासी के लिए 3, 922 करोड़ रुपये के अनुमानित व्यय के साथ 161 मिलियन टन क्षमता की एफएमसी परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं।

4. उत्पादन कार्यनिष्पादन

(क) पिछले वर्ष के लक्ष्य और उपलब्धि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए एमसीएल का उत्पादन कार्यनिष्पादन नीचे दिया गया है:

उत्पादन	2021-22		2020-21		लक्ष्य की तुलना में % उपलब्धि
i) कोयला (मि.टन)	एमओयू/एएपी लक्ष्य	वास्तविक	एमओयू/एएपी लक्ष्य	वास्तविक	
ओपेनकास्ट	162.500	167.667	159.140	147.478	103.2
भूमिगत	0.500	0.500	0.860	0.535	100.1
कुल(ओसी+यूजी)	163.000	168.168	160.000	148.013	103.2
ii) ओबीआर (लाख क्यूबिक मीटर)					
	200.000	206.173	203.000	173.150	103.1

सरफेस माइनर (विभागीय+संविदात्मक) द्वारा कोयला उत्पादन (आंकड़े मि. टन में)				
वित्त वर्ष	उपलब्धि विभागीय एवं संविदा. एसएमएस	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि		कुल उत्पादन के मुकाबले एसएम द्वारा उत्पादन %
		पूर्ण	प्रतिशत	
2017-18	130.892	3.083	2.4	91.5
2018-19	133.804	2.912	2.2	92.8
2019-20	129.096	-4.707	-3.5	92.0
2020-21	139.138	10.041	7.8	94.0
2021-22	161.355	22.217	16.0	95.9

कोयला उत्पादन (आंकड़े मि.टन में)					
वित्त वर्ष	एएपी लक्ष्य	वास्तविक	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि		% प्राप्ति
			पूर्ण	प्रतिशत	
2017-18	150.000	143.058	3.85	2.8	95.4
2018-19	151.500	144.151	1.09	0.8	95.1
2019-20	160.000	140.358	-3.79	-2.6	87.7
2020-21	160.000	148.013	7.66	5.5	92.5
2021-22	163.000	168.168	20.15	13.6	103.2

ओबी निष्कासन (आंकड़े मि.घन मीटर में)					
वित्त वर्ष	एएपी लक्ष्य	वास्तविक	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि		% प्राप्ति
			पूर्ण	प्रतिशत	
2017-18	160.000	138.179	14.84	12.0	86.4
2018-19	157.000	130.002	-8.18	-5.9	82.8
2019-20	160.000	124.514	-5.49	-4.2	77.8
2020-21	203.000	173.150	48.64	39.1	85.3
2021-22	200.000	206.173	33.02	19.1	103.1

5. उत्पादकता

5.1 आपकी कंपनी ने उत्पाद प्रति मैनशिफ्ट (ओएमएस) के संदर्भ में उत्पादकता भी प्राप्त की है जो निम्नवत है:

(आंकड़े टन/मैनशिफ्ट)					
	2021-22		2020-21	लक्ष्य की तुलना में % उपलब्धि	% गत वर्ष से वृद्धि
	एएपी लक्ष्य (बजटीय)	वास्तविक	वास्तविक		
खुली खदान	37.70	39.41	32.30	104.54	22.01
भूमिगत	0.54	0.57	0.60	105.37	-5.17
सर्वसंकुल	30.77	32.76	27.15	106.47	20.66

5.2 2021-22 के दौरान ओएमएस 32.76 टन/मैनशिफ्ट था।

क्र.		2021-22	2020-21	गत वर्ष से वृद्धि
1	ओसी ओएमएस	39.41	32.3	22.01
2	यूजी ओएमएस	0.57	0.6	(5.17)
3	ओसी के लिए समायोजित एम/एस (लाख)	42.54	45.66	(6.84)
4	यूजी का मैनशिफ्ट (लाख)	8.79	8.86	(0.76)
A	सर्वसंकुल ओएमएस का कुल मैनशिफ्ट	51.33	54.522	(5.85)
6	ओसी कोल(लाख टन)	1676.672	1474.777	13.69
7	यूजी कोल (लाख टन)	5.005	5.348	(6.41)
B	कुल कोयला (लाख टन)	1681.677	1480.125	13.62
8	सर्वसंकुल ओएमएस (बी/ए)	32.76	27.15	20.67
9	फॉर्मूला ओएमएस			
	यूजी =	कोयला उत्पादन / वास्तविक मैनशिफ्ट		
	ओसी =	कोयला उत्पादन + (1.4 x ओबी उत्पादन)		
		वास्तविक मैनशिफ्ट x (1+(1.4xएसटी अनुपात))		
	कुल =	यूजी में कोयला उत्पादन + ओसी में कोयला उत्पादन		
		यूजी में मैनशिफ्ट + ओसी का समायोजित मैनशिफ्ट		
10	समायोजित मैनशिफ्ट(ओसी के लिए खनन वार) =	कोयला उत्पादन/ ओएमएस		
	सर्वसंकुल ओएमएस की गणना =	$\frac{1676.672+5.00}{5}$	$\frac{1474.777+5.34}{8}$	
		42.54+8.79	45.66+8.86	
		<u>1681.677</u>	<u>1480.125</u>	
		51.33	54.522	
		32.76	27.15	

6. एचईएमएम की संख्या और कार्यनिष्पादन

6.1सीएमपीडीआईएल द्वारा निर्धारित लक्ष्य को दर्शाते हुए फ्लीट की ताकत के साथ एचईएमएम की उपलब्धता और उपयोग का विवरण तथा उपलब्धि नीचे दी जा रही है:

क. एचईएमएम की संख्या और कार्यनिष्पादन

I. एचईएमएम की संख्या और उपलब्धता तथा उपयोग (आंकड़े पूर्णांक में):

क्र.		के अनुसार संख्या		% उपलब्धता			% उपयोगिता		
		31.03.22	31.03.21	अप्रैल'21 से मार्च'22	अप्रैल'20 से मार्च'21	सीएमपीडीआईएल मानदंड	अप्रैल'21 से मार्च'22	अप्रैल'20 से मार्च'21	सीएमपीडीआईएल मानदंड
1	ड्रैगलाइन	00	01	81	15	85	0	01	73
2	शौवेल	79	62	81	78	80	27	32	58
3	सरफेस/माइनर	21	22	81	85	--	44	47	--
4	डंपर	310	226	77	79	67	22	24	50
5	डोजर	140	132	77	76	70	20	23	45
6	ड्रिल	63	65	84	84	78	16	17	40
कुल		613	508						

नोट: 31 मार्च 2022 तक एमसीएल के रोल पर कोई ड्रैगलाइन नहीं है।

II. एचईएमएम के लिए कार्य का समय निर्धारित है:

क्र.	उपकरण	कार्य समय	
		2021-22	2020-21
1	ड्रैगलाइन	14	28
2	शौवेल	144555	153132
3	सरफेस/माइनर	74670	68515
4	डंपर	383423	420796
5	डोजर	187432	193539
6	ड्रिल	47408	49216

III.

क) वर्ष 2021-22 के दौरान शोवेल, डंपर, डोजर और ड्रिल की प्राप्त उपलब्धता सीएमपीडीआई मानदंडों से अधिक है। पिछले वर्ष की तुलना में शोवेल एवं डोजर की उपलब्धता अधिक है। सरफेस माइनर की एजींग के कारण सरफेस माइनर की उपलब्धता पिछले वर्ष की तुलना में कम हो गई है।

ख) पिछले वर्ष की तुलना में सरफेस माइनर के समग्र कार्यों में वृद्धि हुई है। वर्ष के दौरान एचईएमएम के उपयोग का प्रतिशत पिछले वर्ष की तुलना में कम हुआ है। राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार चरम गर्मी के मौसम में सुबह 11.00 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक कार्य

अवधि की पाबंदी ने एचईएमएम के उपयोग को प्रभावित किया और इसका प्रभाव लगभग 2% है।

● **उपयोग को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारण:**

1. प्रमुख एचईएमएम के ऑपरेटर की कमी:-
ऑपरेटरों की कमी ने सरफेस माइनर, शॉवेल और डम्पर जैसे प्रमुख उत्पादन उपकरणों के उपयोग को प्रभावित किया है।
2. भूमि की कमी:
 - समलेश्वरी ओसीपी और भरतपुर ओसीपी के कार्य क्षेत्र में अवरोधों की कमी और बेलपहाड़, बलराम, हिंगुला और अनंत ओसीपी में आस-पास के निकटतम गांवों होने के की वृद्धि से ब्लास्टिंग ने एचईएमएम के उपयोग को प्रभावित किया है।
 - लिंगराज ओसीपी में भीड़भाड़ और संकीर्ण कार्यक्षेत्र ने एचईएमएम के संचालन को प्रभावित किया है
 - बलराम ओसीपी विभागीय पैच संकरा और भीड़भाड़ वाला है। इसने आगे की होने वाली प्रगति को प्रतिबंधित करते हुए, इसी सीमा रेखा को भी छुआ है।
 - अनंत ओसीपी में, उपकरणों का इष्टतम उपयोग प्राप्त नहीं किया जा सका क्योंकि हिलोई गांव स्थानांतरण की प्रक्रिया में है।
3. जनवरी, 2022 के दौरान विस्तारित वर्षा ऋतु और गैर-मौसमी वर्षा।
4. मेसर्स एचईसी के खराब प्रदर्शन ने 10.0 सीयूएम शॉवेल की आपूर्ति।

IV) उपयोग में सुधार के लिए की गई कार्रवाई:

1. ऑपरेटरों के लिए विभागीय उम्मीदवारों की आंतरिक भर्ती की गई है और 70 ऑपरेटरों का चयन किया गया है। ऑपरेटरों के चयन/भर्ती के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।
2. प्रत्येक परियोजना की निगरानी दैनिक आधार पर की जा रही है।
3. उन सभी उपकरणों जिन्होंने उनके रेटेड जीवन को कवर किया है को सर्वे ऑफ किया गया है।
4. पीआर प्रावधान के अनुसार प्रतिस्थापन और अतिरिक्त एचईएमएम की खरीद।
5. भरतपुर ओसीपी की 20/90 ड्रैगलाइन को जर्मीदोज कर दिया गया है।
6. परियोजनाओं को सहायक उपकरण के रूप में पर्याप्त संख्या में सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्तमान में कुछ उपकरण खरीद के अंतिम चरण में हैं।
7. ऑपरेटरों के प्रशिक्षण के लिए दो सिमुलेटर मंगवाए गए हैं।
8. भूमि अधिग्रहण के लिए गांवों का स्थानांतरण एमसीएल द्वारा किया जा रहा है।

V. एचईएमएम के ब्रेकडाउन की स्थिति

उपकरण	संख्या		ब्रेकडाउन > 3 माह	
	31.03.22 के अनुसार	31.03.21 के अनुसार	31.03.22 के अनुसार	31.03.21 के अनुसार
ड्रैगलाइन	00	01	00	00
शोवेल	79	62	04	02
सरफेस माइनर	21	22	00	00
डंपर	310	226	19	24
डोजर	140	132	15	13
ड्रिल	63	65	08	12
एमसीएल कुल	613	508	46	51

- महीने से अधिक ब्रेकडाउन में हुई कमी: 9.8%

B. क्षमता उपयोगिता (खुली खदान परियोजनाएं)

क्र.सं.	विवरण	2021-22	2020-21	गत वर्ष से वृद्धि
1	विभागीय क्षमता (मि. क्यूब मी) (1 अप्रैल के आधार पर)	89.97	89.37	0.67%
2	प्रणाली क्षमता (मि. क्यूब मी) (1 अप्रैल के आधार पर)	354.08	322.79	9.69%
3	विभागीय उत्पादन (संयुक्त मि. क्यूब मी)	42.908	44.426	-3.42%
4	कुल उत्पादन (संयुक्त मि. क्यूब मी)	307.524	263.02	16.92%
5	विभागीय क्षमता उपयोगिता (रीहेंडलिंग सहित)	47.69%	49.70%	-4.04%
6	प्रणाली क्षमता उपयोगिता	86.85%	81.48%	6.59%

8. ऊर्जा

- तालचेर कोलफील्ड्स : 36.0 एमवीए की अनुबंध मांग के साथ टाटा पावर सेंट्रल ओडिशा डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीसीओडीएल), के कमांड क्षेत्र, पूर्व में सीईएसयू ओपीटीसीएल अंगुल सब-स्टेशन से 11

किलोमीटर लम्बे 132 केवी डबल सर्किट ओवर-हेड ट्रांसमिशन लाइन के माध्यम से नंदिरा कोलियरी 100 एमवीए (2X40 एमवीए + 1X20 एमवीए), 132/33 केवी, ग्रिड सब-स्टेशन को बिजली प्राप्त हो रही है।

- ii) ईब-वैली कोलफील्ड्स : 22.25 एमवीए की अनुबंध की मांग के साथ टाटा पावर वेस्टर्न ओडिशा डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडब्ल्यूओडीएल), पूर्व में वेस्को के कमांड क्षेत्र के ओपीटीसीएल बुधिपाड़ा सबस्टेशन से 19 कि.मी. लंबा 132 केवी डबल सर्किट ओवर हेड ट्रांसमिशन लाइन के माध्यम से जोराबगा, 40 एमवीए (2 X 20 एमवीए), 132/33 केवी, ग्रिड सबस्टेशन को बिजली प्राप्त हो रही है।
- iii) बसुंधरा कोलफील्ड्स : 6 एमवीए की अनुबंध की मांग के साथ 220 केवी पर टाटा पावर वेस्टर्न ओडिशा डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडब्ल्यूओडीएल), पूर्व में वेस्को के कमांड क्षेत्र के ओपीटीसीएल बूढीपदर सबस्टेशन से 10 कि.मी. लंबा 220 केवी ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन 40 एमवीए (2x20एमवीए), 220/33 केवी, सबस्टेशन को बिजली प्राप्त हो रही है।

8.4 ऊर्जा की उपलब्धता और उपयोग

पैरामीटर	2021-22	2020-21
अनुबंध मांग (एमवीए)	67.775	62.793
अधिकतम मांग (एमवीए) (वित्तीय वर्ष के दौरान महीने में उच्चतम)	64.616	64.797
ऊर्जा की खपत (मिलियन किलावाट)	340.05	350.85
कुल राशि (करोड़ रु.)	224.12	213.95
यूनिट मूल्य (रु./किलावाट)	6.59	6.10
विशिष्ट ऊर्जा खपत (किलोवाट/टन)	2.02	2.37
बिजली की विशिष्ट खपत समग्र उत्पादन के लिए (कोयला + ओबी रिमूवल).किलोवाट/क्यूबिक मीटर	1.10	1.33
छूट की तारीख से पहले यानी हर महीने के 4 वें या 5 वें दिन के पहले बिजली के भुगतान पर लाख रु की छूट।	211.08	201.86

9. एमसीएल के प्रमुख भूमिगत उपकरणों की संख्या :

पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष के दौरान प्रमुख भूमिगत उपकरणों की संख्या और उनकी उपलब्धता यहाँ दी गई है :

क्र.	उपकरण का नाम	सूची में संख्या		2021-22		2020-21	
		2021-22	2020-21	% उपलब्धता	% उपयोगिता	% उपलब्धता	% उपयोगिता
1	एसडीएल *	8	8	84.40	18.84	87.00	21.65
2	एलएचडी *	18	20	71.47	26.58	82.18	33.82

भूमिगत उत्पादन	2021-22	2020-21
वास्तविक (मि.टन.)	0.50	0.53
लक्ष्य (मि.टन.)	0.50	0.86

एसडीएल और एलएचडी के लिए सूत्र सीआईएल मानदंड के अनुसार है

$$* \% \text{ उपलब्धता} = \frac{H_w + H_i}{H_s} \times 100$$

जहाँ,

$H_w = \text{वास्तविक कार्य घंटे / वर्ष}$
 $H_i = \text{निष्क्रिय घंटे / वर्ष}$
 $H_s = \text{शिफ्ट घंटे / वर्ष}$

$$* \% \text{ उपयोगिता} = \frac{H_w}{H_s} \times 100$$

जहाँ,

$H_w = \text{वास्तविक कार्य घंटे / वर्ष}$
 $H_s = \text{शिफ्ट घंटे / वर्ष}$

9.1 कोल हैंडलिंग संयंत्रों, वेबब्रिज की संख्या और उनकी कार्यप्रणाली

2020-21 के दौरान सीएचपी और फीडर ब्रेकरों से 7.37 मिलियन टन कोयले की तुलना में 2021-22 के दौरान 7.37 मिलियन टन कोयले को क्रश किया गया।

वर्ष	2021-22		2020-21	
	कटाव क्षमता (एमटीवाई)	क्रश किए गए कोयले (एमटी)	कटाव क्षमता (एमटीवाई)	क्रश किए गए कोयले (एमटी)
क्षमता बनाम कोयला कुचला गया	10.50	6.24	10.50	7.37
% संयंत्र की कटाई क्षमता का उपयोग	59.43		70.19	

एमसीएल के अधिकांश ओसीपी में सरफेस माइनर की शुरुआत के बाद, क्रशर / सीएचपी का उपयोग काफी हद तक कम हो गया और इस प्रकार इसे अतिरिक्त के रूप में उपयोग किया जाता है और जहां भी कोयला उत्पादन न्यून गुणवत्ता का पारंपरिक रूप से किया जाता है, उस मात्रा को केवल क्रश कर दिया जा रहा है। 2021-22 के दौरान कुल कोयला उत्पादन का 96.00% सरफेस माइनर द्वारा किया गया। पे लोडर लोडिंग न करने के लिए सड़क द्वारा बिक्री वाले ट्रकों में ट्रक लोडिंग सिस्टम की शुरुआत तथा सीएचपी के नवीकरण के लिए कार्रवाई की जा रही है और स्टॉकपाइल पर मोबाइल क्रशर परिनियोजित की जा रही है।

- मेसर्स शेरावाली इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को जारी एलओए 158 दिनांक 23.12.2021 के तहत 'भरतपुर ओसीपी के भंडार में 3.0 एमटीई कोयले की मात्रा को (-) 100 मिमी आकार में कोयले को क्रश करने के लिए मोबाइल क्रशर को किराए पर लिया गया है।
- मेसर्स शेरावाली इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को जारी एलओए 159 दिनांक 23.12.2021 के तहत 'हिंगुला ओसीपी के भंडार में 3.22 एमटीई कोयले की मात्रा को (-) 100 मिमी आकार में कोयले को क्रश करने के लिए मोबाइल क्रशर किराए पर लिया गया है।

9.2 सीएचपी के कार्यात्मक बिंदु इस प्रकार हैं:-

क्षेत्र	सीएचपी का स्थान	क्षमता (एमटीवाई)
जगन्नाथ	जगन्नाथ ओसीपी	3.0
	अनंता ओसीपी	1.0
भरतपुर	भरतपुर ओसीपी	3.5
	नया साइलॉ	15.0
लिंगराज	नया सीएचपी (साइलॉ I एवं II)	16.0
ईब वैली	लजकुरा ओसीपी	1.0
कुल		39.5

9.3 कोयला प्रेषण को सुव्यवस्थित करने के लिए एमसीएल की सभी प्रमुख ओपन कास्ट खानों में सीएचपी/एसआईएलओ का निर्माण कार्य निष्पादन/निविदा/योजना को अंतिम रूप देने के विभिन्न चरणों में है।

एमसीएल में पूर्ण/जारी सीएचपी/साइलो परियोजनाएँ

क्र.सं.	सीएचपी /साइलो विवरण	क्षमता	वर्तमान स्थिति
1	भरतपुर साइडिंग में साइलो के साथ कोल हैंडलिंग प्लांट	15 एमटीवाई	एमसीएल द्वारा संयंत्र के निर्माण कार्य को दिनांक 09.10.2018 पूरा किया गया गया। कार्य निष्पादन गारंटी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और संयंत्र दिसंबर 2018 से परिचालन में है।
2	लिंगराज ओसीपी में कोयला परिवहन और एसएलओ लोडिंग की व्यवस्था	16 एमटीवाई	प्लांट का ट्रायल रन 25.04.2020 को पूरा हो चुका है। संयंत्र चालू है और परिचालन में है।
3	भुवनेश्वरी ओसीपी से साइलो तक स्पर साइडिंग -III के पास जगन्नाथ वाशरी के पास कच्चे कोयले का परिवहन	10 एमटीवाई	इस परियोजना के जनवरी 2023 तक चालू होने की उम्मीद है।
4	हिंगुला ओसीपी से पाइप कन्वेयर द्वारा बलराम साइडिंग, हिंगुला क्षेत्र में परिवहन।	10 एमटीवाई	31.03.2023 तक संयंत्र के चालू होने की उम्मीद है।
5	ईब वैली वाशरी को कच्चे कोयले की आपूर्ति के लिए लखनपुर में साइलो के साथ कोल हैंडलिंग प्लांट और रैपिड लोडिंग सिस्टम।	10 एमटीवाई	कार्य की प्रगति 61.75% है और संयंत्र के 31.03.2023 तक चालू होने की उम्मीद है।

3.3 वेब्रिजों का विवरण

क्र.सं.	वेब्रिज का प्रकार	2021-22	2020-21
1	इलेक्ट्रॉनिक रोड वेब्रीज (स्टेटिक)	116	116
2	इलेक्ट्रॉनिक रोड वेब्रीज (इन-मोशन)	40	40
3	रेल वेब्रीज(इलेक्ट्रॉनिक)	36	35

दोनों सिरों (स्टॉक यार्ड और साइडिंग) पर 100% वजन सुनिश्चित करने के लिए, दो आपूर्ति आदेश दिए गए हैं, इनमें 100 टन का 34 इनमोशन रोड वेब्रिज खरीद कार्रवाई के तहत है, जिसमें से 13 की आपूर्ति पहले ही की जा चुकी है। वित्तीय वर्ष 21-22 में 140 टन के 13 'इनमोशन रोड वेब्रिजों के लिए आदेश दिया गया है, एसआईएलओ के 08 पूर्व-वजन प्रणालियों की संख्या को एफओआईएस के साथ एकीकृत किया गया है। इसके अलावा 21 रेल इनमोशन वेब्रिजों को एफओआईएस के साथ एकीकृत किया गया है।

10. पूंजीगत संरचना :

दिनांक 31.03.2022 को कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी ₹ 980.00 करोड़ है, जो 1,000/- के 77,58,200 इक्विटी शेयर्स में एवं प्रत्येक 1,000/- शेयर के 10% संचयी प्रतिदेय वरीयता शेयर 20,41,800 शेयर में विभाजित है।

पूंजीगत शेयर

दिनांक 31.03.2022 को कंपनी की पेड-अप इक्विटी शेयर पूंजी, ₹ 661,83,63,000 करोड़ है। संपूर्ण इक्विटी शेयर पूंजी, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और उसके नामितों द्वारा नियंत्रित होती है।

11. वित्तीय समीक्षा

कंपनी ने पिछले वर्ष के कुल ₹. 23,619.94 करोड़ के सकल कारोबार की तुलना में चालू वर्ष में सकल विक्रय मूल्य ₹. 30,557.39 करोड़ का कारोबार रिकॉर्ड किया है। गतवर्ष के ₹. 9316.79 करोड़ का कर पूर्व लाभ 2021-22 में ₹. 11,462.42 करोड़ हुआ है। पिछले वर्ष ₹. 6872.35 करोड़ के तुलना में इस वर्ष कर प्रश्नात लाभ ₹ 8,480.50 करोड़ है। वर्ष 2020-21 की तुलना में वर्ष 2021-22 के वित्तीय परिणाम निम्नानुसार है:

[₹. करोड़ में]

	2021-22	2020-21 (Restated)
कुल लाभ ब्याज और ह्रास से पूर्व	12247.41	9968.57
घटाव : ह्रास सामाजिक मद मूल्य ह्रास सहित	723.86	583.40
ब्याज एवं वित्तीय प्रभार	61.13	68.38
कर पूर्व निवल लाभ	11462.42	9316.79
घटाव : आयकर के लिए प्रावधान एवं आस्थगित का दायिता	2981.92	2444.44
कर प्रश्नात निवल लाभ	8480.50	6872.35
प्रतिधारित आय में उपलब्ध ओपी बेलेन्स	2312.12	1008.39

घटाव : सामान्य आरक्षित में अंतरित	424.03	343.62
घटाव : इक्विटी शेयरों पर अंतरिम लाभांश	5000.00	5225.00
घटाव : अंतिम लाभांश	800.00	-
उपरोक्त विनियोग के पश्चात लाभ/हानि	4568.59	2312.12
कर पूर्व अन्य व्यापक आय ओसीआई	(1.32)	(50.00)
घटाव: ओसीआई पर आयकर का प्रावधान	(0.33)	(12.58)
कर पश्चात अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	(0.99)	(37.42)
कर पश्चात कुल व्यापक आय	8,479.51	6834.93

11.1 रिजर्व स्थानांतरण

वर्ष के लिए रु. 424.03 करोड़ की राशि कर के बाद लाभ का 5% होने के नाते, जनरल रिजर्व में स्थानांतरित कर दिया गया है।

11.2 लाभांश

निदेशकों को अंतरिम लाभांश के रूप में ₹5,000.00 करोड़ के लाभांश की सिफारिश करते हुए प्रसन्नता हो रही है और बोर्ड द्वारा ₹1,025.00 करोड़ के अंतिम लाभांश की सिफारिश की गई है, जिसे ₹661.84 करोड़ की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी पर शेयरधारकों की वार्षिक सामान्य बैठक में अनुमोदन होने पर घोषित किए जाने का प्रस्ताव है। आपकी स्वीकृति के लिए वर्ष के लिए कुल लाभांश ₹6,025.00 करोड़ यानी चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 910.34% (पिछले वर्ष 910.34%) निकाला गया।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, एजीएम ने बोर्ड द्वारा अनुशंसित पिछले वर्ष 2020-21 के लिए ₹800 करोड़ का अंतिम लाभांश शेयरधारकों के लिए घोषित किया गया है और शेयरधारकों को इसका भुगतान किया गया है।

11.3 ऋण

असुरक्षित ऋण:

कंपनी ने एनएलसीआईएल को 7% मासिक ब्याज की दर से रु. 2000 करोड़ सामान्य व्यय के लिये दिया है जिसका मूल पुनर्भुगतान की 48 बराबर की किस्तें हैं। कंपनी ने पहले मासिक आधार पर देय 7% ब्याज की दर से सामान्य वित्त पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एनएलसीआईएल को ₹ 2,000 करोड़ का ऋण दिया था और मूलधन की चुकौती 48 मासिक समान किस्तों में है।

12. निवेश

12.1 एमसीएल की सहायक कंपनियां एमएनएच शक्ति लिमिटेड, एमजेएसजे कोल लिमिटेड, महानदी बेसिन पावर लिमिटेड और महानदी कोल रेलवे लिमिटेड (एमसीआरएल) के इक्विटी शेयर में गैर-वर्तमान निवेश क्रमशः रु 59.57 करोड़, रु. 57.06 करोड़, रु.0.05 करोड़ और रु.64 करोड़ हैं।

वर्ष के दौरान, कंपनी ने एमसीआरएल के इक्विटी शेयरों में ₹ 63.97 करोड़ की राशि चालू खाता से स्थानांतरित करके निवेश किया है और शेयर आवंटित किया गया है।

- 12.2 दिनांक 31.03.2022 को 7.22% सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय आईआरएफसी कर मुक्त बांड, 7.22% सुरक्षित प्रतिदेय आरईसी कर मुक्त बांड, क्रमशः ₹499.95 करोड़ और ₹150.00 करोड़ पर था।

13. पूंजीगत व्यय

गत वर्ष के ₹. 2,442.73 करोड़ (पुनर्वर्णित) खर्च की तुलना में इस वर्ष कुल पूंजीगत व्यय ₹ 3,793.80 रु करोड़ था।

14. उधार

दिनांक 31.03.2022 तक मेसर्स लिबेनर फ्रांस एसए, फ्रांस को क्रेडिट पर चार हाइड्रोलिक शोवेल की आपूर्ति के लिए ₹ 4.93 करोड़ की राशि बकाया है।

15. विक्रय प्राप्ति

2021-22 के दौरान एमसीएल के अन्य परिचालन राजस्व सहित सकल बिक्री ₹33,136.11 करोड़ थी, जो 2020-21 में ₹25,636.01 करोड़ थी। 2021-22 के दौरान कुल वसूली ₹33,611.83 करोड़ थी जो कुल शुरुआती देनदारों और चालू वर्ष की सकल बिक्री का 97.24% है।

16. राजकोष को भुगतान

आपकी कंपनी का केंद्र और राज्य के सरकारी कोष में बड़ा योगदान रहा है। पिछले वर्ष के दौरान किए गए भुगतानों की तुलना में इस वर्ष के दौरान रॉयल्टी, एनएमईटी, डीएमएफ, जीएसटी, जीएसटी क्षतिपूर्ति, आयकर, लाभांश वितरण कर, के लिए कंपनी द्वारा किए गए भुगतान निम्नानुसार है:

[₹ करोड़ में]

	2021-22	2020-21
रॉयल्टी	2,390.46	1,624.71
एनएमईटी	47.62	36.45
डीएमएफ	716.54	541.23
सेवा एवं वस्तु कर	582.44	461.32
जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर	6,924.34	5,748.60
आयकर	2,800.00	2,250.00
कुल	13,461.39	10,662.31

विज्ञापन एवं प्रचार पर व्यय -

चालू वर्ष के दौरान विज्ञापन एवं प्रचार पर व्यय ₹ 4.85 करोड़ रुपए है, जबकि गत वर्ष यह खर्च ₹ 2.63 करोड़ रुपए था।

ऋणग्रस्तता

भुगतान को छोड़कर बकाया/उपार्जित ब्याज सहित कंपनी की ऋणग्रस्तता निम्न है:-

विवरण	जमा को छोड़कर सुरक्षित ऋण	असुरक्षित ऋण	जमा	कुल ऋणग्रस्तता
वित्तवर्ष की शुरुआत में ऋण				
i) मूल राशि	-	5.67	-	5.67
ii) ब्याज देय मगर भुगतान नहीं किया गया	-	-	-	-
iii) अर्जित ब्याज मगर देय नहीं	-	-	-	-
कुल (i + ii + iii)	-	5.67	-	5.67
वित्तीय वर्ष के दौरान ऋण में परिवर्तन				
* अतिरिक्त	-	0.00	-	0.00
* कमी	-	0.74	-	0.74
शुद्ध परिवर्तन	-	(0.74)	-	(0.74)
वित्तीय वर्ष के अंत में ऋण				
i) मूल राशि	-	4.93	-	4.93
ii) ब्याज देय मगर भुगतान नहीं किया गया	-	-	-	-
iii) अर्जित ब्याज मगर देय नहीं	-	-	-	-
कुल (i + ii + iii)	-	4.93	-	4.93

अतिरिक्त सामग्री जानकारी-

1. सीआईएल बोर्ड ने अपनी 431वीं बैठक दिनांक 17.09.2021 में शीर्ष प्रभागों की दर को ₹ 10 से ₹ 20 प्रति टन उत्पादन के संशोधन के लिए अनुमोदित किया है। 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए उसी का प्रभाव ₹ 168.17 करोड़ है।

2. कंपनी ने राजस्व वसूलने के बजाय अधिग्रहीत भूमि की लागत के साथ पूंजीकरण करके रोजगार के बदले वार्षिकी के रूप में मुआवजे के संबंध में लेखांकन पद्धति को संशोधित किया है। तदनुसार, ₹12.62 करोड़ का पूंजीकरण किया गया और इस अवधि के दौरान परिशोधन ₹ 1.19 करोड़ है।

3. वर्ष के दौरान, कंपनी ने ₹17.37 करोड़ की पुरानी देनदारियों और प्रावधानों को बट्टे खाते में डाल दिया है, पुराने अग्रिमों और प्राप्य राशि ₹ 0.59 करोड़ को बट्टे खाते में डाल दिया है और वाशरीज पर किए गए प्रारंभिक व्यय के लिए ₹11.75 करोड़ को बट्टे खाते में डाल दिया है।

4.एमसीएल बोर्ड ने 19.11.2021 को आयोजित अपनी 241वीं बैठक में 3 यूजी परियोजनाओं को वापस लेने की मंजूरी दी है; तालचर (डब्ल्यू) यूजी, जगन्नाथ यूजी और नटराज यूजी। तदुसार विकास/अन्य खनन अवसंरचना शीर्ष में पड़ी शेष राशि के लिए ₹ 78.50 करोड़ का हानि प्रावधान सृजित किया गया है।

17. परियोजना निर्माण/पूंजीगत परियोजनाएं

17.1 योजना:

एमसीएल ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 176 मिलियन टन कोयला प्राप्त करने की योजना बनाई है। वर्ष 2022-23 के लिए अनुमानित पूंजीगत व्यय रु. 3800.00 करोड़ है, जिसका बड़ा हिस्सा भूमि अधिग्रहण, आधारभूत संरचनाओं के विकास (फ़र्स्ट माइल कनेक्टिविटी सहित) और हेवी अर्थ मूविंग मशीन (एचईएमएम) की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा।

17.2 परियोजना निर्माण:

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान एमसीएल/सीआईएल बोर्ड द्वारा चार परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई थी:

1. सुभद्रा ओसीपी (25.0 एमटीवाई)
2. बलभद्र ओसीपी – (10 एमटीवाई)

17.3 परियोजना कार्यान्वयन:

2020-21 के दौरान कंपनी का कुल पूंजीगत व्यय 3700.00 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 3815.01 करोड़ रुपये है।

17.4 कोयला परियोजनाएं: -

एमसीएल में अब तक कुल 52 (3 पूर्ण और समाप्त परियोजनाओं सहित) स्वीकृत कोयला खनन परियोजनाएं हैं। इन स्वीकृत परियोजनाओं की उत्पादन दर क्षमता 310.61 एमटीवाई थी, जिसमें स्वीकृत पूंजी लागत (आरसीई सहित) रु 34357.72 करोड़ थी। कुल 52 परियोजनाओं में से 39 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 13 परियोजनाएँ चालू परियोजनाएं हैं। 52 परियोजनाओं की पूंजी परिव्यय के साथ वर्तमान क्षमता निम्नानुसार है :

परियोजना वर्ग (करोड़ रु.)	स्वीकृत परियोजना की संख्या	स्वीकृत क्षमता (एमटीवाई)	स्वीकृत पूंजी (करोड़ रु.)	स्थिति		
				समाप्त	पूर्ण	कार्यरत (चालू)
100 और उससे अधिक	23	259.40	34765.03	01	09	13
50 से 100	09	16.00	427.58	00	09	00
20 से 50	13	28.10	225.93	01	12	00
20 से कम	07	7.28	64.52	01	06	00
कुल	52	310.61	35483.06	03	36	13

17.5 पूर्ण परियोजनाएं: - 39

क्र. सं.	परियोजना का नाम	परियोजना क्षमता (एमटीवाई)	स्वीकृत पूंजी (रु. करोड़)	पूर्ण करने की तय तिथि
तालचेर कोलफील्ड्स				
1.	अनंता ओ/सी	4.00	338.44*	मार्च 2008
2.	अनंता ओ/सी विस्तार चरण-I	5.50		
3.	अनंता ओ/सी विस्तार चरण-II	12.00		
4.	बलान्डा ओ/सी & आरपीआर (समाप्त)	1.00	33.20	मार्च 1984
5.	बलराम ओ/सी ओसीपी)	8.00	344.63*	मार्च 2000
6.	भरतपुर ओ/सी	3.50	158.97 (RCE)#	मार्च 1991
7.	भरतपुर ओ/सी विस्तार चरण-I	5.00	48.02#	मार्च 1998
8.	भरतपुर ओ/सी विस्तार चरण-II	11.00	95.87#	मार्च 2007
9.	भरतपुर ओ/सी विस्तार चरण-III	20.00	131.39#	मार्च 2010
10.	छेंडिपाड़ा ओ/सी (समाप्त)	0.35	19.75	मार्च 2007
11.	हिंगुला-II ओ/सी	2.00	47.93*	मार्च 2002
12.	हिंगुला -II ओ/सी विस्तार चरण-I	4.00	89.78	मार्च 2009
13.	हिंगुला -II ओ/सी विस्तार चरण-II	8.00	35.67	मार्च 2009
14.	जगन्नाथ ओ/सी / जगन्नाथ विस्तार	4.00	66.71 / 4.71	मार्च 1991
15.	जगन्नाथ ओ/सी विस्तार चरण-II	6.00	4.95	मार्च 2008
16.	जगन्नाथ पुनः संगठन ओसी	6.00	437.011*	अक्टूबर 2020
17.	लिंगराज ओ/सी	5.00	229.84	मार्च 1998
18.	लिंगराज ओ/सी विस्तार चरण-I	10.00	98.89	मार्च 2007
19.	लिंगराज ओ/सी विस्तार चरण-II	13.00	2.18	मार्च 2008
20.	लिंगराज ओ/सी विस्तार चरण-III	16.00	306.18**	मार्च 2014
21.	नंदिरा भूमिगत (वृद्धि)	0.33	17.96	मार्च 1995
उप कुल (क्षमता समाप्त खानों सहित)		43.68	2077.831	

ईब वैली कोलफील्ड्स				
22.	बसुंधरा (ई) ओ/सी (समाप्त)	0.60	19.70	मार्च 1998
23.	बसुंधरा (प.) ओ/सी	2.40	68.74 (RCE)	मार्च 2007
24.	बसुंधरा (प.) विस्तार चरण-I	7.00	46.52	मार्च 2011
25.	बेलपहाड़ ओ/सी	2.00	246.93*	मार्च 2015
26.	बेलपहाड़ ओ/सी विस्तार चरण-I	3.50		
27.	बेलपहाड़ ओ/सी विस्तार चरण-II	8.00		
28.	कुलड़ा ओसीपी	10.00	487.06**	फरवरी-2020

29.	लजकुरा ओ/सी / लजकुरा विस्तार	1.00	38.98 (RCE) / 3.22	मार्च 1991
30.	लजकुरा ओ/सी विस्तार चरण-I	2.50	194.99**	मार्च 2013
31.	लखनपुर ओ/सी	5.00	215.02*	मार्च 2000
32.	लखनपुर ओ/सी विस्तार चरण-I	10.00	98.74	मार्च 2010
33.	लखनपुर ओ/सी विस्तार चरण-II	15.00	116.54	मार्च 2011
34.	लिलारी ओ/सी / लिलारी विस्तार .	0.80	19.78 / 0.63	मार्च 1992
35.	समलेश्वरी ओ/सी	3.00	636.24**	मार्च 2013
36.	समलेश्वरी ओ/सी विस्तार चरण-I	1.00		
37.	समलेश्वरी ओ/सी विस्तार चरण-II	1.00		
38.	समलेश्वरी ओ/सी विस्तार चरण-III	2.00		
39.	समलेश्वरी ओ/सी विस्तार चरण -IV.	5.00		
उप कुल (क्षमता समाप्त खानों सहित)		32.10	2193.09	
कुल (पूर्ण परियोजनाएँ)		83.78	4270.921	

(*) स्वीकृत आरसीई-सह-समापन रिपोर्ट के अनुसार पूर्ण लागत.

(**)स्वीकृत आरसीई-सह-समापन रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्य वर्ष से अधिक स्वीकृत अतिरिक्त पूंजी ।

(#) पुनर्संगठन/दोहरी परियोजना रिपोर्ट के अनुमोदन के बाद इन खानों की क्षमता और/या पूंजी को छोड़कर ।

17.6 चालू परियोजनाएं:-15

क्र.	परियोजना का नाम	परियोजना क्षमता (एमटीवाई)	स्वीकृत पूंजी (रु . करोड़)	पपीआर अनुमोदन की तिथि
तालचेर कोलफील्ड्स				
1	अनंत ओसी विस्तार चरण -III	15.00*	228.01#	31.08.2008
2	बलराम विस्तार ओसीपी	15.00	3504.21	04.08.2020
3	भुवनेश्वरी विस्तार ओसीपी	40.00	3145.45	25.08.2020
4	गोपालजी-कनिहा ओसीपी	30.00	8416.19	25.08.2020
5	हिंगुला-II ओसी विस्तार चरण-III	15.00*	479.53	08.11.2008
6	भरतपुर पुनर्संगठन ओसी	20.00	2838.87	12.11.2018
7	सुभद्रा ओसीपी	25.00	1693.81	25.03.2021
8	बलभद्र ओसीपी	10.00	932.41	24.01.2022
	उप कुल	150.00	21238.48	
ईब वैली कोलफील्ड्स				
9	बसुंधरा (पश्चिम)विस्तार	7.00*	**620.42	07.05.2014
10	कुलड़ा विस्तार ओसीपी	15.00*	**348.16	25.06.2014
11	सियालमल ओसीपी	40.00	**5195.95	02.02.2021
12	गर्जनबहाल ओसीपी	10.00	**1375.38	03.05.2016
13	एकीकृत लखनपुर-बेलपहाड़-लिलारी ओसीपी	30.00	2434.75	22.05.2018
	उप कुल	85.00	8568.97	
कुल (चालू परियोजनाएँ)		226.83	30086.80	
कुल योग (समाप्त खदानों की क्षमता सहित)		310.78	35483.06	

(*)विस्तार परियोजना के लिए क्षमता में कोई वृद्धि नहीं।

(**)आरसीई-सह-समापन रिपोर्ट और/या लक्षित वर्ष के अतिरिक्त स्वीकृत पूंजी के अनुसार

(#)सीएमडी, एमसीएल के शक्तियों के प्रत्यायोजन में स्वीकृत पूंजी का 10% शामिल।

17.6 वर्तमान पुरानी भूमिगत खदानें: - 05

क्र.	परियोजना का नाम	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
1.	हीराखंड बुंदिया खान	0.612	0.505	0.551	0.366	0.428	0.468
2.	ओरिएंट खान 1 एवं 2	0.367	0.352	0.398	0.397	0.328	0.321
3.	ओरिएंट खान 3	0.000	0.122	0.122	0.122	0.040	0.000
4.	ओरिएंट खान 4	0.122	0.061	0.000	0.000	-	-
5.	तालचेर भूमिगत	0.272	0.173	0.107	0.000	0.000	0.000
	कुल	1.373	1.213	1.178	0.885	0.796	0.788

17.7 भावी परियोजनाएँ : - 01

क्र.	परियोजना का नाम	परियोजना क्षमता (एमटीवाई)	टिप्पणी
1.	कुलड़ा गर्जनबहाल विस्तार ओसीपी	40.0 (अतिरिक्त - 15.0 एमटीवाई)	दिनांक:20.05.2022 को टीएससी द्वारा कुलदा-गर्जनबहाल के एकीकृत पीआर की संस्तुती की गई और इसे एमसीएल बोर्ड के आने से पहले रखा जाएगा।
	कुल	कुल अतिरिक्त क्षमता - 25.00 एमटीवाई	

गैर-खनन परियोजनाएं

17.8 एमसीएल में चल रही प्रमुख गैर-खनन परियोजनाओं की लागत > रु.20 करोड़:

क्र.	परियोजना का नाम	पूंजी लागत (रु. करोड़)
1.	ईब वैली क्षेत्र के समलेश्वरी ओसीपी (कंक्रीट फुटपाथ), लजकुरा ओसीपी (कंक्रीट फुटपाथ) में कोयला परिवहन सड़क का निर्माण और एमसीएल के ईब कोलफील्ड्स के ओरिएंट एरिया में एचबीएम से एसओसीपी जंक्शन तक बिटुमिनस सड़क का सुदृढीकरण।	134.58
2	बेलपहाड़ बाईपास, लखनपुर क्षेत्र में 4-लेन कैरिज वे रोड का निर्माण	65.26
3.	तालचर कोलफील्ड में आंतरिक खदान कोयला परिवहन सड़कों का निर्माण, जो 05 वर्ष से अधिक है -35.28 कि.मी. की है।	241.69
(a)	हिंगुला ओसीपी - 4.91 कि.मी.	
(b)	बलराम ओसीपी - 7.00 कि.मी.	
(c)	भरतपुर ओसीपी - 5.46 कि.मी.	
(d)	जगन्नाथ ओसीपी - 6.23 कि.मी.	
(e)	अनंता ओसीपी - 2.15 कि.मी.	

(f)	भुवनेश्वरी ओसीपी – 5.73 कि.मी.	
(g)	लिंगराज ओसीपी - 3.80 कि.मी.	
4.	सुंदरगढ जिले में एसएच-10 पर बांकीबहाल से भेड़ाबहाल तक -31 किमी लंबी कोल कॉरिडोर सड़क का निर्माण,	398.96
5.	लिंगराज ओसीपी, लिंगराज क्षेत्र के उत्तर से दक्षिण की ओर मौजूदा कोल कॉरिडोर सड़क को स्थानांतरित करना।	51.01
6.	जगन्नाथ क्षेत्र के अंतर्गत अनंत ओसीपी के विभिन्न स्थानों पर स्थायी कोयला परिवहन के लिए कंक्रीट सड़क का निर्माण।	49.75
7.	अनंत सीएचपी-आरएलएस (20 एमटीवाई)	278.48
8.	भुवनेश्वरी साइलो (पीएच-द्वितीय) (15 एमटीवाई)	247.69
9.	कनिहा सीएचपी-आरएलएस (10 एमटीवाई)	268.05
10.	लजकुरा सीएचपी-आरएलएस (15 एमटीवाई)	285.05
11.	सरदेगा सीएचपी-आरएलएस (20 एमटीवाई)	311.68
12.	भुवनेश्वरी साइलो (पीएच-I) (10 एमटीवाई)	334.81
13.	हिंगुला साइलो (10 एमटीवाई)	168.95
14.	हिंगुला न्यू सीएचपी लिंक	218.30
15.	भुवनेश्वरी साइलो (पीएच-I) में इनपुट कोल फीडिंग की व्यवस्था	40.52
15.	लखनपुर साइलो (10 एमटीवाई) पीएच-I	164.38
16.	बी-ओ-एम के आधार पर ईबी वैली वाशरी (10.00 एमटीवाई)	333.00
17.	भुवनेश्वर साइलो पीएच-I (10एमटीवाई) 2.20कि.मी. के लिए रेल कनेक्टिविटी	87.48
18.	अनंत सीएचपी-आरएलएस (20 एमटीवाई) के लिए रेल कनेक्टिविटी 19.0 किमी	260.00*
19.	भुवनेश्वर साइलो (पीएच-II) (15 एमटीवाई) से रेल कनेक्टिविटी 13.40 कि.मी.	265.70
20.	कनिहा सीएचपी-आरएलएस (10 एमटीवाई) के लिए रेल कनेक्टिविटी 2.50 किमी	19.17
21.	लजकुरा सीएचपी-आरएलएस (15 एमटीवाई) के लिए रेल कनेक्टिविटी 9.0 किमी	89.92
22.	सरदेगा सीएचपी-आरएलएस (20 एमटीवाई) के लिए रेल कनेक्टिविटी 14.70 किमी	224.78
23.	लखनपुर साइलो पीएच-I (8.32 किमी) से रेल संपर्क	146.77
24.	लखनपुर साइलो से रेल कनेक्टिविटी पीएच-II	230.0*
25.	लखनपुर क्षेत्र में वाई-कर्व साइडिंग का स्थानांतरण (17.20 किमी)	360.00
26.	हिंगुला न्यू सीएचपी लिंक	218.3
27.	तालचर कोलफील्ड्स के मौजूदा रेल साइडिंग पर स्वचालित सिग्नलिंग का प्रावधान।	58.00
28.	50 मेगावाट ग्राउंड माउंटेड सोलर पावर प्लांट की स्थापना।	301.91
29.	झारसुगुडा-बरपाली-सरदेगा रेल लाइन फेज-II कार्य (लाइन 52 किमी का दोहरीकरण, बरपाली में लोडिंग बल्ब 47.70 किमी और झारसुगुडा में डबल लाइन फ्लाईओवर 26.00 किमी शामिल है)	3198.12
30.	इनर कॉरिडोर चरण- I: अंगुल-बलराम रेल लिंक (14.25 किमी)	145.00
31.	इनर कॉरिडोर चरण- II: बलराम- पुटुगडिया-जरपाड़ा- तेंतुलोई रेल लिंक (54किमी)	1555.00
32.	सरदेगा साइडिंग में प्लेटफार्म का चौड़ीकरण।	51.60
33.	तालचर में मेडिकल कॉलेज (एमआईएमएसआर) का निर्माण	49.26
34.	झारसुगुडा में 100 बिस्तरों वाला हृदय संस्थान	75.00

35.	ओडिशा के रेलवे स्टेशनों के परिसंचारी क्षेत्रों में 232 पूर्वनिर्मित शौचालयों की स्थापना	57.55
36.	अंगुल जिले के तालचेर और कनिहा ब्लॉक के 35 गांवों के लिए 2 पाइप जलापूर्ति योजनाएं।	55.07
37.	घंटापाड़ा गांव के पास समपार में रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण	39.45
38.	जिला झारसुगुडा के सभी ग्राम पंचायत पर जनोपयोगी सुविधाओं (78 नग) का निर्माण।	27.30
39.	जिला स्टेडियम का निर्माण झारसुगुडा	25.41
40.	बुरला में खेल परिसर का निर्माण	25.00
41	अंगुल, संबलपुर, झारसुगुडा और सुंदरगढ़ में व्यापक सामुदायिक विकास कार्यक्रम (सीसीडीपी-उथान)	20.29
	कुल	11178.24

17.9 एमसीएल की रु. 20 करोड़ लागत से कम की पूर्ण गैर खनन परियोजनाएं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	पूँजी लागत (रुपये करोड़)
1.	बी-जी क्षेत्र में 5 साल से अधिक सभी सीटी सड़कों का कंक्रीट युक्त निर्माण	22.96
2.	बांकीबहाल से कनिका रेलवे साइडिंग तक सड़क को 2 लेन से 4 लेन तक चौड़ा करना- 27 किमी तक।	256.68
3.	कनिहा ओसीपी में कंक्रीट सीटी रोड का निर्माण	26.92
4.	बसुंधरा वेस्ट एक्सटेंशन चेक पोस्ट से सरडेगा रेलवे साइडिंग तक दू लेन कांक्रीट रोड का निर्माण।	30.39
5.	तालचर कोलफील्ड पर नए कोल कॉरिडोर का निर्माण- लंबाई 20.99 किमी	243.42
5(a)	हिंगुला-बलराम भाग (पीएच-1 और II) - 7.06 किमी	
(b)	भरतपुर भाग (पीएच-1 और II)– 2.3 किमी	
(c)	जगन्नाथ भाग (पीएच-1 और II)– 1.26 किमी	
(d)	अनंता पार्ट (पीएच-1 और II)– 2.34 किमी	
(e)	भुवनेश्वरी भाग (पीएच-1 और II)– 1.82 किमी	
(f)	लिंगराज पार्ट (पीएच-1 और II)– 6.21 किमी	
6.	झारसुगुडा - बरपाली - सरडेगा रेलवे लाइन (सिंगल लाइन 50 किमी)	1129.39
7.	लिंगराज साइलो (16.0एमटीवाई) और इसकी रेल कनेक्टिविटी	495.01
8.	भरतपुर सीएचपी/साइलो (15.0एमटीवाई)	174.95
9.	तालचेर में भुवनेश्वरी ओसीपी की सेवा के लिए तालचेर यार्ड के टीएलएसबी केबिन से तीसरी लाइन का निर्माण	48.80
	कुल	2428.50

17.10 विदेशी सहभागिता: शून्य

17.11 आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी समावेश

एमसीएल सरफेस माइनर टेक्नोलॉजी द्वारा ओपनकास्ट माइन में कोयला प्राप्ति के लिए ब्लास्ट-फ्री टेक्नोलॉजी शुरू करने में ट्रेड-सेटर किया है।

एमसीएल ने ओबी हटाने के लिए ब्लास्ट मुक्त एक्सट्रिक रिपर प्रस्तुत किया है

एमसीएल की प्रमुख ओपनकास्ट परियोजनाओं में रैपिड लोडिंग सिस्टम के साथ साइलो/सीएचपी शुरू किया जा रहा है।

वाशड (प्रक्षालित) कोयले के प्रेषण के लिए लखनपुर परियोजना में एक कोल वाशरी अर्थात ईबी वैली वाशरी निर्माणाधीन है।

एमसीएल ऊर्जा के एक भाग के रूप में ग्रांड माउंटेड 50 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण करने जा रहा है।

17.12 सरकार की मंजूरी के लिए लंबित परियोजनाएं: शून्य

18. 2021-22 के दौरान भूमि अधिग्रहण और अधिकार:

(आंकड़े हेक्टेयर में हैं)

क्र.सं.	क्षेत्र	किराये पर		सरकारी गैर वन भूमि		वन भूमि		कुल अधिग्रहण	कुल अधिकार
		अधिग्रहण	अधिकार	अधिग्रहण	अधिकार	अधिग्रहण	अधिकार		
1	जगन्नाथ:	0.00	61.74	0.00		0.00		0.00	61.74
2	हिंगुला		1.62	0.00					1.62
3	सुभद्रा	0.00	22.30	0.00		0.00	80	0.00	102.30
4	भरतपुर	0.00	9.62	0.00		0.00		0.00	9.62
5	लिंगराज	0.00	6.19	0.00		0.00		0.00	6.19
6	कनिहा	0.00		0.00		0.00		0.00	
7	ईब- वैली	0.00		0.00		0.00		0.00	
8	लखनपुर	0.00	34.33	0.00		0.00	230.20	0.00	264.53
9	बीजी क्षेत्र	0.00	14.78	0.00		0.00		0.00	14.78
10	महालक्ष्मी	0.00	37.66	0.00		0.00		0.00	37.66
	कुल	0.00	216.83	0.00		0.00	310.20	0.00	527.03

19. निर्माण, संचालन और रखरखाव (बीओएम) के आधार पर वाशरीज की स्थिति:

अधिक राख वाले कोयले के सस्ती धुलाई के लिए बिल्ड-ऑपरेट-मैटेन (बीओएम) आधार पर कोयला वॉशरियों की स्थापना के लिए सीआईएल के निर्णय के अनुरूप एमसीएल प्रथम चरण- I में बीओएम अवधारणा पर प्रत्येक 10.0 एमटीपीए की क्षमता वाले चार कोयला वॉशरी अर्थात हिंगुला वाशरी, बसुंधरा वाशरी, लखनपुर क्षेत्र में ईब-वैली वाशरी और जगन्नाथ वाशरी को स्थापित करने की योजना बना रहा था।

बसुंधरा वाशरी (10.0 एमटीपीए):

चूंकि एल-1 बोलीदाता यानी मेसर्स एसीबी (इंडिया) लिमिटेड ने बसुंधरा वाशरी के लिए बोली और बोली सुरक्षा की वैधता बढ़ाने में असमर्थता व्यक्त की थी और बैंक गारंटी वापस करने का अनुरोध किया था, पत्र संख्या-2728 दिनांक-11/04/2020 के माध्यम से सबसे कम बोली लगाने वाले को जारी निविदा और सूचना पत्र (एलओआई) को रद्द कर दिया गया है और बैंक गारंटी के रूप में बोली के साथ प्रस्तुत की गई 50.00 लाख की बोली सुरक्षा, एमसीएल के बोर्ड से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वापस कर दी गई है।

हिंगुला और जगन्नाथ वाशरीज :

चूंकि बीओएम अवधारणा पर हिंगुला वाशरी (10.0 एमटीपीए) और जगन्नाथ वाशरी (10.0 एमटीपीए) के लिए पहले की निविदाएं अमल में नहीं आई थीं, बीओएम अवधारणा पर जगन्नाथ वाशरी (10.0 एमटीपीए) और हिंगुला वाशरी (10.0 एमटीपीए) के लिए नई निविदा 26 मार्च, 2018 को जारी की गई थी।

एमओईएफ और सीसी द्वारा दिनांक-21.05.2020 को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, 34% से कम राख प्रतिशत वाले प्रक्षालित कोयले का उपयोग अनिवार्य नहीं है और बिजली संयंत्र राख सामग्री या दूरी के संबंध में शर्तों के बिना कोयले का उपयोग कर सकते हैं। वार्षिक लेखा 2019-20 की लेखापरीक्षा के दौरान "प्रगति में पूंजीगत कार्य" के दौरान, सीएजी ने कहा कि एमओईएफ और सीसी की हालिया अधिसूचना के आलोक में, कोल वाशरी की स्थापना एमसीएल के लिए फायदेमंद नहीं लगती है। तत्पश्चात, कोयला उपभोक्ताओं के साथ दो बैठकें की गईं और उपभोक्ताओं द्वारा प्रक्षालित हुए कोयले को लेने के लिए कोई दृढ़ प्रतिबद्धता नहीं की गई। सचिव, एमओसी की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में भी इस मामले पर चर्चा की गई और एमसीएल को उपभोक्ताओं को खोजने में असमर्थ होने पर इन गैर-कोकिंग कोल वाशरीज को छोड़ने का विकल्प दिया गया था।

इसलिए, पत्र दिनांक-14/06/2021 के द्वारा, हिंगुला वाशरी और जगन्नाथ वाशरी की स्थापना के लिए सबसे कम बोली लगाने वालों को जारी निविदाएं और सूचना पत्र (एलओआई) रद्द कर दिया गया है और बैंक गारंटी के रूप में प्रत्येक बोली के साथ प्रस्तुत की गई 50.00 लाख की बोली सुरक्षा, एमसीएल बोर्ड से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वापस कर दी गई है।

लखनपुर में ईब-वैली वाशरी (10.0 एमटीपीए क्षमता) की स्थिति

- लखनपुर क्षेत्र में ईब-वैली वाशरी की स्थापना के लिए एलओए 14/03/2018 को जारी किया गया था।
- लखनपुर क्षेत्र में ईब-वैली वाशरी की स्थापना के लिए अनुबंध पर 15/10/18 को मेसर्स जीसीएमपीएल के साथ हस्ताक्षर किए गए थे।
- निर्माण प्रगति पर है। (मार्च 2022 तक 90% पूर्ण)।

- ईब-वैली वाशरी की स्थापना के लिए कार्य पूरा करने के लिए 27/05/2020 से 26/05/2021 तक 365 दिनों/12 महीने की अवधि के लिए पहला अनंतिम समय विस्तार दिया गया था।
- पत्रांक दिनांक-23.04.2021 के द्वारा मेसर्स जीसीएमपीएल ने कोविड-19 सहित विभिन्न कारणों से लखनपुर में ईब-वैली वाशरी की स्थापना के पूरा होने की तिथि 26.11.2021 तक बढ़ाने का अनुरोध किया था।
- लखनपुर में ईब-वैली वाशरी के कार्य को पूरा करने के लिए 27.05.2021 से 24.11.2021 तक का दूसरा अनंतिम समय विस्तार पत्र संख्या-एमसीएल/एलकेपीए/पीओ/बीओसीएम/2021/1083, दिनांक- 10.07.2021 के द्वारा प्रदान किया गया था।
- पत्रांक दिनांक-22.10.2021 के द्वारा मेसर्स जीसीएमपीएल ने विभिन्न कारणों से लखनपुर में ईब-वैली वाशरी की स्थापना के पूर्ण होने की तिथि 31.03.2022 तक बढ़ाने के लिए ईआईसी, ईब-वैली कोल वाशरी, लखनपुर क्षेत्र से अनुरोध किया था।
- पत्र संख्या एमसीएल/एलकेपीए/पीओ/बीओसीएम/2021/6432, दिनांक-25.12.2021 के माध्यम से कार्य पूरा करने के लिए दिनांक-25.11.2021 से 31.03.2022 तक का तीसरा अनंतिम विस्तार दिया गया था।
- पत्रांक दिनांक-28.02.2022 के द्वारा मेसर्स जीसीएमपीएल ने विभिन्न कारणों से एक बार फिर ईआईसी, ईब-वैली कोल वाशरी से लखनपुर में ईब-वैली वाशरी की स्थापना की तिथि 31.07.2022 तक बढ़ाने का अनुरोध किया है। अनुरोध क्षेत्रीय स्तर पर विचाराधीन है।

20. पर्यावरण प्रबंधन

20.1 सीएसआर और संधारणीयता पर वार्षिक रिपोर्ट का प्रकाशन:

एमसीएल 2011-12 से सीएसआर और संधारणीयता रिपोर्ट प्रकाशित कर रहा है। अब तक एमसीएल ने दस रिपोर्ट प्रकाशित की हैं। संधारणीयता रिपोर्टिंग में हमारा क्रमिक विकास हमें पर्यावरण, समाज और शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में मदद कर रहा है। हम भौतिक मुद्दों पर अपने हितधारकों के लिए स्थिरता प्रकटीकरण की प्रक्रिया को जारी रखने का इरादा रखते हैं। वित्तीय वर्ष 2020-21 की हालिया रिपोर्ट जिसका शीर्षक "रेसिलिएंट माइनिंग" है, को 'ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव-जीआरआई गाइडलाइन्स' मानकों के अनुरूप खनन और धातु क्षेत्र के पूरक के तकनीकी प्रोटोकॉल सहित मुख्य मानदंडों के अनुसार संरेखित किया गया है। जीआरआई दिशानिर्देशों को यूएनजीसी के 'दस सिद्धांतों' और एनवीजी सिद्धांतों के साथ अनुरूप किया गया है।

20.2 सांविधिक मंजूरी और अनुपालन

20.2.1 मंजूरी:

20.2.1.1 पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करना

ईआईए अधिसूचना, 2006 (पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत अधिसूचित) के अनुसार, सभी खानों के लिए ईसी प्राप्त करने, किसी भी खदान के संचालन/निर्माण के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से पूर्व पर्यावरण मंजूरी अनिवार्य है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान प्राप्त टीओआर और ईसी नीचे दी गई तालिका में सूचीबद्ध हैं।

(क) 2021-22 के दौरान प्राप्त टीओआर

क्रमांक	परियोजना का नाम	क्षमता (एमटीवाई)	पत्र संख्या और तिथि
1.	बलराम ओ.सी.पी.	15	J-11015/09/2013-IA.II(M); दिनांक: 20.09.2021
2.	सुभद्रा ओ.सी.पी.	25	J-11015/72/2021-IA.II(M); दिनांक: 11.11.2021

(ख) 2021-22 के दौरान प्राप्त ईसी

क्रमांक	परियोजना का नाम	क्षमता (एमटीवाई)	पत्र संख्या और तिथि
1.	कुलदा ओ.सी.पी.	19.6	J-11015/177/2015-IA.II(M); दिनांक: 14.02.2022
2.	गर्जनबहाल ओ.सी.पी.	15.6	J-11015/866/2007-IA.II(M); दिनांक: 14.02.2022

2021-22 में, नटराज यूजी (0.64 एमटीपीए) ने पत्र संख्या J-11015/306/2015-IA.II(M); दिनांक: 27.05.2021 के माध्यम से ईसी का पुनर्वैधीकरण प्राप्त किया।

ग) एमसीएल खानों के लिए कुल उपलब्ध ईसी

क्रमांक	विवरण	तालचेर कोलफील्ड	ईब-वैली कोलफील्ड	कुल
1	01.04.2022 तक कुल ईसी उपलब्ध है।	132.83 एमटीवाई	87.05 एमटीवाई	219.88 एमटीवाई

20.2.1.2 वन मंजूरी(एफसी) प्राप्त करना:

वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 और इसके संशोधनों के अनुसार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी), गैर-वन प्रयोजन के लिए वन भूमि का उपयोग करने के लिए आवश्यक वन मंजूरी प्रदान करता है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान चरण I के अनुमोदन के अनुदान हेतु एफएसी में विचार के लिए एमओईएफ और सीसी के साथ सियारमाल खुली खदान वन प्रस्ताव को प्रस्तुत किया गया।

20.2.1.3 भूजल मंजूरी प्राप्त करना:

राजपत्र अधिसूचना, 20 सितंबर 2020 के अनुसार, जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन विभाग, आरडी और जीआर के तहत, सभी नए / मौजूदा उद्योगों के लिए, विस्तार चाहने वाले उद्योगों, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और भूजल को अमूर्त करने वाली खनन परियोजनाओं को केंद्रीय भूजल प्राधिकरण

(सीजीडब्ल्यूए) से अनापति प्रमाण पत्र प्राप्त करने की आवश्यकता होगी। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान निम्नलिखित परियोजनाओं ने सीजीडब्ल्यूए से एनओसी प्राप्त की है:

क्रमांक	परियोजना का नाम	वैधता समय	क्रमांक	परियोजना का नाम	वैधता समय
1.	गर्जनबहाल ओ.सी.पी.	21.10.2023	7.	भरतपुर ओ.सी.पी.	14.04.2023
	ओरियेंट 1 तथा 2 यूजीएम	26.10.2023	8.	अनंता ओ.सी.पी.	26.10.2023
3.	ओरियेंट 3 यूजीएम	26.10.2023	9.	कनिहा ओ.सी.पी.	10.11.2023
4.	हीराखंड बुंदिया माइन	15.11.2023	10.	हांडीधुआं कॉलियरी	29.11.2023
5.	लजकुरा ओ.सी.पी.	29.11.2023	11.	बलराम ओ.सी.पी.	09.12.2023
6.	ओरियेंट 4 यूजीएम	06.01.2024	12.	हिंगुला ओ.सी.पी.	26.12.2023

20.2.3. वैधानिक अनुपालन:

- एमसीएल के सभी परिचालन खानों के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी), ओडिशा सरकार से जल और वायु अधिनियमों के तहत कार्य करने के लिए सहमति (सीटीओ) प्राप्त की गई है।
- एमसीएल के सभी परिचालन खानों के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी), ओडिशा सरकार से संकटजनक अपशिष्ट (मैनेजमेंट एंड ट्रान्सबाउंडरी मूवमेंट) नियमावली, 2016 के तहत "प्राधिकरण" भी प्राप्त किया गया है। इस्तेमाल की गई बैटरी और बरामद जले हुए तेल और गीस अधिकृत री-प्रोसेसर के लिए नीलाम किए जाते हैं। विधि के अनुसार बैटरी के लिए अर्ध-वार्षिक रिटर्न और अन्य खतरनाक अपशिष्ट के लिए वार्षिक रिटर्न एसपीसीबी, ओडिशा सरकार को प्रस्तुत किया गया था।
- सभी परिचालन खदानों के संबंध में पर्यावरण मंजूरी शर्तों के अनुपालन की अर्ध-वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 के दौरान एमओईएफ तथा सीसी, पूर्वी क्षेत्र कार्यालय, भुवनेश्वर और एमओईएफ तथा सीसी, नई दिल्ली को प्रस्तुत की गई थी।
- वर्ष 2021-22 के दौरान पर्यावरण (संरक्षण) नियमावली, 1986 के नियम-14 के तहत फॉर्म-v में पर्यावरणीय विवरण तैयार करने के लिए 23 खानों, 01 रेलवे साईडिंग और 01 वाशरी प्रत्येक के लिए अधिकारियों की बहु-अनुशासनात्मक दल द्वारा पर्यावरण लेखा परीक्षा आयोजित की गई थी। पत्रांक दिनांक-23.09.2021 के अनुसार उक्त रिपोर्ट समयानुसार एसपीसीबी को प्रस्तुत की गई थी।

20.3 पर्यावरण सुरक्षा और सुधार हेतु किये गए उपाय

20.3.1 वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपाय

कंपनी की पर्यावरण के प्रति चिंता को ध्यान में रखते हुए वायु प्रदूषण की जांच करने के लिए लंबे समय से चले आ रहे कार्यों को उचित संख्या में किया जा रहा है, जिनमें से कुछ पर यहां प्रकाश डाला गया है।

- एमसीएल ने पर्यावरण के अनुकूल सरफेस माइनर तकनीक (1999-2000 में 4.2% से 2021-22 में 95.95%) के माध्यम से कोयला उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि की है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान सरफेस माइनर के माध्यम से कोयला उत्पादन नीचे सारणीबद्ध है।

कुल कोयला उत्पादन (एमटीवाई)	खुले खदान द्वारा उत्पादन(एमटीवाई)	सरफेस माइनर द्वारा कोयला उत्पादन	
			%
168.168	167.667	161.355	95.95

यह एक गैर-विस्फोटक खनन तकनीक है जो ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग और क्रशिंग जैसे धूल पैदा करने वाले कार्यों को पूरी तरह से समाप्त कर देती है। कटिंग ऑपरेशन के दौरान धूल को दबाने के लिए सरफेस माइनर को पानी के छिड़काव की व्यवस्था के साथ शामिल किया गया है। ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग, क्रशिंग, क्रशर तक परिवहन-अनलोडिंग और री-लोडिंग और इन कार्यों में डीजल खपत की परिणामी मात्रा जैसे बुनियादी इकाई संचालन के उन्मूलन के कारण ग्रीनहाउस गैसों के उत्पादन में भी कमी आई है।

- 2021-22 के दौरान लगभग 73% कोयला परिवहन सबसे अधिक पर्यावरण के अनुकूल अंतर्देशीय जन परिवहन प्रणाली यानी रेल, बेल्ट और एमजीआर के माध्यम से और सड़क के माध्यम से मात्र 27% कोयले का प्रेषण किया जाता है।
- रेक लोडिंग सुविधा और रेल आधारभूत संरचना को बढ़ाया/बेहतर और मजबूत किया जा रहा है, वर्तमान में 23 रेलवे साइडिंग, 01 एमजीआर तथा आरएलएस और 02 साइलों के साथ 01 एमजीआर के माध्यम से कोयला प्रेषण किया जाता है।
- भरतपुर ओसीपी और लिंगराज ओसीपी में एसआईएलओ के साथ 02 रैपिड लोडिंग सिस्टम (आरएलएस) का काम पूरा कर लिया गया है और 31.03.2022 तक एसआईएलओ/सर्ज बिन के साथ 09 रैपिड लोडिंग सिस्टम (आरएलएस) निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं-
 - ✓ 168.95 करोड़ रुपये की लागत से हिंगुला साइलो (10 एमटीवाई) - 98.79% पूरा हुआ।
 - ✓ 247.01 करोड़ रुपये की लागत से भुवनेश्वर साइलो (10 एमटीवाई) - 99.92% पूरा हुआ।
 - ✓ 164.38 करोड़ रुपये की लागत से लखनपुर साइलो (10 एमटीवाई) - 61.25% पूरा हुआ।
 - ✓ 247.69 करोड़ रुपये की लागत से साइलो के साथ भुवनेश्वरी आरएलएस (15 एमटीवाई) - 45% पूरा हुआ।
 - ✓ 285.05 करोड़ रुपये की लागत से लजकुरा आरएलएस साइडिंग (15 एमटीवाई) - 40% पूरा हुआ।

- ✓ 268.05 करोड़ रुपये की लागत से कनिहा-(10 एमटीवाई) 1.35% पूरा हुआ।
- ✓ 311.69 करोड़ रुपये की लागत से सरडेगा आरएलएस साइडिंग(20 एमटीवाई) 27% पूरा हुआ।
- ✓ 278.48 करोड़ रुपये की लागत से अनंता (20 एमटीवाई) 14% पूरा हुआ।
- ✓ साइलो के साथ आगामी 1 आरएलएस - लखनपुर (20 एमटीवाई)।
- आवासीय क्षेत्रों, स्कूलों और अन्य क्षेत्रों को दरकिनार करते हुए पृथक समर्पित कोयला परिवहन गलियारे का निर्माण:
 - समर्पित कोयला परिवहन गलियारे की लंबाई टीसीएफ में 20.99 किमी, आईबीसीएफ में 17.03 किमी और बसुंधरा क्षेत्र में 30.811 किमी है।
 - तालचेर कोलफील्ड: काम पूरा हुआ।
 - ईबी वैली कोलफील्ड: ओरियेंट क्षेत्र- काम पूरा हुआ और ईबी वैली क्षेत्र- कार्य प्रगति- लजकुरा ओसीपी- 75%, समलेश्वरी ओसीपी- 75%।
 - बसुंधरा क्षेत्र: कार्य प्रगति-40%
- स्थायी और अर्ध-स्थायी सड़कों की ब्लैक टॉपिंग की गई है और इसे और मजबूत किया गया है।
- एमसीएल ने रेलवे साइडिंग, सीएचपी, कोयला स्टॉक और अन्य धूल उत्पन्न करने वाले स्थानों पर कोयला और ओबी परिवहन सड़कों के साथ खानों में धूल दमन के उपाय किए हैं:
 - 18 40मीटर थ्रो ट्रक माउंटेड फॉग कैनन,
 - 60 100मीटर थ्रो ट्रॉली/फिक्स्ड फॉग कैनन,
 - 59 28केएल के विभागीय मोबाइल पानी के टैंकर,
 - 109 संविदात्मक मोबाइल पानी के टैंकर (934 केएल),
 - 504 निश्चित धुंध/पानी के छिड़काव और रेन गन,
 - 15 तत्काल शॉवर प्रणाली
 - 05 व्हील वॉशिंग प्रणाली
 - 28 केएल पानी के टैंकों से सुसज्जित 03 रोबोटिक नोजल।
- खदान परिसर से निकलने से पहले सभी सड़क बिक्री ट्रकों को तिरपाल से ढक दिया जाता है।
- 07 भारी शुल्क वाले ट्रक-माउंटेड वैक्यूम-संचालित यांत्रिक सड़क स्वीपर खरीद के आधार पर तालचेर कोलफील्ड में पक्की कोयला परिवहन सड़कों और अन्य सार्वजनिक सड़कों पर कोयले के रिसाव और धूल के संग्रह के लिए लगे हुए हैं।
- सभी ड्रिल में धूल निकालने की प्रणाली और वेट ड्रिलिंग प्रणाली है।
- रिहायशी इलाकों और खनन क्षेत्रों के बीच ग्रीन बेल्ट्स का विकास जारी है।

20.3.2 जल संसाधन प्रबंधन के लिए कार्यनीति:

- खनन कार्य के कारण भूजल की गुणवत्ता और जल स्तर की नियमित निगरानी 37 पीजोमीटर (तालचेर कोलफील्ड्स में 21 और ईबी वैली कोलफील्ड्स में 16) के नेटवर्क के साथ-साथ अन्य बोर/खुले कुओं के माध्यम से की जा रही है।
- सतही जल की गुणवत्ता और बहिःस्राव की गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जा रही है।

- सतह के प्रवाह के लिए कैच नालियों और गारलैंड नालियों का निर्माण किया गया है।
- कोयला हटाने के बाद रिक्तियों (डी-कोल वाइडस) का उपयोग वर्षा जल संचयन और जलीय पदार्थ को पुनः चार्ज करने के लिए किया जाता है।
- खान सिम्प्स और अवसादन तालाब/खान जल निकासी उपचार संयंत्र एकत्रित सतही अपवाह जल के निपटान के माध्यम के रूप में कार्य करते हैं।
- खदान के पानी का उपयोग :
 - खदान में एकत्रित पानी का उपयोग औद्योगिक उपयोग जैसे अग्निशामक, धूल दमन, कार्यशालाओं में वाहन/एचईएमएम धोने, खनन क्षेत्रों में वृक्षारोपण के लिए पानी आदि के लिए किया जाता है।
 - उपचारित भूमिगत खदान के पानी का उपयोग कॉलोनियों और परिधीय समुदायों द्वारा घरेलू/पीने और सिंचाई के उद्देश्यों के लिए किया जाता है।
 - ओएसपीसीबी से उचित अनुमति के साथ, कुछ खुली खदान के उपचारित पानी को घरेलू/ सिंचाई उद्देश्यों के लिए बाहरी स्रोतों में छोड़ दिया गया है।

वर्ष 2021-22 के लिए समुदायों को उपचारित खान जल आपूर्ति							
लक्ष्य			उपलब्धि				
आंतरिक/ ड्रिंकिंग (एलकेएल)	सिंचाई (एलकेएल)	कुल (एलकेएल)	आंतरिक/ ड्रिंकिंग (एलकेएल)	सिंचाई (एलकेएल)	कुल (एलकेएल)	सृजित संभावित सिंचाई क्षेत्र (एकड़)	आंतरिक के लाभार्थी/ पेय जल (सं.)
83	32	115	75.44	60.23		76.6	110000

- कुल 83 रूफ-टॉप वर्षा जल संचयन संरचनाएं और 8 भूमि पुनर्भरण गड्ढों का निर्माण एमसीएल में भूजल पुनर्भरण के लिए किया जाता है।
- एचईएमएम कार्यशालाओं से निकलने वाले अपशिष्टों को एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट्स (ईटीपी) और ऑयल तथा ग्रीस ट्रैप में उपचारित किया जाता है और एचईएमएम की धुलाई के लिए उपचारित पानी का पुनः उपयोग किया जा रहा है। कुल 13 ईटीपी का काम चल रहा है।
- सभी बड़ी कॉलोनियों के लिए 09 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) उपलब्ध कराए गए हैं। अन्य कॉलोनियों में सीवेज निपटान के लिए सेप्टिक टैंक की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा 02 एसटीपी निर्माणाधीन हैं।

20.3.3 ध्वनि और भू-कंपन नियंत्रण उपाय:

- 95.95% कोयले का उत्पादन ब्लास्ट रहित पर्यावरण के अनुकूल सरफेस माइनर तकनीक के माध्यम से किया जा रहा है जो पारंपरिक खनन की तुलना में ध्वनी और भूमि के कंपन को काफी कम करता है जिसमें ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग और क्रशिंग ऑपरेशन शामिल हैं।
- विभागीय एवं संविदा कर्मचारियों को ईयर मफ एवं ईयर प्लग प्रदान किए गए हैं।
- गैर-विद्युत डेटोनेटरों का उपयोग ब्लास्टिंग के लिए आवश्यक होने पर किया जाता था जिसके परिणामस्वरूप कम ध्वनी और भूमि कंपन होता था।

- एचईएमएम को पर्याप्त ध्वनी कम करने वाली प्रौद्योगिकियों के साथ शामिल किया गया है।
- विकसित ग्रीन बेल्ट्स ध्वनी को कम करने के माध्यम के रूप में कार्य करती है।

20.3.4 भूमि सुधार और वृक्षारोपण:

- कोयला रिक्ति स्थान को अधिभार सामग्रियों से भर दिया जाता है और तत्पश्चात जैविक सुधार प्रक्रिया के रूप में वृक्षारोपण किया जाता है।
- वैकल्पिक रूप से, एमसीएल ने परित्यक्त कोयला निष्कासित रिक्तियों को भरने के लिए फ्लाई-ऐश को अपनाया है। जगन्नाथ और बालंदा खदानों में फ्लाई ऐश भरने के लिए टीटीपीएस, एसटीपीएस कनिहा, एनबीवीएल और बीएसएल के साथ समझौता ज्ञापन किया गया है। मार्च 2022 तक, दक्षिण बालंदा ओसीपी रिक्तियों में 15.202 मिलियन घन मीटर फ्लाईऐश और जगन्नाथ ओसीपी रिक्तियों में 1.427 मिलियन घन मीटर फ्लाईऐश को भरा गया है।
- पर्यावरण के लिए कंपनी की चिंता को ध्यान में रखते हुए, एमसीएल ने उचित तकनीकी सुधार के बाद बाहरी डंपों और बैकफिल्ड आंतरिक डंपों, साथ ही खदानों में अन्य भूमि और रास्ते के खाली हिस्सों में भी मिश्रित स्वदेशी प्रजातियों के पौधे लगाए हैं।

	प्रकार	अवधि	तालचेर कोलफील्ड्स	ईब वैली कोलफील्ड्स	अन्य स्थान	कुल
1	वृक्षारोपण	2021-22	99,414 131.92 हेक्टेयर (75 हेक्टेयर घास के साथ)	16,889 7.57 हेक्टेयर	48,000 30 हेक्टेयर	1,64,303 169.49 हेक्टेयर
2		प्रारंभ से	27,18,389 1229.48 हेक्टेयर (75 हेक्टेयर घास के साथ)	31,75,739 1310.04 हेक्टेयर	6,90,262 423.65 हेक्टेयर	65,84,390 3038.17 हेक्टेयर
3	वितरण	2021-22	28,050	24,877	8,250	61,177

- जैविक सुधार और वृक्षारोपण का विवरण नीचे दिया गया है:
- भूमि की कमी और इसके परिणामस्वरूप खदान क्षेत्रों में वृक्षारोपण की गिरावट के कारण, एमसीएल ने अपने परिचालन जिलों- अंगुल, झारसुगुडा, संबलपुर, खोरधा और सुंदरगढ़ में और उसके आसपास सरकारी भूमि पर हरियाली में सुधार के अपने दायरे का विस्तार किया है।
- वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, कुल 61,177 पौधे वितरित किए गए, जिनमें से तालचेर कोलफील्ड्स में 28,050, ईब वैली कोलफील्ड्स में 24,877 और एमसीएल मुख्यालय में 8,250 वितरित किए गए।
- कार्बन पृथक्करण : जैविक सुधार के कारण निर्मित कार्बन सिंक स्थापना के बाद से 1,49,659 te CO₂ eq है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में कार्बन सिंक 6224.05 te CO₂ eq बनाया गया है।

- एमसीएल ने अपने कमांड क्षेत्रों में औषधीय उद्यान, फलों के बाग, गांधी उद्यान, मधुमक्खी पालन, नर्सरी आदि विकसित किए हैं।
- राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग एजेंसी द्वारा उत्पन्न रिमोट सेंसिंग डेटा के माध्यम से भूमि सुधार/पुनर्स्थापन की निगरानी वर्ष 2021 के दौरान सीएमपीडीआईएल के माध्यम से एमसीएल में 16 ओपनकास्ट खानों >5 मिलियन घन मीटर/वर्ष क्षमता और 01 ओपनकास्ट कोयला खदान <5 मिलियन घन मीटर/वर्ष क्षमता के लिए की गई है।

20.3.5 अपशिष्ट प्रबंधन:

- 2021-22 के दौरान संकटजनक अपशिष्ट जैसे 225 केएल मात्रा का तप्त तेल 77,15,430.00 रुपये, 2,44,240.00 रुपये मूल्य की 71 बैटरी, 15,555.00 रुपये के मूल्य के साथ मात्रा 121 ई-अपशिष्ट और अन्य संकटजनक अपशिष्ट 16 एमटी मूल्य 35,98,598.00 रुपये के साथ अधिकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं को बेचा गया।
- चिकित्सा इकाइयों से जैव चिकित्सा अपशिष्ट को निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार निपटाया जाता है।
- कॉलोनिनों में कूड़ा उठाने के लिए निर्धारित स्थानों पर कूड़ेदान रखे गए थे।

20.3.6 पर्यावरणीय निगरानी:

- वर्ष 2021-22 के दौरान सीएमपीडीआई, आरआई-VII के माध्यम से वायु, जल और शोर की नियमित पर्यावरण निगरानी की गई, जिसकी अनुमानित लागत 19,67,745,74.52 करोड़ रुपये है। आरईएम कार्य जीएसआर.742(ई), ईसी/सीटीओ/सीटीई शर्तों और एसपीसीबी/सीपीसीबी या किसी अन्य वैधानिक निकायों के दिशा-निर्देशों/निर्देशों के अनुपालन में किए जाते हैं।
- निगरानी के परिणाम एसपीसीबी और एमओईएफ एंड सीसी को कानून के अनुसार प्रस्तुत किए गए थे। पर्यावरण निगरानी के परिणाम मासिक आधार पर कंपनी की वेबसाइट पर अपलोड किए जाते हैं।
- ईब नदी और ब्राह्मणी नदी, कनिहा ओसीपी और समलेश्वरी ओसीपी के इंटेक वेल में 04 निरंतर जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सीडब्ल्यूक्यूएमएस) स्थापित की गई हैं।
- वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, 10 निरंतर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सीएक्यूएमएस) को चालू किया गया है और वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान ईसी और सीटीओ शर्तों के अनुपालन के लिए 02 को चालू किया गया है।

20.4 वेब साइट का प्रकाशन:

पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एमसीएल अपनी वेबसाइट www.mahanadicoal.in पर नियमित रूप से निम्नलिखित पर्यावरण सूचना प्रकाशित और अद्यतन कर रहा है।

- पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और उसके अर्ध-वार्षिक अनुपालन द्वारा जारी पर्यावरण मंजूरी पत्र।

- प्रत्येक डायवर्सन परियोजना के लिए पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी वन मंजूरी पत्र।
- प्रत्येक परियोजना के एसपीसीबी द्वारा जारी की गई स्थापना और संचालन के लिए सहमति।
- एस.पी.सी.बी द्वारा जारी प्रत्येक परियोजना का संकटजनक अपशिष्ट प्राधिकरण।
- एमसीएल के सभी संचालित खानों का पर्यावरणीय विवरण।
- वार्षिक सीएसआर और संधारणीयता रिपोर्ट।
- वार्षिक और मासिक नियमित पर्यावरण निगरानी रिपोर्ट।
- सेटलाइट डेटा पर आधारित भूमि उपयोग योजना पर रिपोर्ट।

20.5 वर्ष 2021-22 के लिए खदान बंद करने की गतिविधियाँ:

i. सीसीओ के साथ एस्करो समझौतों का निष्पादन:

एमपी और एमसीपी के संशोधन के साथ संशोधित खदान बंद करने की लागत के साथ विभिन्न खानों के एस्करो खातों में जमा करना अनिवार्य हो गया है। इसलिए एमसीएल ने 11 चल रही परियोजनाओं (जगन्नाथ ओसीपी, अनंता ओसीपी, भुवनेश्वर ओसीपी, भरतपुर ओसीपी, बलराम ओसीपी, समलेश्वरी ओसीपी, लखनपुर ओसीपी, लिंगराज ओसीपी, कनिहा ओसीपी, गर्जनबहल ओसीपी और कुलदा ओसीपी) के संबंध में सीसीओ मुख्यालय, दिल्ली के साथ संशोधित एस्करो समझौतों को निष्पादित किया है और 10 मार्च 2022 को सियारमल ओसीपी और सुभद्रा ओसीपी के एस्करो समझौतों को निष्पादित किया है।

ii. खदान बंद करने की गतिविधियों की प्रतिपूर्ति:

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए, एमसीएल को सीसीओ मुख्यालय, दिल्ली द्वारा नीचे सूचीबद्ध 2 परियोजनाओं के एस्करो खाते से 1156.56 लाख रुपये का प्रतिपूर्ति नोटिस दिनांक-15.03.2022 प्राप्त हुआ है।

क्रमांक	खान का नाम	*प्रगतिशील एमसीपी गतिविधियों का चरण	सीसीओ द्वारा सहमत प्रतिपूर्ति राशि लाख रुपये में
1	अनंता ओसीपी	चरण-एक	632.31
2	लखनपुर ओसीपी	चरण-एक	524.25
	कुल		1156.56

* चरण पांच वर्ष की अवधि को इंगित करता है।

iii. खदान बंद करने की फाइलें तैयार की गई और लेखापरीक्षा एजेंसी, सीएमपीडीआई को प्रस्तुत की गई:

अनंता ओसीपी-चरण- II, लजकुरा ओसीपी-चरण- I, कुलदा ओसीपी- चरण- I, जगन्नाथ ओसीपी- चरण- I (पुनः प्रस्तुत), हिंगुला ओसीपी-चरण- II की एमसीपी प्रतिपूर्ति फाइलें तैयार की गई और लेखापरीक्षा को प्रस्तुत की गई लेखापरीक्षा के लिए एजेंसी- सीएमपीडीआई-आरआई-VII।

iv. खदान बंद फाइलों का लेखापरीक्षा किया गया और सीसीओ को जमा किया गया।

भुवनेश्वर ओसीपी-चरण- II, हिंगुला ओसीपी-चरण- I, भरतपुर ओसीपी-चरण- I, तालचेर यूजी-चरण-I और नंदीरा यूजी चरण- I (पुनः प्रस्तुतीकरण) की एमसीपी प्रतिपूर्ति फाइलें (पुनः प्रस्तुत करना)) सीएमपीडीआई-आरआई-VII की लेखापरीक्षा के बाद सीसीओ को प्रस्तुत किए गए थे।

20.6 पर्यावरण जागरूकता:

• विश्व पर्यावरण दिवस समारोह

विश्व पर्यावरण दिवस "पारिस्थितिकी तंत्र-पुनर्स्थापन" विषय पर मनाया गया, जहां ऑनलाइन प्रतियोगिताएं जैसे पेंटिंग, अपशिष्ट कचरे पदार्थ और निबंध प्रतियोगिताएं मुख्यालय में आयोजित की गईं और लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए सभी क्षेत्रों में विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

• वनमहोत्सव समारोह

- वन महोत्सव 2021 के अवसर पर, वृक्षारोपण अभियान वस्तुतः 19.08.2021 को श्री प्रल्हाद जोशी, माननीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री, भारत सरकार और श्री रावसाहेब पाटिल दानवे, माननीय कोयला, खान और रेलवे राज्य मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में मनाया गया।
- किए गए वृक्षारोपण की कुल संख्या 24,600 थी और 40,000 पौधे वितरित किए गए थे वृक्षारोपण अभियान 2021 के दिन 19 वृक्षारोपण स्थलों को ऑनलाइन लाया गया और इस अवसर को मनाने के लिए 41 स्थलों पर प्रतीकात्मक वृक्षारोपण किया गया। ओडिशा के अंगुल, झारसुगुडा, सुंदरगढ़ और संबलपुर जिलों में फैले एमसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 1,500 लोगों ने भाग लिया।

• इको पार्क का शिलान्यास

श्री प्रल्हाद जोशी, माननीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा वर्चुअल मोड में चंद्रशेखर आजाद ओरियेंट यूजी माइन नंबर 4 इको पार्क की आधारशिला श्री रावसाहेब पाटिल दानवे, माननीय कोयला, खान और रेलवे राज्यमंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में रखा गया।

20.7 पर्यावरण पुरस्कार:

- कुलदा ओसीपी और लिंगराज ओसीपी ने 26 नवंबर 2021 को आयोजित महाबलीपुरम में 21वें ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार में पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार जीता है।

21. बिक्री और विपणन प्रदर्शन

एमसीएल ने कोविड-19 महामारी के कारण देशव्यापी लॉकडाउन, हड़ताल, बंद और ग्रीष्म ऋतु में साइडिंग तक कोयले के परिवहन पर राज्य सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद 2021-22 के दौरान 176.16 मिलियन टन का ऑफ-टेक प्राप्त किया है।

21.1. मांग तथा ऑफ-टेक

2021-22 के दौरान 182 मिलियन टन के लक्ष्य की तुलना में 176.16 मिलियन टन ऑफ-टेक रहा जो लक्ष्य का 96.79% है।

2021-22 के दौरान क्षेत्र-वार कोयले का प्रेषण नीचे संलग्न है।

(आंकड़े मि. टन में)

क्षेत्र	2021-22			2020-21
	लक्ष्य	वास्तविक	% प्राप्ति	वास्तविक
ऊर्जा	126.00	127.224	100.97	98.20
सीमेंट	0.128	0.0869	67.89	0.17
सीपीपी एवं अन्य	55.871	48.849	87.43	47.64
कोयले की खपत	0.00	0.00	-	0.00
कुल	182.00	176.16	96.79	146.01

नोट: 2021-22 के लिए एमसीएल के 176.16 मिलियन टन के कुल ऑफ-टेक में ओडिशा कोल एंड पावर लिमिटेड (ओसीपीएल) का 0.764 मिलियन टन कोयला शामिल है जिसे एमसीएल द्वारा बेचा गया था।

अप्रत्याशित घटना और अन्य कारणों से 2020-21 के दौरान कोयले के ऑफ-टेक में कमी के कारण नीचे दिए गए हैं:

(आंकड़े मि. टन में)

परियोजना/क्षेत्र का नाम	2021-22		अप्रत्याशित घटना के कारण वास्तविक क्षति	टिप्पणियाँ
	एमओयू लक्ष्य	वास्तविक		
ओरिएंट क्षेत्र	0.552	0.484	0.068	कोविड -19 महामारी से लॉकडाउन के कारण कम ऑफ-टेक और उपभोक्ताओं द्वारा कम मांग, विशेष रूप से वित्तीय वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में हुए। कम उत्पादन के कारण भरतपुर और
ईब वैली क्षेत्र	10.711	9.169	1.542	
बसुंधरा पश्चिम(महालक्ष्मी)	1.192	1.140	0.052	
तालचेर क्षेत्र	0.06	0.0596	0.0004	
भुवनेश्वरी	28.993	28.041	0.952	

लिंगराज क्षेत्र	16.169	16.087	0.082	ईब-वैली क्षेत्र की खदानों में कोयले के ऑफ-टेक का नुकसान हुआ। 1 अप्रैल'21 से 17 अप्रैल'21 तक रायगढ़ मार्ग की ओर वाहनों की प्रतिबंधित/कम आवाजाही के कारण बसुंधरा में सड़क निकासी प्रभावित हुई। राज्य सरकार द्वारा गर्मी के मौसम में सुबह 11.00 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक लगाए गए प्रतिबंध के कारण कम प्रेषण। दोनों कोयला क्षेत्रों में आंदोलन/हड़ताल के कारण कम प्रेषण।
जगन्नाथ क्षेत्र	22.30	20.478	1.822	
भरतपुर क्षेत्र	11.989	9.424	2.565	
हिंगुला क्षेत्र	19.077	16.970	2.107	

अप्रत्याशित घटना के कारण ऑफ-टेक में कुल हानि 9.1904 मीट्रिक टन थी लेकिन प्रभावी हानि 5.84 मीट्रिक टन थी क्योंकि अन्य खदानों ने 2021-22 के दौरान लक्ष्य से अधिक प्रेषण किया है।

21.2. वैगन लोडिंग

एमसीएल में 2020-21 के दौरान 71.3 रेक/दिन की तुलना में 2021-22 के दौरान 15.3 रेक/दिन की वृद्धि के साथ दैनिक औसत वैगन लोडिंग 86.6 रेक/दिन थी। लक्ष्य और आपूर्ति की तुलना में क्षेत्रवार लोडिंग नीचे संलग्न है:

(आंकड़े रेक/प्रतिदिन में)

क्षेत्र	2021-22			2020-21 वास्तविक
	लक्ष्य	आपूर्ति	लोडिंग	
ईब वैली	35.1	35.6	35.6	30.7
तालचेर	52.5	51.0	51.0	40.6
कुल	87.6	86.6	86.6	71.3

21.3. ई-नीलामी

2021-22 के दौरान, एमसीएल ने विभिन्न प्रकार की ई-नीलामी के तहत 81.272 मिलियन टन की पेशकश की थी, जिसके विरुद्ध विभिन्न बोलीदाताओं द्वारा अधिसूचित मूल्य पर 2931.09 करोड़ रुपये का प्रीमियम दर्ज करते हुए 50.943 मिलियन टन की बुकिंग की गई थी।

21.4. ईंधन आपूर्ति समझौता (एफएसए) और समझौता ज्ञापन

एमसीएल ने 2021-22 के दौरान कोयले की आपूर्ति के लिए उपभोक्ता के साथ (138) एक सौ अड़तीस एफएसए/एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

22. कोयले की गुणवत्ता में सुधार

एमसीएल ने उपभोक्ताओं की संतुष्टि के लिए विभिन्न बिजली घरों के साथ-साथ अन्य उपभोक्ताओं को उचित आकार और गुणवत्ता वाले कोयले की आपूर्ति के लिए कई उपाय किए हैं। वर्ष के दौरान किए गए उपाय इस प्रकार हैं:-

- एमसीएल ने कोल इंडिया लिमिटेड 2021 के 47वें स्थापना दिवस समारोह में गुणवत्ता जागरूकता के लिए कॉर्पोरेट प्रदर्शन पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- 100% से अधिक एमओयू उपलब्धि बार-बार साबित करती है कि एमसीएल किसी से पीछे नहीं है।
- वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए नमूना मात्रा के आधार पर ग्रेड अनुरूपता 79% (अनंतिम) है और प्रेषण मात्रा आधार 85% है। (अस्थायी)
- उपभोक्ता शिकायतों की संख्या को 20-21 में (44) से घटाकर 21-22 में (06) कर दिया गया है।
- पारादीप बंदरगाह पर पिछले वर्ष की तुलना में बड़े आकार के मामलों की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी (पिछले वित्तीय वर्ष: 9%; वर्तमान वित्तीय वर्ष: 3%)
- इस वित्तीय वर्ष में बसुंधरा और ओरियेंट कोल एनालिसिस लैबोरेट्रीज की एनएबीएल मान्यता के साथ, एमसीएल की सभी 9 कोयला विश्लेषण प्रयोगशालाओं को एनएबीएल मान्यता प्राप्त है।
- ई-नीलामी विकल्प के तहत उपभोक्ताओं सहित अधिक संख्या में उपभोक्ताओं को तृतीय पक्ष नमूनाकरण व्यवस्था के तहत लाया गया था।
[वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए फरवरी'21 तक नमूना मात्रा 73 मिलियन टन थी जो प्रेषित मात्रा (132.05 मिलियन टन) का 55% है, जबकि अप्रैल'21 - फरवरी'22 की अवधि के लिए नमूना मात्रा 115.13 मिलियन टन है, जो कि है प्रेषित मात्रा का 72% (160.39 मिलियन टन) है।]
- अप्रैल'21 - फरवरी'22 की अवधि के लिए घोषित ग्रेड और विश्लेषित ग्रेड के बीच ग्रेड भिन्नता शून्य है। [वित्तीय वर्ष 2021-22 में एमसीएल के लिए भारित औसत विश्लेषित ग्रेड और भारित औसत घोषित ग्रेड जी13 है।]

एमसीएल ने उपभोक्ताओं की संतुष्टि हासिल करने के लिए विभिन्न बिजली घरों के साथ-साथ अन्य गैर-विद्युत उपभोक्ताओं को आकार और गुणवत्ता वाले कोयले की आपूर्ति के लिए कई उपाय किए हैं। वर्ष के दौरान किए गए उपाय इस प्रकार हैं: -

- ✓ उपभोक्ता संतुष्टि हासिल करने और उसे प्रबल करने के लिए उपभोक्ताओं के साथ लगातार बातचीत की जा रही है।
- ✓ उपभोक्ताओं को विभिन्न क्षेत्रों की साइडिंग पर कोल लोडिंग सिस्टम व्यवस्था की जाँच और व्यक्तिगत पर्यवेक्षण के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- ✓ उपभोक्ताओं की शिकायतों की जांच की जाती है और संबंधित क्षेत्रों द्वारा तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है, जिससे उपभोक्ता का विश्वास प्रबल होता है।

- ✓ सभी उपभोक्ताओं को सुनिश्चित गुणवत्ता और कोयले के आकार के प्रेषण के संबंध में गुणवत्ता नियंत्रण विभाग द्वारा सभी रेलवे साइडिंग की लगातार निगरानी की जा रही है।
- ✓ गुणवत्ता नियंत्रण विभाग द्वारा नियमित रूप से गुणवत्ता के मोर्चे पर खानों, साइडिंग और कोयला विश्लेषण प्रयोगशालाओं का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की विसंगति या दोष पाए जाने पर संबंधित क्षेत्र को तत्काल सुधारात्मक उपाय करने के लिए सूचित किया जाता है।
- ✓ बेहतर पारदर्शिता सुनिश्चित करने और उपभोक्ता संतुष्टि बढ़ाने के लिए, सीआईएमएफआर और क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) को क्रमशः बिजली क्षेत्र और गैर-विनियमित क्षेत्र के उपभोक्ताओं के कोयला प्रेषण के नमूने के लिए लगाया गया है। नमूना गतिविधियों को करने के लिए स्वतंत्र तृतीय पक्ष एजेंसियों के रूप में सीआईएमएफआर और क्यूसीआई के अलावा, सीआईएल द्वारा दो नई तृतीय पक्ष एजेंसियों अर्थात् एसजीएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और कोटेकना इंस्पेक्शन प्राइवेट लिमिटेड को नियुक्त किया गया है। टीपीएस एजेंसी का विकल्प नहीं चुनने वालों के लिए भी संयुक्त नमूना लेने का विकल्प है।
 - सीआईएमएफआर के अलावा, इस वर्ष बिजली मंत्रालय (एमओपी) के तत्वावधान में पीएफसी ने बिजली क्षेत्र के लिए मैसर्स मित्र एस के प्राइवेट लिमिटेड को थर्ड पार्टी सैंपलिंग एजेंसी (टीपीएसए) को लदान के अंत में कोयले के नमूनों के संग्रह, तैयारी और विश्लेषण के लिए ई-बोली के माध्यम से सूचीबद्ध किया है।
- ✓ इस वित्तीय वर्ष 21-22 में फरवरी 22, तक 72% कोयला प्रेषण तीसरे पक्ष के नमूने के तहत कवर किया गया है और शेष उपभोक्ताओं को इसके लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।
- ✓ एमसीएल में अपनी तरह का पहला ऑनलाइन कोयला राख, नमी और जीसीवी विश्लेषक, जल्द ही लिंगराज क्षेत्र, एमसीएल में स्थापित किया जाएगा।
लाभ: ऑनलाइन राख विश्लेषक ने कोयले की राख, नमी और कैलोरी मान को तेजी से मापने के लिए दोहरी ऊर्जा संचरण प्रौद्योगिकी पर काम किया। तेजी से ऑनलाइन कोयला गुणवत्ता विश्लेषण के लिए यह तकनीक फायदेमंद है।
- ✓ कोयला सैंपलिंग डेटा (यानी एमसीएल लैब परिणाम, थर्ड पार्टी सैंपलिंग परिणाम) को अधिकृत और तदनुसार क्रेडिट/डेबिट नोट शुरू करने के लिए ईआरपी कार्यान्वयन किया जा रहा है।
- ✓ 2021-22 के दौरान एमसीएल में लगभग 96% कोयला उत्पादन सरफेस माइनर्स के उपयोग द्वारा चयनात्मक खनन के माध्यम से प्राप्त किया गया था। इससे ग्रेड अनुरूपता को 79 प्रतिशत के स्तर पर बनाए रखने में मदद मिली है।
- ✓ उपभोक्ताओं को -100 मिमी आकार के कोयले की आपूर्ति की दिशा में उचित सावधानी बरती गई है। इसके लिए पारंपरिक तरीके से निकाले गए कोयले को रेल, बेल्ट और एमजीआर द्वारा प्रेषण के लिए सीएचपी और फीडरब्रेकर द्वारा कुचला जा रहा है।

- ✓ पारदर्शिता के उद्देश्य से और गुणवत्ता के मोर्चे पर उपभोक्ताओं की सक्रिय भागीदारी प्राप्त करने के लिए, सभी साइडिंग/लोडिंग पॉइंट्स में रजिस्टर रखे गए हैं, जिसमें लोडिंग के समय उपस्थित उपभोक्ताओं के प्रतिनिधि गुणवत्ता/साइडिंग एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में अपनी टिप्पणी/सुझाव व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र हैं।
- ✓ कोयला गुणवत्ता पर नियमित "गुणवत्ता संवेदीकरण" बैठकें सभी क्षेत्रों में जमीनी स्तर के कर्मचारियों, जैसे विभागीय/संविदात्मक पे लोडर ऑपरेटरों, भूतल माइनर ऑपरेटरों, कोल फेस पर्यवेक्षकों, कोल लोडिंग पर्यवेक्षकों, कोल फेस ओवर मेन और माइनिंग सरदारों, कोयला प्रभारी, प्रेषण प्रभारी, साइडिंग प्रभारी, परियोजना एवं क्षेत्र के कोयला उत्पादन के शिफ्ट प्रभारी एवं उपभोक्ता प्रतिनिधि, कोयला उत्पादन एवं प्रेषण में शामिल सभी कर्मियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित की जा रही हैं।
- ✓ सभी साइडिंग/प्रेषण बिंदुओं में तीसरी तिमाही से त्रैमासिक गुणवत्ता पुरस्कार शुरू किए गए हैं और कोयले के उत्पादन और प्रेषण में शामिल कर्मचारियों के बीच 'कोयले की गुणवत्ता' के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए परियोजनाओं, खानों, रेलवे साइडिंग आदि के गुणवत्ता कर्मियों/लोडिंग कर्मियों के लिए प्रोत्साहन योजना भी शुरू की गई है। दिसंबर, 21 के अंतिम सप्ताह में सभी साइडिंग/प्रेषण बिंदुओं का निरीक्षण भी मुख्यालय के अधिकारियों के साथ पर्यवेक्षक के रूप में अंतर-क्षेत्रीय दल द्वारा किया जा रहा है।
- ✓ कोयला सैंपलिंग के लिए कोयले के नमूनों के संग्रह और तैयारी का पर्यवेक्षण महत्वपूर्ण है। अतः एमसीएल के लोडिंग पॉइंट्स पर पर्याप्त पर्यवेक्षण प्रदान करने के लिए योग्य विभागीय कर्मचारियों में से 12 तकनीकी निरीक्षकों का चयन किया गया था।
- ✓ एमसीएल की कोयला विश्लेषण प्रयोगशालाओं में कोयले के नमूनों के विश्लेषण में रसायनज्ञों की पर्याप्त संख्या और उनकी क्षमता प्रमुख कारक हैं। इसलिए, वर्ष के दौरान विभागीय कर्मचारियों में से 06 योग्य रसायनज्ञों का चयन रसायनज्ञ की नौकरी करने के लिए किया गया था। इस वित्तीय वर्ष के दौरान 15 इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रीय परीक्षण प्रयोगशाला (ईएएसटी), इलेक्ट्रॉनिक्स टेस्ट इंजीनियरिंग केंद्र (सीईटीई), कोलकाता में 'प्रयोगशाला गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली और आईएसओ / आईईसी के अनुसार आंतरिक लेखा परीक्षा' पर कई रसायनज्ञों ने ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त किया था।
- ✓ इस वित्तीय वर्ष के दौरान, मौजूदा क्षमता को बढ़ाने के लिए लखनपुर, वसुंधरा क्षेत्रों में नमूना तैयार करने के उपकरण, यानी क्रशर और पल्वराइजर प्रदान किए गए हैं। नतीजतन, एमसीएल के पास कोयले के नमूने तैयार करने की 100% क्षमता है। इसके अलावा, कोयला उत्पादन और प्रेषण में वृद्धि के कारण भविष्य में नमूनाकरण की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए कोयले के नमूनों की तैयारी और विश्लेषण के लिए उपकरणों के अतिरिक्त सेट उपलब्ध कराने और निर्बाध नमूना तैयार करने और विश्लेषण के लिए स्टैंड बाई व्यवस्था के रूप में कार्य करने के लिए भी पर्याप्त कार्रवाई की गई है।

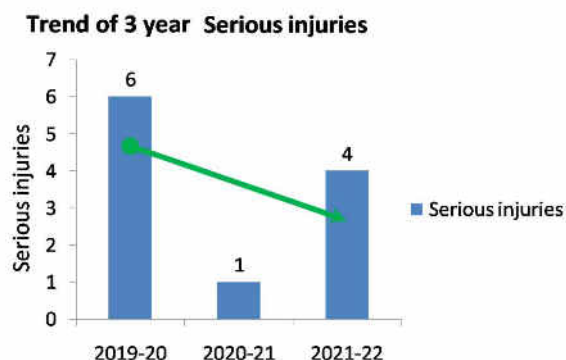
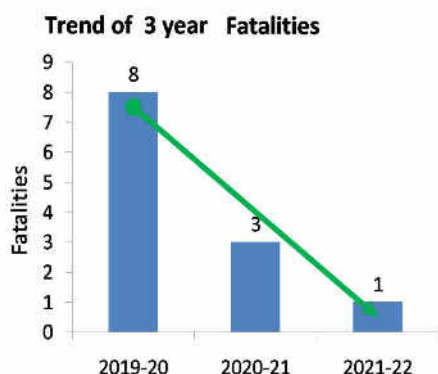
23. सुरक्षा एवं बचाव

कई अंतर्निहित, परिचालन एवं व्यावसायिक खतरों और संबंधित जोखिमों के कारण कोयला खनन अत्यधिक विनियमित उद्योग है। "सुरक्षित खनन" हमारी कंपनी का मुख्य लक्ष्य है। शून्य दुर्घटना लक्ष्य के साथ, कंपनी के खानों को वैज्ञानिक रूप से डिजाइन और संचालित किया जाता है। व्यावसायिक खतरों और संबंधित जोखिमों को कम करने के लिए कर्मचारियों को विभिन्न संसाधन प्रदान किए गए हैं एवं कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

1. दुर्घटना के आँकड़े

क्रमांक	विवरण	-22	2020-21
1	घातक दुर्घटनाओं की संख्या	1	3
2	मृत्यु की संख्या	1	3
3	गंभीर दुर्घटनाओं की संख्या	4	1
4	गंभीर चोटों की संख्या	4	1
5	मृत्यु दर (प्रति मिलियन टन आउटपुट प्रति 3 लाख मैनशिफ्ट)	0.006 0.033	0.020 0.201
6	गंभीर चोट दर प्रति मिलियन टन आउटपुट प्रति 3 लाख मैनशिफ्ट	0.024 0.133	0.007 0.067
7	स्थान-वार मृत्यु दर यूजी ओसी एजी	0 0 1	1 1 1

- 2020-21 की तुलना में 2021-22 में मृत्यु दर में **66.67% की कमी**।
- 2020-21 की तुलना में 2021-22 में प्रति मिलियन टन उत्पादन में मृत्यु दर में **70% की कमी**।



2. सुरक्षा में सुधार के लिए उठाए गए कदम :

एमसीएल ने वर्ष 2021-2022 में खानों में सुरक्षा मानकों को बढ़ाने के लिए सांविधिक आवश्यकताओं के अनुपालन के अलावा, जारी सुरक्षा संबंधी पहलों के साथ-साथ कई उपायों का सख्ती से पालन किया है, जो नीचे दिए गए हैं-

क. वैज्ञानिक अध्ययन

सीएमपीडीआईएल के इन-हाउस विशेषज्ञता एवं अन्य वैज्ञानिक संगठनों और प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के सहयोग से वैज्ञानिक योजना और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ उपलब्ध कराई गई हैं।

- (i) सीआईएमएफआर एवं सीएमपीडीआईएल जैसी विभिन्न एजेंसियों द्वारा किए गए वैज्ञानिक अध्ययन द्वारा निर्धारित योजना एवं डिजाइन के आधार पर एमसीएल के सभी खुली खदान परियोजनाओं में कार्य पद्धति, गड्ढे की ढलान, डंप ढलान और ढलान की निगरानी आदि की गई है।
- (ii) सभी भूमिगत खानों के लिए खदानों के कार्यक्षेत्र की छत और किनारों को सुरक्षित करने हेतु, भू-तकनीकी आंकड़ों, जिसमें समर्थित योजना भी सम्मिलित है, पर विचार करते हुए वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर स्ट्रेट कंट्रोल एंड मॉनिटरिंग प्लान (एससीएमपी) तैयार किए गए हैं।

ख. सुरक्षा प्रबंधन योजना

- (i) जोखिम मूल्यांकन आधारित सुरक्षा प्रबंधन योजना को अद्यतन किया गया है और सभी खानों की समीक्षा की गई है।
- (ii) प्रत्येक खान की सुरक्षा प्रबंधन योजना को उचित संसाधनों के साथ पीएचएमपी-प्रधान जोखिम प्रबंधन योजना विकसित करने पर पर्याप्त प्राथमिकता दी गई है ताकि यथोचित प्राप्य के लिए जोखिम के स्तर को कम से कम किया जा सके।
- (iii) कई घातक घटनाओं की संभावना वाले सभी प्रमुख खतरों के ट्रिगर एक्शन रिस्पांस प्लान (टीएआरपी) के आधार पर सुरक्षा प्रबंधन योजना में आपातकालीन निकासी और पुनः प्रवेश प्रोटोकॉल के लिए विशिष्ट दिशानिर्देश भी शामिल हैं।
- (iv) साइट विशिष्ट, जोखिम मूल्यांकन आधारित मानक संचालन प्रक्रियाएं, सभी कार्यों के मानक संचालन प्रक्रियाएं विभिन्न स्थानों पर तैयार, परिचालित और प्रदर्शित किए गए हैं।

ग. पर्याप्त सुरक्षा निधि और सुरक्षा उपकरणों की खरीद का प्रावधान:-

- (i) सभी कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण जैसे हेलमेट, सुरक्षा जूते, एलईडी कैप लैंप इत्यादि प्रदान किए जाते हैं, ताकि अस्वस्थता और चोट लगने वाली स्थितियों से सुरक्षा प्रदान किया जा सके :

क. 17472 जोड़ी कैनवास के जूते खरीदे गए।

ख. 5454 खनिक सुरक्षा हेलमेट की खरीद की गई है।

- (ii) खानों के लिए 1179 अग्निशामक खरीदे गए।

- (iii) 10 वाइब्रोमीटर, 11 लक्समीटर, 37 विस्फोटक और 24 दोहरे गैस डिटेक्टर खरीदे गए।

- (iv) 9 ब्रूथ एनालाइजर, 1 शोर स्तर मीटर, 2 रेन गेज और 3 एलसीडी प्रोजेक्टर खरीदे गए।

- (v) अन्य सुरक्षा मद, जो वर्ष 2020-21 में खरीदे गए :

- एमसीएल के बचाव प्रशिक्षित व्यक्तियों के लिए विशेष पोशाक (डूंगरी)
- कार्बन डाई ऑक्साइड प्रचूषक के 3000 पैकेट
- श्वास तंत्र के 80 ऑक्सीजन सिलेंडरों का हाइड्रोलिक परीक्षण।
- सोडियम हाइपोक्लोराइट-1000 लीटर।
- श्वास उपकरण के लिए परीक्षक
- 08 एयर कंडीशनर और 01 टेलीविजन।

- (vi) 2021-22: वर्ष 2021-22 में निम्नलिखित आपूर्ति आदेश दिए गए:

- 01 कंक्रीट कटर
- स्टेशन वैगन-02
- फायर प्रोक्सीमिटी सूट्स-06

घ. प्रशिक्षण और निरंतर सुरक्षा जागरूकता अभियान के माध्यम से कार्यबल के ज्ञान, कौशल और जवाबदेही में निरंतर सुधार-

क. प्रशिक्षण

- (i) कामगारों, पर्यवेक्षकों और अधिकारियों को सुरक्षा पहलुओं के बारे में जागरूक करने और उनके कौशल को उन्नत करने हेतु समूह व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों और पूरे कंपनी में सुविधाजनक स्थानों पर स्थापित अन्य प्रशिक्षण संस्थानों में कार्य से संबंधित प्रशिक्षण एवं पुनर्प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। 251 एचईएमएम ऑपरेटरों को आउट सोर्सिंग मोड (टाटा हिताची कंस्ट्रक्शन मशीनरी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, खड़गपुर) द्वारा एमईईटीआई, तालचेर और बीटीआई, लखनपुर दोनों में उनके सिम्युलेटर कंटेनर लाकर सिम्युलेटर प्रशिक्षण दिया गया।

- (ii) ओडिशा फायर एंड डिजास्टर रिस्पांस एकेडमी (ओएफडीआरए), भुवनेश्वर में 18/10/2021 से 01/11/2021 तक "आग से कैसे निपटें और आग के दौरान व्यक्तियों को कैसे बचाएं" पर एमसीएल के 30 बचाव प्रशिक्षित व्यक्तियों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

ख. जागरूकता-

- (i) खदान के कर्मचारियों में जागरूकता लाने के लिए विशिष्ट विषय पर खानों में नियमित रूप से विशेष सुरक्षा अभियान मनाया जाता है। वर्ष 2021-22 के दौरान समस्त खानों में निम्नलिखित विषयों पर विशेष सुरक्षा अभियान मनाया गया-

क्रमांक	विशेष सुरक्षा अभियान दिनांक	विषय
1.	19/04/2021 से 24/04/2021	अग्निशमन संगठन और अग्निशमन व्यवस्था
2.	16/08/2021 से 20/08/2021	मानसून की तैयारी और ओबी डंप की स्थिति
3.	25/10/2021 से 29/10/2021	सुरक्षित ब्लास्टिंग अभ्यास

- (ii) काम करने वालों के बीच सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के लिए, सभी खानों में प्रमुख खान अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से प्री-शिफ्ट सुरक्षा वार्ता की जाती है। इसके अलावा, एमसीएल के प्रमुख खान अधिकारियों द्वारा सुरक्षा के संबंध में ठेकेदार के शिविर में अनुबंधित काम करने वाले व्यक्तियों को नियमित रूप से सुरक्षा वार्ता देकर सुग्राही बनाया जाता है।
- (iii) इसके अलावा एमसीएल की सभी खदानों में खान कर्मचारियों में सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के लिए हर महीने विभिन्न विषयों पर आधारित "सुरक्षा दिवस" मनाया जाता है जिसमें पीएससी के सदस्य और आईएसओ, एमसीएल के अधिकारी भी भाग लेते हैं। एक खदान को विशेष रूप से चुना जाता है और कॉर्पोरेट सुरक्षा सदस्यों द्वारा निरीक्षण किया जाता है।
- (iv) 22 नवंबर से 5 दिसंबर 2021 तक एमसीएल की सभी खदानों/कार्यशालाओं/सबस्टेशन/जीवीटीसी/संविदात्मक प्रतिष्ठानों में वार्षिक सुरक्षा पखवाड़े 2021-22 के आयोजन के माध्यम से एक भव्य सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम मनाया गया। वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़े 2021-22 के संबंध में की गई विभिन्न गतिविधियां इस प्रकार हैं:
- क. सभी क्षेत्रों के प्रतिभागियों को शामिल करते हुए ट्रेड टेस्ट।
- ख. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सभी क्षेत्रों के प्रतिभागी शामिल होते हैं।
- ग. वर्चुअल प्रचार और सुरक्षा जागरूकता के प्रचार के लिए बनाए गए सोशल मीडिया का उपयोग।
- (v) कर्मचारियों को शिक्षित करने के लिए एमसीएल की विभिन्न खदानों में हुई दुर्घटनाओं/घटनाओं के कारणों पर कम अवधि के चार सुरक्षा वीडियो तैयार किए गए। सीआईएल के अन्य सभी सुरक्षा वीडियो के साथ इन सुरक्षा वीडियो को व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से खान कर्मचारियों के बीच साझा किया गया है और उन खदान कर्मचारियों के बीच प्रदर्शित किया गया है जहां साझा करना संभव नहीं था।

ग. सेमिनार और कार्यशाला-

- (i) 21/10/2021 को एमसीएल मुख्यालय में "ब्लास्टिंग और ब्लास्ट प्रदर्शन में सुरक्षा मानकों में सुधार" पर एक सेमिनार आयोजित किया गया था। दो तकनीकी सत्र थे जिनमें एमसीएल के अधिकारियों और विस्फोटक आपूर्तिकर्ताओं द्वारा 11 तकनीकी पेपर प्रस्तुत किए गए थे। इस अवसर पर सीएमडी, एमसीएल द्वारा द इंडियन माइनिंग एंड इंजीनियरिंग जर्नल का डायमंड जुबली स्पेशल नंबर जारी किया गया।
- (ii) खान सुरक्षा, डीजीएमएस, भुवनेश्वर क्षेत्र के उप निदेशक द्वारा दिनांक 25/01/2022 को आयोजित भरतपुर ओसीपी के अधिकारी के लाभ के लिए ढलान स्थिरता पर कार्यशाला।
- (iii) खान सुरक्षा उप निदेशक (मेक), एसईजेड, डीजीएमएस, रांची द्वारा 28/01/2022 को आयोजित भरतपुर ओसीपी के अधिकारी के लाभ के लिए कार्यशाला।
- (iv) 07/01/2022 को डीजीएमएस कार्यालय, भुवनेश्वर में एसएमपी पर खानों में कार्यरत सुरक्षा अधिकारियों के लाभ के लिए लघु संवादात्मक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें सभी क्षेत्रों के सुरक्षा अधिकारी और 3 आईएसओ अधिकारियों ने शारीरिक रूप से भाग लिया जबकि सभी खान सुरक्षा अधिकारियों ने ऑनलाइन भाग लिया।

घ. खदानों में सुरक्षा की निगरानी के लिए हर मंच पर श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना:

- (i) सुरक्षा मामलों पर संयुक्त परामर्श परियोजना स्तरीय सुरक्षा समितियों, क्षेत्र स्तरीय त्रिपक्षीय सुरक्षा समितियों और सहायक स्तर की त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति में कामगार प्रतिनिधियों के साथ आयोजित किया जाता है। कॉर्पोरेट स्तर पर सुरक्षा बोर्ड के सदस्यों के साथ सुरक्षा बैठक 06/12/2021 को कॉर्पोरेट कार्यालय में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। वर्ष 2021-22 के दौरान सभी क्षेत्रों में क्षेत्र स्तरीय द्विदलीय एवं त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठकें सफलतापूर्वक आयोजित की गईं।
- (ii) कोयला खान नियमन 2017 के प्रावधानों के तहत नियुक्त खान अधिकारियों द्वारा वैधानिक निरीक्षण के अलावा, खानों के सुरक्षा मानकों की निगरानी भी कामगार निरीक्षकों (खान नियम 1955 के तहत नियुक्त ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि) द्वारा की जाती है।

ड. सूचना प्रौद्योगिकी पहल:

- (i) **खान सुरक्षा ऐप-** एमसीएल ने सभी हितधारकों के बीच सुरक्षा संबंधी जानकारी को आसानी से साझा करने के लिए सुरक्षा ऐप विकसित और अनुरक्षित किये हैं। सभी सुरक्षा संबंधी जानकारी जैसे डीजीएमएस परिपत्र, दुर्घटना के आँकड़े, महत्वपूर्ण सुरक्षा बैठकों के कार्यवृत्त, आईएसओ परिपत्र आदि को ऐप में अपलोड किया जाता है। ऐप को "खान सुरक्षा जानकारी" टैग के तहत गूगल प्ले स्टोर से मुफ्त डाउनलोड किया जा सकता है।

(ii) मैगजीन लाइसेंस/ठेकेदारों में बदलाव/ विस्फोटक वैन की वैधता की समाप्ति के छह महीने पूर्व संबंधित खानों को एसएमएस और ईमेल के माध्यम से 15 दिनों के अंतराल पर स्वचालित सुरक्षा चेतावनी भेजने की एक प्रणाली मौजूद है।

च. वर्ष 2021-22 के दौरान एमसीएल के सभी खुली खदान एवं भूमिगत खदानों में एमसीएल के अंतर-क्षेत्रीय बहु-विषयक दलों द्वारा **सुरक्षा लेखापरीक्षा** पूरी की गई। अंतर अनुषंगी जांच सुरक्षा लेखापरीक्षा पूर्ण हो गया है।

छ. खानों की सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए सभी क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारियों, विद्युत सुरक्षा अधिकारियों और भू-तकनीकी सेल और क्षेत्र के स्ट्राटा कंट्रोल सेल के प्रमुख के साथ **नियमित समन्वय बैठक** आयोजित की गई।

ज. बीमारियों का पता लगाने के लिए कामगारों और पर्यवेक्षकों की नियमित **चिकित्सा जांच** की जाती है ताकि समय रहते उनका इलाज किया जा सके। 2021-22 के दौरान एमसीएल के पीएमई केंद्रों पर 3521 विभागीय कर्मचारियों और 1165 संविदा कर्मियों की आवधिक चिकित्सा जांच की गई।

3. कोविड-19 के प्रभाव को खत्म करने और खानों में परिनियोजित व्यक्तियों की स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई विशेष पहल :

- खानों में कार्यरत सभी श्रमिकों और अधिकारियों को इस वायरस से बचाने के लिए आवश्यक सैनिटाइजर, मास्क और अन्य व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण मुफ्त में उपलब्ध कराए गए।
- खानों में कार्यस्थल की, विशेष रूप से बार-बार छुई जाने वाली सतहों की उचित सफाई और बार-बार सैनिटाइजेशन के साथ-साथ हैंड सैनिटाइजर साबुन और बहते पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की गई।
- भूमिगत खानों में मैनुअल ड्रिल मशीन के स्थान पर यूनिवर्सल ड्रिल मशीन के साथ मशीनीकृत ड्रिलिंग का सहारा लिया गया।
- वर्चुअल मोड के माध्यम से सभी सुरक्षा संबंधी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किए गए।

4. खान आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और बचाव सेवाएं

- प्रत्येक खदान में संविधी के अनुसार आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना बनाई गई है और आपात स्थितियों से निपटने के लिए संगठन भी बनाया गया है।
- आपातकालीन कार्य योजना की प्रभावशीलता की जांच के लिए नियमित कृत्रिम पूर्वाभ्यास का आयोजन किया जाता है।
- सभी भूमिगत खानों में एस्केप मार्गों का सीमांकन किया गया है।

इसके अलावा एमसीएल के खानों में आपातकालीन स्थिति में जरूरतों को पूरा करने के लिए एमसीएल के ईब-वैली कोयलांचल के ओरियंट क्षेत्र एवं तालचेर कोयलांचल के आरआरआरटी, तालचेर

क्षेत्र में अच्छी तरह से सुसज्जित खान बचाव केंद्र स्थापित किए गए हैं। यह बचाव केंद्र न केवल एमसीएल की बल्कि पड़ोसी निजी भूमिगत खानों को भी सेवाएं प्रदान करता है।

एमसीएल की बचाव सेवाओं द्वारा पूरी की गई विभिन्न गतिविधियाँ इस प्रकार हैं :

1. खान बचाव केन्द्र और आरआरआरटी ने 2021-22 के दौरान कुल 18 आपात स्थितियों/अग्निशमन कार्यों में भाग लिया, जिसमें 07 खान परिसर से और 11 किसी भी खनन गतिविधि से संबंधित नहीं, बल्कि आस-पास के समाज/नागरिक बस्ती में चलाए गए।
2. 201 बचाव प्रशिक्षित व्यक्तियों को खान बचाव केंद्र, ओरियेंट क्षेत्र और आरआरआरटी, तालचेर क्षेत्र में रेस्क्यू और रिकवरी कार्य में पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया गया।
3. एमसीएल के कुल 201 बचाव प्रशिक्षित व्यक्तियों की चिकित्सकीय जांच की गई और उन्हें स्वस्थ पाया गया।
4. वर्ष 2021-22 के दौरान मैसर्स हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रायगढ़ क्षेत्र की गारे पाल्मा IV/4 एवं IV/5 तथा मैसर्स अंबुजा सीमेंट, रायगढ़ क्षेत्र की गारे पाल्मा IV/8 की दो निजी भूमिगत खदानों को प्रशिक्षण एवं आपातकालीन सहायता दी गई।
5. आरआरआरटी, तालचेर में फायर निविदाओं पर अग्निशमन के संबंध में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें 40 व्यक्तियों ने भाग लिया।

सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) और नियमित अंतराल पर खानों और एमआरएस में स्वयं बचाव का प्रदर्शन किया गया।

24. कम्प्यूटरीकरण

एमसीएल का सिस्टम विभाग कंपनी के उद्देश्य के अनुरूप कंपनी के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में सुरक्षित, विश्वसनीय और नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करता है। वर्ष 2021-22 के दौरान एमसीएल में की गई कम्प्यूटरीकरण गतिविधियों की कुछ मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं: -

1. ईआरपीआई कार्यान्वयन-वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, निम्नलिखित व्यावसायिक कार्यों को एकीकृत करने के लिए संगठन में उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) आवेदन लागू किया गया है: -

- माल और सेवाओं के लिए सामग्री प्रबंधन (एमएम)
- संयंत्र रखरखाव (पीएम)
- उत्पादन योजना (पीपी)
- मानव पूंजी प्रबंधन (एचसीएम)
- परियोजना प्रणाली (पीएस)
- वित्त और नियंत्रण (एफआईसीओ)
- बिक्री और वितरण (एसडी)

- वित्त वर्ष 2021-22 की प्रथम तीन तिमाही लेखा बही को ईआरपी के माध्यम से बंद कर दिया गया है। एसएपी ईआरपी को निम्नलिखित बाहरी प्रणालियों के साथ एकीकृत किया गया है:-
- जीईएम पोर्टल के माध्यम से खरीद के लिए जीईएम पोर्टल
- ई-खरीद के लिए जीईपी एनआईसी पोर्टल
- कई बैंक जैसे एसबीआई, आईसीआईसीआई, एक्सिस, एचडीएफसी आदि ऑनलाइन भुगतान/प्राप्तियों के संग्रह को सक्षम करने के लिए।
- कोयले की ई-नीलामी के लिए एम-जंक्शन
- एफओआईएस पोर्टल से एसएपी सर्वर तक रेल बिक्री डेटा (आरआर विवरण आदि) के प्रवाह के लिए एफओआईएस
- i3MS पोर्टल और एसएपी सिस्टम के बीच डेटा के प्रवाह (बिक्री आदेश और प्रेषण विवरण आदि) के लिए i3MS पोर्टल

2. अस्पताल सूचना प्रबंधन प्रणाली (एचआईएमएस) का कार्यान्वयन - गैर-ईआरपी आधारित आवेदन-अस्पताल सूचना प्रबंधन प्रणाली को इसके केंद्रीय अस्पताल ईब वैली क्षेत्र में निम्नलिखित कार्यात्मकताओं के साथ लागू किया गया है: -

- रोगी पंजीकरण
- आउट पेशेंट विभाग (ओपीडी) का प्रबंध करना
- प्रबंध रोगी विभाग (आईपीडी)
- सिक-फिट सर्टिफिकेट
- फार्मसी, पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी, मेडिकल स्टोर का प्रबंधन
- शेड्यूलिंग डॉक्टर/नर्स
- आवधिक चिकित्सा परीक्षा (पीएमई)/प्रारंभिक चिकित्सा परीक्षा (आईएमई)
- ऑपरेशन थियेटर (ओटी) प्रबंधन
- रोगी बिलिंग, टेलीमेडिसिन, इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड (ईएमआर), बीमा प्रबंधन
- पिक्चर आर्काइवल एंड कम्युनिकेशन सिस्टम (PACS) आदि। एचआईएमएस एसएपीईआरपी के साथ एकीकृत है।
- वेब और ईमेल सेवाएं-एमसीएल की वेबसाइट "www.mahanadicoal.in" को फिर से डिजाइन किया गया है और 09.10.2021 से एक पूरी तरह से नई वेबसाइट चालू कर दी गई है। वेबसाइट कॉर्पोरेट मुख्यालय में स्थापित वेब सर्वर पर होस्ट की गई है। वेबसाइट को एसएसएल प्रमाणपत्र के उपयोग के माध्यम से सुरक्षित बनाया गया है। पोर्टल को STQC, MeitY, भारत सरकार से वेब अनुप्रयोग सुरक्षा अनुपालन प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

2 लाख रुपये से कम की निविदाओं के विवरण दर्ज करने के लिए एक पोर्टल आधारित एप्लिकेशन विकसित और कार्यान्वित किया गया है, जिसमें निविदा आमंत्रित करने वाले अधिकारियों द्वारा निविदा संबंधित दस्तावेज अपलोड करने और इच्छुक बोलीदाताओं द्वारा स्वीकार्य समय अवधि के भीतर इसे डाउनलोड करने की सुविधा है। इससे व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ी है।

ईमेल के माध्यम से उपभोक्ताओं और विक्रेताओं को सीधे एसएपीईआरपी सिस्टम से डिलीवरी ऑर्डर, बिक्री चालान और भुगतान जानकारी भेजने के लिए ईमेल सर्वर को एसएपीईआरपी सर्वर के साथ कॉन्फिगर और एकीकृत किया गया था।

- एमसीएल इंटरनेट-एमसीएल इंटरनेट सर्कुलर/मैनुअल/निर्देशों को साझा करने के लिए एक आंतरिक पोर्टल है और इसे आंतरिक कर्मचारियों द्वारा यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। इंटरनेट कहीं से भी और कभी भी वर्तमान, अतीत की जानकारी प्रदान करता है, और कंपनी के अधिकारियों के बीच सूचना अंतर को पाटने के लिए है और साथ ही बाहरी लोगों को अवांछित जानकारी के प्रसार से बचने के लिए है।
- मुख्यालय के सभी उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट लीज्ड लाइन-हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी अतिरिक्त के साथ प्रदान की गई है। क्षेत्रों और परियोजनाओं के कार्यालयों में स्थानीय स्तर पर अपनी अलग इंटरनेट कनेक्टिविटी है, लेकिन कॉर्पोरेट लैन के माध्यम से मुख्यालय में उपलब्ध हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा तक भी पहुंच सकते हैं।
- ई-ऑफिस- दस्तावेजों के प्रेषण/प्राप्ति, और फाइलों के निर्माण/स्थानांतरण के लिए पूरे संगठन में ई-ऑफिस पूरी तरह से कार्य कर रहा है। ई-ऑफिस का समर्थन एमसीएल के सभी उपयोगकर्ताओं के लिए, जब भी आवश्यक हो, फाइलों के तेजी से निपटान के लिए, घर से बढ़ाया गया है। और कार्यालय। सभी स्थानों पर ई-ऑफिस के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप फाइलों का तेजी से संचलन और त्वरित निपटान हुआ है। वर्ष के दौरान ई-ऑफिस के माध्यम से शुरू की गई नई ई-फाइलों की कुल संख्या 30892 है, और कार्यालय के माध्यम से संचालित ई-फाइलों की कुल संख्या 389932 है। वर्ष के दौरान दर्ज की गई कुल प्राप्तियां 16099 हैं।
- आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण- वर्ष के दौरान ईआरपी कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए मुख्यालय और क्षेत्रों में 200 से अधिक अतिरिक्त पीसी खरीदे और स्थापित किए गए।
- आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित करना- साइबर संकट प्रबंधन समूह और उप-समूह का गठन किसी भी प्रकार के साइबर खतरों का सामना करने वाले संगठन को तैयार करने के लिए किया गया था। वर्ष 2021-22 के दौरान कोई सुरक्षा उल्लंघन नहीं देखा गया।
- एमसीएल में ई-प्रोक्योरमेंट - एमसीएल की ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली, जो 15.08.2009 को शुरू की गई थी, सफलतापूर्वक चल रही है और अब तक इस मोड के माध्यम से 148849 करोड़ रुपये की वस्तुओं और सेवाओं की खरीद को अंतिम रूप दिया जा चुका है। इस वेब-आधारित

सॉफ्टवेयर समाधान को लागू करने से एमसीएल को अत्यधिक लाभ हुआ है। निविदाओं को अंतिम रूप देने के चक्र के समय में उल्लेखनीय कमी आई है, और इसने निविदा प्रबंधन प्रक्रिया में बेहतर पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित की है। विभिन्न बोलीदाताओं द्वारा भुगतान की जा रही बयाना जमा (ईएमडी) का प्रबंधन स्वचालित कर दिया गया है, और इस प्रक्रिया के कार्यान्वयन के बाद असफल बोलीदाताओं को अस्वीकृति के अगले दिन स्वचालित रूप से ईएमडी वापस कर दी जाती है। बेहतर पारदर्शिता और बोलीदाताओं की सुविधा के कारण संगठन की साख में वृद्धि हुई है। एसएपी के कार्यान्वयन के बाद, खरीद प्रक्रिया की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम को एसएपी के साथ एकीकृत किया गया है।

- कंपनी में आईटी का और अधिक लाभ उठाने के लिए कई गैर-ईआरपी अनुप्रयोग प्रचालन में हैं।
 - i) उत्पादकता सुधार योजना-उत्पादकता सुधार के लिए सॉफ्टवेयर योजना एमसीएल की विभिन्न खुली खदानों में सफलतापूर्वक चल रही है। विभागीय सरफेस माइनर ऑपरेटरों के लिए प्रोत्साहन गणना का ध्यान रखने के लिए और समय-समय पर एमसीएल बोर्ड द्वारा अनुमोदित योजना में परिवर्तनों को शामिल करने के लिए सॉफ्टवेयर में नियमित संशोधन किया जा रहा है।
 - ii) इलेक्ट्रॉनिक पूंजी निधि प्रबंधन - पुनर्विनियोग सहित पूंजी निधि आवंटन को ट्रैक करने के लिए मॉड्यूल प्रचालन में है। आवश्यकतानुसार प्रक्रियात्मक परिवर्तनों को समय-समय पर मॉड्यूल में शामिल किया जा रहा है।

25. दूरसंचार

• ईआरपी और कोलनेट के लिए अनावश्यक डाटा संचार नेटवर्क :

ईआरपी और कोलनेट के लिए एमपीएलएस नेटवर्क एमसीएल के 284 स्थानों पर स्थापित किया गया है, जिसमें मेसर्स रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की सेवाओं का उपयोग करके सभी डेटा जनरेटिंग पॉइंट्स जैसे एरिया ऑफिस, प्रोजेक्ट ऑफिस, एमटीके, वेटब्रिज आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त में, आपकी कंपनी में बीएसएनएल का एमपीएलएस नेटवर्क 116 डेटा जनरेटिंग पॉइंट्स को स्थापित किया गया है। उपरोक्त के अलावा, एमसीएल की लगभग सभी इकाइयों को कवर करते हुए स्थापित आईपी आधारित वाइड एरिया नेटवर्क (डब्ल्यूएन) का आपकी कंपनी द्वारा व्यापक रूप से और सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है।

एमसीएल मुख्यालय में एक 24x7 नेटवर्क ऑपरेटिंग सेंटर (एनओसी) भी स्थापित किया गया है ताकि पूरे एमसीएल में सभी लिंकों की निगरानी की जा सके, साथ ही लिंकों में किसी भी व्यवधान के मामले में त्वरित बहाली की जा सके।

इस नेटवर्क बैकबोन की सफल स्थापना के साथ, एमसीएल में ईआरपी का उपयोग शुरू हो गया है, और इन नेटवर्कों के माध्यम से कोलनेट के मौजूदा मॉड्यूल तक भी पहुंचा जा सकता है।

आपकी कंपनी ने बीएसएनएल से अति आवश्यक कनेक्टिविटी की स्थापना के लिए भी एक पहल की है।

- **क्षेत्रों में ई-ऑफिस का विस्तार :**

आपकी कंपनी ने उपरोक्त नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके सभी क्षेत्रों और खानों में ई-ऑफिस की सुविधा का विस्तार किया है। इसके परिणामस्वरूप फाइलों का तेजी से संचलन हुआ है और कंपनी के सभी कार्यों का शीघ्र कार्यान्वयन हुआ है।

- **वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम :**

आपकी कंपनी द्वारा एमसीएल मुख्यालय, एमसीएल भुवनेश्वर कार्यालय और एमसीएल के अन्य क्षेत्रों में एक एंटरप्राइज ग्रेड वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम स्थापित किया गया है, जो सीआईएल के निजी नेटवर्क के साथ-साथ इंटरनेट (सार्वजनिक नेटवर्क) पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठकें आयोजित करने के लिए त्वरित सामूहिक निर्णय लेना सक्षम बनाता है। प्रमुख प्रबंधन कर्मियों द्वारा सहयोगात्मक निर्णय लेना। यह सिस्टम एमसीएल के लाइसेंस प्राप्त एंटरप्राइज ग्रेड मल्टी कॉन्फ्रेंस यूनिट और क्लाउड सर्वर पर चलता है, जो गोपनीयता और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है।

आपकी कंपनी द्वारा क्लाउड आधारित वीडियो कॉन्फ्रेंस सेवाएं भी खरीदी गई हैं, जिनका स्मार्टफोन, लैपटॉप, डेस्कटॉप के साथ-साथ वीसी एंड पॉइंट्स का उपयोग करके घर या कार्यालय से व्यापक रूप से उपयोग किया गया है। आपकी कंपनी द्वारा 2021-22 में इन संसाधनों का उपयोग करके हजारों वीडियो कॉन्फ्रेंस, साक्षात्कार, बैठकें, प्रशिक्षण, वेबिनार, कार्यक्रम आदि निष्पादित किए गए हैं।

इन संसाधनों ने यात्रा लागत के साथ-साथ कंपनी के शीर्ष प्रबंधन और अन्य कर्मचारियों की यात्रा के अनगिनत घंटों में करोड़ों रुपये की बचत की है।

- **लीज्ड लाइनों का उपयोग कर हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी:**

आपकी कंपनी ने एमसीएल मुख्यालय, एमसीएल भुवनेश्वर कार्यालय, एमसीएल क्षेत्रों (सीडब्ल्यूएस तालचर, सीडब्ल्यूएस आईबी वैली और एनएससीएच तालचर सहित) में लीज्ड लाइनों का उपयोग करके हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी स्थापित की है। इन हाई स्पीड लिंक्स का उपयोग निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं के साथ-साथ एमसीएल में अन्य बैंडविड्थ व्यापक अनुप्रयोगों जैसे एमसीएल वेबसाइट, वीटीएस एप्लिकेशन और डेटाबेस सर्वर, सीसीटीवी कैमरों की स्ट्रीमिंग आदि की मेजबानी के लिए बीएसएनएल, रेलटेल(RCIL) एवं पावर ग्रिड(PGCIL) की सेवाओं का उपयोग करके किया जाता है।

- **फाइलों के लिए यूवी आधारित सैनिटाइजर कैबिनेट:**

कोविड-19 महामारी के दौरान, आपकी कंपनी ने 07 यूवी आधारित सैनिटाइजर कैबिनेट खरीदे और स्थापित किए हैं, जिनका उपयोग सेंट्रल डिस्पैच, एमसीएल मुख्यालय के साथ-साथ एमसीएल के सीएमडी के सचिवालयों, निदेशकों और सीवीओ से प्राप्त कागजात और फाइलों को साफ करने के लिए किया जाता है। . इससे आपकी कंपनी को कंपनी के भीतर संक्रमण को नियंत्रित करने में मदद मिली है।

- **हाई स्पीड वायरलेस इंटरनेट हॉटस्पॉट :-** आपकी कंपनी द्वारा एमसीएल मुख्यालय में सभी निदेशकों, सीवीओ और एचओडी और कुछ अन्य अधिकारियों को ब्रॉडबैंड / एफटीएचएच (फाइबर टू द होम) कनेक्शन के अलावा कार्यालयों और आवासीय कार्यालयों में हाई स्पीड वायरलेस इंटरनेट हॉटस्पॉट प्रदान किए गए हैं ताकि और अधिक सूचनात्मक निर्णय लेने के लिए 24x7 संचार और सूचना चैनल, सक्रिय इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके। इंटरनेट कनेक्टिविटी में इन सभी प्रयोगों ने दैनिक संचार को कागज से इलेक्ट्रॉनिक मोड में स्थानांतरित कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप समय और संसाधनों की बचत हुई है।

- **वाई-फाई नेटवर्क :** आपकी कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट कार्यालय और एमसीएल के जागृति विहार परिसर में वाई-फाई नेटवर्क स्थापित किया गया है। जागृति विहार के आवासीय क्षेत्रों में वाईफाई नेटवर्क को फिर से मजबूत और पुनः प्रवर्तित किया जा रहा है।

- **मोबाइल सीयूजी सुविधा :** आपकी कंपनी द्वारा संगठन की विभिन्न इकाइयों में कार्यरत एमसीएल के सभी अधिकारियों, जेसीसी सदस्यों, प्रमुख कर्मचारियों, रेलवे साइडिंग अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों, बचाव ब्रिगेड कर्मियों और खान बचाव स्टेशनों के ड्राइवरों, बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली आदि के लिए मोबाइल सीयूजी सुविधा प्रदान की गई है ताकि पूरे ओडिशा राज्य में, न्यूनतम लागत पर 24x7 असीमित संचार सक्षम करना, जिससे एमसीएल के संचार बुनियादी ढांचे को मजबूत करना।

कोविड-19 महामारी के दौरान, आपकी कंपनी द्वारा हाई स्पीड इंटरनेट, वाईफाई नेटवर्क, मोबाइल इंटरनेट, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण और सेवाओं आदि जैसे संसाधनों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया है। इन समाधानों और संसाधनों द्वारा पेश किया गया लचीलापन आपकी कंपनी के कर्मचारियों के बीच सहज संचार बनाए रखने में एक प्रमुख लाभ साबित हुआ है, और आपकी कंपनी के आधिकारिक काम पर कोविड प्रेरित लॉकडाउन और प्रतिबंधों के प्रभाव को बहुत कम कर दिया है। इसके अलावा, ये संसाधन पारंपरिक कार्यालय के काम के लिए एक विकल्प भी साबित हुए, जिससे महामारी के दौरान संक्रमण को नियंत्रित करने में मदद मिली।

- **आईपी आधारित टेलीफोन एक्सचेंज:**

आपकी कंपनी ने एमसीएल मुख्यालय में एक नया आईपी आधारित टेलीफोन एक्सचेंज स्थापित किया है, जिसने एमसीएल और एनसीएल के बीच इंटरकॉम कनेक्टिविटी को सक्षम किया है, जिससे आपकी कंपनी के शीर्ष प्रबंधन के बीच संचार आसान हो गया है। आईपी एक्सचेंज एमपीएलएस नेटवर्क या वाइड एरिया नेटवर्क पर सीएमडी, निदेशकों, एरिया जीएम, परियोजना अधिकारियों आदि के बीच संचार की सुविधा प्रदान कर सकता है।

- **जीपीएस/जीपीआरएस आधारित वाहन ट्रैकिंग सिस्टम:-**

- क) आपकी कंपनी द्वारा 3416 निजी ट्रकों/टिपरों, एचईएमएम, और कोयले और ओबी के उत्पादन और आंतरिक परिवहन में लगे अन्य वाहनों के साथ-साथ गश्त के लिए सुरक्षा विभाग द्वारा उपयोग किए जाने वाले वाहनों में जीपीएस आधारित वीटीएस (व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम) इकाइयाँ स्थापित की गई हैं। इन वाहनों की लाइव ट्रैकिंग के साथ-साथ जियो फेंस के उल्लंघन, ट्रिप, लंबे स्टॉपेज, तय की गई दूरी आदि से संबंधित विभिन्न रिपोर्टों को देखने के लिए वेब इनेबल्ड लिंक यानी <http://mclvts.in> पर उपलब्ध हैं। यह लिंक हमारी वेबसाइट www.mahanadicoal.in पर भी उपलब्ध है। सिस्टम में परियोजनाओं और क्षेत्रीय कार्यालयों के संबंधित उपयोगकर्ताओं को ऑटो जनरेटेड एसएमएस अलर्ट भेजने का भी प्रावधान है।
- ख) आपकी कंपनी द्वारा जियो-फेंस सीमा को पार करने वाले वाहनों पर नज़र रखने के लिए मार्गों के साथ-साथ खदान की सीमा की जियो-फेंसिंग की गई है।
- ग) अलर्ट की निगरानी के लिए एमसीएल-मुख्यालय और आपकी कंपनी के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं।

- **अस्पताल प्रबंधन प्रणाली:**

केंद्रीय अस्पताल, ईब वैली में अन्य इलेक्ट्रॉनिक और संचार उपकरणों के साथ हाई स्पीड नेटवर्क बैकबोन स्थापित किया गया है। इस बुनियादी ढांचे का उपयोग करते हुए, अस्पताल प्रबंधन प्रणाली (एचएमएस) को सफलतापूर्वक अस्पताल में लागू किया गया है, जिसने अस्पताल में रोगी डेटाबेस और उपचार प्रक्रिया के संगठन में काफी सुधार किया है।

- **सीसीटीवी निगरानी प्रणाली :**

- क) आपकी कंपनी ने एमसीएल मुख्यालय, बुर्ला के कार्यालय परिसर में 65 कैमरों की सीसीटीवी निगरानी प्रणाली स्थापित की है, जिसका उपयोग कॉर्पोरेट कार्यालय की सुरक्षा बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।
- ख) आपकी कंपनी ने एमसीएल के सभी क्षेत्रीय/केंद्रीय स्टोरों और केंद्रीय कार्यशालाओं में 376 कैमरों की सीसीटीवी निगरानी प्रणाली स्थापित की है।

- ग) आपकी कंपनी ने एमसीएल की विभिन्न परियोजनाओं में विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर कई सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं, जैसे एमसीएल के सभी क्षेत्रों के खदानों के प्रवेश, निकास बिंदु, कोयला स्टॉक, कोयला नमूना प्रयोगशाला आदि।
- घ) आपकी कंपनी ने 21 रेलवे साइडिंग में सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं।
- ङ) आपकी कंपनी ने सभी खदानों के वे-ब्रिजों पर 159 सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं।
- च) आपकी कंपनी ने अनधिकृत गतिविधि की संभावना को और कम करने और सुरक्षा बढ़ाने और अनधिकृत वाहनों और कर्मियों के प्रवेश को रोकने के लिए एक व्यापक सीसीटीवी निगरानी प्रणाली की स्थापना के लिए पहल की है।
- **वीएचएफ संचार** : आपकी कंपनी ने कोल फेस तक परियोजनाओं में संचार के लिए विभिन्न खानों में वीएचएफ संचार नेटवर्क स्थापित किया है। परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए इसे हर साल बढ़ाया जा रहा है।
 - **आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएस)**: भारत सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत, आपकी कंपनी ने एमसीएल मुख्यालय, एमसीएल भुवनेश्वर कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों, परियोजना कार्यालयों, एमटीके में एईबीएस स्थापित किया है, जिसमें एमसीएल के सभी एमटीके उपस्थिति स्थानों को शामिल किया गया है। सभी उपकरणों को अतिरिक्त के साथ इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। एईबीएस के लिए एमसीएल में कुल 807 उपकरण लगाए गए हैं।
 - **टेलीफोन एक्सचेंज**: इन कार्यालयों में आंतरिक संचार सुविधाओं को बढ़ाने के लिए आपकी कंपनी द्वारा एमसीएल की लगभग सभी इकाइयों में आंतरिक टेलीफोन कनेक्टिविटी और ईपीएबीएक्स सिस्टम की हजारों लाइनें स्थापित और रखरखाव की गई हैं।
 - **सुरक्षित टेलीफोन नेटवर्क** : आपकी कंपनी द्वारा विशेष रूप से सीएमडी, निदेशकों और सीवीओ के लिए कंपनी के शीर्ष प्रबंधन के भीतर गोपनीयता और त्वरित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक आंतरिक आईपी आधारित बंद टेलीफोन नेटवर्क बनाया गया है।
 - **डीटीएच सेवा** : एमसीएल मुख्यालय में कर्मचारियों और मेहमानों के मनोरंजन के लिए, एमसीएल मुख्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों के आवास पर 700 से अधिक कनेक्शन वाली डीटीएच सेवाएं और अन्य स्थानों जैसे गेस्ट हाउस, आदि, जागृति विहार और आनंद विहार दोनों को कवर करती हैं। जिसका आपकी कंपनी द्वारा व्यवस्थित रूप से रखरखाव किया गया है।
 - **भूमिगत संचार प्रणाली** : - आपकी कंपनी द्वारा सभी भूमिगत परियोजनाओं में तेज और सुरक्षित संचार के लिए भूमिगत संचार प्रणाली स्थापित की गई है। विभिन्न भूमिगत

परियोजनाओं में पर्यावरणीय टेली-मॉनिटरिंग सिस्टम भी बनाए रखा जा रहा है और इसे बढ़ाने के लिए कदम उठाए गए हैं।

26. सहायक उद्योगों का विकास

एमसीएल स्थानीय नवोदित उद्यमियों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और स्टोर/उपभोज्य/मरम्मत आदि के क्षेत्रों में राजस्व द्वारा पर्याप्त हिस्सा बांटकर उन्हें एक स्थायी व्यवसाय प्रदान करता है।

उपरोक्त कारणों से, एमसीएल के पास पूर्ण विकसित एमएसएमई-सहायक विकास प्रकोष्ठ है जो निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध है:

- ओडिशा राज्य के भीतर अपने परिचालन अधिकार क्षेत्र में सूक्ष्म और लघु उद्योगों की संभावनाओं का पता लगाने और विकसित करने के लिए सभी प्रयासों को शुरू करता है , अनुमति देता है और प्रोत्साहित करता है।
- राज्य के उद्योग निदेशालय और डीआईसी की मदद से एमसीएल की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पुर्जों की उपलब्धता में सुधार, आयात प्रतिस्थापन।
- राज्य के इलाके की युवा आबादी के बीच स्वरोजगार और इस प्रकार उनमें आत्म-निर्भरता का दायरा बनाने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का निर्माण करना।
- राज्य में आम जनता की समृद्धि और देश के औद्योगिक मानचित्र में इस राज्य का उत्थान और इस राज्य के एससी / एसटी, एमएसई और महिला एमएसई सहित एमएसई के औद्योगिक उत्पादों को वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक मानक प्राप्त करने की नई गतिशीलता तक पहुंचने के लिए समायोजित करना।

कंपनी की स्थापना के बाद से, एमसीएल ने ओडिशा के एमएसई की मदद और उनका विकास किया है। एमएसई इकाइयों को एमसीएल के इंजीनियरिंग और खनन खंड में शामिल उत्पादन प्रक्रियाओं से सीधे जुड़े विभिन्न उपभोज्य पुर्जों / वस्तुओं और सेवा से संबंधित नौकरियों के लिए निविदाएं प्रदान की गईं।

इसके अलावा, एमएसई को जीवित रखने के अपने निरंतर प्रयासों में, एमसीएल उन सहायक इकाइयों को स्थायी व्यवसाय दे रहा है, जो गुणवत्ता सामग्री की आपूर्ति और शीघ्र वितरण कार्यक्रम बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार द्वारा पहचाने गए एमएसई के लिए 358 आइटम आरक्षित हैं। भारत के जो विशेष रूप से केवल एमएसई से खरीदे जाते हैं जिसके लिए एक विशेष एनआईटी भी तैयार की जाती है।

एमसीएल लगातार सहायक इकाइयों का सहयोग करने के अलावा समय-समय पर इंटरैक्टिव सत्र / बैठकें आयोजित करके उनकी शिकायतों का निवारण करने का प्रयास कर रहा है। एमसीएल हमेशा राज्य के एमएसएमई के साथ गुणवत्ता, विपणन और समग्र व्यवसाय विकास के साथ उनके उत्थान के लिए संकल्पवद्ध है। राष्ट्रीय हित हेतु इसे राज्य और राष्ट्रीय निकायों द्वारा विभिन्न मंचों पर भी मान्यता दी गई है। वित्त वर्ष 2021-22 में, कोविड महामारी के बावजूद, एमसीएल ने एनएसएसएच

(राष्ट्रीय एससी एवं एसटी हब) भुवनेश्वर द्वारा आयोजित एक विक्रेता विकास कार्यक्रम और उद्योग निदेशालय, कटक द्वारा आयोजित एमएसएमई (महिला) के लिए विक्रेता विकास कार्यक्रम में भाग लिया है।

एमसीएल द्वारा अपनाई गई नीति की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के सचिव द्वारा जारी एमएसई आदेश 2012 के अनुसार; सार्वजनिक खरीद नीति का क्रियान्वयन वर्ष 2015-16 से कानूनन अनिवार्य हो गया है। एमसीएल ने जुलाई 2013 से मौजूदा सहायक नीति के साथ इस नीति को तैयार और कार्यान्वित किया था। एमएसई और सहायक के लिए नई खरीद नीति एमसीएल के बाद एमसीएल के पोर्टल सहायक और एमएसई पत्र उपलब्ध है, जिसका लिंक है ([http://www.mahanadicoal.in/About/pdf\)/ANCILLARY_POLICY.pdf](http://www.mahanadicoal.in/About/pdf)/ANCILLARY_POLICY.pdf))।

एमएसई द्वारा उत्पादित उत्पादों और सेवाओं की कुल वार्षिक खरीद में से न्यूनतम 25 प्रतिशत की खरीद एमएसई से की जाएगी। सूक्ष्म और लघु उद्यमों से वार्षिक खरीद के 25 प्रतिशत में से 4 प्रतिशत अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से खरीदा जाएगा। हालांकि, ऐसे एमएसई के निविदा प्रक्रिया में भाग लेने या निविदा आवश्यकताओं और एल1 मूल्य को पूरा करने में विफलता की स्थिति में, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई के लिए निर्धारित खरीद के लिए 4% उप-लक्ष्य अन्य एमएसई से पूरा किया जाएगा। इसके अलावा 25 प्रतिशत में से 3 प्रतिशत की खरीद भी महिला उद्यमी के स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से की जाएगी।

- निविदा में, भाग लेने वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों को एल1+15 प्रतिशत के मूल्य बैंड के भीतर मूल्य उद्धृत करते हुए अपनी कीमत को एल1 मूल्य तक कम करके आवश्यकता के एक हिस्से की आपूर्ति करने की अनुमति दी जाएगी, जहां एल1 की कीमत सूक्ष्म और लघु उद्यम के अलावा किसी अन्य व्यक्ति की है। ऐसी अवस्थाओं की सूक्ष्म और लघु उद्यमों को कुल निविदा मूल्य के 20 प्रतिशत तक आपूर्ति करने की अनुमति होगी।
- व्यवसाय करने की लेनदेन लागत को कम करने के लिए, सूक्ष्म और लघु उद्यमों को मुफ्त में निविदा कागजात प्रदान करके, सूक्ष्म और लघु उद्यमों को बयाना राशि के भुगतान से छूट देकर सुविधा प्रदान की जाएगी।
- सूक्ष्म और लघु उद्यमों से 358 वस्तुओं की खरीद, जिन्हें उनसे विशेष खरीद के लिए आरक्षित किया गया है। नई नीति के कार्यान्वयन के लिए, एक मानक एनआईटी पहले ही लागू किया जा चुका है जहां केवल एमएसई या एमएसई के अधिकृत प्रतिनिधि भाग ले सकते हैं और दूसरों के प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

यह उल्लेखनीय है कि एमसीएल की 2.00 लाख से अधिक अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए ई-निविदा के लिए जाने की नीति है जिसमें एमएसई भी भाग ले सकती है। बशर्ते वे पात्रता मानदंडों को पूरा करते हों।

MCL की पिछले तीन वर्षों की MSME से वार्षिक खरीद और खरीद नीचे दी गई है:

		2019-20	2020-21	2021-22
1	एचईएमएम, पीओएल, इमारती लकड़ी , विस्फोटक आदि को छोड़कर कुल वार्षिक खरीद (करोड़ रुपये में)	72.46	86.22	427.18
2	एमएसई से कुल खरीद (करोड़ रुपये में)	36.40	34.40	166.03
3	कुल खरीद में से एमएसई से % खरीद	50.22	39.89	38.87

एमसीएल ने वित्त वर्ष 2021-22 में कुल वार्षिक खरीद में से एमएसई के लिए 38.87% खरीद हासिल की है और लगातार न्यूनतम 25% लक्ष्य हासिल किया है और भविष्य में भी इस प्रवृत्ति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। नीति में एमएसई द्वारा उत्पादित या प्रदान किए गए उत्पादों या सेवाओं की कुल वार्षिक खरीद का 25% प्राप्त करना शामिल है जिसे सफलतापूर्वक हासिल किया गया है।

एमसीएल आरएक्सआईएल (Receivables Exchange of India Ltd.) प्लेटफॉर्म के माध्यम से TReDS (ट्रेड्स रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम) पोर्टल पर पंजीकृत है। एमएसएमई विक्रेताओं को TReDS पोर्टल पर पंजीकरण करने और RXIL प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

एमसीएल खरीद प्रक्रिया पर निगरानी रख रहा है, ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल में बोलीदाताओं के डेटाबेस को अपडेट कर रहा है, 25% के लक्ष्य को प्राप्त करने और उसमें सुधार करने के लिए हितधारकों के साथ बातचीत कर रहा है।

27. मानव संसाधन प्रबंधन (एचआरएम)

औद्योगिक संबंध:

एक प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठान के रूप में, कंपनी ने संगठन में सामंजस्यपूर्ण कार्य वातावरण बनाने के लिए अपने श्रमिक प्रतिनिधियों के साथ स्वस्थ सौहार्दपूर्ण औद्योगिक संबंध बनाए रखा है। इसने बाहरी एजेंसियों और खनन क्षेत्र के आस-पास के ग्रामीणों के साथ भी मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखा है।

उच्च विकास प्राप्त करने के लिए प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध महत्वपूर्ण है और इसलिए, कंपनी हमेशा अच्छे औद्योगिक संबंध बनाए रखने पर जोर देती है। इस वर्ष भी, एमसीएल कोविड-19 महामारी के मद्देनजर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण ट्रेड यूनियनों के साथ कई भौतिक औद्योगिक संबंध बैठकें आयोजित करने में सक्षम नहीं होने के बावजूद, ट्रेड यूनियनों के साथ सामंजस्यपूर्ण रूप से औद्योगिक संबंध बनाए रखने में सफल रहा है। हालांकि, मुद्दों और शक्तियों के

प्रत्यायोजन के आधार पर, प्रबंधन के विभिन्न स्तरों पर कर्मचारियों की शिकायतों/मांगों का समाधान किया गया।

सेंट्रल ट्रेड यूनियनों द्वारा 28-29 मार्च 2022 तक आयोजित एक देशव्यापी आम हड़ताल को छोड़कर, जिसमें कोल इंडिया लिमिटेड के ट्रेड यूनियनों ने भी भाग लिया, औद्योगिक संबंध शांतिपूर्ण रहे। इसके अलावा, प्रबंधन और ट्रेड यूनियनों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाते हुए, वर्ष 2021-22 के दौरान कोई हड़ताल नहीं हुई थी।

प्रबंधन के साथ औद्योगिक संबंधों के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए सभी चार ट्रेड यूनियनों के प्रयास अत्यधिक प्रशंसनीय थे।

सहभागी प्रबंधन:

दिन-प्रतिदिन के मामलों में निर्णय लेने में कर्मचारियों की भागीदारी के साथ-साथ प्रबंधन के साथ एक निश्चित स्तर तक कॉर्पोरेट योजना बनाने से कॉर्पोरेट लक्ष्य प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होता है। एमसीएल, आपकी कंपनी, सहभागी प्रबंधन के मूल्यों को जानते हुए अपनी स्थापना के बाद से इस सिद्धांत को अपनाया है।

ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधियों को जेसीसी और वेलफेयर बोर्ड में प्रतिनिधित्व करने के लिए ऑपरेटिंग ट्रेड यूनियनों (आईआर सिस्टम के तहत कवर) द्वारा नामित किया जाता है। उक्त द्विदलीय मंचों के अलावा, क्षेत्र के साथ-साथ कॉर्पोरेट स्तर पर त्रिपक्षीय सुरक्षा समितियाँ भी कार्य कर रही हैं जिनमें संचालित ट्रेड यूनियनों द्वारा नामित प्रतिनिधि शामिल हैं। उपर्युक्त द्विदलीय और त्रिपक्षीय समितियाँ कुछ निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान के लिए प्रबंधन की सहायता करने में सक्रिय रूप से शामिल थीं।

एमसीएल न केवल सहभागी प्रबंधन के माध्यम से अपने कर्मचारियों के बीच कार्य संस्कृति, सौहार्दपूर्ण वातावरण और एकजुटता विकसित करने में विश्वास रखता है, बल्कि राजभाषा पखवाड़ा के अवसर पर वाद-विवाद और संगोष्ठी में भागीदारी के माध्यम से कर्मचारियों की भागीदारी, सुरक्षा सप्ताह के उत्सव, गुणवत्ता पखवाड़े आदि जैसी सर्वोत्तम प्रथाओं को आत्मसात करके भी विश्वास करता है।

एमसीएल लैंगिक संवेदनशीलता के महत्व को मानता है और अपनी महिला कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने और महिला कर्मचारियों द्वारा उठाए गए मुद्दों/शिकायतों को दूर करने पर विशेष ध्यान रखता है। महिलाओं की उन्नति और विकास को बढ़ावा देने के लिए डब्ल्यू.आई.पी.एस. (सार्वजनिक क्षेत्र में महिला) गोष्ठी में प्रशिक्षण और सेमिनार का आयोजन किया जाता है ताकि वे अवसरों का सर्वोत्तम उपयोग करना जारी रखें, अधिक आत्मविश्वास से उभरें और समावेशी विकास की प्रक्रिया में प्रभावी ढंग से योगदान दें, एमसीएल ने अपनी महिला कर्मचारियों की भागीदारी के माध्यम से नेटवर्किंग, सूचनाओं और विचारों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान की है।

हालांकि, कोविड-19 महामारी के कारण आईआर, कल्याण, सुरक्षा, जेसीसी आदि से संबंधित नियमित रूप से संरचित बैठकें 2021-22 में कंपनी स्तर/क्षेत्र स्तर/परियोजना स्तर पर भौतिक रूप से आयोजित नहीं की जा सकीं, कुछ बैठकें भौतिक रूप से आयोजित की गईं, सभी का अनुसरण करते हुए कोविड-19 के लिए सरकार के प्रोटोकॉल और बाकी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से, जिसमें कर्मचारी कल्याण, सुरक्षा और कर्मचारी शिकायतों से संबंधित विभिन्न मामलों पर संघ के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई और समस्याओं को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाया गया। इस तरह की चर्चाओं के दौरान, कार्य प्रक्रियाओं में सुधार और संगठन के दिन-प्रतिदिन के मामलों की बेहतरी के लिए कई नए विचार और सुझाव भी सामने आए।

इसके अलावा, कोल इंडिया अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ (सी.आई.एस.टी.ई.ए.) के साथ बैठकें मुख्यालय/क्षेत्रों में, कोविड-19 के लिए सरकार के सभी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आयोजित किये गए, जहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों के कर्मचारियों की शिकायतों पर चर्चा की गई और शिकायतों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए कदम उठाए गए।

सहभागी प्रबंधन की दिशा में एक सकारात्मक कदम की शुरुआत करते हुए इकाई/क्षेत्र/मुख्यालय स्तर पर निम्नलिखित मंचों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति संघ के एक सदस्य को शामिल किया गया है:-

- i) आवास आवंटन समिति
- ii) क्षेत्रीय संयुक्त सलाहकार समिति
- iii) कॉर्पोरेट संयुक्त सलाहकार समिति

27.3 प्रशिक्षण एवं विकास

कोल इंडिया में मानव संसाधन विकास पर जोर देते हुए मौजूदा मानव संसाधनों के विकास के साथ-साथ तकनीकी प्रगति के संदर्भ में स्पष्ट परिप्रेक्ष्य के साथ आगे बढ़ने और उत्पादन की मांग को पूरा करने के लिए श्रमशक्ति की वृद्धि के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के लिए कोल इंडिया में मानव संसाधन विकास स्थापित किया गया है।

रणनीतिक योजना से उत्पन्न नियत कार्यों के कार्यान्वयन के लिए एमसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित सभी आठ प्रशिक्षण केंद्रों में मानव संसाधन विकास के प्रयासों को निम्नलिखित चार खंडों में एकीकृत करने के लिए प्रत्येक वर्ष वार्षिक मानव संसाधन विकास की योजना तैयार की जाती है।

I. तकनीकी प्रशिक्षण:

कंपनी में उपयोग की जा रही प्रौद्योगिकी और कॉर्पोरेट स्तर पर विचार की जा रही किसी अन्य तकनीक के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, जिसके लिए प्रशिक्षण के माध्यम से कुशल जनशक्ति की वर्तमान कमी तथा वैधानिक दायित्व को पूरा करने के लिए कर्मियों को तैयार करने की आवश्यकता होती है। महत्वपूर्ण और गैर-महत्वपूर्ण श्रेणियों में कर्मियों की आवश्यकता का विश्लेषण और प्रस्तुतीकरण के साथ-साथ उन्हें तैयार करना ताकि क्षमता और नए उपकरणों के माध्यम से

परियोजना के लिए पूंजी और प्रौद्योगिकी इनपुट या प्रौद्योगिकी में विशेष प्रणालियों के माध्यम से उत्पादन प्रक्रिया में संवर्धन उचित लाभ प्रदान कर सके।

उपरोक्त को लागू करने के लिए श्रमिकों को निम्नानुसार प्रशिक्षित किया जाता है:

- आधार पाठ्यक्रम : प्रौद्योगिकी, उपकरण और प्रणाली के लिए उपयुक्त
- पुनश्चर्या पाठ्यक्रम : आधार पाठ्यक्रम पूरा कर चुके या पहले से ही विशिष्ट कौशल क्षेत्र में काम कर रहे लोगों के लिए पांच वर्ष में एक बार।
- विशिष्ट पाठ्यक्रम: प्रौद्योगिकी में परिवर्तन के मामले में, उपकरण विन्यास और क्षमता एवं उत्पादन प्रणाली में सुधार के मामले में, सभी नए प्रवेशकों को महत्वपूर्ण कुशल क्षेत्रों में उपयुक्त इनपुट दिया जाता है और बुनियादी पाठ्यक्रमों से गुजरना पड़ता है, जबकि कुशल पदों पर कार्यरत लोगों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी होती है।

बुनियादी प्रशिक्षण कंपनी के तकनीकी प्रशिक्षण केंद्रों/वीटीसी/एमटीआई में आयोजित किया जाता है।

पुनश्चर्या प्रशिक्षण या तो कार्यस्थल पर या कंपनी के प्रशिक्षण केंद्रों में आयोजित किया जाता है। सांविधिक दायित्व को ध्यान में रखते हुए 5 समूह व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और 3 एमटीआई हैं। इन सभी प्रशिक्षण केंद्रों में आधार और पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया जाता है।

II. प्रबंधन प्रशिक्षण :

प्रत्येक स्तर पर और नए पद पर कार्यभार ग्रहण करने के समय अर्थात् उच्च स्तर पर प्रवेश के समय, कंपनी के प्रबंधन प्रशिक्षण केंद्र तथा शीर्ष प्रशिक्षण केंद्र, भारतीय कोयला प्रबंधन संस्थान, रांची में ई.1 से ई.5 तक के स्तर के लिए एक आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है। वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों के लिए, आईआईसीएम, रांची में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

III. परिवर्तन प्रशिक्षण:

यह उन लोगों की मदद करने का एक सुनियोजित प्रयास है जो प्रबंधन नीति के हिस्से के रूप में सीआईएल में कार्यभार ग्रहण करते हैं और उन कामगारों के लिए जिन्हें मध्यवर्ती प्रौद्योगिकी के साथ पारंपरिक से अर्ध-मशीनीकृत खानों में जाने के लिए कौशल हासिल करने की आवश्यकता होती है। इन प्रशिक्षुओं को अनुषंगी कंपनी के लिए विशिष्ट प्रौद्योगिकी हेतु महत्वपूर्ण और गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जनशक्ति की आपूर्ति के स्रोत के रूप में उपयोग किया जाता है।

IV. सामान्य विकास प्रशिक्षण:

खान की स्थिति, कंपनी की संकल्पना, संगठन की हालत - लाभ और हानि, उत्पादकता बढ़ाने के मानदंड के संदर्भ में बदलाव के साथ-साथ लागत मानकों और कंपनी के अस्तित्व के लिए कार्य निष्पादन में उत्कृष्टता के मानदंडों को अंतर-संगठनात्मक के माध्यम से प्रचारित किया जाता है साथ ही व्यापार की वास्तविकता को साझा करके नियोजित तरीके से श्रमिकों और पर्यवेक्षकों के साथ संचार के साथ-साथ आमने-सामने बातचीत की जाती है।

तेजी से बदलते ऊर्जा परिदृश्य के साथ तालमेल रखते हुए कंपनी तकनीकी और प्रबंधकीय कौशल के विभिन्न पहलुओं में निरंतर प्रशिक्षण और पुनः प्रशिक्षण की प्रक्रिया के माध्यम से अपने कर्मचारियों को विकसित करने का प्रयास करती है। प्रशिक्षण हमारी कंपनी की कॉर्पोरेट नीति का एक अभिन्न अंग है जिसमें संगठनात्मक विकास की कुंजी के रूप में मानव संसाधनों के विकास की परिकल्पना की गई है।

रणनीतिक योजना से उत्पन्न नियत कार्यों के कार्यान्वयन लिए, तीन कंपनी प्रशिक्षण संस्थानों, यथा , प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआई), एमसीएल मुख्यालय, बुर्ला, बेलपहाड़ प्रशिक्षण संस्थान (बीटीआई) लखनपुर, खनन इंजीनियरिंग और उत्खनन प्रशिक्षण संस्थान (MEETI), केंद्रीय कर्मशाला (उत्खनन), तालचेर तथा जगन्नाथ क्षेत्र, तालचेर क्षेत्र, लखनपुर क्षेत्र, ओरिएंट क्षेत्र और बसुंधरा क्षेत्र में स्थित पाँच समूह व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (GVTCs) के माध्यम से मानव संसाधन विकास के प्रयासों को एकीकृत करने के लिए प्रत्येक वर्ष वार्षिक मानव संसाधन विकास योजना तैयार की जाती है।

V. **प्रशिक्षण पाठ्यक्रम:**

A. **अधिकारी विकास कार्यक्रम**

सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम। अधिकारियों के प्रबंधकीय कौशल और कार्य निष्पादन को बढ़ाने के लिए।
कार्यात्मक और क्रॉस फंक्शनल कार्यक्रम :अन्य विभाग के कार्यों के संबंध में ज्ञान विकसित करने के लिए।

कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम :कार्यालय से संबंधित सभी कार्यों के सुचारु एवं कुशलतापूर्वक संचालन के लिए

B. **पर्यवेक्षक कार्यक्रम**

पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम :ज्ञान और कौशल उन्नयन के लिए।

पर्यवेक्षकों के लिए सुरक्षा प्रबंधन :पर्यवेक्षकों के बीच सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के लिए।

कैरियर के विकास जैसे ओवरमैन और माइनिंग सरदार योग्यता परीक्षा के लिए कोचिंग क्लास।

कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम :कार्यालय से संबंधित सभी कार्यों के सुचारु एवं कुशलतापूर्वक संचालन के लिए।

C. **श्रमिकों के कार्यक्रम**

श्रमिक विकास कार्यक्रम : श्रमिकों के कौशल उन्नयन के लिए एचईएमएम प्रशिक्षण :विभिन्न खदानों में उचित प्रशिक्षण के बाद चयनित होनेवाले भूमि विस्थापितों का चयन इस प्रशिक्षण के लिए किया जाता है ।

कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम :कार्यालयीन कार्य के सुचारु एवं कुशलता पूर्वक संचालन के लिए।

VI. नई पहल:

1. एमसीएल के कर्मचारियों/पूर्व कर्मचारियों/पीएपी(परियोजना प्रभावित जनों) के पुत्र/पुत्रियों के लिए पीडीपीटी प्रशिक्षण के लिए अतिरिक्त 50 सीटें सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित की गई हैं और संबंधित पात्र उम्मीदवारों को तालचर क्षेत्र और ओरिएंट क्षेत्र के यूजी खानों में उनके पीडीपीटी प्रशिक्षण के लिए कार्यालय आदेश जारी किया गया है।
2. सीआईएल प्रतिभा प्रबंधन नीति और सीआईएल एलएंडडी नीति प्राप्त हो गई है और उन्हें एमसीएल में लागू करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।
3. सिम्युलेटर प्रशिक्षण: एमसीएल के डम्पर और एक्सकेवेटर ऑपरेटरों के लिए, टाटा हिताची कंस्ट्रक्शन मशीनरी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड खड़गपुर के साथ तालचर कोलफील्ड्स के ऑपरेटरों के लिए मीटी तालचर में और आईबी कोलफील्ड्स के ऑपरेटरों के लिए बीटीआई, लखनपुर में सिम्युलेटर आधारित प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।
कुल 251 डम्पर और एक्सकेवेटर ऑपरेटरों को प्रशिक्षित किया गया, जिनमें से 113 ऑपरेटरों को बीटीआई, लखनपुर में और 138 ऑपरेटरों को एमईईटीआई, तालचर में प्रशिक्षित किया गया।

VII. वर्ष 2020-21 तथा 2021-22 के प्रशिक्षण का ब्यौरा:

सोशल डिस्टेंसिंग के सख्त प्रतिबंधों और ऑफ-लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बंद करने के बावजूद, 2021-22 के दौरान कर्मचारियों और श्रमिकों को यथासंभव ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करने का प्रयास किया गया।

वर्ष 2020-21 तथा 2021-22 में दिया गया प्रशिक्षण निम्नानुसार है;

01. वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2021-22 के दौरान कंपनी एमओयू मापदण्डों और प्रशिक्षण लक्ष्य/उपलब्धियों का विवरण

क्र.	मापदण्डों का नाम	2020-21			2021-22		
		लक्ष्य	उपलब्धि		लक्ष्य	उपलब्धि	
1.	सेंटर ऑफ एक्सीलेंस यानी आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईसीडब्ल्यूआई, एससीआई आदि में कम से कम एक सप्ताह/पांच दिन और उससे अधिक के प्रशिक्षण कार्यक्रम करके प्रतिभा प्रबंधन और कैरियर की प्रगति... कुल अधिकारियों का 5%।	90	99	110%	85	312	367%

02. वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 के दौरान प्रशिक्षु अधिनियम, 1961 (संशोधित 2016) के तहत प्रशिक्षण प्रदान करना।

क्र.सं.	संलग्न प्रशिक्षु	2020-21	2021-22
1	प्रशिक्षु के रूप में कार्यरत आईटीआई उतीर्णों की (एनएपीएस के माध्यम से)	663	928
2	संलग्न पीडीपीटी की (एनएटीएस के माध्यम से)	400	318
3	संलग्न पीजीपीटी की संख्या (एनएटीएस के माध्यम से)	59	24
कुल		1122	1270

03. वर्ष 2020-21 और 2021-22 में एमटीआई, बीटीआई, मीटी और जीवीटीसी में आंतरिक प्रशिक्षण-

क्र.सं.	कर्मचारी	वर्ष 2020-21	वर्ष 2021-22
1.	अधिकारी	92	1678
2.	पर्यवेक्षक	264	834
3.	मजदूर	2839	4484
कुल		3195	6996

04. वर्ष 2020-21 और 2021-22 में बाहरी प्रशिक्षण विवरण

क्र.सं.	कर्मचारी	वर्ष 2020-21	वर्ष 2021-22
1.	अधिकारी	486	1484
2.	पर्यवेक्षक	112	42
3.	मजदूर	27	1
कुल		625	1527

05. वर्ष 2020-21 और 2021-22 में कुल प्रशिक्षण (आंतरिक और बाहरी)

क्र.सं.	कर्मचारी	वर्ष 2020-21	वर्ष 2021-22
1.	अधिकारी	578	3162
2.	पर्यवेक्षक	376	876
3.	मजदूर	2866	4485
कुल		3820	8523

6. एमसीएल बोर्ड के सदस्यों को कॉर्पोरेट गवर्नेंस और व्यापार आचार संहिता और आचार संहिता पर दिया गया प्रशिक्षण।

क्र.सं.			
1.	भारत में	शून्य	01
2.	विदेश में	शून्य	शून्य

07. **वर्ष 2020-21 और 2021-22 में प्रशिक्षण श्रम-दिन (ट्रेनिंग मैन डेज) की उपलब्धि**

क्र.सं.	कर्मचारी	वर्ष 2020-21	वर्ष 2021-22
1.	अधिकारी	4084	9923
2.	पर्यवेक्षक	2181	3932
3.	मजदूर	32879	40834
	कुल	39144	54689

08. **वर्ष 2020-21 और 2021-22 में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों को इंटरनशिप प्रशिक्षण**

क्र.सं.	छात्र	वर्ष 2020-21	वर्ष 2021-22
1.	माइनिंग इंजिनियरिंग	07	12
2.	माइनिंग डिप्लोमा	06	44
3.	.टेक	09	21
4.	एमबीए	17	26
5.	अन्य	12	15
	कुल	51	118

9. **विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम**

क्र.सं.	कर्मचारी	वर्ष 2020-21	Year 2021-22
1.	परियोजना प्रबंधन	09	24
2.	अनुबंध प्रबंधन	11	66
3.	जोखिम प्रबंधन	03	1
4.	पर्यावरण, वन प्रबंधन और भूमि अधिग्रहण	6	0
5.	सिम्युलेटर प्रशिक्षण	15	251

1. **शिक्षा -:**

कल्याणकारी उपाय के रूप में, एमसीएल वार्डों को शैक्षिक सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इस संबंध में एमसीएल में 11 प्रोजेक्ट डीएवी पब्लिक स्कूल संचालित हो रहे हैं। हाल ही में एमसीएल बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 03 केंद्रीय विद्यालय खोलने की भी मंजूरी दी है यानी एक महालक्ष्मी क्षेत्र, ईब कोलफील्ड और दो सुभद्रा क्षेत्र और तालचर कोयला क्षेत्रों के जगन्नाथ क्षेत्र में जो शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में चालू होने जा रहे हैं- 23.

एक नजर में स्कूल की स्थिति:

	स्कूल के प्रकार	स्कूलों की संख्या	बजट प्रावधान
1	परियोजना स्कूल घाटा वित्तपोषित (कुल एमसीएल अनुदान)	11	रु.54.35.56.493.46 स्वीकृत घाटा बजट(22-2021)
2	निजी तौर पर प्रबंधित स्कूल (अनुदान सहायता)	17	रु.28,52,429.65 स्वीकृत बजट (22-2021)
3	केन्द्रीय विद्यालय	03	वित्त वर्ष 2022-23 में बजटीय प्रावधान किया जाएगा।

2. सीआईएल छात्रवृत्ति योजना :-

मेधावी छात्रों यानि कर्मचारियों के बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए दो श्रेणियों के तहत छात्रवृत्ति दी जा रही है, यानी मेरिट स्कॉलरशिप ii.सीआईएल छात्रवृत्ति योजना के अनुसार सामान्य छात्रवृत्ति ।

3. शिक्षण शुल्क और छात्रावास शुल्क की लागत के लिए वित्तीय सहायता के वितरण के लिए सीआईएल योजना :

योजना के तहत वेज बोर्ड कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को ट्यूशन फीस और तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा के लिए छात्रावास के किराए की लागत के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

सीआईएल ट्यूशन प्रतिपूर्ति		
वर्ष	कुल संख्या मामलों की	भुगतान की गई राशि
वित्त वर्ष 2021-22	133	46,25,528.00

4. एमसीएल कर्मचारी हितैषी कोष सोसायटी (ईबीएफएस) :

- एमसीएल ईबीएफएस योजना का उद्देश्य मृतक कर्मचारी के परिवार के सदस्यों की वित्तीय कठिनाइयों को पूरा करने के लिए तत्काल राहत प्रदान करना है।
- इस योजना का सदस्य बनने के लिए एकमुश्त अंशदान के रूप में एक दिन का वेतन काटा जाता है।
- इस योजना की निधि के लिए सदस्यों के वेतन से हर महीने 10/- रुपये की कटौती की जाती है।
- योजनान्तर्गत मृतक कर्मचारी के परिवार को रु 25,000/- का लाभ दिया जाता है।

एमसीएल कर्मचारी हितैषी कोष सोसायटी (ईबीएफएस)		
वर्ष	कुल संख्या मामलों की	भुगतान की गई राशि
वित्त वर्ष 2021-22	85	21,25,000.00

5. खेल कूद :

कर्मचारियों के बीच खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए, एमसीएल एमसीएल इंटर-एरिया, सीआईएल इंटर-कंपनी और अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

6. आर्थिक सहायता :-

एमसीएल कंपनी के भीतर के संस्थानों जैसे मनोरंजन क्लब, कैंटीन, शैक्षणिक संस्थानों आदि को कर्मचारी मनोरंजन और बाहरी संगठनों के लिए कोलफील्ड्स के परिधीय क्षेत्र में और पूरे भारत में खेल और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

वित्तीय सहायता			
वर्ष	टाइप	मामलों की संख्या	राशि
वित्त वर्ष 2021-22	कंपनी में	34	30,09,040.00
	बाहर	39	14,90,0000.00
	कुल	73	44,99,040.00

7. वैधानिक सुविधाओं और मनोरंजन सुविधाओं का विवरण:

सांविधिक सुविधाएं		मनोरंजन की सुविधाएं	
क्रेचेस	03	खेल का मैदान	1 1
विश्राम आश्रय	79	स्टेडियम	05
जलपान गृह	35	चिल्ड्रन पार्क	19
बैंक शाखाएं	23	पुस्तकालय	08
		ऑफिसर्स क्लब	19
		वर्कर्स क्लब	16
		सभागार	8
		स्विमिंग पूल	03
		कल्याण मंडप	04
		गोल्फ कोर्स	04

13. अस्पताल :

उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की कंपनी:वार स्थिति-

कंपनी	औषधालय	बेड	डॉक्टर	एम्ब्युलेन्स	अस्पताल	आयुर्वेदिक औषधालय	मोबाइल वैन
एमसीएल	13	309	101	47	7	1	2

14. डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग में कर्मचारियों के बच्चों का प्रवेश :

एमसीएल कर्मचारी वार्डों के करियर विकास के लिए आईजीआईटी सारंग और ओएसएमई क्यौंझर में खनन, सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल के क्षेत्र में 40% सीटों के आरक्षण की व्यवस्था की गई है। विवरण नीचे उल्लिखित है:

संस्थानों का नाम	शाखा	%40से कम सीटों की संख्या
		एमसीएल कोटा
इंदिरा गांधी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान , (आईजीआईटी)सारंग, ढ़कानाल	सिविल	8
	विद्युतीय	8
	यांत्रिक	8
उड़ीसा स्कूल ऑफ माइनिंग एंड इंजीनियरिंग, ,(ओएसएमई)क्यौंझर	खनन	16
	कुल योग	40

प्रतिवर्ष 10 वीं बोर्ड के परिणाम की घोषणा के बाद उपर्युक्त पाठ्यक्रमों के लिए संयुक्त काउंसलिंग (एमसीएल,आईजीआईटी,सारंग और ओएसएमई,केओंझर के अधिकारियों के बीच होता है।

28. राजभाषा

भारत सरकार की राजभाषा नीति को एमसीएल मुख्यालय और क्षेत्रों में लागू करने के लिए प्रत्येक वर्ष एक वार्षिक कार्यक्रम / कैलेंडर तैयार किया जाता है और सभी कार्यक्रम कैलेंडर के अनुसार किए जाते हैं।

वर्ष 2021-22 के दौरान एमसीएल में निम्न कार्यक्रमो/गतिविधियों का आयोजन किया गया:

1. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें:

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की समीक्षा बैठकें प्रत्येक तिमाही में क्षेत्रों और मुख्यालय द्वारा आयोजित की जाती हैं। वित्त वर्ष 2021 में कोविड-19 महामारी के कारण राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रथम 02 बैठकें मुख्यालय द्वारा क्रमशः दिनांक 21.05.2021 तथा 13.08.2021 , ऑनलाइन आभासी बैठक के माध्यम से तथा शेष 02 बैठकें दिनांक 18.11.2021 एवं 17.02.2022 ऑफलाइन के माध्यम से आयोजित की गईं, जिसमें क्षेत्रों और मुख्यालयके विभागों में राजभाषा गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की गई और भारत सरकार के राजभाषा नीति के सुचारु रूप से कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

2. राजभाषा कार्यशाला :

वर्ष 2021-22 में एमसीएल में कुल 55 राजभाषा कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिसमें 1629 प्रतिभागियों को भारत सरकार की राजभाषा नीति के नियम और विनियमों से परिचित कराया गया। प्रतिभागियों को हिंदी में टिप्पणियां और मसौदा तैयार करने का अभ्यास कराया गया ।

3. राजभाषा (हिंदी) का प्रशिक्षण:

हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार के अंतर्गत हिंदी भाषा प्रशिक्षण और परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में क्षेत्रों एवं मुख्यालय के कुल 72 कर्मचारी उत्तीर्ण हुए हैं।

सत्र	प्रबोध	प्रवीण	प्राज्ञ	कुल
2021-22	40	08	24	72

कोल इंडिया लिमिटेड के परिपत्र के अनुसार उत्तीर्ण उम्मीदवारों को एक बार एकमुश्त नगद राशि प्रोत्साहन के रूप में दी जाती है। इसके अलावा प्राज्ञ उत्तीर्ण उम्मीदवारों को एमसीएल द्वारा एकमुश्त नगद राशि के साथ-साथ उनके वार्षिक वेतन वृद्धि के बराबर का नगद पुरस्कार भी दिया जाता है।

4. कंप्यूटर पर यूनिकोड समर्थित हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण:

दिनांक 21-26 मार्च, 2022 को राजभाषा विभाग, एमसीएल, मुख्यालय द्वारा कंप्यूटर पर यूनिकोड समर्थित हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें एमसीएल के 47 कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया।

5. हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा :

दिनांक 14.09.2021 को एमसीएल मुख्यालय तथा क्षेत्रों में हिंदी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री पी. के. सिन्हा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमसीएल द्वारा किया गया। एमसीएल मुख्यालय/क्षेत्रों में 14 से 28 सितंबर, 2020 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया। इस अवसर पर ऑनलाइन हिंदी निबंध लेखन, ऑनलाइन टिप्पण आलेखन, ऑनलाइन चित्र कहानी लेखन, ऑनलाइन हिन्दी पोस्टर प्रतियोगिता तथा राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता(क्यूआरसी) का आयोजन किया गया। इस वर्ष भी सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन के माध्यम से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया।

दिनांक 28.09.2021 को एमसीएल ऑडिटोरियम, जागृति विहार में हिंदी पखवाड़ा के समापन के अवसर पर प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को श्री पी. के. सिन्हा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमसीएल द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

6. एमसीएल आंतरिक कवि सम्मेलन:

कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष दिनांक 28.09.2021 को पखवाड़ा के समापन समारोह में कर्मचारियों की काव्य क्षमता को उभारने के लिए 'एमसीएल आंतरिक कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के कार्मिकों ने अपनी कविता पाठ की।

7. राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार योजना :

एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा देने और गति प्रदान करने के लिए, "एमसीएल राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार" दिया जाता है। इस वर्ष एमसीएल के सभी क्षेत्रों को एमसीएल मुख्यालय के विभागों के समान बड़े और छोटे 02 समूहों में वर्गीकृत किया गया था। कुल 12 में से 06 पुरस्कार बड़े और छोटे क्षेत्रों को और 06 पुरस्कार मुख्यालय के बड़े और छोटे विभागों को दिए गए। वर्ष 2020-21 के लिए दिनांक 28.09.2021 को राजभाषा पखावाड़ा-2021 के समापन समारोह के अवसर पर श्री पी.के. सिन्हा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमसीएल द्वारा सभी 12 पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। श्री ओपी सिंह, निदेशक तकनीकी (संचालन), श्री बबन सिंह, निदेशक तकनीकी (परियोजना एवं योजना), श्री केशव राव, निदेशक (कार्मिक) और श्री पी.के. पटेल, मुख्य सतर्कता अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे।

8. विश्व हिंदी दिवस:

एमसीएल मुख्यालय में दिनांक 10.01.2022 को श्री सोमन घोष, महाप्रबंधक, राजभाषा/मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एमएनएच शक्ति की अध्यक्षता में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नराकास, संबलपुर के सदस्य कार्यालयों एवं एमसीएल के लिए संयुक्त रूप से एक राजभाषा संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. वेदुला रामालक्ष्मी, हिन्दी कमला नेहरू महिला महाविद्यालय, भुवनेश्वर को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने सभा को संबोधित किया।

9. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति,संबलपुर की बैठकें:

वर्ष के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास),संबलपुर की दो छःमाही बैठकों का जून एवं नवंबर में आयोजन किया गया किन्तु कोविड-19 महामारी के कारण प्रथम छःमाही बैठक दिनांक 28.06.2021 ऑनलाइन आभासी माध्यम से तथा द्वितीय छःमाही बैठक दिनांक 25.11.2021 को ऑफलाइन माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख एवं प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सहायक निदेशक (कार्यान्वयन), पूर्व क्षेत्र, भारत सरकार, कोलकाता द्वारा सदस्य कार्यालयों के राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता महाप्रबंधक(राजभाषा)/मुख्य कार्यपालन अधिकारी(एमएनएच शक्ति) ने की।

10. नराकास, राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार :

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति,संबलपुर के सभी सदस्य कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन के प्रोत्साहन के लिए प्रत्येक वर्ष [नराकास राजभाषा पुरस्कार] प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2020-21 में 09 विजेता सदस्य कार्यालय को तथा 03 सदस्य कार्यालय को प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में कुल 12 [नराकास राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार] से सम्मानित किया गया। दिनांक 25.11.2021 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की द्वितीय छःमाही बैठक के अध्यक्ष महोदय द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

राजभाषा गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यालयों द्वारा नराकास अंतर-कार्यालयीन राजभाषा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 28.06.2021 को आयोजित बैठक में महाप्रबंधक(प्रबं.प्रशि.सं./राजभाषा)/सदस्य सचिव, नराकास, संबलपुर द्वारा नराकास सदस्य कार्यालयों के विजेता प्रतिभागियों को कुल 06 पुरस्कार दिए गए।

11. एमसीएल की वेबसाइट:

एमसीएल की वेबसाइट द्विभाषी है और इसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

12. राजभाषा पोर्टल:

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के वेबसाइट में राजभाषा पोर्टल उपलब्ध है, जिसमें एमसीएल की राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को अद्यतन के रूप में देखा जा सकता है।

13. राजभाषा पत्रिका:

वर्ष 2021-22 के दौरान दो पत्रिकाएं "संबलप्रभा" (नवम संस्करण), नराकास, संबलपुर की गृह पत्रिका और "राजभाषा दर्पण" (द्वितीय संस्करण), राजभाषा विभाग की गृह ई-पत्रिका प्रकाशित की गई। पहली पत्रिका दिनांक 28.06.2021 को एमसीएल मुख्यालय में आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पहली बैठक में तथा दूसरी दिनांक 13.08.2021 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की 70 वीं ऑनलाइन आभासी बैठक में विमोचित की गई।

29. भूमि/ आर एंड आर

आपकी कंपनी परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिए परियोजना प्रभावित/विस्थापित परिवारों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है और परियोजना प्रभावित परिवारों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार करने का प्रयास कर रही है और विकास के साथ प्रगति के लिए भी प्रतिबद्ध है जो इसकी आर. एंड आर. नीति में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। एमसीएल ओडिशा राज्य की आर. एंड आर. नीति का पालन करता है और 2021-22 के दौरान रोजगार/वार्षिकी के बदले में 292 रोजगार/नकद मुआवजा और स्थापना के बाद से रोजगार/वार्षिकी के बदले कुल 17216 रोजगार/नकद मुआवजा प्रदान किया है। एमसीएल भूमि विस्थापितों से संबंधित शिकायतों के निवारण की दिशा में आरपीडीएसी की सलाह पर कार्य कर रहा है। भूमि विस्थापितों के लाभ के लिए पक्की सड़कों, स्ट्रीट लाइटिंग, स्वास्थ्य केंद्रों, डाकघरों, दैनिक बाजारों, स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों, पूजा स्थलों आदि के साथ पुनर्वास कॉलोनियों की स्थापना की गई है। एमसीएल कोलफील्ड्स में उपलब्ध अपने मौजूदा अस्पतालों/औषधालयों में सभी परिधीय ग्रामीणों को ओपीडी की सुविधा मुफ्त में या प्रति मरीज 2.00 रुपये के मामूली शुल्क पर प्रदान करता है।

आपकी कंपनी प्रभावित ग्रामीणों को पुनर्वास और पुनर्वास प्रदान करके खनन गतिविधियों के विस्तार के लिए भूमि का अधिग्रहण करती है। वर्ष 2021-22 के दौरान एमसीएल ने 527.03 हेक्टेयर भूमि का भौतिक अधिकार प्राप्त किया है।

30. कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी:

एक जिम्मेदार सार्वजनिक कॉर्पोरेट होने के नाते, एमसीएल ने अपने सीएसआर के माध्यम से राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकासात्मक उद्देश्यों में योगदान देने के लिए अपनी अद्वैत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन जारी रखा है जो कंपनी अधिनियम 2013 में सीएसआर के अधिनियम का आधारभूत सिद्धांत है। एमसीएल ने 181.62 करोड़ रुपये के बजट के मुकाबले 251.76 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। सीएसआर मद के तहत कंपनी का प्रमुख खर्च स्वच्छता, स्वास्थ्य देखभाल और जल आपूर्ति पर किया गया है।

सीएसआर के तहत स्वास्थ्य देखभाल पर लगभग 183.37 करोड़ की राशि और आस-पास के गांवों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए लगभग 40 करोड़ की राशि खर्च की गई है। एमसीएल ने भारतीय रेलवे के साथ स्वच्छता परियोजना पर साझेदारी की है, जिसके तहत एमसीएल ओडिशा में 232 रेलवे स्टेशनों के परिसंचारी क्षेत्रों में प्रीफैब शौचालयों की निर्माण के लिए 58 करोड़ रुपये की राशि दे रहा है। इस परियोजना के तहत पुरुष, महिला और दिव्यांगजनों के लिए अलग-अलग शौचालय का प्रावधान है। यह परियोजना ओडिशा राज्य में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए कंपनी द्वारा एक व्यावहारिक दृष्टिकोण है। वित्त वर्ष 2021-22 में, कंपनी ने 7 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और वर्तमान में यह परियोजना पूर्ण होने के चरण में है।

महत्वाकांक्षी जिला विकास कार्यक्रम के तहत एमसीएल ने ओडिशा के बलांगीर और कंधमाल जिले में विभिन्न विकास परियोजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2021-22 में एमसीएल ने ओडिशा के इन महत्वाकांक्षी जिलों में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में 7.69 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की हैं।

भारत सरकार ने अस्थायी अस्पतालों और अस्थायी कोविड देखभाल की सुविधाओं सहित कोविड से संबंधित उपायों पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ, स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित विषय पर सीएसआर की वार्षिक पूंजी का न्यूनतम 60% खर्च करने की संस्तुति की है। एमसीएल ने सीएसआर पूंजी का 82 % उपरोक्त विषयगत क्षेत्र पर खर्च किया है।

अन्य संगठनों के साथ साझेदारी से शुरू की गई दो सतत परियोजनाओं के संबंध में वर्ष में तेजी से प्रगति हुई।

- क) कौशल विकास परियोजना सीआईपीईटी के तहत ओडिशा के विभिन्न जिलों के 250 युवाओं को आवासीय कौशल प्रशिक्षण और नौकरी (प्लेसमेंट) प्रदान की जाएगी।
- ख) 'बीआईएफ' के साथ 'सीसीडीपी-उत्थान' परियोजना : यह कृषि-बागवानी विकास और पशु पालन कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करते हुए 5 वर्ष के लिए 20 करोड़ की आजीविका परियोजना है।

वर्ष 2021-22 में महिलाओं और किसानों के सशक्तिकरण के लिए दो प्रमुख परियोजनाएं शुरू की गई हैं। विवरण निम्नानुसार हैं-

- **युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण:** एमसीएल ने इलेक्ट्रीशियन और फिटर के शिल्प कौशल को बढ़ावा देने के लिए, एमसीएल ने अपने विभिन्न संचालित क्षेत्रों से 40 युवाओं को दो साल का पूर्णकालिक आवासीय आईटीआई प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सीआईपीईटी, भुवनेश्वर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। कंपनी ने एमसीएल के संचालित क्षेत्रों से 30 दिव्यांगजनों को आवासीय कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किया गया है। एमसीएल इन दोनों कौशल विकास परियोजनाओं पर कुल मिलाकर 1.38 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।
- **आधारिक संरचना विकास परियोजनाएं:** वर्ष 2021-22 में, एमसीएल ने ओडिशा के झारसुगुडा, अंगुल, सुंदरगढ़ और गंजम जिलों में विभिन्न आधारिक संरचना विकास परियोजनाएं शुरू की हैं। कंपनी ने 84 करोड़ रुपये की 10 बड़ी आधारिक संरचना विकास परियोजनाएं शुरू की हैं। इन परियोजना में नशामुक्ति केंद्र चलाना, जनोपयोगी सुविधाएं, तालाबों का नवीनीकरण, सरकारी स्कूलों का परिवर्तन आदि शामिल हैं।

अपनी नियमित(कॉर्पोरेट) जिम्मेदारियों के लिए की गई कुछ प्रमुख सीएसआर गतिविधियां इस प्रकार हैं:

- एमसीएल सीएसआर पूंजी का लगभग 80% , परियोजना स्थलों के 25 किमी के दायरे में और शेष ओडिशा राज्य में खर्च कर रहा है।
- एमसीएल ने 492 करोड़ रुपये की परियोजना लागत के साथ 100 सीटों वाले मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया है जिसमें 500 बिस्तर भी है, जिसके अगले वर्ष परिचालित होने की संभावना है।
- एमसीएल ने अब तक 320 करोड़ की राशि कोविड पर खर्च की है, अब तक इलाज किए गए रोगियों की कुल संख्या लगभग 20,000 थी। कुल बेड 1,536 थे जिनमें से आईसीयू/क्रिटिकल केयर बेड 250 थे।
- एमसीएल ने अब तक 113 गांवों में निवास कर रहे 2,50 लाख लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए पाइप से जलापूर्ति की दिशा में 126 करोड़ की राशि खर्च की है। गर्मियों के मौसम में टैंकों के माध्यम से पानी की आपूर्ति लगभग 166 लाख लीटर प्रतिदिन होती है, जिसमें लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत आती है, जिससे 250 गांवों में 1.86 लाख लोग लाभान्वित होते हैं।
- राज्य के वन विभाग के सहयोग से 54 स्थलों पर 5,51,000 पौधे लगाकर शहरी क्षेत्रों के निकट वनरोपण गतिविधियां शुरू की गई हैं।

अर्गो-होर्टी-वानिकी के विकास के उद्देश्य से आजीविका और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए 20.30 करोड़ रुपये की लागत से परियोजना साझेदारी बीएआईएफ के साथ सीसीडीपी-उत्थान (व्यापक सामुदायिक विकास कार्यक्रम) के तहत 4 नियंत्रित जिलों के 40 गांवों के 6174 परिवारों लाभ के लिए पशुधन विकास (मवेशी, बकरी, मुर्गी, चारा) का शुरू किया गया है। यह परियोजना वर्ष 2018-19 में शुरू हुई है और 5 वर्षों के अंदर इसके पूरे होने की संभावना है।

- आहार मंडल कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्थानों में पोषण आत्मनिर्भरता के लिए जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाना होगा अर्थात् परियोजना साझेदारी- 'ग्राम समृद्धि' के कार्यक्रम के तहत 10 गांवों हेमगीर ब्लॉक, सुंदरगढ़ में दैनिक सब्जी और मौसमी कंद फसल, एकमुश्त फसल, औषधीय पौधे लगाने के लिए 10 गांवों के 200 किसानों के लाभ के लिए (191 एसटी और 9 एससी) 23.4 लाख रुपये की लागत लगी।

आपकी कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार सीएसआर प्रावधानों का अनुपालन किया है। अधिनियम की धारा 134 की उप-धारा (3) के खंड (o) और कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी)नियम, 2014 के नियम, 9 के अनुसार, संविधि द्वारा अपेक्षित आवश्यक प्रकटीकरण अनुबंध-1 के रूप में संलग्न है।

31 जेंडर बजटिंग

आपकी कंपनी का दृढ़ विश्वास है कि विकास के लाभों की पुरुषों के बराबर महिलाओं तक प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए जेंडर मेनस्ट्रीमिंग में जेंडर बजट व्यवस्थापन एक शक्तिशाली माध्यम है। नीति/कार्यक्रम निर्धारण, कार्यान्वयन तथा इसकी समीक्षा में जेंडर परिप्रेक्ष्य को बनाए रखते हुए एमसीएल में यह मात्र एक लेखा कार्य न होकर एक सतत प्रक्रिया है। 31 मार्च 2022 तक कुल महिला कर्मचारियों की संख्या 2421 थी जो एमसीएल के 21863 के कुल कार्यबल का 11.1% है।

अपनी सामाजिक प्रतिक्रिया के कारण एमसीएल ने हमेशा कंपनी के भीतर और बाहर लिंग विशिष्ट मुद्दों के प्रति अपनी संवेदनशीलता दिखाई है और सर्वोत्तम संभव प्रयासों के माध्यम से उन्हें संबोधित करने का प्रयास किया है। कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

- एमसीएल में सार्वजनिक क्षेत्र (डब्ल्यूआईपीएस) में महिलाओं को व्यापक प्रदर्शन और ज्ञान वृद्धि के लिए कंपनी के भीतर और बाहर संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लेने वाले अपने सदस्यों के साथ सक्रिय तरीके से कार्य करने के लिए प्रेरित करना।
- कार्यबल के जेंडर विशिष्ट डेटाबेस का रखरखाव।
- महिला कर्मचारियों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों का उचित और समयबद्ध तरीके से समाधान करने के लिए एक शिकायत समिति का गठन किया गया है।
- सीआईएल के नियमों और विनियमों के अनुसार पात्र महिला कर्मचारियों को बाल देखभाल अवकाश प्रदान करना।
- खदान दुर्घटनाओं में मरने वाले कर्मचारियों की पत्नी/पत्नियों को रोजगार के लिए आयु में छूट।
- महिलाओं से संबंधित मुद्दों का प्रतिनिधित्व करने और उन्हें संबोधित करने के लिए प्रबंधन और ट्रेड यूनियनों के बीच आयोजित औद्योगिक संबंध बैठक में भाग लेने के लिए महिला कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत प्रकटीकरण।

कंपनी ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की आवश्यकताओं के अनुरूप यौन उत्पीड़न विरोधी नीति लागू की है। यौन उत्पीड़न के संबंध में प्राप्त शिकायतों के निवारण के लिए शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन किया गया है। सभी कर्मचारी (स्थायी, संविदात्मक, अस्थायी और प्रशिक्षु) इस नीति के अंतर्गत आते हैं।

यौन उत्पीड़न

वर्ष 2021-22 में प्राप्त शिकायतें : 01

वर्ष 2021-22 में शिकायतों का निस्तारण : 02

निपटान के लिए लंबित शिकायतें : 01

32. एमसीएल और संविदा कर्मियों की कुल जनशक्ति में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व पर रिपोर्ट

32.1 भर्ती/आंतरिक चयन:

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, एमसीएल ने खुली भर्ती के माध्यम से 185 वैधानिक कर्मियों (माइनिंग सरदार-171 और जूनियर ओवरमैन-14) की भर्ती की है और आंतरिक चयन के माध्यम से विभिन्न कुशल/सांविधिक पदों के लिए 546 विभागीय उम्मीदवारों का चयन किया है।

32.2 जनशक्ति:

01-04-2022 को एमसीएल की कुल जनशक्ति 21863 थी, जो 01.04.2021 को 21902 थी। 01.04.2022 को एमसीएल की जनशक्ति अनुसूचित जाति के 13.8 फीसदी, अनुसूचित जनजाति के 8.9% और ओबीसी के 4.6% का गठन करती है। एमसीएल की महिला कर्मचारी इसकी कुल जनशक्ति का 11.1% है।

एमसीएल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी (एनसीएल), पीडब्ल्यूडी, ईडब्ल्यूएस आदि से संबंधित उम्मीदवारों / कर्मचारियों की नियुक्तियों और पदोन्नति / चयन में आरक्षण पर राष्ट्रपति के निर्देशों का अनुपालन करता है।

पिछले 03 वर्षों में एमसीएल और संविदा कर्मियों की कुल श्रमशक्ति में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व नीचे दिया गया है:

क) स्थायी कर्मचारी:

	कुल जनशक्ति	अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		ओबीसी	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
01.01.2020	21996	2766	12.58	1876	8.53	980	4.46
01.01.2021	21887	2868	13.10	1853	8.47	931	4.25
01.01.2022	21939	2862	13.05	1852	8.44	962	4.38

ख) ठेकेदार के कर्मचारी:

	कुल जनशक्ति	अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		ओबीसी	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
01.01.2020	16818	2679	15.93	1674	9.95	4403	26.18
01.01.2021	19478	3188	16.37	3193	16.39	5588	28.69
01.01.2022	21885	3362	15.36	2796	12.78	4869	22.25

ग) पिछले 03 वर्षों में विभिन्न पदों पर भर्ती हुए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों की कुल संख्या नीचे दी गई है:

साल के लिए	कुल जनशक्ति	अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		ओबीसी	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
2019-20	19	4	21.05	3	15.79	2	10.53
2020-21	132	21	15.91	36	27.27	16	12.12
2021-22	185	38	20.54	38	20.54	31	16.76

33. जनसंपर्क

हितधारकों को अच्छी तरह से सूचित करके आपकी कंपनी में विश्वास बनाने में जनसंपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक आदर्श वाक्य "संपर्क से समाधान" (संचार के माध्यम से समाधान) के साथ, आपकी कंपनी की टीम पीआर (जनसंपर्क) उत्तरदायी है और कंपनी के व्यवसाय संचालन में चुनौतियों के साथ-साथ लोगों तक पहुंचने के लिए विविध मीडिया के माध्यम से संचार समाधान प्रदान करने के लिए हमेशा उत्सुक है।

आपकी कंपनी सभी हितधारकों को संगठन में होने वाली घटनाओं के साथ-साथ व्यवसाय संचालन और सामाजिक गतिविधियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपने रुख के बारे में सूचित और अद्यतन रखने के लिए बहुत सक्रिय रही है।

कंपनी मीडिया को एक गुणक के रूप में मानती है जो कंपनी के विभिन्न व्यवसाय-संबंधी के साथ-साथ सामाजिक और विकासात्मक उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करती है।

नए जमाने के मीडिया और मीडिया बिरादरी के सहयोग से, हितधारकों के साथ हमारा बंधन हर दिन मजबूत हो रहा है।

वर्ष 2021-22 में कोविड-19 महामारी ने विश्व अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया और आम लोगों के जीवन को तनावपूर्ण बना दिया है। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान, देश को ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले की कमी के कारण ऊर्जा संकट का भी सामना करना पड़ा। आपको यह सूचित करते हुए मुझे संतोष हो रहा है कि आपकी कंपनी ने कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में राज्य सरकार की सहायता करने और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कोयले के उत्पादन और प्रेषण को सुनिश्चित करने में दोनों मोर्चों पर असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। इन सभी उपलब्धियों को प्रेस और मीडिया द्वारा अच्छी तरह से उजागर किया गया है, जिसने टीम एमसीएल को 2021-22 में नए मील के पत्थर हासिल करने के लिए प्रेरित किया है।

कोविड-19, स्वच्छता पर जागरूकता अभियान चलाने और समाज में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने के लिए टीम पीआर सक्रिय रूप से शामिल रही है।

विभाग ने एक लघु फिल्म - ग्रीन गोल (एमसीएल में स्थायी खनन अभ्यास पर) का भी निर्माण किया - और सोशल मीडिया के माध्यम से संचार के लिए कंपनी की उपलब्धियों पर कई सूचना-ग्राफिक्स और लघु वीडियो जारी किए, जिन्हें काफी सराहा गया। पारंपरिक मीडिया को नियमित प्रेस वक्तव्य/विज्ञप्ति जारी करने के अलावा, आपकी कंपनी ने जनसंपर्क विभाग के तहत एक सोशल मीडिया सेल की स्थापना की है, जो बड़े पैमाने पर हितधारकों के बीच सूचना के प्रसार के लिए निम्नलिखित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रभावी ढंग से उपयोग करता है:

- सोशल नेटवर्किंग के लिए फेसबुक @/mahanadicoal
- माइक्रो-ब्लॉगिंग के लिए ट्विटर @/mahanadicoal
- ऑडियो-वीडियो चैनल के लिए YouTube @/MahanadiCoalfields
- माइक्रो ब्लॉगिंग साइट के लिए क्यू @/ mahanadicoal indigenous platform
- फोटो साझा करने के लिए Instagram @/pro.mcl

आपकी कंपनी ने बाहरी मीडिया का उपयोग करके अपनी सार्वजनिक उपस्थिति भी बढ़ाई है। कंपनी के पास होर्डिंग और डिजिटल मीडिया के लिए समर्पित स्थान है जो बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कंपनी की उपलब्धियों और जागरूकता संदेशों को प्रदर्शित करता है। इसी तरह, आपकी कंपनी की वीर सुरेंद्र साई हवाई अड्डे, झारसुगुडा के टर्मिनल भवन में भी बड़ी उपस्थिति है।

आउटडोर ब्रांडिंग के तहत एक नई पहल के रूप में, एमसीएल कंपनी मुख्यालय और उसके कोयला क्षेत्रों को जोड़ने वाले सभी प्रमुख स्थानों और राष्ट्रीय/राज्य राजमार्गों पर मौजूद है।

34. सतर्कता गतिविधियां और उपलब्धियां परिचय:

एमसीएल के सतर्कता विभाग का मुख्य ध्यान प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से निवारक सतर्कता पर रहा है। मुख्य जोर कंपनी के व्यापार लेनदेन में मानव हस्तक्षेप को कम कर भ्रष्टाचार चिन्हित संवेदनशील क्षेत्र में प्रणालीगत सुधार का सुझाव देना है। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान निवारक, भविष्य सूचक और पूर्व-सतर्कता उपायों के रूप में, विभिन्न क्षेत्रीय संचालनों के साथ-साथ प्रणालियों और प्रक्रियाओं में अनियमितताओं की पहचान करने के लिए सीवीओ के मार्गदर्शन में लगातार औचक निरीक्षण किए गए हैं।

1. निवारक सतर्कता गतिविधियां:

क. निरीक्षण:

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 31 औचक निरीक्षण एवं 06 नियमित निरीक्षण किये गये। इस तरह के निरीक्षणों का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र संचालन में निष्पक्षता और पारदर्शिता लाने के लिए प्रणाली/प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने पर रहा है।

ख. 2021-22 के दौरान किए गए प्रणालीगत सुधार

वर्ष 2021-2022 के दौरान, नीचे दी गई तालिका के अनुसार प्रणालीगत सुधार के लिए 13 परामर्श जारी किए गए हैं:

क्र.सं.	विवरण	जानकारी/तिथि
01	इंटर-कोलियरी कोयला परिवहन के लिए और एमसीएल के रेलवे साइडिंग के सुरक्षा मुद्दों को बढ़ाने के लिए दोनों सिरों पर तौल के संबंध में स्वीकृत येलो बुक 2020 के प्रावधानों के सख्त अनुपालन के लिए प्रणालीगत सुधार सुझाव।	21.04.2021
02	सीआईएल खरीद नियमावली 2020 के अध्याय -2 के खंड संख्या 2.8.2.1 और सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसई) आदेश 2012 की सार्वजनिक खरीद नीति के सख्त अनुपालन के लिए सलाह।	03.06.2021
03	एमसीएल में लगी डीजीआर सुरक्षा एजेंसियों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों में अनियमितताओं को उजागर किया गया।	25.08.2021

04	निविदा प्रक्रिया के दौरान पात्रता मानदंड के अनुपालन में चूक के कारण बोलीदाताओं को प्रतिबंधित करने के संबंध में परामर्श।	11.08.2021
05	ईएसएम परिवहन अनुबंधों के लिए आवश्यक प्रणालीगत सुधार	24.08.2021
06	एलओसीपी और एसओसीपी ईब-वैली क्षेत्र के मधुबननगर पुनर्वास स्थल पर बुनियादी ढांचे का निर्माण	04.10.2021
07	एनआईटी के खंड संख्या 13(ई)/14ई के तहत एकल बोली निविदाओं के संबंध में बोलीदाताओं के प्रतिबंध की समीक्षा।	25.11.2021
08	अंतिम बिल जारी करने/अनुबंधों को बंद करने में देरी	04.01.2022
09	गर्मी के दिनों में ग्रामीणों को पानी के टैंकर की आपूर्ति के लिए कार्य संविदा के मामले में सलाह।	07.01.2022
10	प्रमाणित स्थायी आदेशों के अनुसार एचआरए/मेडिकल पर की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में सलाह	11.02.2022
11	एमसीएल में चोरी के मामलों में अनियमितता के मामले में सलाह।	25.01.2022
12	संविदा कर्मियों के सीएमपीएफ व सीएमपीएस खाते के नियमितीकरण में हो रही देरी।	01.03.2022
13	एमसीएल में वाहन ट्रैकिंग सिस्टम के आकलन में कमजोरियां संबंधित	18.03.2022

1. दंडात्मक सतर्कता:

रिपोर्टिंग अवधि 01.04.2021 से 31.03.2022 तक जांच, पूछताछ आदि के लिए उठाए गए सतर्कता मामलों का विवरण:

विवरण	01.04.2021 से 31.03.2022 की अवधि तक	संलग्न कर्मचारियों की संख्या
क. पंजीकृत सतर्कता मामलों की कुल संख्या	07	11
ख. प्रमुख दंड कार्यवाही की संख्या	05	10
ग. लघु दंड कार्यवाही की संख्या	01	01
घ. कुल मामलों की संख्या जिनमें जुर्माना लगाया गया	24	62
i. प्रमुख	06	11
ii. लघु	12	17
iii. अन्य	06	34

ग. सतर्कता मंजूरी:

वर्ष के दौरान, पदोन्नति, परिवीक्षा, सेवानिवृत्ति मामलों के संबंध में सीआईएल/एमओसी/सीवीसी को निदेशकों, वरिष्ठ अधिकारियों और गैर-अधिकारियों के स्तर के अधिकारियों सहित 19041 कर्मचारियों के संबंध में सतर्कता मंजूरी की स्थिति से अवगत कराया गया था।

घ. कोयला खानों में बेहतर निगरानी और अनुरक्षण के लिए आईटी और अन्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग

1. जियो-फेंसिंग के साथ जीपीएस/जीपीआरएस आधारित वाहन ट्रैकिंग प्रणाली					
अनुषंगी	आंतरिक परिवहन / आवश्यकता के लिए तैनात वाहनों की संख्या	जीपीएस से लैस और वीटीएस सर्वर से जुड़े वाहनों की संख्या	वीटीएस सिस्टम की कार्यप्रणाली की स्थिति	कार्रवाई की स्थिति/टिप्पणियां	
एमसीएल	2504	2504	2155	निष्क्रिय उपकरणों को ठीक किया जा रहा है।	
2. आरएफआईडी आधारित बूम बैरियर एक्सेस कंट्रोल					
अनुषंगी	अभिगम नियंत्रण के लिए प्रदान किए गए आरएफआईडी आधारित बूम बैरियर की कुल आवश्यकता	आरएफआईडी आधारित बूम बैरियर की संख्या स्थापित और वे-ब्रिज सहित क्षेत्र वीटीएस सर्वर के साथ जुड़ा हुआ है	बूम बैरियर की कार्यशील स्थिति	कार्रवाई की स्थिति/टिप्पणियां	
एमसीएल	145	शून्य	शून्य	आवश्यकता के लिए निविदा मंगाई गई है।	
3. सीसीटीवी आधारित निगरानी प्रणाली					
अनुषंगी	सीसीटीवी कैमरों की कुल आवश्यकता क) संवेदनशील स्थान जैसे तौल पुल, साइडिंग, कार्यशाला, कार्यालय और स्टोर ख) कोयला स्टॉक	स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कुल संख्या	एनवीआर/क्षेत्रीय सर्वर नेटवर्क से जुड़े सीसीटीवी कैमरों की संख्या	कुल सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की स्थिति	कार्रवाई की स्थिति / टिप्पणी
एमसीएल	2888	973	605	930	अतिरिक्त आवश्यकता के लिए निविदा मंगाई गई है

4. डेटा कनेक्टिविटी के साथ रोड वे-ब्रिज				
अनुषंगी	रोड तोलब्रिज की कुल स्थापित संख्या	सड़क बिक्री के लिए सौंपे गए सड़क तौल पुलों की संख्या	डेटा कनेक्टिविटी वाले रोड सेल वे-ब्रिज की संख्या	तौल ब्रिज की संख्या जिनसे डेटा प्राप्त किया जा रहा है
एमसीएल	112	62	62	62 (62 रोड सेल डब्ल्यूबी से डेटा सीधे I3एमएस सर्वर को भेजा जाता है)

5. वाइड एरिया नेटवर्किंग (डब्ल्यूएएन) (नोड्स/स्थान की संख्या)

अनुषंगी	संशोधित आवश्यकता सहित कुल मात्रा (अद्यतन)	स्थापित/कमीशन	कार्यरत/क्रियाशील	शेष
एमसीएल	288	284	284	4

35. औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ:

सीआईएल/एमसीएल में आईई विभाग की प्राथमिक भूमिका, संसाधनों के उपयोग के संदर्भ में कंपनी के लिए एक प्रदर्शन ढांचा प्रदान करना है। इस दिशा में प्रमुख कार्य प्रदर्शन मानकों के निर्धारण, सर्वोत्तम प्रथाओं को विकसित करने, परिवहन दरों और प्रणालीगत सुधार आदि द्वारा उत्पादकता बढ़ाने के संबंध में अध्ययन करना है। वर्ष 2021-22 के दौरान विभाग द्वारा किए गए विभिन्न कार्य इस प्रकार हैं:-

- जीएसटी व्यवस्था के तहत आईआईटी खड़गपुर रिपोर्ट के अनुसार अनंतिम मानक दरों का निर्माण और खदानों से प्रेषण बिंदुओं तक कोयले के परिवहन के लिए भूतपूर्व सैनिकों और परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (विक्रेता विकास योजना के तहत) एजेंसियों को भुगतान की जाने वाली मानक दरों की नियमित पाक्षिक वृद्धि।
- हमारे ग्राहकों से वसूल किए जाने के लिए वर्ष में दो बार भूतल परिवहन शुल्क (एसटीसी) तैयार करना और एसटीसी दरों की गणना के लिए पहली बार कोलनेट का इस्तेमाल।
- वर्ष के लिए सुरक्षा श्रमशक्ति के आकलन पर अध्ययन के साथ-साथ वर्ष के लिए श्रमशक्ति बजट तैयार करना
- प्रोत्साहन की गणना के लिए कोल नेट प्रणाली का उपयोग करने के साथ-साथ एमसीएल की खुली खदान परियोजनाओं में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन योजनाओं का निर्माण और कार्यान्वयन। पहली बार कोयला गुणवत्ता आश्वासन के संबंध में प्रदर्शन को मान्यता और प्रोत्साहन दिया गया।

- सीएमपीडीआई मानदंडों और एसडीसी की निगरानी के खिलाफ विशिष्ट डीजल खपत में सुधार के लिए एमसीएल की खुली खदान परियोजनाओं का अध्ययन।
- सामान्य ओवरटाइम और रविवार/पीएचडी परिनियोजन और श्रमशक्ति युक्तिकरण में कमी के रूप में लागत नियंत्रण उपाय।
- पीआर प्रावधान की तुलना में एमसीएल की विभिन्न इकाइयों में हल्के वाहनों की आवश्यकता का विश्लेषण करने के लिए अध्ययन।
- कोयले के प्रेषण के लिए परिवहन मैट्रिक्स तैयार करना और एमसीएल के ओसीपी में कोयले के उत्पादन और प्रेषण के लिए पर्याप्त संख्या में उपलब्ध बड़े को बनाए रखना, साथ ही इसकी नियमित निगरानी करना।
- वर्ष 2021-22 में किए गए अन्य अध्ययन जैसे स्टॉक लिक्विडेशन, प्रोडक्शन मॉनिटरिंग आदि।

36. पुरस्कार और मान्यता

2021-22 के दौरान एमसीएल द्वारा प्राप्त निम्नलिखित पुरस्कार:

1. महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) को 1 नवंबर, 21 को कोलकाता में सीआईएल के स्थापना दिवस पर उपभोक्ताओं को उच्चतम गुणवत्ता आश्वासन के लिए सर्वश्रेष्ठ कोल इंडिया सहायक घोषित किया गया था। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के अध्यक्ष श्री प्रमोद अग्रवाल ने एमसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री पी.के. सिन्हा को पुरस्कार प्रदान किया।
2. महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) को 1 नवंबर, 21 को कोलकाता में सीआईएल के स्थापना दिवस पर कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) में सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए कोल इंडिया की सर्वश्रेष्ठ सहायक कंपनी के रूप में चुना गया था। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के अध्यक्ष श्री प्रमोद अग्रवाल ने एमसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री पी.के. सिन्हा को पुरस्कार प्रदान किए इस दौरान श्री बबन सिंह, डीटी (पीएंडपी) और श्री पी.के.चक्रवर्ती भी सीएमडी, एमसीएल के साथ थे।
3. महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने 1 नवंबर, 21 को कोलकाता में सीआईएल के स्थापना दिवस पर कॉर्पोरेट प्रदर्शन के लिए दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के अध्यक्ष श्री प्रमोद अग्रवाल ने एमसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री पी.के. सिन्हा को पुरस्कार प्रदान किया।
4. एमसीएल की दो परियोजनाओं यानी कुलदा ओसीपी और लिंगराज ओसीपी ने 26 नवंबर, 21 को आयोजित महाबलीपुरम में 21वें ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कारों में पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार प्राप्त किया। श्री बी विवेकानंद, क्षेत्र पर्यावरण अधिकारी, लिंगराज क्षेत्र ने एमसीएल की ओर से पुरस्कार प्राप्त किया।

5. 23 अक्टूबर '21 को भुवनेश्वर में आयोजित पुरस्कार और सम्मान समारोह में जियोमाइनेटेक, भुवनेश्वर द्वारा जियोमाइनेटेक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एमसीएल को "सीएसआर उत्कृष्टता पुरस्कार" और "स्वच्छ भारत मिशन और महामारी कोविड -19 प्रबंधन उत्कृष्टता पुरस्कार" प्राप्त हुआ। प्रो. डी.डी. मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष, आईआईटी (आईएसएम), धनबाद ने एमसीएल की ओर से श्री अरविंद साहू, प्रबंधक (सीएसआर) ने पुरस्कार प्रदान किया।
6. श्री पी.के. सिन्हा पूर्व-सीएमडी, एमसीएल ने 29 जुलाई, 2021 को वर्चुअल रूप में आयोजित गवर्नेंस नाउ 8वें पीएसयू पुरस्कार समारोह में सुश्री किरण बेदी, पूर्व राज्यपाल, पुडुचेरी द्वारा प्रस्तुत "सीएमडी लीडरशिप अवार्ड" प्राप्त किया।
7. श्री केशव राव, निदेशक (कार्मिक), एमसीएल ने 29 जुलाई, 2021 को वर्चुअल रूप से आयोजित गवर्नेंस नाउ 8वें पीएसयू पुरस्कार समारोह में सुश्री किरण बेदी, पूर्व राज्यपाल, पुडुचेरी द्वारा प्रस्तुत "सीएसआर लीडर ऑफ द ईयर" पुरस्कार प्राप्त किया। सुश्री बेदी ने सीएसआर के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए एमसीएल टीम को धन्यवाद दिया।
8. श्री पी.के. सिन्हा, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंधन निदेशक को 23 अक्टूबर '21 को भुवनेश्वर में आयोजित जियोमाइनेटेक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और पुरस्कार और सम्मान समारोह में जियोमाइनेटेक, भुवनेश्वर द्वारा सर्वश्रेष्ठ सीईओ कॉर्पोरेट प्रबंधन नवाचार पुरस्कार 2020-21 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार प्रो. डी.डी. मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष, आईआईटी (आईएसएम), धनबाद द्वारा प्रदान किया गया।

37. लेखा परीक्षक

सांविधिक लेखा परीक्षक:

1. मेसर्स पीएएमएस एंड एसोसिएट्स,

(पहली तिमाही के लिए)

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स प्लॉट नं.

506 ए, बाया बाबा मठ इकाई- IX के पीछे,
भुवनेश्वर - 751022, ओडिशा

2. मेसर्स लालदाश एंड कंपनी, (दूसरी, तीसरी तिमाही और वार्षिक के लिए)

सी/ओ- पी.के. प्रधान, वरुण रेजीडेंसी के पास
प्रधानपारा, बुधराज
संबलपुर - 768004, ओडिशा

शाखा लेखा परीक्षक:

1. मेसर्स पीएएमएस एंड एसोसिएट्स

(पहली तिमाही के लिए)

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स प्लॉट नं.

506 ए, बाया बाबा मठ इकाई- IX के पीछे,
भुवनेश्वर - 751022, ओडिशा

2. मेसर्स बी एन मिश्रा एंड कंपनी (दूसरी, तीसरी तिमाही और वार्षिक के लिए)

एस -29, मैत्री विहार, फेज - II
टेक महिंद्रा के सामने
भुवनेश्वर - 751023, ओडिशा

37.2 लागत लेखा परीक्षक:

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 को कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखा परीक्षा) संशोधन नियम, 2014 के साथ ही समझा जाये, कि कोयले के खनन के संबंध में कंपनी द्वारा बनाए गए लागत लेखा परीक्षा से संबंधित रिकॉर्ड की लेखा परीक्षा की जानी आवश्यक है।

आपके निदेशकों ने लेखापरीक्षा समिति की संस्तुति पर लेखा परीक्षक नियुक्त किया है:

(i) मेसर्स एम. गोयल एंड कंपनी, नं -8, चित्रगुप्त नगर, प्रथम ज्योति नगर रेलवे क्रॉसिंग, जयपुर, राजस्थान -302005 को कंपनी के मुख्यालय, ईबी वैली कोलफील्ड्स क्षेत्रों के मूलधन लागत रिकॉर्ड की लेखापरीक्षा करने के लिए लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है तथा वित्तीय वर्ष 2020-21 में सीडब्ल्यूएस (ईबी वैली) की लेखापरीक्षा शुल्क 6,00,000.00 रही (आईसीसीएस समीक्षा सहित) और 3,00,000.00 (अधिकतम) अतिरिक्त खर्च हुए और ये लेखापरीक्षा पर जीएसटी सहित शुल्क है तथा (ii) मेसर्स जितेंद्र नवनीत एंड कंपनी, 2डी ओसीएस अपार्टमेंट्स, मयूर विहार, फेज-1 एक्सटेंशन, नई दिल्ली - 110091 को वर्ष 2020-21 के लिए कंपनी के लेखापरीक्षक के रूप में, तालचर कोलफील्ड्स क्षेत्रों और सीडब्ल्यूएस (तालचर) के शाखा लागत लेखा परीक्षा का रिकॉर्ड्स लेने के लिए कुल लेखापरीक्षा शुल्क 3,98,000.00 रुपये रही, अतिरिक्त 1,99,000.00(अधिकतम) रुपये खर्च हुए और ये लेखापरीक्षा पर जीएसटी सहित शुल्क है।

37.3 सचिवीय लेखा परीक्षक

वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी की लेखापरीक्षा के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी ने सचिवीय कार्य करने के लिए मेसर्स देब महापात्रा एंड एसोसिएट्स, कंपनी सचिव, भुवनेश्वर, ओडिशा को नियुक्त किया है। सचिवीय लेखापरीक्षक द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट की प्रति अनुबंध-II के रूप में संलग्न है।

38. सावधि जमा

आपकी कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 73 और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत परिभाषित वर्ष के दौरान जनता से कोई जमा स्वीकार नहीं किया है।

39. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एम) के तहत सूचना का विवरण।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एम) के प्रावधानों के अनुसार ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण और विदेशी मुद्रा आय और व्यय के संबंध में जानकारी इस रिपोर्ट के अनुबंध-III में दी गई है।

40. निदेशक मंडल

40.1 रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित व्यक्ति निदेशक बने रहे।

1.	श्री पी.के. सिन्हा	सीएमडी
2.	श्री ओ. पी. सिंह	निदेशक (तकनीकी/संचालन)
3.	श्री के. आर. वासुदेवन	निदेशक (वित्त)
4.	श्री केशव राव निदेशक	(कार्मिक)
5.	श्री बबन सिंह निदेशक	(तकनीकी/परियोजना एवं योजना)
6.	श्री एम.नागराजू	अपर सचिव, कोयला मंत्रालय,
7.	श्री एस.एन. तिवारी	निदेशक (विपणन),
8.	श्री एस. मोहन	स्वतंत्र निदेशक

40.2 रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित व्यक्तियों को निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।

1. श्री एस.के. पाल निदेशक (टी/पी एंड पी) (01.01.2022 से प्रभावी)
2. डॉ. आशा लकड़ा स्वतंत्र निदेशक (01.11.2021 से प्रभावी)

40.3 रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित व्यक्ति दर्ज दिनांक तक निदेशक रहे।

1. श्री पी.के. सिन्हा सीएमडी (31.12.2021 तक)
2. श्री बबन सिंह निदेशक (टी/पी एंड पी) (30.11.2021 तक)

41. निदेशकों के उत्तरदायित्व का विवरण

अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार और उनके द्वारा प्राप्त जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, आपके निदेशक कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(सी) के अनुसार निम्नलिखित वक्तव्य प्रदान करते हैं:

- क. कि 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखा तैयार करने में, सामग्री अलगाव से संबंधित उचित स्पष्टीकरण के साथ लागू लेखा मानकों का पालन किया गया है;
- ख. कि निदेशकों ने ऐसी लेखा नीतियों का चयन किया है और उन्हें लगातार लागू किया है और निर्णय और अनुमान लगाए हैं जो उचित और विवेकपूर्ण हैं ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में या समीक्षाधीन वर्ष के लिए कंपनी की हानि व लाभ के तहत कंपनी के मामलों की स्थिति और लाभ के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण दिया जा सके;
- ग. कि निदेशकों ने कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार कंपनी की संपत्ति की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त देखभाल की है;
- घ. कि निदेशकों ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 'गोइंग कंसर्न' के आधार पर लेखे तैयार किए हैं।
- ङ. यह कि उचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण मौजूद थे और वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त थे और प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे।
- च. यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रणाली मौजूद थे और पर्याप्त थे और प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे।

42. **निगम से संबंधित शासन प्रणाली**
निगम से संबंधित शासन प्रणाली पर एक रिपोर्ट इस रिपोर्ट के साथ अनुलग्नक - IV के रूप में संलग्न है।
43. **प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट**
“प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट” इस रिपोर्ट के साथ अनुलग्नक-V के रूप में संलग्न है।
44. **नियंत्रण एवं महालेखापरीक्षक टिप्पणियाँ**
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के खातों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ इस रिपोर्ट के अनुबंध-VII में दी गई हैं।
45. **लेखा परीक्षा समिति**
निम्नलिखित सदस्यों के साथ दिनांक 02.12.2019 के परिपत्र संकल्प संख्या 20-(2019-20) के माध्यम से अनुमोदित एमसीएल बोर्ड द्वारा समिति का पुनर्गठन किया गया है।
- | | |
|------------------------|------------|
| 1. श्री एस. मोहन, आईडी | - अध्यक्ष |
| 2. सरकार नामित निदेशक | - सदस्य |
| 3. सीआईएल नामित निदेशक | - सदस्य |
| 4. निदेशक (तकनीकी/ओपी) | - सदस्य |
| 5. निदेशक (वित्त) | - आमंत्रित |
- 45.1 **कार्यक्षेत्र**
पुनर्गठित समिति के पास निहित कार्य का दायरा और अधिकार कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 के प्रावधानों के अनुसार कंपनी (बोर्ड की बैठक और उसकी शक्तियाँ) नियम, 2014 के साथ पठित है।
- लेखा परीक्षा समिति के पास एमसीएल के वित्तीय और अन्य डेटा/सूचना तक पहुंच है। समिति द्वारा की गई टिप्पणियों की सूचना एमसीएल बोर्ड को दी जाती है। समिति जितनी बार चाहें बैठक कर सकती है लेकिन उम्मीद है कि तिमाही में कम से कम एक बार बैठक होगी।
46. **लागत रिकॉर्ड**
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के अनुसार कंपनी के लिए लागत रिकॉर्ड का रखरखाव, केंद्र सरकार द्वारा 01.04.2011 से निर्धारित किया गया है। कंपनी केवल एक उत्पाद का उत्पादन करती है, अर्थात् कोयला और उसके पास नियमित अंतराल पर लागत रिपोर्ट के समाधान और ओवरहेड सहित लागत के टूटने के साथ रिकॉर्डिंग, निर्धारण और रिपोर्टिंग की एक सतत एकीकृत प्रणाली है।
47. **समझौता ज्ञापन मापदंडों के अनुसार प्रदर्शन**
भारत सरकार के भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय के सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, सीएमडी, एमसीएल और अध्यक्ष, सीआईएल के बीच हस्ताक्षरित 2020-21 के लिए ज्ञापन के अनुसार एमसीएल का प्रदर्शन तैयार किया गया है। भौतिक और वित्तीय प्रदर्शन के आधार पर वर्ष 2020-21 के लिए आपकी कंपनी की समग्र ज्ञापन रेटिंग "बहुत अच्छा" है।
48. **सीआईएल के शेयरधारकों के लिए सहायक खाते**
कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के सामान्य परिपत्र संख्या 2/2011 दिनांक 08.02.2011 के अनुसार, एमसीएल के वार्षिक लेखा एमसीएल मुख्यालय में निरीक्षण और मांग पर सीआईएल के शेयरधारकों को प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने के लिए उपलब्ध होंगे।

49. आभार

- 49.1 आपके निदेशक, कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया लिमिटेड को उनकी बहुमूल्य सहायता, समर्थन और मार्गदर्शन के लिए अपना हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करते हैं। आपके निदेशक केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और ओडिशा राज्य सरकार को भी उनके बहुमूल्य समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं। निदेशक सहयोगी संगठनों के सहयोग और उनके द्वारा प्रदान की गई सहायता के लिए आभारी हैं।
- 49.2 निदेशकों ने कंपनी के उद्देश्यों की प्राप्ति एवं इसके सर्वांगीण विकास के लिए सभी स्तरों पर कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई टीम भावना, मूल्यवान और स्टर्लिंग सेवाओं के लिए ट्रेड यूनियनों और अधिकारी संगठनों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए सराहना की।
- 49.3 निदेशकों ने महत्वपूर्ण ग्राहकों को उनके निरंतर समर्थन, संरक्षण और प्रोत्साहन के लिए भी धन्यवाद दिया, जिसके बिना कंपनी इतनी मजबूत नहीं होती।
- 49.4 निदेशक, लेखा परीक्षकों, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के अधिकारियों और कर्मचारियों और कंपनी रजिस्ट्रार, ओडिशा द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की सराहना भी करते हैं।
- 49.5 निदेशक समय-समय पर सहयोग के लिए संबलपुर के विभिन्न महत्वपूर्ण नागरिकों और ओडिशा के कोलफील्ड क्षेत्रों में रहने वालों को भी धन्यवाद देते हैं।

50. परिशिष्ट

निम्नलिखित कागजात संलग्न हैं।

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3) के तहत निदेशकों की रिपोर्ट में दी जाने वाली आवश्यक जानकारी।
2. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के प्रावधानों के अनुसार सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट।
3. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3) के तहत निदेशकों की रिपोर्ट का परिशिष्ट।
4. लेखापरीक्षकों द्वारा प्रस्तुत कॉर्पोरेट प्रशासन पर रिपोर्ट।
5. प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट।
6. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6) (ख) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां।

ह/-

(ओ.पी सिंह)

संबलपुर

दिनांक: 20.07.2022

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

(डीआईएन: 07627471)

मैं पुष्टि करता हूं कि समीक्षाधीन वर्ष के लिए, सभी निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन ने आचार संहिता के प्रावधानों के पालन की पुष्टि की है।

ह/-

(ओ.पी सिंह)

संबलपुर

दिनांक: 20.07.2022

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

(डीआईएन: 07627471)

अनुलग्नक-1

(1 अप्रैल, 2021 को प्रारम्भ होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट)

I. कंपनी की सीएसआर नीति पर संक्षिप्त रूपरेखा:-

उद्देश्य:

एमसीएल की सीएसआर नीति का मुख्य उद्देश्य सीएसआर को समाज के सतत विकास के लिए एक प्रमुख व्यवसाय प्रक्रिया बनाने के लिए दिशानिर्देश निर्धारित करना है। इसका उद्देश्य उनकी गतिविधियों के तत्काल और दीर्घकालिक सामाजिक और पर्यावरणीय परिणामों के आधार पर समाज के कल्याणकारी उपायों को बढ़ाने में सरकार की भूमिका को पूरक बनाना है।

एमसीएल एक अच्छे कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में कार्य करेगा, कार्यान्वयन के लिए वैश्विक कॉम्पैक्ट के सिद्धांतों की सदस्यता लेगा।

दायरा:

एमसीएल सीएसआर के दायरे के रूप में समय-समय पर संशोधन के साथ कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII का पालन करता है।

शामिल किए जाने वाले क्षेत्र:

एमसीएल के संबंध में, सीएसआर गतिविधियों के लिए, बजट राशि का 80% परियोजना/साइट/खानों/क्षेत्र मुख्यालय/कंपनी मुख्यालय के 25 किमी के दायरे में खर्च किया जाएगा तथा 20% खर्च ओडिशा राज्य में सीएसआर गतिविधियों के तहत किया जाएगा।

राशि आवंटन:

सीएसआर के लिए फंड, कंपनी के तीन वित्तीय पूर्ववर्ती के औसत शुद्ध लाभ के 2% के आधार पर आवंटित किया जाता है। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 198 के प्रावधान के अनुसार औसत शुद्ध लाभ की गणना की जाती है। एमसीएल की पूरी सीएसआर नीति कंपनी की वेबसाइट पर प्रदर्शित की गई है। सीएसआर नीति के लिए वेब लिंक: http://www.mahanadicoal.in/mcl/csr/csr_policy.php

II. सीएसआर समिति की संरचना

क्रमांक	निदेशक का नाम	पदनाम / निदेशक पद का कार्य	वर्ष के दौरान आयोजित सी.एस.आर. समिति की बैठकों की संख्या	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या, जिसमें भाग लिया गया
1	श्री के.आर. वासुदेवन	अध्यक्ष, निदेशक(वित्त), एमसीएल	7	7
2	श्री एस.एन.तिवारी	सदस्य, निदेशक (मार्केटिंग), सी.आई.एल.	7	2
3	श्री बबन सिंह	सदस्य/ निदेशक, (तकनीकी पी एंड पी), एमसीएल	5	5
4	श्री एस. मोहन	सदस्य/ स्वतंत्र निदेशक, एमसीएल	7	7
5	श्री केशव राव	सदस्य/निदेशक(कार्मिक), एमसीएल	7	7
6	श्री एस.के.पॉल	सदस्य/ निदेशक (तकनीकी/ पी एंड पी)	2	2

III. बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर समिति, सीएसआर नीति और सीएसआर परियोजना की संरचना के संयोजन के लिए वेब लिंक: <https://www.mahandicoal.in/mclcsr/>

IV. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियमावली, 2014 के नियम 8 के उप-नियम (3) के अनुसरण में किए गए सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन का विवरण-

10 लाख रुपये से अधिक की सीएसआर परियोजनाओं का प्रभाव का मूल्यांकन जिन्हें वर्ष 2015- 16, 2016- 17 और 2017- 18 के दौरान पूरे किये गये थे, जिसका आकलन भारतीय कॉर्पोरेट मामले के संस्थान (आईआईसीए) द्वारा मार्गदर्शन किया गया है। आईआईसीए द्वारा जमा किया गया रिपोर्ट अनुलग्नक-। में संलग्न है।

V. कंपनी (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पॉलिसी) नियम, 2014 के नियम 7 के उप-नियम (3) के अनुसरण में उपलब्ध राशि का विवरण और वित्तीय वर्ष के लिए समायोजन के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो

क्रमांक	वित्तीय वर्ष	पिछले वित्तीय वर्षों के समायोजन के लिए उपलब्ध राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष हेतु समायोजन के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो (रुपये में)
1	2021-22	36,89,60,541.00	शून्य

VI धारा 135(5) के अनुसार कंपनी का औसत शुद्ध लाभ :-

3 वर्षों के लिए औसतन लाभ की गणना (2020-21 के लिए)

वर्ष	राशि (करोड में)
2018-2019	9281.08
2019-2020	8645.47
2020- 21	9,316.79
कुल	27,243.34

पिछले तीन वित्तीय वर्षों का औसतन शुद्ध लाभ 9,081.34 रुपया है

VII. A) धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत: 181,62,22,000.00 रुपये हैं।

B) पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न बाहुल्य: 17,84,473 रुपये हैं।

C) वित्तीय वर्ष के लिए छोड़ने की राशि, यदि कोई हो: शून्य

D) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर ऋण (7a+7b-7c): 181,80,06,473.00 रु.

VIII. A) वित्तीय वर्ष के लिए किए गये व्यय या अव्ययित सीएसआर राशि

वित्तीय वर्ष में खर्च की गई कुल राशि (रुपये में)	अव्ययित राशि (रुपये में)				
	धारा 135(6) के अनुसार न खर्च किया हुआ कुल राशि सीएसआर खाते में हस्तांतरित		धारा 135(5) के दूसरे प्रावधान के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड की हस्तांतरित राशि।		
	राशि	स्थानांतरण की तिथि	राशि का नाम	राशि	स्थानांतरण की तिथि
251,75,80,695.77	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	शून्य	लागू नहीं

B) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के हेतु खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण

अनुलग्नक-I चार्ट में

C) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के अलावा अन्य पर व्यय की गई सीएसआर राशि का विवरण:

अनुलग्नक-II चार्ट में

D) प्रशासनिक कार्यों में व्यय की गई राशि:

5,85,423.16 रुपये

E) प्रभावी आकलन पर व्यय की गई राशि, यदि लागू हो: 14,26,112.12 रुपये

F) वित्तीय वर्ष के लिए व्यय की गई कुल राशि (8b+8c+8d+8e): 251,75,80,695.77 रुपये

G) समायोजन के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो

क्रमांक संख्या	विस्तृत ब्योरा	(रुपये में)
1	धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत	181,62,22,000.00
2	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि	251,75,80,695.77
3	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि [(ii)-(i)]	70,13,58,695.77
4	सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों से उत्पन्न अधिशेष या पिछले वित्तीय वर्षों की गतिविधियाँ, यदि कोई हों	17,84,473.00
5	आगामी वित्तीय वर्षों में समायोजन के लिए उपलब्ध राशि [(iii)-(iv)]	69,95,74,222.77

IX. क) पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अव्ययित सीएसआर राशि का विवरण:

क्रमांक	पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष	धारा 135 (6) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (रुपये में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	धारा 135(6), के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड में स्थानांतरित राशि। यदि कोई हो,			आगामी वित्तीय वर्षों में व्यय की जाने वाली शेष राशि (रुपये में)
				फंड का नाम	राशि (रुपये में)	स्थानांतरण की तिथि	
1	2018-19	शून्य	रुपये 251,75,80,695.77	लागू नहीं	शून्य	लागू नहीं	शून्य
2	2019-20	शून्य		लागू नहीं	शून्य	लागू नहीं	शून्य
3	2020-21	शून्य		लागू नहीं	शून्य	लागू नहीं	शून्य
	कुल		रुपये 251,75,80,695.77				

- B) पिछले वित्तीय वर्ष (वर्षों) की चालू परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में व्यय की गई सीएसआर राशि का विवरण: अनुलग्नक-III संलग्न
- X. पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के मामले में, वित्तीय वर्ष में खर्च की गई, सीएसआर के माध्यम से बनाई या अर्जित की गई संपत्ति से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें:
- A) पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि:
सृजित परिसंपत्ति का विवरण अनुबंध-IV के रूप में संलग्न है
- B) पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए व्यय की गई सीएसआर की राशि:
सृजित परिसंपत्ति का विवरण अनुबंध-IV के रूप में संलग्न है
- C) इकाई या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिनके नाम पर ऐसी पूंजीगत संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि
सृजित परिसंपत्ति का विवरण अनुबंध-IV के रूप में संलग्न है
- D) सृजित या अर्जित (पूंजीगत संपत्ति का पूरा पता और जगह सहित) पूंजीगत संपत्ति (संपत्तियों) का विवरण प्रदान करें
सृजित परिसंपत्ति का विवरण अनुबंध-IV के रूप में संलग्न है
- XI. कंपनी धारा 135(5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत व्यय करने में विफल होने पर कारण स्पष्ट करें।
लागू नहीं

ह/-
अध्यक्ष-सह-प्रबंध-निदेशक

ह/-
अध्यक्ष, सी.एस.आर. समिति

निदेशक मंडल,

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

विषय: सीएसआर नियमावली , 2014 के नियम 4 के तहत प्रमाणपत्र

महोदय,

प्रमाणित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधि के लिए वितरित रु. 25,175.81 लाख का उपयोग कंपनी (सीएसआर) नियमावली , 2014 के नियम 4 और कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII के अनुसार 29-05-2021 को आयोजित बैठक में बोर्ड द्वारा अनुमोदित उद्देश्य के लिए किया गया है।

सीएसआर व्यय का विवरण इस प्रकार है:

विवरण	रु. लाख में
परिव्यय राशि (बजट)	रु.18,162.22
सीएसआर परियोजनाओं से अतिरिक्त लाभ	रु.17.84
परियोजनाओं पर व्यय के गई राशि	रु.25,175.81
अव्ययित राशि	निरंक
खर्च की गई अतिरिक्त राशि	रु. 6,995.74

धन्यवाद,

भवदीय,

कृते महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

ह/-

(के.आर. वसुदेवन)

मुख्य वित्त अधिकारी

वित्तीय वर्ष में चल रही परियोजनाओं पर खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियों से संबंधित वस्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित राशि (रुपये में)	चालू वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	घाटा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए आवंटित सीएसआर खाने में हस्तांतरित राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन की तिथि - प्रारम्भ (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला						नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
1	ईच वैली क्षेत्र के एसओसीपी के निकट ग्राम लजकुरा में पेयजल की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	365	2,52,456.02	1,38,854.76	शून्य	हां		
2	सीएसआर ईची वैली क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 5 बीआरजेन नगर पालिका के अंतर्गत लजकुरा फाटक पाड़ा एवं आसपास के मोहल्ले को पेयजल की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	365	3,50,400.00	2,19,763.20	शून्य	हां		
3	सीएसआर एलओसीपी के अंतर्गत मधुवन नगर, संजोब खादीपाड़ा व बुचपाड़ा गांव में पानी के टैंकर से पेयजल की आपूर्ति,	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	365	5,02,670.00	4,94,348.66	शून्य	हां		
4	झारसुगुड़ा शहर में वृक्षारोपण	बिंदु सं. 4	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	1825	6,02,22,000.00	85,61,924.00	शून्य	नहीं	डीएफओ, झारसुगुड़ा	लागू नहीं
5	सीएसआर ईची वैली क्षेत्र के अंतर्गत ब्रजराजनगर मेन रोड से ब्रजराजनगर कोलेज तक सड़क और पुलिस का निर्माण	बिंदु सं. 2	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	60	17,22,363.07	5,54,333.90	शून्य	हां		
6	ब्रजराजनगर नगर पालिका में 15.10.19 को हुई आपीबीएस की बैठक में दो परियोजनाओं का क्रियान्वयन प्रस्तावित	बिंदु सं. 10	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	365	15,90,000.00	5,88,000.00	शून्य	नहीं	ब्रजराजनगर नगर पालिका	लागू नहीं
7	लखनपुर क्षेत्र (एक वर्ष के लिए) के पैकेज ए-1 के तहत लखनपुर खुली खदान परियोजना में ग्राम उडुडा के लिए पेयजल की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	365	3,19,028.25	73,458.00	शून्य	हां		
8	लखनपुर क्षेत्र (एक वर्ष के लिए) (पैकेज ए-4) के अंतर्गत लखनपुर ओसीपी के गांव करलाजोरी और खलियापाली के लिए पेयजल की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	365	4,45,117.50	4,20,257.25	शून्य	हां		
9	एल्केपी, ओसीपी अंतर्गत ग्राम लुह्रा पाड़ा, सहजबहल में पेयजल की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	365	3,02,986.50	1,46,097.60	शून्य	हां		
10	एल्केपी, ओसीपी के तहत गांव तिगिस्मल में पेयजल की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	365	2,89,463.25	1,75,528.40	शून्य	हां		
11	लखनपुर क्षेत्र (एक वर्ष के लिए) (पैकेज ए-3) के अंतर्गत लखनपुर ओसीपी में गांव तिगिस्मल के लिए पेयजल की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	365	2,89,463.25	76,823.80	शून्य	हां		
12	लखनपुर क्षेत्र (वार्षिक पैकेज ए-VII) के अंतर्गत बीओसीएम के जोगबाणा (गोरापारा) को 365 दिनों के लिए पेयजल की आपूर्ति।	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	365	2,89,997.88	2,82,375.00	शून्य	हां		
13	लखनपुर क्षेत्र के बीओसीएम परियोजना में पेयजल की आपूर्ति (एक वर्ष के पैकेज ए- V)	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	365	3,47,513.22	2,61,279.22	शून्य	हां		
14	बीसीओएम के परियोजना में खरियाबहल एवं लच्छुआपाड़ा में पेयजल की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	365	5,20,072.00	5,20,072.00	शून्य	हां		
15	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत ग्राम बरपाली, ग्राम पंचायत दुडुका (हिमगीर प्रखंड), सुंदरगढ़ जिला का विकास	बिंदु सं. 10	हां	ओड़िशा	सुंदरगढ़	365	7,29,41,705.51	3,86,67,491.82	शून्य	हां		
16	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत तिकिलीपाड़ा से बरपाली रेलवे स्टेशन के बिना रेलवे लाइन तक ब्लैक टॉप रोड का निर्माण	बिंदु सं. 10	हां	ओड़िशा	सुंदरगढ़	180	7,04,62,383.31	1,56,16,615.14	शून्य	हां		
17	एवर (जमा कार्य) के सीएसआर कार्यों के तहत बरसिंधा जेपी में 04 पेयजल परियोजनाओं का निर्माण	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	487	22,40,000.00	16,80,000.00	शून्य	नहीं	बीडीओ बनारपाल	लागू नहीं
18	सीएसआर के तहत हिलुला क्षेत्र में एक वर्ष (गर्मी के मौसम को छोड़कर) के लिए हिलुला ओसीपी और बलराम ओसीपी के पास के गांवों के निश्चित स्थान के फोल्ड डेविय के लिए पानी की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	365	16,52,931.49	3,62,460.60	शून्य	हां		
19	वर्ष 2022 के लिए बीए के अंतर्गत गांव बड़ासिंधा और सनासिंधा में पानी के टैंकर के माध्यम से फोल्ड डेविय के लिए पानी की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	122	6,10,851.00	50,069.76	शून्य	हां		
20	एससीएल जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत पंटापाड़ा गांव के पास रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण का परियोजना परियोजना	बिंदु सं. 10	हां	ओड़िशा	अंगुल	2139	2,23,67,560.00	71,99,679.65	शून्य	हां		
21	तालाब की बाउंड्री वॉल, ड्रेन, डीपनिंग की मरम्मत एवं विस्तार कार्य	बिंदु सं. 10	हां	ओड़िशा	अंगुल	270	42,02,799.76	42,02,799.76	शून्य	हां		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियों से संबंधित वस्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित राशि (रुपये में)	चालू वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए आवंटित सीएसआर खाने में हस्तांतरित राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन की तिथि - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला						नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
22	एससीएल जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत तालचर कोलफील्ड्स में हंडीधुआ चौक से माल्को चौक सड़क तक एनटीपीसी बन्देरा से पहले घंटाघड़ा गांव के पास रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण	बिंदु सं.10	हां	ओड़िशा	अंगुल	2139	34,94,93,129.50	2,35,20,111.62	शून्य	हां		
23	अंगुल और उसके आसपास शहरी वृक्षारोपण और नर्सरी(पौधशाला) की स्थापना।	बिंदु सं.4	हां	ओड़िशा	अंगुल	1460	1,90,00,000.00	30,75,552.00	शून्य	नहीं	डीएफओ, अंगुल	लागू नहीं
24	टीएएमडीए के कार्य में, सुलभ शौचालयों का निर्माण एवं अंगुल में रानीगोड़ा तालाब का नवीनीकरण	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	1110	69,29,377.00	39,66,036.00	शून्य	नहीं	टीएएमडीए	लागू नहीं
25	एमआईएमएसआर पर सबस्टेशन	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	365	5,81,445.00	1,61,250.06	शून्य	हां		
26	कोविड बिलिश में सीएससी के 5 बिस्तर	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	365	13,06,260.00	6,53,130.00	शून्य	हां		
27	मैनिफोल्ड गैस ग्रुट का संचालन	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	365	10,89,240.30	85,372.06	शून्य	हां		
28	वर्ष 2021 के लिए कनिहा क्षेत्र(फैकेज ए 1) के अंतर्गत ग्राम जारावा, तेलसिया और कंसमुंडा को पानी के टैंकर के माध्यम से पानी की वार्षिक आपूर्ति (ग्रीष्मकालीन फैकेज के सिवा)	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	365	14,19,689.00	10,67,030.06	शून्य	हां		
29	वर्ष 2020-21 के लिए लिंगराज क्षेत्र (पीकेजी-III) के अंतर्गत तालचर अनुमंडल के कंधल हंडी साही में पानी की कमी वाले गांवों को 303 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	303	26,52,892.94	9,23,991.88	शून्य	हां		
30	तालचर के कांकीली और कालदीप्रसाद गांव को पानी की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	121	7,14,230.01	7,03,608.04	शून्य	हां		
31	प्रमोद प्रसाद गांव में विद्युतीकरण के साथ कोठार का निर्माण	बिंदु सं.10	हां	ओड़िशा	अंगुल	90	7,96,255.73	7,96,255.73	शून्य	हां		
32	बालंगा खमार गांव के आनंदपुर पंचसर में रस्ते और शौचालय का निर्माण	बिंदु सं.5	हां	ओड़िशा	अंगुल	90	6,14,319.47	6,14,319.47	शून्य	हां		
33	गांव कृष्णा चंदपुर, दशरथीपुर एवं एकादसियापुर में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	120	2,34,376.32	2,34,376.32	शून्य	हां		
34	गांव डबलिन, प्रमोद प्रसाद, मणिखमरा व सुलपुर में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	120	3,13,559.04	3,13,559.04	शून्य	हां		
35	गांव आनंदपुर, तालाबेड़ा एवं तालाबोण को पानी की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	120	4,40,906.89	4,40,906.89	शून्य	हां		
36	गांव लंगीगोड़ा और आनंदीपुर में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	303	10,80,508.80	4,46,250.13	शून्य	हां		
37	गांव कोथल एवं कोथला हाडी साही को पानी की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	304	13,00,992.00	5,37,309.70	शून्य	हां		
38	गांव बदंगा नूआ शाही एवं सीधाचनगर में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	303	9,04,800.00	4,73,682.56	शून्य	हां		
39	तालचर के गांव मदन मोहनपुर में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	303	5,76,057.60	3,37,911.54	शून्य	हां		
40	तालचर अनुमंडल के गांव बालगान खमार में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	अंगुल	303	6,54,032.00	2,70,115.22	शून्य	हां		
41	झारसगढ़ में 100 बिस्तरों वाला ड्यूय संस्थान	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	झारसगढ़	2,735	75,00,00,000.00	12,98,94,550.00	शून्य	नहीं	जिह्वापीरा, झारसगढ़	लागू नहीं
42	11 आरपीडीसी ने झारसगढ़ जिले के वर्ष 2019-20 के फेज-1 के कार्य की मंजूरी दी	बिंदु सं.10	हां	ओड़िशा	झारसगढ़	1,200	97,99,300.00	42,56,150.00	शून्य	नहीं	जिह्वापीरा, झारसगढ़	लागू नहीं
43	संबलपुर, झारसगढ़ और बरगढ़ के लिए 15 ऑक्सीजन केंद्रीभूत करना	बिंदु सं. 1	हां	ओड़िशा	बरगढ़, संबलपुर, झारसगढ़	1	4,46,250.00	4,46,250.00	शून्य	हां		
44	झारसगढ़ जिले के चार प्रखंडों (ताड़केरा, कोलावीरा, किरमीरा और झारसगढ़) में चल रहे विविध विकास कार्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त राशि.	बिंदु सं.10	हां	ओड़िशा	झारसगढ़	2,190	6,72,00,000.00	24,87,339.00	शून्य	नहीं	जिह्वापीरा, झारसगढ़	लागू नहीं
45	आजीविका बढ़ाने के लिए एससीएल सतत विकास कार्य की सीएसआर पहल के रूप में व्यापक सामुदायिक विकास कार्यक्रम (सीसीडीपी-उपग्रह)	बिंदु सं.2	हां	ओड़िशा	अंगुल, संबलपुर, सुंदरगढ़, झारसगढ़	2,011	20,28,62,584.00	3,85,20,278.72	शून्य	नहीं	बीएआईएफ	लागू नहीं
46	बाल गृह, धनकुड़ा, संबलपुर के परिसर के अंदर पहली मंजिल पर 1 ड्राईनिंग हॉल, एक डोरमेटरी हॉल और शौचालय ब्लॉक का निर्माण	बिंदु सं.3	हां	ओड़िशा	संबलपुर	179	70,21,696.67	28,22,913.82	शून्य	हां		
47	स्वाधीनता संग्रामी (स्वतंत्रता सेनानी स्मारक) हॉल, संबलपुर के पहली मंजिल का निर्माण	बिंदु सं. 5	हां	ओड़िशा	संबलपुर	1,080	32,98,000.00	8,83,613.00	शून्य	नहीं	जिह्वापीरा, संबलपुर	लागू नहीं
48	एससीएल के सीएसआर के तहत दुर्गोपाली एसबीपी में दवागमि वृद्धाश्रम के चारों ओर से परिसर की दीवार का निर्माण	बिंदु सं.3	हां	ओड़िशा	संबलपुर	1,800	10,00,000.00	4,02,891.00	शून्य	नहीं	जिह्वापीरा, संबलपुर	लागू नहीं
49	रानी पार्क, तालचर के चारों ओर से परिसर की दीवार का निर्माण		हां	ओड़िशा	अंगुल	900	14,91,48,273.00	3,61,63,314.00	शून्य	नहीं	जिह्वापीरा, अंगुल	लागू नहीं
50	तालचर में मेडिकल कॉलेज (एमआईएमएसआर) का निर्माण	बिंदु सं.2	हां	ओड़िशा	अंगुल	2,008	4,92,62,00,000.00	89,50,032.38	शून्य	नहीं	एनबीसीसी लिमिटेड	लागू नहीं
51	बसंधरा क्षेत्र के पास सुंदरगढ़ जिले के विभिन्न गांवों में खुले पंडाल का निर्माण	बिंदु सं.10	हां	ओड़िशा	सुंदरगढ़	960	2,94,50,000.00	1,23,09,906.00	शून्य	नहीं	जिह्वापीरा सुंदरगढ़	लागू नहीं
52	भुवनेश्वर में एमक्यूएम अस्पताल द्वारा सम्पन्न कोविड अस्पताल को चलाना	बिंदु सं. 1	नहीं	ओड़िशा	खुर्दा	830	3,05,00,00,000.00	1,62,58,91,750.00	शून्य	नहीं	एमक्यूएम अस्पताल	लागू नहीं
53	बलांगीर जिले में सीपीएसई द्वारा आकांक्षी जिले का विकास	बिंदु सं.10	नहीं	ओड़िशा	बलांगीर	930	3,64,75,852.00	92,51,083.68	शून्य	नहीं	जिह्वापीरा, बलांगीर	लागू नहीं
54	संबलपुर पब्लिक लाइब्रेरी में रीडिंग / लर्निंग हॉल के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता	बिंदु सं.5	हां	ओड़िशा	संबलपुर	1020	45,40,132.00	13,62,039.00	शून्य	नहीं	जिह्वापीरा, संबलपुर	लागू नहीं
55	बेहरामपल्ली के कल्याण मंडप में विभिन्न कार्यों के लिए वित्तीय सहायता	बिंदु सं.10	हां	ओड़िशा	झारसगढ़	990	24,80,181.00	5,95,966.00	शून्य	नहीं	जिह्वापीरा, झारसगढ़	लागू नहीं

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अभिनियम की गतिविधियों से संबंधित बस्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित राशि (रुपये में)	छातू वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए आव्यक्त सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन की तिथि - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला						नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
56	झारसुगुड़ा जिले के लाइकेरा ब्लॉक में तालाबों के नवीनीकरण से संबंधित और गो केयर पोर्टल के परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहयता ओडिशा की सीएसआर परिषद द्वारा अनुमोदित की गई।	बिंदु सं.4	हां	ओडिशा	झारसुगुड़ा	1080	24,00,000.00	3,59,633.00	शून्य	नहीं	जिद्धवीश, झारसुगुड़ा	लागू नहीं
57	पौकभल शासकीय उच्च विद्यालय, पौकभल, बरगड़ जिला में सभागार-सह-सम्मेलन कक्ष के निर्माण हेतु अनदान	बिंदु सं.2	नहीं	ओडिशा	बरगड़	900	50,00,000.00	27,50,000.00	शून्य	नहीं	जिद्धवीश, बरगड़	लागू नहीं
58	ब्रजराजनगर नगर पालिका फेज-II में जलापूर्ति में सुधार	बिंदु सं. 1	हां	ओडिशा	झारसुगुड़ा	1380	2,82,87,536.00	21,21,565.00	शून्य	नहीं	जिद्धवीश, झारसुगुड़ा	लागू नहीं
59	एससीएल के सीएसआर पुंजी के तहत ओडिशा के 232 रेलवे स्टेशनों के परिसंचारी क्षेत्रों में पूर्वनिर्मित शौचालयों को दुरुस्त करना।	बिंदु सं. 1	हां	ओडिशा	ओडिशा के सभी जिले	1080	57,55,03,185.00	7,30,82,242.00	शून्य	नहीं	आरआईटीईएस	लागू नहीं
60	नुआपाड़ा जिले में सीपीएसई के तहत आकांक्षी जिलों के विकास की योजना के तहत परियोजनाएं	बिंदु सं.10	नहीं	ओडिशा	नुआपाड़ा	1095	5,71,15,000.00	37,10,696.00	शून्य	नहीं	जिद्धवीश, नुआपाड़ा	लागू नहीं
61	गंजाम जिले के शेरगुड़ा, विजिलिक्ट ब्लॉकों में उच्च विद्यालयों की बुनियादी ढांचे, आईसीटी प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, खेल सुविधाओं आदि के उन्नयन, परिवर्तन के लिए धन उपलब्ध कराना।	बिंदु सं.2	नहीं	ओडिशा	गंजाम	720	7,50,00,000.00	3,75,00,000.00	शून्य	नहीं	जिद्धवीश, गंजाम	लागू नहीं
62	ओरिएंट क्षेत्र द्वारा वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए लखनपुर ब्लॉक में आरखीसी स्वीकृत कार्य (111 परियोजनाएं)	बिंदु सं.10	हां	ओडिशा	झारसुगुड़ा	1915	3,80,83,000.00	11,27,168.00	शून्य	नहीं	जिद्धवीश, झारसुगुड़ा	लागू नहीं
63	घंटेधरी मंदिर के स्थल के पास विशाल पंटी की स्थापना के साथ साथ उसका नवीकरण करना, सौंदर्यीकरण और भूदृश्य, कला और संस्कृति का विक्षण।	बिंदु सं.5	हां	ओडिशा	संवलपुर	900	2,37,19,000.00	29,98,633.00	शून्य	नहीं	जिद्धवीश, संवलपुर	लागू नहीं
64	संथापाड़ा और आस-पास के गांवों को जलापूर्ति	बिंदु सं. 1	हां	ओडिशा	अंगल	1760	9,00,91,949.00	2,42,13,377.00	शून्य	नहीं	जिद्धवीश, अंगल	लागू नहीं
65	संवलपुर में संस्कृति कलाकेन्द्र	बिंदु सं.5	हां	ओडिशा	संवलपुर	1080	2,87,78,000.00	93,90,501.00	शून्य	नहीं	जिद्धवीश, संवलपुर	लागू नहीं
	कुल						10,79,59,23,772.27	2,15,04,04,892.44				

वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के अतिरिक्त अन्य की गई सीएसआर राशि का विवरण									
1	2	3	4	5		6	7	8	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VIII में अधिनियम की गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
1	ईबी कैली क्षेत्र के सीएसआर के तहत तेलनवाली प्राथमिक विद्यालय, ब्रजराजनगर की चारदीवारी एवं विविध कार्य का निर्माण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	2,26,417.03	हाँ		
2	झारसुगुड़ा के कोविड-19 अस्पताल के लिए एंजुलैस किरण पर लेना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	54,58,023.00	हाँ		
3	ईबी कैली क्षेत्र के सीएसआर के अंतर्गत ब्रजराजनगर महाविद्यालय के लिए भवन की ट्रेडरिंग, छत के ऊपर एवं पाइप लाइन की मरम्मत और उसका संरक्षण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	2,36,000.00	हाँ		
4	छलिगाछानी पूर्वी स्कूल में एक कक्षा और उसके चारदीवारी(बाउंड्री वॉल) का निर्माण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	4,88,391.47	हाँ		
5	आईबी कैली परिसर के सीएसआर हेड के तहत डुलिसर्न स्थित डुलिसर्न आश्रम स्कूल में चारदीवारी(बाउंड्री वॉल) एवं शौचालय का निर्माण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	6,87,289.44	हाँ		
6	ईब कैली क्षेत्र के एसओसीपी के निकट गांव लक्कुरा में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	1,15,110.46	हाँ		
7	ईबी कैली क्षेत्र के सफुइन नगर, संजोब खडियपाड़ा और बुद्ध पाड़ा गांव में पानी के टैंकर के माध्यम से पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	82,000.00	हाँ		
8	ईबी कैली क्षेत्र के सीएसआर के अंतर्गत चिंगरीगुड़ा के जामकनी गांव के सुखवासियों के लिए पीएलसील में समर्पित पंप के साथ सोरबल उपलब्ध कराना.	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	2,48,537.07	हाँ		
9	ईबी कैली क्षेत्र के सीएसआर के अंतर्गत ग्रीष्म ऋतु 2021 के दौरान खदानों के निकट पानी की कमी वाले गांवों में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	5,97,644.00	हाँ		
10	ईबी कैली क्षेत्र के सीएसआर के अंतर्गत ब्रजराजनगर नगर पालिका के विभिन्न गांव में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	2,04,490.00	हाँ		
11	एसओसीपी, ईबी-कैली क्षेत्र के पास लक्कुरा के हरिकन पाड़ा में जल भंडारण टैंक उपलब्ध कराना ।	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	33,468.31	हाँ		
12	सीएसआर ईबी कैली क्षेत्र अंतर्गत देवगांव राजपुर गांव के पास ईबी नदी के तल पर अस्थायी संग्रह का निर्माण	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	1,10,593.80	हाँ		
13	वर्ष 2020-21 में एलना महिला मंडल, ईबी कैली क्षेत्र के साथ किए गए विविध सामुदायिक विकास कार्य	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	93,622.76	हाँ		
14	ईबी कैली क्षेत्र के सीएसआर सीएच के तहत गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	1,44,937.18	हाँ		
15	स्वच्छता ही सेना समारोह	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	9,000.00	हाँ		
16	ईबी कैली क्षेत्र के सीएसआर के तहत झारसुगुड़ा जिले के एएच 49 और एएच 10 (बीडू एसएमय के) के निर्माण के लिए 50 नो पार्किंग योर्ड की आपूर्ति	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	1,35,700.00	हाँ		
17	ईबी कैली क्षेत्र के सीएसआर के तहत विभिन्न बीएसएस (वन सेवा समिति) की रंगई एवं टीकार पर पेंटिंग और चित्रकारी करना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	2,12,273.47	हाँ		
18	ओरिएंट क्षेत्र के अंतर्गत ब्रजराजनगर नगर पालिका के विभिन्न वार्डों में गर्मी के मौसम में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	3,74,565.37	हाँ		
19	ओरिएंट उप. क्षेत्र के अंतर्गत रामगढ़ गांव में टैंकर के माध्यम से पेवजल की आपूर्ति.	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	72,360.00	हाँ		
20	स्वच्छता पखवाड़ा के लिए जागरूकता कार्यक्रम	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	29,690.00	हाँ		
21	वर्ष 2021 के दौरान लखनपुर प्रखंड(ब्लॉक) के पानी की कमी वाले 17 गांवों को पेवजल आपूर्ति के संबंध में राशि दिया जाना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	24,67,584.00	नहीं	बीडीओ, लखनपुर	लगा नहीं
22	स्वच्छता ही सेना 2020	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	18,000.00	हाँ		
23	स्वच्छता पखवाड़ा 2021	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	1,13,359.32	हाँ		
24	कोविड स्वास्थ्य केंद्र, लखनपुर क्षेत्र के स्टारक नर्स (सहिला) का े वैन भुगतान	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	4,41,000.00	हाँ		
25	कोविड अस्पताल, एलकेपीए के लिए सीएम थिएटर सिस्टम	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	3,500.00	हाँ		
26	डीसीएमसी, लखनपुर क्षेत्र के लिए अग्रतकालीन बचाओं की खरीदी	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	23,660.00	हाँ		
27	कोविड अस्पतालों के लिए वॉल पेपर की खरीदी	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	6,378.00	हाँ		
28	स्वच्छता पखवाड़ा 2020	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	36,500.00	हाँ		
29	सीएसआर के तहत सुकनारी गांव के पीपारों के पुनर्वास के लिए , नई 11 केबी एवं 440 कोट की बिजली की आपूर्ति किए जाने के लिए 6% शुल्क जमा किया।	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	2,74,343.00	हाँ		
30	कोविड अस्पताल के लिए दवाओं की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	1,43,837.51	हाँ		
31	गांव में स्वास्थ्य शिविर के लिए दवाओं की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	19,999.00	हाँ		
32	सीएसआर हेड के तहत स्वास्थ्य शिविर के लिए विभिन्न विज्ञान	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	16,000.00	हाँ		
33	रातापारा में गौधाराड़ा तक मुख्य सड़क के दोनों ओर ड्रेन सिस्टम से जोड़ने वाली कंक्रीट सड़क का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	69,401.01	हाँ		
34	कोविड 19 अस्पताल, झारसुगुड़ा के लिए एएलएस एम्बुलेंस	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	9,49,134.58	हाँ		
35	सीओसीएम के खेलमहल और लेचुआपाड़ा गांवों को 1 वर्ष के लिए पेवजल की आपूर्ति (एपी -1)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	2,22,246.45	हाँ		
36	कोविड-19 अस्पताल, लखनपुर क्षेत्र के लिए मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडर की रिपैरिंग	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	27,000.00	हाँ		
37	40 काले, 10 नीले बायोमैडिकल अपशिष्ट बैग	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	9,152.00	हाँ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VIII में अधिनियम की गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हाँ/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
38	बीआईटी के विभिन्न गांवों में सीएसआर कार्य (चरण-I) के तहत 60 दिनों के लिए पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	14,192.73	हाँ		
39	बीआईटी, लखनपुर क्षेत्र (फेज एन-II) के सीएसआर कार्य के तहत 60 दिनों के लिए पानी के टैंकर द्वारा विभिन्न गांवों में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	1,88,571.28	हाँ		
40	बीआईटी, लखनपुर क्षेत्र के सीएसआरआर कार्य (60 दिनों के लिए) (चरण- I) के तहत पानी के टैंकर द्वारा विभिन्न गांवों में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	8,13,675.17	हाँ		
41	बीआईटी, लखनपुर क्षेत्र के सीएसआरआर कार्य (60 दिनों के लिए) (चरण-एस-III)के तहत पानी के टैंकर द्वारा विभिन्न गांवों में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	3,93,893.58	हाँ		
42	बीआईटी, लखनपुर क्षेत्र के सीएसआरआर कार्य (60 दिनों के लिए) (चरण-एस-III)के तहत पानी के टैंकर द्वारा विभिन्न गांवों में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	5,00,987.05	हाँ		
43	रैड सैनिटेशन की आपूर्ति	बिंदु सं.12	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	70,000.00	हाँ		
44	लखनपुर क्षेत्र के कोविड-19 अस्पताल के लिए दवाओं की खरीद	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	4,74,073.99	हाँ		
45	लखनपुर क्षेत्र के कोविड-19 अस्पताल के लिए वैक्सीन और सहजबल को पेवजल की आपूर्ति (फेज एन-II) के तहत पानी के टैंकर द्वारा विभिन्न गांवों में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	4,59,450.00	हाँ		
46	कोविड-19 रोगी के लिए दो एलएलए एप्लाइड को कार्य पर लाना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	8,25,626.99	हाँ		
47	लखनपुर स्लीप(ग्रंथ) के गांवों में पुनः प्रयोग/धोने योग्य सूती मास्क की खरीद एवं उसका वितरण	बिंदु सं.12	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	1,57,999.80	हाँ		
48	कोविड देख-भाल केंद्र के लिए लखनपुर क्षेत्र के बसुटी ट्राइड हॉस्टल में हल के कंबल (दोहरे से) की खरीद	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	28,788.48	हाँ		
49	कोविड-19 अस्पताल, लखनपुर क्षेत्र के लिए सैनिटल और सैनिटाइजिंग मशीन की खरीद	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	3,240.00	हाँ		
50	लखनपुर गांव पंचायत के विमानतल पाइप, बांटी पाइप में सीसी रोड का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	3,87,402.29	हाँ		
51	लखनपुर ओसीपी, लखनपुर क्षेत्र के गांव जुद्धा को पेवजल की आपूर्ति (फेज ए-IV)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	2,66,505.99	हाँ		
52	लखनपुर ओसीपी, लखनपुर क्षेत्र के गांव लुहुरपाड़ा और सहजबल को पेवजल की आपूर्ति (फेज ए-III)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	8,755.13	हाँ		
53	लखनपुर ओसीपी, लखनपुर क्षेत्र के पुरानी खेकुनी, नू खेकुनी, चुपड़ा, जमुनिया और चण्डीपाड़ा गांवों को (90 दिनों के लिए) पानी के टैंकर द्वारा पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	2,64,438.02	हाँ		
54	90 दिनों के लिए लखनपुर ओसीपी, लखनपुर क्षेत्र के कुदालोई, चिंतिगुड़ा, बिजुआपाड़ा, गंगापाड़ा, वल्लभदेग, भोलामल, धाधकीपाड़ा और बाबागुड़ा गांवों के लिए पानी के टैंकर द्वारा पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	3,95,992.00	हाँ		
55	बीओसीए के गांव जोवागा, मन्नीपाड़ा और सुचबल के लिए पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	2,21,878.36	हाँ		
56	पेडा ग्रामपंचायत के अंतर्गत ग्राम बाघमुंडा, दाम्बल, गोपीपाटी एवं सलीपाटी में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	3,79,183.52	हाँ		
57	लखनपुर क्षेत्र के लखनपुर स्लीप(ग्रंथ) के ग्रामीण अबादी वाले गांवों में पानी के टैंकर द्वारा पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.3	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	810.47	हाँ		
58	बसुंधरा हाई स्कूल, टिकिलीपाड़ा में 50 बिस्तर वाले छात्रावास का निर्माण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	53,21,211.89	हाँ		
59	हलिवल प्राथमिक विद्यालय की भूमत एवं उसका रखरखाव	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	4,48,013.47	हाँ		
60	हुमनाई हाई स्कूल की भूमत एवं उसका रखरखाव	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	40,886.50	हाँ		
61	बसुंधरा क्षेत्र के सीएसआर योजना-अंतर्गत नवनिर्मित सरकारी विद्यालय टिकिलीपाड़ा में शौचालय का निर्माण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	7,93,339.30	हाँ		
62	बसुंधरा क्षेत्र के सीएसआर योजना के तहत कुआरकेला खेत के मैदान का विकास	बिंदु सं.7	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	6,28,118.88	हाँ		
63	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत झरियापाटी गांव के सामुदायिक केंद्र के पास रसोई सह-भंडार भवन का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	5,93,601.28	हाँ		
64	बच संकर सेवाश्रम, बेल्सरा में क्षतिग्रस्त हूड जीआई प्रोफाइल शीट का प्रतिस्थापन	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,68,563.37	हाँ		
65	वर्ष 2020-21 बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत बीजी क्षेत्र के आसपास के पट्टीपाटी गांवों के पास बसुंधरा नदी में अस्थायी क्रॉसबांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,78,835.39	हाँ		
66	वर्ष 2020-21 बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत पट्टीपाटी गांवों अर्थात् आर एंड आर साइट के पश्चिम नाल में अस्थायी क्रॉसबांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	86,484.37	हाँ		
67	वर्ष 2020-21 बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत मसीन नाल के ऊपरी हिस्से में सलीपाटी गांव के विभिन्न स्थानों पर अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,26,781.90	हाँ		
68	वर्ष 2020-21 बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत बरपाटी और दुदुका गांव के लिए बसुंधरा नदी में अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,73,678.07	हाँ		
69	वर्ष 2020-21 बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत सिमामल गांव के लिए बसुंधरा नदी में अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	52,587.11	हाँ		
70	वर्ष 2020-21 बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत मुसुलिया गांव के लिए चट्ट खेत नाल में अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,63,341.28	हाँ		
71	वर्ष 2020-21 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत बसुंधरा नदी के ऊपरी किनारे पर त्रिभुजा गांव के विभिन्न स्थानों पर क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,12,506.03	हाँ		
72	वर्ष 2020-21 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत बसुंधरा नदी के ऊपरी किनारे के गंजीबुद गांव के विभिन्न स्थानों पर क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	90,476.00	हाँ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हाँ/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
73	वर्ष 2020-21 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत रतनसारा गांव में बसुंधरा नदी के विभिन्न स्थानों पर क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,01,304.75	हाँ		
74	वर्ष 2020-21 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत बसुंधरा नदी के ऊपरी किनारे के सुसुरा गांव के विभिन्न स्थानों पर क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	47,461.85	हाँ		
75	वर्ष 2020-21 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत झुलतेश्वरी में ईरा नदी पर क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,34,887.02	हाँ		
76	वर्ष 2020-21 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत झरियापाली में ईरा नदी पर क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,32,557.89	हाँ		
77	वर्ष 2020-21 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत बंजारबड में ईरा नदी पर क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,35,166.52	हाँ		
78	वर्ष 2020-21 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत पुपुढी में ईरा नदी पर क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,38,279.66	हाँ		
79	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना-नर्गत वर्ष 2021 के लिए टैंकर के माध्यम से टिकितलीपारा एवं सरदेगा आर एंड आर गांव में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,78,479.57	हाँ		
80	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना-नर्गत वर्ष 2021 के लिए टैंकर के माध्यम से खमारपाड़ा गांव में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,02,797.27	हाँ		
81	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना-नर्गत वर्ष 2021 के लिए कुलटा एवं जैतालागाँव/बांकीबल्ल गांवों में टैंकर के माध्यम से पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,51,681.85	हाँ		
82	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना-नर्गत वर्ष 2021 के लिए टैंकर के माध्यम से सितामल गांव में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,41,544.66	हाँ		
83	वर्ष 2021 बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना-नर्गत तुमुलिया गांव में टैंकर के माध्यम से पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	2,82,545.34	हाँ		
84	वर्ष 2021 बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना-नर्गत गर्बसहल गांव में टैंकर के माध्यम से पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,64,438.01	हाँ		
85	वर्ष 2021 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत टैंकर के माध्यम से बांगुरकेला एवं कालिकाचर गांव में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	2,05,337.28	हाँ		
86	वर्ष 2021 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना-नर्गत बरपाली गांव एवं आरुंडेआर साइट को टैंकर के माध्यम से पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,22,725.84	हाँ		
87	वर्ष 2021 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना-नर्गत टैंकर के माध्यम से कुदरीगा गांव में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,39,799.41	हाँ		
88	वर्ष 2021 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत टैंकर के माध्यम से बालिंगा (बरपाली सड़क किनारे) गांव में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,12,266.99	हाँ		
89	वर्ष 2021 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना-नर्गत टैंकर के माध्यम से दुलुका गांव में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,60,516.63	हाँ		
90	वर्ष 2021 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना-नर्गत टैंकर के माध्यम से कालेतपानी गांव में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,00,586.46	हाँ		
91	वर्ष 2021 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत टैंकर के माध्यम से सारणीझीवा गांव में पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,44,215.30	हाँ		
92	वर्ष 2021 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना-नर्गत सुसुरा गांव में टैंकर के माध्यम से पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,51,189.83	हाँ		
93	वर्ष 2021 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत गांजेदु गांव में टैंकर के माध्यम से पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,17,244.98	हाँ		
94	वर्ष 2021 बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत टिझीया गांव को टैंकर के माध्यम से पेवजल की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,53,117.06	हाँ		
95	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत कुलटा गांव में 90 दिनों तक पेवजल आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,48,604.91	हाँ		
96	बीए की सीएसआर योजना के तहत गोपालपुर हाई स्कूल की मरम्मत एवं अस्का रखरखाव	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	8,07,428.74	हाँ		
97	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत सुसुरा ग्राम पंचायत के तुरा से सुसुरा गांव तक मिट्टी की सड़क और पुलिया का मरम्मत/रकबा	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,66,333.19	हाँ		
98	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत ऋषि गुम्फा से पोपरपुड़ी तक मिट्टी की सड़क और पुलिया का मरम्मत/रकबा	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,88,489.48	हाँ		
99	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत सुसुरा ग्राम पंचायत (हेमगिरि प्रखंड) के सारणीझीवा गांव में सामुदायिक केंद्र भवन की मरम्मत एवं अस्का रखरखाव	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,93,949.57	हाँ		
100	सुंदरगढ़ गहर के गरीब और वंचित बच्चों के लिए ई-लर्निंग सेंटर स्थापित करने हेतु 15 कंप्यूटर सेट, 15 कंप्यूटर प्रिंटर, 15 कंप्यूटर मॉनिटर और 15 कंप्यूटर टेबल की आपूर्ति	बिंदु सं.2	नहीं	ओड़िशा	सुंदरगढ़	8,87,625.00	नहीं	एसपी सुंदरगढ़	लामू नहीं
101	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत जवाहर नवोदय विद्यालय, बिक्रि नगर, सुंदरगढ़ को 20 कंप्यूटर सेट की आपूर्ति	बिंदु सं.2	नहीं	ओड़िशा	सुंदरगढ़	6,22,721.00	नहीं	जिज्ञप्तीरा, सुंदरगढ़	लामू नहीं
102	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत तुमुलिया गांव में बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिक्षित क्रा अवॉज	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	25,000.00	हाँ		
103	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत तुमुलिया गांव में बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिक्षित अवॉज करने के लिए दवाओं की खरीद	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	17,994.38	हाँ		
104	सुंदरगढ़ जिले के सदर ब्लॉक(प्रखंड) में कोविड केयर सेंटर में 100 बिस्तर लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना	बिंदु सं.1	No	ओड़िशा	सुंदरगढ़	4,35,000.00	नहीं	बीडीओ सदर सुंदरगढ़	लामू नहीं
105	सुंदरगढ़ जिले के हेमगिरि ब्लॉक(प्रखंड) में कोविड केयर सेंटर में 100 बिस्तर के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना	बिंदु सं.1	No	ओड़िशा	सुंदरगढ़	4,35,000.00	नहीं	बीडीओ हेमगिरा	लामू नहीं
106	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत कुदरीया ग्राम बीबी: बालिंगा हेमगिरि ब्लॉक) के मेडिकली में छपर(रोड) का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	2,06,196.06	हाँ		
107	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत कर्मिका के उच्च प्राथमिक विद्यालय की पेंटिंग एवं मरम्मत/रकबा कार्य	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,84,412.84	हाँ		
108	वर्ष 2021-22 के लिए बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत सितामल गांव के बसुंधरा नदी पर अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	86,016.10	हाँ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VIII में अधिनियम की गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
109	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2021-22 के लिए बीबी क्षेत्र के आसपास के पड़ोसी गांवों के पास बसुंधरा नदी में अस्थायी क्रॉसबांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	2,03,270.34	हाँ		
110	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2021-22 के लिए भूलादेही में ईवा नदी के पार अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,36,961.36	हाँ		
111	वर्ष 2021-22 के लिए बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत गंभीरुद गांव के विभिन्न स्थानों पर जो बसुंधरा नदी के ऊपरी किनारे से लगे हैं पर अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	96,944.32	हाँ		
112	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2021-22 के लिए झरियापाली में ईवा नदी के पार अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,36,961.36	हाँ		
113	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2021-22 के लिए बंजरीबुड में ईवा नदी के पार अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,38,499.73	हाँ		
114	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2021-22 के लिए रतसारा गांव में अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,05,865.49	हाँ		
115	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2021-22 के लिए बसुंधरा नदी के ऊपरी किनारे के तिउँरिया गांव के विभिन्न स्थानों पर अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,21,962.20	हाँ		
116	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2021-22 के लिए मसीना नालह के ऊपरी हिस्से में सारंगीझरिया गांव के विभिन्न स्थानों पर अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,31,361.73	हाँ		
117	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2021-22 के लिए फूलतुड़ी में ईवा नदी के पार अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,40,004.95	हाँ		
118	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2021-22 के लिए बसुंधरा नदी के ऊपरी किनारे के सुनरा गांव के विभिन्न स्थानों पर अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	50,164.26	हाँ		
119	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2021-22 के लिए तुमुलिया गांव के लिए चट्ट जोर नालाह में अस्थायी क्रॉस बांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,15,097.20	हाँ		
120	बीबी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2021-22 के लिए पड़ोसी गांवों वाली आर एंड आर साइट के लिए मसीना नालह में अस्थायी क्रॉसबांध बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	1,17,288.46	हाँ		
121	मालखी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत रतनपुर गांव में सामुदायिक केंद्र का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	3,28,814.19	हाँ		
122	वर्ष 2021 तालचर क्षेत्र के (फैकन-ग्ल6) 120 दिनों के लिए तालचर अनुसंधान के गांव अगखाल, कनैकैकोलिया, गोपालबडुपुर एवं रणटीया में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,66,817.22	हाँ		
123	वर्ष 2021 तालचर क्षेत्र (फैकन-एस1) 120 दिनों के लिए तालचर अनुसंधान के गांव रघुनाथपुर एवं बौरामचंदपुर को पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,04,638.05	हाँ		
124	वर्ष 2021 के दौरान तालचर क्षेत्र के लिए तालचर अनुसंधान के गांव ब्रजनाथपुर और राधानथपुर में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,21,900.08	हाँ		
125	वर्ष 2021 तालचर क्षेत्र के लिए तालचर अनुसंधान के लुहरी, गोरीबांधा चक और केरगड़ा गांवों में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,81,459.61	हाँ		
126	वर्ष 2021 के दौरान तालचर अनुसंधान के गांव पुनकंग में जलापूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	8,44,644.88	हाँ		
127	वर्ष 2021 के दौरान तालचर अनुसंधान के ग्राम सिरीगिड़ा के लिए जल आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,75,406.90	हाँ		
128	हिलुल ग्राम में 16 स्टाल व बाकैडिंग का निर्माण	बिंदु सं.5	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,13,834.00	हाँ		
129	माँ हिलुल बाजार 2022 के दौरान दवा और अन्य विविध वस्तु की खरीद	बिंदु सं.5	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	91,860.00	हाँ		
130	बड़बोडा गांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	45,000.00	हाँ		
131	प्रगति महिला मंडल, तालचर क्षेत्र द्वारा सामुदायिक-कल्याण कार्य	बिंदु सं.3	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	60,000.00	हाँ		
132	अदुता अनाथालय, अंगुल (एनआर आदर्श कॉलेज) के लिए पोशाक सामग्री का वितरण, और मिशन आश्रम, तालचर के लिए चावल और तक्रिफ का वितरण।	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	41,833.00	हाँ		
133	वर्ष 2021 के दौरान गमी के मौसम में गांव संबोराडा, कर्णपुर और नाटरी में पानी की आपूर्ति (फैकन 2)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	6,45,901.45	हाँ		
134	दुनरा जीपी के अंतर्गत जम्बुवाहाली गांव में बाय-पास रोड का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,38,169.97	हाँ		
135	विशेष वर्ष 2020-21 दौरान प्रतिभा महिला मंडल, हिलुल क्षेत्र द्वारा समाज कल्याण गतिविधियों के लिए व्यय	बिंदु सं.3	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,00,000.00	हाँ		
136	वर्ष 20-21 दौरान हिलुल क्षेत्र के सीएसआर कार्यों के तहत बलराम टाउनशिप एंडो से बड़ाबोराडा ग्राम रोड तक सीसी रोड और टेंटिंग चाल का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	13,26,941.44	हाँ		
137	हिलुल क्षेत्र के आस-पास के गांवों और मोड़लों में हैंड सैंडिटाइज की बोलतलों का वितरण	बिंदु सं.12	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,51,998.16	हाँ		
138	विशेष वर्ष 2021-22 के दौरान प्रतिभा महिला मंडल, हिलुल क्षेत्र द्वारा समाज कल्याण गतिविधियों के लिए व्यय	बिंदु सं.3	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,92,650.00	हाँ		
139	स्वच्छता पञ्चांग 2021	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,70,000.00	हाँ		
140	बड़बोराडा गांव के तालकों को कीटनाशकित करने के लिए पत्ते की खरीद	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	20,000.00	हाँ		
141	मिना गांव के हाई स्कूल परिसर में चार कक्षा का निर्माण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	32,948.57	हाँ		
142	वर्ष 2021 के दौरान हिलुल क्षेत्र के अंतर्गत गांव तेलीपुर, तेलीपुर हरजनवाही, तेलपुर सिखपालवाही और खुर्गिंग में गमी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक-03)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,55,007.30	हाँ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VIII में अधिनियम की गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हाँ/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
143	वर्ष 2021 के दौरान हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत गांव मझिमा, बोरखपुर, सोलादा देउलसाही, नागांव दुलिस चौकी कलामखुई, गौचसी कलामखुई सहित हिमालय हाई स्कूल, गौलकुला परबदा, धमला सही बमिया सही विद्याधर और अनायासी को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक-04)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	8,89,572.95	हाँ		
144	वर्ष 2021 के दौरान, एएए (फैक संख्या 14) के अंतर्गत गांव गोपाल प्रसाद, गोपाल प्रसाद खलीसाही (स्कूल शाही), खमार एवं पटवसाही को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	10,59,710.23	हाँ		
145	वर्ष 2021 के दौरान, हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत गांव पितालपुर कुमुदा नकीपासी, हरीसाही, कुमुदा हरीसाही, मरहतीरपुर और अंबापुरी को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक-16)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	8,64,407.69	हाँ		
146	वर्ष 2021 के दौरान, हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत गांव सोलादा को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक-18)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	10,26,911.13	हाँ		
147	वर्ष 2021 के दौरान, हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत गांव भालुगढ़िया में गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक-11)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,19,534.44	हाँ		
148	वर्ष 2021 के दौरान, हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत गांव कुमुदा, कुमुदा तनसाही, कुमुदा नुआ तनसाही, कुमुदा वेतुलीखीरी और पुनपानी में गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक-17)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	9,96,012.64	हाँ		
149	वर्ष 2021 के दौरान, हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव न्यू गोपालप्रसाद, न्यू अंतगढ़िया, कैथनाली और कुसुमपाल को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक-12)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,45,778.86	हाँ		
150	वर्ष 2021 के दौरान, हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत गांव मझीबाधा, नुआमुलिन, अंतगढ़िया और जम्झारा में गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक-13)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	6,13,216.74	हाँ		
151	वर्ष 2021 के दौरान, हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत गांव बनखसपुर एवं बाघबासपुर को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक-15)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	9,06,409.35	हाँ		
152	वर्ष 2021 के दौरान, हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कांकोई, छोटेबोरीनी और पिधाखन को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक-25)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,71,117.66	हाँ		
153	वर्ष 2021 के दौरान, हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कलामखुई (हरीसाही, हरिजनसाही, कालिकाप्रसाद और कलामखुई बोरगढ़िया सहित) में गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक-20)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	8,82,920.08	हाँ		
154	हिमालय क्षेत्र के सीएसआर के तहत हिमालय ओसीपी और बलराम ओसीपी के पास के गांवों के निर्धारित स्थान पर एक वर्ष के लिए फोल्ड कागजों के लिए पानी की आपूर्ति (गर्मी के मौसम को छोड़कर)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	7,82,097.63	हाँ		
155	हिमालय क्षेत्र के दौरान कपड़े की ऊन(सीलिंग) के साथ तम्बू का प्रावधान	बिंदु सं.5	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,38,306.00	हाँ		
156	हिमालय क्षेत्र के सीएसआर के तहत हिमालय ओसीपी और बलराम ओसीपी के पास के गांवों को फोल्ड कागजों के लिए पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,85,997.50	हाँ		
157	बरासिया गांव के हरिजनसाही में सामुदायिक केंद्र का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,80,813.06	हाँ		
158	बीओसीपी के तहत मझिमा गांव के निर्धारित स्थानों पर फोल्ड जेल्ट के लिए पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,15,947.88	हाँ		
159	हिमालय क्षेत्र अंतर्गत जमुनाली के गांव के तालाब खलिवायुद्ध में नहाने की सीढ़ी व पेंसिल रूम(खर बटवने के लिए कमरे) का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	71,475.78	हाँ		
160	हिमालय क्षेत्र के सीएसआर के अंतर्गत दनारा गांव में कल्याण मंदिर का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	48,70,285.83	हाँ		
161	गांव केशभोनी एवं बालेश्वर शाही को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक 07)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,83,133.58	हाँ		
162	वर्ष 2021-22 के दौरान, बोरगढ़िया तंगसाही, हरीसाही और सांरा गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक 08)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,52,784.82	हाँ		
163	तिलीपासी एवं खडुंगीगा गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक 10)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,32,829.98	हाँ		
164	वर्ष 2021-22 के दौरान, दनारा गांधी सागर और दसर अडिवासी शाही गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक 05)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,61,271.76	हाँ		
165	अंबापुरा, बदाभिहाला और समीहाला गांवों में गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक 23)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,40,160.77	हाँ		
166	गांव बहालसाही को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक 19)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,75,280.33	हाँ		
167	गर्मी के मौसम में गांव नकीपासी को पानी की आपूर्ति (फैक 06)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,78,716.62	हाँ		
168	कलामखुई पुनसाही, गपकसाही, एकताली अडि गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक 21)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,35,285.94	हाँ		
169	सत्यबदीबागसाही, सोलाडा गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,744.82	हाँ		
170	गांव बहाली को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक 09)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,67,616.95	हाँ		
171	नटडा, बड़हरा एवं बेरियानाली गांवों में गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (फैक 24)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,42,888.00	हाँ		
172	गर्मी के मौसम को छोड़कर 01 वर्ष के लिए मझिमा गांव के निर्दिष्ट स्थानों पर फोल्ड जेल्ट के लिए पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	6,18,441.00	हाँ		
173	हिमालय क्षेत्र के सीएसआर कागजों के तहत दनारा गांव के प्रिमी स्टोडियम में प्रिमी की सूरक्षा के लिए बोल्टन पिथिंग का कार्य	बिंदु सं.7	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	10,65,547.03	हाँ		
174	एएए के सीएसआर कागजों के तहत दनारा गांव में हरचंदी युवा संघ से भावत एडुटी तक डबल्यूवीएस सड़क का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,59,132.01	हाँ		
175	हिमालय क्षेत्र के सीएसआर कागजों के तहत पुलिस शाही, अंगुल के पास सार्वजनिक उपयोगिता क्षेत्र का विकास	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	6,41,083.55	हाँ		
176	जमुनाली गांव के कुसापासाही को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,73,896.03	हाँ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हाँ/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
177	वर्ष 2021 के लिए भारतपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम छंदीचाड़ा (वार्ड नं. 10) मधुरिया शाही एवं बहल शाही को पानी के टैंकर के माध्यम से पोल्ड उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,94,721.00	हाँ		
178	वर्ष 2021 के लिए भारतपुर क्षेत्र के अंतर्गत गांव जम्बुवाहाली में पानी के टैंकर के माध्यम से पोल्ड उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,44,782.97	हाँ		
179	वर्ष 2021 के दौरान, भारतपुर क्षेत्र के अंतर्गत नुआसाही, पचावसीपुर एवं लखनपुर गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से पोल्ड उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,98,609.42	हाँ		
180	वर्ष 2021 के दौरान, भारतपुर क्षेत्र के अंतर्गत बड़ासिंधाड़ा एवं समसिंधाड़ा गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से पोल्ड उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,66,628.08	हाँ		
181	वर्ष 2021 के दौरान, भारतपुर क्षेत्र के अंतर्गत कुइयो एवं कुइयो पुनर्वास कालोनी एवं कुइयो हरिजन साही गांवों को पानी के टैंकर के माध्यम से पोल्ड उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,15,019.46	हाँ		
182	वर्ष 2021 के दौरान, भारतपुर क्षेत्र के अंतर्गत राकम, कुटारियासी एवं भुंदानपुर गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से पोल्ड उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,34,969.77	हाँ		
183	गाँवों में पानी की आपूर्ति के लिए छंदीपुर ओसीपी में पंप का संभालना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,37,940.00	हाँ		
184	सुरवी महिला मंडल द्वारा भारतपुर कालोनी और पौराणिक गांवों में विभिन्न आसंगित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विभिन्न गतिविधियों और सामाजिक कल्याण कार्य	बिंदु सं.3	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,56,991.42	हाँ		
185	भारतपुर क्षेत्र के सीएसआर के अंतर्गत बीरगढ़िया स्थित पंचायत हाई स्कूल के अहाते की दीवार एवं गेट का निर्माण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	11,30,064.30	हाँ		
186	ब्लैक टॉपिंग रोड प्रॉपर्टी न्यू नरलीपुर	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	54,49,872.81	हाँ		
187	जेरु द्वारा अकतमंद महिला एवं पुरुष के लिए एंटीसी सामग्री की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,57,119.36	हाँ		
188	आयुषमय के गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	16,772.25	हाँ		
189	सीएसआर के तहत गुडगुड़ा से एफसीआई गेट के लेनो साइड में सीमेंट ड्रेन बुक सीटी रोड की सुइचीकरण(बुडि)	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,51,344.62	हाँ		
190	वर्ष 2018 के लिए जनाग्र क्षेत्र के अंतर्गत चंदई हटिंग, दक्षिण बलंदा, काधर मुंडासाही और खंडुआलखल गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से पानी की अस्थायी आपूर्ति (पैकेज-5)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	16,56,196.78	हाँ		
191	स्वच्छता पंचवाड़ा के लिए विभिन्न सामग्री की व्यवस्था	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,64,222.36	हाँ		
192	जनाग्र क्षेत्र में भारत का अमृत महोत्सव के तहत कुशरोलप अभियान के लिए टेंट, कुर्सियाँ एवं मेजों की व्यवस्था	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	73,396.00	हाँ		
193	35 दिनों की अवधि के लिए अमर ओसीपी में नाइक साही, हेमामुल हाई स्कूल, हेमामुल पुनर्वास स्थल और डेरा हरिजन शाही और राइटी शाही के लिए टैंकर के माध्यम से पंपजल आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	8,76,984.04	हाँ		
194	एओसीपी की सीएसआर योजना के तहत नाइक साही, हेमामुल हाई स्कूल, हेमामुल पुनर्वास स्थल, डेरा हरिजन शाही और राइटी शाही के लिए 2 वर्षों के लिए टैंकर के माध्यम से वार्षिक पंपजल आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,81,010.98	हाँ		
195	वर्ष-2020 एवं 21 के लिए ग्राम तेंतुली/गुडगुड़े को अस्थायी जल आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	8,163.24	हाँ		
196	वर्ष-2020 एवं 21 के लिए गांव तेंतुली/गुडगुड़े को अस्थायी जल आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	15,43,926.93	हाँ		
197	अंगुल जेरा, सीएसआर के तहत टीटी अकादमी-मह-नरदेरा हॉल का विकास	बिंदु सं.7	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	25,85,644.49	हाँ		
198	वर्ष 2021 के लिए हरिहरपुर, पकिरी आदि गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से पानी की अस्थायी आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,61,910.72	हाँ		
199	वर्ष 2021 के लिए एकदल, दिलेई आदि गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से पानी की अस्थायी आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,31,402.90	हाँ		
200	वर्ष 2021 के लिए चंदई हटिंग, दक्षिण बलंदा के गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से पानी की अस्थायी आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,41,967.14	हाँ		
201	एफआईएसआरआर शैक्षणिक परिसर में कोविड-19 अस्पताल के लिए आवासीय भवन और छात्रावास का संभालना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	19,745.15	हाँ		
202	सीएसआर के तहत एक वर्ष के लिए एनएससीएच, सालवेर में एचसीएसी (सीटिंग चैरिटेबल और एल कंटीनन) प्रणाली, विद्युत आपूर्ति और जल आपूर्ति प्रणाली का संभालना और रखरखाव	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,12,06,110.17	हाँ		
203	एफआईएसआरआर के कोविड अस्पताल और आवासीय क्षेत्रों में (60 दिनों के लिए) पानी के टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	35,742.29	हाँ		
204	आरसीएम सी+6 भवन को अतिरिक्त बिजली की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,26,890.95	हाँ		
205	3 नर 37क डब्ल्यू पंप की मरम्मत	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,16,848.26	हाँ		
206	कोविड देखभाल के लिए खर्च	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	23,220.00	हाँ		
207	कोविड अस्पताल के लिए प्रेमरुक्त बैन	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	7,199.94	हाँ		
208	कोविड के दौरान पैरामेडिकल स्टॉफ की स्वीकृति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	25,280.00	हाँ		
209	वर्ष 2021 के दौरान कनिहा क्षेत्र के अंतर्गत जरा, तेरासिंग, जेरिंगा, कसमूरा, बजपुर, अरिथन प्रसाद, गुडगुंनली, गुलेनो और मालीसासी को पानी के टैंकर के माध्यम से गर्मियों के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकेज S1)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	21,45,542.01	हाँ		
210	कनिहा क्षेत्र के सीएसआर के तहत पवित्र मोहन स्कूल, कनिहा में होल का निर्माण (पूरा निर्मित)	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	23,88,722.72	हाँ		
211	सीएसआर के तहत कनिहा क्षेत्र के कनिहा ओसीपी में सनातिबिहा गांव के मौजूदा तालाब को गहरा करना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	10,35,439.27	हाँ		
212	सीएसआर कार्य के तहत कनिहा क्षेत्र के कनिहा ओसीपी पर कंसमुड़ा गांव के बड़ावंध का नवीनीकरण/गहराई से संभालना कार्य	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	11,71,357.06	हाँ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VIII में अधिनियम की गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हाँ/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला			नाम	सौएसआर पंजीकरण संख्या
213	सौएसआर कार्य के तहत कनिहा ओसीपी, कनिहा क्षेत्र के कामोई पंचायत में कामोई गांव के जुआ बंध में (दो) बाधघाट को गहरा करना एवं उसे बनाना	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	8,40,452.70	हाँ		
214	सौएसआर कार्य, कनिहा क्षेत्र के अंतर्गत गांव गंदाबेना के क्षेत्रीय उच्च विद्यालय में एक अतिरिक्त कक्षा का निर्माण (पुन. निर्मिता)	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	11,94,766.64	हाँ		
215	कनिहा क्षेत्र के सौएसआर कार्य के तहत बटाहीबिछा गांव के तालाब के पश्चिमी किनारे में सीढ़ियों और बेंचों के साथ गार्ड जैल का निर्माण	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,90,509.63	हाँ		
216	कनिहा क्षेत्र के सौएसआर कार्य के तहत बरौहपुर गांव में शासकीय उन्नत उच्च विद्यालय की बाइक्री वाल(पारदीवारी) का निर्माण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	6,88,417.00	हाँ		
217	कनिहा क्षेत्र में 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2021 तक स्वच्छता पखवाड़ा का उत्सव	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	11,304.00	हाँ		
218	सजीवनी महिला मंडल द्वारा विभिन्न कल्याणकारी कार्य	बिंदु सं.3	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	92,882.00	हाँ		
219	पक्षर त्रेकर्स की आयुर्ति	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	9,990.00	हाँ		
220	कनिहा ओसीपी, कनिहा क्षेत्र के सौएसआर कार्य के तहत कामोई जेपी के दंडसिंगा गांव के दंडसिंगा जुआ बंध में (दो) बाधघाट को गहरा करना एवं उसे बनाना	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	6,65,612.59	हाँ		
221	जेपी पारदाबिली गांव के तालाब को गहरा करना एवं उसे सौर्यकरण युक्त बनाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,27,128.69	हाँ		
222	लिंगराज क्षेत्र के कंधल जेपी मदनमोहनपुर में पानी की कमी वाले गांवों में पानी की आयुर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	6,60,395.14	हाँ		
223	लिंगराज क्षेत्र के कंधल जेपी में पानी की कमी वाले गांवों में पानी की आयुर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	8,444.42	हाँ		
224	वर्ष 2020-21 लिंगराज क्षेत्र (फैकेज-II) के तहत तालवेर अनुमंडल के पानी की कमी वाले गांव बाटूगांव साही न्यू बलुगान नई गाँव और सौभाग्य नगर को 303 दिनों के लिए पानी की आयुर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,73,218.71	हाँ		
225	वर्ष 2020-21 लिंगराज क्षेत्र (फैकेज-I 303 दिनों के लिए) के तहत तालवेर अनुमंडल के पानी की कमी वाले गांवों बाटूगांव खमार को पानी की आयुर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	6,26,977.61	हाँ		
226	वर्ष 2020-21 लिंगराज क्षेत्र (120 दिनों के लिए फैकेज-इन्फ्यू-I) के तहत तालवेर अनुमंडल के पानी की कमी वाले आनंदपुर इलाकेबा और तालाबराणा गांवों में पानी की आयुर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,98,651.23	हाँ		
227	वर्ष 2020-21 लिंगराज क्षेत्र (फैकेज-V 303 दिनों के लिए पानी की कमी) के तालवेर अनुमंडल के मदनमोहनपुर गांवों के लिए पानी की आयुर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,83,485.28	हाँ		
228	एफसीएल की सौएसआर फलत के रूप में लिंगराज क्षेत्र के पवित्र मोहन पाका से सांकाधारा चाम्बा के मध्य 2.5 किमी लंबी एएफ-149 इलाक़ युक्त सड़क का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	46,63,876.73	हाँ		
229	सौएसआर कार्य एएफ के तहत तालाबराणा गांव में पिलटुन पार्क का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	7,11,140.39	हाँ		
230	सौभाग्यसागर तालाब के आसपास देखरेख और सफाई	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,86,861.88	हाँ		
231	डेरा छक से स्वागत द्वार तक ओल की साफ-सफाई और कूड़ा-कचरे को हटाना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,83,544.11	हाँ		
232	बाटूंगा खमार के 02 तालाबों की घुलाई करना और उसमें पक्षर बैठाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	11,42,880.16	हाँ		
233	कंधाली गांव में तालाब की सफाई के लिए उसमें बिछी भरना ।	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	94,606.58	हाँ		
234	कंधल गांव में जलापूर्ति कनेक्शन(संयोजन) उपलब्ध कराना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	48,275.36	हाँ		
235	तलबीराणा में पक्षर का निर्माण	बिंदु सं.5	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	10,67,276.93	हाँ		
236	मौजूदा पी पाइप लाइन के लिए अलग-अलग बिंदु पर 500 मिमी, 250 मिमी, 200 मिमी व्यास वाले गैर पारदर्शन वाला का परिवहन करना /उसे बिछाना और फिटिंग करना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,64,728.00	हाँ		
237	सौभाग्य सागर तालाब के पारो और नाले की सीढ़ियों की घुलाई व पक्षर बैठाना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,51,788.17	हाँ		
238	सौभाग्य सागर तालाब के आसपास स्नानागार के राम्बे को और पेंसिंग रूम की घुलाई और पेंटिंग करना	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,74,678.52	हाँ		
239	विभिन्न स्तरों पर प्रदर्शन बोर्ड लगाना ।	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	1,26,743.15	हाँ		
240	दवानिपुर गांव के तालाब का नवीनीकरण	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,02,348.31	हाँ		
241	तलबेबाड़ा बंध/तालाब का नवीनीकरण	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,73,108.81	हाँ		
242	बाटूंगा खमार के स्थान घाट पर रोड(खमार) का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,34,375.32	हाँ		
243	कंधल तंगुलिया बंध का नवीनीकरण	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,88,236.91	हाँ		
244	धर्मपुर एवं किशोरपाल गांवों में पानी की आयुर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,68,686.76	हाँ		
245	बलीबोही, काकुड़ी एवं बिहारीपुर गांवों में पानी की आयुर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,94,784.39	हाँ		
246	कमोटीबैरपुर, धर्मपुर, तुमाराही, कंकिरी और सोरले गांवों में पानी की आयुर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,92,126.56	हाँ		
247	तालाबराणा गांव के स्थान घाट पर विधायक गुप्त का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	3,01,290.58	हाँ		
248	बंदाबल और सतपटिया गांवों में पानी की आयुर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,62,465.60	हाँ		
249	गांव कैमाली व कांकीली पर्ट-ए को पानी की आयुर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,98,381.40	हाँ		
250	किशोरपाल हरिहरपुर एवं गुंडाबहारी गांवों को पानी की आयुर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,90,849.32	हाँ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VIII में अधिनियम की गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हाँ/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
251	मेकनिज, रमचंद्रपुर, कांतनाली और मिमिलीवाल गांवों को पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,88,904.20	हाँ		
252	लंगीजोड़ा और अनालिपुर गांवों में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	6,86,524.00	हाँ		
253	कोइल जीपी के गांव को पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,09,929.36	हाँ		
254	डोला मंडप ग्राम तलावेड़ा का निर्माण	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,81,110.38	हाँ		
255	गांव कोइला हारी साही को पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,25,451.98	हाँ		
256	गांव बलुंगा खम्ही को पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	2,11,946.97	हाँ		
257	गांव ताताबाराणा में डोला मंडप और रसोई कक्ष का निर्माण और उनके लिए निक्टालम मार्ग उदालय करना	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	15,30,388.51	हाँ		
258	इबलिन, प्रमोद प्रसाद, मणिकमा व रसूलपुर गांवों में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,20,549.97	हाँ		
259	जुदुआधपुर, विद्याधरपुर, दयानिधिरु एवं न्यू बाधरपुर गांवों में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	4,46,036.41	हाँ		
260	भगवाड़ा तालाब विल तेलिसारी का सीढ़ीकरण करना एवं उसे स्थायीकरण देना /मजबूती देना	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	5,30,945.44	हाँ		
261	जुदुआधपुर, विद्याधरपुर, दयानिधिरु एवं न्यू बाधरपुर गांवों में पानी की आपूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	6,72,517.12	हाँ		
262	संबलपुर जिला प्रशासन को 100 ऑक्सीजन सिलेंडर देना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	11,98,729.00	हाँ		
263	आहार मंडल योजना एससीएल के सीएसआर तहत हेमगिरि प्रखंड, सुंदरागढ़ जिले के ग्रामीण समुदाय के बीच जैविक खेती को बढ़ावा देने की पहल	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरागढ़	15,99,955.00	नहीं	ग्राम समुद्रि न्यास	लागू नहीं
264	डी. आर्देएससी संतर बालनिकेतन में 2 शौचालय ब्लॉक का निर्माण	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	244.51	हाँ		
265	एससीएल के सीएसआर के माध्यम से स्वच्छ भारत अभियान के तहत संबलपुर जिले के बिरवा, गोलमुंडा और जुर्ली के सरकारी स्कूलों में 4 शौचालय ब्लॉक (बिरवा प्राथमिक विद्यालय के लिए एक बालकों के लिए और एक बालिकाओं के लिए शौचालय और गोलमुंडा प्राथमिक विद्यालय के लिए एक बालकों के लिए शौचालय और सरकारी बालिका विद्यालय, जुर्ली के लिए एक बालिकाओं के लिए शौचालय का निर्माण) का निर्माण	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	70,239.78	हाँ		
266	विशेष दलक ग्राम एजेंसी (एसए), छपनखुड़ी में बच्चों के लिए अतिरिक्त आवास का निर्माण	बिंदु सं.3	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	3,57,068.52	हाँ		
267	संबलपुर विधिविद्यालय में महिला छात्रावास का निर्माण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	36,14,803.55	हाँ		
268	संबलपुर के जुदुआरा प्रखंड के फूलखरण में महिलाओं के लिए जुदाश्रम का निर्माण	बिंदु सं.3	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	7,35,258.21	हाँ		
269	श्री अरविंदो इंटीग्रेल एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर, उद्विमान मारुखुंगा, बिरवा-संबलपुर में तीन कक्षाओं और एक शौचालय ब्लॉक का निर्माण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	9,19,100.72	हाँ		
270	श्री अरविंदो इंटीग्रेल एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर, जुर्ली, बिरवा-संबलपुर में अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	14,02,173.05	हाँ		
271	न्यू एम्पेला नोबल हाई स्कूल में शौचालय ब्लॉकों का निर्माण और सार्वजनिक रैडिड का संचालन	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	1,13,718.04	हाँ		
272	संबलपुर विधिविद्यालय के महिला छात्रावास के परिसर के अंदर परिसर की दीवार और कंक्रीट मार्ग का निर्माण	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	2,06,238.94	हाँ		
273	तालचंद को समर्पित एसयूएफ कोविड अस्पताल को चलाना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	6,47,40,700.00	नहीं	एसयूएफ अस्पताल	लागू नहीं
274	संबलपुर को समर्पित विकास कोविड अस्पताल का संचालन करना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	7,56,93,485.00	नहीं	विकास अस्पताल	लागू नहीं
275	ड्राग बसुंगा को समर्पित ऑक्टावो सोल्यूसंस प्राइवेट लिमिटेड कोविड अस्पताल को चलाना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरागढ़	3,64,77,734.00	नहीं	ऑक्टावो सोल्यूसंस प्राइवेट लिमिटेड	लागू नहीं
276	संबलपुर जिले के गरीब लोगों के लिए शौच का विकास	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	5,19,750.00	हाँ		
277	स्वच्छता फावड़ा के दौरान व्यय	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	13,000.00	हाँ		
278	एससीएल के सीएसआर के तहत अडुवा चिल्ड्रेन हेम, भुवनेश्वर के बच्चों के लिए एक ऑक्सीजन कंसेन्ट्रटर, दस एस ऑक्सीमेट्री और छात्रा सामग्री के लिए वित्तीय सहायता देना	बिंदु सं.1	नहीं	ओड़िशा	खुर्दी	2,70,956.00	हाँ		
279	संबलपुर जिले की महिलाओं को पीएसई (व्यक्तिगत उन्नति और करियर में वृद्धि) जीवन कौशल प्रशिक्षण को प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	5,57,336.00	नहीं	हमारा बचपन न्यास	लागू नहीं
280	वर्ष 2018-19 के दौरान डीएफओ, फिटी फर्स्ट डिजीन भुवनेश्वर द्वारा 'नवीकरण गतिविधियों का कार्यान्वयन अर्थात् शहरी वृक्षारोपण करना	बिंदु सं.4	नहीं	ओड़िशा	खुर्दी	74,68,576.00	नहीं	डीएफओ, नगर वन प्रभाग	लागू नहीं
281	एससीएल की सीएसआर पहल के माध्यम से संचालित किए जाने वाले बहु-कौशल विकास कार्यक्रम "अग्रोडिग" परियोजना का कार्यान्वयन	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	अंगुल, संबलपुर, सुंदरागढ़, झारखण्ड	41,44,606.00	नहीं	सीआईपीईटी	लागू नहीं
282	गोट लिए गए गांव बंदापुर के विकास के लिए कायकाय नामक व्यापक योजना	बिंदु सं.10	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	52,82,653.95	हाँ		
283	सुंदरागढ़ जिले के हेमगिरि प्रखंड में बीच अभिकेय (देसी बीज पत्र) को बढ़ावा देकर देसी बीजों की बहुवर्तीकरण और उनका संरक्षण करना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	सुंदरागढ़	13,52,038.00	नहीं	ग्राम समुद्रि न्यास	लागू नहीं

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
284	एपलवर्क के लिए पैम कार्ड	बिंदु सं.2	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	11,800.00	हाँ		
285	एपसीएल प्रतीक चिह्न के साथ 4000 बूट बेग की खरीद	बिंदु सं.4	हाँ	ओड़िशा	अंगुल, संबलपुर, सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा	7,64,000.00	हाँ		
286	संबलपुर के लिए 5000 एंटीजन टेस्ट किट की खरीद	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	संबलपुर	3,30,400.00	हाँ		
287	सुंदरगढ़ जिला, बौध जिला, मलकानगिरी जिला जेल और संबलपुर जिला जेल में बोमोरा जेल के लिए जेल अधिकारियों को 4 एंजुलैस उपलब्ध कराना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	बुध, सुंदरगढ़, मलकानगिरी, संबलपुर	26,57,971.99	हाँ		
288	बरागढ़, संबलपुर और झारसुगुड़ा के लोगों के लिए मारवाड़ी बुवा भंच, बरागढ़ में एंजुलैस उपलब्ध कराना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	बरागढ़, संबलपुर, झारसुगुड़ा	42,12,063.98	हाँ		
289	एसपीपी टीस्ट के माध्यम से सुंदरगढ़ जिले के निवासियों को स्वास्थ्य देखभाल (नर देखभाल) सेवाएं प्रदान करना	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	सुंदरगढ़	8,91,000.00	नहीं	एसएसपीपी टीस्ट	लगा नहीं
290	एपसीएल के सीएसआर के तहत अदुता चिल्ड्रेन होम, अंगुल के पीएस में पानी की टंकी और प्रकाश की सुविधा का प्रावधान	बिंदु सं.3	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	15,19,911.00	नहीं	अदुता चिल्ड्रेन होम	लगा नहीं
291	कोविड अस्पताल, तालचेर में कार्यरत कर्मचारियों के भोजन व्यवस्था की पूर्ति	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	अंगुल	18,31,920.00	नहीं	जिल्हामिश्र, अंगुल	लगा नहीं
292	ब्रजानगर शहर को पाइप लाइन के माध्यम से जलपूर्ति प्रदान करने की योजना (फेज-1)	बिंदु सं.1	हाँ	ओड़िशा	झारसुगुड़ा	1,03,95,218.00	नहीं	जिल्हामिश्र, झारसुगुड़ा	लगा नहीं
293	अंगुल और सुंदरगढ़ को 70000 फेस मास्क और 500 सैनिटाइजर की आपूर्ति (65000 @ रु. 19.047/-)	बिंदु सं.12	हाँ	ओड़िशा	अंगुल से सुंदरगढ़	14,20,953.96	हाँ		
294	कंथमाल (50,000), सुंदरगढ़ (35,000) और संबलपुर (35,000) जिलों के लिए 1,20,000 फेस मास्क की आपूर्ति	बिंदु सं.12	हाँ	ओड़िशा	कंथमाल, संबलपुर और सुंदरगढ़	23,99,922.00	हाँ		
	कुल					36,51,69,426.21			

पूर्व वित्तीय वर्ष में जारी परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण								
1	2	3	4	5	6	7	8	9
क्र.सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना की अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में) का विवरण	वित्तीय वर्ष के अंत में खर्च की गई संघित राशि (रुपये में) का विवरण	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/जारी है)
1	शून्य	ईबी वैली क्षेत्र के सीएसआर के अंतर्गत ब्रजरजन्मर महाविद्यालय के लिए भवन टारफेलिंग, छत एवं पाइप लाइन की मरम्मत/करण एवं संरक्षण।	2013-14	75	23,29,404.95	2,36,000.00	19,79,582.48	पूर्ण
2	शून्य	ईबी वैली क्षेत्र के सीएसआर हेड के तहत कुआलिबर्ना स्थित कुआलिबर्ना आश्रम स्कूल की बाउंड्री वॉल (चारदीवारी) एवं शौचालय का निर्माण	2020-21	120	12,98,590.07	6,87,289.44	12,38,563.09	पूर्ण
3	शून्य	ईबी वैली क्षेत्र के एसओसीपी के निकट गांव लखनपुर में पेयजल की आपूर्ति	2020-21	365	3,76,432.00	1,15,110.46	3,71,026.84	पूर्ण
4	शून्य	ईबी वैली क्षेत्र के मधुबन नगर, संजोब खडियापाड़ा और बुद्ध पाड़ा गांव में पानी के टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	2020-21	365	4,91,470.00	82,000.00	4,91,000.00	पूर्ण
5	शून्य	झारसुआड़ा शहर में कुशरोरण	2017-18	1825	6,02,22,000.00	85,61,924.00	4,47,70,800.00	जारी है
6	शून्य	ईबी वैली क्षेत्र, सीएसआर के अंतर्गत देवगांव, राजपुर गांव के पास ईबी नदी के तल पर अस्थायी रेत की बंध का निर्माण।	2020-21	162	5,82,307.76	1,10,593.80	5,80,593.80	पूर्ण
7	शून्य	स्वच्छता ही सेवा का समारोह	2020-21	30	44,104.00	9,000.00	25,000.00	पूर्ण
8	शून्य	स्वच्छता ही सेवा 2020	2020-21	30	1,20,000.00	18,000.00	18,000.00	पूर्ण
9	शून्य	स्वच्छता पखवाड़ा 2020	2020-21	30	1,20,000.00	36,500.00	36,500.00	पूर्ण
10	शून्य	सीएसआर के तहत सुकबासी प्रभावित गांव के पुनर्वास के लिए नई 11 केवी एवं 440 वीटी बिजली आपूर्ति के निर्माण कार्य के तहत 6% देखरेख से संबंधित लागत जमा करना।	2020-21	90	2,74,343.00	2,74,343.00	2,74,343.00	पूर्ण
11	शून्य	तालीपाड़ा से गौड़ापाड़ा तक मुख्य सड़क के दोनों ओर ड्रेन सिस्टम से जुड़ी हुई कंक्रीट सड़क का निर्माण।	2020-21	120	53,22,000.00	69,401.01	5,29,206.37	पूर्ण
12	शून्य	बीओसीएम के खेस्तबहल और लेचुआपाड़ा गांवों को 1 वर्ष के लिए पेयजल की आपूर्ति (एसी - I)	2020-21	365	7,87,000.00	2,22,246.45	2,22,246.45	पूर्ण
13	शून्य	बायोमैडिकल अपशिष्ट पदार्थों के लिए 40 काले रंग के बैग, 10 पीले रंग के बैग।	2020-21	7	9,152.00	9,152.00	9,152.00	पूर्ण
14	शून्य	बीआईटी के विभिन्न गांवों में सीएसआर कार्य (चरण-I) के तहत 60 दिनों के लिए पेयजल की आपूर्ति	2019-20	60	13,17,620.00	14,192.73	14,192.73	पूर्ण
15	शून्य	हैंड सैनिटाइज़र की आपूर्ति	2020-21	7	70,000.00	70,000.00	70,000.00	पूर्ण
16	शून्य	लखनपुर ग्राम पंचायत के सिम्बलाल पाड़ा, बांदी पहाड़ में सीसी रोड का निर्माण	2020-21	28	3,95,936.05	3,87,402.29	3,87,402.29	पूर्ण
17	शून्य	लखनपुर ओसीपी, लखनपुर क्षेत्र के उड़ा गांव को पेयजल की आपूर्ति (पैकेज ए-IV)	2020-21	365	5,51,209.86	2,66,505.99	2,66,505.99	पूर्ण
18	शून्य	लखनपुर ओसीपी, लखनपुर क्षेत्र के लुहरपाड़ा और सहजबहल गांवों को पेयजल की आपूर्ति (पैकेज ए-III)	2020-21	365	5,32,603.62	8,755.13	8,755.13	पूर्ण
19	शून्य	लखनपुर क्षेत्र के लखनपुर प्रखंड (ब्लॉक) के कम ग्रामीण आबादी वाले गरीब घरों के लिए बनियादी सुविधाएं दिया जाना।	2020-21	90	76,76,571.79	810.47	75,09,366.18	पूर्ण
20	शून्य	बसुंधरा हाई स्कूल, टिकिलीपारा में 50 बिस्तरों वाले छात्रावास का निर्माण	2020-21	365	66,17,633.91	53,21,211.89	66,17,633.91	पूर्ण
21	शून्य	हलदियाबहल प्राथमिक विद्यालय की मरम्मत एवं रखरखाव	2020-21	90	8,96,026.94	4,48,013.47	8,96,026.94	पूर्ण
22	शून्य	तुमलिया हाई स्कूल की मरम्मत एवं रखरखाव	2020-21	90	13,24,162.77	40,886.50	13,24,162.77	पूर्ण
23	शून्य	बसुंधरा क्षेत्र के सीएसआर योजना-वर्तमान टिकिलीपारा में नवनिर्मित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में शौचालय का निर्माण	2020-21	120	9,93,339.66	7,93,339.30	9,93,339.66	पूर्ण
24	शून्य	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत कआरेकेला खेल के मैदान का सुधार	2020-21	180	10,06,696.86	6,28,118.88	9,97,241.06	पूर्ण
25	शून्य	महालक्ष्मी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत रतनपुर गांव में सामुदायिक केंद्र का निर्माण	2020-21	120	12,57,036.77	3,28,814.19	12,57,036.77	पूर्ण
26	शून्य	वर्ष 2021 के लिए तालचैर उपखंड, तालचैर क्षेत्र (पैकेज-एस6) के अरुणापाल, कातेईकोलिया, गोपालबल्लुपुर एवं रंगमटिया गांवों को 120 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति	2020-21	120	6,00,010.18	5,66,817.22	6,00,010.18	पूर्ण
27	शून्य	वर्ष 2021 के लिए तालचैर उपखंड, तालचैर क्षेत्र (पैकेज-एस1) के तहत रघुनाथपुर एवं बीरारामचंद्रपुर गांवों को 120 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति	2020-21	120	6,94,156.80	5,04,638.05	6,72,392.61	पूर्ण
28	शून्य	वर्ष 2021 के लिए तालचैर उपखंड, तालचैर क्षेत्र के लिए ब्रजनाथपुर और राधानपुर गांवों में की आपूर्ति	2020-21	120	7,17,469.60	5,21,900.08	6,95,288.57	पूर्ण
29	शून्य	वर्ष 2021 के लिए तालचैर उपखंड, तालचैर क्षेत्र के लिए लुहड़ी, गोदीबांधा चक और बेलपाड़ा गांवों में पानी की आपूर्ति	2020-21	120	5,36,670.00	4,81,459.61	5,36,670.00	पूर्ण
30	शून्य	वर्ष 2021 के लिए तालचैर उपखंड के राखनगं गांव के लिए जलापूर्ति	2020-21	120	9,48,428.88	8,44,644.88	9,48,428.88	पूर्ण
31	शून्य	वर्ष 2021 के लिए तालचैर उपखंड के सिरिंगिदा गांव के लिए जल आपूर्ति	2020-21	120	5,35,174.10	4,75,406.90	5,35,174.10	पूर्ण
32	शून्य	वर्ष 2021 गमी के मौसम के दौरान संजोपड़ा, कर्णपुर और नाटीडी गांवों में पानी की आपूर्ति (पैकेज 2)	2020-21	120	8,32,910.03	6,45,901.45	8,25,901.45	पूर्ण
33	शून्य	द्वारा जीपी के अंतर्गत जम्बूहाली गांव में बाय-पास रोड का निर्माण।	2019-20	562	24,32,379.68	5,38,169.97	24,32,379.68	पूर्ण

क्र.सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना की अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में) का विवरण	वित्तीय वर्ष के अंत में खर्च की गई संचित राशि (रुपये में) का विवरण	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/आरंभ)
34	शून्य	वर्ष 20-21 के लिए हिंगुला क्षेत्र के सीएसआर कार्यों के तहत बलराम टाउनशिप के प्रवेश से बड़ाजोराडा ग्राम रोड जंक सीसी रोड और रिट्रेनिंग जॉल का निर्माण	2020-21	180	15,87,966.91	13,26,941.44	14,67,088.89	पूर्ण
35	शून्य	निरा गांव के हाई स्कूल परिसर में चार कक्षाओं का निर्माण	2020-21	120	19,57,320.70	32,948.57	13,10,804.66	पूर्ण
36	शून्य	वर्ष 2021 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत तेलीपुर, तेलीपुर हरिजनसाही, तेहपुर सिखपालसाही और खरिंगा गांवों में गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैक-03)	2020-21	120	6,25,795.06	3,55,007.30	6,25,795.06	पूर्ण
37	शून्य	वर्ष 2021 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत गांव मझिका, बीरबपुर, सोलादा देउलसाही, नाथगांव पुलिस चौकी कलामछुई, पीपचसी कलामचुइन सहित हिंगुला हाई स्कूल, गोलकुला परिवार, धानला सही बनिया सही विद्याधर और अनायामी को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैक-04)	2020-21	120	13,32,569.28	8,89,572.95	12,59,731.20	पूर्ण
38	शून्य	वर्ष 2021 के दौरान एचए(पैकज संख्या 14) के अंतर्गत गोपाल प्रसाद, गोपाल प्रसाद खलीसाही (स्कूल शाही), खमार एवं पटनासाही गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति	2020-21	120	13,43,294.54	10,59,710.23	13,43,294.54	पूर्ण
39	शून्य	वर्ष 2021 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत चित्तलपुर कुमुंडा नकीपासी, हदीसाही, कुमुंडा हदीसाही, सदहरिहरपुर और अंबाचुदे गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैक-16)	2020-21	120	10,95,727.94	8,64,407.69	10,95,727.94	पूर्ण
40	शून्य	वर्ष 2021 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत सोलोदा गांव को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैक-18)	2020-21	120	14,21,876.88	10,26,911.13	14,21,876.88	पूर्ण
41	शून्य	वर्ष 2021 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत भालुगड़िया गांव में गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैक-11)	2020-21	120	2,91,157.41	2,19,534.44	2,64,825.56	पूर्ण
42	शून्य	वर्ष 2021 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत कुमुंडा, कुमुंडा तनाशाही, कुमुंडा नुआ तनाशाही, कुमुंडा तेलुडीही और पुन्नापानी गांवों में गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैक-17)	2020-21	120	13,37,927.42	9,96,012.64	13,37,927.42	पूर्ण
43	शून्य	वर्ष 2021 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव न्यू गोपालप्रसाद, न्यू अंतगड़िया, कैथनाली और कुसुमपाल को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकज-12)	2020-21	120	5,90,001.40	4,45,778.86	5,90,001.40	पूर्ण
44	शून्य	वर्ष 2021 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत मझीबांधा, नुआमुहिन, अंतगड़िया और जम्बूधारा गांवों में गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकज-13)	2020-21	120	7,35,860.04	6,13,216.74	7,35,860.04	पूर्ण
45	शून्य	वर्ष 2021 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत बनबसपुर एवं बाघबासपुर गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकज-15)	2020-21	120	9,71,152.90	9,06,409.35	9,71,152.89	पूर्ण
46	शून्य	वर्ष 2021 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत कांकरेई, छोटेबेली और पिधाखमन गांवों में गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकज-25)	2020-21	120	7,21,412.36	5,71,117.66	7,21,412.36	पूर्ण
47	शून्य	वर्ष 2021 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत गांव कलामछुई (हदीसाही, हरिजनसाही, कालिकाप्रसाद और कलामछुई बीसगड़िया सहित) में गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकज-20)	2020-21	120	12,22,504.08	8,82,920.08	12,22,504.08	पूर्ण
48	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के सीएसआर के तहत हिंगुला ओसीपी और बलराम ओसीपी के पास के गांवों के निर्धारित स्थान पर एक वर्ष के लिए फरेलू उपयोग के लिए (गर्मी के मौसम को छोड़कर) पानी की आपूर्ति	2020-21	365	16,52,931.49	7,82,097.63	16,52,931.49	पूर्ण
49	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के सीएसआर के तहत हिंगुला ओसीपी और बलराम ओसीपी के पास गांवों के नामित स्थानों के फरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	2020-21	120	1,85,997.50	1,85,997.50	1,85,997.50	पूर्ण
50	शून्य	बीओसीपी के मझिका गांव के निर्धारित स्थानों पर फरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	2019-20	365	8,34,054.56	2,15,947.88	8,34,054.56	पूर्ण
51	शून्य	हिंगुला क्षेत्र अंतर्गत जमुनाली गांव के तालाब खलियामुंडा में नहाने की सीढ़ी व चेंजिंग रूम का निर्माण	2020-21	30	4,93,198.13	71,475.78	4,89,440.30	पूर्ण
52	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के सीएसआर अंतर्गत दनारा गांव में कल्याण मंडप का निर्माण	2020-21	180	1,17,89,828.54	48,70,285.83	1,03,64,359.63	पूर्ण
53	शून्य	कंधाभरैनी एवं बालेकर शाही गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकज 07)	2020-21	120	4,69,540.21	3,83,133.58	4,69,215.95	पूर्ण
54	शून्य	वर्ष 2021-22 के दौरान जोरागड़िया तंगरासाही, हदीसाही और सारंग गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकज 08)	2020-21	120	5,02,491.95	4,52,784.82	5,02,491.95	पूर्ण
55	शून्य	तिलीपासी एवं खरुंगिया गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकज 10)	2020-21	120	4,06,614.87	3,32,829.98	4,06,614.87	पूर्ण
56	शून्य	वर्ष 2021-22 के दौरान दनारा गांधी सागर और दानर अद्वितीय साही गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकज 05)	2020-21	120	3,02,771.69	2,61,271.76	3,02,771.69	पूर्ण
57	शून्य	अंबपाल, बदामहिताला और सनमहिताला गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकज 23)	2020-21	120	5,38,540.62	4,40,160.77	5,38,540.62	पूर्ण
58	शून्य	गांव बहालासाही को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकज 19)	2020-21	120	3,36,767.74	2,75,280.33	3,36,767.74	पूर्ण
59	शून्य	गांव नकीपासी को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकज 06)	2020-21	120	5,29,283.12	3,78,716.62	4,40,466.32	पूर्ण

क्र.सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना की अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में) का विवरण	वित्तीय वर्ष के अंत में खर्च की गई संचित राशि (रुपये में) का विवरण	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/जारी है)
60	शून्य	कलामजुद्ध पुनर्वासारी, नायकसाही, एकताली आदि गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकेज 21)	2020-21	120	6,75,441.62	5,35,285.94	6,75,441.62	पूर्ण
61	शून्य	सत्यवडीसागरसाही, सोलाडा गांवों को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति	2020-21	120	96,757.16	3,744.82	96,757.16	पूर्ण
62	शून्य	बरपाली गांव को गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति (पैकेज 09)	2020-21	120	3,10,511.81	2,67,616.95	3,03,843.33	पूर्ण
63	शून्य	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत छंदीपाड़ा (वार्ड नं. 10) मसुरिया शाही एवं बहल शाही गांवों को पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	2020-21	122	8,90,264.34	5,94,721.00	8,90,264.34	पूर्ण
64	शून्य	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत जम्बूवाहाली गांव में पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	2020-21	122	5,00,624.00	1,44,782.97	3,10,666.47	पूर्ण
65	शून्य	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत नुआसाही, पचावतीपुर एवं लछमनपुर गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	2020-21	122	5,88,013.00	1,98,609.42	5,88,013.00	पूर्ण
66	शून्य	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत बडासिंघाड़ा एवं सनासिंघाड़ा गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	2020-21	122	4,83,706.00	2,66,628.08	3,87,554.57	पूर्ण
67	शून्य	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत गांव कुड़यो एवं कुड़यो पुनर्वास कालोनी एवं कुड़यो हरिजन शाही को पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	2020-21	122	8,45,353.00	2,15,019.46	2,84,310.69	पूर्ण
68	शून्य	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत राक्स, कुटारपासी एवं हुंदाबनपुर गांवों को पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	2020-21	114	6,21,907.00	4,34,969.77	5,90,446.52	पूर्ण
69	शून्य	गर्मी में पानी की आपूर्ति के लिए छंदीपा ओसीपी में पंप का संचालन	2020-21	114	1,80,526.00	1,37,940.00	1,62,769.20	पूर्ण
70	शून्य	भरतपुर क्षेत्र के सीएसआर के अंतर्गत जोगगडिया स्थित पंचायत हाई स्कूल के अहाते की दीवार एवं गेट का निर्माण	2020-21	50	11,78,615.00	11,30,064.30	11,30,064.30	पूर्ण
71	शून्य	ब्लैक टॉपिंग रोड फर्म न्यू नहरीपुर	2018-19	119	86,21,044.19	54,49,872.81	86,21,044.19	पूर्ण
72	शून्य	सीएसआर के तहत गुरुदास से एफसीआई गेट तक दोनों साइड सीमेंटड कंक्रीट लुक नाली (ड्रेन) सहित बोटी रोड का सुदृढीकरण	2019-20	526	2,72,64,735.15	2,51,344.62	2,52,58,195.60	पूर्ण
73	शून्य	वर्ष 2018 के लिए जगन्नाथ क्षेत्र के अंतर्गत चटई हटिंग, दक्षिण बलंवा, नागधर मुंडासाही और खंडुआलबहल गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से पानी की अस्थायी आपूर्ति (पीकेजी-5)	2018-19	81	23,42,985.00	16,56,196.78	23,42,985.00	पूर्ण
74	शून्य	एमसीएल जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत घंटापाड़ा गांव के पास समपार में रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण की परियोजना की देखरेख।	2016-17	2139	2,23,67,560.00	71,99,679.65	1,29,92,619.11	जारी है
75	शून्य	एओसीपी की सीएसआर योजना के तहत नाहक साही, हेन्समुल स्कूल, हेन्समुल पुनर्वास स्थल, डेरा हरिजन शाही और रागड़ा शाही को 2 वर्षों के लिए टैंकर के माध्यम से पेयजल आपूर्ति	2019-20	730	38,49,010.85	4,81,010.98	32,61,873.60	पूर्ण
76	शून्य	वर्ष-2020 एवं 21 के लिए गांव तेंतुली/गुरुद्वारे को अस्थायी जलापूर्ति	2020-21	120	25,30,448.64	8,163.24	21,95,158.25	पूर्ण
77	शून्य	सीएसआर, जेए के तहत टीटी अकादमी-सर-इनडोर हॉल, अंगुल का विकास	2020-21	89	25,85,644.49	25,85,644.49	25,85,644.49	पूर्ण
78	शून्य	एमसीएल जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत तालचर कोलकिल्डस में हंडीघुआ चौक से नालको चौक तक सड़क पर एस्टीपीसी कन्वेयर से पहले घंटापाड़ा गांव के पास समपार में रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण	2016-17	2139	34,94,93,129.50	2,35,20,111.62	13,74,29,069.23	जारी है
79	शून्य	अंगुल में और उसके आसपास शहरी वृक्षारोपण और नर्सरी स्थापना के निक्षेप कार्य	2018-19	1460	1,90,00,000.00	30,75,552.00	1,84,08,148.00	जारी है
80	शून्य	टीएफटीए के कार्यों में, सुलभ शौचालयों का निर्माण एवं अंगुलि में रानीगोड़ा तालाब का नवीनीकरण करना	2019-20	1110	69,29,377.00	39,66,036.00	56,66,036.00	जारी है
81	शून्य	आईसीयू जी+6 भवन को अतिरिक्त बिजली की आपूर्ति	2020-21	10	1,46,835.18	1,26,890.95	1,26,890.95	पूर्ण
82	शून्य	वर्ष 2021 के लिए कनिहा क्षेत्र के अंतर्गत जला, तेलसिंघा, छेलिया, कंसमुंडा, जयपुर, आदित्य प्रसाद, गुंडरिनाली, गुलेन्दो और मालीपासी गांवों को पानी के टैंकर के माध्यम से गर्मियों के दौरान पानी की आपूर्ति (पैकेज एस1)	2020-21	120	24,67,462.94	21,45,542.01	24,67,462.94	पूर्ण
83	शून्य	कनिहा क्षेत्र के सीएसआर के तहत पत्रिच मोहन स्कूल, कनिहा में हॉल का निर्माण (एन.निविदा)	2020-21	225	31,03,608.77	23,88,722.72	31,03,608.77	पूर्ण
84	शून्य	लिंगराज क्षेत्र के कंधल जीपी मदनमोहनपुर में पानी की कमी वाले गांवों में पानी की आपूर्ति	2019-20	60	8,18,578.84	6,60,395.14	8,18,578.84	पूर्ण
85	शून्य	लिंगराज क्षेत्र के कांधल गांव में पानी की कमी वाले गांवों को पानी की आपूर्ति	2019-20	60	5,08,444.42	8,444.42	5,08,444.42	पूर्ण
86	शून्य	वर्ष 2020-21 के दौरान लिंगराज क्षेत्र के तालचर उपखंड (पीकेजी-द्वितीय) के तहत बालूगांव साही न्यू बलुंगान नई शाही और सौभाग्य नगर वाले पानी की कमी वाले गांवों को 303 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति।	2020-21	303	14,54,137.60	5,73,218.71	14,54,137.60	पूर्ण
87	शून्य	वर्ष 2020-21 के दौरान लिंगराज क्षेत्र के तालचर अनुमंडल(पीकेजी-III) के तहत कंधल हाडी साही के पानी की कमी वाले गांवों को 303 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति	2020-21	303	26,52,892.94	9,23,991.88	26,52,892.94	जारी है
88	शून्य	वर्ष 2020-21 लिंगराज क्षेत्र के तालचर उपखंड(पीकेजी-I 303 दिनों के लिए) के तहत बालूगांव खमार के पानी की कमी वाले गांवों में पानी की आपूर्ति	2020-21	303	11,73,607.99	6,26,977.61	11,73,607.99	पूर्ण

क्र.सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना की अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में) का विवरण	वित्तीय वर्ष के अंत में खर्च की गई संघित राशि (रुपये में) का विवरण	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/जारी है)
89	शून्य	वर्ष 2020-21 लिंगराज क्षेत्र (120 दिनों के लिए पीकेजी-डब्ल्यू-1) के तहत तालचौर अनुमंडल के आनंदपुर तलाबेड़ा और तालाबराणा वाले पानी की कमी वाले गांवों में पानी की आपूर्ति	2020-21	120	5,61,610.62	3,98,651.23	5,61,610.62	पूर्ण
90	शून्य	वर्ष 2020-21 लिंगराज क्षेत्र के तालचौर उपखंड के मदनमोहनपुर गांव (पीकेजी-V 303 दिनों के लिए पानी की कमी) के लिए पानी की आपूर्ति	2020-21	303	8,26,944.00	1,83,485.28	7,29,268.32	पूर्ण
91	शून्य	एमसीएल की सीएसआर पहल के रूप में लिंगराज क्षेत्र के मध्य पवित्र मोहन छाका से बांकाधारा छाका तक 2.5 किमी की लंबी, एलएच-149 सड़क के दोनों किनारों पर ढलान निर्माण कार्य	2020-21	180	1,54,23,749.03	46,63,876.73	1,54,23,749.03	पूर्ण
92	शून्य	सीएसआर कार्य के तहत गांव तालाबराणा में चिलडुन पार्क का निर्माण	2020-21	90	25,11,140.39	7,11,140.39	25,11,140.39	पूर्ण
93	शून्य	बालंगा खमार के 02 तालाबों की खुदाई एवं उसमें पत्थर लगाना	2020-21	120	11,49,400.99	11,42,880.16	11,42,880.16	पूर्ण
94	शून्य	तालाबराणा में पधमार का निर्माण	2020-21	120	10,67,276.93	10,67,276.93	10,67,276.93	पूर्ण
95	शून्य	मौबुदा पी पाथर लाइन के लिए अलग-अलग बिंदु पर 500 मिमी, 250 मिमी, 200 मिमी व्यास वाले गैर परावर्तन वालव का परिवहन करना /उसे बिछाना और फिटिंग करना	2020-21	302	1,65,250.21	1,64,728.00	1,64,728.00	पूर्ण
96	शून्य	दयानिधिपुर गांव के तालाब का नवीनीकरण	2020-21	60	5,02,348.31	5,02,348.31	5,02,348.31	पूर्ण
97	शून्य	तालाबेड़ा बंध/तालाब का नवीनीकरण	2020-21	60	4,77,917.74	4,73,108.81	4,73,108.81	पूर्ण
98	शून्य	कंधल तंतुलिया बंध का नवीनीकरण	2020-21	60	5,88,236.91	5,88,236.91	5,88,236.91	पूर्ण
99	शून्य	स्कॉटलैंडपुर, धरमपुर, नूआसाही, ककिती और सेरलो गांवों में पानी की आपूर्ति	2020-21	120	5,60,752.99	4,92,126.56	4,92,126.56	पूर्ण
100	शून्य	लंगीजोड़ा और अनादिपुर गांवों में पानी की आपूर्ति	2020-21	303	13,69,744.00	6,86,524.00	6,86,524.00	पूर्ण
101	शून्य	भगपाड़ा तालाब बिल टेलिसाही का सीटर्सिकरण करना एवं स्थायी रूप देना /पूजवृत्ती देना	2020-21	60	5,30,945.44	5,30,945.44	5,30,945.44	पूर्ण
102	शून्य	झारसुगुड़ा में 100 बिस्तरों वाला हृदय संस्थान	2015-16	2735	75,00,00,000.00	12,98,94,550.00	24,98,94,550.00	जारी है
103	शून्य	11 आरपीडीएसी ने झारसुगुड़ा जिला फेज I के 2019-20 के कार्यों की मंजूरी दी	2020-21	1200	97,99,300.00	42,56,150.00	42,56,150.00	जारी है
104	शून्य	आहार मंडल जोड़ना एमसीएल के सीएसआर के तहत हेमगीर प्रखंड, सुंदरगढ़ जिले के ग्रामीण समुदाय के बीच जैविक खेती को बढ़ावा देने की पहल	2019-20	547	23,01,765.00	15,99,955.00	23,01,765.00	पूर्ण
105	शून्य	झारसुगुड़ा जिले के चार प्रखंडों (लाइकेन, कोलाबीग, किर्मांग और झारसुगुड़ा) में चल रहे विविध विकास कार्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त राशि	2016-17	2190	6,72,00,000.00	24,87,339.00	5,46,54,894.00	जारी है
106	शून्य	आजीविका बढ़ाने के लिए एमसीएल सतत विकास कार्य की सीएसआर पहल के रूप में व्यापक सामुदायिक विकास कार्यक्रम (सीसीडीपी-उपान)	2019-20	2011	20,28,62,584.00	3,85,20,278.72	6,12,91,898.00	जारी है
107	शून्य	स्वाधीनता संग्रामी (स्वतंत्रता सेनानी स्मारक) भवन, संबलपुर के ऊपरी पहली मंजिल का निर्माण	2018-19	1080	32,98,000.00	8,83,613.00	20,88,813.00	जारी है
108	शून्य	डॉ. इसाक संतरा बालनिकेतन में 2 शौचालय ब्लॉक का निर्माण	2019-20	240	14,02,010.19	244.51	14,02,010.19	पूर्ण
109	शून्य	एमसीएल के सीएसआर के माध्यम से स्वच्छ भारत अभियान के तहत संबलपुर जिले के किरबा, गोलगुंडा और बुर्ला के सरकारी स्कूलों में 4 शौचालय ब्लॉक (किरबा प्राथमिक विद्यालय के लिए एक बालकों के लिए और एक बलिकाओं के लिए शौचालय और गोलगुंडा प्राथमिक विद्यालय के लिए एक बालकों के लिए शौचालय और सरकारी बालिका विद्यालय, बुर्ला के लिए एक बालिकाओं के लिए शौचालय का निर्माण) का निर्माण	2014-15	180	7,36,063.77	70,239.78	7,36,063.77	पूर्ण

क्र.सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना की अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में) का विवरण	वित्तीय वर्ष के अंत में खर्च की गई संचित राशि (रुपये में) का विवरण	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/जारी है)
110	शून्य	विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी (एसएए), छत्रनगड़ी में बच्चों के लिए अतिरिक्त आवास का निर्माण	2020-21	180	46,03,785.86	3,57,068.52	46,03,785.86	पूर्ण
111	शून्य	एमसीएल के सीएसआर के तहत दुर्गापाली, एसबीपी में दयामणि वृद्धाश्रम के चारों ओर के परिसर की दीवार का निर्माण	2017-18	1800	10,00,000.00	4,02,891.00	4,02,891.00	जारी है
112	शून्य	रानी पार्क, तालचैर के चारों ओर के परिसर की दीवार का निर्माण	2020-21	900	14,91,48,273.00	3,61,63,314.00	3,61,63,314.00	जारी है
113	शून्य	संबलपुर विश्वविद्यालय में महिला छात्रावास का निर्माण	2015-16	2104	5,47,26,774.81	36,14,803.55	3,86,71,668.15	पूर्ण
114	शून्य	तालचैर में मेडिकल कॉलेज (एमआईएमएसआर) का निर्माण	2016-17	2008	4,92,62,00,000.00	89,50,032.38	4,67,23,43,897.92	जारी है
115	शून्य	संबलपुर के जलसुरा प्रखंड के फूलझारण में महिलाओं के लिए वृद्धाश्रम का निर्माण	2019-20	622	79,28,295.01	7,35,258.21	79,28,295.01	पूर्ण
116	शून्य	बसंधरा क्षेत्र के पास सुंदरगढ़ जिले के विभिन्न गांवों में खुले पंडाल का निर्माण	2020-21	960	2,94,50,000.00	1,23,09,906.00	1,23,09,906.00	जारी है
117	शून्य	श्री अरविंदो इंटीग्रल एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर, उदियमान मारतुखेवा, जिला-संबलपुर में तीन कक्षाओं और एक शौचालय ब्लॉक का निर्माण	2020-21	181	24,95,456.45	9,19,100.72	24,95,456.45	पूर्ण
118	शून्य	श्री अरविंदो इंटीग्रल एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर, बुर्ला, जिला-संबलपुर में अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण	2020-21	150	14,70,496.87	14,02,173.05	14,70,496.87	पूर्ण
119	शून्य	न्यू गैम्पेला नोडल हाई स्कूल में शौचालय ब्लॉकों का निर्माण और साइकिल स्टैंड का स्थापना	2020-21	179	18,45,283.55	1,13,718.04	18,45,283.55	पूर्ण
120	शून्य	संबलपुर विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास के परिसर के अंदर की दीवार और कंक्रीट वाले रास्ते का निर्माण	2020-21	180	30,59,608.01	2,06,238.94	30,59,608.01	पूर्ण
121	शून्य	एसनूपम अस्पताल द्वारा भुवनेश्वर को समर्पित कोविड अस्पताल चलाना	2020-21	830	3,05,00,00,000.00	1,62,58,91,750.00	2,83,33,31,850.00	जारी है
122	शून्य	एसनूपम अस्पताल द्वारा तालचैर को समर्पित कोविड अस्पताल चलाना	2020-21	679	19,29,19,690.00	6,47,40,700.00	19,29,19,690.00	पूर्ण
123	शून्य	संबलपुर पब्लिक लाइब्रेरी में रेडिंग / लर्निंग हॉल के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता	2019-20	1020	45,40,132.00	13,62,039.00	13,62,039.00	जारी है
124	शून्य	कल्याण मंडप, बैरामाली में विभिन्न कार्यों के लिए वित्तीय सहायता	2020-21	990	24,80,181.00	5,95,966.00	5,95,966.00	जारी है
125	शून्य	ओडिशा की सीएसआर परिषद द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता तथा झारखण्डा जिले के लाइकेरा ब्लॉक में तालाबों के नवीनीकरण से संबंधित गो केयर पोर्टल में होस्ट	2018-19	1080	24,00,000.00	3,59,633.00	3,59,633.00	जारी है
126	शून्य	संबलपुर जिले की महिलाओं को पीएसईई (व्यक्तिगत उन्नति और करियर बुद्धि) जीवन कौशल प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता	2020-21	212	13,93,340.00	5,57,336.00	5,57,336.00	पूर्ण
127	शून्य	पैकमल शासकीय उच्च विद्यालय, पैकमल, बरागढ़ जिला में सभागार-सह-सम्मेलन हॉल के निर्माण हेतु अर्जदान	2020-21	900	50,00,000.00	27,50,000.00	27,50,000.00	जारी है
128	शून्य	वर्ष 2018-19 के दौरान डीएफओ, शहर वन विभाग, भुवनेश्वर द्वारा वनीकरण गतिविधियों का कार्यान्वयन अर्थात् वृक्षारोपण करना	2018-19	1460	2,91,41,623.00	74,68,576.00	2,91,41,623.00	पूर्ण
129	शून्य	एमसीएल की सीएसआर पहल के माध्यम से संचालित किए जाने वाले बहु कौशल विकास कार्यक्रम "अप्रेंटिस" परियोजना का कार्यान्वयन	2020-21	325	41,44,606.00	41,44,606.00	41,44,606.00	पूर्ण
130	शून्य	ब्रजराजनगर नगर पालिका फेज-II में जलापूर्ति में संधार	2019-20	1380	2,82,87,536.00	21,21,565.00	21,21,565.00	जारी है
131	शून्य	एमसीएल के सीएसआर पुंजी के तहत ओडिशा के 232 रेलवे स्टेशनों के परिसंचारी क्षेत्रों में प्रचलित शौचालयों की स्थापना	2019-20	1080	57,55,03,185.00	7,30,82,242.00	7,30,82,242.00	जारी है
132	शून्य	गोद लिए गए गांव बसंतपुर के विकास के लिए कार्याकल्प नामक व्यापक योजना	2020-21	240	1,13,46,402.44	52,82,653.95	1,03,88,535.05	पूर्ण
133	शून्य	सुंदरगढ़ जिले के हेमगिरि प्रखंड में बीज अधिकारी (देसी बीज पर) को बढ़ावा देकर देशी बीजों की बहलीकरण और उनका संरक्षण करना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना	2020-21	399	22,53,460.00	13,52,038.00	13,52,038.00	पूर्ण
134	शून्य	नुआपाड़ा जिले में सीपीएसई द्वारा आकांक्षी जिलों के विकास की योजना के तहत परियोजनाएं	2019-20	1095	5,71,15,000.00	37,10,696.00	1,61,58,673.00	जारी है
135	शून्य	एमसीएल के सीएसआर के तहत अदुता चिल्ड्रेन होम, अंगुल के परिसर में पानी की टंकी और प्रकाश की सविधा का प्रावधान	2020-21	200	16,55,456.00	15,19,911.00	15,19,911.00	पूर्ण
136	शून्य	वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए ओरिएंट क्षेत्र द्वारा लखनपुर ब्लॉक में आखीसी स्वीकृत कार्य (111 परियोजनाएं)	2016-17	1915	3,80,83,000.00	11,27,168.00	2,80,16,240.00	जारी है
137	शून्य	कोविड अस्पताल, तालचैर में कार्यरत कर्मचारियों के भोजन पर किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति	2020-21	679	18,31,920.00	18,31,920.00	18,31,920.00	पूर्ण
138	शून्य	पटेश्वरी मंदिर के स्थल के पास विशाल घंटी की स्थापना सहित उसका नवीनीकरण सद्व्यवस्था और भूमिर्माण, कला और संस्कृति का चित्रण ।	2020-21	900	2,37,19,000.00	29,98,633.00	29,98,633.00	जारी है
139	शून्य	संधापाड़ा और आस-पास के गांवों को जलापूर्ति	2017-18	1760	9,00,91,949.00	2,42,13,377.00	5,71,59,000.00	जारी है
140	शून्य	संबलपुर में संस्कृति कलाकेन्द्र	2016-17	1080	2,87,78,000.00	93,90,501.00	1,37,55,832.00	जारी है
141	शून्य	ब्रजराजनगर शहर में पाण्डु लाइन के माध्यम से जलापूर्ति की योजना (फेज-I)	2013-14	3030	8,87,85,668.00	1,03,95,218.00	8,87,85,668.00	पूर्ण
		कुल			11,08,36,03,813.56	2,20,11,24,931.18	8,89,06,39,797.89	

वित्त वर्ष 2020-21 में खर्च किए गए सीएसआर के माध्यम से सृजित संपत्तियों का विवरण				
क्र.सं.	पूँजीगत परिसंपत्ति (संपत्तियों) के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि	पूँजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि	इकाईयों या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिनके नाम पर ऐसी पूँजीगत परिसंपत्ति पंजीकृत है, उनका नाम, पता आदि	सृजित या अधिग्रहीत पूँजीगत परिसंपत्ति (संपत्तियों), (पूँजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) का विवरण
1	30-09-2021	2,26,417.03	तेलनपाली प्राथमिक विद्यालय, ब्रजराजनगर, झारसुगड़ा के प्रधानाचार्य	तेलनपाली प्राइमरी स्कूल, ब्रजराजनगर, झारसुगड़ा की बाउंड्री वाल (चाहरदीवारी) का निर्माण
2	16-03-2022	4,88,391.47	गवर्नमेंट यूपी स्कूल, खालिकानी, ब्रजराजनगर के प्रधानाचार्य	खालियाकानी यूपी स्कूल, ब्रजराजनगर, झारसुगड़ा में एक कक्षा और चाहरदीवारी का निर्माण
3	16-05-2021	12,38,563.09	चुआलीबर्ना आश्रम स्कूल, चुआलिबर्ना, झारसुगड़ा के प्रधानाचार्य,	चुआलिबर्ना आश्रम स्कूल, चुआलिबर्ना, झारसुगड़ा में बाउंड्री वाल (चाहरदीवारी) और शौचालय का निर्माण
4	05-12-2021	3,39,961.52	पिपलीमल गांव, झारसुगड़ा के ग्रामीण	पिपलीमल में सबमर्सिबल पंप के साथ बोरेल
5	10-07-2021	33,468.31	हरिजनपाड़ा, लजकुरा, झारसुगड़ा के ग्रामीण	झारसुगड़ा के लजकुरा के हरिजन पाड़ा में जल भंडारण टैंक
6	17-08-2021	1,35,700.00	आरटीओ, झारसुगड़ा	एनएच 49 और एसएच 10 (बीजू एक्सप्रेस वे) झारसुगड़ा में 50 जो पार्किंग बोर्ड लगाना
7	19-09-2020	5,29,206.37	बांधबहल जीपी, झारसुगड़ा के सरपंच	बांधबहल ग्राम पंचायत, झारसुगड़ा में सड़क के दोनों ओर तालीपाड़ा से गौड़ापाड़ा के मुख्य सड़क को कंक्रीट युक्त नाली (ड्रेन) प्रणाली से जोड़ना।
8	10-03-2021	3,87,402.29	लखनपुर जीपी, झारसुगड़ा के सरपंच	लखनपुर ग्राम पंचायत, झारसुगड़ा के सिम्बलाल पाड़ा, बांदी पहाड़ में कंक्रीट सड़क बनाना
9	09-01-2022	75,09,366.18	तहसीलदार, लखनपुर, झारसुगड़ा	मेगीपाली, लखनपुर ब्लॉक, झारसुगड़ा में सड़क, नाली, पुलिया, ट्रांसफार्मर आदि की व्यवस्था करना
10	31-12-2021	66,17,633.91	बसुंधरा हाई स्कूल, टिकिलीपारा, सुंदरगढ़ के प्रधानाचार्य	बसुंधरा हाई स्कूल, टिकिलीपारा में 50 बिस्तरों वाले छात्रावास की व्यवस्था।
11	08-07-2021	9,93,339.66	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, टिकिलीपारा, सुंदरगढ़ के प्रधानाचार्य	सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल, टिकिलीपारा, सुंदरगढ़ में शौचालय का निर्माण
12	31-08-2021	9,97,241.06	ग्राम समिति, कुआरकेला, सुंदरगढ़	कुआरकेला खेल के मैदान, हेमगीर ब्लॉक, सुंदरगढ़ में चेंजिंग रूम, नाली आदि की व्यवस्था करना
13	03-12-2021	6,21,733.21	उज्जलपुर जीपी, सुंदरगढ़ के सरपंच	झरियापाली गांव, सुंदरगढ़ के सामुदायिक केंद्र के पास रसोई सह स्टोर भवन की व्यवस्था करना
14	04-09-2021	8,87,625.00	एसपी सुंदरगढ़	सुंदरगढ़ शहर के ई-लर्निंग केंद्रों पर 15 कंप्यूटर सेट, 15 कंप्यूटर प्रिंटर, 15 कंप्यूटर यूपीएस और 15 कंप्यूटर टेबल की व्यवस्था करना
15	27-08-2021	6,22,721.00	प्राचार्य, जे.एन.वी. सुंदरगढ़	जवाहर नवोदय विद्यालय, जिक नगर, सुंदरगढ़ में 20 कंप्यूटर सेट की व्यवस्था करना
16	22-02-2022	12,57,036.77	ग्राम समिति, रतनपुर ग्राम, सुंदरगढ़	रतनपुर गांव, सुंदरगढ़ में सामुदायिक केंद्र
17	12-11-2020	24,32,379.68	ग्राम समिति, जम्बूबहाली, तालचेर प्रखंड, अंगुल	दनारा जीपी के अंतर्गत जम्बूबहाली गांव में बाय-पास रोड का निर्माण
18	26-09-2021	14,67,088.89	ग्राम समिति, बडाजोराडा, तालचेर प्रखंड, अंगुल	हिगुला, अंगुल में बलराम बस्ती प्रवेश से बडाजोराडा गांव की सड़क तक कंक्रीट रोड और रिटैनिंग वाल का निर्माण।
19	09-01-2021	13,10,804.66	निशा ग्राम समिति, निशा ग्राम पंचायत, छंदीपाड़ा प्रखंड, अंगुल	निशा गांव, अंगुल के हाई स्कूल परिसर में 4 कक्षा के कमरे की व्यवस्था
20	20-04-2022	7,12,651.40	जरासिंधा जीपी, बनारपाल ब्लॉक, अंगुल के सरपंच	जरासिंधा गांव के हरिजनसाही में सामुदायिक केंद्र
21	07-06-2020	4,89,440.30	जमुनाली जीपी, बनारपाल ब्लॉक, अंगुल के सरपंच	जमुनाली, अंगुल के गांव तालाब खलियामुंडा में स्नानागार की सीढ़ीयों और चेंजिंग रूम की व्यवस्था
22	16-04-2021	1,03,64,359.63	दनारा ग्राम समिति के अध्यक्ष, दनारा ग्राम पंचायत, तालचेर प्रखंड, अंगुल	दनारा गांव, अंगुल में कल्याण मंडप
23	15-09-2021	5,87,732.17	दनारा ग्राम समिति, दनारा ग्राम पंचायत, तालचेर प्रखंड, अंगुल	अंगुल के दनारा गांव में हरपर्वती युवक संघ से भगवत रगुड़ी तक डब्ल्यूबीएम सड़क की व्यवस्था
24	10-12-2020	11,30,064.30	पंचायत हाई स्कूल, जोरागड़िया, अंगुल के प्रधानाचार्य	जोरागड़िया, अंगुल के पंचायत हाई स्कूल में परिसर की दीवार और गेट की व्यवस्था
25	21-08-2021	31,03,608.77	पवित्र मोहन स्कूल, कनिका, अंगुल के प्रधानाचार्य	कनिहा क्षेत्र के सीएसआर के तहत पवित्र मोहन स्कूल, कनिहा में सभाकक्षा (हॉल) की व्यवस्था
26	29-09-2021	12,37,946.34	क्षेत्रीय उच्च विद्यालय, गंडाबेरना कनिका, अंगुल के प्रधानाचार्य	गंडाबेरना के क्षेत्रीय उच्च विद्यालय, कनिहा, अंगुल में एक अतिरिक्त कक्षा
27	24-03-2022	6,88,417.00	गवर्नमेंट अपग्रेडेड हाई स्कूल, बरिहापुर, कनिका, अंगुल के प्रधानाचार्य	बरिहापुर, कनिहा, अंगुल के सरकारी अपग्रेडेड हाई स्कूल में बाउंड्री वाल (चाहरदीवारी)
28	17-02-2021	25,11,140.39	लांगीजोड़ा ग्राम समिति, तालचेर, अंगुल	गांव तालाबेरना, तालचेर, अंगुल में बच्चों के लिए उद्यान (चिल्ड्रन पार्क)
29	15-03-2022	10,67,276.93	बलुंगा ग्राम समिति, तालचेर, अंगुल	तालबेरना, तालचेर, अंगुल में पथगंगा
30	27-07-2021	3,01,290.58	लांगीजोड़ा ग्राम समिति, तालचेर, अंगुल	तालबेरना, तालचेर, अंगुली के गांव के श्मशान घाट पर विश्राम गृह

क्र.सं.	पूँजीगत परिसंपत्ति (संपत्तियों) के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि	पूँजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि	इकाईयों या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिनके नाम पर ऐसी पूँजीगत परिसंपत्ति पंजीकृत है, उनका नाम, पता आदि	सृजित या अधिग्रहीत पूँजीगत परिसंपत्ति (संपत्तियों), (पूँजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) का विवरण
31	13-10-2021	5,81,110.38	कांथल, तालचेर, अंगुल के सरपंच	डोला मंडप ग्राम तलाबेड़ा, तालचेर, अंगुल
32	10-03-2022	15,46,513.01	लांगीजोड़ा ग्राम समिति, तालचेर, अंगुल	गांव तलाबेराना, तालचेर, अंगुल में डोला मंडप और किचन रूम और समीप सड़क
33	02-02-2022	11,98,729.00	सीडीएमओ, संबलपुर	संबलपुर जिला प्रशासन को 100 ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति
34	30-10-2020	14,02,010.19	आईएसएसी संतरा बालनिकेतन, फुलझरण, संबलपुर के सचिव,	डॉ. इसाक संतरा बालनिकेतन, फुलझरण, संबलपुर में 2 शौचालय ब्लॉक
35	15-09-2015	7,36,063.77	किरबा गवर्नमेंट स्कूल, बुर्ला, संबलपुर के प्रधानाचार्य	संबलपुर जिले के कोरबा, गोलकुंडा और बुर्ला के सरकारी स्कूल में 4 शौचालय ब्लॉक की व्यवस्था
36	10-03-2021	46,03,785.86	विशिष्ट दत्तक ग्रहण एजेंसी, संबलपुर के अध्यक्ष	विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी (एसएए), छचनपट्टी, संबलपुर में 2 बड़े कमरे, 1 कार्यालय कक्ष, 1 किचन रूम, 2 शौचालय और स्नानघर प्रखंड और स्टेबलाइजर्स के साथ 4 एयर कंडीशनर की व्यवस्था
37	31-05-2021	3,86,71,668.15	संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर	संबलपुर विश्वविद्यालय में महिला छात्रावास
38	30-04-2021	79,28,295.01	रेड क्रॉस सोसायटी, संबलपुर	संबलपुर के जुजुमरा प्रखंड के फुलझरण में वृद्धाश्रम
39	17-03-2021	24,95,456.45	श्री अरबिंदो इंटीग्रल एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर, उदयमान मारुक्षेत्र, जिला-संबलपुर के प्रधानाचार्य	श्री अरबिंदो इंटीग्रल एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर, उदयमान मारुक्षेत्र, जिला-संबलपुर में 3 कक्षा कमरे और एक शौचालय ब्लॉक।
40	14-08-2021	14,70,496.87	श्री अरबिंदो इंटीग्रल एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर, बुर्ला, जिला-संबलपुर के प्रधानाचार्य	श्री अरबिंदो इंटीग्रल एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर, बुर्ला, जिला-संबलपुर में 2 कक्षाएं
41	20-12-2020	18,45,283.55	न्यू रामपेला नोडल हाई स्कूल, संबलपुर के प्रधानाचार्य	न्यू रामपेला नोडल हाई स्कूल में शौचालय ब्लॉक और साइकिल स्टैंड का रूपांतरण
42	27-04-2021	30,59,608.01	संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर	संबलपुर विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास के परिसर के अंदर की दीवार और कंक्रीट युक्त रास्ते की व्यवस्था
43	25-05-2021	2,70,956.00	अद्रुता बाल गृह, भुवनेश्वर के अध्यक्ष,	अद्रुता बच्चों का घर (चिल्ड्रेन होम) , भुवनेश्वर के लिए एक ऑक्सीजन समाहारक दस प्लस ऑक्सीमिटर की व्यवस्था.
44	21-05-2021	1,03,88,535.05	बसंतपुर जीपी, संबलपुर के सरपंच	ग्राम बसंतपुर, संबलपुर में एक क्लास रूम, 1 स्नान घाट, 175 घरों में पाइप से जलापूर्ति, कंक्रीट रोड, सामुदायिक केंद्र, सोलर स्ट्रीट लाइट (180 नग) आदि की व्यवस्था
45	25-10-2021	26,57,971.99	संबंधित जेलों के अधीक्षक	जिला सुंदरगढ़, बौध जेल, मलकानगिरि जिला जेल और संबलपुर जिला जेल में बोनीगढ़ जेल के लिए जेल अधिकारियों को 4 एम्बुलेंस की व्यवस्था
46	25-03-2022	42,12,063.98	अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच, बरगढ़ एवं अध्यक्ष, उत्सर्ग, संबलपुर	बरगढ़, संबलपुर और झारसुगड़ा के लोगों के लिए मारवाड़ी युवा मंच, बरगढ़ में 5 एम्बुलेंस
47	16-08-2021	15,19,911.00	अध्यक्ष, अद्रुता चिल्ड्रेन होम, अंगुल	अद्रुत चिल्ड्रेन होम, अंगुल के परिसर में पानी की टंकी और प्रकाश की सुविधा
48	01-03-2022	8,87,85,668.00	जिल्लाधीश, झारसुगड़ा	पाइप जलापूर्ति योजना जिसमें ओवर हेड टैंक, जल शोधन प्रणाली, पाइपलाइन आदि शामिल हैं की व्यवस्था

प्रपत्र सं. एमआर- 3
सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट
2021-22 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) और कंपनी (नियुक्ति और पारिश्रमिक कार्मिक) नियम,
2014 के नियम संख्या 9 के अनुसार]

प्रति,
सदस्यगण,
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड,
जागृति विहार, बुर्ला, संबलपुर

हमने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए मैसर्स महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एतत्तत्पश्चात इसे कंपनी कहा गया है) द्वारा निगमित कार्यों के लिए लागू सांविधिक प्रावधानों के अनुपालन के लिए सचिवीय लेखा परीक्षा किया गया। सचिवीय लेखा परीक्षा इस तरीके से किया गया था जिससे हमें कॉरपोरेट आचरण/सांविधिक अनुपालन का मूल्यांकन करने और उस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए एक उचित आधार मिला।

कंपनी की पुस्तकों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तकों, प्रपत्रों और फाइल किए गए रिटर्न और कंपनी द्वारा बनाए गए अन्य अभिलेखों के हमारे सत्यापन के आधार पर और कंपनी, उसके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा सचिवीय लेखा परीक्षा के संचालन के दौरान प्रदान की गई जानकारी के आधार पर, जो कि कंपनी द्वारा हमें प्रदान किए गए दस्तावेजों के आधार पर आयोजित किया जाता है, हम एतद्वारा रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में, कंपनी ने 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष को कवर करने वाली लेखापरीक्षा अवधि के दौरान निम्न सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन किया है तथा कंपनी के पास निम्नानुसार यथोचित बोर्ड-प्रक्रियाएं व अनुपालन-तंत्र मौजूद हैं।

हमने 31 मार्च, 2022 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी द्वारा दर्ज की गई पुस्तकों, कागजात, कार्यवृत्त पुस्तकों, प्रपत्रों और दाखिल रिटर्न और अन्य अभिलेखों की जांच निम्न प्रावधानों के अनुसार की है:

- i. कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) और उसके तहत बनाए गए नियम;
- ii. प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 ('एससीआर') और उसके तहत बनाए गए नियम; (लागू नहीं)
- iii. डिपॉजिटरी एक्ट, 1996 और उसके तहत बनाए गए विनियम और उपनियम; (लागू)

- iv. विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और उसके तहत बनाए गए नियम और विनियम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और बाहरी वाणिज्यिक उधार की सीमा तक; **(लागू नहीं)**
- v. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') के तहत निर्धारित निम्नलिखित विनियम और दिशानिर्देश: -
 - क. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों और अधिग्रहणों का पर्याप्त अधिग्रहण) विनियम, 2011, यथा संशोधित; **(लागू नहीं)**
 - ख. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015, यथा संशोधित; **(लागू)**
 - ग. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूंजी का निर्गम और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2009; **(लागू नहीं)**
 - घ. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना और कर्मचारी स्टॉक खरीद योजना) दिशानिर्देश, 1999; **(लागू नहीं)**
 - ङ. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (ऋण प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीकरण) विनियम, 2008; **(लागू नहीं)**
 - च. कंपनी अधिनियम और क्लाइंट के साथ व्यवहार के संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (एक निर्गम और शेयर हस्तांतरण एजेंटों के लिए रजिस्ट्रार) विनियम, 1993; **(लागू नहीं)**
 - छ. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इक्विटी शेयरों को असूचीबद्ध करना) विनियम, 2009; **(लागू नहीं)**
 - ज. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूतियों का पुनर्खरीद) विनियम, 1998; **(लागू नहीं)**
 - झ. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिपॉजिटरी और प्रतिभागी) विनियम, 2018; **(लागू नहीं)**
 - ञ. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015; **(लागू)**
- VI. सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देश।

प्रबंधन ने निम्नलिखित कानूनों को विशेष रूप से कंपनी पर लागू होने के रूप में मान्य किया और पुष्टि की है:

- क. खान अधिनियम, 1952
- ख. खान रियायत नियम, 1960
- ग. खान बचाव नियम, 1985
- घ. खान व्यावसायिक प्रशिक्षण नियम, 1966
- ङ. खान (सारांश की पोस्टिंग) नियम, 1954
- च. खान और खनिज (विकास विनियम) अधिनियम, 1957
- छ. भारतीय विद्युत नियम, 1985
- ज. भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884
- झ. भारतीय विस्फोटक नियम, 2008
- ञ. कोयला खान विनियम, 1957
- ट. कोयला खान संरक्षण एवं विकास अधिनियम, 1974
- ठ. कोयला खान पेंशन योजना, 1998
- ड. कोयला खान भविष्य (विविध प्रावधान) अधिनियम, 1948
- ढ. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986
- ण. जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण अधिनियम), 1974
- त. वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981
- थ. वेतन भुगतान (खान) नियम, 1956
- द. असंवितरित मजदूरी का भुगतान (खान) नियम, 1959
- ध. मातृत्व लाभ (खान) नियम, 1963
- न. कोलियरी नियंत्रण आदेश, 2000
- न. कोलियरी नियंत्रण नियम, 2004
- प. भारतीय खान ब्यूरो (विद्युत पर्यवेक्षक और इलेक्ट्रीशियन) भर्ती नियम, 1990

हमने निम्नलिखित के लागू खंडों के अनुपालन की भी जांच की है:

- i. भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सचिवीय मानक।
- ii. किसी भी स्टॉक एक्सचेंज के साथ कंपनी द्वारा किए गए लिस्टिंग समझौते; **(लागू नहीं)**

हम वित्तीय कानूनों के अनुपालन और वित्तीय अभिलेखों और खातों की पुस्तकों के रखरखाव पर रिपोर्ट नहीं कर रहे हैं, क्योंकि सांविधिक लेखा परीक्षक द्वारा सांविधिक लेखा परीक्षा के दौरान उनकी समीक्षा की जानी है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी ने अधिनियम, नियमों, विनियमों, डीपीई दिशानिर्देशों, सचिवीय मानकों आदि के प्रावधानों का अनुपालन किया है, जैसा कि अनुबंध-ख में निर्दिष्ट टिप्पणियों और योग्यताओं के अधीन कंपनी पर लागू होता है।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लेखापरीक्षा के दौरान, कंपनी ने कोई विशिष्ट घटना/कार्रवाई नहीं की है जो उपरोक्त संदर्भित कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों आदि के अनुसरण में कंपनी के मामलों पर एक प्रमुख प्रभाव डाल सकती है।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:-

क. बोर्ड की संरचना:

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी के निदेशक मंडल का गठन अनुबंध-ख में निर्दिष्ट टिप्पणियों और योग्यताओं के अधीन किया गया है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान निदेशक मंडल की संरचना में हुए परिवर्तनों को विधिवत दर्ज किया गया और कंपनी द्वारा अधिनियम और उसके तहत नियमों के प्रावधानों के अनुपालन में उचित प्रक्रिया का पालन किया गया था।

ख. बैठकें आयोजित करना:

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, बोर्ड की बैठकों के लिए सभी निदेशकों को पर्याप्त सूचना परिचालित किया गया था। कार्यसूची और कार्यसूची पर विस्तृत नोट अग्रिम में भेजे गए थे। बैठकों में सार्थक भागीदारी के लिए बैठकों से पहले रखी गई मदों की कार्यसूची पर अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और प्राप्त करने के लिए एक प्रणाली मौजूद है। बोर्ड की बैठकों और समिति की बैठकों में सभी निर्णय अपेक्षित बहुमत के साथ किए गए और अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार इस उद्देश्य के लिए रखी गई कार्यवृत्त में दर्ज किए गए।

ग. वार्षिक आम बैठक का आयोजन:

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए कंपनी की 29वीं वार्षिक आम बैठक दिनांक 13.08.2021 को आयोजित की गई।

वार्षिक आम बैठक को कम समय के नोटिस पर आयोजित किया गया था और कंपनी के सभी सदस्यों की सहमति अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार प्राप्त की गई थी। बैठक से पहले कार्यसूची मदों पर और जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए एक प्रणाली मौजूद है।

घ. सांविधिक रजिस्ट्रारों और अभिलेखों का रखरखाव:

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी अधिनियम, 2013, डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 और उसके तहत बनाए गए नियमों के विभिन्न प्रावधानों के तहत निर्धारित सभी वैधानिक रजिस्टर, रिकॉर्ड और अन्य रजिस्ट्रारों को उसमें की गई सभी आवश्यक प्रविष्टियों के साथ बनाए रखा गया था।

ड. कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार वैधानिक फॉर्म और रिटर्न दाखिल करना:

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार विभिन्न प्रपत्रों और विवरणियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर या विस्तारित समय में अपेक्षित शुल्क के साथ एमसीए/कंपनियों के रजिस्ट्रार के पास विधिवत दाखिल किया गया था।

च. लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों का अनुपालन:

वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी के प्रबंधन द्वारा प्रदान की गई समीक्षा और स्पष्टीकरण के दौरान लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों की निगरानी और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए इसके आकार और संचालन के अनुरूप पर्याप्त प्रणालियां मौजूद हैं। कानून और विधियों के अनुपालन पर त्रैमासिक रिपोर्ट नियमित रूप से समीक्षा के लिए कंपनी के बोर्ड को प्रस्तुत की जाती है।

छ. बोर्ड के निर्णयों की लेखापरीक्षा और प्रमाणन:

बोर्ड की बैठकों में लिए गए निर्णयों की भी तिमाही आधार पर लेखा परीक्षा की जाती है और इस आशय का प्रमाण पत्र निहित डीओपी के दायरे में बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णय के साथ तिमाही आधार पर प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव से प्राप्त किया जाता है।

ज. लाभांश की घोषणा:

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी ने कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) (होल्टिंग कंपनी) को वित्तीय वर्ष 2021-22 के संबंध में चालू वर्ष के अनुमानित कर पश्चात लाभ में से सितंबर 2021 तक प्रति रु. 1,000/ के 66,18,363 इक्विटी शेयरों पर 3500.00 करोड़ रुपये (अर्थात 5288.32 रुपये प्रति इक्विटी शेयर) की घोषणा की और पहले अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है।

कंपनी ने कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) (होल्टिंग कंपनी) को वित्तीय वर्ष 2021-22 के संबंध में चालू वर्ष के अनुमानित लाभ में से दिसम्बर 2021 तक प्रति रु. 1,000/ के 66,18,363 इक्विटी शेयरों पर 1500.00 करोड़ रुपए (अर्थात प्रति इक्विटी शेयर 2266.42 रुपए) की घोषणा की और दूसरे अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है।

झ. एमसीएल बोर्ड की उप-समितियों का पुनर्गठन

कंपनी के पास बोर्ड की निम्नलिखित सांविधिक समितियां हैं।

- i. लेखा परीक्षा समिति
- ii. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता विकास (सीएसआरएसडी) उप-समिति
- iii. नामांकन और पारिश्रमिक उप-समिति
- iv. जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी)

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान सीएसआर एंड एसडी उप-समिति का पुनर्गठन किया गया था।

पुनर्गठित समिति के निहित कार्य और अधिकार का दायरा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 के प्रावधान के अनुसार है, जिसे कंपनी (बोर्ड और उसकी शक्तियों की बैठक) नियमावली, 2014, कंपनी अधिनियम, 2013 की

धारा 135 और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 के प्रावधानों के साथ डीपीई दिशानिर्देशों और क्रमशः उसके तहत बनाए गए नियमों के साथ पढ़े जाते हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लेखापरीक्षा अवधि के दौरान कंपनी द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर और कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा रिकॉर्ड में लिए गए संबंधित विभाग द्वारा तिमाही अनुपालन रिपोर्ट की समीक्षा पर, हमारी राय में, पर्याप्त प्रणाली और प्रक्रियाएं और लागू सामान्य कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों की निगरानी और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए इसके आकार और संचालन के अनुरूप नियंत्रण तंत्र मौजूद हैं

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि जैसा कि सूचित किया गया है, कंपनी ने जहां भी आवश्यक हो, सुधारात्मक उपायों के लिए कार्रवाई शुरू करने सहित विभिन्न सांविधिक/नियामक प्राधिकरणों से प्राप्त नोटिसों का उचित रूप से जवाब दिया है।

स्थान : भुवनेश्वर
दिनांक: 12/05/2022

कृते देब महापात्र एंड कंपनी,
कंपनी सचिव
ह/-
अंचल अग्रवाल, साझेदार,
एफ़सीएस सं. 9393, सीपी सं: 10548
यूडीआईएन: F009393D000309165

नोट: इस रिपोर्ट को हमारे सम तिथि पत्र के साथ पढ़ा जाना है जो अनुबंध क और अनुबंध ख के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का एक अभिन्न अंग है।

प्रति,
सदस्यगण,
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड,
जागृति विहार, बुर्ला, संबलपुर

इस तिथि की हमारी रिपोर्ट को इस पत्र के साथ पढ़ा जाना है :

1. सचिवीय रिकॉर्ड का रखरखाव कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन सचिवीय रिकॉर्ड पर राय व्यक्त करना है।
2. हमने सचिवीय रिकॉर्ड की सामग्री की शुद्धता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त लेखा परीक्षा पद्धतियों और प्रक्रियाओं का पालन किया है। सत्यापन परीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया कि सचिवीय रिकॉर्ड में सही तथ्य परिलक्षित होते हैं। हम मानते हैं कि जिन पद्धतियाँ और प्रक्रियाएँ जिनका हमने अनुसरण किया है, वे हमारी राय को एक उचित आधार प्रदान करते हैं।
3. हमने कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड और लेखा पुस्तकों की शुद्धता और औचित्य का सत्यापन नहीं किया है।
4. जहाँ भी आवश्यक हो, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों आदि के अनुपालन और घटनाओं आदि के बारे में प्रबंधन का प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।
5. कॉर्पोरेट के प्रावधानों और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के अनुपालन की जिम्मेदारी प्रबंधन की है। हमारी जांच परीक्षण के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी।
6. सचिवीय लेखा परीक्षा न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का और न ही उस प्रभावकारिता या प्रभावशीलता के बारे में आश्वासन है, जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।
- 7.

स्थान : भुवनेश्वर
दिनांक: 12/05/2022

कृते देब महापात्र एंड कंपनी,
कंपनी सचिव
ह/-
अंचल अग्रवाल, साझेदार,
एफसीएस सं. 9393, सीपी सं: 10548
यूडीआईएन: F009393D000309165

सचिवीय लेखा परीक्षक का अवलोकन

क्र.सं	अधिनियम के प्रावधान	टिप्पणियाँ
1.	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149 के प्रावधानों और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, कंपनी के पास अपने कुल निदेशकों की संख्या का कम से कम एक तिहाई स्वतंत्र निदेशकों के रूप में होना चाहिए।	वित्तीय वर्ष की शुरुआत में, बोर्ड में केवल एक (1) स्वतंत्र निदेशक के साथ बोर्ड की कुल संख्या घटकर आठ (8) हो गई। वित्तीय वर्ष के अंत में, बोर्ड में दो (02) स्वतंत्र निदेशकों के साथ बोर्ड की कुल संख्या आठ (8) है। तदनुसार, दिनांक 01.11.2021 को डॉ. आशा लाकरा की नियुक्ति होने तक बोर्ड की संरचना डीपीई दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुपालन में नहीं थी। हालांकि, बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति के बाद, बोर्ड की संरचना डीपीई दिशानिर्देशों के साथ-साथ कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुपालन में है।

स्थान : भुवनेश्वर
दिनांक: 12/05/2022

कृते देब महापात्र एंड कंपनी,
कंपनी सचिव
ह/-
अंचल अग्रवाल, साझेदार,
एफसीएस सं. 9393, सीपी सं: 10548
यूडीआईएन: F009393D000309165

निदेशकों की रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) के तहत निदेशकों की रिपोर्ट में दी जाने वाली जानकारी को ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण और विदेशी विनिमय, आय एवं व्यय से संबंधित कंपनी नियमावली, 1988 (निदेशक मंडल की रिपोर्ट में ब्योरे का उल्लेख) के साथ पढ़ा जाए।

अनुलग्नक -I

1. ऊर्जा का संरक्षण

1 (क). विद्युत ऊर्जा संरक्षण के लिए अपनाए गए उपाय

इस वर्ष की ऊर्जा स्थिति के मुख्य विवरण नीचे तुलनात्मक कथन के साथ प्रस्तुत किए गए हैं।

- I. वर्ष 2021-22 के दौरान बिजली की विशिष्ट खपत (कोयले हेतु) वर्ष 2019-20 के 2.02 किलोवाट/ टन की तुलना में 2.37 किलोवाट /टन अर्थात 14.77 % अधिक है।
- II. 2021-22 के दौरान बिजली की विशिष्ट खपत (समग्र उत्पादन के लिए) (यानी कोयला + O.B निष्कासन) 2020-21 के लिए 1.33 kWh/Cum की तुलना में 1.10 kWh/CuM है, यानी 17.29% की कमी।
- III. हर महीने की छूट की तारीख के भीतर सभी आपूर्ति बिंदुओं के मासिक बिजली बिलों के त्वरित भुगतान के लिए 2021-22 के दौरान टीपीडब्ल्यूओडीएल (पूर्व में वेस्को) और टीपीसीओडीएल (पूर्व में सीईएसयू) से 211.08 लाख रुपये का लाभ उठाया गया था।

1. (B) अक्षय ऊर्जा विकास (सौर ऊर्जा)

- I. 2 एमडबल्यूपी सोलर प्लांट दिनांक 13/10/2014 को 75% के औसत पीआर अनुपात के साथ सफलतापूर्वक चालू किया गया है। आज तक प्लांट ने 1,17,34,731 किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन कम किया है।
- II. एमसीएल ने 1.21 मेगावाट की कुल क्षमता के सौर रूफटॉप संयंत्रों की आपूर्ति और चालू करने का कार्य 15/03/2021 को प्रदान किया है। वित्तीय वर्ष 21-22 के दौरान 1.15 मेगावाट के रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्रों को चालू किया गया है, और इसके स्थान-वार विवरण नीचे सारणीबद्ध हैं:

क्र.	क्षेत्र	स्थान	क्षमता (KWp)	वित्तीय वर्ष
1	ईब वैली क्षेत्र	महाप्रबंधक कार्यालय	28.14	कमीशन
2		केंद्रीय अस्पताल	470.34	कमीशन
3	ओरिएंट क्षेत्र	क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय	85.09	कमीशन
4	लखनपुर क्षेत्र	बी.टी.आई.	30.15	कमीशन
5		कल्याण मंडप	50.92	कमीशन
6		केंद्रीय अस्पताल	51.59	कमीशन
7	हिंगुला क्षेत्र	डी.ए.वी.स्कूल	231.82	कमीशन
8	जगन्नाथ क्षेत्र	डीएवी स्कूल	198.32	कमीशन
9	एमसीएल मुख्यालय	एमसीएल मुख्यालय	63.63	स्थापना प्रगति पर है

III. डीबीडीटी मोड के तहत आगामी 50 मेगावाट के ग्रांड माउंटेड बिजली संयंत्र:

वर्तमान स्थिति:

स्वीकृति पत्र (एलओए) / कार्य आदेश संख्या। एलओए-157 दिनांक 25.11.2021 के कार्य के लिए "भूमि, डिजाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति और खरीद, निर्माण, निर्माण, परीक्षण, कमीशनिंग, संचालन और रखरखाव के कार्य के लिए सौर फोटोवोल्टिक ग्रिड-कनेक्टेड पावर प्लांट की क्षमता 50 मेगावाट (एसी)/75 मेगावाट (डीसी) जिसमें ओडिशा में इवैक्यूएशन इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल है" एनआईटी नंबर सीआईएल/ईईडी/2021/एमसीएल 50 मेगावाट सोलर एनआईटी/71, दिनांक 12.08.2021 के खिलाफ मेसर्स हिल्ड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को पूरा करने की अवधि 10 महीने के साथ प्रदान किया गया है। कार्य प्रगति पर है।

एमसीएल को शुद्ध शून्य ऊर्जा कंपनी बनने का कुल लक्ष्य 182 मेगावाट है, जिसमें से 3.15 मेगावाट सौर संयंत्र पहले ही चालू हो चुके हैं और 50.06 मेगावाट क्षमता पाइपलाइन में है (जैसा कि ऊपर i, ii और iii में बताया गया है)।

1.(ग) ऊर्जा के प्रभावी संरक्षण के लिए बिजली की खपत में संभावित / संभव कमी के लिए उठाए गए कदम

। पावर फैक्टर को सांजस्य के करीब बनाए रखना:

वित्तीय वर्ष 21-22 के दौरान एमसीएल के खानों, टाउनशिप और कार्यालयों को विभिन्न सब-स्टेशन फीडिंग पावर का समग्र औसत पावर फैक्टर 0.99 था।

॥ केवल उच्च स्टार रेटिंग वाले एयर कंडीशनर की खरीद, एयर कंडीशनर के फिल्टर की नियमित सफाई, एयर कंडीशनर के उपयोग न होने पर उसे बंद रखना आदि।

खरीदे जा रहे सभी नए विंडो और स्प्लिट एयर-कंडीशनर बीईई फाइव स्टार रेटिंग के हैं। कुल 203 नग वित्तीय वर्ष 21-22 और 62 में फाइव स्टार रेटेड एयर कंडीशनर की खरीदी प्रक्रिया में हैं।

III 5 स्टार रेटेड बीएलडीसी पंखों की खरीद।

183 नग वित्त वर्ष 21-22 में ओरिएंट एरिया में 5 स्टार रेटेड बीएलडीसी पंखे लगाए गए थे। वित्त वर्ष 21-22 में नं. 6081, 5 स्टार रेटेड बीएलडीसी पंखों के लिए आदेश दिया गया है।

IV वित्तीय वर्ष 21-22 में एमसीएल की विभिन्न खदानों में 11770 न. एचपीएसवी लाइटों को एलईडी लाइटों से बदल दिया गया है, और एमसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में 16288 नग अलग-अलग रेटिंग के लिए एलईडी लाइटों के आदेश दिए गए हैं।

V ऊर्जा दक्ष विद्युत मोटरों की खरीद की जा रही है। खरीद का विवरण नीचे दिया गया है:-

- वित्तीय वर्ष 21-22 में 08 नं. ऊर्जा कुशल मोटरों के लिए आदेश दिया गया जिसमें से हिंगुला क्षेत्र के लिए 03 और भरतपुर क्षेत्र के लिए 05 नं. है।
- वित्तीय वर्ष 21-21 में ऊर्जा कुशल मोटर्स के साथ पंप सेटों की संख्या:20 का आदेश दिया गया है जिनमें से 03 नग हिंगुला क्षेत्र के लिए, 01 नग भरतपुर क्षेत्र के लिए, 04 नग बसुन्धरा क्षेत्र के लिए, 03 नग ईब वैली क्षेत्र के लिए, 04 नग जगन्नाथ क्षेत्र के लिए और 05 नग लखनपुर क्षेत्र के लिए है।

VI ऊर्जा दक्ष वॉटर हीटर की खरीद।

जगन्नाथ क्षेत्र (25 नग) और ओरिएंट एरिया (48 नग) के लिए कुल 73 नग बीईई 5 स्टार रेटेड एनर्जी एफिशिएंट वॉटर हीटर की आपूर्ति के आदेश दिए गए हैं।

VII ऊर्जा की बर्बादी को रोकने के लिए स्ट्रीट लाइट और लाइटिंग टॉवर में ऑटो टाइमर लगाना।

वित्तीय वर्ष 21-22 में एमसीएल ने विभिन्न क्षेत्रों में कुल 356 ऑटो टाइमर लगाए गए हैं।

VIII पम्पिंग ऊर्जा में दक्षता।

- खानों की जलापूर्ति और जल निकासी में उपयोग की जाने वाली पाइपलाइनों में रिसाव को रोका जाता है।
- पंपों के डिजाइन के अनुसार सक्शन और डिलीवरी लाइनों का आकार का ठीक से रखरखाव करना।
- वित्तीय वर्ष 21-22 में उच्च क्षमता वाले पंप जैसे 305 एलपीएस X 200 एमएच, 305 एलपीएस 150 एलपीएस आदि की खरीद करके स्टेज पंपिंग / इंटरमीडिएट पंपिंग में कमी को बनाए रखना।
- बिजली की अधिकतम मांग को कम करने और टीओडी (दिन का समय) प्रोत्साहन का लाभ उठाने के लिए ऑफ-पीक घंटों के दौरान पंपिंग जैसे नियमित लोड संचालित किए जा रहे हैं।

IX वित्त वर्ष 21-22 के दौरान एमसीएल में औद्योगिक कनेक्शन का कुल लोड फैक्टर 66% यानी 60% से ऊपर रखा गया था, ताकि खपत की प्रत्येक इकाई के लिए 60% लोड फैक्टर से ऊपर होने पर रुपये 1.10 का प्रोत्साहन प्राप्त किया जा सके।

X एनर्जी ऑडिट - लखनपुर ओसीपी, लजकुरा ओसीपी और समलेश्वरी ओसीपी में एनर्जी ऑडिट के लिए वर्क ऑर्डर दे दिए गए हैं।

XI ई-वाहन

- लखनपुर क्षेत्र में 02 टाटा टिगोर इलेक्ट्रिक कार हायरिंग करने का कार्य आदेश जारी कर दिया गया है।
- एमसीएल मुख्यालय में 20 नग इलेक्ट्रिक कार हायरिंग के प्रक्रियाधीन है, कार्य आदेश दिनांक 10.05.2022 तक जारी करने की उम्मीद है।

2. A. ईंधन और लुब्रिकैंट्स:

ईंधन और लुब्रिकैंट्स की उपभोग में कमी लाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए:

1. इंजन, प्रसारण और हाइड्रोलिक संचालित प्रणालियों की आवधिक मरम्मत की जा रही है।
2. डीजल की प्राप्ति, भंडारण, जारी करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) क्षेत्रों में परिचालित की गई है। डीजल चालित उपकरणों की निगरानी के लिए सुविधाजनक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।
3. सीएमपीडीआई द्वारा निर्धारित मानदंडों के भीतर इसे रखने के लिए विशिष्ट डीजल खपत की नियमित रूप से निगरानी की जाती है। बेंचमार्क एसडीसी की तुलना में अधिक विशिष्ट डीजल खपत वाली परियोजनाओं को संवेदनशील बनाया जाता है। परियोजनाओं को एचईएमएम की जांच करने की सलाह दी जाती है जिसमें मानक विशिष्ट ईंधन खपत से अधिक एचएसडी खपत होती है।
4. इंजन, प्रसारण और हाइड्रोलिक संचालित प्रणालियों की आवधिक मरम्मत की जा रही है।
5. टायर्स में हवा के दबाव की नियमित रूप से उचित जांच की जाती है।
6. सेल्फ-स्टार्टर्स, अल्टरनेटर और बैटरियों की नियमित जाँच की जाती है।
7. उपकरणों की निष्क्रियता को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं।
8. उपकरणों को सेल्फ स्टार्ट रखने के लिए पर्याप्त संख्या में बैटरियों की व्यवस्था की जा रही है।
9. जले हुए तेल की रिकवरी में वित्त वर्ष 2021-22 में वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में 15.51% सुधार हुआ है (जले हुए तेल की रिकवरी: FY 2021-22: 36.34% और FY 2020-21: 31.46%) जो HEMM के बेहतर स्वास्थ्य और अच्छे रखरखाव का संकेत देते हैं।

2. B. ऊर्जा की खपत और उत्पादन के मापदंडों पर परिणामी प्रभाव के लिए (क) के उपायों का प्रभाव

विवरण	2021-22	2020-21	पिछले वर्ष की तुलना में % परिवर्तन
विद्युतीय ऊर्जा			
i) बिजली की विशिष्ट खपत (कोयला के लिए), kWh/टन में	2.02	2.37	17.33% (एफ)
ii) kWh/Cu.M में बिजली की विशिष्ट खपत (समग्र उत्पादन के लिए) (यानी कोयला + O.B हटाने),	1.10	1.33	20.90% (एफ)
ईंधन और स्नेहक			
i) विभागीय उत्पादन के लिए एचएसडी की लीटर/घन मीटर में खपत	1.02	0.94	8.5% (ए)
ii) विभागीय उत्पादन के लिए लुब्रिकेंट्स की लीटर/घन मीटर में खपत	0.0276	0.0322	-14.3 % (एफ)
iii) कोयला उत्पादन में एचएसडी की लीटर/टन में खपत।	1.182	1.153	2.5% (अ)
iv) कोयला उत्पादन में स्नेहक की लीटर/टन में खपत।	0.0322	0.0396	-18.7% (एफ)

एफ – अनुकूल

ए – प्रतिकूल

2. C. विदेशी मुद्रा आय और आउटगो

- (i) निर्यात से संबंधित गतिविधियां, निर्यात बढ़ाने, उत्पादों, : कंपनी निर्यात गतिविधियों में संलग्न नहीं है। निर्यात गतिविधि सेवाओं तथा निर्यात योजनाओं के विकास हेतु की गयी पहलें
- (ii) प्रयुक्त तथा अर्जित विदेशी मुद्रा

(₹ करोड़ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिथला वर्ष (पुनः स्थापित)
प्रयुक्त विदेशी मुद्रा:		
(i) आयात का सीआईएफ मूल्य		
क) पुर्जे, स्टोर और स्पेयर पार्ट्स	0.00	0.39
ख) पूंजीगत माल	75.34	45.60
(ii) यात्रा	0.00	0.04
(iii) ब्याज	0.05	0.06
(iv) अन्य	0.64	0.64
(ख) अर्जित विदेशी मुद्रा	शून्य	शून्य

कॉर्पोरेट शासन की शर्तों के अनुपालन का प्रमाणपत्र

सेवा में,
सदस्यगण
मैसर्स महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

मैंने कॉर्पोरेट शासन पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई), भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार मैसर्स महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (इसके बाद “कंपनी” के रूप में संदर्भित) द्वारा 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कॉर्पोरेट शासन की शर्तों के अनुपालन की जांच की है।

कॉर्पोरेट शासन की शर्तों का अनुपालन करना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। मेरी जांच कॉर्पोरेट शासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और उसके कार्यान्वयन तक सीमित थी। यह न तो लेखा परीक्षा है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर राय की अभिव्यक्ति।

मेरी राय में, सर्वोत्तम जानकारी और मुझे दिए गए स्पष्टीकरणों तथा प्रबंधन द्वारा किए गए अभ्यावेदन के अनुसार, मैं प्रमाणित करती हूँ कि कंपनी ने "अनुलग्नक-1" में उल्लिखित निरीक्षण के आधार पर उपर्युक्त लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशानिर्देशों में निर्धारित कॉर्पोरेट शासन की शर्तों का अनुपालन किया है।

मैं पुनः घोषणा करती हूँ कि इस तरह का अनुपालन न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही दक्षता या प्रभावशीलता जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

कृते निशा उपाध्याय
(कंपनी सचिव)

ह/-

सी.एस. निशा उपाध्याय ए.सी.एस.

प्रोपराइटर

एमनं. 52744, सीपी नं. 19692

यूडीआईएन: A052744D000588807

स्थान:संबलपुर
दिनांक: 10.06.2022

क. निदेशक मंडल की संरचना :-

एमसीएल के निदेशक मंडल के गठन में 05 कार्यकारी निदेशक, 02 आधिकारिक अंशकालिक निदेशक (01 सरकारी नामित और 01 सीआईएल नामित निदेशक), 04 स्वतंत्र निदेशक और पूर्व तट रेलवे से 01 स्थायी आमंत्रित शामिल हैं। 04 स्वतंत्र निदेशकों में से, कंपनी के पास केवल 02 (दो) स्वतंत्र निदेशक हैं और अन्य 02 (दो) स्वतंत्र निदेशकों के पद मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के अंत में खाली हैं। 05 (पांच) कार्यकारी निदेशकों में से, कंपनी के पास 04 (चार) कार्यकारी निदेशक हैं और कार्यकारी निदेशक का 01 (एक) पद वित्तीय वर्ष के अंत में मार्च, 2022 को समाप्त हो रहा है।

ख. लेखा परीक्षा समिति की संरचना :-

पिछले वर्ष के अनुसार, स्वतंत्र निदेशकों के तीन (3) पद रिक्त पड़े थे, लेकिन डॉ. आशा लकरा के 1 नवंबर 2021 स्वतंत्र निदेशक के पद में नियुक्ति पश्चात 31.03.2022 तक स्वतंत्र निदेशकों के 02 पद खाली पड़े हैं और सरकार द्वारा भरे नहीं जा सके। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान भारत की। इसके परिणामस्वरूप लेखापरीक्षा समिति की संरचना के संबंध में डीपीई दिशानिर्देशों का अनुपालन नहीं हो पाया, क्योंकि लेखापरीक्षा समिति के दो-तिहाई सदस्य स्वतंत्र निदेशक होने चाहिए।

कंपनी के प्रबंधन ने कहा है कि एक बार 02 (दो) स्वतंत्र निदेशकों और 01 (एक) कार्यकारी निदेशक को कोयला मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा शामिल किया जाता है, कंपनी की लेखा परीक्षा समिति को अतिरिक्त 02 (दो) स्वतंत्र निदेशकों के रूप में लेखा परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में शामिल करके फिर से गठित किया जाएगा। इससे कंपनी अधिनियम और डीपीई दिशानिर्देशों के प्रावधानों का अनुपालन हो सकेगा।

कृते निशा उपाध्याय
(कंपनी सचिव)

ह/-

सी.एस. निशा उपाध्याय ए.सी.एस.

प्रोपराइटर

एमनं. 52744, सीपी नं. 19692

यूडीआईएन: A052744D000588807

स्थान:संबलपुर

दिनांक: 10.06.2022

कॉर्पोरेट शासन पर रिपोर्ट

कंपनी का दर्शन :

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) की संगठनात्मक प्रणाली में व्यवसाय दर्शन के रूप में कॉर्पोरेट शासन को और अधिक दृढ़ता से एकीकृत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पारदर्शिता, अधिक संगठनात्मक न्याय और कॉर्पोरेट स्थिरता सुनिश्चित करना है।

वर्ष 2010-11 से कॉर्पोरेट शासन पर दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए केंद्र सरकार के निर्देशों के साथ, दिशानिर्देशों का नए परिप्रेक्ष्य और समुचित अध्यवसाय के साथ पुनरावलोकन किया गया है।

इक्विटी, न्याय, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व आदि को सुशासन की कसौटी पर स्वीकार किया गया है, जिसे एमसीएल से संबंधित व्यावसायिक गतिविधियों के हर क्षेत्र में सर्वाधिक उपयोग के लिए आधार मूल्यों के रूप में स्वीकार किया गया है।

निदेशक मंडल-

बोर्ड में कार्यकारी, नामित और स्वतंत्र निदेशकों के सर्वोत्तम संयोजन के सिद्धांत के अनुपालन में, एमसीएल के निदेशक मंडल में दिनांक 31.03.2022 के अनुसार 11 (आठ) निदेशक शामिल हैं, जिसे निम्ननुसार वर्गीकृत किया गया -

क. 04 (चार) कार्यकारी निदेशक (अध्यक्ष सह-प्रबंध-निदेशक सहित)

ख. 02 (दो) स्वतंत्र निदेशक

ग. 02 (दो) कार्यकारी अंशकालीन निदेशक (नामांकित)।

इसके अलावा मुख्य प्रचालन प्रबंधक, पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर को भी बोर्ड के स्थायी आमंत्रित व्यक्ति के रूप में नियुक्त किया गया है।

वर्ष 2021-22 के दौरान दिनांक 24.04.2021, 29.05.2021, 23.06.2021, 05.08.2021, 24.09.2021, 11.10.2021, 31.10.2021, 19.11.2021, 24.12.2021, 20.01.2022, 03.02.2022 तथा 21.03.2022 को निदेशकों की उपस्थिति में 97.50% औसत से अधिक उपस्थिति में बारह (12) बार बैठकें की गईं।

बोर्ड की संरचना, बोर्ड की बैठक तथा पिछली वार्षिक सामान्य बैठक में निदेशकों की उपस्थिति और अन्य कंपनियों में निदेशक पद की संख्या के विवरण के साथ एक तालिका तैयार की जाती है।

नाम तथा पदनाम	श्रेणी	बोर्ड की बैठक			अन्य कंपनियों में निदेशक के पद पर	पिछले एजीएम में उपस्थित	अन्य समितियों में सदस्यता	
		कार्यकालमें आयोजित	उपस्थित	%			ऑडिट समिति में उपस्थिति	अन्य समिति में सदस्य
श्री ओ.पी.सिंह	कार्यकारी	12	12	100%	महानदी कोल रेलवे लिमिटेड	हाँ	07	03
श्री के.आर. वासुदेवन	कार्यकारी	12	12	100%	1 एमएनएच शक्ति लिमिटेड 2 सेंट्रल कोलफील्ड, लिमिटेड 3 एमजेएसजे कोल लिमिटेड	हाँ		05
श्री केशव राव	कार्यकारी	12	12	100%	महानदी बेसिन पावर लिमिटेड 2 महानदी कोल रेलवे लिमिटेड	हाँ		04
श्री एस.एन.तिवारी	सीआईएल नामित	12	11	91.67 %	1 सीआईएल सोलर प्राइवेट लिमिटेड 2 सीआईएल नवीकरणीय ऊर्जा लिमिटेड	हाँ	04	02
श्री नागार्जुन मडीरला	सरकार नामित	12	11	91.67 %	(i) एनएलसी इंडिया लिमिटेड 2 त्रिपुरा मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	हाँ	06	01

श्री एस.मोहन	स्वतंत्र	12	12	100 %	(i) यूनिकोर्प एडवाईजर प्राइवेट लिमिटेड (ii) यूनिकोप बिजक्स प्राइवेट लिमिटेड (iii) रिलियोन सोफ्टेक लिमिटेड (iv)सुजित फिनकोन प्राइवेट लिमिटेड (v)गोल्फ लेदर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (vi) बासिल रेस्टोरेण्ट प्राइवेट लिमिटेड	हाँ	07	02
श्रीमती डॉ. आशा लाकडा	स्वतंत्र	05	05	100 %	निल	नहीं		
श्री एस.के.पाल (01.01.2022 से अब तक))	कार्यकारी	03	03	100 %	(i)एमएनएच शक्ति लिमिटेड (ii) साउथ इस्टर्न कोलफीलड्स लिमिटेड (iii) एमजेएसजे कोल लिमिटेड (iv)छत्तीसगढ़ इस्ट रेलवे लिमिटेड (v)छत्तीसगढ़ इस्ट-वेस्ट रेलवे लिमिटेड	नहीं		04
श्री बबन सिंह	कार्यकारी	08	08		(i)वेस्टर्न कोलफीलड्स लिमिटेड (ii)एमएनएच शक्ति लिमिटेड			04
श्री पी.के.सिन्हा (31.12.2021 तक)	कार्यकारी	09	09		नॉर्दर्न कोलफीलड्स लिमिटेड			04

शासन के कुछ विषय जैसे वार्षिक लेखा, पूंजीगत व्यय, कोल विक्रय अनुबंध, श्रमशक्ति बजट, वैधानिक अनुपालन रिपोर्ट आदि बोर्ड की समीक्षा और अनुमोदन के लिए आरक्षित हैं।

निदेशकगणों का पारिश्रमिक :

क) पूर्णकालिक निदेशक

नाम	अन्य निदेशकगण के साथ संबंध	कंपनी के साथ व्यावसायिक संबंध यदि कोई हो	वर्ष 2020-21 के लिए पारिश्रमिक
			पारिश्रमिक पैकेज के सभी तत्व यानी वेतन, कार्य निष्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना, पीएफ, पेंशन योगदान आदि (रु.)
श्री पी. के. सिन्हा (31.12.2021 तक)	शून्य	अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक	सुन्य
श्री के. आर. वासुदेवन	शून्य	निदेशक (वित्त)	4057764.90
श्री ओ. पी. सिंह	शून्य	निदेशक (तक./संचा.) और अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक (01.01.2022 से)	5983942.50
श्री केशव राव	शून्य	निदेशक (कार्मिक)	5176599.11
श्री बबन सिंह	शून्य	निदेशक (तक./यो. एवं परि.)	4724738.75
श्री बबन सिंह		कंपनी सचिव	3160367.64

ख) आधिकारिक अंशकालिक निदेशक

कंपनी द्वारा आधिकारिक अंशकालिक निदेशकों को किसी पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया जाता है।

ग) गैरआधिकारिक अंशकालिक निदेशक

गैर-आधिकारिक अंशकालिक निदेशकों को बोर्ड/समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क के अलावा किसी पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया जाता है।

घ. सेवा अनुबंध, नोटिस अवधि, पृथक्करण शुल्क :

कंपनी के सभी कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। नियुक्ति किसी भी पक्ष द्वारा 03 माह के नोटिस पर अथवा उसके एवज में 03 माह के वेतन के भुगतान पर समाप्त की जा सकेगी।

बोर्ड की समितियाँ :

i. लेखा परीक्षा समिति

एमसीएल का मानना है कि व्यवसाय के सुचारु संचालन के लिए उचित स्वायत्तता के साथ उचित प्रकार से गठित लेखा परीक्षा समिति तथा निर्धारित कार्यक्षेत्र कुशल साधन हो सकते हैं। समिति नियमित अंतराल पर बैठक करती है और यथाशीघ्र मुद्दों का समाधान करती है। लेखापरीक्षा समिति की बैठकें भी उचित कार्यसूची के साथ आयोजित होती हैं और कार्रवाई की रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत की जाती है।

एमसीएल के वित्तीय और जानकारी/सूचना तक लेखा परीक्षा समिति की पहुंच है। समिति द्वारा किए गए अवलोकन की सूचना एमसीएल बोर्ड को दी जाती है। समिति जितनी बार चाहे बैठक कर सकती है लेकिन आशा की जाती है कि तिमाही में कम से कम एक बार बैठक अवश्य होगी।

कार्य क्षेत्र

लेखा परीक्षा समिति का कार्य क्षेत्र और अधिकार कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 के साथ पठित कंपनी (बोर्ड की बैठक और उसकी शक्तियाँ) नियमावली, 2014 के प्रावधानों के अनुसार है।

लेखा परीक्षा समिति की संरचना और बैठक का विवरण :

वर्ष के दौरान लेखा-परीक्षा की सात बैठकें दिनांक 29.09.2021, 23.06.2021, 05.08.2021, 24.09.2021, 30.10.2021, 19.11.2021 तथा 03.02.2022 को हुई, बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्रमांक	नाम	स्थिति	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थिति
1.	श्री एस. मोहन	अध्यक्ष	07	07
2.	श्री एम. नागाराजू	सदस्य	07	06
3.	श्री एस. एन. तिवारी	सदस्य	07	04
4.	श्री ओ. पी. सिंह	सदस्य	07	07

लेखा परीक्षा समिति की बैठकों में, निदेशक (वित्त), आंतरिक लेखापरीक्षा के प्रमुख और सांविधिक लेखापरीक्षकों को वित्त, लेखा, लेखापरीक्षा और आंतरिक नियंत्रण प्रणाली से संबंधित मामलों को स्पष्ट करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

मौजूदा लेखापरीक्षा समिति के अलावा, 2011-12 के दौरान बोर्ड की 134 वीं और 135 वीं बैठक में कंपनी की रणनीतिक और तकनीकी निर्णय लेने की प्रक्रिया को और मजबूत करने, कॉर्पोरेट प्रशासन का सही ढंग से पालन करने, मानव संसाधन के माध्यम से मूल्यवर्धन और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना की तात्कालिकता को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित उप-समितियों का गठन किया गया है।

ii) तकनीकी उप-समिति:

कार्यक्षेत्र :

एमसीएल बोर्ड के अनुमोदन के लिए परियोजनाओं का मूल्यांकन, निरूपण और सिफारिश।

उप-समिति की संरचना और बैठक का विवरण:

वर्ष के दौरान उपसमिति की पाँच बैठकें दिनांक -13.04.2021, 03.06.2021, 22.06.2021, 29.09.2021, 05.03.2022 को हुईं जिनमें निम्न सदस्य उपस्थित थे :

क्रमांक	नाम	स्थिति	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थित
1.	श्री पी. के. सिन्हा	अध्यक्ष	4	4
2.	श्री ओ. पी. सिंह	सदस्य	5	5
3.	श्री के. आर. वासुदेवन	सदस्य	5	5
4.	श्री केशव राव	सदस्य	5	5
5.	श्री बबन सिंह	सदस्य	4	3
6.	श्री एस.के. फाल	सदस्य	1	1

(iii) सीएसआर तथा सतत विकास उप समिति (सी.एस.आर. एंड एस.डी.):

कार्य क्षेत्र :

पुनर्गठित समिति का कार्य क्षेत्र और अधिकार कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 , डीपीई दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार और समय-समय पर एमसीएल बोर्ड द्वारा तय किया जाएगा।.

उप-समिति की संरचना और बैठक का विवरण :

वर्ष के दौरान दिनांक 20.04.2021, 26.05.2021, 01.08.2021, 19.10.2021, 13.11.2021, 22.12.2021 तथा 28.01.2022 को सीएसआरएसडी उप-समिति की 07 (सात) बैठकें हुईं, जिसमें सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार है-

क्रमांक	नाम	स्थिति	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थिति
1.	श्री के. . वासुदेवन	अध्यक्ष	7	7
2.	श्री एस. एन. तिवारी	सदस्य	7	2
3	श्री बबन सिंह	सदस्य	5	5
4.	श्री एस. मोहन	सदस्य	7	7
5	श्री केशव राव	सदस्य	7	7
6	श्री एस.के.पाल	सदस्य	2	2

iv) जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी):

कार्य क्षेत्र :

समिति का कार्यक्षेत्र सीआईएल की नीति और कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार होगा।

उप-समिति की संरचना और बैठक का विवरण :

जोखिम प्रबंधन समिति में 31-03-2022 को निम्नलिखित सदस्य होते हैं और वर्ष 2021-2022 के दौरान कोई बैठक नहीं हुई थी।

क्रमांक	नाम	स्थिति
1.	श्री के. आर. वासुदेवन	अध्यक्ष
2.	श्री एस.एन.तिवारी	सदस्य
3.	श्री बबन सिंह	सदस्य
4.	श्री एस. मोहन	सदस्य
5	श्री केशव राव	सदस्य
6	श्री एस.के.पाल	सदस्य

v) नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति :

कार्य क्षेत्र :

समिति का कार्यक्षेत्र और अधिकार सरकारी राजपत्र में अधिसूचना के अनुसार सरकारी कंपनी को दी गई छूट के आधार पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 के अनुसार होगा।

उप-समिति की संरचना और बैठक का विवरण:

वर्ष 2021-22 के दौरान कोई बैठक आयोजित नहीं हुई।

vi) भू- विस्थापित मामलों के लिए उपसमिति:

कार्य क्षेत्र :

कंपनी द्वारा अपनाई जा रही पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना नीति के मौजूदा मानदंडों के अनुसार रोजगार, नकद और मुआवजा आदि के सभी मामलों पर विचार और अनुमोदन करना।

उप-समितियों की संरचना और बैठक का विवरण:

भू-विस्थापित मामलों की उपसमिति की वर्ष में 30 बैठकें दिनांक 06.04.2021, 14.04.2021, 16.04.2021, 11.05.2021, 17.05.2021, 22.05.2021, 03.06.2021, 09.06.2021, 22.06.2021, 09.07.2021, 22.07.2021, 02.08.2021, 19.08.2021, 05.09.2021, 19.09.2021, 28.09.2021, 22.10.2021, 10.11.2021, 23.11.2021, 30.11.2021, 08.12.2021, 01.01.2022, 08.01.2022, 11.01.2022, 15.01.2022, 21.01.2022, 01.02.2022, 16.02.2022, 10.03.2022 तथा 16.03.2022 को हुई, जिनमें सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार रही :

क्रमांक	नाम	स्थिति	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थिति
	पी. के. सिन्हा	अध्यक्ष	21	21
2.	श्री ओ. पी. सिंह	सदस्य	30	30
4.	श्री के. आर. वासुदेवन	सदस्य	30	30
5.	श्री केशव राव	सदस्य	20	20
6.	श्री बबन सिंह	सदस्य	30	30
7.	श्री एस.के.पाल	सदस्य	09	09

vii) कार्यकारी निदेशकों की अधिकार प्राप्त समिति :

एमसीएल बोर्ड ने 11.07.2019 को आयोजित अपनी 216वीं बैठक में सीआईएल द्वारा जारी संशोधित डीओपी के अनुपालन में 'कार्यात्मक निदेशकों की अधिकार प्राप्त समिति' (ईसीएफडी) का गठन किया।

कार्य क्षेत्र :

जैसा कि सीआईएल द्वारा परिचालित संशोधित डीओपी में परिभाषित किया गया है।

उप-समितियों की संरचना और बैठक का विवरण :

समिति ने इस वर्ष के दौरान दिनांक. 14.04.2021, 20.04.2021, 11.05.2021, 17.05.2021, 03.06.2021, 22.07.2021, 19.08.2021, 21.08.2021, 24.08.2021, 31.08.2021, 07.09.2021, 23.09.2021, 28.09.2021, 07.10.2021, 22.10.2021, 10.11.2021, 13.11.2021, 27.11.2021, 30.11.2021, 08.12.2021, 17.12.2021, 22.12.2021, 23.12.2021, 31.12.2021, 07.01.2022, 21.01.2022, 24.01.2022, 01.02.2022, 16.02.2022, 18.02.2022, 21.02.2022 & 25.02.2022 को 32 (बत्तीस) बैठकें की, जिसमें सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार रही :

क्रमांक	नाम	स्थिति	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थिति
1	श्री पी. के. सिन्हा	अध्यक्ष	24	24
2	श्र ओ.पी. सिंह	सदस्य	32	32
3	श्री के. आर. वासुदेवन	सदस्य	32	32
4	श्री बबन सिंह	सदस्य	20	20
5	श्री केशव राव	सदस्य	32	32
6	श्री एस.के.पाल	सदस्य	08	08

viii) निदेशकों की अधिकार प्राप्त समिति:-

20(2019-20) दिनांक 02/12/2019 सीआईएल द्वारा जारी संशोधित डीओपी के अनुपालन में एमसीएल बोर्ड ने परिपत्र संकल्प संख्या के माध्यम से निदेशकों की अधिकार प्राप्त समिति (ईसीडी) का गठन किया है।

कार्य क्षेत्र :

जैसा कि सीआईएल द्वारा परिचालित संशोधित डीओपी में परिभाषित किया गया है।

उप-समितियों की संरचना और बैठक का विवरण:

समिति की वर्ष के दौरान दिनांक 29.05.2021 और 29.11.2021 को 02 (दो) बैठकें हुई, जिसमें सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार थी:

क्रमांक	नाम	स्थिति	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थिति
1	श्री पी. के. सिन्हा	अध्यक्ष	2	2
2	श्री एम.नागार्जुन	सदस्य	2	2
3	श्री एस.एन. तिवारी	सदस्य	2	2
4	श्री के. आर. वासुदेवन	सदस्य	2	2
5	श्री एस.मोहन	सदस्य	2	2
6	श्री एम.नागार्जुन	सदस्य	2	2

सांविधिक लेखा परीक्षक -

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139 के तहत, निम्नलिखित लेखापरीक्षा फर्मों को वर्ष 2021-22 के लिए सांविधिक/शाखा लेखापरीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया।

सांविधिक लेखा परीक्षक :

1. मेसर्स पम्स & एसोसिएट्स.,

(पहली तिमाही के लिए)

सनदी लेखाकार,

प्लॉट नं-506A, पिछे बाया बाबा मठ, इकाई IX, भूबनेश्वर-751022, ओडिशा

2. मेसर्स लालदाश एंड कं.

(दूसरी, तीसरी और वार्षिक तिमाही के लिए)

सनदी लेखाकार

केयर ऑफ - पी.के. प्रधान, नजदीक वरूण रेजिडेंसी, प्रधानपारा, बुद्धराज, संबलपुर -768004, ओडिशा

शाखा लेखा परीक्षक:

1. मेसर्स पम्स & एसोसिएट्स

(पहली तिमाही के लिए)

सनदी लेखाकार,

प्लॉट नं-506A, पिछे बाया बाबा मठ, इकाई IX, भूबनेश्वर-751022, ओडिशा

2. मेसर्स बी.एन. मिश्रा एंड कंपनी

(दूसरी, तीसरी और वार्षिक तिमाही के लिए)

सनदी लेखाकार

एस-29, मैत्री विहार, फेज-II

टेक महिन्द्रा के सामने,

भूबनेश्वर-751023, ओडिशा

परीक्षा का प्रकार	पारिश्रमिक (रु.)	टिप्पणी
वर्ष 2021-22 के लिए सांविधिक लेखापरीक्षा	रु. 42,41,313.00 (जीएसटी सहित) (प्रधान लेखा परीक्षक को 27,16,765.00 रुपये और शाखा लेखा परीक्षक को 15,24,548.00 रुपये)	वास्तविक खर्च की प्रतिपूर्ति/भुगतान वास्तविक रूप से लेखा परीक्षा शुल्क के 50% तक सीमित है। (प्रधान लेखा परीक्षक के लेखा परीक्षा शुल्क में एमसीएल के चार अनुषंगियों के साथ खातों के समेकन की समीक्षा के लिए शुल्क शामिल है।)
कॉर्पोरेट शासन की शर्तों का अनुपालन	रु.30,000.00	सभी समावेशी

शेयरधारकों की सामान्य बैठक :

पिछले 03 वर्षों के दौरान आयोजित शेयरधारकों की सामान्य बैठक का विवरण निम्नानुसार है :

वार्षिक सामान्य बैठकें

वर्ष	दिनांक	समय	स्थान	विशेष संकल्प, यदि कोई हो
2019-20	11.07.2019	प्रातः 10.30बजे	महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड जागृति विहार, बुर्ला, सम्बलपुर	दो
2020-21	19.08.2020	प्रातः 10.30 बजे	महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड जागृति विहार, बुर्ला, सम्बलपुर	निल
2021-22	13.08.2021	प्रातः 10:30 बजे	महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड जागृति विहार, बुर्ला, सम्बलपुर	निल

विशेष सामान्य बैठक : पिछली ईजीएम 21.03.2018 को आयोजित की गई थी और पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कोई ईजीएम आयोजित नहीं की गई है।

वर्ष	दिनांक	समय	स्थान	विशेष संकल्प, यदि कोई हो
2019-20	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2020-21	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2021-22	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

एमसीएल बोर्ड के सदस्यों एवं वरिष्ठ प्रबंधन कर्मिकों हेतु व्यापार आचरण एवं आचार संहिता।

कंपनी के निदेशक मंडल ने 29 मार्च, 2008 को कोलकाता में आयोजित 94 वीं बैठक में निदेशकों एवं वरिष्ठ प्रबंधन कर्मिकों के लिए एक आचार संहिता को अपनाया है जिसे कंपनी की वेबसाइट www.mahanadicoal.in पर भी पोस्ट किया गया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण (आईएफसी) पर रिपोर्ट :

एमसीएल के सभी आंतरिक लेखापरीक्षकों ने एमसीएल की प्रचलित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। सभी लेखा परीक्षकों का मत है कि एमसीएल ने सभी भौतिक मामलों में, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण (परिचालन नियंत्रण सहित) निर्धारित किए हैं तथा ऐसे नियंत्रण पर्याप्त हैं और वर्ष 2020-22 के दौरान प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं।

जोखिम प्रबंधन :

प्रभावी जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया हेतु कंपनी के विभिन्न कार्यक्षेत्रों में जोखिम की पहचान, आंकलन एवं नियंत्रण को महत्व देते हुए पारंपरिक, आंतरिक एवं बाह्य जोखिम पर आवश्यक नियंत्रण हेतु नियमित उपाय किये जाते हैं। भूमि अधिग्रहण, वन मंजूरी, भूमि विस्थापितों की समस्याएं कुछ ऐसे महत्वपूर्ण कारक हैं जिन पर प्रबंधन द्वारा लगातार नजर रखी जाती है। कंपनी के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक कारकों जैसे मशीनरी, सुरक्षा, औद्योगिक संबंधों आदि के निवारक रखरखाव को भी उचित महत्व दिया जाता है। एमसीएल में जोखिम प्रबंधन तंत्र के कामकाज की समीक्षा के लिए वर्ष 2011-12 में शीर्ष स्तर पर बोर्ड की एक अलग उप-समिति का गठन किया गया। इसके अलावा, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एन) की आवश्यकताओं के प्रावधानों के अनुपालन के लिए, उक्त समिति को दिनांक 09.02.2016 को एमसीएल बोर्ड द्वारा "जोखिम प्रबंधन समिति" (आरएमसी) के रूप में नामित किया गया है। एमसीएल में जोखिम प्रबंधन से संबंधित मामलों के समन्वय और अनुपालन के लिए महाप्रबंधक (एस एंड आर), एमसीएल को मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ), एमसीएल के आरएमसी प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए नामित किया गया है।

व्हिसल ब्लोअर नीति :

एक सरकारी कंपनी होने के नाते, नियंत्रक व महालेखापरीक्षक, सतर्कता, सीबीआई आदि द्वारा लेखापरीक्षा हेतु कंपनी की गतिविधियाँ खुली हैं। सीआईएल की नीति के अनुरूप एक नीति बनाई गई है जिसका पालन किया जाता है।

लेखांकन कार्य :

वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत लागू अनिवार्य लेखांकन मानकों और प्रासंगिक आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किए जाते हैं।

संचार-साधन :

कंपनी के परिचालन और वित्तीय कार्य निष्पादन को प्रमुख अंग्रेजी समाचार पत्रों और स्थानीय दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाता है। उपरोक्त के अलावा, वित्तीय परिणाम कंपनी की वेबसाइट में दर्शाये जाते हैं।

लेखा परीक्षा योग्यताएं :

कंपनी का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि वह अयोग्य वित्तीय विवरणों को प्रस्तुत करें। 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के लेखा पर वैधानिक लेखापरीक्षकों की टिप्पणियों पर प्रबंधन का जवाब निदेशकों के रिपोर्ट के अनुलग्नक के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं। 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 के प्रावधानों के तहत एमसीएल के लेखा पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ भी संलग्न हैं।

बोर्ड के सदस्यों का प्रशिक्षण :

कार्यकारी निदेशक, अपने संबंधित कार्यात्मक क्षेत्रों में अपेक्षित विशेषज्ञता और अनुभव रखने के कारण, कंपनी के व्यवसाय मॉडल के साथ-साथ कंपनी के व्यवसाय के जोखिम प्रोफाइल से अवगत होते हैं। अंशकालिक निदेशक कंपनी के व्यवसाय मॉडल से पूरी तरह अवगत हैं। हालांकि, कॉर्पोरेट शासन अभ्यास से बेहतर ढंग से परिचित कराने के उद्देश्य से, स्वतंत्र निदेशकों को शीर्ष संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए नामित किया जाता है। कॉर्पोरेट शासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप निदेशकों के लिए एक उपयुक्त प्रशिक्षण नीति भी लागू की गई है।

डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार कॉर्पोरेट शासन का अनुपालन

आपकी कंपनी ने डीपीई द्वारा दिनांक 28.06.2011 को जारी कार्यालय ज्ञापन संख्या डीपीई/14(38)/10-वित्त के अनुसार दिशानिर्देशों को लागू किया है और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुपालन के लिए उसे सीईओ द्वारा एक प्रमाणपत्र दिया गया है।

आपकी कंपनी ने वर्ष 2021-22 के लिए कॉर्पोरेट शासन में 92% का वार्षिक अंक हासिल किया है, जो 'उत्कृष्ट' ग्रेडिंग है।

**महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट**

क. उद्योग संरचना और विकास:

कोयला - ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत :

कोयला ऊर्जा का प्रमुख, स्थायी और विश्वसनीय स्रोत है। वैश्विक रूप से, वर्ष 1950 के बाद से वाणिज्यिक ऊर्जा के लिए कोयले का उपयोग कम होता जा रहा है, इसका मुख्य कारण है पर्यावरणीय संबंधी मुद्दे और सस्ते तेल और गैस की उपलब्धता। हालाँकि, भारत में परिदृश्य बिल्कुल अलग है, यहां देश के भीतर सीमित तेल के भंडार के साथ कोयला प्रचुर मात्रा में होने एवं आसानी उपलब्ध होने के कारण बिजली उत्पादन में प्रमुख भूमिका निभाता है।

कोयला भंडार :

हमारे देश में जीवाश्म संसाधनों का 97% कोयला मौजूद है। दिनांक. 01.04.2021 तक राष्ट्रीय कोयला इन्वेंटरी ने 326.495 बिलियन टन (बीटी) ठोस कोयला संसाधनों को 1200 मीटर की गहराई तक 68 अलग-अलग कोलफील्ड्स में रखा है, विवरण निम्नानुसार हैं:

क्र.	राज्य	कोलफील्ड्स की संख्या	कोयला भंडार (बि.टन)	भारत का %
1	झारखंड	12	86.217	24.60
2	ओड़िशा	2	84.878	24.22
3	छत्तीसगढ़	13	73.424	20.95
4	पश्चिम बंगाल	4	33.092	9.44
5	मध्यप्रदेश	8	30.217	8.62
6	तेलंगाना	1	22.851	6.52
7	महाराष्ट्र	5	12.936	3.69
8	पूर्वोत्तर राज्य	20	1.738	0.50
9	आंध्रप्रदेश	1	2.247	0.64
10	उत्तरप्रदेश	1	1.062	0.30
11	बिहार	1	3.464	0.99
कुल		68	350.50	100

झारखंड के बाद कोयले के आरक्षित भंडार में ओड़िशा भारत में दूसरे स्थान पर है। 1 अप्रैल, 2021 तक ओड़िशा का कुल कोयला भंडार 84.878 बिलियन टन होने का अनुमान है, जो कुल राष्ट्रीय कोयला भंडार का 24.22% है। ओड़िशा के दो कोयला क्षेत्र अर्थात तालचेर और ईब-वैली कोलफील्ड्स एमसीएल के नियंत्रण क्षेत्र के अंतर्गत हैं;

तालचेर सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र (52.77 बिलियन टन) है और ईब-वैली भारत का तीसरा सबसे बड़ा (32.102 बिलियन टन) कोयला क्षेत्र है। 84.878 बिलियन टन कोयला भंडार में से 43.326 बिलियन टन (51.05%) मापे गए कोयला भंडार हैं।

ओडिशा के तालचेर और ईब-वैली कोलफील्ड्स विशाल थर्मल ग्रेड नॉन-कोकिंग कोयला के भंडार हैं, जिसमें सबसे अनुकूल संभावनाएं हैं। मौजूदा थर्मल प्लांट्स और दक्षिणी एवं पश्चिमी भारत से कोयले की मांग बढ़ रही है।

कोयला निष्कासन और प्रेषण:

वर्ष 2022-23 के लिए एमसीएल ने 176.0 मिलियन टन के कोयला निष्कासन की योजना बनाई है।

वर्ष 2012- 13 से 2021-22 तक पिछले 10 वर्षों में एमसीएल का क्षेत्रवार वास्तविक कोयला निष्कासन और 2022-23 के लिए अनुमान

क्षेत्र	वर्ष										(आंकड़े मिलियन टन में) (वा : वास्तविक)
	2012-13 (वा)	2013-14 (वा)	2014-15 (वा)	2015-16 (वा)	2016-17 (वा)	2017-18 (वा)	2018-19 (वा)	2019-20 (वा)	2020-21 (वा)	2021-22 (वा)	2022-23 बीई
ऊर्जा	88.16	78.223	87.717	91.173	98.550	99.274	102.527	92.679	98.20	127.22	146.25
सीमेंट	0.348	0.340	0.432	0.24	0.257	0.186	0.221	0.206	0.17	0.09	0.05
उर्वरक	0.060	0.0367	0.024	0.004	0.00	0.052	0.053	0.000	0.00	0.00	0.00
अन्य	23.396	35.742	34.828	48.797	44.204	38.750	39.505	41.131	47.64	48.85	29.7
कुल	111.964	114.342	123.001	140.214	143.011	138.262	142.306	134.016	146.01	176.16	176

एमसीएल की पिछले 10 वर्षों की मोड-वार वास्तविक कोयला आवाजाही और 2022-23 के लिए अनुमान :

कोयला उठाने का माध्यम	वर्ष										(आंकड़े मिलियन टन में)
	2012-13 वास्तविक	2013-14 वास्तविक	2014-15 वास्तविक	2015-16 वास्तविक	2016-17 वास्तविक	2017-18 वास्तविक	2018-19 वास्तविक	2019-20 वास्तविक	2020-21 वास्तविक	2021-22 वास्तविक	2022-23 बीई
रेल	68.727	72.2246	81.260	89.079	90.776	89.442	87.384	76.809	96.25	120.15	139.5
रोड	25.219	24.506	25.152	34.515	38.210	34.816	42.780	43.261	33.39	43.88	25.6
एमजीआर	16.191	15.745	15.166	15.231	12.611	12.588	10.567	12.432	15.15	17.97	10.8
अन्य	1.819	1.866	1.423	1.389	1.410	1.416	1.575	1.514	1.21	0.00	0.00
कुल	111.959	114.342	123.001	140.214	143.007	138.262	142.306	134.016	146.01	182.00	176.00

कोयले की उपलब्धता:

2012- 13 से 2021-22 तक का वास्तविक कोयला उत्पादन और वर्ष 2022-23 के दौरान मौजूदा खदानों, पूर्ण की गई परियोजनाएं एवं एमसीएल में चालू परियोजनाओं का उत्पादन अनुमान नीचे दिया गया है।

परियोजनाएं	वर्ष										
	2012-13 वास्तविक	2013-14 वास्तविक	2014-15 वास्तविक	2015-16 वास्तविक	2016-17 वास्तविक	2017-18 वास्तविक	2018-19 वास्तविक	2019-20 वास्तविक	2020-21 वास्तविक	2021-22 वास्तविक	2022-23 बीई
मौजूदा खदान	0.967	0.778	1.127	0.981	0.8936	0.91	0.764	0.751	0.459	0.440	0.38
पूर्ण परियोजनाएं	67.344	59.988	70.906	76.220	77.5699	68.817	59.381	51.872	55.319	60.560	60.46
चाहू एवं नई परियोजनाएं	39.584	49.674	49.346	60.70	60.7549	73.331	84.006	87.734	92.232	102.00	112.16
कुल	107.895	110.440	121.379	137.901	139.2084	143.058	144.151	140.357	148.01	168.17	176.00

उत्पादकता:

एमसीएल में कोयला उत्पादन और खुली खदान से ओवरबर्डन निष्कासन का कार्य संविदात्मक और विभागीय रूप से किया जाता है। कुछ परियोजनाओं में ओबी निष्कासन को बाहरी ठेका देकर भी किया गया है। एमसीएल की ओएमएस स्थिति इस प्रकार है:

	2012-13 (वा)	2013-14 (वा)	2014-15 (वा)	2015-16 (वा)	2016-17 (वा)	2017-18 (वा)	2018-19 (वा)	2019-20 (वा)	2020-21 (वा)	2021-22 अस्थायी	2022-23 बीई
भूमिगत खदान	0.97	0.84	0.77	0.67	0.65	0.74	0.73	0.86	0.60	0.56	0.57
खुली खदान	21.34	22.16	22.11	24.24	25.72	31.52	29.45	26.71	32.22	37.49	36.37
कुल	16.07	16.69	17.10	18.88	20.08	24.22	23.71	22.67	27.05	30.90	31.40

(वा: वास्तविक)

स्वॉट विश्लेषण

बल:

- सीआईएल की अनुषंगी कंपनियों के मध्य दूसरे सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी।
- कोयला उत्पादन, उत्पादकता और राजस्व के मामले में वृद्धि का मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड।
- अच्छी कार्य प्रणाली- कुशल, अनुभवी और समर्पित कार्य बल।
- अन्वेषण और खनन योजना की प्रबल क्षमता।
- ओडिशा राज्य में कोयला खनन क्षेत्र में खनन संचालन और देश में प्रमुख उपभोक्ताओं की सेवा।

कमजोरी:

- भूमिगत संचालन से नुकसान।
- कोयला की निकासी बड़े पैमाने पर बाहरी एजेंसियों पर निर्भर करती है और बढ़ते कोयला क्षेत्रों में निकासी सुविधाओं की कमी है।
- उपलब्ध संसाधनों में निम्न स्तर के कोयले का प्रभुत्व।

अवसर:

- विद्युत उत्पादन के लिए विशेष रूप से देश में कोयले की भारी मांग।
- एमसीएल में कोयला खनन की बड़ी भारी संभावना।
- उत्तरी भारत में स्थित विद्युत संयंत्र भी एमसीएल से जुड़े हुए हैं।
- एक स्वस्थ विपणन रणनीति तैयार करने के लिए और उपभोक्ताओं, रेलवे और वाहकों के साथ दीर्घकालिक समझौता तैयार करने के लिए।
- एफएमसी की स्थापना के लिए
- सत्ता में विविधीकरण
- तरल (तेल) के लिए कोयला गैसीकरण और कोयले के लिए संयुक्त उपक्रम।

चुनौती :

- खुली खदान में कोयला खनन के लिए अधिक भूमि की आवश्यकता।
- भूमि अधिग्रहण और फलस्वरूप सामाजिक विस्थापन।
- पुनर्वास और पुनःस्थापना मुद्दे।
- पर्यावरण प्रदूषण के लिए खुली खदान खनन की विशिष्टता।
- कोयला परिवहन में रेलवे की अपर्याप्तता।
- अधिकांश उपभोक्ता कोयला क्षेत्र से दूर हैं अर्थात् रेल भाड़े में वृद्धि का मतलब है उपभोक्ताओं के लिए उच्च भूमि लागत।
- तटीय आधारित ताप विद्युत संयंत्र के पास आयातित कोयले का इस्तेमाल करने हेतु विकल्प हैं।
- कैप्टिव माइनिंग/वाणिज्यिक - बाजार में कोयले की बिक्री के लिए राज्य सरकार की कंपनियों, कुछ केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को ब्लॉक का आवंटन।

क. कार्य निष्पादन:

मुख्य रिपोर्ट में सम्मिलित किया गया है।

ख. दृष्टिकोण

सदस्यों को ज्ञात है कि वर्तमान में, एमसीएल में 83.78 मिलियन टन की क्षमता के साथ 39 पूर्ण परियोजनाएँ हैं (समाप्त खानों की क्षमता सहित), जिसमें से 1.95 मिलियन टन की क्षमता वाली 03 परियोजनाएँ XI योजना अवधि के दौरान समाप्त हो गई हैं। कार्यान्वयन के तहत (मार्च 2022 तक) 226.83 मिलियन टन की क्षमता के साथ 13 चालू परियोजनाएँ हैं। 2021-22 के दौरान इन चालू परियोजनाओं से 107.237 मिलियन टन का उत्पादन हुआ है।

बसुंधरा क्षेत्र के ईब-वैली कोलफील्ड्स (गोपालपुर ट्रैक्ट के रूप में ज्ञात है) में पर्याप्त क्षमता है, लेकिन एकमात्र अड़चन कोयला निकासी व्यवस्था है। कंपनी ने कोयला परिवहन को बढ़ाने के लिए बसुंधरा क्षेत्र से झारसुगुडा रेलवे स्टेशन तक 52 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन पूरी की है। कंपनी ने बसुंधरा क्षेत्र से कोयला उत्पादन में वृद्धि के साथ निकासी क्षमता स्थापित करने के लिए चार आरएलएस और तीन सिलो के साथ बरपाली बल्ब के साथ उपरोक्त रेल लाइन का दोहरीकरण भी किया है।

इसी तरह, तालचेर कोलफील्ड्स में कलिंग-अनगुल लिंक रेलवे लाइन का निर्माण कार्य चल रहा है। एक बार जब यह खंड पूरा हो जाने पर अनगुल की ओर से खाली रेल रैक का आवागमन होगा और लोडेड रैक को तालचेर की ओर से निकाला जा सकेगा। इससे तालचेर कोलफील्ड्स की रैक आवागमन की क्षमता दोगुनी हो जाएगी, इससे 20 से 25 मिलियन टन कोयला खाली करने की क्षमता बढ़ जायेगी।

ग. जोखिम और चिंता:

- वन और पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करने में देरी।
- पुनर्वास और पुनर्स्थापन की उच्च लागत
- निर्धारित मानदंडों से परे रोजगार की मांग जिसके परिणामस्वरूप लगातार कानून और व्यवस्था की समस्या और खनन और कोयला परिवहन संचालन में बाधा।
- एच.ई.एम.एम. और अन्य विद्युत एवं यान्त्रिकी सामान की खरीद में देरी।

घ. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी आवश्यकता:

मुख्य रिपोर्ट में शामिल।

ङ. परिचालन कार्य निष्पादन के संबंध में वित्तीय निष्पादन पर चर्चा:

मुख्य रिपोर्ट में शामिल।

च. अनेक कार्यरत लोगों के साथ मानव संसाधन/औद्योगिक संबंध में भौतिक विकास:

मुख्य रिपोर्ट में शामिल।

छ. पर्यावरणीय सुरक्षा एवं संरक्षण, तकनीकी संरक्षण, अक्षय ऊर्जा विकास, विदेशी विनिमय संरक्षण।

मुख्य रिपोर्ट में शामिल।

ज. कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

मुख्य रिपोर्ट में शामिल।

**31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के स्टैंडअलोन वित्तीय लेखा पर कंपनी
अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(ख) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ**

कंपनी अधिनियम 2013 के तहत दिए गए वित्तीय प्रतिवेदन की रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी की धारा 139(5) जिसे अनुभाग 129(4) के साथ पढ़ा जाए, के तहत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखा परीक्षक स्वतंत्र लेखा परीक्षा पर आधारित अधिनियम की धारा 143, जिसे अनुभाग 129(4) के साथ पढ़ा जाए के तहत निर्धारित मानक लेखा परीक्षा के अनुसार वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार है। उनके द्वारा 29.06.2022 को संशोधित लेखा परीक्षा में ऐसा करने का उल्लेख किया गया है, जो 13.05.2022 को पूर्व में की गई लेखा परीक्षा का अधिक्रमण करती है। मैंने भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के प्रतिनिधि के रूप में कंपनी अधिनियम की धारा 143(6)(a) के अंतर्गत महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण दिनांक 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरण का अनुपूरक लेखा परीक्षण किया है। यह अनुपूरक लेखा परीक्षण सांविधिक लेखा परीक्षकों के कार्य दस्तावेजों को एक्सेस के बिना स्वतंत्र रूप से किया गया है और प्राथमिक रूप से सांविधिक लेखा परीक्षकों, कंपनी के अधिकारियों एवं लेखा रिकॉर्ड के परीक्षण की जानकारी के लिए सीमित है। अनुपूरक लेखा परीक्षा के दौरान उठाए गए मेरे कुछ लेखा परीक्षा अवलोकनों को प्रभावी बनाने के लिए सांविधिक लेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षा रिपोर्ट को संशोधित किया गया है। इसके अलावा, मैं अधिनियम की धारा 143(6)(बी) के तहत निम्नलिखित महत्वपूर्ण मामलों को उजागर करना चाहता हूँ जो मेरे ध्यान में आए हैं और जो मेरे विचार में वित्तीय विवरण और संबंधित लेखा परीक्षा रिपोर्ट के बेहतर समझ के लिए आवश्यक हैं।

क. वित्तीय स्थिति पर टिप्पणियाँ

तुलन पत्र

गैर चालू देयताएँ

प्रावधान(नोट-21)- रु. 18764.50 करोड़

चालू देयताएँ

प्रावधान(नोट-21)- रु. 445.21 करोड़

राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता (एनसीडब्ल्यूए) को अंतिम रूप देने के बाद प्रत्येक 5 वर्ष में एमसीएल और सीआईएल सहित सभी अनुषंगी कंपनियों के गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के वेतन को अंतिम रूप दिया जाता है। एनसीडब्ल्यूए -IX के अनुसार 1 जुलाई 2021 से वेतन संशोधन देय था। एमसीएल ने लेखा खाता में अपेक्षित वेतन संशोधन का प्रावधान किया था। अपेक्षित वेतन संशोधन के लिए प्रावधान करने के बावजूद, एक्चुअरी ने दायित्व का आकलन उसी धारणा के साथ किया जिस पर पिछले वर्ष 2020-21 में विचार किया गया था और गैर-कार्यकारी के अपेक्षित वेतन संशोधन पर विचार किए बिना वर्ष के लिए बीमांकिक दायित्वों का आकलन किया गया था, जो पहली 01 जुलाई, 2021 से देय था।

उपरोक्त के परिणामस्वरूप वर्ष के अंत में सेवानिवृत्ति हितलाभ और लाभ (राशि की निर्धारित नहीं) के संबंध में प्रावधानों का दोषपूर्ण वर्णन है।

कृते एवं भारत के नियंत्रक एवं

महालेखा परीक्षक की ओर से

हस्ता./-

(मौसूमी भट्टाचार्य)

महानिदेशक लेखा परीक्षा (कोल)

कोलकाता

स्थान : कोलकाता

दिनांक : 15 जुलाई , 2022

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों पर प्रबंधन का जवाब

क्र.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां	प्रबंधन का जवाब
1.	<u>वित्तीय स्थिति पर टिप्पणियाँ</u> तुलन पत्र गैर चालू देयताएँ प्रावधान(नोट-21)- रु. 18764.50 करोड़ चालू देयताएँ प्रावधान(नोट-21)- रु. 445.21 करोड़ राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता (एनसीडब्ल्यूए) को अंतिम रूप देने के बाद प्रत्येक 5 वर्ष में एमसीएल और सीआईएल सहित सभी अनुषंगी कंपनियों के गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के वेतन को अंतिम रूप दिया जाता है। एनसीडब्ल्यूए -IX के अनुसार 1 जुलाई 2021 से वेतन संशोधन देय था। एमसीएल ने लेखा खाता में अपेक्षित वेतन संशोधन का प्रावधान किया था। अपेक्षित वेतन संशोधन के लिए प्रावधान करने के बावजूद, एक्चुअरी ने दायित्व का आकलन उसी धारणा के साथ किया जिस पर पिछले वर्ष 2020-21 में विचार किया गया था और गैर-कार्यकारी के अपेक्षित वेतन संशोधन पर विचार किए बिना वर्ष के लिए बीमांकिक दायित्वों का आकलन किया गया था, जो पहली 01 जुलाई, 2021 से देय था। उपरोक्त के परिणामस्वरूप वर्ष के अंत में सेवानिवृत्ति हितलाभ और लाभ (राशि की निर्धारित नहीं) के संबंध में प्रावधानों का दोषपूर्ण वर्णन है।	लेखापरीक्षा का अवलोकन उचित नहीं है क्योंकि बीमांकिक मान्यताओं को भारतीय लेखा मानक 19, कर्मचारी लाभ के प्रासंगिक सिद्धांतों के अनुसार माना गया है। भारतीय लेखा मानक 19 के पैरा 75 से पैरा 98 को ध्यान में रखते हुए, गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के मामले में 6.25% की बीमांकिक मुद्रास्फीति के संबंध में भारतीय लेखा मानक 19 में अपेक्षित कर्मचारियों को लाभ, वार्षिक वेतन वृद्धि, मुद्रास्फीति, पदोन्नति, एनसीडब्ल्यूए समझौतों और अन्य प्रासंगिक कारकों पर विचार करते हुए एक दीर्घकालिक धारणा है। इसलिए गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए एनसीडब्ल्यूए को उनके रोजगार की औपचारिक योजना में पहले से ही 6.25% प्रति वर्ष के वेतन वृद्धि की दीर्घकालिक मान्यताओं में माना जाता है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, पूरक लेखापरीक्षा का अवलोकन मान्य नहीं है क्योंकि यह भारतीय लेखा मानक की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है।

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय लेखा पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 147 (6)(ख) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम 2013 के तहत दिए गए वित्तीय प्रतिवेदन की रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी की धारा 139(5) जिसे अनुभाग 129(4) के साथ पढ़ा जाए, के तहत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखा परीक्षक स्वतंत्र लेखा परीक्षा पर आधारित अधिनियम की धारा 143, जिसे अनुभाग 129(4) के साथ पढ़ा जाए के तहत निर्धारित मानक लेखा परीक्षा के अनुसार वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार है। उनके द्वारा 29.06.2022 को संशोधित लेखा परीक्षा में ऐसा करने का उल्लेख किया गया है, जो 13.05.2022 को पूर्व में की गई लेखा परीक्षा का अधिक्रमण करती है।

मैंने भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के प्रतिनिधि के रूप में कंपनी अधिनियम की धारा 143(6) को जिसे अनुभाग 129(4) के साथ पढ़ा जाए के अंतर्गत महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण दिनांक 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरण का अनुपूरक लेखा परीक्षण किया है। हमने महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के वित्तीय विवरण का अनुपूरक लेखा परीक्षण तैयार किया है लेकिन उसी तिथि पर समाप्त वर्ष के लिए निम्न अनुलग्नक में सूचीबद्ध अनुषंगी कंपनियों के विवरण का अनुपूरक लेखा परीक्षण नहीं किया है। यह अनुपूरक लेखा परीक्षण सांविधिक लेखा परीक्षकों के कार्य दस्तावेजों को एक्सेस के बिना स्वतंत्र रूप से किया गया है और प्राथमिक रूप से सांविधिक लेखा परीक्षकों, कंपनी के अधिकारियों एवं लेखा रिकॉर्ड के परीक्षण की जानकारी के लिए सीमित है। अनुपूरक लेखा परीक्षा के दौरान उठाए गए मेरे कुछ लेखा परीक्षा अवलोकनों को प्रभावी बनाने के लिए सांविधिक लेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षा रिपोर्ट को संशोधित किया गया है।

इसके अलावा, मैं अधिनियम की धारा 143(6)(बी) के साथ पठित धारा 129(4) के तहत निम्नलिखित महत्वपूर्ण मामलों को उजागर करना चाहता हूँ जो मेरे ध्यान में आए हैं और जो मेरे विचार में समेकित वित्तीय विवरण और संबंधित लेखा परीक्षा रिपोर्ट के बेहतर समझ के लिए आवश्यक हैं।

क. वित्तीय स्थिति पर टिप्पणियाँ

तुलन पत्र

गैर चालू देयताएँ

प्रावधान(नोट-21)- रु. 18764.50 करोड़

चालू देयताएँ

प्रावधान(नोट-21)- रु. 445.21 करोड़

राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता (एनसीडब्ल्यूए) को अंतिम रूप देने के बाद प्रत्येक 5 वर्ष में एमसीएल और सीआईएल सहित सभी अनुषंगी कंपनियों के गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के वेतन को अंतिम रूप दिया जाता है। एनसीडब्ल्यूए -IX के अनुसार 1 जुलाई 2021 से वेतन संशोधन देय था। एमसीएल ने लेखा खाता में अपेक्षित वेतन संशोधन का प्रावधान किया था। अपेक्षित वेतन संशोधन के लिए प्रावधान करने के बावजूद, एक्चुअरी ने दायित्व का आकलन उसी धारणा के साथ किया जिस पर पिछले वर्ष 2020-21 में विचार किया गया था और गैर-कार्यकारी के अपेक्षित वेतन संशोधन पर विचार किए बिना वर्ष के लिए बीमांकिक दायित्वों का आकलन किया गया था, जो पहली 01 जुलाई, 2021 से देय था।

उपरोक्त के परिणामस्वरूप वर्ष के अंत में सेवानिवृत्ति हितलाभ और लाभ (राशि की निर्धारित नहीं) के संबंध में प्रावधानों का दोषपूर्ण वर्णन है।

कृते एवं भारत के नियंत्रक एवं

महालेखा परीक्षक की ओर से

हस्ता./-

(मौसमी भट्टाचार्य)

महानिदेशक लेखा परीक्षा (कोल)

कोलकाता

स्थान : कोलकाता

दिनांक : 15 जुलाई 2022

अनुलग्नक

अनुषंगी कंपनी का नाम	वर्ष 2021-22 के लिए अनुपूरक लेखा परीक्षा का विवरण
एमजेएसजे कोल लिमिटेड	गैर समीक्षा प्रमाण पत्र जारी
एमएनएच शक्ति लिमिटेड	गैर समीक्षा प्रमाण पत्र जारी
महानदी कोल रेलवे लिमिटेड	गैर समीक्षा प्रमाण पत्र जारी
महानदी बेसिन पावर लिमिटेड	गैर समीक्षा प्रमाण पत्र जारी

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणी पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों पर प्रबंधन का जवाब

क्र.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ	प्रबंधन का जवाब
1.	<u>वित्तीय स्थिति पर टिप्पणियाँ</u> तुलन पत्र गैर चालू देयताएँ प्रावधान(नोट-21)- रु. 18764.50 करोड़ चालू देयताएँ प्रावधान(नोट-21)- रु. 445.21 करोड़ राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता (एनसीडब्ल्यूए) को अंतिम रूप देने के बाद प्रत्येक 5 वर्ष में एमसीएल और सीआईएल सहित सभी अनुषंगी कंपनियों के गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के वेतन को अंतिम रूप दिया जाता है। एनसीडब्ल्यूए -IX के अनुसार 1 जुलाई 2021 से वेतन संशोधन देय था। एमसीएल ने लेखा खाता में अपेक्षित वेतन संशोधन का प्रावधान किया था। अपेक्षित वेतन संशोधन के लिए प्रावधान करने के बावजूद, एकचुअरी ने दायित्व का आकलन उसी धारणा के साथ किया जिस पर पिछले वर्ष 2020-21 में विचार किया गया था और गैर-कार्यकारी के अपेक्षित वेतन संशोधन पर विचार किए बिना वर्ष के लिए बीमांकिक दायित्वों का आकलन किया गया था, जो पहली 01 जुलाई, 2021 से देय था। उपरोक्त के परिणामस्वरूप वर्ष के अंत में सेवानिवृत्ति हितलाभ और लाभ (राशि की निर्धारित नहीं) के संबंध में प्रावधानों का दोषपूर्ण वर्णन है।	लेखापरीक्षा का अवलोकन उचित नहीं है क्योंकि बीमांकिक मान्यताओं को भारतीय लेखा मानक 19, कर्मचारी लाभ के प्रासंगिक सिद्धांतों के अनुसार माना गया है। भारतीय लेखा मानक 19 के पैरा 75 से पैरा 98 को ध्यान में रखते हुए, गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के मामले में 6.25% की बीमांकिक मुद्रास्फीति के संबंध में भारतीय लेखा मानक 19 में अपेक्षित कर्मचारियों को लाभ, वार्षिक वेतन वृद्धि, मुद्रास्फीति, पदोन्नति, एनसीडब्ल्यूए समझौतों और अन्य प्रासंगिक कारकों पर विचार करते हुए एक दीर्घकालिक धारणा है। इसलिए गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए एनसीडब्ल्यूए को उनके रोजगार की औपचारिक योजना में पहले से ही 6.25% प्रति वर्ष के वेतन वृद्धि की दीर्घकालिक मान्यताओं में माना जाता है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, पूरक लेखापरीक्षा का अवलोकन मान्य नहीं है क्योंकि यह भारतीय लेखा मानक की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है।

संशोधित स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

सेवा में

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के सदस्यगण

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा पर प्रतिवेदन

मत

हमने महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड ("कंपनी") और उसकी सहायक कंपनियों (कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों को एक साथ "समूह" के रूप में संदर्भित) के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के समेकित तुलनपत्र में समेकित लाभ-हानि विवरण (अन्य समेकित आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण और वर्ष के लिए समेकित नकद प्रवाह विवरण एवं महत्वपूर्ण लेखा नीतियों तथा अन्य व्याख्यात्मक जानकारी (यहां "समेकित वित्तीय विवरण" के रूप में संदर्भित) के सारांश सहित वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां शामिल हैं।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के तहत पूर्वोक्त समेकित वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") द्वारा दिये गए आवश्यक जानकारी एवं भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप हैं जिसमें भारतीय लेखांकन मानक ('इंड एस') शामिल हैं, जो अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट प्रासंगिक नियमों के साथ पठित है जो 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी की समेकित स्थिति और समेकित लाभ(अन्य समेकित व्यापक आय सहित वित्तीय प्रदर्शन), इक्विटी में समेकित परिवर्तन और और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए समेकित नकदी प्रवाह के विवरण को सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

मत के आधार

हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखापरीक्षा(एसए) मानकों के अनुसार लेखापरीक्षा किया है। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्वों में वर्णित किया गया है। हम कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके नियमों के प्रावधानों के तहत समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार कंपनी से स्वतंत्र हैं, इन नियमों के तहत, हमने इन आवश्यकताओं और आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारे मत को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

मामले का महत्व :

हम आपका ध्यान निम्नलिखित मामलों की ओर आकर्षित करते हैं:

1. कंपनी ने अधिग्रहीत भूमि की लागत के साथ पूंजीकरण करके रोजगार के बदले वार्षिकी के रूप में मुआवजे के संबंध में लेखांकन पद्धति को संशोधित किया है। वित्तीय विवरण के नोट संख्या-38(एन)का अवलोकन करें।
2. एनटीपीसी, कनिहा ने एमसीएल और एनटीपीसी, कनिहा के बीच फ्लू आपूर्ति समझौते के 8.2 के खंड की दलील देते हुए अगस्त, 2020 से पहले की अवधि के लिए 0-3 कि.मी. की लीड रेंज के हिस्से के लिए परिवहन शुल्क के दावे को विवादित किया है और उक्त मामले को सीआईएल द्वारा एएमआरसीडी के समक्ष विवाद के समाधान के लिए उठाया गया है। कंपनी ने इस तरह के विवादित परिवहन शुल्क के लिए प्रावधान किया था जिसका दावा 0-3 कि.मी. के लिए पहले वर्ष में 62.29 करोड़ रुपये की राशि के लिए किया गया था क्योंकि वसूली की संभावना अनिश्चित है, वर्ष के दौरान पूर्वोक्त राशि के संदिग्ध ऋण के प्रावधान को सीआईएल के सलाह पर वापस ले लिया गया है। हालांकि, एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा विवाद की वापसी को प्रमाणित करने के लिए कोई सहायक दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे।
इस मामले में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मुख्य लेखापरीक्षा मामले

मुख्य लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं, जो हमारे वृत्तिक निर्णय में 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संदर्भ में और उस पर अपनी राय देने के संदर्भ में संबोधित किया गया था और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं।

क्रमांक	मुख्य लेखापरीक्षा मामले	लेखा परीक्षकों की प्रतिक्रिया
1.	भारतीय लेखांकन मानक 115 के अनुसार राजस्व और अन्य संबंधित शेष की मान्यता, माप, प्रस्तुति और प्रकटीकरण की शुद्धता	हमने राजस्व लेखा मानक भारतीय लेखांकन मानक 115 के प्रभाव की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का आकलन किया है। हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में आंतरिक नियंत्रणों की रचना और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और वास्तविक परीक्षण शामिल था जो निम्नानुसार हैं: प्रदर्शन और प्रोद्घवन के आधार पर मान्यता प्राप्त मुआवजे की आय से राजस्व का सत्यापन। पार्टियों के साथ सुलह पर सत्यापन क्योंकि एमसीएल की वार्षिक सुलह की नीति है जिसे लंबित पार्टियों के मामले में पूरा करने की आवश्यकता है।

	प्राप्तियों की मान्यता, मूल्यांकन, प्रस्तुति और प्रकटीकरण की शुद्धता	हमने व्यापार प्राप्त्य शीर्ष के तहत बुक की जाने वाली प्राप्तियों की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का आकलन किया। हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में आंतरिक नियंत्रणों की रचना और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और वास्तविक परीक्षण शामिल था: बिक्री, प्राप्तियों/समायोजन और गैर-प्राप्तियों के लिए बनाए गए प्रावधानों/और बहियों में उनके समायोजन की पहचान/मान्यता। कंपनी की नीति से परे कुछ पार्टियों के मामले में खातों में दिखाये गए शेष राशि सुलह पर निर्भर है।
3.	एसएपी का कार्यान्वयन और कोलनेट से एसएपी में डेटा का स्थानांतरण।	एमसीएल ने 31 मार्च, 2021 को शेष राशि लेकर 01 अप्रैल, 2021 को एसएपी लागू किया था। हमने कोलनेट से एसएपी में शेष राशि के स्थानांतरण के लिए एफआई मॉड्यूल के लिए कंपनी द्वारा किए गए लीगेसी लेखापरीक्षा पर भरोसा किया है।
4.	आकस्मिक देयताएं: कंपनी कई कानूनी, नियामक और कर मामलों के अधीन है, जिसके लिए अंतिम परिणाम की आसानी से भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है और जिसके परिणामस्वरूप संभावित देनदारियां हो सकती हैं। आकस्मिक देनदारियों के संबंध में प्रबंधन के प्रकटीकरण समेकित वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 2.22 के साथ पठित नोट संख्या 38 (2) में प्रस्तुत किए गए हैं। मुकदमों से जुड़े जोखिमों का आकलन जटिल मान्यताओं पर आधारित है। इसके लिए प्रावधान के स्तर को स्थापित करने हेतु निर्णय के उपयोग की आवश्यकता होती है, प्रावधानों और आकस्मिक देनदारियों को उचित रूप से प्रदान नहीं करने पर जोखिम बढ़ जा सकता है या पर्याप्त रूप से खुलासा नहीं किया जा सकता है। तदनुसार, इस मामले को एक प्रमुख लेखापरीक्षा मामला माना जाता है।	मुकदमों और आकस्मिक देनदारियों की पर्याप्त समझ प्राप्त करने के लिए, हमने कंपनी के विधि और वित्त विभागों के साथ विभिन्न चर्चाओं के माध्यम से ऐसे प्रावधानों के लिए प्रबंधन द्वारा कार्यान्वित पहचान की प्रक्रिया पर चर्चा की है। हम कंपनी/इकाई की विधि और वित्त दल द्वारा उपलब्ध कराए गए मुकदमेबाजी मामलों का सारांश पढ़ते हैं। हम पढ़ते हैं कि कंपनी द्वारा मांगी गई बाहरी कानूनी या नियामक सलाह कहां लागू होती है। हमने कंपनी/इकाई के साथ चर्चा की है, विधि और वित्तीय टीम द्वारा कुछ महत्वपूर्ण मामलों को रिपोर्ट में नोट किया गया है ताकि किसी भी देयता की संभावना, परिमाण और लेखांकन से कंपनी के आकलन का निर्धारण किया जा सके। उपरोक्त के आलोक में, हमने आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट की गई राशि की समीक्षा की और समेकित वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण की पर्याप्तता का आकलन करने के लिए अपने वृत्तिक निर्णय का प्रयोग किया है।

वित्तीय विवरणों और उन पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

कंपनी के निदेशक मंडल अन्य जानकारी के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण में शामिल जानकारी, बोर्ड रिपोर्ट सहित अनुबंध की रिपोर्ट, व्यावसायिक उत्तरदायी रिपोर्ट, कॉर्पोरेट प्रशासन और शेयरधारक की जानकारी शामिल है, लेकिन इसमें समेकित वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट शामिल नहीं है। इस लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तारीख के बाद वार्षिक रिपोर्ट हमें उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है।

समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारा उत्तरदायित्व है कि हम अन्य सूचनाओं को पढ़ते हुए इस बात पर विचार करें कि क्या अन्य जानकारी समेकित वित्तीय विवरणों के साथ भौतिक रूप से असंगत है या हमारी लेखापरीक्षा के दौरान प्राप्त जानकारी या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होती है।

जब हम वार्षिक रिपोर्ट में शामिल अन्य जानकारी को पढ़ते हैं, यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इसमें कोई महत्वपूर्ण विवरण गलत है; हमें उस तथ्य को शासन के प्रभारित को रिपोर्ट करने की आवश्यकता है।

समेकित वित्तीय विवरणों के लिए प्रभारित शासन और प्रबंधन का उत्तरदायित्व

कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा समेकित वित्तीय विवरणों को अनुमोदित किया गया है। कंपनी के निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 134(5) में बताए गए मामलों के लिए उत्तरदायी हैं, इन समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में जो वित्तीय स्थिति का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं, कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 (संशोधित) के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट भारतीय लेखांकन मानकों (इंड एस) सहित भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन को दर्शाया गया है।

समूह में शामिल कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड के रखरखाव; संपत्ति की सुरक्षा एवं धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने तथा उनका पता लगाने के लिए उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; निर्णय और अनुमान लगाने जो उचित और विवेकपूर्ण हों; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो कि लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो कि समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक है, जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और भौतिक गलत बयानों से मुक्त रहते हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, के लिए जिम्मेदार हैं।

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में, समूह में शामिल कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल संबंधित संस्थाओं की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार हैं, ताकि वे चालू संस्था के रूप में चल रहे एक लाभकारी कारोबार वाले संस्थान से संबंधित मामलों का खुलासा करने एवं लेखांकन के आधार पर संस्थान का उपयोग करने, जब तक कि संबंधित निदेशक मंडल या तो अपनी संबंधित संस्थाओं को समाप्त करने या संचालन को बंद करने का इरादा नहीं रखते हैं, या ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प नहीं देते हैं।

समूह में शामिल कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल भी समूह की कंपनियों की वित्तीय प्रतिवेदन प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र रूप से समेकित वित्तीय विवरण सामग्री के गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो व लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट जारी करने के लिए हो, जिसमें हमारी राय शामिल है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखापरीक्षा पर मानकों के अनुसार आयोजित लेखापरीक्षा हमेशा मौजूद होने पर महत्वपूर्ण गलत विवरण का पता लगायेगी, इसकी गारंटी नहीं है। गलत विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें महत्वपूर्ण माना जाता है यदि व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, इन समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को उचित रूप से प्रभावित करने की अपेक्षा की जाती है।

एसएसएस के अनुसार एक लेखा परीक्षा के अंश के रूप में, हम व्यवसाय संबंधी निर्णय लेते हैं और पूरे लेखा परीक्षा में व्यवसाय संबंधी संशयात्मकता को बनाए रखते हैं। हम:

- धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण समेकित वित्तीय विवरणों की सामग्री के गलत विवरण की आशंका को पहचानते हैं और उनका आकलन करते हैं, उन आशंकाओं के लिए उत्तरदायी प्रक्रियाओं की रचना और निष्पादन करते हैं और लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करते हैं, जो हमारे मत को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित होते हैं। धोखाधड़ी से उत्पन्न सामग्री के गलत विवरण का पता न लगाने का जोखिम त्रुटि से उत्पन्न से बड़ा होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत प्रस्तुति, या आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना शामिल हो सकती है।
- लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं की रचना करने के लिए लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझ प्राप्त करते हैं, जो परिस्थितियों में उपयुक्त हैं। अधिनियम, 2013 की धारा 143(3)(i) के तहत हम इस बात पर भी अपनी राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियां जो भारत में निगमित की गई हैं, उनके पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और इस तरह के नियंत्रणों की संचालन प्रभावशीलता है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित घोषणाओं की तर्कशीलता का मूल्यांकन करते हैं।
- प्रबंधन की उपयुक्तता और लेखांकन के सतत मुद्दों के उपयोग के आधार पर तथा प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा साक्ष्य के तहत यह निष्कर्ष निकालते हैं कि क्या ऐसी घटनाओं या स्थितियों से संबंधित किसी सामग्री में अनिश्चितता मौजूद है जो कंपनी के सतत मुद्दों की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि किसी सामग्री में अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में समेकित वित्तीय विवरणों में संबंधित खुलासों पर ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है या यदि इस तरह के खुलासे अपर्याप्त हैं, तो हमारे मत को संशोधित करने की आवश्यकता नहीं है। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षक से प्राप्त अद्यतन रिपोर्ट के साक्ष्य पर आधारित हैं। यद्यपि भावी घटनाओं या स्थितियों के कारण कंपनी सतत मुद्दों को बंद कर सकती है।

- घोषणा सहित समेकित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करते हैं कि क्या समेकित वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं जो निष्पक्ष प्रस्तुति देते हैं।
- समेकित वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए समूह के अंतर्गत संस्थाओं की वित्तीय जानकारी के संबंध में पर्याप्त यथोचित लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करते हैं। हम समेकित वित्तीय विवरणों में कंपनी की वित्तीय जानकारी के लेखापरीक्षा के निर्देश, पर्यवेक्षण और प्रदर्शन के लिए उत्तरदायी हैं, जिसके हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं।
- हम उन लोगों के साथ संवाद करते हैं जिनके शासन में हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं, अन्य मामलों के साथ-साथ लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे एवं समय और महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों, जिसमें आंतरिक नियंत्रण में कोई महत्वपूर्ण कमियां शामिल हैं जिन्हें हम अपनी लेखापरीक्षा के दौरान पहचानते हैं।

हम, कंपनी द्वारा नियंत्रित उन लोगों को भी एक विवरण प्रदान करते हैं जिसका हमने स्वतंत्र लेखापरीक्षा के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और उन सभी संबंधों और अन्य मामलों में जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय के साथ संवाद करते हैं, जिन्हें हमारी स्वतंत्रता पर उचित माना जा सकता है।

शासन के प्रभारी लोगों से बातचीत के मामलों से हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण और प्रमुख हैं। हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में कानून या विनियमन मामले के संबंध में सार्वजनिक प्रकटीकरण न होने पर इन मामलों का वर्णन करते हैं या अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में प्रतिकूल परिणामों के कारण किसी मामले की चर्चा नहीं की जानी चाहिए क्योंकि ऐसा करने से सार्वजनिक हित के लाभों के प्रतिकूल परिणाम होने की अपेक्षा होगी।

अन्य मामलें

- हमने निदेशक मंडल द्वारा अपनाए गए वित्तीय विवरणों पर भुवनेश्वर में दिनांक 13.05.2022 (मूल रिपोर्ट) की एक लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी की थी। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(क) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों के अनुसार, हमने उक्त लेखापरीक्षा रिपोर्ट को संशोधित किया है। यह लेखापरीक्षा रिपोर्ट उस मूल रिपोर्ट का स्थान लेती है जिसे उपयुक्त रूप से संशोधित किया गया है ताकि तथ्यों के विस्तृत प्रकटीकरण के संबंध में भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के अवलोकन पर विचार किया जा सके, जैसा कि मामले के महत्व और टंकण त्रुटि के बिंदु (ख) एवं अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट क्रम संख्या-2 एवं कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) के तहत निर्देशों को संख्या-2 में बताया गया है। मूल रिपोर्ट की तारीख के बाद की घटनाओं पर हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रिया केवल इस पैराग्राफ में उल्लिखित मद में किए गए संशोधन तक ही सीमित है।
- 31.03.2021 को समाप्त हुए पिछले वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा, मेसर्स पीएएमएस एंड एसोसिएट द्वारा किए गए हैं जिसमें रिपोर्ट किये गए समेकित वित्तीय विवरणों को शामिल किया गया है, जिसमें उन्होंने अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट दिनांक 22.05.2021 के माध्यम से

एक अपरिवर्तित राय जारी की है, जिसकी रिपोर्ट हमें प्रस्तुत की गई है और हमारे द्वारा समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए उस पर भरोसा किया गया है। इस मामले में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

- iii. हमने चार सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरणों/वित्तीय सूचनाओं का लेखापरीक्षा नहीं किया, जिनके वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी 31 मार्च, 2022 तक 400.33 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति दर्शाती हैं, तथा उस तिथि को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए रुपये 2.47 करोड़ का कुल राजस्व और और रुपये (-) 44.62 करोड़ का शुद्ध नकदी प्रवाह दर्शाया गया है, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों में माना गया है। समेकित वित्तीय विवरणों में समूह के रुपये 0.62 करोड़ रुपये के लाभ का हिस्सा भी शामिल है (31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों में समेकित है) जिनका हमारे द्वारा लेखा परीक्षा नहीं किया गया है। इन वित्तीय विवरणों/वित्तीय सूचनाओं की लेखापरीक्षा अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा की गई है, जिनकी रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत की गई है और जहां तक यह इन अनुषंगी कंपनियों के संबंध में राशियों और घोषणाओं से संबंधित समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय और जहां तक हमारे अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (3) और (11) के संदर्भ में रिपोर्ट, उपरोक्त अनुषंगी कंपनियों से संबंधित रिपोर्ट है, पूरी तरह से अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है।
- iv. तुलन पत्र की तिथि में प्रदर्शित होने वाले शेष के लिए देनदारों/लेनदारों/अग्रिमों से शेष राशि की पुष्टि प्रक्रियाधीन है।
- v. एचईएमएम उपकरणों के जीवंत उपयोग का तकनीकी मूल्यांकन समय-समय पर होल्डिंग कंपनी (कोल इंडिया लिमिटेड) द्वारा किया जाता है।
- vi. कंपनी ने लेखापरीक्षा के तहत वर्ष के लिए कंपनियों की हड़ताल के साथ शेष/लेनदेन की पहचान नहीं की है।
- vii. प्रत्येक वित्तीय वर्ष में बीमांकिक मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार रोजगार के बाद के लाभ और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के लिए देयता का हिसाब लगाया जाता है। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए सेवा कर्मचारियों के लिए आईएलएम तालिका 2006-08 की मृत्यु दर पर विचार किया गया है, लेकिन पिछले वित्तीय वर्ष में आईएलएम तालिका 2012-14 पर विचार किया गया था।
- viii. कंपनी ने 31.03.2022 तक एमएसएमई लेनदारों के लिए रु. 1.55 करोड़ की बकाया राशि की पहचान की है।
- ix. कंपनी के पास 102.36 एकड़ फ्रीहोल्ड भूमि है और उसका अधिकार-अभिलेख(रिकॉर्ड ऑफ राइट्स)कंपनी के नाम पर है, लेकिन कहा गया है कि संपत्ति कंपनी के खाते की बहीयों में उपलब्ध नहीं है, जिसके लिए सुलह की प्रक्रिया चल रही है।
- x. जैसाकि हमें बताया गया है, कंपनी रेल कॉरिडोर के निर्माण के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को किये गए भुगतान के लिए रिवर्स चार्ज तंत्र पर जीएसटी की प्रयोज्यता पर और रेलवे साइडिंग के रखरखाव, सड़क निर्माण के लिए सीपीडब्ल्यूडी को भुगतान, वृक्षारोपण के लिए वन विभाग को भुगतान और एमसीआरएल को भूमि पर निर्मित अधिरचना के हस्तांतरण पर जीएसटी सहित अग्रिम लागत पर राय मांग रही है।
- xi. कंपनी ने अपनी अचल संपत्तियों (कुछ संपत्तियों जैसे एचईएमएम और सड़क पर चलने वाले वाहनों को छोड़कर), आग, चोरी और संबद्ध गतिविधियों के लिए कोयले के भंडार और स्पेयर और क्लोजिंग

स्टॉक जैसी परिसंपत्तियों पर कोई बीमा कवरेज नहीं लिया है। हालांकि, कंपनी ने बीमा के लिए नीति तैयार करने के लिए होल्डिंग कंपनी से अनुरोध करने के कदम उठाए हैं और साथ ही मामले को अंतिम रूप देने के लिए इसे सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी के साथ उठाया है।

- xii. जैसाकि हमें बताया गया है कि एसएपी सॉफ्टवेयर पर किए गए खर्च को विकास के तहत अमूर्त संपत्ति के तहत बुक किया गया है क्योंकि एसएपी के तहत सभी मॉड्यूल पूरी तरह से स्थिर नहीं हैं और मॉड्यूल के अनुसार लागत की अनुपलब्धता है। हालांकि खातों की बही एसएपी में रखी गई है और एसएपी का परिशोधन अभी तक शुरू नहीं हुआ है।
- xiii. जीएसटी पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर के पास की शेष राशि और 31.03.2022 को खातों की बहीयों में दर्शायी गई राशि का मिलान किया जाना बाकी है।

2. हमने भरोसा किया है:

- क. प्रबंधन द्वारा एडवांस स्ट्रिपिंग, कोल एक्सपोज्ड, औसत/मानक अनुपात, चालू अनुपात, अनुपात विचरण आदि में तकनीकी डाटा प्रस्तुत किया जाता है। ओवरबर्डन लेखांकन के मामले में विचरण मानक अनुपात और ओबीआर लागत के वर्तमान अनुपात का समायोजन शामिल है।
- ख. खदान बंद करने की योजना सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) द्वारा तैयार की गई है और खदान बंद करने के खर्च के लिए प्रावधान करने के उद्देश्य से कंपनी के प्रबंधन द्वारा अनुमोदित है।

अन्य वैधानिक और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

- 1. जैसाकि अधिनियम की धारा 143 (3) द्वारा आवश्यक है, हम अपने लेखापरीक्षा के आधार पर विस्तार से रिपोर्ट करते हैं,:
- क. हमने उन सभी सूचनाओं और स्पष्टीकरणों को मांगा है और प्राप्त किया है जो हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए सर्वोत्तम है, जैसाकि वित्तीय विवरणों के हमारे लेखा परीक्षा प्रयोजनों के लिए आवश्यक था।
- ख. हमारी राय में, उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने के संबंध में कानून द्वारा अपेक्षित उचित लेखा बहियां कंपनी द्वारा रखी गई हैं, जहां तक उन बहीयों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।
- ग. समेकित तुलन पत्र, अन्य व्यापक आय सहित लाभ और हानि का समेकित विवरण, इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण और इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए कैश फ्लो का समेकित विवरण तैयार करने के उद्देश्य से बनाए गए खातों की प्रासंगिक बहीयों के साथ अनुबंध के अनुरूप है।
- घ. हमारी राय में उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानकों (इंड एस) का अनुपालन करते हैं, जो इसके तहत जारी प्रासंगिक नियमों के साथ पढ़े जाते हैं।
- ड. लेखा परीक्षकों की टिप्पणी का कंपनी के कामकाज पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।
- च. अधिनियम की धारा 164(2) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं क्योंकि कंपनी एक सरकारी कंपनी है जैसा कि अधिनियम की धारा 2(45) के तहत परिभाषित किया गया है।

- छ. कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में, **अनुबंध-1** में हमारी अलग रिपोर्ट देखें।
- ज. कंपनी(लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 (संशोधित) के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार हम :
- समेकित वित्तीय विवरण अपने नोट्स-38(2) में समूह की समेकित वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का खुलासा करते हैं।
 - समेकित वित्तीय विवरणों में प्रावधान किया गया है, जैसा कि लागू कानून या लेखा मानक के तहत आवश्यक है, व्युत्पन्न अनुबंधों सहित दीर्घकालिक अनुबंधों पर भौतिक नुकसान, यदि कोई हो, के लिए;
 - कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 17.37 करोड़ रुपये के पुराने दावा रहित ईएमडी, एसडी, ग्राहक से अग्रिम आदि को वापस लिखा था, जो कंपनी (जमा की स्वीकृति) नियम, 2014 के तहत परिपक्व जमा की परिभाषा के अंतर्गत आता है, जैसाकि उक्त नियमों के पैरा 2 (ग)(xi)(ग) के तहत निर्दिष्ट के अनुसार है या व्यवसाय के उद्देश्य के लिए अब नहीं है। उक्त राशि अभी तक कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 125(2) के तहत आवश्यक निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में स्थानांतरित नहीं की गई है। कंपनी इस पर विशेषज्ञ की राय ले रही है।
- iv.
- अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार कंपनी और उसकी सहायक कंपनी के संबंधित प्रबंधन ने प्रतिनिधित्व किया है कि कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा कोई भी फंड (जो व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से महत्वपूर्ण है) को अग्रिम या उधार या निवेश (या तो उधार ली गई निधि से या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या किसी प्रकार की निधि से) नहीं किया गया है या विदेशी संस्था ("मध्यस्थ") सहित किसी अन्य व्यक्ति या संस्था में, इस समझ के साथ कि चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में उधार या निवेश किये गये हो, कंपनी या उसकी किसी सहायक कंपनी ("अंतिम लाभार्थी") द्वारा या उसकी ओर से या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की कोई गारंटी प्रदान करते हों;
 - अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार कंपनी और उसकी सहायक कंपनी के संबंधित प्रबंधन ने प्रतिनिधित्व किया है कि कंपनी द्वारा विदेशी संस्था("फंडिंग पार्टियां") सहित किसी भी व्यक्ति या संस्था से कोई धन (जो व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से महत्वपूर्ण है) प्राप्त नहीं किया गया है। इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि कंपनी या उसकी कोई सहायक कंपनी, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में उधार या निवेश करेगी या फंडिंग पार्टी ("अंतिम लाभार्थी") द्वारा या उसकी ओर से या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगी;
 - लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर जिन्हें अवस्थाओं में उचित और उपयुक्त माना गया है, हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें यह विश्वास हो कि ऊपर (1) और (2) के तहत

प्रदान किए गए नियम 11 (ई) के उप-खंड (i) और (ii) के तहत अभ्यावेदन में कोई महत्वपूर्ण गलत विवरण है।

v. जैसाकि वित्तीय विवरण के नोट संख्या-17 में कहा गया है:

क. पिछले वर्ष में प्रस्तावित अंतिम लाभांश, वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा घोषित और भुगतान किया गया, अधिनियम की धारा 123 के अनुसार लागू है।

ख. वर्ष के दौरान और इस रिपोर्ट की तिथि तक कंपनी द्वारा घोषित और भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुपालन में है।

ग. कंपनी के निदेशक मंडल ने वर्ष के लिए अंतिम लाभांश का प्रस्ताव दिया है जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। प्रस्तावित लाभांश की राशि अधिनियम की धारा 123 के अनुसार लागू है।

2. अधिनियम की धारा 143(11) के संदर्भ में केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखापरीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश"/"सीएआरओ") के पैराग्राफ 3(XI) और 4 में निर्दिष्ट मामलों के संबंध में, हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के लिए हमारे द्वारा जारी सीएआरओ रिपोर्ट के आधार पर और कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल इसकी सहायक कंपनियों के लिए अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा जारी की गई लेखापरीक्षक की रिपोर्ट को शामिल किया जाना है। सीएआरओ के तहत कौन सी प्रतिवेदन लागू है, हम रिपोर्ट करते हैं कि इन सीएआरओ रिपोर्ट में सहायक कंपनियों एमसीआरएल और एमबीपीएल द्वारा किए गए नकद नुकसान को छोड़कर कोई योग्यता या प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है, जो आदेश के खंड (Xii) के तहत रिपोर्ट की गई है।

3. जैसा कि अधिनियम की धारा 143(5) द्वारा अपेक्षित है, हमने अनुबंध-2 और 2क में कंपनी के संबंध में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों और अतिरिक्त निर्देशों में निर्दिष्ट मामलों पर एक विवरण दिया है।

कृते लालदाश एंड कंपनी

सनदी लेखाकर

एफआरएन 311147ई

ह/-

सी.ए.एस. एस. ब्रह्मा,

साझेदार

हस्ताक्षर का स्थान: कोलकाता

दिनांक: 29.06.2022

सदस्यता सं- 066706

यूडीआईएन: 22066706ALWMBP9367

स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक 1

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (कंपनी) के समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संयोजन के साथ, हमने एमसीएल लिमिटेड (इसके बाद "कंपनी" के रूप में संदर्भित) और इसकी सहायक कंपनियों की वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का लेखापरीक्षा किया है।

मत

हमारी राय में, कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों के पास सभी भौतिक मामलों में, वित्तीय प्रतिवेदन पर एक पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय प्रतिवेदन पर इस तरह के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च, 2022 तक प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो "भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए संबंधित कंपनियों द्वारा स्थापित वित्तीय प्रतिवेदन मानदंड के आंतरिक नियंत्रण" पर आधारित थे।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के प्रति प्रबंधन का उत्तरदायित्व:-

भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की स्थिति के आवश्यक घटक को ध्यान में रखते हुए कंपनी द्वारा वित्तीय प्रतिवेदन मानदंड पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को बनाए रखने और स्थापित करने, धारक कंपनी एवं इसके अनुषंगियों के संबंधित निदेशक प्रभाग की जिम्मेदारी है। इन जिम्मेदारियों में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत डिजाइन, कंपनी नीतियों के पालन सहित पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का रख-रखाव और कार्यान्वयन, व्यापार के व्यवस्थित और अनुकूल संचालन सुनिश्चित करना, अपनी संपत्ति की सुरक्षा, आशंका और त्रुटियों का पता लगाना और उसकी रोकथाम और लेखापरीक्षा अभिलेखों की पूर्णता और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी के समय पर समयबद्ध प्रस्तुतीकरण शामिल है।

लेखा परीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व है कि हम लेखा परीक्षा के आधार पर कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों के इन वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर अपना मत व्यक्त करें। हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-143(10) के तहत निर्दिष्ट एवं आई.सी.ए.आई द्वारा जारी किये गये लेखापरीक्षा मानकों और लेखापरीक्षा के वित्तीय प्रतिवेदन (मार्गदर्शन नोट) पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर मार्गदर्शकीय नोट के अनुसार, लेखापरीक्षा किया है, दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षा पर लागू होते हैं और दोनों भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए जाते हैं। उन मानकों और मार्गदर्शन नोट के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना बनाएं और लेखापरीक्षा करें कि जो वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्राप्त हुए वह अनुरक्षित एवं स्थापित हैं एवं वे प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं।

हमारे लेखा परीक्षा में वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और उनकी परिचालन प्रभावशीलता के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, मौजूदा सामग्री की कमजोरी से होने वाली जोखिम का आकलन करना और मूल्यांकन किए गए जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के बनावट और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल है।

हम मानते हैं कि हमने वित्तीय प्रतिवेदन पर कंपनी और उसकी सहायक कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर अपनी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं।

वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का प्रयोजन

वित्तीय प्रतिवेदन पर कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय प्रतिवेदन की विश्वसनीयता और बाहरी उद्देश्यों के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए रूपांकित किया गया है। वित्तीय प्रतिवेदन पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं जो

- (1) अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित है, जो उचित विवरण में, कंपनी की संपत्ति के लेनदेन और निपटान को सटीक और निष्पक्ष रूप से दर्शाते हैं;
- (2) उचित आश्वासन देना कि आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने की अनुमति देने के लिए लेनदेन को आवश्यक रूप से दर्ज किया गया है और कंपनी की प्राप्ति और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन के प्राधिकरण के अनुसार किए जा रहे हैं; और
- (3) कंपनी की संपत्ति के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगाने के संबंध में उचित आश्वासन देना, जिसका वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकता है।

वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएं

वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, नियंत्रण की अभिसंधि या नियंत्रणों के अनुचित प्रबंधन ओवरराइड की संभावना सहित, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण सामग्रियों में गलतियाँ हो सकती हैं और इनका पता नहीं लगाया जा सकता है। साथ ही भविष्य की अवधि के लिए वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन हैं कि शर्तों में परिवर्तन के कारण वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण अपर्याप्त हो सकता है, या यह कि नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की मात्रा का ह्रास हो सकता है।

कृते लालदाश एंड कंपनी

सनदी लेखाकर

एफआरएन 311147ई

ह/-

सी.ए.एस. एस. ब्रह्मा,

साझेदार

सदस्यता सं- 066706

यूडीआईएन: 22066706ALWMBP9367

हस्ताक्षर का स्थान: कोलकाता

दिनांक: 29.06.2022

विवाद के समाधान के लिए सीआईएल द्वारा उठाया गया है। कंपनी ने पिछले वर्ष 62.29 करोड़ रुपये की वसूली की संभावना के अनिश्चित होने के कारण इस तरह के विवादित परिवहन शुल्क के लिए 0-3 किमी के लिए दावा किए गए राशि के लिए प्रावधान किया था। वर्ष के दौरान सीआईएल की सलाह पर उक्त राशि के संदिग्ध ऋणों के प्रावधान को वापस ले लिया गया है। हालांकि, एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा विवाद की वापसी को प्रमाणित करने के लिए कोई सहायक दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे।

इस मामले के संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले

मुख्य लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णय में, 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संदर्भ में और उन पर अपनी राय बनाने के संदर्भ में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं।

क्रमांक	प्रमुख लेखापरीक्षा मामले	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
1.	भारतीय लेखांकन मानक 115 के अनुसार राजस्व और अन्य संबंधित शेषों की मान्यता, माप, प्रस्तुति और प्रकटीकरण की शुद्धता।	हमने राजस्व लेखा मानक भारतीय लेखांकन मानक 115 के प्रभाव की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का आकलन किया है। हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और वास्तविक परीक्षण शामिल थे, जो इस प्रकार है: (i) प्रोद्भवन के आधार पर मान्यता प्राप्त प्रदर्शन और क्षतिपूर्ति आय से राजस्व का सत्यापन। (ii) पार्टियों के साथ सुलह पर सत्यापन क्योंकि एमसीएल की वार्षिक सुलह की नीति है जिसे लंबित पार्टियों के मामले में पूरा करने की आवश्यकता है।
2.	प्राप्तियों की मान्यता, मूल्यांकन, प्रस्तुति और प्रकटीकरण की शुद्धता	हमने व्यापार प्राप्य शीर्ष के तहत बुक की जाने वाली प्राप्तियों की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का आकलन किया। हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और वास्तविक परीक्षण शामिल था: (i) बिक्री, प्राप्तियों/समायोजन की पहचान/मान्यता और गैर-प्राप्य/के लिए सृजित प्रावधानों और पुस्तकों में उनके समायोजन के लिए बनाए गए प्रावधान। (ii) कंपनी की नीति से परे कुछ पार्टियों के मामले में सुलह के रूप में खातों में दर्शाये गए शेष राशि पर निर्भर है।
3.	एसएपी का कार्यान्वयन और कोलनेट से एसएपी में डेटा का स्थानांतरण।	एमसीएल ने 31 मार्च, 2021 को शेष राशि लेकर 01 अप्रैल, 2021 को एसएपी लागू किया था। हमने कोलनेट से एसएपी में शेष राशि के स्थानांतरण हेतु एफआई मॉड्यूल के लिए कंपनी द्वारा किए गए लीगेसी लेखा परीक्षा पर भरोसा किया है।

4.	आकस्मिक देयताएं: कंपनी कई कानूनी, नियामक और कर मामलों के अधीन है, जिसके लिए अंतिम परिणाम की आसानी से भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है और जिसके परिणामस्वरूप संभावित देनदारियां हो सकती हैं। आकस्मिक देनदारियों के संबंध में प्रबंधन के प्रकटीकरण स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 2.21 के साथ पठित नोट संख्या 38(1) में प्रस्तुत किए गए हैं। मुकदमों से जुड़े जोखिमों का आकलन जटिल मान्यताओं पर आधारित है। इसके लिए प्रावधान के स्तर को स्थापित करने के लिए निर्णय के उपयोग की आवश्यकता होती है, इससे जोखिम बढ़ जाता है कि प्रावधानों और आकस्मिक देनदारियों को उचित रूप से प्रदान नहीं किया जा सकता है या पर्याप्त रूप से खुलासा नहीं किया जा सकता है। तदनुसार, इस मामले को एक प्रमुख लेखापरीक्षा मामला माना जाता है।	मुकदमों और आकस्मिक देनदारियों की पर्याप्त समझ प्राप्त करने के लिए, हमने कंपनी के कानूनी और वित्त विभागों के साथ विभिन्न चर्चाओं के माध्यम से ऐसे प्रावधानों के लिए प्रबंधन द्वारा कार्यान्वित पहचान की प्रक्रिया पर चर्चा की है। हमने कंपनी/इकाई की कानूनी और वित्त टीम द्वारा उपलब्ध कराए गए मुकदमेबाजी मामलों का सारांश पढ़ते हैं। हम कंपनी द्वारा मांगी गई बाहरी कानूनी या नियामक सलाह, जहां लागू हो, पढ़ते हैं। हमने कंपनी/यूनिट की कानूनी और वित्त टीम के साथ रिपोर्ट में नोट किए गए कुछ महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा की, जो कंपनी के किसी भी देयता की संभावना, परिमाण और लेखांकन के आकलन को निर्धारित करने के लिए उत्पन्न हो सकते हैं। उपरोक्त के आलोक में, हमने आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट की गई राशि की समीक्षा की और स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण की पर्याप्तता का आकलन करने के लिए अपने पेशेवर निर्णय का प्रयोग किया।

वित्तीय विवरणों और उस पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

कंपनी के निदेशक मंडल अन्य जानकारी तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण में शामिल जानकारी, बोर्ड की रिपोर्ट के अनुलग्नक सहित बोर्ड की रिपोर्ट, व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट, निगमित प्रशासन और शेयरधारक की जानकारी शामिल है, लेकिन इसमें स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है। इस लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तारीख के बाद वार्षिक रिपोर्ट हमें उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी है कि हम अन्य सूचनाओं को पढ़ें और ऐसा करने में, इस बात पर विचार करें कि क्या अन्य जानकारी स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के साथ भौतिक रूप से असंगत है या हमारे अंकेक्षण के दौरान प्राप्त हमारी जानकारी या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होता है।

जब हम वार्षिक रिपोर्ट में शामिल अन्य जानकारी को पढ़ते हैं, यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इसमें कोई महत्वपूर्ण गलत विवरण है; हमें उस तथ्य की रिपोर्ट उन लोगों को करने की आवश्यकता है जो शासन के साथ आरोपित हैं।

प्रबंधन की जिम्मेदारियां और स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए शासन के साथ आरोपित

संलग्न स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है। कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 134(5) में बताए गए मामलों के लिए जिम्मेदार है, जो इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में है जो कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियमावली, 2015 (संशोधित) के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट भारतीय लेखांकन मानक (इंड एएस) सहित भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन पर सही और उचित दृष्टिकोण देते हैं।

इस जिम्मेदारी में कंपनी की संपत्ति की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने, उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; ऐसे निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हों; और और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक जो एक सही और निष्पक्ष दृश्य देते हैं और सामग्री से मुक्त हैं गलत विवरण, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, का पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल है।

वित्तीय विवरण तैयार करने में, प्रबंधन कंपनी की एक चालू संस्था के रूप में जारी रखने की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार है, उपयुक्तानुसार प्रकटीकरण, गोइंग कंसर्न से संबंधित मामलों और इसके आधार पर लेखांकन का उपयोग करने के लिए जब तक कि प्रबंधन या तो कंपनी को समाप्त करने या संचालन बंद करने का इरादा नहीं रखता है या ऐसा करने का कोई वास्तविक विकल्प न हो।

कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए निदेशक मंडल जिम्मेदार है।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरण समग्र रूप से भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारी राय शामिल है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखापरीक्षा पर मानकों के अनुसार आयोजित एक लेखापरीक्षा हमेशा मौजूद होने पर एक महत्वपूर्ण गलत विवरण का पता लगाएगा। गलत विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें महत्वपूर्ण माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से, इन स्टैंडलोन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की यथोचित अपेक्षा की जा सकती है।

एसएएस के अनुसार लेखापरीक्षा के हिस्से के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे लेखापरीक्षा में पेशेवर संदेह बनाए रखते हैं। यह भी कि :

- स्टैंडलोन वित्तीय विवरण के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों को पहचानें और उनका आकलन करें, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के लिए लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करें, और ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करें जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली सामग्री के गलत विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले एक से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण का ओवरराइड शामिल हो सकता है।
- परिस्थितियों में उपयुक्त लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखापरीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करें। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(3)(i) के तहत, हम इस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और निदेशक मंडल द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरण की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करें।
- लेखांकन के चालू प्रतिष्ठान के आधार पर प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालें और प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य के आधार पर, क्या ऐसी घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है जो कंपनी के एक चालू प्रतिष्ठान के रूप में जारी रखने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि एक भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में स्टैंडलोन वित्तीय विवरणों के परिणामों में संबंधित प्रकटीकरण पर ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है या, अपनी राय को संशोधित करने के लिए ऐसे खुलासे अपर्याप्त हैं। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखापरीक्षा की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य में होने वाली घटनाओं या स्थितियों के कारण कंपनी चालू समुत्थान (गोइंग कंसर्न) के रूप में काम करना बंद कर सकती है।
- प्रकटीकरण सहित स्टैंडलोन वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करें, और क्या स्टैंडलोन वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का इस तरह से प्रतिनिधित्व करते हैं जिससे निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त होती है।
- स्टैंडलोन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए कंपनी की वित्तीय जानकारी के संबंध में पर्याप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करें। हम स्टैंडलोन वित्तीय विवरणों में कंपनी की वित्तीय जानकारी के लेखा परीक्षा के निर्देश, पर्यवेक्षण और प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार हैं, जिसके हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं।
- हम अन्य मामलों के अलावा, लेखा परीक्षा के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों के बारे में शासन के प्रभारी लोगों के साथ संवाद करते हैं, जिसमें आंतरिक नियंत्रण में कोई भी महत्वपूर्ण कमियां शामिल हैं जिन्हें हम अपने लेखा परीक्षा के दौरान पहचानते हैं।

हम शासन के आरोपित लोगों को एक बयान भी प्रदान करते हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है और उन सभी रिश्तों और अन्य मामलों के साथ संवाद करने के लिए और जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय जो हमारी स्वतंत्रता पर उचित रूप से विचार कर सकते हैं।

शासन के प्रभारियों के साथ संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान अवधि के स्टैंडलोन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे और इसलिए प्रमुख लेखापरीक्षा मामले हैं।

हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण को रोकता नहीं है या जब, अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी मामले को संप्रेषित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणामों की उचित रूप से अपेक्षा की जाएगी इस तरह के संचार के सार्वजनिक हित के लाभों से अधिक है।

अन्य मामले:

- i. हमने निदेशक मंडल द्वारा अपनाए गए वित्तीय विवरणों पर भुवनेश्वर में दिनांक 13.05.2022 (मूल रिपोर्ट) की लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी की थी। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(ए) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियों के अनुसार, हमने उक्त लेखापरीक्षा रिपोर्ट को संशोधित किया है। यह लेखापरीक्षा रिपोर्ट उस मूल रिपोर्ट का स्थान लेती है जिसे तथ्यों के विस्तृत प्रकटीकरण के संबंध में भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के अवलोकन पर विचार करने हेतु कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) के तहत बिन्दु संख्या 2 के निर्देशों तथा सीएआरओ, 2020 के खंड (i) (c) एक्स), (vii)(बी) और क्रमांक में टंकण त्रुटि के बिंदु (बी) और मामले पर बल में रिपोर्ट किया गए के अनुसार उपयुक्त रूप से संशोधित किया गया है। मूल रिपोर्ट की तारीख के बाद की घटनाओं पर हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रिया केवल इस पैराग्राफ में उल्लिखित मद में किए गए संशोधन तक ही सीमित है।
- ii. दिनांक 31.03.2021 को समाप्त हुए संगत पिछले वर्ष के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा, मेसर्स पीएएमएस एंड एसोसिएट द्वारा जारी और रिपोर्ट की गई स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में शामिल है, जिन्होंने अपनी ऑडिट रिपोर्ट दिनांक 22.05.2021 के माध्यम से एक संशोधित राय जारी की है, जिसकी रिपोर्ट हमें दी गई है तथा स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे द्वारा भरोसा किया गया है। इस मामले में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।
- iii. हमने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में शामिल नौ शाखाओं/क्षेत्रों के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा नहीं की, जिनके वार्षिक वित्तीय विवरण उस वर्ष को समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च 2022 तक 18,776.32 करोड़ और कुल राजस्व रु. 12,551.10 करोड़ रुपये और कर पूर्व शुद्ध लाभ रु. वर्ष के लिए 5,448.55 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति को दर्शाते हैं, जैसा कि स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में माना गया था। इन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा शाखा लेखापरीक्षकों द्वारा की गई है, जिनकी रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत की गई है और जहां तक इन शाखाओं के संबंध में शामिल राशि और प्रकटीकरण से संबंधित है, हमारी राय पूरी तरह से ऐसे शाखा लेखा परीक्षकों की लेखापरीक्षा रिपोर्ट पर आधारित है। हमारे द्वारा किए गए कार्य और शाखा लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पर हमारी निर्भरता के संबंध में उपरोक्त मामलों के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है।
- iv. तुलन पत्र की तारीख में प्रदर्शित होने वाले शेष के लिए देनदारों/लेनदारों/अग्रिमों से शेष राशि की पुष्टि प्रगति पर है।
- v. एचईएमएम उपकरणों के उपयोगी जीवन पर तकनीकी मूल्यांकन समय-समय पर होल्टिंग कंपनी (कोल इंडिया लिमिटेड) द्वारा किया जाता है।
- vi. कंपनी ने लेखापरीक्षा के तहत वर्ष के लिए कंपनियों की हड़ताल के साथ शेष/लेनदेन की पहचान नहीं की है।

- vii. प्रत्येक वित्तीय वर्ष में वीमांकिक मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार रोजगार के बाद के लाभ और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के लिए देयता का हिसाब लगाया जाता है। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए सेवा कर्मचारियों के लिए IALM तालिका 2006-08 की मृत्यु दर पर विचार किया गया है, लेकिन पिछले वित्तीय वर्ष में IALM तालिका 2012-14 पर विचार किया गया था।
 - viii. कंपनी ने 31.03.2022 तक एमएसएमई लेनदारों के लिए 1.55 करोड़ के बकाया राशि की पहचान की है।
 - ix. कंपनी के पास 102.36 एकड़ फ्रीहोल्ड भूमि है और उसका रिकॉर्ड ऑफ राइट्स (आरओआर) कंपनी के नाम पर है, लेकिन कहा गया है कि संपत्ति कंपनी के खाते की किताबों में उपलब्ध नहीं है, जिसके लिए सुलह की प्रक्रिया चल रही है।
 - x. जैसा कि हमें समझाया गया है, कंपनी रेल कॉरिडोर के निर्माण और रेलवे साइडिंग के रखरखाव, सड़क निर्माण के लिए सीपीडब्ल्यूडी को भुगतान, दक्षिण पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को किए गए भुगतान और एमसीआरएल को भूमि पर निर्मित अधिरचना के हस्तांतरण पर फॉरवर्ड चार्ज पर जीएसटी तथा वृक्षारोपण के लिए वन विभाग को भुगतान के लिए रिवर्स चार्ज तंत्र पर जीएसटी की प्रयोज्यता पर राय मांग रही है।
 - xi. कंपनी ने अपनी अचल संपत्तियों (कुछ संपत्तियों जैसे एचईएमएम और सड़क पर चलने वाले वाहनों को छोड़कर), आग, चोरी और संबद्ध गतिविधियों के लिए कोयले के भंडार और पुर्जे और समाप्त स्टॉक जैसी परिसंपत्तियों पर कोई बीमा कवरेज नहीं लिया है। हालांकि, कंपनी ने बीमा के लिए नीति तैयार करने हेतु होल्डिंग कंपनी से अनुरोध के लिए कदम उठाए हैं और साथ ही इस मामले को अंतिम रूप देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी के साथ लिया गया है।
 - xii. जैसा कि हमें बताया गया है कि एसएपी सॉफ्टवेयर पर किए गए खर्च को विकास के तहत अमूर्त संपत्ति के तहत बुक किया गया है, क्योंकि एसएपी के तहत सभी मॉड्यूल पूरी तरह से स्थिर नहीं हैं और मॉड्यूल वार लागत की अनुपलब्धता है। हालांकि खातों की बही एसएपी में रखी गई है और एसएपी का परिशोधन अभी तक शुरू नहीं हुआ है।
 - xiii. जीएसटी पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर के पास शेष राशि और दिनांक 31.03.2022 को खातों की पुस्तकों में दर्शाए जाने का मिलान किया जाना बाकी है।
2. हमने निम्न पर भरोसा किया है :
- a) प्रबंधन द्वारा एडवांस स्ट्रिपिंग, कोल एक्सपोज्ड, औसत/मानक अनुपात, चालू अनुपात, अनुपात विचरण आदि में तकनीकी डाटा प्रस्तुत किया जाता है। ओवरबर्डन लेखांकन के मामले में विचरण मानक अनुपात और ओबीआर लागत के वर्तमान अनुपात का समायोजन शामिल है।
 - b) खदान बंदी योजना सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) द्वारा तैयार की गई है और खदान बंदी खर्च के लिए प्रावधान करने के उद्देश्य से कंपनी के प्रबंधन द्वारा अनुमोदित है।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. अधिनियम की धारा 143 की उप धारा (11) के संदर्भ में केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखापरीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश") की आवश्यकता के अनुसार, हम आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में निर्दिष्ट मामले, जहां तक लागू हो, पर अनुबंध -1 में एक विवरण देते हैं।

2. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा अपेक्षित अनुबंध-1 में हमारी टिप्पणियों के अतिरिक्त, हम जैसा अपेक्षित है रिपोर्ट करते हैं कि:
 - क) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण मांगे और प्राप्त किए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास और हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।
 - ख) हमारी राय में, जैसा कि उन पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है, कंपनी ने कानून द्वारा अपेक्षित उचित लेखा बहियां रखी हैं।
 - ग) शाखा लेखा परीक्षक द्वारा अधिनियम की धारा 143(8) के तहत लेखापरीक्षित कंपनी की शाखाओं के खातों की रिपोर्ट हमें भेज दी गई है और इस रिपोर्ट को तैयार के मामले को हमारे द्वारा उचित रूप से निपटाया गया है।
 - घ) इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण खातों की पुस्तकों और हमारे द्वारा नहीं देखी गई शाखाओं से प्राप्त रिटर्न के अनुरूप हैं।
 - ङ) हमारी राय में उपरोक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133, जिसे इसके तहत जारी प्रासंगिक नियमों के साथ पढ़ा जाए, के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों (भा०लेखा०मा०) का अनुपालन करते हैं।
 - च) लेखापरीक्षक की टिप्पणी का कंपनी के कामकाज पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।
 - छ) अधिनियम की धारा 164(2) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते क्योंकि अधिनियम की धारा 2(45) के तहत परिभाषित रूप में कंपनी एक सरकारी कंपनी है।
 - ज) कंपनी के पास खातों के रखरखाव और उससे जुड़े अन्य मामलों से संबंधित कोई योग्यता नहीं है।
 - झ) कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में, अनुबंध - 2 में हमारी अलग रिपोर्ट देखें।
 - ञ) कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षक) नियमावली, 2014 (संशोधित) के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार हमें और शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर विचार के आधार पर जैसा कि इस रिपोर्ट में कहीं और संदर्भित किया गया है:
 - i. कंपनी ने टिप्पणी -38(1) में अपने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का खुलासा किया है।
 - ii. कंपनी ने व्युत्पन्न अनुबंधों सहित दीर्घावधि के अनुबंधों पर, लागू कानून या लेखा मानक के तहत, सामग्री के लिए संभावित नुकसान, यदि कोई हो, के लिए प्रावधान किया है;
 - iii. कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 17.37 करोड़ रुपये की पुरानी बेदावा ईएमडी, एसडी, ग्राहक से अग्रिम आदि को वापस लिखा था, जो कंपनी (जमा की स्वीकृति) नियम, 2014 के तहत परिपक्व जमा की परिभाषा के अंतर्गत आता है, जैसा कि उक्त नियमों के पैरा 2 (सी)(xii) (सी) के तहत निर्दिष्ट के अनुसार, या व्यवसाय के उद्देश्य के लिए नहीं है। उक्त राशि अभी तक कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 125(2) के तहत आवश्यक निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में स्थानांतरित नहीं की गई है। कंपनी इस पर विशेषज्ञ की राय ले रही है।
 - iv.
 1. प्रबंधन ने प्रतिनिधित्व किया है कि अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा विदेशी संस्थाओं ("मध्यस्थ") सहित किसी अन्य व्यक्ति या संस्था में, कोई भी फंड (जो

व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर सामग्री है) को उन्नत या उधार या निवेश (या तो उधार ली गई धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या प्रकार के फंड से) नहीं किया गया है। इस समझ के साथ कि चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज किया गया है कि मध्यस्थ प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, कंपनी की ओर से)"अंतिम लाभार्थी"(किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में उधार या निवेश करेगा या अंतिम लाभार्थी की ओर से इस तरह की कोई गारंटी, सुरक्षा प्रदान करेगा।

2. प्रबंधन ने वर्णन किया है कि अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा विदेशी संस्थाओं ("मध्यस्थ") सहित किसी अन्य व्यक्ति या संस्था में, कोई भी फंड (जो व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर सामग्री है) को उन्नत या उधार या निवेश (या तो उधार ली गई धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या प्रकार के फंड से) नहीं किया गया है। इस समझ के साथ कि चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज किया गया है कि मध्यस्थ प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, फंडिंग पार्टी की ओर से)"अंतिम लाभार्थी"(किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में उधार या निवेश करेगा या अंतिम लाभार्थी की ओर से इस तरह की कोई गारंटी, सुरक्षा प्रदान करेगा।
3. लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर जिन्हें परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त माना गया है, हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें विश्वास हो कि उपरोक्त (1) और (2) के तहत प्रदान किया गया नियम 11(ई) के उपखंड (i) और (ii) के तहत अभ्यावेदन में कोई भी महत्वपूर्ण गलत विवरण है।

v. जैसा कि वित्तीय विवरण के नोट संख्या-17 में वर्णित है :

- क. पिछले वर्ष में प्रस्तावित अंतिम लाभांश, वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा घोषित और भुगतान किया गया, अधिनियम की धारा 123 के अनुसार लागू है।
- ख. वर्ष के दौरान और इस रिपोर्ट की तारीख तक कंपनी द्वारा घोषित और भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुपालन में है।
- ग. कंपनी के निदेशक मंडल ने वर्ष के लिए अंतिम लाभांश का प्रस्ताव दिया है जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। प्रस्तावित लाभांश की राशि अधिनियम की धारा 123 के अनुसार लागू है।

अधिनियम की धारा 143(5) द्वारा अपेक्षित रूप में, हमने अनुबंध-3 और 3ए में कंपनी के संबंध में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों और अतिरिक्त निर्देशों में निर्दिष्ट मामलों पर एक विवरण दिया है।

कृते लालदाश एंड कंपनी
सनदी लेखाकर
एफआरएन 311147ई
ह/-
सी.ए.एस. एस. ब्रह्मा,
साझेदार

हस्ताक्षर का स्थान: कोलकाता

दिनांक: 29.06.2022

सदस्यता सं- 066706

यूडीआईएन: 22066706ALWKXL8728

कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध 1

कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों पर एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण की रिपोर्ट प्रदान करने के उद्देश्य से की गई लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण एवं लेखा परीक्षा के सामान्य क्रम में लेखा बहियों और हमारे द्वारा जांचे गए अन्य अभिलेखों और हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

- (i) 1. क. कंपनी ने संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मात्रात्मक विवरण और स्थिति सहित पूर्ण विवरण दिखाते हुए उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है। हालांकि, कुछ संपत्तियों की स्थिति/स्थान स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं है और नई संपत्तियों के लिए विशिष्ट पहचान संख्या जोड़ी जा रही है।

ख. कंपनी अमूर्त संपत्ति का पूरा विवरण दिखाते हुए उचित रिकॉर्ड रख रही है;

2. वित्तीय वर्ष के दौरान तिमाही आधार पर संपत्ति, संयंत्र और उपकरण में परिवर्धन को प्रबंधन द्वारा भौतिक रूप से सत्यापित किया गया है और इस तरह के सत्यापन पर किसी भी भौतिक विसंगतियों को लेखा खाते में ठीक से निपटाया गया है। चौथी तिमाही के लिए अचल संपत्ति लेखा परीक्षक रिपोर्ट प्राप्त होना बाकी है।

3. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण और हमारे द्वारा जांचे गए अभिलेखों के अनुसार, कंपनी की फ्रीहोल्ड संपत्तियों का स्वत्व विलेख कंपनी के नाम पर है। अन्य भूमि के अंतर्गत पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आर एंड आर) उद्देश्य के लिए अधिग्रहित फ्रीहोल्ड संपत्तियों को बुक किया गया है, जिनमें से स्वत्व विलेख कंपनी के नाम पर हैं। मुख्यालय वाणिज्यिक के पास आनंद विहार और जागृति विहार में 58.984 एकड़ पट्टा भूमि है, जिसके लिए हस्तांतरण विलेख निष्पादित किया जाना बाकी है। हालांकि, वित्तीय विवरण में सक्षम संपत्तियां थीं जिनके शीर्षक विलेख कंपनी के नाम पर नहीं हैं। कंपनी के पास सक्षम संपत्ति के विवरण की अनुपलब्धता के कारण हम आदेश के खंड (i)(c) में निर्धारित प्रारूप में इसकी रिपोर्ट करने में असमर्थ हैं। हालांकि राजपत्र अधिसूचना के बावजूद सीबीए (ए एंड डी) अधिनियम के तहत कंपनी द्वारा अधिग्रहित भूमि कंपनी के नाम पर है।

4. कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (उपयोग के अधिकार सहित) या अमूर्त संपत्ति या दोनों का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।

5. बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 का 45) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है या लंबित नहीं है।

- (ii) क. प्रबंधन द्वारा त्रैमासिक आधार पर उचित अंतराल पर कोयले का भौतिक सत्यापन किया गया है और हमारी राय में प्रबंधन द्वारा इस तरह के सत्यापन की कवरेज और प्रक्रिया उपयुक्त है और वर्ष के अंत में कोयले के अलावा अन्य इन्वेंट्री को भौतिक रूप से सत्यापित किया गया है एवं और हमारी राय में इसके कवरेज और प्रक्रिया पर्याप्त पाई गई। वर्ष के दौरान सूची के प्रत्येक वर्ग में कुल मिलाकर 10% या उससे अधिक में कोई विसंगति नहीं देखी गई।

ख. वर्ष के दौरान किसी भी समय, कंपनी को चालू परिसंपत्तियों की सुरक्षा के आधार पर बैंकों या वित्तीय संस्थानों से कुल मिलाकर पांच करोड़ रुपये से अधिक की कार्यशील पूंजी सीमा स्वीकृत नहीं की गई है; इसलिए, कंपनी द्वारा ऐसे बैंकों या वित्तीय संस्थानों के साथ त्रैमासिक रिटर्न या विवरण भरना कंपनी पर लागू नहीं होता है।

- (iii) वर्ष के दौरान कंपनी ने सहायक कंपनी महानदी कोल रेलवे लिमिटेड में निवेश किया था, लेखा बहि में अनुरक्षित चालू खाते माध्यम से चार सहायक कंपनियों को ऋण के रूप में अग्रिम दिया गया था एवं अन्य पार्टियों को कोई गारंटी प्रदान नहीं की गई थी।
- (a) कंपनी ने वर्ष के दौरान चार सहायक कंपनियों को 46.88 करोड़ रुपये की राशि ऋण के रूप में अग्रिम प्रदान किया है और सहायक कंपनियों को ऋण के रूप में अग्रिम के संबंध में तुलन पत्र की तारीख में रु. 185.37 करोड़ शेष बकाया है।
- (b) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के अनुसार, सहायक कंपनियों को दिए गए ऋण पर ब्याज की दर ऋण की अवधि के निकटतम सरकारी सुरक्षा की प्रचलित लाभ से अधिक होनी चाहिए। हालांकि, कंपनी ने तिमाही आधार पर सीआईएल द्वारा सूचित अल्पकालिक जमा की औसत लाभ की दर पर ब्याज लगाया है जिसे दिनांक. 25.09.2012 को आयोजित 142 वीं बोर्ड बैठक में अनुमोदित किया गया था।।
- (c) ऋण के रूप में अग्रिमों के संबंध में, मूलधन और ब्याज के भुगतान की कोई चुकौती अनुसूची निर्धारित नहीं की गई है, इसलिए चुकौती की नियमितता उत्पन्न नहीं होती है।
- (d) चूंकि ऋण के रूप में अग्रिमों की कोई चुकौती अनुसूची नहीं है, इसलिए अतिदेय का प्रश्न ही नहीं उठता।
- (e) अति-देय राशि के पुनर्व्यवस्थापन के लिए वर्ष के दौरान ऐसा कोई और अग्रिम नहीं दिया जाता है।
- (f) कंपनी ने बिना किसी शर्त या चुकौती अवधि को निर्दिष्ट किए बिना ऊपर बताए अनुसार ऋण के रूप में अग्रिम प्रदान किया है। ऋण की कुल राशि रु. 46.88 करोड़ है जो कि दिए गए ऋण में कुल अग्रिम का 100% प्रतिशत है।
- (iv) कंपनी द्वारा चालू खाते के माध्यम से सहायक को ऋण के रूप में अग्रिम के अलावा कोई निवेश, गारंटी और सुरक्षा नहीं दी गई है, इसलिए कंपनी अधिनियम की धारा 185 और 186 के प्रावधानों का अनुपालन, उपरोक्त खंड (iii) (ख) में निर्दिष्ट ब्याज दर को छोड़कर कंपनी पर लागू नहीं है।
- (v) जैसा कि कंपनी द्वारा कोई जमा स्वीकार नहीं किया गया है या राशि जिसे जमा माना जाता है, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी निर्देश और धारा 73 से 76 के प्रावधान या कंपनी अधिनियम के किसी भी अन्य प्रासंगिक प्रावधान और उसके तहत बनाए गए नियम कंपनी के लिए लागू नहीं हैं। अनुबंध की प्रदर्शन अवधि पूरी होने के बाद दावा न किए गए सुरक्षा जमा और ईएमडी के लिए और जिसके लिए कंपनी विशेषज्ञ राय मांग रही है, कंपनी ने कंपनी (जमा की स्वीकृति) नियम, 2014 के अनुसार जमा की परिभाषा के तहत कवर की गई परिपक्व जमा की पहचान नहीं की है।
- (vi) कंपनी द्वारा एक स्वतंत्र लागत लेखा परीक्षा किया जा रहा है एवं कंपनी अधिनियम की धारा 148 की उप-धारा (1) और कंपनी (लागत अभिलेख और लेखा परीक्षा) नियम 2014 के तहत केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट अनुसार हमने कंपनी द्वारा बनाए गए लागत लेखा परीक्षा की व्यापक रूप से समीक्षा की है।
- (vii)
- (a) कंपनी वस्तु एवं सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर सहित अविवादित सांविधिक बकाया जमा करने में नियमित है और उपयुक्त प्राधिकारियों को 31 मार्च, 2022 तक देय होने की तारीख से छह महीने से

अधिक की अवधि के लिए बकाया कोई अन्य सांविधिक प्राप्य, नीचे दिए गए व्यौरों को छोड़कर देय होगा:

अधिनियम का नाम	देय राशि की प्रकृति	राशि (करोड़ रुपये में)	राशि से संबंधित अवधि	भुगतान की तिथि
मुख्यालय वाणिज्यिक				
बीओसीडबल्यू अधिनियम, 1996	बीओसीडबल्यू उपकर	13.67	2020-21 एवं 2021-22	-
बसुंधरा क्षेत्र				
आयकर अधिनियम, 1961	स्क्रेप बिक्री पर टीसीएस	0.01	अप्रैल, मई और जुलाई, 2021	11.04.2022
ईब वैली क्षेत्र				
आयकर अधिनियम, 1961	स्क्रेप बिक्री पर टीसीएस	0.04	जनवरी, मार्च और सितंबर 2021	06-04-2022
लखनपुर क्षेत्र				
आयकर अधिनियम, 1961	स्क्रेप बिक्री पर टीसीएस	0.004	जनवरी, मई और सितंबर 2021	07-04-2022

(b) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार किसी विवाद के लिए निम्नलिखित सांविधिक देय राशि जमा नहीं की गई है:-

बसुंधरा

क्र.	अधिनियम का नाम	देय राशि की प्रकृति	राशि से संबंधित अवधि	राशि (करोड़ रुपये में)	फोरम जहां विवाद लंबित है
1	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	मार्च 2011 से मार्च 2014	6.54	सीईएसटीएटी, कोलकाता
2	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	वित्त वर्ष 2009-2012	0.03	आयुक्त (अपील)
3	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	वित्त वर्ष 2016-17	0.31	सहायक आयुक्त, राउरकेला
4	पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986	पर्यावरण मंजूरी	वित्त वर्ष 2015-16	871.94	कोयला अधिकरण, नई दिल्ली
5	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	बंधा लगान और भूतल किराया	2015-16	8.80	कोयला अधिकरण, नई दिल्ली
6	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2015-16	25.09	कोयला अधिकरण, नई दिल्ली
7	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2017-18	11.20	कोयला अधिकरण, नई दिल्ली
8	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2018-19	11.95	कोयला अधिकरण, नई दिल्ली
9	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2019-20	16.42	कोयला अधिकरण, नई दिल्ली

भरतपुर

10	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	अप्रैल 11 से मार्च 15	1.20	आयुक्त अपील, भुवनेश्वर
11	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	अप्रैल 16-जून 17	0.16	सहायक आयुक्त, अंगुल
12	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	अप्रैल 11 से मार्च 15	1.59	उड़ीसा के माननीय उच्च न्यायालय
13	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	जून 2007 से मार्च 2012	0.10	उपायुक्त, कटक
14	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	अप्रैल 2006- फरवरी 2021	90.79	माननीय सीईएसटीएटी कोलकाता
15	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	अप्रैल 2016- जून 2017	0.05	सहायक आयुक्त, अंगुल
16	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	अप्रैल 2016- जून 2017	0.14	उप निदेशक, डीजीसीआई, राउरकेला
17	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2015-2021	128.91	पुनरीक्षण प्राधिकरण, कोयला मंत्रालय
18	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2015-2021	3.23	भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय

भुवनेश्वरी

19	एमएमडीआर अधिनियम और एमसी नियमावली	रॉयल्टी	2009-10, 2012-13, 2013-16, 2018-19, 2019-22	306.82	पुनरीक्षण प्राधिकरण, कोयला मंत्रालय

वाणिज्यिक

20	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2008-09	12.77	ओडिशा उच्च न्यायालय
21	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2009-10	7.39	ओडिशा उच्च न्यायालय
22	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2010-11	34.41	सीआईटी (ए), संबलपुर
23	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2011-12	12.37	ओडिशा उच्च न्यायालय
24	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2012-13	3.77	सीआईटी(ए),संबलपुर
25	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2012-13	40.04	ओडिशा उच्च न्यायालय
26	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2013-14	54.86	ओडिशा उच्च न्यायालय
27	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2014-15	96.67	ओडिशा उच्च न्यायालय

28	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2015-16	169.14	सीआईटी(ए),संबलपुर
29	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2015-16	122.01	ओडिशा उच्च न्यायालय
30	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2016-17	1,359.57	सीआईटी(ए),संबलपुर
31	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2017-18	738.89	सीआईटी(ए),संबलपुर
32	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2018-19	731.01	सीआईटी(ए),संबलपुर
33	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2019-20	781.03	सीआईटी(ए),संबलपुर
34	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2015-16	749.85	ओडिशा उच्च न्यायालय
35	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2014-15	642.53	ओडिशा उच्च न्यायालय
36	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2013-14	620.87	ओडिशा उच्च न्यायालय
37	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2012-13	710.57	ओडिशा उच्च न्यायालय
38	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2011-12	495.97	ओडिशा उच्च न्यायालय
39	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2010-11	248.85	ओडिशा उच्च न्यायालय
40	आयकर अधिनियम, 1961	आयकर	2009-10	46.06	ओडिशा उच्च न्यायालय
41	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	2017-18	196.47	सीईएसटीएटी, कोलकाता
42	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	जुलाई, 2012 से 2016-17	31.64	सीईएसटीएटी, कोलकाता

हिंगुला

43	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	01-03-2011 to 31-03-2015	161.63	उच्च न्यायालय, कटक
44	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	01-03-2011 से 31-03-2015	165.90	अधिकरण, कोलकाता
45	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2014-15 और 2015-16	0.31	आयुक्त (अपील), भुवनेश्वर
46	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2013 to 2016	0.15	आयुक्त (अपील), भुवनेश्वर
47	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2013-16	0.19	सहायक आयुक्त, राउरकेला मंडल
48	ओडिशा बिक्री कर अधिनियम, 1975	सेवा कर	1993-94	0.58	अधिकरण

49	ओड़िशा बिक्री कर अधिनियम, 1975	सेवा कर	1995-96	0.01	अतिरिक्त अपील आयुक्त, कटक
50	ओड़िशा बिक्री कर अधिनियम, 1975	सेवा कर	2001-02	0.04	अतिरिक्त अपील आयुक्त, कटक
51	ओड़िशा बिक्री कर अधिनियम, 1975	सेवा कर	2003-04	0.04	अतिरिक्त अपील आयुक्त, कटक
52	उडीसा प्रवेश कर अधिनियम 1999	प्रवेश कर	2003-04	1.35	अतिरिक्त अपील आयुक्त, कटक
53	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2000-2020	24.10	पुनरीक्षण प्राधिकरण, कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली

ईब वैली

59	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	मार्च, 2011 से मार्च, 2012	8.43	सीईएसटीएटी, कोलकाता
60	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	2012-13	10.15	सीईएसटीएटी, कोलकाता
61	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	मार्च, 2013 to दिसंबर, 2013	7.94	सीईएसटीएटी, कोलकाता
62	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	जनवरी, 2014 से दिसंबर, 2014	11.46	सीईएसटीएटी, कोलकाता
63	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	जनवरी, 2015 to मार्च, 2015	2.44	सीईएसटीएटी, कोलकाता
64	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	2013-14 तथा 2014-15	0.30	सीईएसटीएटी, कोलकाता
65	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2008-09	0.02	सीईएसटीएटी, कोलकाता
66	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2010-11 से 2014-15	0.18	सीईएसटीएटी, कोलकाता
67	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2016-17 और 2017-18	0.03	आयुक्त अपील भुवनेश्वर
68	ओड़िशा वैट अधिनियम, 2004	बिक्री कर	01.04.2005 और 30.11.2006	1.24	बिक्री कर आयुक्त
69	ओड़िशा वैट अधिनियम, 2004	बिक्री कर	2006-07	6.83	बिक्री कर आयुक्त
70	ओड़िशा वैट अधिनियम, 2004	बिक्री कर	2009-11	0.03	बिक्री कर आयुक्त

71	ओड़िशा वैट अधिनियम, 2004	बिक्री कर	2013-14	0.86	बिक्री कर आयुक्त
72	ओड़िशा वैट अधिनियम, 2004	बिक्री कर	2016-17	2.57	बिक्री कर आयुक्त
73	कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम 1952	ईपीएफ	1995-96 से 2008-09	1.60	सहायक पीएफ आयुक्त और वसूली अधिकारी
74	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	राज्य सरकार की रॉयल्टी	2015	6.86	पुनरीक्षण प्राधिकरण
75	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	राज्य सरकार की रॉयल्टी	2015	1.54	पुनरीक्षण प्राधिकरण
76	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	राज्य सरकार की रॉयल्टी	2015	8.19	पुनरीक्षण प्राधिकरण
77	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	राज्य सरकार की रॉयल्टी	2015	0.68	पुनरीक्षण प्राधिकरण
78	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	राज्य सरकार की रॉयल्टी	2016	1.87	पुनरीक्षण प्राधिकरण
79	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	राज्य सरकार की रॉयल्टी	2016	9.35	पुनरीक्षण प्राधिकरण
80	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	राज्य सरकार की रॉयल्टी	2019	17.65	पुनरीक्षण प्राधिकरण
81	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	राज्य सरकार की रॉयल्टी	2019	6.63	पुनरीक्षण प्राधिकरण
82	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	राज्य सरकार की रॉयल्टी	2020-21	4.33	पुनरीक्षण प्राधिकरण
83	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	बंधा लगान, भूतल किराया और उस पर ब्याज	2011	0.44	सदस्य: राजस्व बोर्ड, ओड़िशा
84	पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986	पर्यावरण मंजूरी के अभाव में कोयले का अवैध उत्खनन	2015	1,295.85	कोयला न्यायाधिकरण

जगन्नाथ

85	वित्त अधिनियम ,1994	सेवा कर	14-15 और 15-16	0.23	सहायक आयुक्त, अंगुल
86	सीएसटी अधिनियम, 1956	सीएसटी	1990-93	1.32	बिक्री कर कार्यालय
87	सीएसटी अधिनियम, 1956	सीएसटी	1985-86,87-88,1994-95,1995-96,1996-97	0.59	बिक्री कर कार्यालय
88	सीएसटी अधिनियम, 1956	सीएसटी	1993-94,2001-02,2003-04,2005-06	2.37	अतिरिक्त आयुक्त, कटक
89	ओड़िशा प्रवेश कर अधिनियम 1999	प्रवेश कर	2008-12,2012-14	3.21	सहायक आयुक्त, कटक
90	ओड़िशा प्रवेश कर अधिनियम 1999	प्रवेश कर	2004-05	0.05	बिक्री कर कार्यालय
91	केंद्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985	उत्पाद शुल्क और स्वच्छ ऊर्जा उपकार	2010-11 से 2014-15	162.00	प्रथम अपील, भुवनेश्वर
92	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2007-09,2009-10,2012-13,2013-16,2018-19,2019-21	110.97	पुनरीक्षण प्राधिकरण
93	ओड़िशा बिक्री कर अधिनियम, 1975	ओड़िशा बिक्री कर	1989-90,2001-02	0.04	अतिरिक्त आयुक्त, कटक
94	मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005	वैट	2009-11	0.95	अतिरिक्त आयुक्त अपील, कटक
95	सीएसटी अधिनियम, 1956	सीएसटी	2012-15	0.91	अतिरिक्त आयुक्त अपील, कटक
96	उड़ीसा प्रवेश कर अधिनियम 1999	ओईटी	2015-16	0.32	अतिरिक्त आयुक्त अपील, कटक
97	मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005	वैट	2012-14	0.07	जेसीसीटी, अंगुल
98	सीएसटी अधिनियम, 1956	सीएसटी	2015	1.50	जेसीसीटी, अंगुल
99	ओड़िशा बिक्री कर अधिनियम, 1975	ओड़िशा बिक्री कर	1983-84	0.01	बिक्री कर अधिकारी
100	ओड़िशा बिक्री कर अधिनियम, 1975	ओड़िशा बिक्री कर	1991-93	0.75	बिक्री कर कार्यालय
101	सीएसटी अधिनियम, 1956	सीएसटी	2015-17	6.91	बिक्री कर कार्यालय

कनिहा

102	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2016-17 और 2017-18(जून 17 तक)	0.02	सहायक आयुक्त, अंगुलु
103	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी, एनएमईटी और डीएमएफ	2016-17	3.84	पुनरीक्षण प्राधिकरण
104	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी, एनएमईटी और डीएमएफ	2017-18	8.37	पुनरीक्षण प्राधिकरण
105	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी, एनएमईटी और डीएमएफ	2018-19	11.02	पुनरीक्षण प्राधिकरण
106	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी, एनएमईटी और डीएमएफ	2019-20	11.21	पुनरीक्षण प्राधिकरण

लखनपुर

107	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	स्वच्छ ऊर्जा उपकरण	2010-11 से 2014-15	49.76	सीईएसटीएटी, कोलकाता
108	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	2011-12 से 2014-15	46.09	ओडिशा उच्च न्यायालय
109	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2016-17	0.90	केंद्रीय उत्पाद शुल्क सीमा शुल्क और सेवा कर आयुक्त(A)
110	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2007-08 से 2016-17	112.73	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली

लिंगराज

111	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2007-08 to 2014-15	2.06	सहायक आयुक्त, अंगुलु
112	ओडिशा वैट	केंद्रीय बिक्री कर	2000-01	0.16	आयुक्त, अंगुलु
113	ओडिशा वैट	केंद्रीय बिक्री कर	1998-99 और 2004-05	0.02	एसीसीटी, कटक रैंज II

114	ओईटी	प्रवेश कर	1999-2000	0.52	सहायक आयुक्त, अंगुलु
115	ओईटी	प्रवेश कर	2003-04 और 2004-05	0.09	उच्च न्यायालय, ओडिशा
116	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2015	52.45	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली
117	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2017	13.63	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली
118	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2020	42.82	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली

महालक्ष्मी

119	पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986	पर्यावरण मंजूरी	2018-19	50.97	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली
120	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2015-16	0.06	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली
121	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2018-19	4.73	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली
122	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2018-19	2.22	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली
123	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2019-20	2.47	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली

ओरिएंट

124	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2014-15 और 2015-16	0.09	सीआईटी (अपील)
125	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2007-08	0.01	सीईएसटीएटी
126	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2013	0.08	सीईएसटीएटी
127	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	2021-22	10.04	सीईएसटीएटी
128	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2015	0.29	कोल ट्रिब्यूनल
129	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2015	0.18	कोल ट्रिब्यूनल

130	एमएमडीआर अधिनियम, 1957	रॉयल्टी	2019	0.14	कोल ट्रिब्यूनल
131	पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986	पर्यावरण मंजूरी	2018	696.21	कोल ट्रिब्यूनल

तालचेर

132	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	2013-14, 2014-15	0.16	सहायक आयुक्त, अंगुल
133	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	2013-14, 2014-15	0.06	सहायक आयुक्त, अंगुल
134	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	मार्च 2011-फरवरी 2015	0.73	ओडिशा उच्च न्यायालय
135	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	2020	0.01	आयुक्त, भुवनेश्वर
136	ओडिशा बिक्री कर	ओडिशा बिक्री कर	1998-99	0.01	अपर आयुक्त बिक्री कर, कटक
137	ओडिशा बिक्री कर	ओडिशा बिक्री कर	1993-94	0.01	एसटीओ, ढाकानाल
138	जीएसटी अधिनियम, 2017	जीएसटी	19.03.2020	0.05	आयुक्त (लेखापरीक्षा), जीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क का कार्यालय
139	ओडिशा बिक्री कर	ओडिशा बिक्री कर	2000-01	0.01	अपर आयुक्त बिक्री कर, कटक
140	स्टाम्प शुल्क अधिनियम	स्टाम्प शुल्क	2013-14	32.21	जिला कार्यालय, अंगुल
141	एमएमडीआर अधिनियम और एमसी नियमावली	रॉयल्टी	2015-16	0.25	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली
142	एमएमडीआर अधिनियम और एमसी नियमावली	बंधा लगान और सरफेस रेंट	2011-12	0.10	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली
143	एमएमडीआर अधिनियम और एमसी नियमावली	रॉयल्टी	2009-10	0.03	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली
144	एमएमडीआर अधिनियम और एमसी नियमावली	बंधा लगान और सरफेस रेंट	2009-10	0.11	कोल ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली
145	ओडिशा बिक्री कर	ओडिशा बिक्री कर	1993-2001	0.18	अपर आयुक्त बिक्री कर, कटक

- (viii) आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में सरेंडर या प्रकट की गई पूर्व में दर्ज न की गई आय से संबंधित कोई लेनदेन नहीं है।
- (ix) कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान ऋणदाता से कोई ऋण या अन्य उधार नहीं लिया है। इसलिए आदेश के खंड (ix) के तहत उप खंड (क) से (च) की आवश्यक रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- (x) कंपनी ने वर्ष के दौरान न तो आरंभिक सार्वजनिक पेशकश या आगे की सार्वजनिक पेशकश (ऋण लिखतों सहित) के माध्यम से कोई धन जुटाया है और न ही वर्ष के दौरान शेयरों/ऋणपत्र का कोई तरजीही आवंटन/निजी स्थानन किया है। इसलिए आदेश के खंड (x) के तहत उप खंड (क) और (ख) की आवश्यक रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- (xi)
- क. वर्ष के दौरान कंपनी को सारथ एंड एसोसिएट्स, सनदी लेखाकार द्वारा 20 सितंबर, 2021 को 01.04.2008 से 31.03.2019 की अवधि के लिए आयोजित ईधन आपूर्ति समझौता (एफएसए) योजना के तहत विभिन्न कोयला उपभोक्ताओं के खिलाफ एमसीएल की कोयला बिक्री वसूली की फॉरेंसिक ऑडिट पर अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई है। फॉरेंसिक ऑडिटर ने 512.47 करोड़ रुपये के प्रदर्शन प्रोत्साहन/मुआवजे की गणना में त्रुटि और रुपये 44.15 करोड़ की लेनदेन में धोखाधड़ी की सूचना दी है। हालांकि, प्रबंधन ने 0.55 करोड़, जो प्रबंधन द्वारा वसूल किया गया है, को छोड़कर उक्त रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया है।
- ख. कंपनी अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (12) के तहत केंद्र सरकार के साथ कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 13 के तहत निर्धारित प्रपत्र एडीटी-4 में लेखा परीक्षकों द्वारा कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है;
- ग. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कोई विहसल ब्लोअर शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।
- (xii) चूंकि कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है, इसलिए आदेश के खंड (xii) के तहत उप खंड (क) से (ग) की रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
- (xiii) संबंधित पक्षों के साथ कंपनी के लेन-देन कंपनी अधिनियम की धारा 177 और 188 के अनुपालन में हैं जिन्हें लागू लेखांकन मानकों के अनुसार उचित रूप से प्रकट किए गए हैं।
- (xiv)
- क. कंपनी के पास एक आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली है और यह अपने व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप है। 2018-19 और एसएपी के कार्यान्वयन के बाद से लेखापरीक्षा का दायरा नहीं बदला है।
- ख. हाँ, हमारे द्वारा लेखापरीक्षा की अवधि के लिए आंतरिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्टों पर विचार किया गया था;
- (xv) कंपनी ने निदेशकों या उससे जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई गैर-नकद लेनदेन नहीं किया है।
- (xvi)
- क. कंपनी को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45-आईए के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है।
- ख. कंपनी ने भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसार भारतीय रिज़र्व बैंक से वैध

पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) के बिना कोई गैर-बैंकिंग वित्तीय या आवास वित्त गतिविधियों का संचालन नहीं किया है;

ग. कंपनी एक कोर निवेश कंपनी (सीआईसी) नहीं है जैसा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बनाए गए नियमों में परिभाषित किया गया है,

घ. चूंकि कंपनी सीआईसी नहीं है, इसलिए आदेश के खंड (XVI) का उप खंड (घ) लागू नहीं होता है।

(xvii) कंपनी को वित्तीय वर्ष में और ठीक पिछले वित्तीय वर्ष में नकद घाटा नहीं हुआ है।

(xviii) वर्ष के दौरान सांविधिक लेखापरीक्षकों के इस्तीफे का कोई मामला नहीं था।

(xix) वित्तीय अनुपात के आधार पर वित्तीय परिसंपत्तियों की मान्यता प्राप्त अपेक्षित प्राप्ति तिथि और वित्तीय देनदारियों का भुगतान, वित्तीय विवरणों के साथ अन्य जानकारी, निदेशक मंडल और प्रबंधन योजनाओं के बारे में हमारी जानकारी, हमारी राय है कि लेखा परीक्षा की तारीख तक कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद नहीं है कि कंपनी तुलन पत्र की तारीख में विद्यमान अपनी देनदारियों को पूरा करने में सक्षम है, जब वे तुलन पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय हों;

(xx)

क. उक्त अधिनियम की धारा 135 की उप-धारा (5) के दूसरे प्रावधान के अनुपालन में कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII में निर्दिष्ट निधि में स्थानांतरण की आवश्यकता वाली चालू परियोजनाओं के अलावा अन्य पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के लिए कोई अव्ययित राशि नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xx)(क) के तहत रिपोर्टिंग, वर्ष के लिए लागू नहीं है।

ख. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 की उप धारा (5) के तहत अव्ययित कोई राशि शेष नहीं है जिसके लिए कंपनी को वित्तीय वर्ष के अंत में अव्ययित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) राशि को अधिनियम की धारा 135(6) के प्रावधान के तहत अपेक्षित एक विशेष खाते में उक्त वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 30 दिनों की अवधि के भीतर स्थानांतरित करना आवश्यक है।

कृते लालदाश एंड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन 311147 ई

हस्ताक्षर का स्थान: कोलकाता
दिनांक: 29.06.2022

सनदी लेखाकार एस एस ब्रह्म
साझेदार
एम.सं.066706

यूडीआईएन:22066706ALWKXL8728

स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक 2

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के तहत वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए महानदी कोल फील्ड्स लिमिटेड (कंपनी) के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संयोजन के साथ, हमने उस तिथि के अनुसार वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का लेखा-परीक्षा कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में की है।

मत

हमारी राय में, 31 मार्च 2022 तक कंपनी के पास सभी भौतिक मामलों में, वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय रिपोर्टिंग पर इस तरह के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे जो कि "भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण" पर आधारित है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

कंपनी प्रबंधन, भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षा पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है साथ ही कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत आवश्यक कंपनी की नीतियों का पालन, उसकी संपत्ति की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पता लगाना, लेखा रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता, और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी सुनिश्चित करना।

लेखा परीक्षकों का उत्तरदायित्व

लेखा परीक्षा के आधार पर कंपनी के वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के संबंध में मत व्यक्त करना हमारा उत्तरदायित्व है। हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-143(10) के तहत निर्दिष्ट एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखा परीक्षा मानकों और लेखा परीक्षा के वित्तीय प्रतिवेदन (मार्गदर्शन नोट) पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर मार्गदर्शकीय नोट के अनुसार लेखा परीक्षा किया है। उन मानकों और मार्गदर्शन नोट के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना बनाएं और लेखा परीक्षा करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और बनाए रखा गया था और यदि ऐसे नियंत्रण सभी भौतिक मामलों में प्रभावी ढंग से संचालित होते हैं।

हमारे लेखा परीक्षा में वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और उनकी परिचालन प्रभावशीलता के बारे में लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रदर्शन प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय लेखा परीक्षा पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, जोखिम का आकलन करना कि एक भौतिक कमजोरी मौजूद है, और मूल्यांकन किए गए जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का

परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल है। चुनी गई प्रक्रियाएं लेखापरीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों का आकलन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

हम मानते हैं कि हमने वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त लेखा साक्ष्य प्राप्त किए हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और बाहरी उद्देश्यों के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं जो

- (1) रिकॉर्ड के रखरखाव से संबंधित है, जो उचित विवरण में, कंपनी की संपत्ति के लेनदेन और स्वभाव को सटीक और निष्पक्ष रूप से दर्शाता है;
- (2) उचित आश्वासन प्रदान करें कि लेनदेन को आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने की अनुमति देने के लिए आवश्यक रूप से दर्ज किया गया है, और कंपनी की प्राप्ति और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन के प्राधिकरणों के अनुसार किए जा रहे हैं; तथा
- (3) कंपनी की संपत्ति के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगाने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करें, जिसका वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकता है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएं

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, जिसमें मिलीभगत की संभावना या नियंत्रणों के अनुचित ओवरराइड संचालन, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण सामग्रियों का गलत विवरणों का पता नहीं लगाया जा सकता है। इसके अलावा, भविष्य में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान जोखिम के अधीन हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण शर्तों में बदलाव के कारण अपर्याप्त हो सकता है, या यह कि नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की मात्रा बिगड़ सकता है।

**कृते लालदाश एंड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन 311147 ई**

हस्ताक्षर का स्थान: कोलकाता
दिनांक: 29.06.2022

**सनदी लेखाकार एस एस ब्रह्म
साझेदार
एम.सं.066706**

यूडीआईएन:22066706ALWKXL8728

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक 3

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए सांविधिक लेखा परीक्षकों को कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(5) के तहत निर्देशों के अनुसार रिपोर्ट।

1	क्या आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए कंपनी के पास प्रणाली है? यदि हां, तो आईटी प्रणाली के बाहर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण के वित्तीय प्रभावों के साथ-साथ खातों की अखंडता पर प्रभाव, यदि कोई हो, कहा जा सकता है।	कंपनी ने लेखा बहि को बनाए रखने के लिए एसएपी लागू किया है। वित्तीय लेनदेन एसएपी के माध्यम से दर्ज किए जाते हैं लेकिन एसएपी के तहत सभी मॉड्यूल पूरी तरह से स्थिर नहीं होते हैं।
2	क्या कंपनी द्वारा ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण मौजूदा ऋण की कोई पुनर्चना है या ऋणदाता द्वारा कंपनी को उधार/ऋण/ब्याज आदि की छूट/बट्टे खाते में डालने के मामले हैं? यदि हां, तो वित्तीय प्रभाव का वर्णन करें। क्या ऐसे मामलों का ठीक से हिसाब लगाया जाता है? (यदि ऋणदाता एक सरकारी कंपनी है, तो यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक के लिए भी लागू होता है)।	कंपनी में छूट-पत्र/ उधार के बट्टे खाता /ऋण/ब्याज आदि का कोई पुनर्गठन।
3	क्या केंद्र/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्य निधियों को इसके नियमों और शर्तों के अनुसार उचित रूप से लेखा/उपयोग किया गया था? विचलन के मामलों की सूची बनाएं।	वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, सड़क और रेल अवसंरचना कार्यों के लिए कोयला मंत्रालय, भारत सरकार से पूंजीगत अनुदान के रूप में कोई सीसीडीए अनुदान प्राप्त नहीं हुआ था। 31.03.2022 तक बकाया राशि रु. 152.96 करोड़ है। उपरोक्त में से 139.06 करोड़ आस्थगित आय के तहत दर्शाए गए हैं (नोट-22) एवं रु. 13.90 करोड़ के वर्तमान हिस्से को नोट-23 के 'अन्य वर्तमान देनदारियों' के तहत दर्शाए गए हैं।

हस्ताक्षर का स्थान: कोलकाता
दिनांक: 29.06.2022

कृते लालदाश एंड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन 311147 ई

सनदी लेखाकार एस एस ब्रह्म
साझेदार
एम.सं.066706
यूडीआईएन:22066706ALWKXL8728

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक 3क

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए सांविधिक लेखा परीक्षकों को कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(5) के तहत निर्देशों के अनुर रिपोर्ट।

1	क्या कोयले के स्टॉक की माप समोच्च मानचित्रों को ध्यान में रखकर की गई थी। क्या भौतिक स्टॉक मापन रिपोर्ट सभी मामलों में समोच्च मानचित्रों के साथ हैं? क्या वर्ष के दौरान बनाए गए नए ढेर, यदि कोई हो, के लिए सक्षम प्राधिकारी का अनुमोदन प्राप्त किया गया था?	हां, समोच्च मानचित्र /3डी टीएलएस को ध्यान में रखते हुए किया गया है। भौतिक स्टॉक मापन रिपोर्ट के साथ सभी मामलों में समोच्च मानचित्र/3डी टीएलएस होता है। वर्ष के दौरान बनाए गए नए ढेरों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया है।
2	क्या कंपनी ने कंपनी के विलय/विभाजन/पुनर्संरचना के समय परिसंपत्तियों और संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया है। यदि हां, तो क्या संबंधित सहायक कंपनी ने अपेक्षित प्रक्रिया का पालन किया है।	सूचना के अनुसार वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा के दौरान कंपनी का कोई विलय/ विभाजन/ पुनर्गठन नहीं हुआ था।
3	क्या सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियों में प्रत्येक खान के लिए अलग एस्करो खाते बनाए गए हैं। खाते की निधि के उपयोग की भी जांच करें।	कंपनी खान-वार एस्करो खातों का रखरखाव कर रही है। वर्ष 2021-22 के दौरान एस्करो खाते से कोई राशि जारी नहीं की गई है।
4	क्या अवैध खनन के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाए गए दंड के प्रभाव पर विधिवत विचार किया गया है और इसका हिसाब लगाया गया है?	उप निदेशक खान के कार्यालय ने स्वीकृत पर्यावरण मंजूरी सीमा से अधिक कोयले के उत्पादन के लिए मुआवजे का भुगतान करने के लिए क्षेत्रों को नोटिस जारी किया है। यह दावा 11212.73 करोड़ रुपये का था। कंपनी ने इस तरह के दावे के खिलाफ पुनरीक्षण आवेदन दायर किया है, कोयला मंत्रालय और पुनरीक्षण प्राधिकरण ने 8297.77 करोड़ रुपये के दावे को अलग कर दिया है और शेष 2914.96 करोड़ रुपये को कंपनी द्वारा आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया गया है।

कृते लालदाश एंड कंपनी

सनदी लेखाकर

एफआरएन 311147ई

ह/-

सीए.एस. एस. ब्रह्मा,

साझेदार

सदस्यता सं- 066706

यूडीआईएन: 22066706ALWKXL8728

हस्ताक्षर का स्थान: कोलकाता

दिनांक: 29.06.2022

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक-2
वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए सांविधिक लेखा परीक्षकों को कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(5)
के तहत निर्देश के अनुसार रिपोर्ट

1	क्या आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए कंपनी के पास प्रणाली है? यदि हां, तो आईटी प्रणाली के बाहर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण के वित्तीय प्रभावों के साथ-साथ खातों की अखंडता पर प्रभाव, यदि कोई हो, निर्दिष्ट किया जा सकता है।	होलडिंग कंपनी ने खातों की बहीयों को बनाए रखने के लिए एसएपी लागू किया है। वित्तीय लेनदेन एसएपी के माध्यम से दर्ज किए जाते हैं लेकिन एसएपी के तहत सभी मॉड्यूल पूरी तरह से स्थिर नहीं होते हैं। जैसा कि चार सहायक कंपनियों के सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा रिपोर्ट किया गया है, लेखांकन लेनदेन अन्य आईटी प्रणाली के माध्यम से संसाधित किए जाते हैं और यह लेखा की अखंडता को प्रभावित नहीं करते हैं।
2	क्या किसी मौजूदा ऋण की कोई पुनर्रचना है या ऋणदाता द्वारा कंपनी को ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण ऋणदाता द्वारा किए गए डेबिट/ऋण/ब्याज आदि की छूट/राइट-ऑफ के मामले हैं? यदि हां, तो वित्तीय प्रभाव के बारे में बताया जा सकता है। क्या ऐसे मामलों का ठीक से हिसाब लगाया जाता है? (यदि ऋणदाता एक सरकारी कंपनी है, तो यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक के लिए भी लागू होता है)	कंपनी में कोई पुनर्रचना और छूट/ऋण बट्टे खाते में डालना/ऋण/ब्याज आदि नहीं है।
3	क्या केंद्र/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्य निधियों को इसके नियमों और शर्तों के अनुसार उचित रूप से लेखा/उपयोग किया गया था? विचलन के मामलों की सूची बनाएं।	वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, भारत सरकार के कोयला मंत्रालय से सड़कों और रेल अवसंरचना कार्यों के सहायता के लिए कोई सीसीडीए अनुदान पूंजीगत अनुदान के रूप में प्राप्त नहीं हुआ था। 31.03.2022 तक बकाया राशि 152.96 करोड़ रुपये है। उपरोक्त 139.06 करोड़ में से आस्थगित आय (नोट -22) के तहत दर्शाया गया है और 13.90 करोड़ रुपये का वर्तमान हिस्सा नोट 23 'अन्य वर्तमान देनदारियों' के तहत दर्शाया गया है। जैसा कि चार अनुषंगियों के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा प्रतिवेदित किया गया था, केन्द्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजना के लिए कोई निधि प्राप्त नहीं हुई थी।

कृते लालदाश एंड कंपनी

सनदी लेखाकर

एफआरएन 311147ई

ह/-

सी.ए.एस. एस. ब्रह्मा,

साझेदार

सदस्यता सं- 066706

यूडीआईएन: 22066706ALWMBP9367

हस्ताक्षर का स्थान: कोलकाता

दिनांक: 29.06.2022

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक 2क

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों को कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(5) के

1	क्या कोयले के स्टॉक की माप समोच्च मानचित्र को ध्यान में रखकर की गई थी। क्या भौतिक स्टॉक मापन रिपोर्ट सभी मामलों में समोच्च मानचित्रों के साथ हैं? क्या वर्ष के दौरान बनाए गए नए ढेर, यदि कोई हो, के लिए सक्षम प्राधिकारी का अनुमोदन प्राप्त किया गया था?	हां, समोच्च मानचित्र /3डी टीएलएस को ध्यान में रखते हुए किया गया है। भौतिक स्टॉक मापन रिपोर्ट के साथ सभी मामलों में समोच्च मानचित्र /3डी टीएलएस होता है। वर्ष के दौरान बनाए गए नए ढेरों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया है।
2	पुनर्संरचना के समय परिसंपत्तियों और संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया है। यदि हां, तो क्या संबंधित सहायक कंपनी ने अपेक्षित प्रक्रिया का पालन किया है।	सूचना के अनुसार वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा के दौरान कंपनी का कोई विलय/विभाजन/पुनर्गठन नहीं हुआ था।
3	क्या सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियों में प्रत्येक खान के लिए अलग एस्करो खाते बनाए गए हैं। खाते की निधि के उपयोग की भी जांच करें।	कंपनी खान-वार एस्करो खातों का रखरखाव कर रही है। वर्ष 2021-22 के दौरान एस्करो खाते से कोई राशि जारी नहीं की गई है।
4	क्या माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाए गए अवैध खनन के लिए दंड के प्रभाव पर विधिवत विचार किया गया है और इसका हिसाब लगाया गया है?	कार्यालय उप निदेशक खान ने स्वीकृत पर्यावरण मंजूरी सीमा से अधिक कोयले के उत्पादन के लिए मुआवजे का भुगतान करने के लिए क्षेत्रों को नोटिस जारी किया है। यह दावा 11212.73 करोड़ रुपये का था। कंपनी ने इस तरह के दावे के खिलाफ पुनरीक्षण आवेदन दायर किया है, कोयला मंत्रालय और पुनरीक्षण प्राधिकरण ने 8297.77 करोड़ रुपये के दावे को अलग रखा है और शेष 2914.96 करोड़ रुपये को कंपनी द्वारा आकस्मिक देयता के रूप में खुलासा किया गया है।

तहत अतिरिक्त निर्देश के अनुसार रिपोर्ट

हस्ताक्षर का स्थान: कोलकाता

दिनांक: 29.06.2022

कृते लालदाश एंड कंपनी

सनदी लेखाकर

एफआरएन 311147ई

ह/-

सी.ए.एस. एस. ब्रह्मा,

साझेदार

सदस्यता सं- 066706

यूडीआईएन: 22066706ALWMBP9367

तुलनपत्र

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी संख्या	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
<u>आस्तियां</u>			
गैर चालू आस्तियां			
(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	3	9,938.35	8,227.31
(ख) पूंजीगत प्रगतिशील कार्य	4	3,244.24	2,085.24
(ग) अन्वेषण और मूल्यांकन आस्तियां	5	101.88	137.79
(घ) अमूर्त आस्तियां	6.1	6.37	4.84
(ङ) विकास के तहत अमूर्त संपत्ति	6.2	6.35	-
(च) वित्तीय आस्तियां			
(i) निवेश	7	145.68	766.66
(ii) ऋण	8	1.20	125.79
(iii) अन्य वित्तीय आस्तियां	9	1,295.29	1,152.95
(छ) आस्थगित कर आस्तियां (निवल)		-	-
(i) अन्य गैर-चालू आस्तियां	10	969.15	604.63
कुल गैर चालू आस्तियां (क)		15,708.50	13,105.21
<u>चालू आस्तियां</u>			
(क) वस्तु सूची	12	988.20	1,103.52
(ख) वित्तीय आस्तियां			
(i) निवेश	7	4,102.73	3,056.03
(ii) व्यापार प्राप्तियाँ	13	1,040.90	1,292.63
(iii) नगद एवं नगद समतुल्य	14	357.11	1,010.55
(iv) अन्य बैंक शेष	15	11,776.50	7,250.00
(v) ऋण	8	-	500.51
(vi) अन्य वित्तीय आस्तियां	9	707.30	384.38
(ग) वर्तमान कर आस्तियां (निवल)		2,423.02	2,628.04
(घ) अन्य चालू आस्तियां	11	3,286.37	2,673.89
कुल चालू आस्तियां (ख)		24,682.13	19,899.55
कुल परिसंपत्तियाँ (क+ख)		40,390.63	33,004.76

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी संख्या	31.03.2022 तक	31.03.2021 तक
इक्विटी एवं देयताएं			
इक्विटी			
क) इक्विटी शेयर पूंजी	16	661.84	661.84
ख) अन्य इक्विटी	17	4,273.65	1,594.14
		4,935.49	2,255.98
कंपनी के इक्विटीधारकों के कारण इक्विटी			
गैर नियंत्रित ब्याज		-	-
कुल इक्विटी (क)		4,935.49	2,255.98
देयताएं :			
गैर-चालू देयताएं			
(क) वित्तीय देयताएं			
(i) उधार	18	4.31	5.03
(ii) पट्टा देयताएँ		2.29	-
(ii) भुगतान योग्य व्यापार		-	-
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	20	1,100.22	366.26
(ख) प्रावधान	21	18,764.50	19,074.95
(ग) आस्थगित कर देयताएँ (निवल)		539.46	529.58
(घ) अन्य गैर चालू दायित्वाएँ	22	139.06	152.96
कुल गैर चालू दायित्वाएँ (ख)		20,549.85	20,128.78
चालू देयताएं :			
(क) वित्तीय देयताएं			
(i) उधार	18	0.62	0.64
(ii) पट्टा देयताएँ		-	-
(ii) भुगतान योग्य व्यापार	19		
		1.55	0.18
सूक्ष्म और लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि		1,464.78	1,014.05
सूक्ष्म और लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों की कुल बकाया राशि			
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	20	2,955.21	2,239.15
(ख) अन्य चालू देयताएं	23	6,760.85	3,636.82
(ग) प्रावधान	21	445.21	452.10
(घ) चालू कर देयताएँ(निवल)		-	-
कुल चालू देयताएं (ग)		11,628.23	7,342.94
कुल इक्विटी एवं देयताएं (क+ख+ग)		37,113.57	29,727.70

साथ में दी गई टिप्पणियां 1 से 38 वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

बोर्ड की ओर से

कृते लालदास एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
संस्था पंजी. सं. 311147E
ह/-

(सनदी लेखाकार एसएस ब्रह्मा)

साझेदार
सदस्यता सं. 066706

दिनांक : 10.05.2022

स्थान : भुवनेश्वर

ह/-
संजीव कुमार देबनाथ
महाप्रबंधक (वित्त)

ह/-
(के. आर. वासुदेवन)

निदेशक (वित्त)

DIN : 07915732

ह/-
(एस. परिडा)
कंपनी सचिव

ह/-
(ओपी सिंह)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध -

निदेशक

DIN: 07627471

लाभ-हानी विवरणी

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी संख्या	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
संचालन से राजस्व			
क. विक्रय (निवल अन्य उगाही)	24	19,165.50	14,474.08
ख. अन्य संचालन राजस्व(निवल अन्य उगाही)		2,646.69	2,018.25
(I)संचालनों से राजस्व (क+ख)		21,812.19	16,492.33
(II) अन्य आय	25	1,184.26	1,021.77
(III) कुल आय (I+II)		22,996.44	17,514.10
(IV) व्यय			
उपभोग की गई सामग्री की लागत	26	992.07	705.87
व्यापार के लिए माल की खरीद		103.56	282.34
तैयार माल के बस्तुसूची में परिवर्तन/कार्य में प्रगति और व्यापार में स्टॉक			
	27	181.53	(294.23)
उत्पाद शुल्क	28	3,619.70	3,187.50
कर्मचारी हितलाभ पर व्यय		163.27	153.30
बिजली पर व्यय	29	181.62	168.44
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व पर व्यय	30	172.21	169.11
मरम्मत	31	4,528.98	3,370.67
संविदात्मक व्यय	32	61.13	68.38
वित्तीय लागत		723.86	583.40
मूल्यहास / परिशोधन / हानि पर व्यय	33	6.67	63.10
प्रावधान	34	11.50	-
बट्टे खाते डालना		(289.29)	(1,059.17)
अन्य व्यय	35	1,077.23	798.60
कुल खर्च (IV)		11,534.02	8,197.31
(V) संयुक्त उद्यम/सहयोगी के लाभ/(हानि) (III-IV) के शेयर से पहले लाभ		11,462.42	9,316.79
(VI) संयुक्त उद्यम/सहयोगी के लाभ/(हानि) का हिस्सा			
(VI) अपवादात्मक मर्दे		-	-
(VII) कर पूर्व लाभ (V-VI)		11,462.42	9,316.79
(VIII) कर संबंधी व्यय	36		
चालू कर		2,972.03	2,292.54
आस्थगित कर		9.89	151.90
कुल कर व्यय (VIII)		2,981.92	2,444.44
(IX) सतत प्रचालन से अवधि के लिए लाभ (VII-VIII)		8,480.50	6,872.35
(X) संचालन अवरुद्ध होने से लाभ/(हानि)		-	-
(XI) संचालन अवरुद्ध होने पर कर व्यय		-	-
(XII) संचालन अवरुद्ध होने से लाभ/(हानि) (कर पश्चात) (X-XI)		-	-
(XIII)संयुक्त उद्यम /एसोसियेट्स के शेयर से लाभ/(हानि)		8,480.50	6,872.35

लाभ हानी विवरणी

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी संख्या	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
(XIV) अन्य व्यापक आय			
क. (i) ऐसे मदों जो लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं होंगे	37	(1.32)	(50.00)
(ii) उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जो लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		0.33	12.58
ख. (i) मदों जो लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किए जाएंगे		-	-
(ii) उन मदों से संबंधित आयकर जो लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किया जाएगा		-	-
(XV) कुल अन्य व्यापक आय		(0.99)	(37.42)
(XVI) कुल व्यापक आय (XIV+XV) (व्यापक लाभ (हानि) वर्ष के लिए लाभ(हानि) और अवधि के लिए अन्य व्यापक लाभ)		8,479.51	6,834.93
लाभ का कारण :			
कंपनी के मालिक		8,480.50	6,872.35
गैर नियंत्रित ब्याज		-	-
		8,480.50	6,872.35
अन्य व्यापक आय का कारण :			
कंपनी का मालिक		(0.99)	(37.42)
गैर नियंत्रित ब्याज		-	-
		(0.99)	(37.42)
कुल व्यापक लाभ के कारण :			
कंपनी के मालिक		8,479.51	6,834.93
गैर नियंत्रित ब्याज		-	-
		8,479.51	6,834.93
(XVII) प्रति इक्वीटी शेयर आय(संचालन जारी रखने हेतु)			
(1) मूल		12,812.10	10,327.22
(2) मंजूर		12,812.10	10,327.22
(XVIII) प्रति इक्वीटी शेयर आय(संचालन अवरुद्ध करने हेतु)			
(1) मूल		-	-
(2) मंजूर		-	-
(XIX) प्रति इक्वीटी शेयर आय(संचालन जारी रखने एवं अवरुद्ध करने हेतु)			
(1) मूल		12,812.10	10,327.22
(2) मंजूर		12,812.10	10,327.22

साथ में दी गई टिप्पणियां 1 से 38 वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

बोर्ड की ओर से

कृते लालदास एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
संस्था पंजी. सं. 311147E
ह/-

(सनदी लेखाकार एसएस ब्रह्मा)

साझेदार
सदस्यता सं. 066706

दिनांक : 10.05.2022

स्थान : भुवनेश्वर

ह/-
संजीव कुमार देबनाथ
महाप्रबंधक (वित्त)

ह/-
(के. आर. वासुदेवन)

निदेशक (वित्त)

DIN : 07915732

ह/-
(एस. परिडा)
कंपनी सचिव

ह/-
(ओपी सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध -
निदेशक
DIN: 07627471

नगद प्रवाह विवरण

(₹ करोड़ में)

		31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
संचालन गतिविधियों से प्राप्त नगद प्रवाह			
कर पूर्व लाभ		11,462.42	9,316.79
के लिए समायोजन:			
संयुक्त उद्यम/सहयोगी के लाभ/(हानि) का हिस्सा		-	-
मूल्यहास, परिशोधन और हानि व्यय		723.86	583.40
निवेश से आय		(654.26)	(748.22)
लाभान्श आय		-	(0.01)
उचित मूल्य परिवर्तन		(41.87)	(6.21)
वित्तीय लागत		61.13	68.38
(लाभ)/संपत्ति की बिक्री पर हानि		(29.75)	(0.17)
दायित्व और प्रावधान वापस लिखा गया		(159.50)	(147.36)
बट्टा खाता डालना		11.42	-
व्यापार प्राप्तियों के लिए भत्ता		-	45.40
अन्य प्रावधान		6.67	17.70
स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन		(289.29)	(1,059.17)
चालू/गैर चालू आस्तियों और देनदारियों से पहले परिचालन लाभ		11,090.82	8,070.53
के लिए समायोजन:			
व्यापार प्राप्त्य (प्रावधान का शुद्ध)		251.73	30.44
सूची		115.32	(309.90)
ऋण और अग्रिम और अन्य वित्तीय संपत्ति		(496.51)	203.67
वित्तीय और अन्य देयताएं		3,800.02	558.43
व्यापार देनदारियां		452.10	604.86
संचालन से उत्पन्न नकद		15,213.49	9,158.03
आयकर (भुगतान किया गया)/धनवापसी		(2,766.68)	(2,383.32)
परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकद प्रवाह	(A)	12,446.81	6,774.71
निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह			
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की खरीद		(2,967.65)	(2,229.09)
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण से बिक्री आय		33.17	1.28
अन्वेषण और मूल्यांकन संपत्ति में परिवर्तन		35.91	(13.06)
बैंक जमा में लाभ/(निवेश)		(4,659.84)	5,016.40
म्युचुअल फंड, बांड आदि में आय/(निवेश)।		(354.88)	(2,740.61)
शेयरों आदि में आय/(निवेश)।		(28.97)	-
संयुक्त उद्यमों में इक्विटी के लिए भुगतान		-	-
निवेश से ब्याज		559.39	1,036.11
म्युचुअल फंड से ब्याज / लाभान्श		83.41	36.42
निवेश गतिविधियों से शुद्ध नकद	(B)	(7,299.46)	1,107.45

नगद प्रवाह विवरण

(₹ करोड़ में)

		31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए

वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह

उधार में पुनर्भुगतान/वृद्धि	(0.73)	(1,706.26)
वित्तीय गतिविधियों से संबंधित ब्याज और वित्त लागत	(0.05)	(11.77)
इक्विटी शेयरों पर लाभांश	(5,800.00)	(5,225.00)
इक्विटी शेयरों पर लाभांश पर कर	-	-
वित्तीय गतिविधियों से शुद्ध नकद	(5,800.78)	(6,943.03)

नकद और नकद समकक्ष (ए + बी + सी) में शुद्ध वृद्धि / (कमी)	(653.43)	939.12
वर्ष की शुरुआत में नकद और नकद समकक्ष	1,010.55	71.43
अवधि के अंत में नकद और नकद समकक्ष	357.11	1,010.55
नकद और नकद समकक्षों का समाधान (नोट-14)		
नकद और नकद समकक्ष (बैंक ओवरड्राफ्ट का शुद्ध)	357.11	1,010.55
नकद और नकद समकक्ष (नकद और नकद समकक्ष के घटकों के लिए नोट 14 देखें)	357.11	1,010.55
बैंक ओवरड्राफ्ट (नोट-18)	-	-

(कोष्ठक में सभी आंकड़े बहिर्वाह का प्रतिनिधित्व करते हैं।)

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

कृते लालदास एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
संस्था पंजी. सं. 311147E
ह/-

(सनदी लेखाकार एसएस ब्रह्मा)

साझेदार
सदस्यता सं. 066706

दिनांक : 10.05.2022

स्थान : भुवनेश्वर

ह/-
संजीव कुमार देबनाथ
महाप्रबंधक (वित्त)

ह/-
(के. आर. वासुदेवन)

निदेशक (वित्त)

DIN : 07915732

ह/-
(एस. परिडा)
कंपनी सचिव

ह/-
(ओपी सिंह)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध -

निदेशक

DIN: 07627471

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए इन्विटी में A3 का विवरण

A. इन्विटी शेयर पूंजी

31, मार्च, 2022 को

(₹ करोड़ में)

विवरण	1/4/2021 को शेष राशि	पूर्व अवधि की बूटियों के कारण इन्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	1/4/2021 को शेष राशि	वर्तमान अवधि के दौरान इन्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	31.03.2022 को शेष राशि
भुगतान किए गए ₹ 1000/- प्रतिशेयर के 66,18,363 इन्विटी शेयर	661.84	-	661.84	-	661.84

31, मार्च, 2022 को

(₹ करोड़ में)

विवरण	01-04-2020 को शेष राशि	पूर्व अवधि की बूटियों के कारण इन्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	01-04-2020 को शेष राशि	वर्तमान अवधि के दौरान इन्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	31.03.2022 को शेष राशि
भुगतान किए गए ₹ 1000/- प्रतिशेयर के 66,18,363 इन्विटी शेयर	661.84	-	661.84	-	661.84

B. अन्य इन्विटी

विवरण	पूँजी ऋणमुक्ति आरक्षित	सामान्य आरक्षण	प्रतिधारित आय	निर्धारित लाभ योजनाओं का पुनर्माप (निवल कर) - (ओसीआई)	कुल
01-04-2021 के अनुसार शेष राशि	44.29	-	-	(97.50)	-53.21
अवधि के लिए कुल व्यापक आय	-	-	8,480.50	(0.99)	8,479.51
अंतरिम लाभांश	-	-	(5,000.00)	-	(5,000.00)
वित्तीय वर्ष 20-21 का अंतिम लाभांश	-	-	(800.00)	-	(800.00)
जनरल रिजर्व में/से स्थानांतरण	-	424.03	(424.03)	-	-
अवधि के दौरान समायोजन	-	-	-	-	-
31.03.2022 तक शेष राशि	44.29	424.03	2,256.47	-98.49	2,626.30

विवरण	पूँजी ऋणमुक्ति आरक्षित	सामान्य आरक्षण	प्रतिधारित आय	निर्धारित लाभ योजनाओं का पुनर्माप (निवल कर) - (ओसीआई)	कुल
01-04-2020 तक शेष राशि	44.29	-	-	(60.08)	-15.79
अवधि के लिए कुल व्यापक आय	-	-	6,872.35	(37.42)	6,834.93
अंतरिम लाभांश	-	-	(5,225.00)	-	(5,225.00)
वित्तीय वर्ष 20-21 का अंतिम लाभांश	-	-	-	-	-
जनरल रिजर्व में/से स्थानांतरण	-	343.62	(343.62)	-	-
अवधि के दौरान समायोजन	-	-	-	-	-
31.03.2022 तक शेष राशि	44.29	343.62	1,303.73	-97.50	1,594.14

**वर्ष के दौरान लाभ में म्यूचुअल फंड निवेश में उचित मूल्य परिवर्तन शामिल हैं जो काल्पनिक / अपास्त प्रकृति की हैं और लाभांश के वितरण के लिए उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे लाभ का विवरण नीचे दिया गया है:

	₹. करोड़ में E56C35
01.04.2020 तक शेष राशि	0.00
वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान अतिरिक्त	6.21
31.03.2021 तक शेष राशि	6.21
वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान अतिरिक्त	41.87
31.03.2022 तक शेष राशि	48.08

पूँजी ऋणमुक्ति रिजर्व का विवरण

विवरण	राशि (₹ करोड़ में)	वर्ष
इन्विटी शेयर का बायबैक	44.29	वित्त वर्ष 2018-19
कुल	44.29	

साथ में दी गई टिप्पणियां 1 से 38 वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

बोर्ड की ओर से

कृते लालदास एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
संस्था पंजी. सं. 311147E
ह/-
(सनदी लेखाकार एसएस ब्रह्मा)

ह/-
संजीव कुमार देबनाथ
महाप्रबंधक (वित्त)

ह/-
(एस. परिडा)
कंपनी सचिव

साझेदार
सदस्यता सं. 066706
दिनांक : 10.05.2022
स्थान : भुवनेश्वर

ह/-
(के. आर. वासुदेवन)
निदेशक (वित्त)
DIN : 07915732

ह/-
(ओपी सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध -
निदेशक
DIN: 07627471

वित्तीय विवरणी (स्टैंडएलोन) के लिए टिप्पणी

टिप्पणी : 1 कॉर्पोरेट जानकारी

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल), एक मिनीरत्न कंपनी है, जिसका मुख्यालय संबलपुर, ओडिशा में है, जिसे 3 अप्रैल, 1992 को कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की 100% सहायक कंपनी के रूप में शामिल किया गया था जिसमें ओडिशा राज्य में स्थित खानों में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की संपत्ति और देयताएं शामिल थी।

कंपनी मुख्य रूप से कोयले का खनन और उत्पादन करती है। कंपनी के प्रमुख उपभोक्ता बिजली और इस्पात क्षेत्र हैं। अन्य क्षेत्रों के उपभोक्ताओं में सीमेंट, उर्वरक, ईट-भट्ठे आदि शामिल हैं।

टिप्पणी 2:महत्पूर्ण लेखांकन नीतियाँ

2.1 वित्तीय विवरण की तैयारी का आधार

- i. भारतीय लेखांकन मानक नियमावली, 2015, कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) के तहत अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानक (भा.लेखा.मा.) के अनुसार, कंपनी (एससीएल) का वित्तीय विवरण तैयार किया गया है।
- ii. मापन को ऐतिहासिक लागत के आधार पर वित्तीय विवरणों के अनुसार तैयार किया गया है, सिवाय इसके कि
 - कुछ वित्तीय संपत्तियों और देयताओं को उचित मूल्य पर मापा जाता है (अनुच्छेद 2.15 में वित्तीय साधनों पर लेखांकन नीति देखें)
 - परिभाषित लाभ योजना- संपत्ति योजना को उचित मूल्य पर मापा जाता है।
 - वस्तुसूची पर लागत या एनआरवी इनमें से जो भी कम हो (अनुच्छेद 2.21 में वर्णित लेखांकन नीति का अवलोकन करें)।

2.1.1 पूर्ण अंकों में राशि

इन वित्तीय विवरणों में राशि जब तक कि अन्यथा अपेक्षित न हो तब तक करोड़ रुपए दो दशमलव अंको तक राउंड किए जाएंगे।

2.2 चालू एवं गैर- चालू वर्गीकरण

कंपनी चालू / गैर-चालू वर्गीकरण के आधार पर तुलनपत्र में संपत्ति एवं देनदारियों को प्रस्तुत करती है। कंपनी द्वारा एक परिसंपत्ति को चालू के रूप में तब माना जाता है, जब:

- (क) अपने सामान्य संचालन चक्र में यह अपेक्षित है कि संपत्ति स्वीकार की जाये व बेची या उपभोग की जाये।
- (ख) सबसे पहले संपत्ति की देयताओं को व्यापार हेतु बनाए रखना अपेक्षित होगा।
- (ग) रिपोर्टिंग अवधि के बाद 12 माह के भीतर परिसंपत्तियों की पहचान की गई हो।

(घ) आस्ति नकद समकक्ष (लेखांकन नीति 7 में यथा-परिभाषित) रूप में तब तक रहती है जब तक आस्ति को रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए विनिमय किए जाने या देयता के निपटान के लिए उपयोग किए जाने पर प्रतिबंध न लगा दिया गया हो। अन्य सभी आस्तियों को गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

कंपनी द्वारा देयताओं को चालू में स्वीकार किया जाएगा, जब :

- क) अपने सामान्य संचालन चक्र में अपेक्षित देयताएं स्थापित की गई हो।
- ख) सबसे पहले देयताओं को व्यवसाय हेतु बनाए रखना अपेक्षित होगा।
- ग) रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीनों के भीतर देयता का निपटान किया जाना है ;
- घ) रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम 12 माह के लिए देयताओं के निपटान को स्थगित करने के लिए सशर्त अधिकार नहीं होंगे। देयता की शर्तें जो कि काउंटर पार्टी के विकल्प पर हो सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप इक्विटी के जारी करने के मुद्दों के निपटारे का परिणाम इसके वर्गीकरण को प्रभावित नहीं करता है।

अन्य सभी देयताएं गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत हैं।

2.3 राजस्व मान्यता

ग्राहकों के साथ अनुबंध से प्राप्त राजस्व

ग्राहकों के साथ अनुबंधों से प्राप्त राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब वस्तुओं या सेवाओं का नियंत्रण ग्राहक को उस राशि पर हस्तांतरित किया जाता है जिससे यह प्रदर्शित हो सके कि ग्राहक को सेवायें हस्तांतरित करने के लिए कंपनी एक्सचेंज हेतु हकदार होने की उम्मीद रखती हो। कंपनी ने आमतौर पर यह निष्कर्ष निकाला है कि यह अपनी राजस्व व्यवस्था में श्रेष्ठ है क्योंकि यह आमतौर पर ग्राहकों को स्थानांतरित करने से पहले वस्तुओं या सेवाओं को नियंत्रित करती है।

निम्नलिखित पाँच चरणों का उपयोग करते हुये भारतीय लेखांकन मानक 115 के सिद्धांतों को लागू किया जाता है :

चरण 1: अनुबंध की पहचान :

ग्राहक के साथ अनुबंध के लिए कंपनी तभी जिम्मेदारी लेती है जब ग्राहक द्वारा निम्नलिखित सभी मानदंडों को पूरा किया जाता है :

- क) अनुबंध के पक्षकारों को अनुबंध को स्वीकार करना होता है और वे अपने संबंधित दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं ;
- ख) कंपनी स्थानांतरित किए जाने वाले वस्तु या सेवाओं से संबंधित प्रत्येक पार्टी के अधिकारों की पहचान कर सकती है ;
- ग) कंपनी हस्तांतरित की जाने वाली वस्तुओं या सेवाओं के लिए भुगतान की शर्तों की पहचान कर सकती है;
- घ) अनुबंध में वाणिज्यिक विषय (यानी, अनुबंध के प्रत्याशित बदलाव स्वरूप जोखिम, समय, कंपनी के भविष्य के नकदी प्रवाह की राशि); और
- ड) यह संभव है कि कंपनी उस पर विचार करेगी जिसके लिए वह ग्राहक को हस्तांतरित की जाने वाली वस्तुओं या सेवाओं के एक्सचेंज के लिए हकदार होगी। तय की गई राशि जिस पर कंपनी हकदार होगी, वह अनुबंध में निर्दिष्ट कीमत से कम हो सकती है, यदि तय की गई राशि परिवर्तनशील है क्योंकि कंपनी ग्राहक को मूल्य रियायत, बट्टा, छूट, धन वापसी, क्रेडिट की पेशकश कर सकती है या प्रोत्साहन, प्रदर्शन बोनस, या इसी तरह पारितोषिक प्रदान कर सकती है।

अनुबंधों का संयोजन

कंपनी दो या दो से अधिक अनुबंधों को समेकित करती है यदि एक ही ग्राहक द्वारा एक ही समय में या एक ही समय के आस-पास अनुबंध दाखिल की जाती है (या ग्राहक के संबंधित पक्षों) और अनुबंध एक एकल अनुबंध के रूप में मान्य होगा, यदि निम्न में से एक या अधिक मानदंडों को पूरा किया जाता है :

- क) एकल वाणिज्यिक उद्देश्य के साथ एकमुश्त में अनुबंध तय की जा सकती है;
- ख) अनुबंध में भुगतान की जाने वाली तय राशि दूसरे अनुबंध के निष्पादन या कीमत पर निर्भर करती है; या
- ग) अनुबंध में तय की गई वस्तु या सेवाएँ (या प्रत्येक अनुबंध में तय किए गए कुछ वस्तु या सेवाएँ) एकल दायित्व हैं।

अनुबंध संशोधन

कंपनी एक अलग अनुबंध के रूप में अनुबंध संशोधन के लिए उत्तरदायी है यदि निम्न दोनों स्थितियाँ मौजूद हैं:

- क) अनुबंध की गुंजाइश बढ़ जाती है क्योंकि तय किए गए वस्तुओं या सेवाओं से यदि वे अलग हों,
- ख) अनुबंध की कीमत तय की गई कीमत से बढ़ सकती है यह कंपनी की स्टैंड-अलोन अतिरिक्त तय की गई वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री मूल्यों और उस मूल्य के कोई उपयुक्त समायोजन जो विशेष अनुबंध के परिस्थितियों को दर्शाता हो।

चरण 2: कार्य –निष्पादन दायित्वों की पहचान :

अनुबंध करते समय, कंपनी ग्राहक के साथ अनुबंध में तय किए गए वस्तुओं या सेवाओं का आकलन करती है और प्रत्येक प्रतिबद्धता ग्राहक को हस्तांतरित करने के लिए निष्पादन बाध्यता के रूप में पहचान करती है कि :

- क) वस्तुओं या सेवाओं (वस्तुओं या सेवाओं का एक समूह) जो अलग हैं; या
- ख) अलग-अलग वस्तुओं या सेवाओं की एक श्रृंखला जो काफी हद तक एक समान होती है और ग्राहक के लिए स्थानांतरण का समान पैटर्न होता है।

चरण3: लेन-देन मूल्य का निर्धारण

कंपनी अनुबंध की निबंधन और लेन-देन की कीमत निर्धारित करने के लिए उसके प्रथागत व्यवसाय आचरण व अनुबंध की शर्तों का ध्यान रखती है। लेन-देन का मूल्य तय की गई वह राशि है, जिसके बारे में कंपनी उम्मीद करती है कि वह तीसरे पक्ष की ओर से एकत्र की गई राशियों को छोड़कर, किसी ग्राहक को प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं को हस्तांतरित करने हेतु एक्स्चेंज के लिए हकदार होगी। एक ग्राहक के साथ एक अनुबंध में तय किए गए प्रतिबद्धता में नियत राशि, परिवर्तनीय राशि या दोनों शामिल हो सकते हैं।

लेन- देन मूल्य निर्धारित करते समय, कंपनी निम्नलिखित में से सभी के प्रभावों का ध्यान रखती है :

- परिवर्तनीय स्वीकार्यता ;
- परिवर्तनीय निर्णय के आकलन;
- महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक का अस्तित्व ;

- गैर-नकद निर्णय;

- ग्राहक को देय निर्णय

बट्टा, छूट, प्रतिदाय, क्रेडिट, मूल्य रियायतें, प्रोत्साहन, प्रदर्शन बोनस, या अन्य समान पारितोष कों के कारण तय की गई राशि भिन्न हो सकती है। यदि कंपनी भविष्य में होने वाली घटना के होने या न होने पर विचार करती है तो प्रतिबद्ध निर्णय भी भिन्न हो सकता है।

कुछ अनुबंधों में, दंड निर्दिष्ट हैं। ऐसे मामलों में, अनुबंध के सारांश के अनुसार दंड की गणना की जाती है। जहां लेन-देन के मूल्य के निर्धारण में जुर्माना निहित है, यह परिवर्तनीय निर्णय का हिस्सा है।

कंपनी लेन-देन मूल्य में केवल कुछ हद तक अनुमानित परिवर्तनीय निर्णय की राशि को शामिल करती है जिससे अत्यधिक संभावना है कि मान्य संचयी राजस्व की राशि में एक महत्वपूर्ण व्युत्क्रम तब नहीं होगा जब परिवर्तनीय निर्णय से जुड़ी अनिश्चितता कों बाद में दूर किया जाए।

कंपनी एक महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक के प्रभावों के लिए तय की गई प्रतिबद्ध राशि को समायोजित नहीं करती है, अनुबंध के आरंभ में यदि वह अपेक्षा करती हो, कि उस अवधि के दौरान जब वह ग्राहक को प्रतिबद्ध वस्तुएं या सेवाएं हस्तांतरित करता है और जब ग्राहक उस वस्तु या सेवा के लिए एक वर्ष या उससे कम समय के लिए भुगतान की जाती है।

यदि कंपनी ग्राहक से भुगतान प्राप्त करती है और कंपनी ग्राहक को उस भुगतान के कुछ या पूर्ण प्रतिदाय की उम्मीद करती है तो कंपनी प्रतिदाय दायित्व को स्वीकार करती है। प्रतिदाय दायित्व को प्राप्त भुगतान (या प्राप्य) की उस राशि के आधार पर तय किया जाता है, जिसके लिए कंपनी स्वत्वाधिकारी की उम्मीद नहीं करती है (यानी लेनदेन मूल्य में शामिल नहीं की गई राशि) प्रतिदाय दायित्व (और लेन-देन मूल्य में संगत परिवर्तन और , इसलिए, अनुबंध दायित्व) को परिस्थितियों में बदलाव के लिए प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अद्यतित किया जाता है।

अनुबंध की प्रारंभ होने के बाद, लेनदेन की कीमत विभिन्न कारणों से बदल सकती है, जिसमें अनिश्चित घटनाओं का समाधान या परिस्थितियों में अन्य परिवर्तन शामिल हैं जो उस भुगतान की राशि को बदल सकती, जिसके लिए कंपनी प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं के लिए एक्सचेंज में हकदार होने की उम्मीद करती है।

चरण4: लेन-देन मूल्य का आवंटन :

लेन-देन मूल्य का आवंटन करते समय कंपनी का उद्देश्य कंपनी के लिए प्रत्येक निष्पादन दायित्व (या अलग-अलग वस्तुओं या सेवा) के लिए उस राशि पर लेनदेन मूल्य आवंटित करना है जो इसमें कंपनी को ग्राहक को दिए गए माल या सेवाओं को हस्तांतरित करने के लिए एक्सचेंज में कंपनी द्वारा अपेक्षित हकदार होने की भुगतान की गई राशि को प्रदर्शित करती है।

संबंधित स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्य आधार पर प्रत्येक निष्पादन दायित्व के लिए लेन-देन मूल्य आवंटित करने के लिए कंपनी अनुबंध में प्रत्येक निष्पादन बाध्यता के आधार पर अलग वस्तुओं या सेवाओं के अनुबंध के प्रारंभ पर स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्य निर्धारित करती है और उन स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्यों के अनुपात में लेन-देन मूल्य आवंटित करती है।

चरण 5: राजस्व को मान्यता देना :

कंपनी राजस्व को तब मान्यता देती है जब (या जैसे) कंपनी ग्राहक को प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं को हस्तांतरित करके निष्पादन बाध्यता को पूरा करती है। वस्तु या सेवा तब हस्तांतरित की जाती है जब (या जैसे) ग्राहक उस वस्तु या सेवा का नियंत्रण प्राप्त कर लेता है।

कंपनी समय पर वस्तु या सेवा का नियंत्रण हस्तांतरित करती है, और इसलिए, कंपनी समय पर निष्पादन बाध्यता को पूरा करती है और राजस्व को मान्यता देती है, यदि निम्न मानदंडों में से एक को पूरा किया जाता है:

क) ग्राहक कंपनी के साथ-साथ कंपनी के निष्पादन द्वारा प्राप्त लाभों को प्राप्त करता है और उनका उपभोग करता है, जैसा कि कंपनी प्रदर्शन करती है;

ख) कंपनी का निष्पादन संपत्ति सृजित करता है या बढ़ाता है और जितनी संपत्ति सृजित या बढ़ाई जाती है, उतना ही ग्राहक उसे संपत्ति के रूप में नियंत्रित करता है ;

ग) कंपनी का निष्पादन कंपनी के लिए एक वैकल्पिक उपयोग के साथ आस्ति सृजित नहीं करती है तो कंपनी को अब तक के निष्पादन के लिए भुगतान का प्रवर्तनीय अधिकार है।

प्रत्येक निष्पादन बाध्यता को समय पर पूरा करने लिए, कंपनी उस निष्पादन बाध्यता की पूर्ण प्राप्ति की प्रगति को ध्यान में रख कर समय पर राजस्व को मान्यता देती है।

कंपनी समय पर पूर्ण प्रत्येक निष्पादन बाध्यता की प्रगति को आँकने के लिए एक पद्धति को लागू करती है और कंपनी उस पद्धति को समान निष्पादन बाध्यताओं और समान परिस्थितियों में हमेशा लागू करती है। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, कंपनी समय पर पूर्ण निष्पादन बाध्यता की पूर्ण समाधान की दिशा में अपनी प्रगति का पुनः आंकलन करती है।

कंपनी अनुबंध के अंतर्गत तय किए गए शेष सामानों या सेवाओं के सापेक्ष ग्राहक को स्थानांतरित की गई वस्तुओं या सेवाओं के मूल्य के प्रत्यक्ष आंकलन के आधार पर राजस्व मान्यता के लिए उत्पाद पद्धति को लागू करती है। उत्पाद पद्धति में आज तक पूर्ण किए गए निष्पादन सर्वेक्षण, प्राप्त परिणामों के मूल्यांकन, प्राप्त उपलब्धि , व्यतीत समय और उत्पादित इकाइयाँ या सुपुर्द इकाइयाँ जैसे पद्धतियां शामिल हैं।

जैसे-जैसे समय के साथ हालात बदलते हैं, कंपनी निष्पादन बाध्यता के परिणाम में किसी भी बदलाव को दर्शाने की प्रगति के अपने उपाय को अद्यतन करती है। कंपनी की प्रगति के आंकलन में इस तरह के बदलावों को भारतीय लेखांकन मानक 8, लेखांकन नीतियों, लेखांकन अनुमानों और त्रुटियों में परिवर्तन के अनुसार लेखांकन अनुमान में परिवर्तन के रूप में जाना जाता है।

कंपनी सिर्फ समय पर पूर्ण निष्पादन बाध्यता के लिए राजस्व को मान्यता देती है, यदि जब कंपनी निष्पादन बाध्यता की पूर्ण समाधान के लिए अपनी प्रगति का आंकलन यथोचित रूप से करती है। जब (या जैसे) निष्पादन बाध्यता पूरा हो जाता है, तो कंपनी लेन-देन मूल्य की राशि को राजस्व के रूप में मान्यता देती है जो कि परिवर्तनीय भुगतान के अनुमानों को शामिल नहीं करता है जो उस निष्पादन बाध्यता के लिए आवंटित होता है।

यदि निष्पादन बाध्यता समय पर पूरा नहीं होता, तो कंपनी एक समय में निष्पादन बाध्यता को पूरा करती है। उस समय को निर्धारित करने के लिए, जिस पर ग्राहक प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं पर नियंत्रण प्राप्त करता है और कंपनी निष्पादन बाध्यता को पूरा करती है, कंपनी नियंत्रण हस्तांतरण के संकेतकों को तय करती है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं, लेकिन केवल यहाँ तक सीमित नहीं हैं:

- क) कंपनी के पास वस्तु या सेवा के भुगतान का अधिकार होता है;
- ख) ग्राहक के पास वस्तु या सेवा कानूनी हक होता है ;
- ग) कंपनी ने वस्तु या सेवा के भौतिक कब्जे को हस्तांतरित कर दिया है;
- घ) ग्राहक के पास महत्वपूर्ण जोखिम और वस्तु या सेवा का स्वामित्व होता है
- ड) ग्राहक ने वस्तु या सेवा को स्वीकार कर लिया है।

जब अनुबंध के लिए किसी पार्टी ने निष्पादन किया है, तो कंपनी, कंपनी के निष्पादन और ग्राहक के भुगतान के बीच के संबंध के आधार पर अनुबंध को अनुबंध आस्ति या अनुबंध देयता के रूप में तुलन पत्र में प्रस्तुत करती है। कंपनी अलग-अलग प्राप्य के रूप में भुगतान करने के लिए बिना शर्त अधिकार प्रस्तुत करती है।

अनुबंध संपत्ति:

एक अनुबंध संपत्ति ग्राहक को हस्तांतरित वस्तुओं या सेवाओं के बदले में निर्णय का अधिकार है। यदि कंपनी ग्राहक पर विचार करने से पहले या भुगतान देय होने से पहले किसी वस्तु या सेवाओं को किसी ग्राहक को हस्तांतरित करती है, तो अनुबंध आस्ति अर्जित निर्णय के लिए मान्यता प्राप्त है जो सशर्त है।

व्यापार प्राप्य :

एक प्राप्य राशि कंपनी के अधिकार का प्रतिनिधित्व करती है, जो शर्तहीन है (यानी, भुगतान से पूर्व केवल समय बीतने की आवश्यकता होती है)।

अनुबंध देयताएँ :

अनुबंध देयता ग्राहक को वस्तुओं या सेवाओं को स्थानांतरित करने का दायित्व रखती है जिससे कंपनी को ग्राहक के विचार प्राप्त होते हैं (विचार की राशि बकाया है)। यदि कोई ग्राहक कंपनी द्वारा ग्राहक को माल या सेवाओं को हस्तांतरित करने से पहले प्रतिफल का भुगतान करता है, तो भुगतान किए जाने या देय (जो भी पहले हो) होने पर एक अनुबंध दायित्व को मान्यता दी जाती है। जब कंपनी अनुबंध के तहत प्रदर्शन करती है तो अनुबंध देनदारियों को राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है।

ब्याज

प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके ब्याज आय की पहचान की जाती है।

लाभांश

भुगतान प्राप्त करने के अधिकार स्थापित होने पर निवेश से लाभांश आय को मान्यता दी जाती है।

अन्य दावे

अन्य दावों (ग्राहकों से देरी से वसूली पर ब्याज सहित) की गणना तब की जाती है जब प्राप्ति निश्चित होती है तथा विश्वसनीय रूप में मापन किया जा सकता है।

2.4 सरकार से अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब तक मान्यता नहीं दी जाती है जब तक कि उचित आश्वासन न हो कि कंपनी उनसे जुड़ी शर्तों का पालन करेगी तथा यह निश्चित हो कि अनुदान प्राप्त होगा।

सरकारी अनुदान को लाभ और हानि के विवरण में व्यवस्थित आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसमें कंपनी संबंधित लागतों को खर्च के रूप में मान्यता देती है जिससे अनुदान की क्षतिपूर्ति की जाती है।

आस्तियों से संबंधित सरकारी अनुदानों को आस्थगित आय के रूप में अनुदान की समन्वयोजन करके तुलनपत्र में प्रस्तुत किया जाता है और परिसंपत्ति को व्यवस्थित आधार पर लाभ और हानि को विवरणारूप में पहचाना जाता है।

आय से संबंधित अनुदान (यानी संपत्ति के अलावा अन्य अनुदान) सामान्य शीर्षक 'अन्य आय' के तहत लाभ या हानि के विवरण के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

सरकारी अनुदान जो खर्च या नुकसान के मुआवजे के रूप में या भविष्य में संबंधित लागत को तत्काल वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से प्राप्य होते हैं, उसे उस अवधि के लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त है जिसमें यह प्राप्य हो जाते हैं।

सरकारी अनुदान या संवर्धक योगदान का सीधा संबंध "संपत्ति कोष" से है जिसे मान्यता प्राप्त है जो "शेयरधारकों के फंड" का हिस्सा है।

2.5 पट्टे

यदि अनुबंध क्षतिपूर्ति के बदले में एक निश्चित अवधि के लिए किसी पहचान की गई संपत्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देती है तो संविदा एक पट्टा है या उसमें पट्टा शामिल है।

2.5.1 पट्टेदार के रूप में कंपनी

प्रारंभ तिथि पर, एक पट्टेदार लागत पर उपयोग के अधिकार की संपत्ति (राइट-टू-यूज एसेट) और पट्टे के भुगतान के वर्तमान मूल्य पर एक पट्टा देयता को मान्यता देगा जिसका उस तिथि पर सभी पट्टों के लिए भुगतान नहीं किया जाता है जब तक कि पट्टे की अवधि 12 महीने या उससे कम की या अंतर्निहित परिसंपत्ति कम मूल्य की न हो।

तत्पश्चात् राइट-टू-यूज एसेट को लागत मॉडल का उपयोग करके मापा जाता है, जबकि पट्टा देयता को, पट्टा देयता में ब्याज दर्शाने के लिए बढ़ती वहन राशि, किए गए पट्टा भुगतान को दर्शाने के लिए वहन राशि को घटाकर, किसी पुनर्मूल्यांकन या पट्टा संशोधन को दर्शाने के लिए वहन राशि के पुनर्मूल्यांकन द्वारा मापा जाता है।

वित्त प्रभारों को लाभ और हानि के विवरण में वित्त लागतों में मान्यता दी जाती है, जब तक कि लागतों को अन्य लागू मानकों को लागू करने वाली किसी अन्य परिसंपत्ति की अग्रणीत राशि में शामिल नहीं किया जाता है।

संपत्ति के उपयोगी जीवन पर उपयोग के अधिकार का मूल्यहास किया जाता है, यदि पट्टा पट्टे की अवधि के अंत तक संपत्ति के स्वामित्व को पट्टेदार को हस्तांतरित करता है या यदि संपत्ति के उपयोग के अधिकार की लागत दर्शाती है कि पट्टेदार खरीद के विकल्प का प्रयोग करेंगे। अन्यथा, पट्टेदार उपयोग की संपत्ति का मूल्यहास प्रारंभ तिथि से उपयोग के अधिकार की संपत्ति के उपयोगी जीवन के अंत तक या पट्टे की अवधि के अंत तक करेगा।

2.5.2 पट्टादाता के रूप में कंपनी

सभी पट्टे या तो परिचालन पट्टे या वित्त पट्टे के रूप में हैं।

एक पट्टे को एक वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह अंतर्निहित आस्तियों के स्वामित्व के लिए मूलतः सभी प्रासंगिक जोखिम एवं पुरस्कार को स्थानांतरित करता है। एक पट्टे को एक परिचालन पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह अंतर्निहित आस्तियों के स्वामित्व के लिए मूलतः सभी प्रासंगिक जोखिम एवं पुरस्कार को स्थानांतरित नहीं करता है।

परिचालन पट्टा - यदि पेटर्न का एक अन्य व्यवस्थित आधार अधिक प्रतिनिधिक नहीं होता जिसमें अंतर्निहित आस्ति के उपयोग से लाभ कम होता है, तब परिचालन पट्टे से प्राप्त परिचालन भुगतान को स्ट्रेट लाइन आधार पर आय के रूप में स्वीकार किया जाता है।

वित्तीय पट्टा एक वित्त पट्टे के तहत रखी गई संपत्ति को शुरू में इसकी तुलनपत्र में मान्यता दी जाती है और पट्टे में शुद्ध निवेश को मापने के लिए पट्टे में निहित ब्याज दर का उपयोग करके पट्टे में शुद्ध निवेश के बराबर राशि पर उन्हें प्राप्त के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

2.6 बिक्रय हेतु गैर-चालू संपत्ति

यदि इनकी कुल राशि निरंतर उपयोग के बजाय बिक्री के माध्यम से पुनर्प्राप्त की गई हो, तो कंपनी गैर चालू संपत्तियों को वर्गीकृत एवं उसे बिक्री हेतु आयोजित करती है। विक्रय को पूरा करने के लिए आवश्यक क्रियाओं में, बिक्री में महत्वपूर्ण बदलावों की संभावना न होने एवं बिक्री हेतु वापस लिए गए निर्णय का संकेत होना चाहिए। प्रबंधन वर्गीकरण की तिथि से 1 वर्ष के भीतर अपेक्षित विक्रय करने हेतु प्रतिबद्ध है।

जब विनिमय में वाणिज्यिक सार होता है तब इन उद्देश्यों के लिए, बिक्री लेनदेन में अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियों के लिए गैर-चालू परिसंपत्तियों के आदान-प्रदान को भी शामिल किया जाता है। विक्रय वर्गीकरण के लिए आयोजित मानदंडों को केवल तब तक ही माना जाता है जब तक कि परिसंपत्तियां या निपटान समूह अपने वर्तमान स्थिति में तत्काल बिक्री के लिए उपलब्ध होते हो, केवल ऐसी शर्तों के लिए जो ऐसी संपत्ति (या निपटान समूहों) की बिक्री के लिए सामान्य और प्रथागत है इसकी बिक्री की अत्यधिक संभावना है और इसे वास्तव में बेचा जाएगा पर उसका त्याग नहीं किया जाएगा। संपत्ति या निष्पादन समूह वर्तमान स्थिति के अनुसार इसे निष्पादित करने के लिए सक्षम हो सकेगा, जब

- प्रबंधन का उपयुक्त स्तर परिसंपत्ति (या निपटान समूह) को बेचने की योजना के लिए प्रतिबद्ध है।
- एक क्रेता का पता लगाने और योजना को पूरा करने के लिए एक सक्रिय कार्यक्रम शुरू किया गया है।
- संपत्ति (निष्पादन समूह) के विक्रय मूल्य के लिए सटिक कदम उठाए जा रहे हैं जिसे चालू कीमत के अनुरूप इसका व्यवहारिक मूल्य आकलित किया जाना अपेक्षित हो।
- यह विक्रय वर्गीकरण की तिथि से 1 वर्ष के अंदर अनुमानतः तैयार कर ली जाएगी तथा
- इस योजना से संबंधित सभी यथोचित योजना जिसमें कतिपय कुछ संशोधन व सुधार आवश्यक हो उसकी भी समीक्षा कर तैयार करना अपेक्षित होगा ताकि जरूरत पड़ने पर इस योजना को निरस्त भी किया जा सके।

2.7 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

जमीन की खरीदी ऐतिहासिक लागत पर की जाती है। इस ऐतिहासिक लागत में भूमि अधिग्रहण से जुड़े खर्च, पुनर्वास खर्च, पुनःस्थापन लागत तथा संबंधित विस्थापित व्यक्तियों को रोजगार के बदले दिए गए मुआवजे आदि शामिल हैं।

मान्यता के बाद, अन्य सभी परिसंपत्तियाँ, संयंत्रों और उपकरणों की मद को कम लागत पर किसी भी संचित मूल्यहास और लागत मॉडल के तहत किसी भी संचित हानि के नुकसान पर ले जाया जाता है। किसी भी संपत्ति की कीमत, संयंत्र तथा उसके उपकरण में निम्नलिखित तथ्यों का होना वांछित है।

- क) व्यापार छूट में मिले कटौती के बाद इनका क्रय मूल्य जिसमें निर्यात शुल्क तथा गैर-वापसी क्रय शुल्क शामिल हो।
- ख) स्थान तक संपत्ति को लाने के लिए किसी भी प्रत्यक्ष व्यय/सामयिक व्यय तथा प्रबंधन द्वारा क्षमतानुसार परिचालन के लिए उठाया गया अत्यावश्यक कदम।
- ग) सामग्री के परिवर्धन तथा हटाये जाने हेतु प्रारंभिक अनुमानित खर्च तथा समेकित स्थान तक इसे पहुँचाने के लिए व इसके व्यवहार के लिए जिसे समूह ने उस स्थिति में खर्च किया है जब इस सामग्री को उसने अपने आधिपत्य में रखा हो या एक निर्धारित अवधि के अन्तर्गत उसका व्यवहार किया गया हो, जिसके लिए उसने अपना निवेश किया था।

संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण में खर्च किए गए प्रत्येक अंश को कुल लागत के अनुसार विखंडित कर साफ-साफ दर्शाया जाना अपेक्षित है। हालांकि, पीपीई के मद के महत्वपूर्ण भाग (एस) में एक ही उपयोगी जीवन और अवमूल्यन विधि है, जो मूल्यहास शुल्क निर्धारित करने के लिए एक साथ समूहबद्ध होती है।

'मरम्मत और रखरखाव' के लिए वर्णित दिन-प्रतिदिन की सेवा की लागत को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है, जिसमें समान खर्च होता है।

संपत्ति, संयंत्र और उसके उपकरण का कुल मूल्य बदले जाने वाले उपकरण के यथोचित पाठ की राशि के मूल्य के समतुल्य होगा, जिससे यह लाभ होगा कि इस उपकरण की राशि भविष्य में भी वित्तीय लाभ प्रदान करेगी जो कि कंपनी के लिए लाभकारी होगा एवं इसका मूल्य आवृत्ति के रूप में भी आकलित किया जाएगा। इस उपकरण के मूल्य को उसके स्थान पर परिवर्तित किया जाएगा, जिससे निम्नलिखित विक्रेत्रीकरण नीति के अनुरूप विकेंद्रित करना अपेक्षित होगा।

जब वृहद स्तर पर निरीक्षण किया जाएगा तो इसके मूल्य को निर्देशित किया जाएगा, जो इस संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के रूप में परिवर्तित हो चुका था और इस तारतम्य में भविष्य के लाभांश के साथ कंपनी के उपयोग के लिए भी लाया जाएगा तथा इन सामग्रियों का मूल्य सटीक रूप से आकलित किया जायेगा। विगत जांच के लागत की शेष वहन राशि (भौतिक भाग के रूप में चिन्हित) अस्वीकृत की जाएगी।

संपत्ति, संयंत्र या उपकरण के एक मद को निपटान पर या संपत्ति के निरंतर उपयोग से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं होने पर अमान्य कर दिया जाता है। संपत्ति संयंत्र और उपकरण के ऐसे अमान्यता से उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को लाभ और हानि में पहचाना जाता है।

फ्रीहोल्ड भूमि को छोड़कर संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर मूल्यहास, संपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवन पर स्ट्रेट लाइन आधार पर लागत मॉडल के अनुसार निम्नानुसार प्रदान किया जाता है :

अन्य भूमि

(पट्टेकृत भूमि सहित) -परियोजना की अवधि या पट्टे की अवधि जो भी कम हो

भवन	-	3-60 वर्ष
सड़क	-	3-10 वर्ष
दूरसंचार	-	3-9 वर्ष
रेलवे साईडिंग	-	15 वर्ष
संयंत्र एवं उपकरण	-	5-30 वर्ष
कम्प्यूटर एवं लैपटॉप	-	3 वर्ष
कार्यालय के उपकरण	-	3-6 वर्ष
फर्नीचर या फिकचर	-	10 वर्ष
वाहन	-	8-10 वर्ष

तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर प्रबंधन का मानना है कि उपयोगी जीवन दिये गए सर्वोत्तम अवधि का प्रतिनिधित्व करता है जिस पर प्रबंधन को संपत्ति का उपयोग करने की अपेक्षा होती है। इसलिए आस्तियों का उपयोगी जीवन कंपनी अधिनियम के अनुसूची 2013 के भाग सी के तहत निर्धारित उपयोगी जीवन से भिन्न होगा।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में संपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवन की समीक्षा की जाती है।

संपत्ति, संयंत्र या उपकरण का अवशिष्ट मूल्य आस्ति की कुछ वस्तुओं को छोड़कर मूल संपत्ति का 5% माना जाता है, जिसमें कोयला टब, घुमावदार रस्सियाँ, ढुलाई की रस्सियाँ, स्टोविंग पाइप और सुरक्षा लैम्प आदि सम्मिलित है, जिसके लिए तकनीकी तौर पर अनुमानित उपयोगी जीवन एक वर्ष के साथ शून्य अवशिष्ट मूल्य के रूप में निर्धारित की जाती है।

वर्ष के दौरान जोड़े गए/निकाले गए सम्पत्तियों पर मूल्यहास अतिरिक्त/निपटान के महीने के संदर्भ में प्रो-राटा के आधार पर प्रदान किया जाता है।

कोयला धारण क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) (सीबीए) अधिनियम 1957 के तहत "अन्य भूमि" का मूल्य अधिग्रहित भूमि के रूप में शामिल है, भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 के तहत भूमि अधिग्रहण के अंतर्गत मुआवजा, पारदर्शिता के अधिकार, पुनर्वास और पुनर्स्थापना (आरएफसीटीएलएएआर) अधिनियम 2013 के तहत सरकारी भूमि के दीर्घकालीन हस्तांतरण आदि शामिल है, जो कि परियोजना के शेष जीवन के आधार पर परिशोधित होते हैं और पट्टेकृत भूमि के मामले में इस तरह के परिशोधन पट्टे की अवधि पर आधारित होते हैं या इनमें से जो भी कम हो, के तहत परियोजना के शेष राशि पर आधारित होते हैं।

पूरी तरह से मूल्यहास संपत्ति, सक्रिय उपयोग के लिए अनुपयुक्त, संपत्ति, संयंत्र उपकरण के तहत इसके अवशिष्ट मूल्य पर सर्वेक्षण की गई संपत्ति के रूप में अलग से प्रकट की जाती है और हानि के लिए परीक्षण किया जाता है।

कंपनी द्वारा कुछ परिसंपत्तियों के निर्माण/विकास पर किए गए पूंजीगत व्यय जो उत्पादन, माल की आपूर्ति या कंपनी की किसी भी मौजूदा संपत्ति तक पहुंच के लिए आवश्यक हैं, उन्हें संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के तहत इंवेलिंग एसेट के रूप में पहचाना जाता है।

भारतीय लेखा मानक में परिवर्तन

कंपनी ने पिछले जीएएपी के अनुसार मापे गए भारतीय लेखांकन मानक में परिवर्तन की तारीख को वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त अपनी सभी संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के लिए लागत मॉडल के अनुसार वहन मूल्य जारी रखने हेतु चयन किया है

2.8 खदान बंदी, साइट का उद्धार एवं डिकमिसनिंग बाध्यताएँ-

भूमि सुधार एवं संरचनाओं के निषेध के लिए कंपनी के कार्य में भू-तल एवं भूमिगत दोनों प्रकार के खदानों पर भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के निर्देशानुसार होने वाले खर्च सम्मिलित है। कंपनी खदान बंदी क्षेत्र की मरम्मत एवं निषेध कार्य के आंकलन से संबंधित कार्य पर भविष्य में होने वाली नगद खर्च एवं उस पर लगने वाले खर्च का विस्तृत लेखा जोखा तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर करती है। खदान बंदी व्यय अनुमोदित खदान बंदी योजना के अनुसार उपलब्ध करायी जाती है। खर्च के आंकलन मुद्रा स्फीति के अनुसार बढ़ते हैं एवं इसकी दर कम होने पर घटते हैं, जो मुद्रा और जोखिमों के समय मूल्य के वर्तमान बाजार के मूल्यांकन को सूचित करती है। यथा प्रावधान में वर्णित कार्य को सम्पन्न करने के लिए आवश्यक अनुमानित खर्च के वर्तमान मूल्य को सूचित किया जाता है। कंपनी सुधार एवं खदान बंदी के समापन के देय धन से संलग्न संपत्ति का लेखा जोखा रखती है। कार्य तथा संपत्ति देयधन को खर्च होने की समयावधि में मान्यता प्राप्त होती है। क्षेत्र के मरम्मत के समस्त मूल्य को सूचित करने वाली संपत्ति (केंद्रीय खनन योजना एवं रचना संस्थान समिति के आंकलन के अनुसार) खदान बंदी योजना के अनुसार पीपीई में एक भिन्न वस्तुओं के रूप में जानी जाएगी तथा शेष परियोजना खदान के जीवनकाल के आधार पर परिशोधित होगी।

रियायत का प्रभाव खत्म होते ही समय के साथ प्रावधान के मूल्य में उत्तरोत्तर बढ़ोत्तरी होगी। एक खर्च के रूप में इसे वित्तीय खर्च माना जाता है।

अग्रिम अनुमोदित खदान बंदी योजना के अनुसार इस उद्देश्य से एक विशेष निलंब निधि खाता रखे जाने का प्रावधान है।

खान बंदी के दायित्वों को कार्य का हिस्सा बनाने हेतु साल दर साल खनन बंदी के प्रगामी खर्चों को शुरू में निलंब खाते से प्राप्त किया जाता है और उसके बाद उस वर्ष में उनका दायित्व के साथ समायोजन किया जाता है जिसमें राशि प्रमाणित एजेंसी की सहमति के बाद इसे वापस लेने का अधिकार रखती है।

2.9 अन्वेषित एवं मूल्यांकित परिसंपत्तियाँ -

अन्वेषित तथा मूल्यांकित आस्तियां में पूंजीगत लागत शामिल होती है जो कि कोयला और संबन्धित संसाधनों की खोज के कारण उत्पन्न होती है। तकनीकी व्यवहार्यता के निर्धारण और पहचान वाले संसाधन की व्यावसायिक व्यवहार्यता का मूल्यांकन निम्न बातों को ध्यान में रख कर किया जाता है:

- समन्वेषण के अधिकारों का अधिग्रहण;
- ऐतिहासिक अन्वेषण डेटा का शोध और विश्लेषण ;
- स्थलाकृतिक, भौगोलिक, रासायनिक और भूभौतिक अध्ययन के माध्यम से अन्वेषित आधार सामग्री को उपलब्ध करना
- अन्वेषित ड्रिलिंग, ट्रेंचिंग तथा नमूने ;
- संसाधनों की मात्रा तथा उनके संवर्ग का निर्धारण करना एवं जाँचना ;
- परिवहन तथा आधारिक संरचनाओं की आवश्यकताओं का सर्वेक्षण ;
- बाजार और वित्त अध्ययन का आयोजन ;

उपरोक्त में कर्मचारी पारिश्रमिक, उपयोग किए गए सामग्री और ईंधन की लागत, ठेकेदारों को भुगतान आदि शामिल हैं।

चूंकि अंतर्निहित घटक, भविष्य के अन्वेषण में किए गए अपेक्षित कुल लागतों के निरर्थक/ अविवेच्य भाग को दर्शाता है एवं इन लागतों को अन्य पूंजीगत अन्वेषण लागतों एवं मूल्यांकन आस्तियों के रूप में दर्ज किया जाता है।

परियोजना की तकनीकी व्यवहार्यता एवं व्यावसायिक व्यवहार्यता की लंबित निर्धारण के आधार पर परियोजना पर अन्वेषण एवं मूल्यांकन लागत का भुगतान किया जाता है तथा उसे गैर मौजूदा आस्तियों के तहत एक अलग मत के रूप में प्रकट किया जाता है, जिसे बाद में कम लागत के संचित हानि/ प्रावधान के रूप में मापा जाता है।

एक बार साबित होने के बाद भंडार का निर्धारण एवं खानों/परियोजनाओं के विकास हेतु मंजूरी अन्वेषण एवं परिसम्पत्तियों का मूल्यांकन पूंजीगत कार्य के तहत [विकास] में स्थानांतरित की गई है। हालांकि यदि यह साबित होता है कि भंडार का निर्धारण नहीं किया गया है तो अन्वेषण तथा मूल्यांकन की गई आस्तियों को अस्वीकृत किया जाएगा।

2.10 विकास व्यय

प्रमाणित किये गए भंडार का निर्धारण किया जाता है एवं खान/परियोजनाओं के विकास हेतु स्वीकृत निर्माण के तहत परिसम्पत्ति के रूप में पूंजीगत अन्वेषण एवं मूल्यांकन लागत पहचाने जाते हैं तथा [विकास] शीर्ष के तहत पूंजीगत कार्य की प्रगति के घटक के रूप में प्रकट किया जाता है। सभी विकास हेतु व्यय पूंजीकृत किये जाते हैं। पूंजीकृत विकास व्यय, विकास चरण के दौरान निकाले गए कोयले की बिक्री से प्राप्त शुद्ध आय है।

वाणिज्यिक संचालन :

परियोजना/खानों को राजस्व में लाया जाता है; धारणीय आधार पर उत्पादन हेतु परियोजना/खान की वाणिज्यिक तत्परता, परियोजना प्रतिवेदन में विशेष रूप से वर्णित शर्तों या निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर स्थापित की जाती है।

- क) अनुमोदित परियोजना प्रतिवेदन के आधार पर वित्तीय वर्ष के आरंभ में जिसमें कि परियोजना ने निर्धारित क्षमता का 25% उत्पादन प्राप्त किया है या
- ख) कोयले के 2 साल के उत्पादन, या
- ग) वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ से जिसमें उत्पादन मूल्य कुल मूल्य से ज्यादा हो

उपर्युक्त में जो भी पहले घटित हो।

राजस्व में लाये जाने पर [अन्य खनन आधारित संरचना] के नामकरण के तहत आस्तियों के अंतर्गत पूंजीगत कार्य को सम्पत्ति घटक, संयंत्र एवं उपकरण के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया है। 20 वर्षों में राजस्व के तहत लाये गए खदान या चालित परियोजना जो भी कम हो, के वर्ष से अन्य खनन आधारित संरचना परिशोधित की जाती है।

2.11 अमूर्त परिसंपत्तियाँ

प्राप्त अमूर्त आस्तियाँ लागत के प्रारम्भिक पहचान पर मापे जाते हैं। व्यापार संयोजन में प्राप्त अमूर्त परिसम्पत्तियों की लागत, अधिग्रहण तारीख पर उनके उचित मूल्य हैं। प्रारम्भिक मान्यता के अनुसार अमूर्त सम्पत्ति किसी भी संचित परिशोधन (उनके उपयोगी कार्यकाल में प्रत्यक्ष आधार पर गणना की जाती है) एवं संचित नुकसान यदि कोई हो, पर खर्च किये जाते हैं।

आंतरिक रूप से उत्पन्न अमूर्त सम्पत्ति को पूंजीकृत विकास लागत को छोड़कर पूंजीकृत नहीं किया जाता है। इसके अलावा संबंधित व्यय उस अवधि के हानि व लाभ के विवरण एवं व्यापक आय के रूप में पहचाने जाते हैं, जिसमें व्यय किया गया है। अमूर्त सम्पत्ति के उपयोगिता को सीमित/अनिश्चितकाल के रूप में मूल्यांकित किया जाता है। सीमित उपयोगिता के साथ अमूर्त परिसंपत्तियों को उनके उपयोगी आर्थिक जीवन पर परिशोधित किया जाता है एवं जब भी संकेत मिले कि अमूर्त सम्पत्ति में घाटा होगा, तभी इन कमियों का मूल्यांकन किया जाना अपेक्षित होगा। परिशोधन अवधि एवं सीमित उपयोगी जीवन के साथ एक अमूर्त सम्पत्ति के लिए परिशोधन विधि कम से कम प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है। अपेक्षित उपयोगी जीवन या परिसंपत्तियों में अंकित भविष्य के आर्थिक लाभों के उपभोग को अपेक्षित पद्धति द्वारा परिशोधन अवधि या विधि को संशोधित करने हेतु ध्यान में लाया जाता है एवं लेखांकन अनुमानों में उसे परिवर्तन के रूप में माना जाता है। अमूर्त परिसंपत्तियों पर परिशोधित व्यय को लाभ व हानि के विवरण में स्वीकार किया गया है।

एक अमूर्त परिसम्पत्ति उनके अनिश्चित उपयोगिता के साथ परिशोधित नहीं की जाती अपितु प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में कमी हेतु उसका परीक्षण किया जाता है।

अमूर्त परिसंपत्ति की अमान्यता से उत्पन्न लाभ व हानि को शुद्ध निपटान आय एवं परिसंपत्ति की वर्तमान राशि में अंतर के रूप में मापा जाता है एवं लाभ तथा हानि के रूप में उसे मान्यता दी जाती है।

हालांकि, बिक्री के लिए पहचाने गए या बाहरी एजेंसियों को बेचे जाने के लिए प्रस्तावित ब्लॉकों के कारण अन्वेषण और मूल्यांकन परिसंपत्तियां (अर्थात् सीआईएल के लिए चिह्नित नहीं किए गए ब्लॉक के लिए) को अमूर्त संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है एवं हानि के लिए परीक्षण भी किया गया है।

अनुसंधान और विकास को व्यय होने पर व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।

2.12 परिसंपत्तियों की हानि (वित्तीय परिसंपत्तियों के अलावा) -

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मूल्यांकन करती है कि क्या कोई संकेत है कि एक परिसंपत्ति की हानि हो सकती है। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद है, तो कंपनी संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। एक परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि उपयोग में परिसंपत्ति या नकद-उत्पादक इकाई के मूल्य से अधिक है और इसका उचित मूल्य निपटान की लागत कम है, और एक व्यक्तिगत संपत्ति के लिए निर्धारित किया जाता है, जब तक कि परिसंपत्ति नकद प्रवाह उत्पन्न नहीं करती है जो कि अन्य संपत्ति या संपत्ति के समूह से काफी हद तक स्वतंत्र हैं, जिस स्थिति में वसूली योग्य राशि उस नकद-उत्पादक इकाई के लिए निर्धारित की जाती है जिससे परिसंपत्ति संबंधित है। कंपनी हानि के परीक्षण के उद्देश्य से अलग-अलग खानों को अलग नकद उत्पन्न करनेवाली इकाइयों के रूप में मानती है।

यदि वर्तमान राशि परिसंपत्ति से प्राप्त अनुमानित राशि से कम हो तो वर्तमान परिसंपत्ति राशि को प्राप्त राशि से घटाया जाता है एवं हानि से हुई कमी को लाभ व हानि के विवरण में स्वीकार किया जाता है।

2.13 निवेश संपत्ति

संपत्ति (भूमि या भवन या भवन का हिस्सा या दोनों) उत्पादन में उपयोग करने या वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति में या प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए उपयोग के लिए या व्यवसायों के सामान्य क्रम में विक्रय के बजाय किराये अर्जन या पूंजी वृद्धि या दोनों के लिए है, जिसे निवेश संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

निवेश संपत्ति को शुरू में संबंधित लेनदेन लागत सहित इसकी लागत पर, और जहां उधार लागत लागू हो, के अनुसार मापा जाता है।

निवेश संपत्तियों का मूल्यहास उनके अनुमानित उपयोगी जीवन पर सीधी- रेखा पद्धति का उपयोग करके किया जाता है।

2.14 वित्तीय साधन

एक वित्तीय साधन एक अनुबंध है जो एक इकाई की वित्तीय संपत्ति एवं वित्तीय देयता और किसी अन्य इकाई की इक्विटी साधन को जन्म देता है।

2.14.1 वित्तीय परिसंपत्तियाँ

2.14.1 प्रारंभिक मान्यता और माप

सभी वित्तीय आस्तियों को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में जिन्हें लाभ या हानि के माध्यम से लेनदेन लागत सहित उचित मूल्य पर दर्ज नहीं किया जाता है, ऐसा वित्तीय संपत्ति के अधिग्रहण के कारण हैं। वित्तीय परिसंपत्तियों की खरीद या बिक्री जिसके लिए विनियमन या सम्मेलन द्वारा स्थापित समय सीमा के भीतर बाजार स्थान (नियमित तरीके से व्यापार) में परिसंपत्तियों की डिलीवरी की आवश्यकता होती है, उन्हें व्यापार तिथि पर मान्यता दी जाती है, अर्थात्, जिस तारीख को कंपनी संपत्ति खरीदने या बेचने के लिए प्रतिबद्ध होती है। .

2.14.2 अनुवर्ती मापन

वित्तीय परिसंपत्तियों को अनुवर्ती माप हेतु चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है :

- परिशोधित लागत पर ऋण साधन
- अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर ऋणसाधन (एफ.वी.टी.ओ.सी.आई)।
- लाभ-हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर ऋण, व्युत्पन्न और इक्विटी साधन।(एफवीटीपीएल)
- अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इक्विटी साधन (एफ.वी.टी.ओ.सी.आई)।

2.14.2.1 परिशोधित लागत पर ऋण साधन

निम्नलिखित दोनों शर्तों के पूरा होने के उपरांत परिशोधित लागत पर ऋण साधन मापे जाते हैं।

क) परिसंपत्तियों को व्यापार मॉडल के अंतर्गत बनाएं रखने का प्रावधान है, जिसका उद्देश्य परिसंपत्तियों के संविदात्मक नगदी प्रवाह का संग्रह करना है और

ख) परिसंपत्तियों के संविदात्मक शर्तों के तहत नगदी प्रवाह की निर्दिष्ट तिथि पर भुगतान किए गए मूल एवं ब्याज की राशि को बकाया राशि में सम्मिलित किया गया है।

प्रारंभिक माप के बाद, प्रभावी ब्याज दर विधि का उपयोग (ईआईआर) करते हुए ऐसे वित्तीय परिसंपत्तियों को परिशोधित लागत पर मापा जाता है। परिशोधन लागत की गणना अधिग्रहण पर किसी भी छूट या प्रीमियम और शुल्क या लागत जो ईआईआर का एक अभिन्न अंग है, को ध्यान में रखकर की जाती है। ईआईआर परिशोधन को लाभ या हानि में वित्तीय आय में शामिल किया जाता है। कमी के कारण हुई हानियों को लाभ व हानि में स्वीकार किया गया है।

2.14.2.2 एफ.वी.टी.ओ.सी.आई में ऋण साधन

अगर निम्नलिखित दोनों मानदंडों को प्राप्त कर लिया गया हो तो डेब्ट इंस्ट्रुमेंट को एफ.वी.टी.ओ.सी.आई में रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

क) संविदात्मक नगदी प्रवाह के संग्रह तथा वित्तीय परिसंपत्ति के विक्रय दोनों के द्वारा व्यापार मॉडल के उद्देश्य को प्राप्त किया गया।

ख) परिसंपत्ति संविदात्मक नगदी प्रवाह एसपीपीआई का प्रतिनिधित्व करता है।

एफ.वी.टी.ओ.सी.आई श्रेणी के अंतर्गत शामिल डेब्ट इंस्ट्रुमेंट को उचित मूल्य पर प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर शुरू में मापा जाता है। उचित मूल्य संचार को अन्य विस्तृत आय में पहले से ही मान्यता प्राप्त है। जैसे कंपनी ने पीएंडएल में ब्याज आय, क्षति, नुकसान तथा बदलाव और विदेशी मुद्रा लाभ या हानि को पहचान लिया है। परिसंपत्तियों के गैर पहचान जो कि ओसीआई में पहचाने गए हैं को संचयी लाभ या नुकसान के तहत पीएंडएल के लिए इक्विटी में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है। ब्याज अर्जित होने पर अर्जित किये गए एफवीटीओसीआई डेब्ट इंस्ट्रुमेंट कोई आईआर पद्धति का उपयोग करते हुए ब्याज आय के रूप में रिपोर्ट किया जाता है।

2.14.2.3 एफवीटीपीएल में डेब्ट इंस्ट्रुमेंट :

डेब्ट इंस्ट्रुमेंट के लिए एफवीटीपीएल एक अवशिष्ट श्रेणी के रूप में है। कोई भी ऋण साधन, जो परिशोधन लागत पर या एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकरण के मानदंडों को पूरा नहीं करता है, उसे एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

इसके साथ ही, कंपनी एक ऋण साधन को नामित करने का चुनाव कर सकती है, जो एफवीटीपीएल में परिशोधन लागत या एफवीटीओसीआई मानदंड (जिसे 'बेमेल लेखांकन' के रूप में संदर्भित किया जाता है) को पूरा करते हैं। जैसे ऐसे चुनाव की अनुमति सिर्फ तभी दी जाएगी जब ऐसा करना एक पहचाने गए असंगति को कम या समाप्त करने के लिए उचित हो। कंपनी ने एफवीटीपीएल के रूप में किसी ऋण साधन को निर्दिष्ट नहीं किया है।

एफवीटीपीएल श्रेणी में शामिल ऋण साधन को उचित मूल्य पर पीएंडएल में पहचाने गए सभी बदलावों के साथ मापा जाता है।

2.14.2.4 अनुषंगी, सहयोगियों तथा संयुक्त उद्यमों में इक्विटी निवेश

भारतीय लेखांकन मानक 101 (भारतीय लेखांकन मानक में प्रथम बार अंगीकरण) एवं पिछले जीएएपी के अनुसार इन निवेशों की वहन राशि परिवर्तन (ट्रांजिशन) की तिथि में उल्लेखित लागत राशि के रूप में निर्धारित की जाएगी। बाद में अनुषंगियों, सहयोगियों एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश किये गए मूल्य को मापा जाता है।

समेकित वित्तीय विवरणी से संबंधित भारतीय लेखांकन मानक 28 के पैरा 10 में विहित इक्विटी प्रणाली के अनुसार सहयोगियों तथा संयुक्त उद्यमों में इक्विटी निवेश की गणना की जाती है।

2.14.2.5 अन्य इक्विटी निवेश

भारतीय लेखांकन मानक 109 के दायरे में सम्मेलित सभी अन्य इक्विटी निवेश के लाभ एवं हानि को उचित मूल्य पर मापा जाता है।

अन्य सभी इक्विटी इंस्ट्रुमेंट में परिवर्तन के उपरांत कंपनी उचित मूल्य में प्रस्तुत करने हेतु चुनाव कर सकती है। कंपनी ऐसा चुनाव इंस्ट्रुमेंट दर इंस्ट्रुमेंट के आधार पर करती है। वर्गीकरण आरंभिक पहचान करने हेतु की गई है जो कि अटल है।

अगर कंपनी एफवीटीओसीआई पर इक्विटी इंस्ट्रुमेंट को वर्गीकृत करने का निर्णय लेती है तब ओसीआई में पहचाने गए लाभांश को छोड़कर इंस्ट्रुमेंट पर सभी उचित मूल्य में परिवर्तन हो जाता है। ओसीआई से पीएंडएल में, यहां तक कि निवेश की राशि में भी, कोई पुनरावृत्ति नहीं हुई है। कंपनी इक्विटी के भीतर संचयी लाभ या हानि को स्थानांतरित कर सकती है।

एफवीटीपीएल श्रेणी में शामिल इक्विटी इंस्ट्रुमेंट को पीएण्डएल में पहचाने गए सभी बदलावों के साथ उचित मूल्य पर मापा जाता है।

2.14.2.6 मान्यता रद्द करना

एक वित्तीय परिसंपत्ति (या जहां लागू हो, परिसंपत्ति के एक भाग या समान वित्तीय परिसंपत्ति का एक भाग) की मान्यता को प्राथमिक स्तर पर रद्द किया गया (जैसे तुलनपत्र से हटाया गया), जब

- परिसंपत्तियों से नगद प्रवाह को प्राप्त करने का अधिकार समाप्त हो गया हो या
- कंपनी ने परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के अपने अधिकारों को अंतरित कर दिया है या एक 'पास-थ्रू' व्यवस्था के तहत किसी तीसरे पक्ष को भौतिक देरी के बिना प्राप्त नकदी प्रवाह का पूरा भुगतान करने का दायित्व ग्रहण किया है या तो :
 - (क) कंपनी ने परिसंपत्ति के सभी जोखिम और पुरस्कार को काफी हद तक अंतरित कर दिया है या
 - (ख) कंपनी ने न तो हस्तांतरित किया है और न ही संपत्ति के सभी जोखिम और पुरस्कार को काफी हद तक बनाए रखा है लेकिन परिसंपत्ति पर नियंत्रण को अंतरित अवश्य किया है।

जब कंपनी ने परिसंपत्ति से प्राप्त नगद प्रवाह पर अपने अधिकार को स्थानांतरित किया या निकासी व्यवस्था में प्रवेश किया तो यह मूल्यांकित हुआ कि इसने किस हद तक स्वामित्व के जोखिमों एवं पुरस्कारों को बरकरार रखा है। कंपनी ने न तो संपत्ति को हस्तांतरित किया, न ही संपत्ति के सभी पुरस्कारों व जोखिम को बनाए रखा और न ही उनके नियंत्रण को हस्तांतरित किया। जब कंपनी सतत भागीदारी को बनाए रखने तथा स्थानांतरित संपत्ति की पहचान रखने का प्रयास करती है, तो ऐसे मामलों में कंपनी भी एक सहयोगी देयता की पहचान करती है।

हस्तांतरित परिसंपत्ति और संबंधित देयता को उस आधार पर मापा जाता है जो कंपनी द्वारा बनाए गए अधिकारों और दायित्वों को दर्शाता है। सतत भागीदारी जो कि संपत्ति पर प्रतिभूति के रूप में चिन्हित है जिसे संपत्ति के मूल तथा जारी राशि के आवश्यकतानुसार चुकाया जाता है, उसे निम्न स्तर पर मापा जाता है।

2.14.2.7 वित्तीय संपत्ति की हानि (उचित मूल्य को छोड़कर)

भारतीय लेखांकन मानक 109 के अनुसार कंपनी निम्नलिखित वित्तीय परिसंपत्तियों तथा क्रेडिट जोखिमों के अनावरण के माप तथा उसमें हुई हानि के लिए कंपनी अपेक्षित क्रेडिट हानि (ईसीएल) के मॉडल को लागू करती है।

- क. वित्तीय परिसंपत्तियां उदाहरणतः ऋण प्रतिभूति, व्यापार प्राप्त, बैंक बैलेन्स इत्यादि, जो कि डेब्ट इंस्ट्रुमेंट हैं और जिनका मापन परिशोधित लागत पर किया जाता है।
- ख. वित्तीय परिसंपत्ति जो डेब्ट इंस्ट्रुमेंट है तथा उसे एफवीटीओसीआई पर मापा जाता है।
- ग. भारतीय लेखांकन मानक 116 के अंतर्गत प्राप्त पट्टे।
- घ. व्यापार प्राप्त या नकद या अन्य वित्तीय संपत्ति प्राप्त करने का कोई संविदात्मक अधिकार जो कि भारतीय लेखांकन मानक 115 के दायरे में लेनदेन के परिणामस्वरूप होता है।

हानि भत्ता की पहचान के लिए कंपनी ने निम्न सरल दृष्टिकोण का पालन किया:-

- प्राप्त कारोबार या अनुबंध राजस्व प्राप्त करने योग्य तथा
- भारतीय लेखांकन मानक 116 के अंतर्गत लेनदेन से प्राप्त सभी पट्टे।

सरलीकृत दृष्टिकोण के आवेदन के लिए कंपनी को क्रेडिट जोखिम में परिवर्तन को ट्रैक करने की आवश्यकता नहीं होती है। इसके बजाय, यह प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर आजीवन अपेक्षित क्रेडिट हानि (ईसीएल) के आधार पर इसकी प्रारंभिक मान्यता से ही हानि भत्ता को मान्यता देता है।

2.14.3 वित्तीय देयताएँ

2.14.3.1 आरंभिक पहचान तथा माप -

कंपनी की वित्तीय देयताएँ व्यापार तथा अन्य प्राप्त, ऋण और उधारसहित बैंक ओवरड्राफ्ट को शामिल करती है।

ऋण और उधार लेने के मामले में तथा विशेषकर लेनदेन की लागतों पर शुद्ध भुगतान करने हेतु सभी वित्तीय देयताएँ प्रारम्भिक स्तर पर उचित मूल्य में दर्शायी जाती हैं।

2.14.3.2 अनुवर्ती माप

वित्तीय देयताओं की माप उनके वर्गीकरण पर निर्भर करती है जो कि नीचे वर्णित है।

2.14.3.3 लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएँ

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएँ व्यापार और वित्तीय देनदारियों के लिए आयोजित वित्तीय देयताओं में शामिल की जाती हैं, जिसे लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर नामित किया गया है। व्यापार के लिए आयोजित रूप में वित्तीय देयताओं को तब वर्गीकृत किया जाता है जब वे निकट अवधि में पुनर्खरीद के प्रयोजन के लिए उपलब्ध हों। इस श्रेणी में कंपनी द्वारा व्युत्पन्न डेब्ट इंस्ट्रुमेंट को भी शामिल किया गया है, जिसे भारतीय लेखांकन मानक 109 के अनुसार पारिभाषित प्रतिरक्षा संबंध में प्रतिरक्षा इंस्ट्रुमेंट के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया जाता है। सेपरेट डम्बेडेड डेरीवेटिव्स को भी उस समय तक व्यापार के लिए आयोजित रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जब तक कि इन्हें प्रभावी प्रतिरक्षा उपकरण के रूप में चिन्हित नहीं किया जाता।

देयताओं पर लाभ या हानियों को व्यापार के लिए आयोजित लाभ या हानि के रूप में पहचाना गया है।

वित्तीय देनदारियों को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर दर्ज किया गया है, जैसा कि मान्यता की प्रारम्भिक तिथि पर नामित है तथा सिर्फ तब ही जब भारतीय लेखांकन मानक 109 के मानदंड संतुष्टीजनक पाये जाते हैं। एफवीटीपीएल में नामित देयताओं के निष्पक्ष मूल्य पर लाभ/हानि जो कि जोखिम ऋण में परिवर्तन के कारण है तथा इसे ओसीआई में मान्यता प्राप्त है। इन लाभ-हानियों को बाद में पीएंडएल में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है। हालांकि कंपनी इक्विटी के भीतर संचयी लाभ या हानि को स्थानांतरित कर सकती है। ऐसी देयताओं को उचित मूल्य पर अन्य सभी परिवर्तनों के साथ लाभ तथा हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त है। कंपनी ने लाभ तथा हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर किसी वित्तीय देयताओं को नामित नहीं किया है।

2.14.3.4 परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएँ

प्रारम्भिक मान्यता के पश्चात, इन्हें बाद में प्रभावी ब्याज दर का उपयोग करते हुए परिशोधित लागत पर मापा जाता है। जब प्रभावी ब्याज पर परिशोधन की प्रक्रिया द्वारा देयताओं को वापस लिया जाता है, तब लाभ या हानि में नफा या नुकसान को पहचाना जाता है। परिशोधित लागत का आकलन अधिग्रहण और शुल्क या लागतों पर किसी भी छूट या प्रीमियम को ध्यान में रखते हुए की जाती है, जो कि प्रभावी ब्याज दर का अभिन्न हिस्सा है। प्रभावी ब्याज दर परिशोधन को लाभ और हानि के विवरण में वित्त लागत के रूप में शामिल किया गया है। यह श्रेणी आम तौर पर उधार लेने पर लागू होती है।

2.14.3.5 मान्यता वापस लेना

एक वित्तीय देयता की मान्यता को तब वापस लिया जाता है जब देयताओं के तहत दायित्व का निर्वहन रद्द या समाप्त हो गया हो। जब एक मौजूदा वित्तीय देयता को उसी ऋणदाता से दूसरे द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है, या मौजूदा देयता की शर्तों को काफी हद तक संशोधित किया जाता है, तो ऐसे विनिमय या संशोधन को मूल देयता की मान्यता और एक नई देयता की मान्यता के रूप में माना जाता है। एक वित्तीय देयता (या एक वित्तीय दायित्व का हिस्सा) की अग्रणी राशि के बीच का अंतर समाप्त हो गया या किसी अन्य पार्टी को स्थानांतरित कर दिया गया और भुगतान की गई किसी भी गैर-नकद संपत्ति को हस्तांतरित या ग्रहण की गई देनदारियों सहित, लाभ या हानि में मान्यता दी जाएगी।

2.14.4 वित्तीय देयताओं का पुनः वर्गीकरण :

कंपनी प्रारंभिक मान्यता पर वित्तीय संपत्तियों और देनदारियों का वर्गीकरण करती है। प्रारंभिक मान्यता के बाद, वित्तीय परिसंपत्तियां जो कि इक्विटी साधन एवं वित्तीय देनदारियां हैं उसे पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा। वित्तीय परिसंपत्तियों जो ऋण साधन हैं, का पुनर्वर्गीकरण केवल तभी किया जाता है जब उन परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए व्यवसाय मॉडल में कोई बदलाव होता है। व्यवसाय मॉडल में कम बदलाव होने की उम्मीद है। कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन आंतरिक और बाह्य बदलाव के परिणामस्वरूप व्यापार मॉडल में परिवर्तन करता है जो कंपनी के संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे बदलाव बाहरी पार्टियों के लिए स्वतः स्पष्ट है। व्यवसाय मॉडल में परिवर्तन तब होता है जब कंपनी या तो ऐसी गतिविधि शुरू करती है या बंद कर देती है जो उसके संचालन के लिए महत्वपूर्ण है। कंपनी वित्तीय परिसंपत्ति को पुनः पेश करती है या पुनः वर्गीकृत करती है, जो कि व्यापार मॉडल में बदलाव के तुरंत बाद आगामी प्रतिवेदन का पहला दिन समझा जाता है। कंपनी पहले से स्वीकृत किसी लाभ हानि (लाभ व हानि में कमी सहित) या ब्याज को पुनः वर्णित नहीं करती है।

निम्नलिखित सारणी पुनःवर्गीकरण विधि तथा उनकी जिम्मेदारियों को दर्शाते हैं:-

वास्तविक वर्गीकरण	वर्गीकरण	लेखांकनविधि
परिशोधित लागत	एफवीटीपीएल	पुनःवर्गीकृत तिथि पर उचित मूल्य को मापा जाता है। पिछले परिशोधित लागत तथा उचित मूल्य के अंतर को पीएंडएल के रूप में पहचाना जाता है।
एफवीटीपीएल	परिशोधित लागत	पुनःवर्गीकृत तिथि पर उचित मूल्य उनके वर्तमान में जारी कुल राशि का प्रतिनिधित्व करती है। ईआईआर की गणना नये जारी किये गये राशि के आधार पर की जाती है।
परिशोधित लागत	एफवीटीओसीआई	पुनः वर्गीकृत तिथि पर उचित मूल्य को मापा जाता है। परिशोधित लागत तथा उचित मूल्य के अंतर को ओसीआई में पहचाना जाता है। पुनर्वर्गीकरण के कारण ईआईआर में बदलाव नहीं किया गया।
एफवीटीओसीआई	परिशोधित लागत	पुनर्वर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य उसकी नई परिशोधित लागत वाली राशि होगी। हालांकि ओसीआई में लाभ या हानि को उचित मूल्य के हिसाब से समायोजित किया गया है। जिसके फलस्वरूप परिसंपत्तियों को मापा जाता है जिस तरह वे हमेशा से परिशोधित मूल्य पर मापे जाते हैं।
एफवीटीपीएल	एफवीटीओसीआई	पुनःवर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य उसकी नई जारी की गई राशि होगी, जिसमें किसी अन्य राशि के समायोजन की आवश्यकता नहीं होगी।
एफवीटीओसीआई	एफवीटीपीपीएल	परिसंपत्तियां उचित मूल्य पर ही मापी जाएंगी। ओसीआई में पहले से मान्यता प्राप्त संचयी लाभ या हानि को पुनः जमा करने की तिथि में पीएंडएल के रूप वर्गीकृत किया गया।

2.14.5 वित्तीय साधन को पूरा करना :

वित्तीय संपत्ति तथा वित्तीय देयताओं को पूरा किया गया और समेकित तुलनपत्र में शुद्ध राशि की सूचना दी गई। अगर उसे प्राप्त मात्रा में पूरा करने हेतु वर्तमान में कानूनी अधिकार मिलते हो, तो संपत्ति को प्राप्त करने साथ ही साथ देयताओं के निपटान हेतु एक शुद्ध आधार पर समझौता किया जा सकता है।

2.14.6 नगद एवं नगद समकक्ष

तुलनपत्र में नकद और नकद समकक्ष में बैंकों और हाथ में नकद और तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ अल्पकालिक जमा शामिल हैं, जो मूल्य में परिवर्तन के एक महत्वहीन जोखिम के अधीन हैं। नकदी प्रवाह के समेकित विवरण के प्रयोजन के लिए, नकद और नकद समकक्षों में नकद और अल्पकालिक जमा, जैसा कि ऊपर परिभाषित किया गया है, कुल बकाया बैंक ओवरड्राफ्ट, क्योंकि उन्हें कंपनी के नकद प्रबंधन का एक अभिन्न अंग माना जाता है, शामिल हैं।

2.15. उधार लेने की लागत-

उधार लेने की विशिष्ट लागत के रूप में और जब वह अधिग्रहण निर्माण या परिसंपत्तियों का उत्पादन करने के लिए सीधे रूप से जुड़े हुए हो, तो उसे छोड़कर खर्च किया जा सकता है जो संपत्ति अपने उपयोग के लिए पर्याप्त अवधि लेती है उस स्थिति में उन्हें उन तारीखों तक परिसंपत्तियों की लागत के एक हिस्से के रूप में पंजीकृत तब तक किया जा सकता है जब तक कि संपत्ति उसके इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं हो जाती है।

2.16 कर निर्धारण

आयकर व्यय वर्तमान में देय और स्थगित कर के योग को दर्शाता है।

वर्तमान कर एक अवधि के लिए कर योग्य लाभ (कर नुकसान) के संबंध में आयकरों की देय राशि (वसूली योग्य) होती है। लाभ-हानि और अन्य व्यापक आय के रिपोर्ट के अनुसार कर योग्य लाभ आयकर से पहले लाभ से अलग होते हैं क्योंकि उनमें आय या व्यय की वस्तुओं को शामिल नहीं किया जाता है जो कि अन्य वर्षों में कर योग्य है अथवा उन्हें घटाया भी जा सकता है और बाद में उसमें उन वस्तुओं को शामिल नहीं किया जाता है, जो कभी भी कर योग्य या घटाए गए होते हैं। वर्तमान कर के लिए कंपनी की देनदारियों को रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक मूल रूप से अधिनियमित किए गए दरों का उपयोग करते हुए उसकी गणना की जाती है।

आस्थगित कर देनदारियों को आमतौर पर सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यता दी जाती है। आस्थगित कर आस्तियों को आमतौर पर सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों के लिए इस हद तक मान्यता दी जाती है कि यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके लिए उन कटौती योग्य अस्थायी अंतरों का उपयोग किया जा सकता है। ऐसे संपत्ति और देनदारियों को उस अवधि तक मान्यता प्राप्त नहीं होगी, जब तक कि सद्भावना से या अन्य परिसंपत्तियों के प्रारंभिक मान्यता (व्यापार समायोजन के अलावा अन्य) से अस्थाई अंतर उत्पन्न न हुआ हो एवं लेनदेन की देयताएं जो न केवल कर योग्य लाभ को प्रभावित करती हैं अपितु लेखांकन लाभ को भी प्रभावित करती हैं।

आस्थगित कर देनदारियों को सहायक कंपनियों और सहयोगियों में निवेश से जुड़े कर योग्य अस्थायी अंतर के लिए मान्यता दी जाती है, सिवाय इसके कि जहां कंपनी अस्थायी अंतर के उत्क्रमण को नियंत्रित करने में सक्षम है और यह संभव है कि अस्थायी अंतर निकट भविष्य में विपरीत नहीं होगा। इस तरह के निवेश और हितों से जुड़े कटौती योग्य अस्थायी अंतर से उत्पन्न होनेवाली आस्थगित कर संपत्ति को केवल उस सीमा तक मान्यता दी जाती है जहाँ यह संभव है कि अस्थायी अंतर के लाभों का उपयोग करने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ होगा।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में आस्थगित कर संपत्ति के वहन राशि की समीक्षा की जाती है और उसे इस हद तक कम कर दिया गया है कि यह संभव नहीं है कि संपत्ति के किसी या सभी हिस्से को पुनः प्राप्त करने की अनुमति के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा। प्रत्येक रिपोर्टिंग वर्ष के अंत में अमान्यता प्राप्त आस्थगित कर संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है और इसे इस हद तक मान्यता दी जाती है कि आस्थगित कर संपत्ति के सभी या कुछ हिस्सों को पुनः प्राप्त करने की अनुमति के लिए पर्याप्त कर लाभ उपलब्ध हो सके।

आस्थगित कर संपत्तियों और देनदारियों को कर दरों पर मापा जाता है और इसे उस अवधि में लागू करने की अपेक्षा भी की जाती है, जिससे कि कर दरों (तथा कर कानून) पर आधारित देनदारियों व परिसंपत्तियों का निपटारा किया जा सके। इसे रिपोर्टिंग तिथि के अंत तक लागू या मूल रूप से अधिनियमित किया जाता है।

आस्थगित कर देनदारियों और परिसंपत्तियों की माप उसके कर परिणामों को दर्शाती है, जो इस रीति का अनुसरण करती है जिसमें कंपनी को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिसंपत्तियों और देनदारियों की संख्या को व्यवस्थित करने की उम्मीद होती है।

संबन्धित मदों को छोड़कर चालू और आस्थगित कर को क्रमशः उनके अन्य व्यापक आय या सीधे इक्विटी में स्वीकार किया गया है। चालू और आस्थगित कर को अन्य व्यापक आय में सीधे इक्विटी के अंतर्गत लाभ या हानि

के रूप में स्वीकार किया जाता है। जब चालू कर या आस्थगित कर व्यावसायिक संगठन के प्रारम्भिक लेखांकन में आते हैं तो उसके कर प्रभाव को व्यावसायिक संगठन के लेखांकन में शामिल किया जाता है।

2.17 कर्मचारी हितलाभ

2.17.1 अल्पावधि हितलाभ

अल्पकालिक कर्मचारी लाभ कर्मचारी लाभ (समाप्ति लाभों के अलावा) वे हैं जो वार्षिक प्रतिवेदन के अंत में बारह महीने से पूर्व निपटाए जाने की उम्मीद है जिसमें संबंधित कर्मचारी सेवा प्रदान करते हैं।

कर्मचारियों के सभी अल्पावधि लाभ को उस अवधि में मान्यता प्राप्त होते हैं जिस अवधि तक वे खर्च किए जाते हैं।

2.17.2 रोजगार पश्चात लाभ एवं अन्य कर्मचारियों के लिए दीर्घावधि लाभ

2.17.2.1 पारिभाषित योगदान योजनाएं :

एक पारिभाषित योगदान योजना एक पोस्ट-रोजगार लाभ योजना है जिसके तहत कंपनी एक अलग निकाय द्वारा बनाए गए फंड में निश्चित भुगतान करती है और कंपनी के पास आगे की राशि का भुगतान करने के लिए कोई कानूनी या रचनात्मक दायित्व नहीं होता है। पारिभाषित योगदान योजनाओं में योगदान के लिए कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के अवधि के दौरान लाभ और हानि के बयान में कर्मचारी लाभ व्यय के रूप में पहचाना जाता है।

2.17.2.2 पारिभाषित योगदान योजनाएं :

पारिभाषित लाभ योजनाएं एक पारिभाषित योगदान योजनाओं के अलावा एक अन्य रोजगार लाभ योजनाएं भी हैं। पारिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में कंपनी के शुद्ध दायित्व की गणना भविष्य के लाभ की राशि का अनुमान लगाकर की जाती है जो कर्मचारियों ने वर्तमान और पूर्व अवधि में अपनी सेवा के बदले अर्जित की है। लाभ में रियायत अपने वर्तमान मूल्य को लेकर किया जाता है तथा संपत्तियों के उचित मूल्य के द्वारा उसे कम भी किया जा सकता है, यदि कोई हो। छूट की दर रिपोर्टिंग तिथि पर भारत सरकार की प्रतिभूतियों के प्रचलित बाजार पर आधारित होती है, जिनकी परिपक्वता तिथियां कंपनी के दायित्वों की शर्तों के अनुरूप होती हैं और जिन्हें उसी मुद्रा में मूल्यांकित किया जाता है जिसमें लाभ का भुगतान किए जाने की उम्मीद होती है।

बीमांकिक मूल्यांकन के प्रयोग में छूट दर के बारे में धारणाएं परिसंपत्तियों पर अपेक्षित वसूल किए गए भावी दर, वेतन वृद्धि दर तथा नैतिकता दर आदि के अंतर्गत शामिल होती हैं। इस तरह के अनुमान इन योजनाओं की दीर्घावधि के कारण अनिश्चितताओं के अधीन है। अनुमानित इकाई क्रेडिट विधि का उपयोग कर प्रत्येक तुलनपत्र पर अंकित होती हैं जिनकी गणना बीमांकिक द्वारा की जाती है। जब गणना कंपनी के हित में हों, तो भविष्य में योजना के योगदान में कमी या योजना से धन वापसी के रूप में आर्थिक लाभों में स्वीकृत परिसंपत्तियों का उपलब्ध वर्तमान मूल्य पर सीमित किया जाता है। यदि योजना देनदारियों के समाधान पर या योजना के दौरान वसूली योग्य हो तो कंपनी को आर्थिक लाभ उपलब्ध होगा।

कुल पारिभाषित देयताओं का पुनः माप किया जाता है जिसमें परिसंपत्ति योजना (ब्याज छोड़कर) पर वसूली को ध्यान में लेते हुए बीमांकिक लाभ व हानि को शामिल किया गया हो तथा परिसंपत्तियाँ (ब्याज छोड़कर यदि कोई हो) का प्रभाव अन्य व्यापक आय में तुरंत स्वीकार किया जाता है। कंपनी निर्धारित अवधि के लिए पारिभाषित लाभ दायित्वों को मापने एवं उपयोग होने वाली छूट दर को लागू करने के लिए शुद्ध पारिभाषित लाभ देयताओं (परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज (आय) निर्धारित करती है। इसके बाद वार्षिक अवधि के दौरान पारिभाषित लाभ देयताएं (परिसंपत्ति) योगदान और लाभ भुगतान के परिणामों के फलस्वरूप प्राप्त पारिभाषित लाभ देयताओं के अंतर्गत परिसंपत्तिओं में परिवर्तन करती है। पारिभाषित लाभ योजनाओं से संबंधित कुल ब्याज खर्च एवं अन्य खर्चों को लाभ व हानि में स्वीकार किया जाता है।

जब योजना से प्राप्त लाभों में बढ़ोतरी की जाती है तब कर्मचारियों द्वारा पिछले सेवा से संबंधित बढ़ाये गए लाभों को लाभ व हानि विवरण में खर्च के रूप में दर्शाया जाता है।

2.17.3 अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

अल्पकालिक कर्मचारी लाभ, रोजगार के बाद के लाभ और समाप्ति लाभों के अलावा अन्य सभी कर्मचारी लाभ अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ हैं।

अन्य लंबी अवधि के कर्मचारी लाभों में वे वस्तुएं शामिल हैं जिसके निपटान की उम्मीद वार्षिक प्रतिवेदन जिसमें कर्मचारी ने संबंधित सेवा प्रदान की है, के बारह महीने के पूर्व नहीं है।

अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के लिए, निम्नलिखित राशियों का कुल योग लाभ या हानि के विवरण में स्वीकार किया जाता है:

(क) सेवा लागत

(ख) शुद्ध पारिभाषित लाभ देयता (परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज

(ग) शुद्ध पारिभाषित लाभ देयता (परिसंपत्ति) के पुनः मापन

2.18 विदेशी मुद्रा

भारतीय रुपए (आईएनआर) आर्थिक क्षेत्र में प्रमुख मुद्रा होने के कारण कंपनी ने अपने मुख्य संचालनों के लिए मुद्रा एवं कार्यात्मक मुद्रा को भारतीय रुप में प्रतिवेदित किया है।

लेनदेन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दर का उपयोग करते हुए कंपनी ने विदेशी मुद्राओं में हुए लेनदेन को प्रतिवेदित मुद्रा में परिवर्तित किया है। प्रतिवेदित अवधि के अंत में बकाया विदेशी मुद्राओं में अंकित मौद्रिक संपत्ति और देयताएं, प्रतिवेदित अवधि के अंत में प्रचलित विनिमय दरों पर बदली की जाती है। मौद्रिक संपत्ति एवं देयताओं का निपटान अवधि के दौरान प्रारंभिक पहचान पूर्व से परिवर्तित दर पर भिन्न मौद्रिक संपत्ति एवं देयताओं के दर में परिवर्तित होने के कारण होती है, इसे भिन्न विनिमय लाभ व हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त है।

विदेशी मुद्रा में अंकित गैर मौद्रिक मदों को लेनदेन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दरों में शामिल किया जाता है।

2.19 स्ट्रिपिंग गतिविधि व्यय/समायोजन

खुली खदान खनन के मामलों में, खदान के अनुपयोगी सामानों (ओवरबर्डन) जैसे मिट्टी एवं चट्टान को कोयला सीम के ऊपर से निकालना आवश्यक होता है ताकि कोयला एवं उसके निष्कर्षण को प्राप्त किया जा सके। इस कचरे को हटाने की गतिविधि को 'स्ट्रिपिंग' के रूप में जाना जाता है। खुली खदानों में कंपनी को खानों की सुरक्षा (तकनीकी रूप से अनुमानित) करने हेतु ऐसे खर्चों का सामना करना पड़ता है।

इसलिए खानों को राजस्व खाते में लाये जाने के बाद एक नीति के अंतर्गत प्रतिवर्ष एक बिलियन टन की क्षमता के साथ खानों में स्ट्रिपिंग की लागत पर, स्ट्रिपिंग गतिविधि परिसंपत्ति और अनुपात विवरण के समायोजन पर एवं प्रत्येक खदान पर तकनीकी मूल्यांकन वाले औसत स्ट्रिपिंग अनुपात (ओबी:कोयला) के रूप में खर्च किया जाता है।

स्ट्रिपिंग गतिविधियों के तहत परिसंपत्ति एवं तुलनपत्र की तिथि में अनुपात भिन्नता की कुल शेष राशि को गैर वर्तमान प्रावधान/अन्य गैर वर्तमान परिसंपत्तियों के शीर्ष के अंतर्गत स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन के रूप में अंकित किया जाता है।

रिकॉर्ड के अनुसार प्रतिवेदित अपशिष्ट पदार्थों की मात्रा ओबीआर लेखांकन अनुपात जहां प्रतिवेदित मात्रा एवं मापी गई मात्रा में भिन्नता हो, को दो वैकल्पिक अनुमेय सीमा के भीतर गणना हेतु ध्यान में लाया जाता है जैसा कि नीचे उल्लेखित है -

खान के ओबीआर का वार्षिक क्वांटम	विचलन की अनुमेय सीमाएं (%)
1 मिलियन घन-मीटर से कम	+/- 5%
1 से 5 मिलियन घन-मीटर के बीच	+/- 3%
5 मिलियन घन-मीटर से अधिक	+/- 2%

हालांकि जहां उपरोक्त भिन्नता मुनासिब सीमा से परे हो, तो वहां उसे मात्रा के रूप में माना जाएगा।

1 मिलियन टन से कम क्षमता वाले खानों के मामलों में उपरोक्त नीति लागू नहीं होगी और वर्ष के दौरान खर्च किये गए स्ट्रीपिंग गतिविधि के वास्तविक लागत को लाभ और हानि के रूप में मान्यता प्राप्त होगी।

2.20 वस्तु सूची

2.20.1 कोयला भंडार :

कोल/कोक की वस्तुसूची कम लागत और शुद्ध वसूली मूल्य पर दर्शायी जाती है। वस्तुसूची की लागत की गणना औसत भार पद्धति के माध्यम से की जाती है। शुद्ध प्राप्त्य मूल्य वस्तु की अनुमानित बिक्री मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है और बिक्री करने के लिए सभी आवश्यक लागत को पूर्ण भी करती है।

कोल आरक्षित स्टॉक खाते में यह माना जाता है कि जहां आरक्षित स्टॉक और मापी गई स्टॉक के बीच का अंतर +/-5% तक हो या ऐसे मामलों में जहां अंतर +/-5% से अधिक हो वहां उसे मापा हुआ स्टॉक माना जायेगा। ऐसे स्टॉक का मूल्यशुद्ध वास्तविक मूल्य या लागत में से जो भी कम हो, माना जाएगा। कोक को कोयला स्टॉक के हिस्से के रूप में माना जाता है।

कोयला, कोक-फाइन कोयला के मूल्य को कम लागत या शुद्ध वसूली मूल्य पर लगाया जाता है और उसे कोयला स्टॉक के हिस्से के रूप में माना जाता है।

स्लरी (कोकिंग/सेमी-कोकिंग) वाशरी के मिडलिंग्स और उनके उत्पाद का मूल्य शुद्ध वसूली मूल्य पर लगाया जाता है और उन्हें कोल स्टॉक के हिस्से के रूप में माना जाता है।

2.20.2 भंडार और पुर्जें

केंद्रीय और क्षेत्रीय भंडार में भंडार और स्पेयर पार्ट्स (जिसमें अव्यवस्थित उपकरण भी शामिल हैं) के स्टॉक की कीमत स्टोर लेजर के रूप में मानी जाती है एवं औसत विधि के आधार पर उसके मूल्य की गणना महत्वपूर्ण होती है। भंडारों और स्पेयर पार्ट्स की सूची में कोयला खदानों/ उप-भंडार/ट्रीलिंग कैप/उपभोक्ता केंद्रों को वर्ष के अंत तक केवल भौतिक रूप से सत्यापित स्टोर के अनुसार मूल्यवान समझा जायेगा।

अनुपयोगी, क्षतिग्रस्त और अप्रचलित भंडार और पुर्जों के लिए 100% की दर से एवं विगत 5 वर्षों से जो भंडार व पुर्जें उपयोग में नहीं लाये गए हैं उनके लिए 50% की दर का प्रावधान बनाया गया।

2.20.3 अन्य वस्तु सूची

कार्य की प्रगति सहित कार्यशाला के कार्यों को लागत पर महत्व दिया जाता है।। प्रेस कार्य का स्टॉक (कार्य प्रगति के साथ) मुद्रण प्रेस में स्टेशनरी और केंद्रीय अस्पताल में दवाओं की लागत मूल्य पर निर्धारित होती है।

हालांकि स्टेशनरी (प्रिंटिंग प्रेस में लाने के अलावा) ईटों रेत, दवाइयों (केंद्रीय अस्पताल को छोड़कर) विमान के पुर्जों और स्क्रेण आदि को सूची में उल्लेखित नहीं किया जाता है क्योंकि उनका मूल्य महत्वपूर्ण नहीं होता।

2.21 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं एवं संपत्तियां

प्रावधान को तब मान्यता प्राप्त होता है जब कंपनी की पिछली घटना के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) उसे प्राप्त हो, और यह संभव है कि दायित्वों का निपटान करने के लिए आर्थिक लाभों की आवश्यकता होनी आवश्यक है और उसे दायित्वों की विश्वसनीयता के रूप में भी लिया जा सकता है। जहां समय मूल्यवान है वहां दायित्व का निपटान करने के लिए अपेक्षित व्यय को वर्तमान मूल्य के अनुरूप रखा जाता है।

सभी प्रावधानों की समीक्षा प्रत्येक तुलनपत्र तिथि पर की जाती है और वर्तमान सर्वोत्तम अनुमान को दर्शाने के लिए उसका समायोजन किया जाता है।

जहां यह संभव ना हो कि आर्थिक लाभों का आउटफ्लो आवश्यक होगा या राशि का सटीक रूप से अनुमान नहीं लगाया गया हो, तो वहाँ दायित्वों को आकस्मिक देयताओं के रूप में प्रकट किया जाना प्रासंगिक हो जाता है जब तक कि आर्थिक लाभ के आउटफ्लो की संभावना रिमोट नहीं होती। संभावित दायित्व के अस्तित्व की केवल एक या अधिक भावी अनिश्चित घटनाओं की उपस्थिति या गैर-घटना से पुष्टि की जाएगी, जो कि पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं होगी एवं जब तक कि आर्थिक लाभ के आउटफ्लो की संभावना रिमोट नहीं होती, तब तक उन्हें प्रासंगिक देनदारियों के रूप में प्रकट किया जाएगा।

प्रासंगिक संपत्तियों को वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त नहीं है। हालांकि जब आय की प्राप्ति वास्तव में निश्चित होती है, तो संबंधित कोई भी संपत्ति आकस्मिक संपत्ति नहीं होती है और इनकी मान्यताएं यथोचित होती हैं।

2.22 उपार्जित शेयर

अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों को भारित औसत संख्या द्वारा कर के बाद शुद्ध लाभ से विभाजित करके प्रति शेयर मूल आय की गणना की जाती है। प्रति शेयरों में मंदित आय की गणना इक्विटी शेयरों की औसत लाभ को विभाजित करके की जाती है, जो कि शेयरों की मूल आय से प्राप्त होती है और इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या जो कि सभी डाइल्यूटिव संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी की जाती है।

2.23 निर्णय, आकलन और धारणाएं

भारतीय लेखांकन मानक के अनुरूप वित्तीय विवरणों की तैयारी में लेखांकन नीतियों के आवेदन को प्रभावित करने वाले अनुमान, निर्णय और धारणाएं बनाने के लिए प्रबंधन की आवश्यकता होती है जो लेखांकन नीतियों और संपत्तियों और देनदारियों की रिपोर्ट की गई राशि, वित्तीय विवरणों की तारीख पर आकस्मिक संपत्तियों और देनदारियों के प्रकटीकरण और रिपोर्ट अवधि के दौरान राजस्व और व्यय की राशि को प्रभावित करता है। जटिल और व्यक्तिपरक निर्णयों से जुड़े लेखांकन नीतियों का उपयोग और इन वित्तीय विवरणों में धारणाओं के उपयोग का खुलासा किया गया है। लेखांकन परिणाम समय - समय पर परिवर्तित होते रहते हैं। वास्तविक परिणाम अनुमानित लागत से भिन्न होते हैं। अनुमान के आधार पर इनकी निरंतर समीक्षा की जाती है और समयानुरूप लेखा अनुमानों का पुनर्निरीक्षण एवं उनका संशोधन भी किया जाता है। सामग्रियों को उनके वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में प्रभावी रूप से प्रकट किया जाता है।

2.23.1 निर्णय :

कंपनी की लेखांकन नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया में प्रबंधन ने निम्न फैसले लिए हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण प्रकाश वित्तीय वक्तव्यों में मान्यता प्राप्त राशियों पर डाला गया है :

2.23.1.1 लेखांकन नीतियों का निर्माण

लेखांकन नीतियां ऐसे वित्तीय वक्तव्य हैं जिसमें लेनदेन, अन्य घटनाओं और शर्तों के बारे में प्रासंगिक और विश्वसनीय जानकारी प्राप्त होती है, जिस पर वे लागू होते हैं। जिन नीतियों का प्रभाव अव्यवस्थित हो उन नीतियों को लागू करने की आवश्यकता नहीं होती।

प्रबंधन ने भारतीय लेखांकन मानक के अभाव में जो विशिष्ट रूप से लेनदेन, घटना की स्थिति पर लागू होते हैं, के अंतर्गत अपने निर्णयानुसार लेखांकन नीतियों के विकास तथा उसे लागू करने के लिए तथा परिणाम प्राप्त करने हेतु निम्न जानकारीयों उद्धृत की है।

- क) उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णय लेने के अनुरूप और
- ख) वित्तीय वक्तव्यों में विश्वसनीयता
 1. कंपनी ईमानदारी से वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नगदी प्रवाह का प्रतिनिधित्व करती है।
 2. न कि केवल कानूनी रूप को दर्शाती है वरन लेन-देन, अन्य घटनाओं और शर्तों के आर्थिक सार को दर्शाती है
 3. तटस्थ है अर्थात् पूर्वाग्रह से मुक्त,
 4. मितव्ययी, तथा
 5. सभी सामग्रियां पूर्ण रूप से निरंतरता पर आधारित होती हैं।

निर्णय लेने में प्रबंधन निम्नलिखित स्रोतों को अवरोही क्रम में संदर्भित करता है, और उनकी प्रयोज्यता पर विचार करता है :

- क. भारतीय लेखांकन मानक में लेनदेन से संबंधित मुद्दों की आवश्यकताएं, और
- ख. ढांचे में संपत्ति, देयताएं, आय तथा व्यय के लिए परिभाषाएं, मान्यता मानदंड और माप।

निर्णय लेने के लिए प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानक बोर्ड की सबसे हाल की घोषणाओं पर विचार करती है और उनकी अनुपस्थिति में अन्य मानक स्थापित निकायों जो कि सामान्य विचारात्मक तंत्र का उपयोग करते हुए लेखांकन मानकों और

अन्य लेखांकन साहित्य और स्वीकृत उद्योग कार्य का विकास करती है जिससे कि उपरोक्त अनुच्छेद में स्रोतों के साथ विवाद की स्थिति न पैदा हो।

कंपनी खनन क्षेत्र का संचालन करती है (एक ऐसा क्षेत्र जहां अन्वेषण, मूल्यांकन, उत्पादन चरण का विकास विभिन्न स्थलाकृति और भू-क्षेत्र के इलाकों पर आधारित है, जो दशकों से चल रहे पट्टे में फैला हुआ है और जहां लगातार परिवर्तन की संभावनाएं होती हैं) जहां लेखांकन नीतियों की वृद्धि हुई है। पिछले कई दशकों से अनुसंधान समितियों द्वारा विशिष्ट उद्योग प्रथाओं की नियमावली के रूप में उसे अनुमोदित किया गया है। कंपनी लेखांकन साहित्य के विकास के साथ-साथ लेखांकन नीतियों के भी विकास का प्रयास करती है और इसमें भारतीय लेखांकन मानक 8 के अनुसार विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है।

लेखांकन के प्रोद्गवन आधार का उपयोग करते हुए वित्तीय विवरण गोइंग कंसर्न के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

2.23.1.2 सामग्रियाँ

भारतीय लेखांकन मानक उन वस्तुओं पर लागू होता है जो भौतिक हैं। प्रबंधन विचार करते हुए यह निर्णय लेते हैं कि एकीकृत वस्तुओं या वस्तुओं के समूह को वित्तीय विवरणों में सामग्री के रूप में लिया जा सकता है। सामग्री का आकलन वस्तुओं के आकार और प्रकृति के अनुरूप किया जाता है। निर्णायक कारण यह है कि उपयोगकर्ता वित्तीय निर्णयों के आधार पर निर्णय लेते हैं जो कि भूलचूक से आर्थिक निर्णय को प्रभावित भी करते हैं। प्रबंधन भारतीय लेखांकन मानक के मद्दों का निर्धारण करते हुए आवश्यकताओं को पूर्ण करती है एवं किसी विशेष परिस्थिति में या तो प्रकृति या किसी मद की मात्रा या कुल वस्तुओं का निर्धारण भी करती है। इसके अलावा कंपनी अपने जरूरत के अनुरूप मौजूदा सभी वस्तुओं को अलग से रखती है ताकि नियमानुरूप जब उन्हें इनकी आवश्यकता हो तब इनका उपयोग किया जा सके।

यदि कंपनी के अंतिम लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण के अनुसार ऐसी सभी त्रुटियां और चूक कुल परिचालन से कुल राजस्व (सांविधिक लेवी का शुद्ध) के 1% से अधिक नहीं हैं तो दिनांक 01.04.2019 से प्रभावी पूर्व अवधि से संबंधित चालू वर्ष में खोजी गई त्रुटियों / चूक को महत्वहीन माना जाता है और उसे चालू वर्ष के दौरान समायोजित किया जाता है।

2.23.1.3 परिचालन पट्टा -

कंपनी ने पट्टा समझौते में प्रवेश किया है। कंपनी शर्तों और निबंधन समझौते के मूल्यांकन के आधार पर यह निर्धारित करती है कि पट्टे आर्थिक जीवन के वाणिज्यिक संपत्ति का मुख्य भाग और परिसंपत्ति के उचित मूल्य के रूप में गठित नहीं किए जा सकते हैं, ताकि जो बरकरार है वे सभी महत्वपूर्ण जोखिमों, स्वामित्व और परिचालन पट्टे को अनुबंध खाते में रखे जा सके।

2.23.2 आकलन और धारणाएँ-

रिपोर्टिंग तिथि पर भविष्य और अनुमान अनिश्चितता के अन्य प्रमुख स्रोतों से संबंधित प्रमुख धारणाएं, जिनमें अगले वित्तीय वर्ष के भीतर परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन मात्रा में सामग्री समायोजन करने का एक महत्वपूर्ण जोखिम है, नीचे वर्णित हैं। समेकित वित्तीय विवरण तैयार करते समय उपलब्ध मापदंडों के आधार पर कंपनी ने अपनी धारणाओं और अनुमानों को आधार बनाया। मौजूदा परिस्थितियों और भविष्य के विकास के बारे में धारणाएं, हालांकि, बाजार में बदलाव या कंपनी के नियंत्रण से बाहर होने वाली परिस्थितियों के कारण बदल सकती हैं। ऐसे बदलाव जब घटित होते हैं तब मान्यताओं में परिलक्षित होते हैं।

2.23.2.1 गैरवित्तीय सम्पत्तियों की हानि

अगर किसी परिसंपत्ति या नकद उत्पन्न करने वाली इकाई का वहन मूल्य उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक हो, तो यह हानि का संकेत है, जो कि इसके उचित मूल्य से निपटने की कम लागत और उपयोग में इसके मूल्य से अधिक है। कंपनी हानि के

परीक्षण के उद्देश्य से अलग-अलग खानों को अलग नकद उत्पादन इकाइयों के रूप में मानती है। उपयोग की जाने वाली गणक मान डीसीएफ मॉडल पर आधारित होती है। नगदी प्रवाह को अगले पाँच वर्षों के लिए बजट से प्राप्त किया जाता है और जिसमें पुनर्गठन की गतिविधियां शामिल नहीं की जाती, जिसके लिए कंपनी अभी तक प्रतिबद्ध नहीं है एवं जिसमें सीजीयू की परिसंपत्तियों के प्रदर्शनों का भविष्य में उपयोग किया जा सके। वसूली राशि संवेदनशील होती है जो कम दर पर डीसीएफ मॉडल के साथ-साथ अपेक्षित भावी नगदी और प्रविष्टि प्रयोजन के विकास दर को बढ़ाती है। यह अनुमान अन्य खनन के बुनियादी ढांचे के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है। विभिन्न सीजीयू के लिए वसूली योग्य राशि का निर्धारण करने के लिए प्रमुख मान्यताओं का वर्णन किया गया है और जिसे आगे संबन्धित टिप्पणियों में भी वर्णित किया गया है।

2.23.2.2 कर

अस्थायी परिसंपत्तियों को अप्रयुक्त कर हानियों के लिए उस सीमा तक मान्यता प्राप्त है, जिस सीमा तक कर लगाने योग्य लाभों की उपलब्धता को उनके घाटे में भी उपयोग किया जा सके। संभावित समय और भविष्य के कर योग्य लाभ के स्तर के साथ-साथ भविष्य की कर योजना रणनीतियों के आधार पर, आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मात्रा निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय की आवश्यकता होती है।

2.23.2.3 परिभाषित लाभ योजनाएं

पारिभाषित लाभ, ग्रेच्युटी योजना और अन्य रोजगार चिकित्सा लाभों की लागत और ग्रेच्युटी दायित्वों के वर्तमान मूल्य का निर्धारण बीमांकिक मूल्यांकन से किया जाता है। मूल्यांकन में विभिन्न धारणाएँ शामिल होती हैं, जो भविष्य में वास्तविक विकास से भिन्न हो सकती हैं। इसमें छूट दर, भविष्य में वेतन बढ़ोतरी और मृत्यु दर का निर्धारण शामिल है।

मूल्यांकन और इसकी दीर्घकालिक प्रकृति में शामिल जटिलता, परिभाषित लाभ, दायित्वों की मान्यताओं में परिवर्तन अत्यंत ही संवेदनशील होते हैं। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में सभी मान्यताओं की समीक्षा की जाती है। सबसे अधिक परिवर्तन होने वाला विषय छूट दर होता है। भारत में संचालित योजनाओं के लिए उपर्युक्त छूट दर को निर्धारित करने में प्रबंधन सरकारी बॉन्ड के ब्याज दरों के साथ मुद्रित रोजगार के ब्याज दायित्वों पर विचार करती है।

मृत्यु दर देश के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध मृत्यु दर की सारणी पर आधारित होते हैं। मृत्यु दर के सारणी में बदलाव केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तनों पर आधारित होती है। भावी वेतन वृद्धि और ग्रेच्युटी की बढ़ोतरी भविष्य की मुद्रास्फीति की दर पर आधारित होती है।

2.23.2.4 वित्तीय साधनों का उचित मूल्य माप

जब तुलन पत्र में दर्ज वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों के उचित मूल्य को सक्रिय बाजारों में उद्धृत कीमतों के आधार पर मापा नहीं जा सकता, तो उनका उचित मूल्य डीसीएफ मॉडल के साथ आम तौर पर स्वीकृत मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके मापा जाता है। जहां तक संभव हो इन मॉडलों को बाजार से लिया जाता है। परंतु जहां तक संभव ना हो, वहाँ उचित मूल्यों को स्थापित करने के लिए निर्णायक परिणामों की आवश्यकता पड़ती है। निर्णय में नगदी की जोखिम, क्रेडिट जोखिम, अस्थिरता और अन्य प्रासंगिक इनपुट जैसे विचाराधीन निवेश शामिल होते हैं। धारणाओं में परिवर्तन और अनुमानित ऐसे कारक वित्तीय रिपोर्ट में दिये गए उचित मूल्य को प्रभावित करते हैं।

2.23.2.5 विकास के तहत अमूर्त संपत्तियां

कंपनी लेखांकन नीति के अनुसार विकास के तहत एक परियोजना के लिए अमूर्त संपत्ति का पूंजीकरण करती है। आम तौर पर जब परियोजना की रिपोर्ट तैयार की जाती है, तब निर्णयों के आधार पर प्रबंधन द्वारा प्रारम्भिक पूँजी लागत की तकनीक और आर्थिक व्यवहार को स्वीकार किया जाता है।

2.23.2.6 खान बंदी, साइट पुनः स्थापना व डीकमिस्निंग दायित्वों के लिए प्रावधान

खान बंदी, साइट पुनः स्थापना और डीकमिस्निंग दायित्व के प्रावधान के उचित मूल्य का निर्धारण करने हेतु छूट दरों, साइट पुनः स्थापना और निराकरण की अपेक्षित लागत और उन लागतों के अपेक्षित समय के संबंध में अनुमान लगाए जाते हैं। कंपनी परियोजना/खान के जीवन के आधार पर डीसीएफ पद्धति का उपयोग करते हुए प्रावधान का अनुमान लगाती है:

- अनुमानित लागत कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों में विनिर्दिष्ट के अनुसार प्रति हेक्टर होगी।
- छूट दर (प्रति कर दर) जो कि समय के वर्तमान मूल्यों के मूल्यांकन और देनदारियों के लिए वर्तमान बाजार द्वारा किए गए आकलन को दर्शाती है।

2.24 संक्षेपों का प्रयोग:

क.	सीजीयू	नगद उत्पाद इकाई	ठ.	ईसीएल	ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ख.		रियायती नगद प्रवाह	ड.	बीसीसीएल	भारत कुकिंग कोल लिमिटेड
ग.	एफवीटीओसीआई	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	ढ.	सीसीएल	सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
घ.	एफवीटीपीएल	लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य	ण.	एसईसीएल	साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ङ.	जीएएपीई	सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्त	त.	एमसीएल	महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
च.	भा.लेखा.मा.	भारतीय लेखांकन मानक	थ.	एनसीएल	नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
छ.	ओसीआई	अन्य व्यापक आय	द.	डब्ल्यूसीएल	वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ज.	पी एंड एल	लाभ एवं हानि	ध.	सीएमपीडीआईएल	सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इस्टिट्यूट लिमिटेड
झ.	पीपीई	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	न.	एनईसी	नॉर्दर्न ईस्टर्नकोलफील्ड्स
ञ.	एसपीपीआई	केवल मूलधन और ब्याज का भुगतान	प.	आईआईसीएम	इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ कोल मैनेजमेंट
ट.	ईआईआर	प्रभावी ब्याज दर	फ.	सीआईएल	कोल इंडिया लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी -3 संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

(₹ करोड़ में)

	प्रतिष्ठान भूमि	अन्य भूमि	भूमि सुधार/ साइट पुनर्स्थापना लागत	भवन निर्माण (वाकफूदी, सरकारी और कलक्टरी सहित)	संचयन एवं उपकरण	दुरुस्ती	रेलवे साइट्स	घनीभूत एवं पीछाकार	भारतीय उपकरण	वाहन	अन्य वस्तुएं - अधिष्ठात संयंत्र	सर्वेक्षण-आयोजना-सिद्धांत	रेल कोरिडोर	अन्य (कोई)	कुल
सकल महल राशि :															
1 अप्रैल 2020 तक	30.49	4,620.74	310.82	642.19	1,805.53	27.56	249.29	23.11	25.29	22.54	1,498.53		-	-	9,275.72
नोट		978.61	46.89	147.22	342.99	1.46	0.89	4.98	10.01	1.26	32.72	19.62	0.01	-	1,586.66
घटाव /समायोजन	(0.13)	6.84	(4.38)	79.80	(147.61)	3.06	49.49	(0.01)	(8.79)	1.49	(1,269.63)	(2.76)	1,124.35	-	(168.28)
31 मार्च 2021 तक	30.36	5,606.19	353.33	869.21	2,000.91	32.08	299.67	28.08	26.51	25.29	261.62	36.49	1,124.36	-	10,694.10
सकल महल राशि :															
1 अप्रैल 2021 तक	30.36	5,606.19	353.33	869.21	2,000.91	32.08	299.67	28.08	26.51	25.29	261.62	36.49	1,124.36	-	10,694.10
नोट	-	1,300.13	61.78	103.54	700.34	7.53	95.11	2.77	8.18	6.30	46.91	10.69	-	0.52	2,343.80
(27.93)	19.18	(32.33)	7.00	(206.30)	(0.06)	-	(1.01)	(1.77)	7.44	(8.55)	-	-	-	-	(247.43)
घटाव /समायोजन	2.43	6,925.50	382.78	979.75	2,494.95	39.55	394.78	29.84	31.59	29.82	315.97	38.63	1,124.36	0.52	12,790.47
31 मार्च 2022 तक															
संविदा, मूल्यह्रास एवं हानि															
1 अप्रैल 2020 तक	-	728.56	148.44	87.73	692.74	22.43	55.86	9.24	12.27	10.56	255.93	8.08	-	-	2,031.84
वर्ष के लिए प्रभाव	-	198.88	20.01	64.38	186.72	1.87	21.44	2.41	5.77	2.90	18.27	-	74.96	-	597.61
हानि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	11.74	-	-	11.74
घटाव /समायोजन	-	(23.65)	-	21.35	(137.58)	0.53	20.01	0.45	(5.95)	1.08	(198.09)	(1.65)	149.10	-	(174.40)
31 मार्च 2021 तक	-	903.79	168.45	173.46	741.88	24.83	97.31	12.10	12.09	14.54	76.11	18.17	224.06	-	2,466.79
सकल महल राशि :															
वर्ष के लिए प्रभाव	-	903.79	168.45	173.46	741.88	24.83	97.31	12.10	12.09	14.54	76.11	18.17	224.06	-	2,466.79
हानि	-	182.23	17.39	66.58	197.85	1.85	21.30	2.39	6.61	2.65	20.31	-	76.28	0.02	595.46
घटाव /समायोजन	-	-	-	0.17	-	-	-	-	0.01	-	1.09	6.36	-	-	7.63
(2.97)	-	-	-	(203.73)	-	-	(1.03)	(2.91)	(1.99)	-	(5.13)	-	-	-	(217.76)
घटाव /समायोजन	-	1,083.05	185.84	240.21	736.00	26.68	118.61	13.46	15.80	15.20	97.51	19.40	300.34	0.02	2,852.12
सकल महल राशि :															
घटाव /समायोजन	2.43	5,842.45	196.94	739.54	1,758.95	12.87	276.17	16.38	15.79	14.62	218.46	19.23	824.02	0.50	9,938.35
31 मार्च 2021 तक	30.36	4,702.40	184.88	695.75	1,259.03	7.25	202.36	15.98	14.42	10.75	185.51	18.32	900.30	-	8,227.31

कंपनी के नाम अचल संपत्तियों के शीर्ष कार्य शामिल नहीं हैं

संपत्ति की मदों का विवरण	सकल महल मूल्य	के नाम पर अधिकार में किए गए शीर्ष कार्य	क्या शीर्ष कार्य धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर/निदेशक का कर्मचारी या प्रमोटर, निदेशक या रिस्तेदार है	संपत्ति किस तारीख से धारित है	कंपनी के नाम में शामिल न करने का कारण
पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	2.43	लागू नहीं	लागू नहीं	विविध तिथियां	फ्रीहोल्ड भूमि के कुछ मामलों को छोड़कर, अधिग्रहीत भूमि के स्वामित्व विलेख कब्जे में हैं और जहां कानूनी औपचारिकताएं लंबित हैं, कंपनी के पक्ष में उत्पन्न/विवर्तित हैं।
अन्य भूमि	6,925.50	लागू नहीं	लागू नहीं	विविध तिथियां	कोयला धारित क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) अधिनियम, 1957 और भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 के तहत अधिग्रहीत भूमि के लिए स्वामित्व विलेख की आवश्यकता नहीं है। कुछ मामलों को छोड़कर जहां कानूनी औपचारिकताएं लंबित हैं, अधिग्रहीत भूमि के लिए अन्य सभी शीर्ष कार्य अधिकार में हैं और कंपनी के पक्ष में उत्पन्न/विवर्तित हैं।

- कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) अधिनियम, 1957 और भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894, उड़ीसा सरकार भूमि व्यवस्थापन अधिनियम 1962 के तहत अधिग्रहीत भूमि शामिल हैं। कोयला धारक क्षेत्रों (अधिग्रहण और विकास) अधिनियम, 1957 के तहत अधिग्रहीत भूमि को भूमि के स्वामित्व को उस सीमा तक स्थानांतरित करने की अधिसूचना के आधार पर पूंजीकृत किया गया है, जिसके लिए मंजूरी / अनुमोदन प्राप्त किया गया है। भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 के तहत अधिग्रहीत भूमि, ओडिशा सरकार भूमि व्यवस्थापन अधिनियम 1962 को राज्य प्राधिकरणों द्वारा प्रमाणित अधिकार के आधार पर पूंजीकृत किया गया है।
- नोट 2.7 में उल्लिखित उपयोगी समय के आधार पर मूल्यह्रास प्रदान किया गया है। हालांकि, संपत्ति के एक अलग वर्ग के भीतर एम्बेडेड कुछ संपत्तियों के मूल्य को अलग करने के लिए तकनीकी मूल्यांकन पूरा होने तक, इन परिसंपत्तियों पर संपत्ति के गैर-पृथक वर्ग के उपयोगी समय के आधार पर मूल्यह्रास प्रदान किया गया है।
- भूमि सुधार / स्थान पुनर्स्थापन लागत में विधिवत रूप से खदान बंद होने के कारण अनुमानित लागत शामिल होती है, जो मुद्रास्फीति के लिए (5% प्रतिवर्ष) तत्पश्चात 8% की छूट दर पर छूट दी जाती है जो उचित मूल्य और जोखिम की वर्तमान बाजार दर को दर्शाती है।
- उपरोक्त रेल कोरिडोर में ₹1124.36 करोड़ की राशि के रेलवे ट्रैक को सक्षम करना शामिल है।
- सीआईएल से दिनांक 17.04.2017 को परिचालित समिति की सिफारिश के अनुसार घटक लेखांकन का पालन किया जा रहा है।

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी 4 : प्रगतिशील पूंजीगत कार्य

(₹ करोड़ में)

	भवन निर्माण (जलापूर्ति, सड़कों और कलवर्ट सहित)	संयंत्र एवं उपकरण	रेलवे साइडिंग	अन्य खनन संरचना/ विकास	निर्माणाधीन रेल कॉरिडोर	सौर परियोजना	अन्य	कुल
सकल वहन राशि :								
1 अप्रैल 2020 तक	206.38	518.71	91.41	645.76	-	-	-	1,462.26
जोड़	184.49	254.28	117.40	315.20	0.26	-	-	871.63
पूँजीकरण/विलोपन	(80.15)	(73.45)	(8.26)	(69.58)	0.26	-	-	(231.18)
31 मार्च 2021 तक	310.72	699.54	200.55	891.38	0.52	-	-	2,102.71
सकल वहन राशि :	310.72	699.54	200.55	891.38	0.52	-	-	2,102.71
जोड़	164.66	469.90	24.11	581.36	343.05	1.41	-	1,584.49
पूँजीकरण विलोपन	(47.98)	(37.03)	(86.06)	(261.54)	87.06	-	-	(345.55)
घटाव /समायोजन	427.40	1,132.41	138.60	1,211.20	430.63	1.41	-	3,341.65
संचित हानि								
1 अप्रैल 2020 तक	0.11	12.75	0.12	1.19	-	-	-	14.17
वर्ष के लिए शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-
हानि	3.30	-	-	-	-	-	-	3.30
विलोपन /समायोजन	-	-	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2021 तक	3.41	12.75	0.12	1.19	-	-	-	17.47
सकल वहन राशि :	3.41	12.75	0.12	1.19	-	-	-	17.47
वर्ष के लिए प्रभार	-	-	-	-	-	-	-	-
हानि	-	0.13	-	79.82	-	-	-	79.95
विलोपन /समायोजन	-	-	-	(0.01)	-	-	-	(0.01)
घटाव /समायोजन	3.41	12.88	0.12	81.00	-	-	-	97.41
शुद्ध वहन राशि								
घटाव /समायोजन	423.99	1,119.53	138.48	1,130.20	430.63	1.41	-	3,244.24
31 मार्च 2021 तक	307.31	686.79	200.43	890.19	0.52	-	-	2,085.24

कार्यशील पूंजी (सीडब्ल्यूआईपी)

(a) कार्यशील पूंजी के लिए समय अनुसूची :

	अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि					
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष		3 वर्ष से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर हैं:						
भवन (पानी की आपूर्ति, सड़कों और पुलियों सहित)	141.25	52.83	38.55		194.77	427.40
संयंत्र और उपकरण	410.31	231.53	184.78		305.78	1,132.40
रेलवे साइडिंग	24.37	102.14	7.45		5.16	139.12
अन्य खनन अवसंरचना/विकास	409.05	159.92	68.06		493.32	1,130.35
निर्माणाधीन रेल कॉरिडोर	79.94	331.44	-		18.73	430.11
सौर परियोजना	1.41					1.41
अन्य						-
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं:						
(शौच का नाम (अर्थात् भवन/संयंत्र और उपकरण) का उल्लेख करें।)						
जगन्नाथ यूजी का विकास व्यय					11.90	11.90
तालचर (प.) यूजी का विकास व्यय					21.05	21.05
नटराज यूजी का विकास व्यय	-	-	-		47.91	47.91
कुल	1,066.33	877.86	298.84		1,098.62	3,341.65

अतिदेय प्रगतिशील कार्य पूंजी

	के भीतर पूरा किया जाना है				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष		2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
प्रगतिशील परियोजनाएं :					
भवन (पानी की आपूर्ति, सड़कों और पुलियाँ सहित)					
बसुधरा में आरसीसी स्वागत द्वार	0.11				
गर्जनबहाल में ई एंड एम कार्यशाला	1.61				
गर्जनबहाल में एचईएमएम कार्यशाला	5.92				
सामुदायिक केंद्र का विकास	2.53				
928 आवास का निर्माण	43.96				
कुल्डा कार्यशाला से लालमा चौक तक ब्लैक टॉपिंग रोड	1.73				
ईटीपी का संशोधन	0.39				
928 आवास का निर्माण	14.74				
शॉपिंग सेंटर का विकास	0.45				
1 ब्रिज का निर्माण	1.66				
2 ब्रिज का निर्माण	2.67				
कार्यकर्ता छात्रावास का निर्माण	0.5				
बीओसीपी में 100 सीटर कैंटीन का निर्माण	0.25				
पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का निर्माण	0.2				
ओरिएंट में बिल्डिंग	7.89				
7 A टाइप और 42 B टाइप आवास का निर्माण	3.12				
सीटी रोड एलओसीपी का निर्माण	20.97				
सीटी रोड एसओसीपी का निर्माण	17.32				
संयंत्र और उपकरण					
वेस्को ओएच लाइन को 33/11 सबस्टेशन से पुलिस फांड़ी में स्थानांतरण	0.46				
व्हील वाशिंग सिस्टम कुल्डा	0.26				
व्हील वाशिंग सिस्टम कुल्डा	0.7				
रेपिड लोडिंग सिस्टम	92.27				
2*10MVA,33/6.6KV सबस्टेशन	0.53				
भुवनेश्वर में -सीएचपी/एसआईएलओ एलएंडटी फेज- I को ओसीपी	104.06				
SILO AOCIP के लिए रेल कनेक्टिविटी के लिए FSR और DPR तैयार करना		3.43			
ओरिएंट में पी एंड एम	1.03				
ओरिएंट में पी एंड एम	0.07	0.24			
रेलवे साइडिंग					
बांकीबहाल से भंडाबहाल तक 4 लेन रोड		234.81			
बांकीबहाल से कनिका तक 4 लेन रोड	232.74				
अन्य खनन अवसंरचना/विकास					
1 ब्रिज का निर्माण	2.02				
2 ब्रिज का निर्माण	4.32			-	-
तालचर से पारादीप पोर्ट के बीच स्वचालित सिग्नलिंग		16.9			
ओरिएंट में ओएमआई	1.18				
सरडेगा के लिए झारसुगुदा से डबल लाइन				-	-
सरडेगा के लिए झारसुगुदा से डबल लाइन	-	331.44		-	-
अन्य				-	-
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं:					
	-	-		-	-
	-	-		-	-
कुल	564.38	586.82		-	-

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
नोट 5: अन्वेषण और मूल्यांकन संपत्ति

(₹ करोड़ में)

	अन्वेषण और मूल्यांकन लागत
सकल वहन राशि:	
1 अप्रैल 2020 तक	124.73
जोड़	
पूँजीकरण/विलोपन	(4.15)
31 मार्च 2021 तक	137.79
सकल वहन राशि :	137.79
जोड़	10.59
घटाव /समायोजन	(46.50)
घटाव /समायोजन	101.88
परिशोधन और हानि	
1 अप्रैल 2020 तक	
वर्ष के लिए शुल्क	-
हानि	-
हटाना/समायोजन	-
31 मार्च 2021 तक	-
सकल वहन राशि :	-
वर्ष के लिए प्रभार	-
हानि	-
हटाना/समायोजन	-
घटाव /समायोजन	-
सकल वहन राशि:	
घटाव /समायोजन	101.88
31 मार्च 2021 तक	137.79

(a) अन्वेषण और मूल्यांकन संपत्ति के लिए समय वृद्धि अनुसूची

	... अवधि के लिए अन्वेषण और मूल्यांकन में राशि				
	1 वर्ष से कम year	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
ई एंड ई परियोजनाएं प्रगतिशील :	16.32	35.16	4.74	45.66	101.88
ई एंड ई परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित :					
परियोजना का नाम					
कुल	16.32	35.16	4.74	45.66	101.88

(b) अतिदेय अन्वेषण और मूल्यांकन संपत्ति

	में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम year	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष अधिक
ई एंड ई परियोजनाएं प्रगतिशील :				
परियोजना का नाम				
कुल	-	-	-	-

वित्तीय विवरण के लिए नोट्स

नोट 6.1: अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	अमूर्त समनवेशी परिसंपत्तियाँ	अन्य	कुल
शुद्ध वहन राशि				
1 अप्रैल 2020 तक	0.60	4.56	-	5.16
	0.17	-	-	0.17
पूँजीकरण/विलोपन	-	-	-	-
31 मार्च 2021 तक	0.77	4.56	-	5.33
सकल वहन राशि :	0.77	4.56	-	5.33
जोड़	1.76	-	-	1.76
विलोपन/समायोजन	-	0.01	-	0.01
घटाव /समायोजन	2.53	4.57	-	7.10
परिशोधन और हानि				
1 अप्रैल 2020 तक	0.47	-	-	0.47
वर्ष के लिए शुल्क	0.02	-	-	0.02
हानि	-	-	-	-
हटाना/समायोजन	-	-	-	-
31 मार्च 2021 तक	0.49	-	-	0.49
सकल वहन राशि :	0.49	-	-	0.49
वर्ष के लिए प्रभार	0.24	-	-	0.24
हानि	-	-	-	0.00
हटाना/समायोजन	-	-	-	0.00
घटाव /समायोजन	0.73	-	-	0.73
शुद्ध वहन राशि				
घटाव /समायोजन	1.80	4.57	-	6.37
31 मार्च 2021 तक	0.28	4.56	-	4.84

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ
टिप्पणी 6.2 : विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

	विकास के तहत ईआरपी
सकल वहन राशि:	
1 अप्रैल 2020 तक	-
जोड़	-
पूँजीकरण/विलोपन	-
31 मार्च 2021 तक	-
सकल वहन राशि :	-
जोड़	0.97
विलोपन/समायोजन	5.38
घटाव /समायोजन	6.35
परिशोधन और हानि	
1 अप्रैल 2020 तक	-
वर्ष के लिए प्रभार	-
हानि	-
विलोपन/समायोजन	-
31 मार्च 2021 तक	-
सकल वहन राशि :	-
वर्ष के लिए प्रभार	-
हानि	-
विलोपन/समायोजन	-
घटाव /समायोजन	-
शुद्ध वहन राशि	
घटाव /समायोजन	6.35
31 मार्च 2021 तक	-

विकास के तहत अमूर्त संपत्ति

(a) विकास के तहत अमूर्त संपत्ति के लिए समय वृद्धि अनुसूची

	की अवधि के लिए विकास के तहत अमूर्त संपत्ति में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम year	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
परियोजना का नाम:					
विकास के तहत ईआरपी		6.35	-	-	6.35
अस्थायी रूप से निर्लंबित परियोजनाएं :					
(शीर्ष (अर्थात् कंप्यूटर आदि) नाम का उल्लेख	-	-	-	-	-
परियोजना का नाम:					
कुल	-	6.35	-	-	6.35

(b) विकास के तहत अतिदेय अमूर्त संपत्ति

	में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम year	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
विकास के तहत ईआरपी	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

टिप्पणी: कंपनी ने 01.04.2021 से (ईआरपी) एसएपी सॉफ्टवेयर लागू किया है। उक्त तिथि से लेखांकन सॉफ्टवेयर कोलनेट से स्थानांतरण किया गया है। हालांकि एसएपी-ईआरपी सॉफ्टवेयर पूरी तरह से स्थापित नहीं है, इसलिए इसे अंतिम संपत्ति के रूप में पूँजीकृत नहीं किया गया है।

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां
टिप्पणी - 7 : निवेश

गैर चालू निवेश	% धारिता	"शेयर/इकाई की संख्या"	"प्रति शेयर अंकित मूल्य"	(₹ में)	
				31.03.2022	31.03.2021
अनुषंगी कंपनियों में इक्विटी शेयर					
महानदी कोल रेलवे लिमिटेड ₹ 10 के शेयर के भुगतान से 64000000 शेयर (₹ 10 के शेयर के भुगतान से 32000 के शेयर)	71.11% (64%)			64.00	0.03
महानदी बेसिन पावर लिमिटेड ₹ 10 के शेयर के भुगतान से 50000 शेयर (₹ 10 के शेयर के भुगतान से 50000 के शेयर)	100% (100%)			0.05	0.05
एमजेएसजे कोल लिमिटेड ₹ 10 के शेयर के भुगतान से 57060000 शेयर (₹ 10 के शेयर के भुगतान से 57060000 के शेयर)	60% (60%)			57.06	57.06
एमएनएच शक्ति लिमिटेड ₹ 10 के शेयर के भुगतान से 24570000 शेयर (₹ 10 के शेयर के भुगतान से 24570000 के शेयर)	70% (70%)			24.57	59.57
कुल (A)				145.68	116.71
सुरक्षित बांड (उल्लेखित)में निवेश					
7.22% सुरक्षित गैर परिवर्तनीय आईआरएफसी बांड कर मुक्त		`-- (4999)	`-- (1000100)	-	499.95
7.22% सुरक्षित कर मुक्त आरईसी बॉन्ड		`-- (1500000)	`-- (1000)	-	150.00
कुल (B)				-0.00	649.95
कुल महायोग (A+B)				145.68	766.66
गैर-उद्धृत निवेश की कुल राशि:				145.68	116.71
उद्धृत निवेश की कुल राशि:				-0.00	649.95
उद्धृत निवेश का बाजार मूल्य				-	661.18
निवेश के मूल्य में हानि की कुल राशि:				-	-

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां
टिप्पणी - 7 (सतत ...)

निवेश			(₹ करोड़ में)	
	चाहू	इकाइयों की संख्या	भारित औसत एनएवी (₹ में)	को
			31.03.2022	31.03.2021
म्यूचुअल फंड निवेश				
एसबीआई म्यूचुअल फंड	7560989.08/ (8527627.045)	3738.05	2,826.33	2,747.28
केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड	500.32	2527.90	0.13	-
यूनियन केबीसी म्यूचुअल फंड	671.78	2032.67	0.14	-
बडौदा म्यूचुअल फंड	733.48	2430.76	0.18	-
सुरक्षित बांड (उल्लेखित) में निवेश				
7.55% सुरक्षित गैर परिवर्तनीय आईआरएफसी कर मुक्त 2021 श्रृंखला 79 बांड	20000/ (20000)	100000/ (100000)	-	200.00
8% सुरक्षित गैर परिवर्तनीय कर मुक्तआईआरएफसी बांड	1087537/ (1087537)	1000/ (1000)		108.75
7.22% सुरक्षित गैर परिवर्तनीय कर मुक्तआईआरएफसी बांड	4999	1000100	499.95	-
7.22% सुरक्षित प्रतिदेय कर मुक्त आरईसी बॉन्ड	1500000	1000	150.00	-
अंतर कॉर्पोरेट जमा (आईसीडी) में निवेश				
एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड			248.00	-
पीएनबी गिल्ड्स लिमिटेड			288.00	-
आईसीआईसीआई सिक्नोरिटीज			90.00	-
कुल:			4,102.73	3,056.03
गैर-उद्धृत निवेशों का योग:			626.00	-
उद्धृत निवेश का कुल:			3,476.73	3,056.03
उद्धृत निवेश का बाजार मूल्य:			3,483.97	3,072.62
निवेश के मूल्य में हानि की कुल राशि:			-	-

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी - 8 : ऋण

निवेश	चालू	इकाइयों की संख्या	भारित औसत एनएवी (₹ में)	को	
				31.03.2022	31.03.2021
गैर चालू					
संबंधित पक्षों को ऋण					
	- सुरक्षित, अच्छा माना गया			-	-
	- असुरक्षित, अच्छा गया			-	-
	- क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि			-	-
	- खराब क्रेडिट			-	-
				-	-
घटाव: संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता					
				-	-
				-	-
संबंधित पक्षों के अलावा अन्य को ऋण					
कॉर्पोरेट और कर्मचारियों के लिए ऋण					
	- सुरक्षित, अच्छा माना गया			1.20	0.79
	- असुरक्षित, अच्छा गया			-	125.00
	- खराब क्रेडिट			-	-
				1.20	125.79
कम: संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता					
				-	-
कुल				1.20	125.79

संबंधित पक्षों को गैर-वर्तमान ऋणों का विवरण			31.03.2022		31.03.2021	
ऋणियों का प्रकार			सकल राशि बकाया	कुल सकल ऋण का %	सकल राशि बकाया	कुल सकल ऋण का %
निदेशकगण			-	-	-	-
केएमपी			-	-	-	-
सम्बन्धित पक्षगण			-	-	-	-
कुल			-	-	-	-

चालू					
संबंधित पक्षों को ऋण					
	- सुरक्षित, अच्छा माना गया			-	-
	- असुरक्षित, अच्छा गया			-	-
	क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि			-	-
	- खराब क्रेडिट			-	-
				-	-
घटाव: संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता					
				-	-
				-	-
कॉर्पोरेट निकाय और कर्मचारियों के लिए ऋण					
	- सुरक्षित, अच्छा माना गया			-0.00	0.51
	- असुरक्षित, अच्छा गया			-	500.00
	क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि			-	-
	- खराब क्रेडिट			-	-
				-	500.51
घटाव: संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता					
				-	-
कुल				-	500.51

1. निदेशकों से बकाया राशि के लिए - नोट 38(3)(vii) देखें।

संबंधित पक्षों को गैर-वर्तमान ऋणों का विवरण			31.03.2022		31.03.2021	
ऋणियों के प्रकार			सकल राशि बकाया	कुल सकल ऋण का %	सकल राशि बकाया	कुल सकल ऋण का %
निदेशकगण			-	-	-	-
केएमपी			-	-	-	-
सम्बन्धित पक्ष			-	-	-	-
कुल			-	-	-	-

वित्तीय विवरणों के लिए नोट-समेकित

नोट - 9 : अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

	को	
	31.03.2022	31.03.2021
गैर चालू		
12 महीने से अधिक की परिपक्वता वाली बैंक जमा राशि	1.39	-
माइन क्लोजर प्लान के तहत बैंक में जमा		
	1,250.98	1,119.04
सुरक्षा जमा राशि		
घटाव : संदिग्ध जमानत राशि के लिए भत्ता	42.91	33.91
	-	-
	42.91	33.91
अन्य जमा और प्राप्तियाँ		
घटाव : संदिग्ध जमाराशियों और प्राप्त राशियों के लिए भत्ता	0.16	0.16
घटाव : संदिग्ध जमाराशियों और प्राप्त राशियों के लिए भत्ता	0.16	0.16
	0.00	-
कुल	1,295.29	1,152.95

नोट :

"खदान बंदी योजना (माइन क्लोजर प्लान) के तहत बैंक जमा"

भारत सरकार, कोयला मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए खदान बंदी योजना तैयार करने के लिए एक एस्क्रो खाता खोला गया है। इस तरह के एस्क्रो खाते पर ₹ 35.03 करोड़ (₹ 47.83 करोड़) के लिए अर्जित/उपार्जित ब्याज नोट -25 में प्रदर्शित बैंकों के पास जमा ब्याज आय में शामिल है। एस्क्रो खाते में अर्जित ब्याज सहित कुल जमा राशि का 50% तक प्रत्येक पांच वर्षों के बाद दिशानिर्देश के अनुसार समापन अवधि की आवधिक जांच के अनुरूप जारी किया जा सकता है। (साइट बहाली/खान बंद करने के प्रावधान के लिए नोट 21 देखें)। "

एस्क्रो खाता शेष का समाधान	31.03.2022	31.03.2021
एस्क्रो अकाउंट में ओपनिंग बैलेंस	1119.04	1082.09
जोड़ें: वर्तमान अवधि के दौरान जमा की गई शेष राशि	98.36	79.60
जोड़ें: अवधि के दौरान जमा किया गया ब्याज	33.58	47.83
घटा: वर्तमान अवधि के दौरान निकाली गई राशि	-	90.48
अंतिम तिथि पर एस्क्रो खाते में शेष राशि	1250.98	1119.04
वर्तमान		
होल्टिंग कंपनी/अनुषंगी कंपनियों के साथ चालू खाता शेष	186.19	170.80
घटाव : अनुषंगियों के पास संदिग्ध शेष के लिए भत्ता	-	-
	186.19	170.80
अर्जित ब्याज	215.60	204.14
अन्य जमा और प्राप्तियाँ	305.51	9.50
घटाव : संदिग्ध जमाराशियों और प्राप्त राशियों के लिए भत्ता	-	0.06
	305.51	9.44
सुरक्षा जमा राशि	-	-
घटाव : संदिग्ध जमानत राशि के लिए भत्ता	-	-
	-	-
कुल	707.31	384.38

1. निदेशकों से बकाया राशि के लिए - नोट 38(3)(vii) देखें।

वित्तीय विवरणों के लिए नोट-समेकित
नोट 10 : अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

	को	
	31.03.2022	31.03.2021
(i) पूँजीगत अग्रिम	683.10	490.74
घटाव: संदेहास्पद अग्रिम हेतु प्रावधान	0.60	0.65
	682.50	490.09
(ii) पूँजीगत अग्रिम के अलावा अन्य अग्रिम		
(क) उपयोगिताओं के लिए सुरक्षा जमा	-	-
घटाव: संदेहास्पद जमा हेतु प्रावधान	-	-
	-	-
(ख) अन्य जमा और अग्रिम	0.96	-
घटाव: संदेहास्पद जमा हेतु प्रावधान	-	-
	0.96	-
(ग) प्रगतिशील खदान बंदी पर किया गया व्यय	285.68	114.54
कुल	969.15	604.63

नोट: इस उद्देश्य के लिए अनुरक्षित एस्करो खाते से प्राप्त होने वाले प्रगतिशील खान बंद होने का व्यय।

टिप्पणी -11 : अन्य चालू परिसंपत्तियाँ

	को	
	31.03.2022	31.03.2021
(a) वैधानिक देय राशि का अग्रिम भुगतान	75.32	30.31
घटाव : संदिग्ध सांविधिक देय राशि के लिए भत्ता	-	-
	75.32	30.31
(b) संबंधित पक्षों को अग्रिम	-	-
(c) अन्य जमा और अग्रिम 1	2,040.27	1,777.14
घटाव : संदिग्ध अन्य जमा और अग्रिमों के लिए भत्ता	6.10	6.52
	2,034.17	1,770.62
(d) प्रगतिशील खान बंद करने का किया गया व्यय	33.00	101.69
(e) इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्य	1,143.88	771.27
कुल	3,286.37	2,673.89

1. निम्नलिखित के विरोध में अन्य अग्रिम और जमा में जमा शामिल हैं:- आयकर ₹1588.23 करोड़ (₹1408.03 करोड़), बिक्री कर ₹17.06 करोड़ (₹16.98 करोड़), सेवा कर ₹3.02 करोड़ (₹3.02 करोड़), केंद्रीय उत्पाद शुल्क ₹ 2.98 करोड़ (₹ 2.98 करोड़), स्वच्छ ऊर्जा उपकर ₹ 10.00 करोड़ (शून्य)।

2. अतिरिक्त सीएसआर राशि को अग्रेषित करने के लिए अन्य अग्रिमों और जमाराशियों में ₹ 107.04 करोड़ (₹ 36.90 करोड़) भी शामिल हैं। [नोट 28: कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय के तहत सीएसआर पर नोट देखें]

3. इस प्रयोजन के लिए अनुरक्षित एस्करो खाते से खान बंद करने का प्रगतिशील व्यय प्राप्त किया जाना है।

4. निदेशकों से बकाया राशि के लिए - नोट 38(3)(vii) देखें।

वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी

नोट - 12 : वस्तुसूची

(₹ करोड़ में)

	को	
	31.03.2022	31.03.2021
(a) कोयले का स्टॉक	806.98	990.76
विकासाधीन कोयला	-	-
कोयले का स्टॉक	806.98	990.76
(b) स्टोर और स्पेयर का स्टॉक (शुद्ध)	151.29	81.62
जोड़:मार्गस्थ भंडार	-	3.64
स्टोर और स्पेयर का निवल भंडार	151.29	85.26
(c) केंद्रीय अस्पताल में औषधि भंडार	0.91	0.73
(d) कार्यशाला एवं पत्रकारिता के कार्य	29.02	26.77
कुल	988.20	1,103.52

मूल्यांकन की विधि: टिप्पणी संख्या- 2.20 के "वस्तुसूची" पर महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां देखें।

टिप्पणी -13 : व्यापार से प्राप्त

	को	
	31.03.2022	31.03.2021
चालू		
व्यापार से प्राप्त		
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	-	-
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया	1,040.90	1,292.63
क्रेडिट हानि	22.90	85.55
	1,063.80	1,378.18
घटाव : अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता	22.90	85.55
कुल	1,040.90	1,292.63

1. निदेशकों से बकाया राशि के लिए - नोट 38(3)(vii) देखें।

2. उपरोक्त व्यापार प्राप्तियों को कोयला गुणवत्ता भिन्नता के प्रावधान और कोयले पर नमी के लिए 110.63 करोड़ रुपये के प्रावधान द्वारा बढ़ाया गया है।

(पीवाई ₹ (50.71) करोड़)।"

व्यापार प्राप्त बढ़ाने की अनुसूची

विवरण	लेन-देन की तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					कुल
	6 माह से कम	6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) निर्विवाद व्यापार प्राप्त - अच्छा माना गया।	822.31	34.62	49.8	0.55	22.99	930.27
(ii) निर्विवाद व्यापार प्राप्त - क्रेडिट हानि	-	-	-	-	22.90	22.90
(i) निर्विवाद व्यापार प्राप्त - अच्छा माना गया।	-	-	-	-	-	-
(ii) निर्विवाद व्यापार प्राप्त - क्रेडिट हानि	-	-	-	-	-	-
(v) कोयले की गुणवत्ता में भिन्नता	145.58	60.57	-13.25	-16.55	-65.72	110.63
कुल	967.89	95.19	36.55	-16.00	-19.83	1,063.80
बिल न चुकाया देय						
अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए					22.90	22.9
अपेक्षित ऋण हानि (हानि भत्ता प्रावधान) -%	0%	0%	0%	0%	-115%	2.15%

कोयला गुणवत्ता भिन्नता का समाधान

	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
कोयले की गुणवत्ता भिन्नता का प्रारंभिक संतुलन	50.71	155.63
अवधि के दौरान जोड़	-110.63	50.71
अवधि के दौरान उत्क्रमण	50.71	155.63
कोयला गुणवत्ता भिन्नता का अंतिम संतुलन	-110.63	50.71

* कोयला गुणवत्ता नकारात्मक प्रसरण का अर्थ है शुद्ध प्राप्य।

अनुलग्नक - 12 के लिए नोट
(मात्रा लाख टन में) (मूल्य ₹ लाख में)

तालिका: A

अवधि के अंत में बही स्टॉक के साक्ष्य खाते में अपनाए गए क्रोडिंग स्टॉक का मिलान

	सकल स्टॉक		नन वेडेबल स्टॉक		वेडेबल स्टॉक	
	परिणाम	मूल्य	परिणाम	मूल्य	परिणाम	मूल्य
1. (क) 01.04.21 को आरंभिक स्टॉक	236.85	1,01,044.04	-	-	236.85	1,01,044.04
(ख) 5% से अधिक कमी	1.17	1,967.71	-	-	1.17	1,967.71
आरंभिक लेखा में लिए गए स्टॉक	235.68	99,076.33	-	-	235.68	99,076.33
2. (क) अवधि में उत्पादन	1,681.67	18,87,865.21	-	-	1,681.67	18,87,865.21
(ख) कोयले का क्रय	9.79	10,356.49	-	-	9.79	10,356.49
3. उप कुल (1क+2)	1,928.31	19,99,265.75	-	-	1,928.31	19,99,265.75
4. अवधि के लिए ऑफ टैक						
(क) बाहर प्रेषण	1,753.88	19,04,714.99	-	-	1,753.88	19,04,714.99
(ख) वाशरियों में कोयला खपत	-	-	-	-	-	-
(ग) स्व खपत	0.02	40.91	-	-	0.02	40.91
(घ) क्रय किए गए कोयले का प्रेषण	9.84	11,834.52	-	-	9.84	11,834.52
कुल(क)	1,763.74	19,16,590.42	-	-	1,763.74	19,16,590.42
5. उत्पन्न स्टॉक	164.57	82,675.33	-	-	164.57	82,675.33
6. माया गया स्टॉक	164.20	81,183.87	-	-	164.20	81,183.87
7. अंतर (5-6)	0.37	1,491.46	-	-	0.37	1,491.46
8. अंतर का प्रेक-अप :						
(क) 5% के अंदर अधिक	1.28	646.71	-	-	1.28	646.71
(ख) 5% के अंदर कमी	0.47	161.12	-	-	0.47	161.12
(ग) 5% से अधिक	-	-	-	-	-	-
(घ) 5% से अधिक की कमी	1.17	1,977.06	-	-	1.17	1,977.06
9. अपनाया गया क्रोडिंग स्टॉक (6-8क+8घ)	163.39	80,698.28	-	-	163.39	80,698.28

अंतिम कोयला स्टॉक का सारांश

तालिका : B

	कच्चा कोयला				धोया/ डेशाल्ड कोयला				अन्य उत्पाद			
	कोकिंग		नान-कोकिंग		कोकिंग		नान-कोकिंग		कोकिंग		नान-कोकिंग	
	परिणाम	मूल्य	परिणाम	मूल्य	परिणाम	मूल्य	परिणाम	मूल्य	परिणाम	मूल्य	परिणाम	मूल्य
आरंभिक स्टॉक (लेखा परीक्षित)	-	-	236.85	1,01,044.04	-	-	-	-	-	-	236.85	1,01,044.04
5% से अधिक की कमी	-	-	1.17	1,967.71	-	-	-	-	-	-	1.17	1,967.71
समायोजित आरंभिक स्टॉक (वेडेबल)	-	-	235.68	99,076.33	-	-	-	-	-	-	235.68	99,076.33
उत्पादन	-	-	1,681.67	18,87,865.21	-	-	-	-	-	-	1,681.67	18,87,865.21
कोयले का क्रय	-	-	9.79	10,356.49	-	-	-	-	-	-	9.79	10,356.49
आफटेक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(क) बाहर प्रेषण	-	-	1,753.88	19,04,714.99	-	-	-	-	-	-	1,753.88	19,04,714.99
(ख) वाशरियों में कोयला खपत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ग) स्व खपत	-	-	0.02	40.91	-	-	-	-	-	-	0.02	40.91
(घ) क्रय किए गए कोयले का प्रेषण	-	-	9.84	11,834.52	-	-	-	-	-	-	9.84	11,834.52
उत्पन्न अंतिम स्टॉक	-	-	164.57	82,675.33	-	-	-	-	-	-	164.57	82,675.33
घटाव : कमी	-	-	1.17	1,977.06	-	-	-	-	-	-	1.17	1,977.06
अतिरिक्त	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अंतिम स्टॉक	-	-	163.39	80,698.28	-	-	-	-	-	-	163.39	80,698.28

आंतरिक सर्वेक्षण माप टीमों ने कोयले का भौतिक रूप से स्टॉक का सत्यापन किया है। कुछ क्षेत्रों में भी बाहरी टीमों द्वारा सत्यापन किया गया है। बुक स्टॉक (खान / कोलियरीवार) पर +/- 5% के भीतर कोयला स्टॉक के भौतिक सत्यापन पर मिली कमी / वृद्धि को लेखा नीति के अनुसार अन्वेषण किया जाता है।

5% से अधिक की कमी का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्षेत्र	खदान	बुक स्टॉक (लाख टन में)		माया गया स्टॉक (लाख टन में)		% अंतर	
		As B69+B69on 31.03.2022	As on 31.03.2021	As B69+B69on 31.03.2022	As on 31.03.2021	As B69+B69on 31.03.2022	As on 31.03.2021
ओरिएंट	खदान संख्या 3- जी 9	0.12	0.12	-	-	100.00	100.00
	एचबीएम-जी 9	0.30	0.30	-	-	100.00	100.00
तालचेर	नंदिता -जी 8	0.50	0.50	-	-	100.00	100.00
	तालचेर -जी 5	0.25	0.25	-	-	100.00	100.00
कुल		1.17	1.17	-	-		

पॉलिमी के अनुसार जब अंतर +/- 5% से अधिक है, उस मामले में मापे गए स्टॉक को लेखा में लिया जाता है। दिनांक 31.03.2022 के अनुसार 1.17 लाख टन के परिमाण के लिए ₹ 19.68 करोड़ के अंतर के मूल्य को लेखा में शामिल किया गया।

वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी
टिप्पणी- 14 : नगद एवं नगद समतुल्य

(₹ करोड़ में)

	को	
	31.03.2022	31.03.2021
(a) बैंक में जमा		
जमा खाते में	308.00	937.10
चालू खाते में		
- (सीएलटीडी खाता इत्यादि) सहित ब्याज	25.42	16.86
- गैर ब्याज वहन	23.69	56.59
नगद क्रेडिट खातों में	-	-
(b) भारत से बाहर बैंक खाता में शेष	-	-
(c) उपलब्ध चेक, ड्राफ्ट एवं स्टाम्प	-	-
(d) उपलब्ध नगद	0.00	-
(e) अन्य	0.00	-
कुल नकद और नकद समतुल्य	357.11	1,010.55

नकद और नकद समकक्ष में तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता वाले बैंकों के साथ नगद और बैंक में नकद जमा, स्वीप खाते और सावधि जमा शामिल हैं।

नोट - 15 : अन्य बैंक जमा शेष

	को	
	31.03.2022	31.03.2021
बैंकों में जमा शेष राशि		
जमा	11,757.62	7,223.41
अन्य जमा - विशिष्ट उद्देश्यों के लिए	18.88	26.59
कुल	11,776.50	7,250.00

रिपोर्टिंग तिथि के बाद 12 महीनों के भीतर विशिष्ट उद्देश्यों और बैंक जमा के लिए जो नकद में प्राप्त होने की उम्मीद है, अन्य बैंक बैलेंस में जमा शामिल हैं।

1. विशिष्ट प्रयोजनों के लिए जमा, न्यायालय के आदेश के अनुसार और अन्य विशिष्ट उद्देश्यों के लिए धारणाधिकार के तहत रखी गई बैंक जमा राशियां हैं। - संदर्भ पं. नोट 38 का 8(r)।

वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 16 : इक्विटी शेयर पूंजी

प्राधिकृत	को (₹ करोड़ में)	
	31.03.2022	31.03.2021
प्रत्येक ₹1000 का 77,58,200 इक्विटी शेयर	775.82	775.82
प्रत्येक ₹1000 का 77,58,200 इक्विटी शेयर	775.82	775.82
निर्गत, अभिदत्त एवं प्रदत्त		
प्रत्येक 1000 रुपये के 6618363 इक्विटी शेयर	661.84	661.84
प्रत्येक 1000 रुपये के 6618363 इक्विटी शेयर	661.84	661.84

1. 5% से अधिक शेयर रखने वाले प्रत्येक शेयरधारक द्वारा धारित कंपनी में शेयर

शेयरधारकों के नाम	धारित शेयरों की संख्या (प्रत्येक का अंकित मूल्य ₹1000)	कुल शेयर का %	वर्ष के दौरान % परिवर्तन
कोल इंडिया लिमिटेड (धारक कंपनी) और उसके नामांकित व्यक्ति	6618363.00	100.00	-

2. रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत और अंत में बकाया इक्विटी शेयरों का मिलान:-

विवरण	शेयरों की संख्या	राशि (₹ करोड़ में)
31.03.2017 को शेष राशि	14,12,266	141.23
जोड़/(घटाव):	56,49,064	564.91
31.03.2018 को शेष राशि	70,61,330	706.13
जोड़/(घटाव):	(442967.00)	(44.30)
31.03.2019 को शेष राशि	66,18,363	661.84
जोड़/(घटाव):	-	-
31.03.2020 तक शेष राशि	66,18,363	661.84
जोड़/(घटाव):	-	-
31.03.2021 को शेष राशि	66,18,363	661.84
जोड़/(घटाव):	-	-
31.03.2022 तक शेष राशि	66,18,363	661.84

3. कंपनी के पास केवल एक वर्ग के इक्विटी शेयर हैं जिनका अंकित मूल्य ₹ 1000/- प्रति शेयर है। इक्विटी शेयरों के धारक समय-समय पर घोषित लाभांश प्राप्त करने के हकदार होते हैं और शेयरधारकों की बैठक में उनके शेयर होल्डिंग के अनुपात में मतदान के अधिकार के हकदार होते हैं।

वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी
टिप्पणी- 17 : अन्य इक्विटी

विवरण	कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व	सामान्य रिजर्व	प्रतिधारित आय	निश्चित लाभ योजनाओं का पुनर्माप (कर का निवल) - (ओसीआई)	कुल
01-04-2021 के अनुसार शेष राशि	44.29			(97.50)	1594.14
अवधि के लिए कुल व्यापक आय			8,480.50	(0.99)	8479.51
अंतरिम लाभांश			(5,000.00)		(5000.00)
वित्तीय वर्ष 20-21 का अंतिम लाभांश			(800.00)		(800.00)
कॉर्पोरेट लाभांश कर					0.00
जनरल रिजर्व में/से स्थानांतरण		424.03	(424.03)		0.00
अवधि के दौरान समायोजन					0.00
31.03.2022 तक शेष राशि	44.29	424.03	2256.47	(98.49)	4273.65

(₹ करोड़ में)

विवरण	कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व	सामान्य रिजर्व	प्रतिधारित आय	निश्चित लाभ योजनाओं का पुनर्माप (कर का निवल) - (ओसीआई)	कुल
01-04-2020 के अनुसार शेष राशि	44.29			(60.08)	(15.79)
अवधि के लिए कुल व्यापक आय			6872.35	(37.42)	6834.93
अंतरिम लाभांश			(5225.00)		(5225.00)
अंतिम लाभांश					-
जनरल रिजर्व में/से स्थानांतरण		343.62	(343.62)		-
अवधि के दौरान समायोजन					
31.03.2021 तक शेष राशि	44.29	343.62	1303.73	(97.50)	1594.14

*वर्ष के दौरान लाभ में म्यूचुअल फंड में निवेश में उचित मूल्य परिवर्तन शामिल हैं जो प्रकृति में काल्पनिक / अप्राप्त है और लाभांश के वितरण के लिए उपलब्ध नहीं है।
ऐसे लाभ का विवरण नीचे दिया गया है:

₹करोड़ में

01.04.2020 तक शेष राशि	-
वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान अतिरिक्त	6.21
31.03.2021 तक शेष राशि	6.21
वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान अतिरिक्त	41.87
31.03.2022 तक शेष राशि	48.08

कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व का विवरण

विवरण	राशि (₹करोड़ में)	वर्ष
इक्विटी शेयर का बायबैक	44.29	वित्त वर्ष 2018-19
कुल	44.29	

कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व में शेष राशि का उपयोग किया जाएगा।

वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 18: उधार

₹ करोड़ में)

	को	
	31.03.2022	31.03.2021
गैर-चालू		
अवधि ऋण		
- बैंकों से	4.31	5.03
कुल	4.31	5.03
वर्गीकरण		
सुरक्षित	-	-
असुरक्षित	4.31	5.03
चालू		
मांग पर लौटाने वाले ऋण		
- बैंकों से		
- बैंक ओवरड्राफ्ट		
- बैंकों से अन्य ऋण	-0.00	-
अन्य से	-	-
लंबी अवधि के उधार की वर्तमान परिपक्वता	0.62	0.64
कुल	0.62	0.64
वर्गीकरण		
सुरक्षित	-0.00	-
असुरक्षित	-	-

टिप्पणी:

1. लिवर, फ्रांस से 4 नग हाइड्रोलिक शोवेल की खरीद के लिए बैंक नेशनल डी पेरिस और नेटैक्सिस बैंक के साथ क्रेडिट समझौते के माध्यम से ऋण की व्यवस्था की गई थी। वर्तमान परिपक्वता सहित 31.03.2022 (पुनर्भुगतान के बाद शुद्ध) पर बकाया ऋण ₹4.93 करोड़ है। (31.03.2021 के अनुसार ₹ 5.67 करोड़)।

शेष राशि का विवरण इस प्रकार है:-

	यूरो में	₹ करोड़ में
01.04.2021 को शेष राशि	6,60,283.64	5.67
31.03.2022 को समाप्त अवधि के दौरान भुगतान	74113.58	0.64
ट्रांसलेशन अंतर	-	-0.10
31.03.2022 तक शेष राशि	5,86,170.06	4.93

निदेशकों और अन्य लोगों द्वारा गारंटीकृत

ऋण का विवरण	राशि ₹ करोड़ में	गारंटी का प्रकार
बैंक नेशनल डी पेरिस और नेटैक्सिस बैंक, फ्रांस	4.31	भारत सरकार ने हमारे सभी भुगतान दायित्वों के संबंध में एक अपरिवर्तनीय और बिना शर्त गारंटी प्रदान की है।

बैंक नेशनल डी पेरिस और नेटैक्सिस बैंक, फ्रांस के संबंध में ₹ 0.62 करोड़ के लिए दीर्घकालिक उधार की वर्तमान परिपक्वता की गारंटी भी ऊपर दी गई है।

"पुनः भुगतान कार्यक्रम :

इस ऋण सुविधा के तहत 30 सितंबर, 2030 को पुनः भुगतान किया जाएगा । "

वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी

नोट- 19 :व्यापार प्राप्य

(₹ करोड़ में)

	को	
	31.03.2022	31.03.2021
चालू		
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम	1.55	0.18
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के अलावा	1,464.78	1,014.05
कुल	1,466.33	1,014.23

व्यापार देय - सूक्ष्म और लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि

a) मूलधन और व्याज राशि का भुगतान नहीं किया गया है लेकिन वर्ष के अंत तक बकाया नहीं है	1.55	0.18
b) वर्ष के दौरान नियत तिथि के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि के साथ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार कंपनी द्वारा भुगतान किया गया व्याज।	-	-
c) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट व्याज को जोड़े बिना भुगतान करने में विलंब की अवधि के लिए देय और देय व्याज (जो भुगतान किया गया है लेकिन वर्ष के दौरान नियत तिथि से परे)।	-	-
d) वर्ष के अंत में अर्जित व्याज और शेष भुगतान	-	-
e) जब उपर्युक्त के रूप में शेष व्याज का वास्तव में छोटे उद्यम को भुगतान नहीं किया गया हो उस तिथि तक आगामी वर्षों में भी देय और देय व्याज।	-	-

व्यापाय देय की समय वृद्धि अनुसूची

विवरण	लेन-देन की तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 years	3 वर्ष से अधिक	कुल
(i) एमएसएमई	1.55	-	-	-	1.55
(ii) अन्य	1,414.23	11.93	17.34	21.28	1,464.78
(iii) विवादित बकाया - एमएसएमई	-	-	-	-	-
(iv) विवादित बकाया - अन्य	-	-	-	-	-
कुल	1,415.78	11.93	17.34	21.28	1,466.33
बिना बिल का देय	-	-	-	-	-

नोट - 20 : अन्य वित्तीय दायित्व

गैर वर्तमान		
सुरक्षा जमा	1,070.23	185.77
अग्रिम धन	29.99	178.63
अन्य	0.01	1.86
	1,100.22	366.26
चालू		
सीआईएल के साथ चालू खाता	-	-
सुरक्षा जमा	251.38	292.56
अग्रिम धन	56.79	56.78
पूँजीगत व्यय के लिए देय	2,133.21	1,291.83
कर्मचारी लाभ के लिए दायित्व	270.89	248.03
अन्य	242.94	349.95
कुल	2,955.21	2,239.15

वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी
नोट - 21 : प्रावधान

(₹ करोड़ में)

	को	
	31.03.2022	31.03.2021
गैर वर्तमान		
कर्मचारी लाभ		
उपदान	-0.00	-
अवकाश नकदीकरण	0.00	107.58
सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ	64.10	52.93
अन्य कर्मचारी लाभ	36.53	40.25
	100.64	200.76
अन्य प्रावधान		
साइट का जीर्णोद्धार/खान बंदीकरण	957.52	878.56
स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन	17,706.34	17,995.63
अन्य	-	-
कुल	18,764.50	19,074.95
वर्तमान		
कर्मचारी लाभ		
उपदान	2.55	39.43
अवकाश नकदीकरण	10.20	56.97
सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ	9.49	18.18
अनुदान	145.11	137.45
कार्यनिष्पादन से संबंधित भुगतान	182.09	121.09
अन्य कर्मचारी लाभ	77.69	37.63
	427.14	410.75
अन्य प्रावधान		
अन्य	18.07	41.35
कुल	445.21	452.10

"1. साइट के जीर्णोद्धार/खान बंद करने का प्रावधान"

भूमि सुधार और संरचनाओं को बंद करने के लिए कंपनी के दायित्व में कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार सतह और भूमिगत दोनों खानों पर खर्च करना शामिल है। आवश्यक कार्य करने के लिए भविष्य के नकद खर्च की राशि और समय की विस्तृत गणना और तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर खदान को बंद करने, साइट की बहाली और डीकमिशनिंग के लिए दायित्व का अनुमान। अनुमोदित खान बंद करने की योजना के अनुसार खान बंद करने का खर्च प्रदान किया जाता है। मुद्रास्फीति के लिए खर्चों का अनुमान बढ़ाया जाता है, और फिर छूट दर (@8%) पर छूट दी जाती है जो पैसे के समय मूल्य और जोखिमों के वर्तमान बाजार मूल्यांकन को दर्शाती है, जैसे कि प्रावधान की राशि अपेक्षित व्यय के वर्तमान मूल्य को दर्शाती है दायित्व को निपटाने के लिए आवश्यक है। समय के साथ प्रावधान का मूल्य उत्तरोत्तर बढ़ता जाता है क्योंकि छूट के प्रभाव में कमी ; वित्तीय व्यय के रूप में मान्यता प्राप्त व्यय होता है। खान बंद करने की योजना तैयार करने के लिए उपरोक्त दिशा-निर्देशों के संदर्भ में, एक एस्को खाता खोला गया है। (नोट - 9 देखें)

भूमि के पुनरुद्धार/स्थल पुनर्स्थापन/खान बंद करने का मिलान :

	31.03.2022	31.03.2021
प्रारम्भिक तिथि पर साइट बहाली प्रावधान	878.56	867.40
अन्य साइट बहाली प्रावधान को जोड़ना	14.02	42.51
जोड़: अवधि के दौरान लगाए गए प्रावधान को समाप्त करना	64.94	59.37
घटाव : अवधि के दौरान निकासी	-	90.72
खान बंद करने का प्रावधान	957.52	878.56

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

नोट - 22 :अन्य गैर-वर्तमान देयताएं

(₹ करोड़ में)

	को	
	31.03.2022	31.03.2021
आस्थगित आय	139.06	152.96
कुल	139.06	152.96

नोट: ₹13.90 करोड़ (₹13.90 करोड़) की आस्थगित आय का वर्तमान भाग नोट 23 (अन्य) में शामिल किया गया है।

नोट - 23 : अन्य वर्तमान देनदारियां

(₹ करोड़ में)

	को	
	31.03.2022	31.03.2021
वैधानिक शेष	1,430.99	1,000.17
ग्राहकों / अन्यो से अग्रिम	5,314.86	2,621.90
अन्य देनदारियां	15.00	14.75
कुल	6,760.85	3,636.82

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ
नोट - 24 : संचालन से राजस्व

(₹ करोड़ में)

	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
A. कोयले का विक्रय	30,557.39	23,619.94
घटाव : वैधानिक कर (लेवी)	11,391.89	9,145.86
कोयले की बिक्री (निवल) (ए)	<u>19,165.50</u>	<u>14,474.08</u>
B. अन्य परिचालन राजस्व		
लदान और अतिरिक्त परिवहन शुल्क	1,741.98	1,392.40
घटाव : वैधानिक कर (लेवी)	82.95	66.30
	<u>1,659.03</u>	<u>1,326.10</u>
निकासी सुविधा शुल्क	1,037.05	726.76
घटाव : वैधानिक कर (लेवी)	49.38	34.61
	<u>987.67</u>	<u>692.15</u>
सेवाओं से राजस्व	-	-
घटाव : वैधानिक कर (लेवी)	-	-
	<u>-</u>	<u>-</u>
अन्य परिचालन राजस्व (निवल) (बी)	<u>2,646.69</u>	<u>2,018.25</u>
संचालन से राजस्व (ए + बी)	21,812.19	16,492.33

1.1. बिक्री में ईंधन आपूर्ति समझौते के तहत कार्य निसपादन प्रोत्साहन और प्रतिपूर्ति आय के रूप में ₹ 102.14 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 9.39 करोड़) शामिल हैं।

2. उपरोक्त कोयले की बिक्री में अनुमानित कोयला गुणवत्ता भिन्नता और कोयले पर नमी के प्रावधान (रिवर्सल का शुद्ध) की राशि ₹ 163.76 करोड़ (PY ₹ 107.05 करोड़) तक बढ़ा दी गई है।

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी - 25 : अन्य आय

(₹ करोड़ में)

	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
व्याज से आय	803.42	715.48
म्यूचुअल फंड से लाभांश आय	-	0.01
अन्य गैर-परिचालन आय		
परिसंपत्तियों की बिक्री से लाभ	29.86	0.88
विदेशी मुद्रा लेनदेन पर लाभ	0.10	-
म्यूचुअल फंड की बिक्री पर लाभ	83.41	36.41
पट्टा किराया	5.87	5.94
दायित्व/प्रावधान वापस लिखा गया	159.50	147.36
उचित मूल्य परिवर्तन (शुद्ध)	41.87	6.21
विविध आय	60.22	109.48
कुल	1,184.26	1,021.77

1. व्याज आय में आयकर रिफंड पर ₹32.57 करोड़ (₹3.67 करोड़ तक) व्याज शामिल है

नोट 26: उपभोग की गई सामग्री की लागत

विस्फोटक	382.64	189.66
लकड़ी	0.44	0.16
तेल और स्नेहक	446.11	338.52
एचईएमएम स्पेयर्स	92.97	118.75
अन्य उपभोग्य स्टोर और पुर्जे	69.91	58.78
कुल	992.07	705.87

नोट 27: तैयार माल की सूची में परिवर्तन, प्रगतिशील कार्य और व्यापार भंडार

	990.76	704.56
कोयले का अंतिम भंडार	806.98	990.76
A. कोयले की सूची में परिवर्तन	183.78	(286.20)
वर्कशॉप से तैयार माल का प्रारम्भिक भंडार, प्रगतिशील कार्य और प्रेस जॉब्स	26.77	18.74
वर्कशॉप से तैयार माल का अंतिम भंडार, प्रगतिशील कार्य और प्रेस जॉब्स	29.02	26.77
B. कार्यशाला की सूची में परिवर्तन	(2.25)	(8.03)
व्यापार में स्टॉक की सूची में परिवर्तन (ए+बी) { गिरावट / (अभिवृद्धि) }	181.53	(294.23)

नोट 28: कर्मचारी लाभ व्यय

वेतन और मजदूरी (भत्ते और बोनस आदि सहित)	2,613.59	2,355.85
पीएफ में योगदान और अन्य फंड	828.37	632.95
कर्मचारी कल्याण व्यय	177.73	198.70
कुल	3,619.70	3,187.50

नोट 29: कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय

सीएसआर व्यय	181.62	168.44
कुल	181.62	168.44

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

नोट-29 के लिए अनुलग्नक सीएसआर से संबंधित नोट्स

	31.03.2022	
को समाप्त वर्ष के लिए	को समाप्त वर्ष के लिए	
A. सीएसआर व्यय का गितविधीवार विवरण(अतिरिक्त खर्च सहित):-		
भूख, गरीबी और कुपोषण का उन्मूलन	209.95	164.86
विशेष शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने वाले व्यावसायिक कौशल सहित शिक्षात्मक कार्यक्रम	12.66	10.82
सैंगिक समानता और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों के समक्ष आने वाली असमानताओं को कम करने के उपाय	0.61	0.97
पर्यावरण स्थिरता	6.56	4.12
राष्ट्रीय निरसन, कला और संस्कृति का संरक्षण	1.50	0.94
सशक्त बलों के सिपाहियों, युद्ध में हुई विधवाओं और उनके आश्रितों का हितलाभ	-	-
ग्रामीण खेलों, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेलों, पैरालिंपिक खेलों और ओलंपिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण	0.11	3.23
सामाजिक आर्थिक विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्थापित निधि में योगदान	-	-
इन्फ्रास्ट्रक्चर या अनुसंधान विकास परियोजनाओं में योगदान	-	1.22
विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में योगदान	-	-
ग्रामीण विकास परियोजनाएं	18.80	16.88
गंदी बस्ती का विकास	-	-
राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण गतिविधियों सहित आपदा प्रबंधन	1.57	2.30
कुल	251.76	205.34

B. बी. सीएसआर खर्च करने की आवश्यकता और सीएसआर व्यय ग्रेड अप		
(a) अविध के दौरान व्यय करने के लिए आवश्यक राशि	181.62	168.44
(b) अविध के दौरान बोर्ड द्वारा अनुमोदित व्यय किए जाने वाली राशि	251.76	205.34
अविध/वर्ष के दौरान व्यय की गई राशि:		
(i) किसी भी परिसंपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	47.99	45.93
(ii) उपरोक्त (i) के अलावा अन्य पर उद्देश्यपूर्ण	203.77	159.41
कुल	251.76	205.34

C. सतत परियोजना के अलावा अव्ययित राशि [धारा 135(5)]					
	प्रारंभिक जमा	अनुसूचि VII में 6 महीने के भीतर निर्दिष्ट निधि में जमा राशि	वर्ष के दौरान व्यय करने के लिए आवश्यक राशि	वर्ष के दौरान व्यय की गई राशि	जमा शेष
सतत परियोजना के अलावा अव्ययित राशि	-	-	-	-	-
सीएसआर में कमी का कारण :					

D. खर्च की गई अतिरिक्त राशि [धारा 135(5)]				
वर्षवार विवरण	प्रारंभिक जमा	वर्ष के दौरान व्यय करने के लिए आवश्यक	वर्ष के दौरान व्यय की गई राशि	जमा शेष
2020-21		205.34	168.44	36.90
2021-22	36.90	181.62	251.76	107.04

नोट -11 के तहत अन्य अधिमा और जमा राशियों के लिए फुटनोट देखें: अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां

E. सतत परियोजना [धारा 135(6)] (वर्ष-वार)						
वर्षवार विवरण	प्रारंभिक जमा		वर्ष के दौरान व्यय के लिए आवश्यक राशि	वर्ष के दौरान व्यय की गई राशि	जमा शेष	
	कंपनी के साथ	अलग सीएसआर अव्ययित खाते में			कंपनी के साथ	अलग सीएसआर अव्ययित खाते में
	-	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-	-

नोट - 20 के तहत अन्य वित्तीय चालू देनदारियाँ में अन्य के लिए फुटनोट देखें - : अन्य वित्तीय देनदारियाँ

सीएसआर व्यय की देयता का प्रावधान			
	प्रारंभिक जमा	वर्ष के दौरान समायोजन	जमा शेष
सीएसआर व्यय की देयता के लिए प्रावधान (व्यापार देय नोट संख्या -19 में शामिल)			

(₹ करोड़ में)
गितविधीवार व्यय किए गए सीएसआर व्यय के व्यय के साथ मान्यता प्राप्त सीएसआर व्यय का बिलान

गितविधि के अनुसार सीएसआर व्यय की गई राशि	251.76	205.34
घटाव: व्यय किया गया अतिरिक्त सीएसआर		
जोड़: सतत परियोजना के अलावा अन्य पर अव्ययित सीएसआर राशि	70.14	36.90
जोड़: सतत परियोजना पर अव्ययित सीएसआर राशि	-	-
वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त सीएसआर व्यय	181.62	168.44

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 30 : मरम्मतें

(₹ करोड़ में)

	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
भवन	108.98	89.89
संयंत्र एवं मशीनरी	61.29	76.94
अन्य	1.95	2.28
कुल	172.21	169.11

टिप्पणी 31 : संविदात्मक व्यय

परिवहन शुल्क:	1,806.54	1,427.37
वैगन लदाई	98.57	81.25
संयंत्र एवं उपकरण भाड़ा पर लेना	2,551.92	1,762.55
अन्य संविदात्मक कार्य	71.95	99.50
कुल	4,528.98	3,370.67

टिप्पणी 32 : वित्तीय लागत

व्याज पर व्यय		
कूट का अनवाइंडिंग (पुनःस्थापना)	61.08	56.61
अन्य उधर लागत	0.05	11.77
कुल	61.13	68.38

टिप्पणी 33 : प्रावधान

संदिग्ध ऋण	-	45.40
संदिग्ध अग्रिम और दावे	-	-
स्टोर और स्पेयर	6.67	0.07
अन्य	-	17.63
कुल	6.67	63.10

टिप्पणी 34 : बट्टे खाते (गत प्रावधानों का निवल)

संदिग्ध ऋण	-	-
घटाव :- पहले प्रदान किया गया	-	-
	-	-
संदिग्ध अग्रिम	0.08	-
घटाव :- पहले प्रदान किया गया	-	-
	0.08	-
अन्य	11.42	-
घटाव :- पहले प्रदान किया गया	-	-
	11.42	-
कुल	11.50	-

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी 35 : अन्य व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
यात्रा व्यय	12.17	9.19
प्रशिक्षण व्यय	3.16	2.37
दूरभाष एवं डाक खर्च	5.84	5.65
विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार	4.85	2.63
भाड़ा प्रभार	0.01	0.16
विलंब शुल्क	6.09	0.85
सुरक्षा व्यय	108.02	106.59
सीआईएल का सेवा प्रभार	336.34	148.01
भाड़ा प्रभार	68.32	64.65
सीएमपीडीआईएल का परामर्श प्रभार	26.78	21.43
विधिक व्यय	6.47	4.43
परामर्श शुल्क	2.40	2.45
कम लदान शुल्क	110.24	87.63
विक्रय/अस्वीकार/सर्वेऑफ आस्तियां पर हानी	0.11	0.71
लेखा परीक्षकों का मानदेय एवं व्यय		
- लेखा परीक्षा शुल्क के लिए	0.19	0.19
- कर संबंधी मामले के लिए	0.00	-
- अन्य सेवाओं के लिए	0.17	0.17
- व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए	0.13	0.13
आंतरिक एवं अन्य लेखा परीक्षा शुल्क पर व्यय	2.68	2.88
पुनर्वास शुल्क	105.70	87.61
लीज रेंट	0.64	0.50
दर एवं कर	31.22	40.51
बीमा	0.75	0.85
विनियम दर में अंतर से हानि	-	0.22
बचाव/सुरक्षा हेतु अन्य व्यय	3.26	2.59
डेड रेन्ट/सरफेस रेन्ट	0.83	0.67
साईडिंग अनुरक्षण शुल्क	42.35	50.98
आर एंड डी व्यय	0.35	0.46
पर्यावरण और वृक्षारोपण व्यय	33.22	22.22
दान	-0.00	-
विविध व्यय	164.94	131.87
कुल	1,077.23	798.60

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी 36 : कर व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
चालू वर्ष	2,972.03	2,289.49
स्थगित कर	9.89	151.90
पिछले वर्षों में	-	3.05
कुल	2,981.92	2,444.44
भारत की घरेलू कर दर से गुणा कर व्यय और लेखा लाभ का मिलान		
कर पूर्व लाभ/(हानि)	11,462.42	9,316.79
भारत की वैधानिक आयकर दर	2,884.86	2,344.85
घटाव : आय कर से छूट	16.08	17.80
घटाव: कर उद्देश्यों के लिए अनुमत अतिरिक्त व्यय	369.37	271.33
जोड़: कर उद्देश्यों के लिए गैर-कटौती योग्य व्यय	472.62	233.76
जोड़: पिछले वर्ष के लिए समायोजन	-	3.05
जोड़: मैट प्रावधानों के तहत कर के लिए समायोजन	-	-
Adj: आस्थगित कर	9.89	151.90
लाभ और हानि के विवरण में सूचित आयकर व्यय	2,981.92	2,444.44
प्रभावी आयकर दर:	26.01%	26.24%
आस्थगित कर देयता निम्नलिखित से संबंधित है:		
ए. आस्थगित कर परिसंपत्ति:		
संदिग्ध अग्रिमों, दावों और ऋणों के लिए प्रावधान	13.04	13.01
कर्मचारी लाभ	10.88	59
अन्य (कर योग्य हानियों सहित)	3.81	28.25
(ए) का कुल	27.73	100.26
बी आस्थगित कर देयता:		
अचल परिसंपत्तियों से संबंधित	567.19	388.15
अन्य		241.69
(बी) का कुल	567.19	629.84
सी निवल (ए-बी)	(539.46)	(529.58)
D.परिभाषित लाभ योजना का मापन		
निवल आस्थगित कर परिसंपत्ति/(आस्थगित कर देयता) (सी+डी)	(539.46)	(529.58)
नोट 37: अन्य व्यापक आय		
(ए) (i) मदें जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्मापण	(1.32)	(50.00)
	(1.32)	(50.00)
(ii) उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्मापण	0.33	12.58
	0.33	12.58
कुल (ए)	(0.99)	(37.42)
(बी) (i) आइटम जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा		
संयुक्त उद्यमों में ओसीआई की हिस्सेदारी	-	-
	-	-
(ii) उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा		
संयुक्त उद्यमों में ओसीआई की हिस्सेदारी	-	-
	-	-
कुल (B)	-	-
कुल (A+B)	(0.99)	(37.42)

1. ग्रेच्युटी ₹ (15.50) करोड़ (PY ₹ (50) करोड़) के लिए, सेवानिवृत्ति के बाद के चिकित्सा लाभों के लिए ₹ 14.18 करोड़ (PY ₹ शून्य)।

नोट - 38: वित्तीय विवरणों के अतिरिक्त नोट 31.03.2022 के अंतिम वर्ष के लिए

अपरिचित मदें

a) आकस्मिक देयताएं

i. कंपनी के खिलाफ दावों को कर्ज के रूप में स्वीकार नहीं किया गया

(₹ करोड़ में)

विवरण	केंद्रीय सरकार	राज्य सरकार और स्थानीय प्राधिकरण	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम	अन्य	कुल
01-04-2021 के अनुसार प्रारम्भिक शेष	8,419.42	4,017.71	1.13	263.28	12701.54
अवधि के दौरान जोड़	805.30	750.65	-	53.09	1609.04
अवधि के दौरान लिपटाए गए दावे					
a. प्रारम्भिक शेष से	567.94	28.88	-	30.35	627.17
b. अवधि के दौरान अतिरिक्त	-	43.50	-	-	43.50
31.03.2022 के अनुसार अंतिम जमा शेष	8,656.78	4,695.98	1.13	286.02	13,639.91

आकस्मिक देयता			
क्र.	विवरण	31-03-2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31-03-2021 को समाप्त वर्ष के लिए
1	केंद्रीय सरकार आयकर केंद्रीय उत्पाद शुल्क स्वच्छ ऊर्जा उपकर केंद्रीय विक्री कर सेवा कर अन्य	7,678.63 328.07 504.96 - 137.41 7.71	7,465.34 327.94 504.85 - 120.11 1.18
	उप कुल	8,656.78	8,419.42
2	राज्य सरकार और स्थानीय प्राधिकरण रोयल्टी पर्यावरण मंजूरी विक्री कर/वैट प्रवेश कर बिजली शुल्क अन्य	1,016.83 2,914.96 28.33 5.23 - 730.63	895.22 2,914.96 44.39 5.76 - 157.38
	उप कुल	4,695.98	4,017.71
3	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम मध्यस्थता कार्यवाही कंपनी के खिलाफ मुकदमा चल रहा है अन्य	1.13 - -	1.13 - -
	उप कुल	1.13	1.13
4	अन्य: (यदि कोई हो) विविध - भूमि और अन्य कर्मचारी संबंधित और इत्यादि	30.15 255.87	32.83 230.45
	उप कुल	286.02	263.28
	कुल योग	13,639.91	12,701.54

नोट: सीबीए (ए एंड डी) अधिनियम के तहत अधिसूचित कुछ भूमि के मामले में, मुआवजे की राशि का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, उनके लिए देयता पर विचार नहीं किया गया है।

ii. गारंटी

31.03.2022 को जारी की गई बैंक गारंटी ₹ 608.55 करोड़ (₹ 53.29 करोड़) है।

iii. साख पत्र और आश्वासन पत्र

31.03.2022 को बकाया साख पत्र शून्य (₹ 51.42 करोड़) और आश्वासन पत्र ₹ शून्य (₹ 4.35 करोड़) है।

(b) प्रतिबद्धता

पूँजीगत खर्चे पर निष्पादित की जाने वाली शेष संविदाओं की अनुमानित राशि और इसके लिए ₹ 2386.07 करोड़ (₹ 1641.62 करोड़) का प्रावधान नहीं किया गया।
अन्य प्रतिबद्धताएं: ₹ 3799.60 करोड़ (₹ 5497.61 करोड़)।

2. अधिकृत पूँजी

	31.03.2022	31.03.2021
₹1000/- प्रत्येक के 77,58,200 इक्विटी शेयर	775.82	775.82
10% संचयी प्रतिदेय अधिमानी शेयर ₹ 1000/- प्रत्येक के 20,41,800 शेयर (शौघातिशौघ मोचन की शर्तों के अनुसार भुनाया)	204.18	204.18

3. संबंधित पार्टी की जानकारी

A. समूह सूचना

i) अनुषंगी कंपनियां	मुख्य गतिविधियाँ	निगमनो का देश	% इक्विटी ब्याज	
			31.03.2022	31.03.2021
1	एमएनएच शक्ति लिमिटेड	कोयला उत्पादन	70.00%	70.00%
2	एमजेएसजे कोल लिमिटेड	कोयला उत्पादन	60.00%	60.00%
3	महानदी बेसिन पावर लिमिटेड	कोयला उत्पादन	100.00%	100.00%
4	महानदी कोल रेलवे लिमिटेड	कोयला उत्पादन	71.11%	64.00%

ii) पोस्ट एम्प्लॉयमेंट बेनिफिट फंड और अन्य ट्रस्ट

- 1) कोल इंडिया कर्मचारी ग्रेच्युटी फंड
- 2) कोयला खान भविष्य निधि (सीएमपीएफ)
- 3) कोल इंडिया सेवानिवृत्ति लाभ निधि ट्रस्ट
- 4) गैर-कार्यकारियों के लिए अंशदायी पोस्ट सेवानिवृत्ति चिकित्सा योजना संशोधित
- 5) सीआईएल कार्यकारी निर्धारित अंशदान पेंशन ट्रस्ट

(iii) प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

नाम	पदनाम	से प्रभावी
श्री पी.के. सिन्हा	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक	01.11.2020-31.12.2021
श्री ओ. पी. सिंह	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/निदेशक (तकनीकी-संचालन)	01.09.2016 As CMD w.e.f. 01.01.2022
श्री के. आर. वासुदेवन	निदेशक (वित्त)	04.02.2018
श्री बबन सिंह	निदेशक (तक. परियोजना एवं योजना)	29.04.2020-30.11.2021
श्री एस के पाल	निदेशक (तक. परियोजना एवं योजना)	01.12.2021
श्री के.राव	निदेशक (कार्मिक)	18.12.2019
श्री ए. के. सिंह	कंपनी सचिव	19.11.2012-15.11.2021
श्री एस के बेहरा	कंपनी सचिव	15.11.2021
श्री एस एन तिवारी	अंश कालिक कार्यालयीन निदेशक	23.12.2019
श्री नागराजू मदीराला	अंश कालिक कार्यालयीन निदेशक	17.03.2020
श्री एस.मोहन	स्वतंत्र निदेशक	10.07.2019
डॉ आशा लाकरा	स्वतंत्र निदेशक	01.11.2021

(iv) प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का पारिश्रमिक

(₹ करोड़ में)

क्र.	सीएमडी, पूर्णकालिक निदेशकों और कंपनी सचिव को भुगतान	31-03-2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31-03-2021 को समाप्त वर्ष के लिए
i)	अल्पकालिक कर्मचारी लाभ		
	सकल वेतन	1.26	2.25
	चिकित्सीय लाभ	0.19	
	अनुलाभ और अन्य लाभ	0.48	
ii)	सेवानिवृत्ति के बाद के लाभ		
	पीएफ में योगदान और अन्य फंड	0.24	0.20
iii)	समाप्ति लाभ	0.14	
	योग	2.31	2.45

नोट:

(i) उपरोक्त के अलावा, पूर्णकालिक निदेशकों को भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, लोक उद्यम व्यूरो के कार्यालय जापन संख्या 2(18)/पीसी-64 दिनांक 20.11.1964 समय-समय पर यथा संशोधित के प्रावधानों के अनुसार रियायती दर के भुगतान पर 750 किलोमीटर की सीमा तक निजी यात्रा के लिए कारों के उपयोग की अनुमति दी गई है।

(v) स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान

(₹ करोड़ में)

क्र.	स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान	31-03-2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31-03-2021 को समाप्त वर्ष के लिए
i)	बैठने की फीस	0.06	0.07

(vi) प्रमुख प्रबंधन कर्मियों के पास बकाया शेष राशि

(₹ करोड़ में)

क्र.	विवरण	31-03-2022	31-03-2021
i)	देय राशि	निरंक	निरंक
ii)	प्राप्य राशि	निरंक	निरंक

(vii)

कंपनी के निदेशकों या अन्य अधिकारियों से अलग-अलग या किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से कोई व्यापार या अन्य प्राप्ति देय नहीं हैं। और न ही कोई फर्मा या निजी कंपनियों से व्यापार या अन्य प्राप्य देय हैं जिसमें कोई निदेशक भागीदार, निदेशक या सदस्य हैं।

B. समूह के भीतर संबंधित पार्टी लेनदेन

कोल इंडिया लिमिटेड ने अपनी अनुषंगी कंपनियों के साथ लेन-देन किया है जिसमें शीर्ष शुल्क, पुनर्वास शुल्क, पट्टा किराया, अनुषंगी कंपनियों द्वारा निर्धारित निधि पर व्याज और चालू खाते के माध्यम से अन्य अनुषंगी कंपनियों द्वारा उनकी ओर से किए गए अन्य व्यय शामिल हैं।

भारतीय मानक लेखांकन 24 के अनुसार, महत्वपूर्ण लेनदेन की प्रकृति और राशि के संबंध में निम्नलिखित घोषणा है:

i) अनुबंधी कंपनियाँ

31.03.2022 के अनुसार शेष राशि और उसके बाद समाप्त अवधि के लिए लेनदेन

(₹ करोड़ में)

संबंधित पार्टियों का नाम	शीर्ष प्रभार	पुनर्वास शुल्क	भुगतान किया गया लाभांश	परिसंपत्ति / स्टोर सामग्री की बिक्री	अनुबंधियों द्वारा निर्धारित निधियाँ पर व्यय	अन्य	चालू खाता शेष (देय)/प्राप्तियाँ	शेष राशि (देय)/प्राप्तियाँ
ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				-		0.23		
भारत कोकिंग कोल लिमिटेड				-0.03				
सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड				-				
वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				-0.19				
साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				-0.30		-1.92		
नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				-0.51				
सीएमपीडीआईएल				-				-33.00
कोल इंडिया लिमिटेड	336.34	105.70	5,800.00				0.95	
महानदी बेसिन पावर लिमिटेड					-0.99		28.02	
महानदी कोल रेलवे लिमिटेड				-54.13	-4.63		151.34	
एमएनएच शक्ति लिमिटेड					-0.17		1.08	
एमजेएसजे कोल लिमिटेड					-0.03		4.93	
कुल	336.34	105.70	5,800.00	-55.16	-5.82	-1.69	186.32	-33.00

कोष्ठक में दिए गए आंकड़े शुद्ध आय या क्रेडिट बैलेंस को दर्शाते हैं।

* बलराम-अंगुल रेल लाइनों पर राइट्स द्वारा निष्पादित कार्यों के लिए एमसीआरएल को संपत्ति के हस्तांतरण में भूमि की बिक्री के लिए ₹ 32.07 करोड़ कार्यों के हस्तांतरण के लिए ₹ 22.06 करोड़ शामिल हैं।

* कंपनी ने एमसीआरएल के इक्विटी शेयरों में ₹ 63.97 करोड़ की राशि चालू खाते की शेष राशि से स्थानांतरित करके निवेश किया है और शेयरों को तदनुसार आवंटित किया गया है।

** एमएनएच शक्ति लिमिटेड ने मौजूदा शेयर पूंजी ₹85.10 करोड़ से ₹35.10 करोड़ की पूंजी में ₹50 करोड़ की कमी की है। तदनुसार एमएनएच शक्ति लिमिटेड में धारित इक्विटी पूंजी के प्रतिशत के आधार पर एमसीएल को ₹ 35.00 करोड़ प्राप्त हुए हैं।

अन्य में एलडीबीएल और सीआईटीएमसी शुल्क के लिए ईसीएल के डेबिट जपान के लिए 0.23 करोड़ और एसईसीएल को कार्यशाला डेबिट के लिए ₹1.92 करोड़ शामिल हैं।

(₹ करोड़ में)

संबंधित पार्टियों का नाम	शीर्ष प्रभार	पुनर्वास शुल्क	भुगतान किया गया लाभांश	परिसंपत्ति / स्टोर सामग्री की बिक्री	अनुबंधियों द्वारा निर्धारित निधियाँ पर व्यय	अन्य	चालू खाता शेष (देय)/प्राप्तियाँ	शेष राशि (देय)/प्राप्तियाँ
ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				0.30		0.25		
भारत कोकिंग कोल लिमिटेड				0.02				
सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड				-0.02				
वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				0.44				
साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				0.99				
नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				0.38				
सीएमपीडीआईएल								-37.76
कोल इंडिया लिमिटेड	148.01	87.61	5,225.00		-0.20		32.30	
महानदी बेसिन पावर लिमिटेड					-0.86		26.91	
महानदी कोल रेलवे लिमिटेड					-2.50		106.72	
एमएनएच शक्ति लिमिटेड					-0.02		0.83	
एमजेएसजे कोल लिमिटेड					-0.11		4.03	
कुल	148.01	87.61	5,225.00	2.11	-3.69	0.25	170.79	-37.76

C. एक ही सरकार के नियंत्रण में संस्थाएं:

कंपनी एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (सीपीएसयू) है जो केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित अधिकांश शेयर रखती है (नोट-16 देखें)। एक सरकारी इकाई होने के नाते कंपनी को संबंधित पार्टों लेनदेन के संबंध में सामान्य घोषणा आवश्यकताओं से छूट प्राप्त है और नियंत्रक सरकार और एक ही सरकार के तहत अन्य इकाई के साथ बकाया शेष राशि है। निम्नलिखित लेनदेन एक ही सरकार के नियंत्रण में संस्थाओं के साथ आमने-सामने की कीमत पर दर्ज हैं।

4. विविध जानकारी

(a) महत्वपूर्ण लेखांकन नीति

कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के तहत कोर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों (इंड एसएस) के अनुसार कंपनी द्वारा अपनाई गई लेखा नीतियों को स्पष्ट करने के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीति (नोट -2) का मसौदा तैयार किया गया है।

(b) लेखांकन नीति में प्रभार

वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए, महत्वपूर्ण लेखा नीति के खंड 2.11 अमूर्त परिसंपत्ति और खंड 2.17 कर्मचारी लाभ और खंड 2.23.2 के अनुमानों और मान्यताओं में संशोधित/पुनः परिभाषित किया गया है। हालांकि, उपरोक्त परिवर्तन का कोई वित्तीय प्रभाव नहीं है।

(c) "हाल की घोषणाएं"

कोर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ("एमसीए") समय-समय पर जारी कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियमों के तहत मौजूदा मानकों में नए मानक या संशोधनों को अधिसूचित करता है। 23 मार्च, 2022 को एमसीए ने जीएसआर 255 (ई) के माध्यम से कंपनी (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियम, 2022 में संशोधन किया, जो 1 अप्रैल, 2022 से लागू है। कंपनी ने संशोधन का मूल्यांकन किया है और इसके वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।"

(d) अन्य

i. पिछली अवधि/वर्ष के आंकड़ों को जहाँ कहीं आवश्यक समझा गया, पुनर्कथित, पुनर्समूहित और पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

ii. नोट - 1 और 2 क्रमशः कोर्पोरेट जानकारी और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, नोट 3 से 23 31-03-2022 को बैलेंस शीट का हिस्सा हैं और 24 से 37 उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि के विवरण का हिस्सा हैं। नोट - 38 वित्तीय विवरणों के अतिरिक्त नोट्स का प्रतिनिधित्व करता है।

5 उचित मूल्य मापन

(a) श्रेणी द्वारा वित्तीय साधन

(₹ करोड़ में)

	31-03-2022		31-03-2021	
	एफ़वीटीपीएल	परिशोधित लागत	एफ़वीटीपीएल	परिशोधित लागत
वित्तीय परिसंपत्ति				
निवेश :				
सुरक्षित बांड		649.95		958.70
म्यूचुअल फंड/आईसीडी	3,452.78		2,747.28	
ऋण		1.20		626.30
जमा और प्राप्त्य		2,002.59		1,537.33
व्यापार प्राप्तियां*		1,040.90		1,292.63
नकद और नकद समकक्ष		357.11		1,010.55
अन्य बैंक बैलेंस		11,776.50		7,250.00
वित्तीय देनदारियां				
उधार		4.94		5.67
व्यापार देनदारियां		1,466.33		1,014.23
सुरक्षा जमा और बयाना राशि		1,408.39		713.74
लीज देयताएं		2.29		-
अन्य देनदारियां		2,647.05		1,891.67

* व्यापार प्राप्त्य से कम की गई कोयला गुणवत्ता भिन्नता के लिए भत्ता।

** अनुबंधियों की इक्विटी शेयरों में निवेश को उस लागत पर मापा जाता है जो 31-03-2022 (₹116.71 करोड़ 31-03-2021) को ₹145.68 करोड़ है जो ऊपर शामिल नहीं है।

(b) उचित मूल्य पदानुक्रम

नीचे दी गई तालिका उन वित्तीय साधनों के उचित मूल्यों का निर्धारण करने में किए गए निर्णयों और अनुमानों को दर्शाती है जो (ए) मान्यता प्राप्त और उचित मूल्य पर मापा जाता है और (बी) परिशोधन लागत पर मापा जाता है और जिसके लिए वित्तीय विवरणों में उचित मूल्यों का खुलासा किया जाता है। उचित मूल्य के निर्धारण में प्रयुक्त निविष्टियों की विश्वसनीयता के बारे में एक संकेत देने के लिए कंपनी ने अपने वित्तीय साधनों को लेखांकन मानक के तहत निर्धारित तीन स्तरों में वर्गीकृत किया है।

उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां और देनदारियां	31-03-2022		31-03-2021	
	स्तर 1	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 3
एफ़वीटीपीएल पर वित्तीय परिसंपत्ति				
निवेश:				
म्यूचुअल फंड/आईसीडी	3,452.78	0.00	2,747.28	0.00

परिशोधन लागत पर मापा गई वित्तीय परिसंपत्तियां और देनदारियां जिसकी 31-03-2022 के अनुसार	31-03-2022		31-03-2021	
	स्तर 1	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 3
वित्तीय परिसंपत्ति				
निवेश :				
सुरक्षित बांड		649.95		626.30
ऋण		1.20		1537.33
जमा और प्राप्त्य		2,002.59		1292.63
व्यापार प्राप्तियां*		1,040.90		1010.55
नकद और नकद समकक्ष		357.11		7250.00
अन्य बैंक शेष		11,776.50		
वित्तीय देनदारियां				
उधार		4.94		5.67
व्यापार प्राप्तियां		1,466.33		1014.23
सुरक्षा जमा और बयाना राशि		1,408.39		713.74
लीज देयताएं		2.29		-
अन्य देनदारियां		2,647.05		1891.67

प्रत्येक स्तर का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

स्तर 1: स्तर 1 पदानुक्रम में उद्धृत कीमतों का उपयोग करके मापा गया वित्तीय साधन शामिल है। इसमें म्यूचुअल फंड शामिल है जिसका मूल्यांकन रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार अंतिम निवल परिसंपत्ति मूल्य (एनएवी) का उपयोग करके किया जाता है।

स्तर 2: वित्तीय साधनों का उचित मूल्य जिसका एक सक्रिय बाजार में व्यवसाय नहीं किया जाता है, का मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है जो अवलोकन योग्य बाजार डेटा के उपयोग को अधिकतम करता है और इकाई-विशिष्ट अनुमानों पर जितना संभव हो उतना कम निर्भर करता है। यदि एक उपकरण के उचित मूल्य के लिए आवश्यक सभी महत्वपूर्ण इनपुट देखे जा सकते हैं, तो उपकरण को स्तर 2 में शामिल किया जाता है।

स्तर 3: यदि एक या अधिक महत्वपूर्ण इनपुट अवलोकन योग्य बाजार डेटा पर आधारित नहीं हैं, तो उपकरण स्तर 3 में शामिल है। यह निवेश, सुरक्षा जमा और स्तर 3 में शामिल अन्य देनदारियों के मामले में है।

(c) उचित मूल्य निर्धारित करने में उपयोग की जाने वाली मूल्यांकन तकनीक

वित्तीय साधनों का मूल्यांकन करने के लिए उपयोग की जाने वाली मूल्यांकन तकनीकों में म्यूचुअल फंड में निवेश के संबंध में उपकरणों के उद्धृत बाजार मूल्य (एनएवी) का उपयोग शामिल है।

(d) महत्वपूर्ण गैर-अवलोकन योग्य इनपुट का उपयोग करके उचित मूल्य माप

वर्तमान में महत्वपूर्ण गैर-अवलोकन योग्य इनपुट का उपयोग करके कोई उचित मूल्य माप नहीं है।

(e) परिशोधन लागत पर मापी गई वित्तीय आस्तियां और देनदारियां का उचित मूल्य

व्यापार प्राप्त्य राशि, अल्पकालिक जमा, नकद और नकद समकक्ष, व्यापार देय राशि को उनकी अल्पकालिक प्रकृति के कारण उनके उचित मूल्यों के समान माना जाता है।

महत्वपूर्ण अनुमान: वित्तीय साधनों का उचित मूल्य, जिसका एक सक्रिय बाजार में कारोबार नहीं किया जाता है, मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है। कंपनी विधि का चयन करने के लिए अपने निर्णय का उपयोग करती है और प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उपयुक्त अनुमान लगाती है।

6. वित्तीय जोखिम प्रबंधन

वित्तीय जोखिम प्रबंधन के उद्देश्य और नीतियां

कंपनी की प्रमुख वित्तीय देनदारियों में व्यापार और अन्य देनदारियां शामिल हैं। इन वित्तीय देनदारियों का मुख्य उद्देश्य कंपनी के संचालन को वित्तपोषित करना और इसके संचालन का समर्थन करने के लिए गारंटी प्रदान करना है। कंपनी कंपनी बाजार जोखिम, ऋण जोखिम और नकद जोखिम के लिए संपर्क में है। कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन इन जोखिमों के प्रबंधन की देखरेख करते हैं। कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधक को एक जोखिम समिति द्वारा समर्थित किया जाता है जो अन्य बातों यह नोट जोखिम के उन स्रोतों की व्याख्या करता है जिनसे इकाई उजागर होती है और वित्तीय विवरणों में इकाई जोखिम प्रबंधन के तरीकों को तथा उसके निवारण को उजागर करती है।

जोखिम	से उत्पन्न होने वाला एक्सपोजर	माप	प्रबंधन
ऋण जोखिम	नकद और नकद समकक्ष, व्यापार प्राप्य वित्तीय परिसंपत्ति को परिशोधन लागत पर मापा जाता है	समय अभिवृद्धि का विश्लेषण / क्रेडिट रेटिंग	सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई)
नकद जोखिम	उधार और अन्य देनदारियां	आवधिक नकदी प्रवाह	प्रतिबद्ध क्रेडिट लाइनों और उधार लेने की
बाजार जोखिम-विदेशी मुद्रा	भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन, मान्यता प्राप्त वित्तीय परिसंपत्तियां और देनदारियां जो आईएनआर में	नकदी प्रवाह पूर्वानुमान संवेदनशीलता	वरिष्ठ प्रबंधन और लेखा परीक्षा समिति
बाजार जोखिम-व्याज दर	नकद और नकद समकक्ष, बैंक जमा और म्यूचुअल फंड	नकदी प्रवाह पूर्वानुमान संवेदनशीलता	सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई)

कंपनी जोखिम प्रबंधन, भारत सरकार द्वारा जारी डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार निर्देशक मंडल द्वारा प्रवृत्त की गई है। बोर्ड समय जोखिम प्रबंधन के साथ-साथ अतिरिक्त नकद निवेश को कवर करने वाली नीतियों के लिए लिखित सिद्धांत

A. ऋण जोखिम:

क्रेडिट जोखिम प्रबंधन:

मुख्य रूप से प्राप्तियां कोयले की बिक्री से होती हैं। कोयले की बिक्री को मोटे तौर पर ईंधन आपूर्ति समझौतों (एफएसए) और ई-नीलामी के माध्यम से बिक्री के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

मैक्रो - आर्थिक जानकारी (जैसे नियामक परिवर्तन) को ईंधन आपूर्ति समझौतों (एफएसए) और ई-नीलामी शर्तों के हिस्से के रूप में शामिल किया गया है

ईंधन आपूर्ति समझौते (एफएसए)

नई कोयला वितरण नीति (एनसीडीपी) की शर्तों के अनुसार कंपनी ग्राहकों या राज्य नामित एजेंसियों के साथ कानूनी रूप से लागू करने योग्य एफएसए के साथ कार्य करती है जो बदले में अंतिम ग्राहकों के साथ उचित वितरण व्यवस्था करती है। हमारे एफएसए को मोटे तौर पर इसमें वर्गीकृत किया जा सकता है:

- राज्य बिजली उपयोगिता क्षेत्र सहित निजी बिजली, बिजली उपयोगिता क्षेत्र में ग्राहकों के साथ एफएसए उपयोगिताओं ("पीपीयू") और स्वतंत्र ऊर्जा उत्पादक ("आईपीपी");
- गैर-ऊर्जा उद्योगों में ग्राहकों के साथ एफएसए (कैप्टिव पावर प्लांट्स ("सीपीपी") सहित); तथा
- राज्य नामित एजेंसियों के साथ एफएसए।

ई-नीलामी योजना

कोयले की ई-नीलामी योजना उन ग्राहकों के लिए कोयले तक पहुंच प्रदान करने के लिए शुरू की गई है जो विभिन्न कारणों से एनसीडीपी के तहत उपलब्ध संस्थागत तंत्र के माध्यम से अपनी कोयले की आवश्यकता को पूरा करने में सक्षम नहीं थे, उदाहरण के लिए, उनके पूर्ण आवंटन से कम के कारण एनसीडीपी के तहत मानक आवश्यकता, उनकी कोयले की आवश्यकता की मौसमी और कोयले की सीमित आवश्यकता जो दीर्घकालिक लिंकेज की गारंटी नहीं देती है। ई-नीलामी के तहत पेश किए जाने वाले कोयले की मात्रा की कोयला मंत्रालय द्वारा समय-समय पर समीक्षा की जाती है।

क्रेडिट जोखिम तब उत्पन्न होता है जब एक प्रतिपक्ष संविदात्मक दायित्वों पर चूक करता है जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को वित्तीय नुकसान होता है।

प्रत्याशित क्रेडिट हानि के लिए प्रावधान: कंपनी आजीवन प्रत्याशित क्रेडिट हानि (सरलीकृत दृष्टिकोण) द्वारा संदिग्ध/ऋण बाधित आस्तियों के लिए अपेक्षित ऋण जोखिम हानि प्रदान करती है। नोट - 13, व्यापार प्राप्ति का संदर्भ देखें।

वित्तीय परिसंपत्तियों की क्षति के लिए महत्वपूर्ण आकलन और निर्णय

उपरोक्त उद्धृत वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए हानि प्रावधान डिफॉल्ट के जोखिम और अपेक्षित हानि दरों के संबंध में मान्यताओं पर आधारित हैं। कंपनी इन अनुमानों को बनाने और कंपनी के पिछले इतिहास, वर्तमान बाजार स्थितियों के साथ-साथ प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में भविष्योन्मुखी अनुमानों के आधार पर, हानि गणना के लिए इनपुट का चयन करने में निर्णय करती है।

B. नकद जोखिम

मितव्ययी नकद जोखिम प्रबंधन का अर्थ पर्याप्त नकदी और विपणन योग्य प्रतिभूतियों को बनाए रखना और देय होने पर दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में प्रतिबद्ध ऋण सुविधाओं के माध्यम से धन की उपलब्धता है। अंतर्निहित व्यवसायों की गतिशील प्रकृति के कारण, कंपनी कोषागार प्रतिबद्ध क्रेडिट लाइनों के तहत उपलब्धता बनाए रखते हुए वित्त पोषण में लचीलापन बनाए रखता है।

प्रबंधन अपेक्षित नकद प्रवाह के पर कंपनी की नकद स्थिति (अनारित उधार सुविधाओं सहित) और नकदी और नकद समकक्षों के पूर्वानुमानों की निगरानी करता है। यह आमतौर पर कंपनी द्वारा निर्धारित प्रथाओं और सीमाओं के अनुसार स्थानीय स्तर पर किया जाता है।

C. बाजार जोखिम

a) विदेशी मुद्रा जोखिम

विदेशी मुद्रा जोखिम, भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन और मान्यता प्राप्त परिसंपत्तियों या देनदारियों से उत्पन्न होता है जो एक मुद्रा में मूल्यवर्गित होते हैं जो कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा (आईएनआर) नहीं है। कंपनी विदेशी मुद्रा लेनदेन से उत्पन्न होने वाले विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में है। विदेशी परिचालन के संबंध में विदेशी मुद्रा जोखिम को महत्वहीन माना जाता है। कंपनी आयात भी करती है और जोखिम का प्रबंधन नियमित अनुवर्ती कार्रवाई द्वारा किया जाता है। कंपनी की नीति होती है कि जिसे तब लागू किया जाता है जब विदेशी मुद्रा जोखिम महत्वपूर्ण हो जाता है।

b) नकदी प्रवाह और उचित मूल्य व्याज दर जोखिम

कंपनी का मुख्य व्याज दर, जोखिम व्याज दर में बदलाव के साथ बैंक जमा से उत्पन्न होता है, कंपनी को नकद प्रवाह व्याज दर जोखिम को प्रकट करता है। कंपनी की नीति अपनी अधिकांश जमा राशि को निश्चित दर पर बनाए रखने की है।

कंपनी बैंक जमा क्रेडिट सीमा और अन्य प्रतिभूतियों के विविधीकरण पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी दिशानिर्देशों का उपयोग करके जोखिम का प्रबंधन करती है।

D) पूंजी प्रबंधन

एक सरकारी संस्था होने के नाते कंपनी अपनी पूंजी का प्रबंधन वित्त मंत्रालय के तहत निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार करती है।

कंपनी की पूंजी संरचना इस प्रकार है:

	31-03-2022	31-03-2021
इक्विटी शेयर पूंजी	661.84	661.84
लंबी अवधि के ऋण	4.31	5.03

7

कर्मचारी लाभ: मान्यता और मापन (भारतीय मानक लेखांकन -19)

निर्धारित लाभ योजनाएं

a) ग्रेच्युटी

कंपनी योग्य कर्मचारियों को कवर करते हुए ग्रेच्युटी, रोजगार के बाद निश्चित लाभ योजना ("ग्रेच्युटी योजना") प्रदान करती है। ग्रेच्युटी योजना पूरी तरह से भारतीय जीवन बीमा निगम के ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित है, जिसमें नियोजता का योगदान मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 2.01% है। प्रत्येक कर्मचारी जिसने 5 वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा की है, सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन के बराबर ग्रेच्युटी राशि प्राप्त करने का हकदार है (एक महीने में 15 दिन/26 दिन * अंतिम आहरित वेतन और महंगाई भत्ता* सेवा के पूर्ण वर्ष)। ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 के संशोधित प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए कंपनी से अलग होने के समय अधिकतम 0.20 करोड़ रुपये के अधीन

b) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ - अधिकारी (सीपीआरएमएसई)

कंपनी की सीआईएल और उसकी अनुबंधी कंपनियाँ (सीपीआरएमएसई) के अधिकारियों और उनके जीवनसाथी को कंपनी अस्पताल / पैनल में शामिल अस्पतालों या आउट पेशेंट / भारत में अधिवासी अस्पतालों में मेडिकेयर प्रदान करने के लिए सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजना है जिसे अंशदायी पोस्ट सेवानिवृत्ति चिकित्सा योजना के रूप में जाना जाता है, के अंतर्गत सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्ति के कारण या चिकित्सा आधार पर कंपनी द्वारा निकाल देने पर या सामान्य कोयला संवर्ग या स्वीच्छक सेवानिवृत्ति योजना के तहत स्वीच्छक सेवानिवृत्ति योजना के तहत समय-समय पर तैयार और लागू की जाती है।

c) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ - गैर कार्यकारी (सीपीआरएमएस-एनई)

"वेतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक अंश के रूप में, कंपनी गैर-कार्यकारियों और उनके जीवनसाथी और दिव्यांग बच्चे (बच्चों) को कंपनी अस्पताल / पैनल में शामिल अस्पतालों या आउट पेशेंट / भारत में अधिवासी अस्पतालों में ऊपरी सीमा के अधीन मेडिकेयर प्रदान करने के लिए सेवानिवृत्ति पश्चात सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्ति के कारण या चिकित्सा आधार पर कंपनी द्वारा निकाल देने पर या समय-समय पर तैयार और लागू सामान्य कोयला संवर्ग या स्वीच्छक सेवानिवृत्ति योजना के तहत सेवानिवृत्ति या 57 वर्ष या उससे अधिक की आयु होने पर सेवा से त्यागपत्र या पति/पत्नी या दिव्यांग बच्चा/बच्चों की मृत्यु पर अंशदायी पोस्ट-रिटायरमेंट मेडिकेयर योजना प्रदान कर रही है। सेवानिवृत्त गैर-अधिकारियों, पति या पत्नी और दिव्यांग बच्चे (बच्चों) के लिए संयुक्त रूप से पूर्ण जीवन के दौरान प्रतिपूर्ति योग्य अधिकतम राशि, निरिद्ध गंभीर बीमारियों को छोड़कर, बिना किसी ऊपरी सीमा के 8 लाख रुपये है। इस योजना को केवल इस उद्देश्य के लिए समूह स्तर पर सीआईएल द्वारा बनाए गए ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है। देयता च या योजना को प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

निश्चित योगदान योजनाएं

a) भविष्य निधि और पेंशन

कंपनी योग्य कर्मचारी के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर भविष्य निधि और पेंशन निधि के लिए पूर्व निर्धारित दरों पर निश्चित योगदान अर्थात् मूल वेतन का क्रमशः 12% और 7% भविष्य निधि और पेंशन निधि के लिए महंगाई भत्ता का भुगतान करती है। इन निधियों को कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के नियंत्रण में एक अलग सांविधिक निकाय द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जिसका नाम कोयला खान भविष्य निधि संगठन (सीएमपीएफओ) है। इस अवधि के लिए निधि में योगदान को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी गई है।

b) सीआईएल अधिकारी परिभाषित अंशदान पेंशन योजना (एनपीएस)

कंपनी अधिकारियों को रोजगार के बाद अंशदायी पेंशन योजना प्रदान करती है जिसे "सीआईएल अधिकारी परिभाषित अंशदान पेंशन योजना -2007" (एनपीएस) के रूप में जाना जाता है। एनपीएस को इस उद्देश्य के लिए गठित समूह स्तर पर अलग ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित किया जा रहा है। कंपनी का दायित्व है कि वह मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 30% से कम, भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, सेवानिवृत्ति के बाद के चिकित्सा लाभ-कार्यकारी यानी सीपीआरएमएसई या किसी अन्य सेवानिवृत्ति लाभ के लिए नियोजता के योगदान को घटाकर ट्रस्ट में योगदान करे। मूल और महंगाई भत्ते के 6.99% के वर्तमान नियोजता योगदान को लाभ और हानि के विवरण के लिए प्रभारित किया जा रहा है।

अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

a) अवकाश नकदीकरण

कंपनी अपने अधिकारियों को 30 दिनों की कुल अर्जित छुट्टी (ईएल) और 20 दिनों के आधे भुगतान अवकाश (एचपीएल) का लाभ प्रदान करती है, जो प्रत्येक वर्ष जनवरी और जुलाई के पहले दिन अर्धवार्षिक आधार पर अर्जित और जमा किया जाता है। सेवा के दौरान, 75% ईएल जमा शेष राशि प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में एक बार भुनाई जा सकती है, जो अधिकतम 60 दिनों के ईएल नकदीकरण की सीमा के अधीन है। संचित एचपीएल को सेवा की अवधि के दौरान नकदीकरण की अनुमति नहीं है। सेवानिवृत्ति पर, ईएल और एचपीएल को एक साथ नकदीकरण के लिए विचार किया जाता है, जो एचपीएल के कम्यूटेशन के बिना 300 दिनों की समय सीमा के अधीन है। गैर-अधिकारियों के मामले में, अवकाश नकदीकरण राष्ट्रीय कोयला मजदूरी समझौते (एनसीडब्ल्यूए) द्वारा शासित है और वर्तमान में कामगार प्रति वर्ष 15 दिनों की दर से अर्जित अवकाश का नकदीकरण प्राप्त करने और मृत्यु के कारण सेवा बंद करने पर हकदार है, सेवानिवृत्ति और वीआरएस, शेष अवकाश या 150 दिन जो भी कम हो, को भुनाने की अनुमति है। इसलिए, अर्जित अवकाश के लिए देनदारियों को सेवा के दौरान और साथ ही कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के बाद निपटाने की उम्मीद है। इसलिए उन्हें अनुमानित यूनिट फेडिट पद्धति का उपयोग करके रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के संबंध में अपेक्षित भविष्य के भुगतान के वर्तमान मूल्य के रूप में मापा जाता है। रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वाजार प्रतिफल का उपयोग करके लाभों को छूट दी जाती है, जिसमें संबंधित दायित्व की शर्तों के अनुसार शर्तें होती हैं। योजना के तहत देयता प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार कंपनी द्वारा वहन की जाती है।

b) जीवन बीमा योजना (एलसीएस)

वेतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक हिस्से के रूप में, कंपनी की जमा लिंक बीमा योजना, 1976 के तहत जीवन बीमा योजना है, जिसे श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया है, जिसे "कोल इंडिया लिमिटेड की लाइफ कवर योजना" (एलसीएस) के रूप में जाना जाता है। योजना के तहत 01.10.2017 से 1,25,000 रुपये की राशि का भुगतान किया जाता है। लाभ की अपेक्षित लागत को घटना होने पर चिन्हित किया जाता है जिससे योजना के तहत देय लाभ प्राप्त होता है।

c) निपटान भत्ते

वेतन समझौते के हिस्से के रूप में एनसीडब्ल्यूए के तहत शासित सभी गैर-अधिकारी कैंडर के कर्मचारियों को 31.10.2010 को या उसके बाद सेवानिवृत्ति भत्ते के रूप में 12000/- रुपये की एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाता है। योजना के तहत देयता प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार कंपनी द्वारा वहन की जाती है।

d) समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (जीपीएआईएस)

कंपनी ने "कोल इंडिया एक्जीक्यूटिव्स ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट इश्योरेंस स्कीम" (जीपीएआईएस) के रूप में जानी जाने वाली व्यक्तिगत दुर्घटना के खिलाफ कंपनी के अधिकारियों को शामिल करने के लिए यूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से समूह बीमा योजना ली है। जीपीएआईएस 24 घंटे के आधार पर सभी प्रकार की दुर्घटनाओं को कवर(शामिल) करता है। योजना का प्रीमियम कंपनी द्वारा वहन किया जाता है।

e) अवकाश यात्रा रियायत

(एलटीसी)

वेतन समझौते के एक भाग के रूप में, गैर-कार्यकारी कर्मचारी 4 साल के ब्लॉक में एक बार अपने नगर और "भारत भ्रमण" के लिए यात्रा सहायता के हकदार हैं। होम टाउन और "भारत ब्राह्मण" का दौरा करने के लिए क्रमशः 8000 / -

और 12000 / - रुपये की एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर योजना के लिए देयता की पहचान की जाती है।

f) खान दुर्घटना लाभ पर आतिर्ती को मुआवजा

वेतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक हिस्से के रूप में, कंपनी कर्मचारी मुआवजा अधिनियम, 1923 के तहत स्वीकार्य लाभ प्रदान करती है। दिनांक 07.11.2019 से घातक खदान दुर्घटना के मामले में एक कर्मचारी के परिजनों को 15 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया जाता है। लाभ की अपेक्षित लागत को तब दुर्घटना के बाद चिन्हित किया जाता है जिससे योजना के तहत देय लाभ प्राप्त होता है।

निश्चित लाभ योजनाओं और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाओं की वित्तीय स्थिति निम्नानुसार है:

(वित्त पोषित

- o ग्रेच्युटी
- o अवकाश नकदीकरण
- o सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ - अधिकारी (सीपीआरएमएस)
- o सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ - गैर अधिकारी (सीपीआरएमएस-एनई)

(ii) निश्वसित

- o जीवन बीमा योजना
- o निपटान भत्ता
- o समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा
- o अवकाश यात्रा रियायत
- o खदान दुर्घटना लाभ पर निर्भर को मुआवजा

बीमांकक द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर 31-03-2022 को कुल देयता, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

विवरण	(₹ करोड़ में)		
	प्रारंभिक बीमांकक देयता	अवधि के दौरान वृद्धिशील दायित्व/(समायोजन)	अंतिम बीमांकक देयता
	01.04.2021		31.03.2022
ग्रेच्युटी	1,318.80	50.38	1,369.18
अर्जित अवकाश और अर्धवेतन अवकाश	449.46	31.76	481.22
		0.00	
जीवन बीमा योजना	5.97	-5.97	0.00
सेटलमेंट अलाउंस एक्जीक्यूटिव	6.41	3.87	10.28
निपटान भत्ता-गैर-अधिकारी	9.02	-2.69	6.33
समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना	0.12	-0.12	0.00
अवकाश यात्रा रियायत	28.33	-7.26	21.07
चिकित्सा लाभ अधिकारी	126.75	-2.49	124.26
चिकित्सा लाभ गैर-अधिकारी	9.55	158.80	168.35
खान दुर्घटनावश मृत्यु होने पर आश्रितों को मुआवजा	27.21	-27.21	0.00
कुल	1981.62	199.07	2180.69

बीमांकक के प्रमाणपत्र के अनुसार प्रकटीकरण

ग्रेच्युटी (वित्त पोषित) और अवकाश नकदीकरण (वित्त पोषित) के लिए कर्मचारी लाभ के लिए बीमांकक के प्रमाण पत्र के अनुसार प्रकटीकरण नीचे दिया गया है: -

भारतीय मानक लेखांकन के अनुसार 31.03.2022 को प्रमाणपत्रों के अनुसार ग्रेच्युटी देयता का वास्तविक मूल्यांकन

(₹ करोड़ में)

वर्ष के लिए निर्धारित लाभ लागत का प्रकटीकरण		31.03.2022 को समाप्त वर्ष 3/31/2022 को समाप्त वर्ष	
A	लाभ और हानि (पी एंड एल)		
1	वर्तमान सेवा लागत	77.36	77.97
2	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	-	-
3	कटौती लागत / (क्रेडिट)	-	-
4	निपटान लागत / (क्रेडिट)	-	-
5	सेवा लागत	77.36	77.97
6	निवल निर्धारित लाभ देयता पर शुद्ध ब्याज / (संपत्ति)	(0.65)	(1.70)
7	(लाभ)/हानि की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योज	-	-
8	पी एंड एल में चिन्हित प्राप्त लागत	76.71	76.27
B	अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	(₹ करोड़ में)	
1	डीबीओ अनुभव से बीमांकक (लाभ) / हानि	72.67	18.92
2	डीबीओ धारणा परिवर्तन से बीमांकक (लाभ) / हानि	(26.10)	5.02
3	बीमांकक (लाभ)/अवधि के दौरान होने वाली हानि	46.57	23.94
4	योजना संपत्ति पर वापसी (अधिक)/छूट दर से कम	3.43	(8.44)
5	बीमांकक (लाभ)/ओसीआई में चिन्हित हानियां	50.00	15.50
C	चिन्हित लाभ लागत	(₹ करोड़ में)	
1	सेवा लागत	77.36	77.97
2	निवल परिभाषित लाभ देयता पर शुद्ध ब्याज / (संपत्ति)	(0.65)	(1.70)
3	बीमांकक (लाभ)/ओसीआई में चिन्हित हानियां	50.00	15.50
4	(लाभ)/हानि की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योज	-	-
5	निश्चित लाभ लागत	126.71	91.77
			(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2022 तक निवल बैलेंस शीट की स्थिति

	31.03.2021 को समाप्त वर्ष	31.03.2022 को समाप्त वर्ष
A निवल बैलेंस शीट स्थिति का विकास		
1 निश्चित लाभ दायित्व (डीबीओ)	(1,318.80)	(1,369.18)
2 योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य (एफवीए)	1,279.37	1,366.61
3 वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)]	(39.44)	(2.57)
4 अधिकतम परिसंपत्ति का प्रभाव	-	-
5 शुद्ध निश्चित लाभ परिसंपत्ति/(देयता)	(39.44)	(2.57)
B निवल बैलेंस शीट की स्थिति का मिलान	(₹ करोड़ में)	
1 पूर्व अवधि के अंत में शुद्ध निश्चित लाभ परिसंपत्ति/(दायित्व)	(57.05)	(39.44)
2 सेवा लागत	(77.36)	(77.97)
3 निवल निश्चित लाभ देयता/(संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	0.65	1.70
4 ओसीआई में मान्यता प्राप्त राशि	(50.00)	(15.50)
5 नियोजित योगदान	144.33	128.64
6 कंपनी द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	-	-
7 अधिग्रहण क्रेडिट/(लागत)	-	-
8 अनावरण	-	-
9 समाप्ति लाभ की लागत	-	-
10 वर्तमान अवधि के अंत में शुद्ध निश्चित लाभ परिसंपत्ति/(दायित्व)	(39.44)	(2.57)
		(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष में लाभ दायित्वों और परिसंपत्तियों में परिवर्तन

	3/31/2021 को समाप्त वर्ष	3/31/2022 को समाप्त वर्ष
A निश्चित लाभ दायित्व में परिवर्तन (डीबीओ)		
1 पूर्व अवधि के अंत में डीबीओ	1,247.11	1,318.80
2 वर्तमान सेवा लागत	77.36	77.97
3 डीबीओ पर ब्याज लागत	80.87	85.64
4 कटौती (क्रेडिट)/लागत	-	-
5 निपटान (क्रेडिट)/लागत	-	-
6 पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	-	-
7 अधिग्रहण (क्रेडिट)/लागत	-	-
8 बीमांकिक (लाभ)/हानि - अनुभव	72.67	18.92
9 बीमांकिक (लाभ)/हानि - जनसांख्यिकीय धारणाएं	-	-
10 बीमांकिक (लाभ)/हानि - वित्तीय अनुमान	(26.10)	5.02
11 योजना परिसंपत्तियों से भुगतान किए गए लाभ	(133.11)	(137.18)
12 वर्तमान अवधि के अंत में डीबीओ	1,318.80	1,369.18
C परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन		(₹ करोड़ में)
1 पूर्व अवधि के अंत में संपत्ति का उचित मूल्य	1,190.06	1,279.37
2 अधिग्रहण समायोजन	-	-
3 योजना संपत्ति पर ब्याज आय	81.52	87.34
4 नियोजित योगदान	144.33	128.64
5 छूट दर से अधिक/(कम) योजना संपत्ति पर वापसी	(3.43)	8.44
6 भुगतान किया गया लाभ	(133.11)	(137.18)
7 वर्तमान अवधि के अंत में संपत्ति का उचित मूल्य	1,279.37	1,366.61

अतिरिक्त प्रकटीकरण जानकारी

	3/31/2022 को समाप्त वर्ष	(₹ करोड़ में)
A समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ भुगतान		
1 31 मार्च, 2023	120.82	
2 31 मार्च, 2024	132.53	
3 31 मार्च, 2025	134.27	
4 31 मार्च, 2026	141.46	
5 मार्च 31, 2027	142.78	
6 31 मार्च, 2028 से 31 मार्च, 2032	622.45	
7 10 साल से अधिक	1,356.60	
B 31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए अपेक्षित नियोजित योगदान	49.05	
C निश्चित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि	8 वर्ष	
D 31 मार्च 2022 को उपाजित लाभ दायित्व	993.29	
E 31 मार्च 2022 तक योजना परिसंपत्ति की जानकारी	प्रतिशत	
भारत सरकार की प्रतिभूतियां (केंद्रीय और राज्य)	0.00%	
उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड (सार्वजनिक क्षेत्र के बॉन्ड सहित)	0.00%	
सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	0.00%	
संपत्ति	0.00%	
नकद (विशेष जमा सहित)	0.00%	
बीमा की योजनाएं - पारंपरिक उत्पाद	100.00%	
बीमा की योजनाएं - यूलिप उत्पाद	0.00%	
अन्य	0.00%	
कुल	100.00%	

नोट: यह रिपोर्ट योजना परिसंपत्ति के संबंध में बुनियादी जानकारी प्रदान करती है। भारतीय मानक लेखांकन 19 के अनुच्छेद 142, 143 में निर्दिष्ट योजना परिसंपत्ति प्रकटीकरण के संबंध में कंपनी द्वारा अतिरिक्त इनपुट की आवश्यकता हो सकती है।

F	(₹ करोड़ में)		
	आईएनआर कुल		
		116.91	
		1,252.27	
		1,369.18	
	मान्यताएँ	31-Mar-21	31-Mar-22
	छूट की दर	6.85%	6.80%
		अधिकारी:	अधिकारी:
		9%;	9%;
	वेतन वृद्धि दर	गैर अधिकारी : 6.25%	गैर अधिकारी: 6.25%
	निकासी दर	0.30%	0.30%
	मृत्यु दर	इंडियन एश्योर्ड लाइव्स	इंडियन एश्योर्ड लाइव्स
	*** 31 मार्च 2021 की धारणाएं पिछले बीमांकिक द्वारा प्रमाणित हैं।	मॉर्टैलिटी (2012-14) अल्टीमेट	मॉर्टैलिटी (2006-08) अल्टीमेट

नमूना मृत्यु दर

आयु	दर	आयु	दर
20	0.000888	45	0.002874
25	0.000984	50	0.004946
30	0.001056	55	0.007888
35	0.001282	60	0.011534
40	0.001803	65	0.017009

भारतीय मानक लेखांकन (इंड एस) 19 के तहत अवकाश लाभ योजना का बीमांकिक मूल्यांकन

(₹ करोड़ में)

वर्ष के लिए निर्धारित लाभ लागत का प्रकटीकरण

	3/31/2021 को समाप्त वर्ष	3/31/2022 को समाप्त वर्ष
A लाभ और हानि (पी एंड एल)		
1 वर्तमान सेवा लागत	28.51	32.01
2 पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	-	-
3 कटौती लागत / (क्रेडिट)	-	-
4 निपटान लागत / (क्रेडिट)	-	-
5 सेवा लागत	28.51	32.01
6 निवल परिभाषित लाभ देयता पर शुद्ध ब्याज / (परिसंपत्ति)	9.34	3.36
7 (लाभ)/हानि की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजना	19.58	40.62
8 पी एंड एल में चिन्हित लागत	57.43	76.00

B अन्य व्यापक आय (ओसीआई)		(₹ in Crore)
1 डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	31.27	39.53
2 डीबीओ धारणा परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	(11.09)	2.26
3 बीमांकिक (लाभ)/अवधि के दौरान होने वाली हानि	20.17	41.80
4 योजना परिसंपत्ति पर वापसी (अधिक)/छूट दर से कम	(0.59)	(1.17)
5 बीमांकिक (लाभ)/ओसीआई में चिन्हित हानियां	-	-

C निश्चित लाभ लागत		(₹ करोड़ में)
1 सेवा लागत	28.51	32.01
2 निवल निश्चित लाभ देयता पर शुद्ध ब्याज / (संपत्ति)	9.34	3.36
3 बीमांकिक (लाभ)/ओसीआई में चिन्हित हानियां	-	-
4 (लाभ)/हानि की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	19.58	40.62
5 निश्चित लाभ लागत	57.43	76.00

31 मार्च 2022 तक निवल बैलेंस शीट की स्थिति

(₹ करोड़ में)

	3/31/2021 को समाप्त वर्ष	3/31/2022 को समाप्त वर्ष
A नेट बैलेंस शीट स्थिति का विकास		
1 निश्चित लाभ दायित्व (डीबीओ)	(449.46)	(481.22)
2 योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य (FVA)	285.53	471.01
3 वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)]	(163.92)	(10.21)
4 एसेट सीलिंग का प्रभाव	-	-
5 शुद्ध निश्चित लाभ परिसंपत्ति/(देयता)	(163.92)	(10.21)

B नेट बैलेंस शीट की स्थिति का मिलन		(₹ करोड़ में)
1 पूर्व अवधि के अंत में शुद्ध निश्चित लाभ परिसंपत्ति/(दायित्व)	(150.65)	(163.92)
2 सेवा लागत	(28.51)	(32.01)
3 निवल निश्चितलाभ देयता/(संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	(9.34)	(3.36)
4 ओसीआई में स्वीकृत राशि	(19.58)	(40.62)
5 नियोजन योगदान	44.16	229.71
6 कंपनी द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	-	-
7 अधिग्रहण क्रेडिट/(लागत)	-	-
8 अनावरण	-	-
9 समाप्ति लाभ की लागत	-	-

10 वर्तमान अवधि के अंत में शुद्ध निश्चित लाभ परिसंपत्ति/(दायित्व)		(163.92)	(10.21)
31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष में लाभ दायित्वों और परिसंपत्तियों में परिवर्तन		(₹ करोड़ में)	
	3/31/2021 को समाप्त वर्ष	3/31/2022 को समाप्त वर्ष	
A	निश्चित लाभ दायित्व में परिवर्तन (डीबीओ)		
1	पूर्व अवधि के अंत में डीबीओ	402.77	449.46
2	वर्तमान सेवा लागत	28.51	32.01
3	डीबीओ पर ब्याज लागत	26.61	28.38
4	कटौती (क्रेडिट)/लागत	-	-
5	निपटान (क्रेडिट)/लागत	-	-
6	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	-	-
7	अधिग्रहण (क्रेडिट)/लागत	-	-
8	बीमांकिक (लाभ)/हानि - अनुभव	31.27	39.53
9	बीमांकिक (लाभ)/हानि - जनसांख्यिकीय धारणाएं	-	-
10	बीमांकिक (लाभ)/हानि - वित्तीय अनुमान	(11.09)	2.26
11	Benefits paid directly by the Company	-	-
11	भुगतान किया गया लाभ	(28.61)	(70.42)
12	वर्तमान अवधि के अंत में डीबीओ	449.46	481.22
C	परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन	(₹ करोड़ में)	
1	पूर्व अवधि के अंत में संपत्ति का उचित मूल्य	252.11	285.53
2	अधिग्रहण समायोजन	-	-
3	योजना संपत्ति पर ब्याज आय	17.27	25.01
4	नियोक्ता योगदान	44.16	229.71
5	ड्रट दर से अधिक/(कम) योजना परिसंपत्ति पर वापसी	0.59	1.17
6	भुगतान किया गया लाभ	(28.61)	(70.42)
7	वर्तमान अवधि के अंत में संपत्ति का उचित मूल्य	285.53	471.01
अतिरिक्त प्रकटीकरण जानकारी		(₹ करोड़ में)	
A	समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ भुगतान	3/31/2021 को समाप्त वर्ष	
1	31-मार्च-23	33.50	
2	31 मार्च, 2024	38.82	
3	31 मार्च, 2025	41.65	
4	31 मार्च, 2026	43.11	
5	मार्च 31, 2027	45.17	
6	31 मार्च, 2028 से 31 मार्च, 2032	199.10	
7	10 साल से अधिक	748.89	
B	31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए अपेक्षित नियोक्ता योगदान	78.42	
C	परिभाषित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि	10 वर्ष	
D	31 मार्च 2022 को उपार्जित लाभ दायित्व	278.17	
E	31 मार्च 2022 तक योजना परिसंपत्ति की जानकारी	प्रतिशत	
	भारत सरकार की प्रतिभूतियां (केंद्रीय और राज्य)	0.00%	
	उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड (सार्वजनिक क्षेत्र के बॉन्ड सहित)	0.00%	
	सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	0.00%	
	संपत्ति	0.00%	
	नकद (विशेष जमा सहित)	0.00%	
	बीमा की योजनाएं - पारंपरिक उत्पाद	100.00%	
	बीमा की योजनाएं - यूलिप उत्पाद	0.00%	
	अन्य	0.00%	
	कुल	100.00%	
नोट: यह रिपोर्ट योजना परिसंपत्तियों के संबंध में आधारभूत जानकारी प्रदान करती है। भारतीय मानक लेखांकन 19 के अनुच्छेद 142, 143 में निर्दिष्ट कंपनी द्वारा योजना परिसंपत्ति के संबंध में अतिरिक्त इनपुट के प्रकटीकरण की आवश्यकता हो सकती है			
F	31 मार्च 2022 तक वर्तमान और गैर-वर्तमान देयता ब्रेकअप	आईएनआर कुल	(₹ करोड़ में)
1	वर्तमान में देयता	32.41	
2	गैर-वर्तमान देयता	448.81	
3	31 मार्च 2022 तक देयता	481.22	

मान्यताएं	31-Mar-21	31-Mar-22
छूट की दर	6.85%	6.80%
	कार्यकारी:	कार्यकारी:
	9%;	9%;
वेतन वृद्धि दर	गैर कार्यकारी: 6.25%	गैर कार्यकारी: 6.25%
निकासी दर	0.30%	0.30%

मृत्यु दर
 *** 31 मार्च 2021 की धारणाएं पिछले बीमांकक द्वारा प्रमाणित हैं।

इंडियन एश्योर्ड लाइव्स
 मॉर्टेलिटी (2012-14) अल्टीमेट

इंडियन एश्योर्ड लाइव्स
 मॉर्टेलिटी (2006-08) अल्टीमेट

नमूना मृत्यु दर				
आयु	दर	आयु	दर	
20		0.000888	45	0.002874
25		0.000984	50	0.004946
30		0.001056	55	0.007888
35		0.001282	60	0.011534
40		0.001803	65	0.017009

भारतीय मानक लेखांकन (इंड एएस) 19 के तहत सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना का बीमांकिक मूल्यांकन
 (₹ करोड़ में)

वर्ष के लिए निर्धारित लाभ लागत का प्रकटीकरण

3/31/2022 को समाप्त वर्ष

A लाभ और हानि (पी एंड एल)	
1 वर्तमान सेवा लागत	9.23
2 पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	137.66
3 कटौती लागत / (क्रेडिट)	-
4 निपटान लागत / (क्रेडिट)	-
5 सेवा लागत	146.89
6 निवल निश्चित लाभ देयता पर शुद्ध ब्याज / (परिसंपत्ति)	6.82
7 (लाभ)/हानि की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	-
8 लाभ एवं हानि में मान्यता प्राप्त लागत	153.71
B अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	(₹ करोड़ में)
1 डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	(18.00)
2 डीबीओ धारणा परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	15.25
3 बीमांकिक (लाभ)/अवधि के दौरान होने वाली हानि	(2.75)
4 योजना परिसंपत्ति पर वापसी (अधिक)/छूट दर से कम	(11.43)
5 बीमांकिक (लाभ)/ओसीआई में स्वीकृत हानियां	(14.18)
C परिभाषित लाभ लागत	(₹ करोड़ में)
1 सेवा लागत	146.89
2 निवल परिभाषित लाभ देयता पर शुद्ध ब्याज / (संपत्ति)	6.82
3 बीमांकिक (लाभ)/ओसीआई में मान्यता प्राप्त हानियां	(14.18)
4 (लाभ)/हानि की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	-
5 निश्चित लाभ लागत	139.53
	(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2022 तक निवल बैलेंस शीट की स्थिति

3/31/2022 को समाप्त वर्ष

A नेट बैलेंस शीट स्थिति का विकास	
1 निश्चित लाभ दायित्व (डीबीओ)	(292.61)
2 योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य (FVA)	219.51
3 वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)]	(73.10)
4 एसेट सीलिंग का प्रभाव	-
5 शुद्ध निश्चित लाभ परिसंपत्ति/(देयता)	(73.10)
B नेट बैलेंस शीट की स्थिति का मिलान	(₹ करोड़ में)
1 पूर्व अवधि के अंत में शुद्ध निश्चित लाभ परिसंपत्ति/(दायित्व)	(59.00)
2 सेवा लागत	(146.89)
3 निवल निश्चितलाभ देयता/(संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	(6.82)
4 ओसीआई में मान्यता प्राप्त राशि	14.18
5 नियोजित योगदान	125.42
6 कंपनी द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	-
7 अधिग्रहण क्रेडिट/(लागत)	-
8 अनावरण	-
9 समाप्ति लाभ की लागत	-
10 वर्तमान अवधि के अंत में शुद्ध निश्चित लाभ परिसंपत्ति/(दायित्व)	(73.10)

B	नेट बैलेंस शीट की स्थिति का मिलान	(₹ करोड़ में)
1	पूर्व अवधि के अंत में शुद्ध निश्चित लाभ परिसंपत्ति/(दायित्व)	(59.00)
2	सेवा लागत	(146.89)
3	निवल निश्चितलाभ देयता/(संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	(6.82)
4	ओसीआई में मान्यता प्राप्त राशि	14.18
5	नियोक्ता योगदान	125.42
6	कंपनी द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	-
7	अधिग्रहण क्रेडिट/(लागत)	-
8	अनावरण	-
9	समाप्ति लाभ की लागत	-
10	वर्तमान अवधि के अंत में शुद्ध निश्चित लाभ परिसंपत्ति/(दायित्व)	(73.10)
		(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष में लाभ दायित्वों और परिसंपत्तियों में परिवर्तन

31-03-2022 को समाप्त वर्ष

A	निश्चित लाभ दायित्व में परिवर्तन (डीबीओ)	
1	पूर्व अवधि के अंत में डीबीओ	136.29
2	वर्तमान सेवा लागत	9.23
3	डीबीओ पर ब्याज लागत	16.27
4	कटौती (क्रेडिट)/लागत	-
5	निपटान (क्रेडिट)/लागत	-
6	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	137.66
7	अधिग्रहण (क्रेडिट)/लागत	-
8	बीमांकिक (लाभ)/हानि - अनुभव	(18.00)
9	बीमांकिक (लाभ)/हानि - जनसांख्यिकीय धारणाएं	13.33
10	बीमांकिक (लाभ)/हानि - वित्तीय अनुमान	1.92
11	भुगतान किया गया लाभ	(4.09)
13	वर्तमान अवधि के अंत में डीबीओ	292.61

C	परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन	(₹ करोड़ में)
1	पूर्व अवधि के अंत में संपत्ति का उचित मूल्य	77.30
2	अधिग्रहण समायोजन	-
3	योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	9.45
4	नियोक्ता योगदान	125.42
5	छूट दर से अधिक/(कम) योजना परिसंपत्तियों पर वापसी	11.43
6	भुगतान किया गया लाभ	(4.09)
7	वर्तमान अवधि के अंत में परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	219.51

अतिरिक्त प्रकटीकरण जानकारी

A	समाप्त वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ भुगतान	3/31/2022 को संस वर्ष (₹ करोड़ में)
1	31 मार्च, 2023	9.81
2	31 मार्च, 2024	11.76
3	31 मार्च, 2025	13.72
4	31 मार्च, 2026	15.61
5	मार्च 31, 2027	17.20
6	31 मार्च, 2028 से 31 मार्च, 2032	106.61
7	10 साल से अधिक	679.23
B	निश्चित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि	वर्ष
C	31 मार्च 2022 को उपार्जित लाभ दायित्व	292.61

C	परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन	(₹ करोड़ में)
1	पूर्व अवधि के अंत में संपत्ति का उचित मूल्य	77.30
2	अधिग्रहण समायोजन	-
3	योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	9.45
4	नियोक्ता योगदान	125.42
5	छूट दर से अधिक/(कम) योजना परिसंपत्तियों पर वापसी	11.43
6	भुगतान किया गया लाभ	(4.09)
7	वर्तमान अवधि के अंत में परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	219.51

अतिरिक्त प्रकटीकरण जानकारी

	(₹ करोड़ में)
A	समाप्त वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ भुगतान
	3/31/2022 को संस वर्ष
1	31 मार्च, 2023
2	31 मार्च, 2024
3	31 मार्च, 2025
4	31 मार्च, 2026
5	मार्च 31, 2027
6	31 मार्च, 2028 से 31 मार्च, 2032
7	10 साल से अधिक
B	निश्चित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि
C	31 मार्च 2022 को उपार्जित लाभ दायित्व
	14 वर्ष
	292.61

मान्यताएं	31-Mar-21	31-Mar-22
छूट की दर	6.85%	6.80%
चिकित्सा मुद्रास्फीति दर	उपलब्ध नहीं है	0.00%**
मृत्यु दर - सेवामुक्त	इंडियन एश्योर्ड लाइव्स मॉर्टेलिटी (2012 - 14) अल्टीमेट	इंडियन एश्योर्ड लाइव्स मॉर्टेलिटी (2006-08) अल्टीमेट
मृत्यु दर - सेवानिवृत्ति के बाद	उपलब्ध नहीं है	भारतीय व्यक्तिगत वार्षिकी मृत्यु दर की तालिका (2012-15)
औसत चिकित्सा लागत (आईएनआर)	उपलब्ध नहीं है	"कार्यकारी कर्मचारी: अधिवास लाभ -आईएनआर 36,000 प्रति वर्ष। अस्पताल में भर्ती लाभ - ईएनआर 35,000 प्रति वर्ष। गैर कार्यकारी कर्मचारी: डोमिसिलरी बेनिफिट+हॉस्पिटलाइजेशन बेनिफिट संयुक्त - आईएनआर 18,000 प्रति वर्ष।"
जीवनसाथी की उम्र का अंतर निकासी दर	उपलब्ध नहीं है	जीवनसाथी, सदस्य से 5 वर्ष छोटा है
	0.30%	0.30%

*** 31 मार्च 2021 की धारणाएं पिछले एकचुअरी द्वारा प्रमाणित हैं।

** कंपनी के साथ सहमति के अनुसार, चिकित्सा मुद्रास्फीति को शून्य माना गया है क्योंकि कंपनी की चिकित्सा लागत भारत सरकार द्वारा घोषित सीएचजीएस दरों द्वारा नियंत्रित होती है।

नमूना मृत्यु दर

इंडियन एश्योर्ड लाइव्स मॉर्टेलिटी (2006-08) अल्टीमेट टेबल

आयु	दर	आयु	दर
20	0.000888	45	0.002874
25	0.000984	50	0.004946
30	0.001056	55	0.007888
35	0.001282	60	0.011534
40	0.001803	65	0.017009

भारतीय व्यक्तिगत वार्षिकी मृत्यु दर की तालिका (2012-15)

आयु	दर
60	0.0063490
65	0.0100700
70	0.0163930
75	0.0273790
80	0.0467300

8 अन्य जानकारी

(a) a) प्रावधान

31.03.2022 को बीमाकिक रूप से मूल्यांकित कर्मचारी लाभों से संबंधित प्रावधानों को छोड़कर भारतीय मानक लेखांकन -37 के अनुसार विभिन्न प्रावधानों की स्थिति और संचलन नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

प्रावधान	01-04-2021 के अनुसार प्रारंभिक शेष राशि	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान किए गए राइट बैंक/समायोजन/भुगतान	31.03.2022 को अंतिम शेषराशि
नोट 3:- संपत्ति, संचय और उपकरण :				
परिसंपत्ति की अनुपस्थिति :	58.13	7.63	-5.13	60.63
नोट 4:- पूंजीगत प्रगतिशील कार्य :				
सीडब्ल्यूआईपी के लिए :	17.47	79.95	-0.01	97.41
नोट 5:- अन्वेषण और मूल्यांकन परिसंपत्ति:				
प्रावधान और हानि:	0	-	-	0.00
नोट 8:- ऋण :				
अन्य ऋण:	0.00	-	-	0.00
नोट 9:- अन्य वित्तीय परिसंपत्ति:				
अन्य जमा और प्राप्तियां	0.22		-0.06	0.16
उपयोगिताओं के लिए सुरक्षा जमा	-			0.00
अनुषंगी कंपनियों के साथ चालू खाता	0			0.00
Claims & other receivables	0.00			-
नोट 10:- अन्य गैर चालू परिसंपत्तियां :				
पूँजी अग्रिम	0.65		-0.05	0.60
उपयोगिताओं के लिए सुरक्षा जमा	0.00			0.00
अन्य जमा और प्राप्तियां	0.00			0.00
नोट 11:- अन्य चालू परिसंपत्तियां :				
Advances for Revenue :				-
सांविधिक देय राशि का अग्रिम भुगतान:	0.00			0.00
कर्मचारियों को अन्य अग्रिम और जमा	6.52		-0.42	6.10
नोट 13:-व्यापार प्राप्तियां :				
अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान :	85.55		-62.65	22.90
नोट 21 :- गैर-वर्तमान और वर्तमान प्रावधान :				
गोशिया	137.45	145.11	-137.45	145.11
प्रदर्शन से संबंधित भुगतान	121.09	98.49	-37.49	182.09
अन्य कर्मचारी लाभ	352.97		-152.39	200.58
साइट का जीर्णोद्धार/खान बंद करना	878.56	78.96		957.52
स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन	17995.63		-289.29	17706.34

(b) प्रति शेयर आय

क्र.	विवरण	31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए	31.03.2021 को समाप्त अवधि के लिए
i)	इक्विटी शेयरधारकों के कारण कर पश्चात शुद्ध लाभ	8480.50	6872.35
ii)	बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	6618363	6618363
iii)	रुपये में प्रति शेयर मूल और डायल्यूटेड आय (अंकित मूल्य ₹1000/- प्रति शेयर)	₹ 12,813.60	₹ 10,383.76

(c) बीमा और वृद्धि के दावे

प्रथम /अंतिम निपटान के आधार पर बीमा और वृद्धि दावों की गणना की जाती है।

(d) खर्चों में किए गए प्रावधान

धीमी गति से चालू/नॉन-मूविंग/अप्रचलित स्टोर्स, प्राप्य दावों, अग्रिमों, संदिग्ध ऋणों आदि के लिए खर्चों में किए गए प्रावधान संभावित नुकसान को शामिल(कवर) करने के लिए पर्याप्त माने जाते हैं।

(e) वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण और अग्रिम आदि।

प्रबंधन की राय में, अचल परिसंपत्तियों और गैर-चालू निवेशों के अलावा अन्य परिसंपत्तियों का व्यवसाय के सामान्य पाठ्यक्रम में वसूली पर मूल्य कम से कम उस राशि के बराबर होता है जिस पर उन्हें उद्धृत किया जाता है।

(f) वर्तमान देनदारियां

जहां वास्तविक देयता को मापा नहीं जा सकता है, वहाँ अनुमानित देयता प्रदान की गई है।

(g)

अलग-अलग राजस्व जानकारी:

भारतीय मानक लेखांकन 115 के अनुसार नीचे दी गई तालिका ग्राहक के साथ अनुबंध की जानकारी से अलग-अलग राजस्व प्रस्तुत करती है:

(₹ करोड़ में)

अलग-अलग राजस्व जानकारी:	31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए	31.03.2021 को समाप्त अवधि के लिए
माल या सेवा के प्रकार		
- कोयला	19,165.50	14,474.08
- अन्य	-	-
कोयले और अन्य की बिक्री से कुल राजस्व	19,165.50	14,474.08
ग्राहकों के प्रकार		
- ऊर्जा क्षेत्र	11,568.29	8,955.80
- गैर-ऊर्जा क्षेत्र	7,597.21	5,518.28
- अन्य या सेवाएं	-	-
कोयले और अन्य की बिक्री से कुल राजस्व	19,165.50	14,474.08
संविदा के प्रकार		
- एफएसए	12,432.03	10,824.25
- ई-शिक्षा	6,733.47	3,649.83
- अन्य	-	-
कोयले और अन्य की बिक्री से कुल राजस्व	19,165.50	14,474.08
माल या का समय		
- एक निश्चित समय में स्थानांतरित किया गया माल	19,165.50	14,474.08
- समय के साथ स्थानांतरित किया गया माल	-	-
- एक निश्चित समय में स्थानांतरित की गई सेवाएं	-	-
- समय के साथ स्थानांतरित की गई सेवाएं	-	-
कोयले और अन्य की बिक्री से कुल राजस्व	19,165.50	14,474.08

(h)

अनुपात

विवरण	31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए	31.03.2021 को समाप्त अवधि के लिए	Variance
(a) वर्तमान अनुपात: वर्तमान अनुपात कंपनी की समग्र तरलता(नगद) स्थिति को इंगित करता है। बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों को कार्यशील पूंजी ऋण देने के संबंध में निर्णय लेने में इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। वर्तमान अनुपात की गणना वर्तमान परिसंपत्तियों को वर्तमान देनदारियों से विभाजित करके की गई है।	2.12	2.71	-22%
(b) ऋण-इक्विटी अनुपात: ऋण-से-इक्विटी अनुपात कंपनी के कुल ऋण की तुलना शेयरधारकों की इक्विटी से करता है। इन दोनों नंबरों को कंपनी की बैलेंस शीट में पाया जा सकता है। ऋण-इक्विटी अनुपात की गणना शेयरधारक की इक्विटी से विभाजित कुल ऋण के रूप में की गई है।	0.00	0.00	-61%
(c) ऋण सेवा कवरेज अनुपात: ऋण सेवा कवरेज अनुपात का उपयोग फर्म की वर्तमान व्याज और किश्तों का भुगतान करने की क्षमता का विश्लेषण करने के लिए किया जाता है। ऋण सेवा कवरेज अनुपात की गणना ऋण सेवा के लिए उपलब्ध आय को ऋण सेवा से विभाजित करके की जाती है। ऋण सेवा के लिए अर्जन = करों के बाद शुद्ध लाभ + गैर-नकद परिचालन व्यय जैसे मूल्यह्रास और अन्य परिशोधन + व्याज + अन्य समायोजन जैसे अचल परिसंपत्तियों की बिक्री पर नुकसान आदि। ऋण सेवा = व्याज और पट्टा भुगतान + मूलधन चुकोती"कर के बाद शुद्ध लाभ" का अर्थ है "अवधि के लिए लाभ / (हानि) की रिपोर्ट की गई राशि" और इसमें अन्य व्यापक आय की वस्तुएं शामिल नहीं हैं।	13,767.06	606.35	2170%
(d) इक्विटी अनुपात पर रिटर्न: यह कंपनी में निवेश किए गए इक्विटी फंड की लाभप्रदता को मापता है। अनुपात से पता चलता है कि कंपनी द्वारा इक्विटी-धारकों के फंड की लाभप्रदता का उपयोग कैसे किया गया है। यह इक्विटी-धारकों को उत्पन्न प्रतिशत रिटर्न को भी मापता है। अनुपात की गणना इस प्रकार की जाती है: (करों के बाद शुद्ध लाभ कम वरीयता लाभांश (यदि कोई हो)) को औसत शेयरधारक की इक्विटी से विभाजित	1.23	1.24	-1%
(e) इन्वेंटरी टर्नओवर अनुपात: इस अनुपात को स्टॉक टर्नओवर अनुपात के रूप में भी जाना जाता है और यह अवधि के दौरान बेची गई वस्तुओं की लागत या अवधि के दौरान बिक्री और अवधि के दौरान आयोजित औसत इन्वेंट्री के बीच संबंध स्थापित करता है। यह उस दक्षता को मापता है जिसके साथ कंपनी अपनी इन्वेंट्री का उपयोग या प्रबंधन करती है। इन्वेंटरी टर्नओवर अनुपात की गणना बेची गई वस्तुओं की लागत या औसत इन्वेंटरी से विभाजित बिक्री के रूप में की जाती है। औसत इन्वेंट्री (शुरुआती + अंतिम शेष / 2) है जब इन्वेंट्री के प्रारम्भिक और अंतिम शेष की जानकारी उपलब्ध नहीं होती है, तो अनुपात की गणना सीओजीएस या बिक्री को इन्वेंट्री के क्लोजिंग बैलेंस से विभाजित करके की जा सकती है।	12.86	10.57	22%

(f)व्यापार प्राप्य टर्नओवर अनुपात: यह उस दक्षता को मापता है जिस पर फर्म प्राप्ति का प्रबंधन कर रही है। व्यापार प्राप्य टर्नओवर अनुपात = शुद्ध क्रेडिट बिक्री / औसत प्राप्य खाते नेट क्रेडिट बिक्री में सकल क्रेडिट बिक्री से बिक्री रिटर्न घटा कर शामिल है। व्यापार प्राप्ति में विविध देनदार और प्राप्य बिल शामिल हैं। औसत व्यापार देनदार = (प्रारम्भिक + अंतिम शेष / 2)जब व्यापार देनदारों के क्रेडिट बिक्री, उद्घाटन और अंतिमशेष के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है तो अनुपात की गणना व्यापार प्राप्ति के अंतिम शेष को कुल बिक्री से विभाजित करके की जा सकती है।	28.57	38.91	-27%
(g) व्यापार देय टर्नओवर अनुपात: यह दर्शाता है कि एक अवधि के दौरान विविध लेनदारों को कितनी बार भुगतान किया गया है। इसकी गणना विविध लेनदारों को भुगतान करने के लिए नकदी की आवश्यकताओं का जांच करने के लिए की जाती है। इसकी गणना औसत लेनदारों द्वारा शुद्ध ऋण खरीद को विभाजित करके की जाती है। व्यापार देय टर्नओवर अनुपात = शुद्ध क्रेडिट खरीद / औसत व्यापार देय शुद्ध क्रेडिट खरीद में सकल क्रेडिट खरीद से खरीद रिटर्न घटकर शामिल है जब क्रेडिट खरीद, व्यापार लेनदारों के उद्घाटन और अंतिम शेष के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं होती है तो अनुपात की गणना व्यापार लेनदारों के समापन शेष से कुल खरीद को विभाजित करके की जाती है।	5.67	16.41	-65%
(h) "शुद्ध पूंजी कारोबार अनुपात: यह अपनी कार्यशील पूंजी का उपयोग करने में कंपनी की प्रभावशीलता को इंगित करता है। कार्यशील पूंजी कारोबार अनुपात की गणना निम्नानुसार की जाती है: उसी अवधि के दौरान कार्यशील पूंजी की औसत राशि से विभाजित शुद्ध बिक्री। शुद्ध पूंजी कारोबार अनुपात = शुद्ध बिक्री / कार्यशील पूंजी शुद्ध बिक्री की गणना कुल बिक्री घटा बिक्री रिटर्न के रूप में की जाएगी। कार्यशील पूंजी की गणना चालू परिसंपत्तियों को घटाकर वर्तमान देनदारियों के रूप में की जाएगी।"	1.47	1.15	27%
(i) शुद्ध लाभ अनुपात: यह शुद्ध लाभ और व्यवसाय की बिक्री के बीच संबंध को मापता है। शुद्ध लाभ अनुपात = शुद्ध लाभ / शुद्ध बिक्री शुद्ध लाभ कर पश्चात होगा। शुद्ध बिक्री की गणना कुल बिक्री घटा बिक्री रिटर्न के रूप में की जाएगी।	0.44	0.47	-7%
(j) नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ: नियोजित पूंजी पर प्रतिफल ऋण धारकों और इक्विटी धारकों दोनों के लिए प्रतिफल उत्पन्न करने के लिए कंपनी के प्रबंधन की क्षमता को दर्शाता है। अनुपात जितना अधिक होगा, कंपनी द्वारा रिटर्न उत्पन्न करने के लिए नियोजित पूंजी अधिक कुशलता से होगी। आरओसीई = व्याज और करों से पहले की कमाई / नियोजित पूंजी नियोजित पूंजी = मूल निवल मूल्य + कुल ऋण + आस्थगित कर देयता	131.78%	154.78%	-15%
(k)निवेश पर प्रतिलाभ (संदर्भ: नोट-7): निवेश पर प्रतिलाभ (आरओआई) एक वित्तीय अनुपात है जिसका उपयोग कंपनी द्वारा उसकी निवेश लागत के संबंध में प्राप्त लाभ की गणना के लिए किया जाता है। जितना अधिक अनुपात, उतना अधिक लाभ अर्जित किया।			
(i) गैर-सूचीबद्ध अनुषंगियों में इक्विटी निवेश पर आरओआई: अनुषंगी की इक्विटी में लाभांश/औसत निवेश।	0.00%	0.00%	0%
(ii) संयुक्त उद्यमों में इक्विटी निवेश पर आरओआई: आरओआई = प्राप्त लाभांश/संयुक्त उद्यम का इक्विटी में औसत निवेश	0.00%	0.00%	0%
(iii) निश्चित आय निवेश (बॉन्ड/डिबेंचर इत्यादि) पर आरओआई =व्याज आय/औसत निवेश	7.38%	7.38%	0%
(iv) म्यूचुअल फंड पर आरओआई = लाभांश+पूंजीगत लाभ+उचित मूल्य लाभ(हानि)/औसत निवेश	3.46%	3.19%	8%
(v) जमाराशियों पर आरओआई (बैंकों, वित्तीय संस्थाओं सहित आईसीडी) = व्याज आय/औसत निवेश	3.97%	5.34%	-26%

- (i) **एमसीएल प्राकृतिक संसाधन और ऊर्जा प्रबंधन संस्थान (मिनरेम) का निर्माण**
 "कंपनी डेकेंडार मेसर्स एनबीसीसी के माध्यम से 138.83 करोड़ रुपये के प्रारंभिक अनुमानित कुल मूल्य के साथ 'एमसीएल प्राकृतिक संसाधन और ऊर्जा प्रबंधन संस्थान (एमआईएनआईएम), भुवनेश्वर' संस्थान का निर्माण कर रही है। निर्माण कार्य रोक दिया गया था क्योंकि भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण ने पहले अनुमोदन के प्रस्ताव पर विचार नहीं किया था। हालांकि 02.11.2018 को बीडीए ने एमसीएल के पक्ष में आवश्यक अनुमति प्रदान की है। एमओयू को 09.01.2020 से दो साल की अवधि के लिए पुनर्विध किया गया है और उपरोक्त कार्य 12 महीने के भीतर पूरा किया जाना है और संशोधित परियोजना लागत रु. 155.33 करोड़ है। एनबीसीसी ने 04.08.2021 को सचिव, एमओसी द्वारा दी गई समय-सीमा के अनुसार 15 दिनों में काम फिर से शुरू नहीं किया था। कई पत्रों के बाद, एनबीसीसी को पत्र जारी होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर अर्थात् 12.10.2021 को काम शुरू करने के लिए अंतिम नोटिस दिया गया है, जिसके विफल होने पर एमसीएल के पास समझौता ज्ञापन को समाप्त करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। 05.01.2022 को एनबीसीसी को एमओयू के अनुसार दंडात्मक प्रावधानों के साथ सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित एनबीसीसी के साथ समझौता ज्ञापन की समाप्ति के बारे में सूचित किया गया है। शेष कार्य के लिए पीएमसी का कार्य सीएमपीडीआईएल, रांची को पत्र संख्या एमसीएल/सबलपुर/सिविल/21-22/1641 दिनांक 02.02.2022 द्वारा सौंपा गया है। कंपनी ने 31.03.2022 तक संस्थान के निर्माण पर ₹121.27 करोड़ खर्च किए हैं।"
- (j) **बलियापांडा मौजा, पुरी में भूमि**
 बलियापांडा मौजा, पुरी में ₹ 0.94 करोड़ राशि की 5 एकड़ भूमि (चारदीवारी के लिए जमा सहित) पुरी नगर पालिका से दिनांक 01.04.1996 से 99 वर्ष के लिए लीज के रूप में ली गई है। तथापि, तहसीलदार पुरी ने अपने कार्यालय ज्ञापन सं. 7206 दिनांक 21.08.2004 को एमसीएल, भुवनेश्वर को एक प्रति के साथ कलेक्टर पुरी को संबोधित करते हुए कहा कि उक्त क्षेत्र "स्वीट वॉटर जोन" के अंतर्गत आता है और इसे सरकार द्वारा आवास एवं शहरी विकास विभाग में प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। यद्यपि उक्त भूमि स्वेट वाटर जोन के अंतर्गत आती है, तहसीलदार, पुरी ने 2008-09 तक उपकर सहित भू-कर स्वीकार किया है। इसके अलावा निदेशक (कार्मिक), एमसीएल ने पत्र संख्या 4707 दिनांक 08.01.2019 को स्टाल परियोजना शुरू करने के लिए वैकल्पिक भूमि जल्द से जल्द सौंपने के लिए जिलाध्यक्ष, पुरी से अनुरोध किया था। भूमि के वैकल्पिक भाग के आवंटन के लिए 05.12.2019 को उप महाप्रबंधक, एमसीएल द्वारा कलेक्टर, पुरी को पत्र लिखा गया है। इसके बाद, उप महाप्रबंधक, एमसीएल और मुख्य प्रबंधक (खनन) ने 18.12.2020 को कलेक्टर, पुरी से मुलाकात की। कलेक्टर का मत था कि नगर पालिका द्वारा भूमि उनके अधिकार क्षेत्र से परे गलत तरीके से एमसीएल को पट्टे पर दी गई थी, इसलिए नगर पालिका एमसीएल के पक्ष में कोई वैकल्पिक भूमि आवंटित नहीं कर सकती है और पूर्व में नगर पालिका, पुरी के पास जमा की गई भूमि के प्रीमियम की वापसी के लिए आवेदन करने का सुझाव दिया। एमसीएल ने नगर पालिका, पुरी में धनवापसी के लिए आवेदन किया है और मामला प्रक्रियाधीन है।

- (k) **एनएलसीआईएल को ऋण**
कंपनी ने एनएलसीआईएल को पूर्व वर्षों में मासिक आधार पर देय 7% व्याज की दर से सामान्य वित्त पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ₹ 2000 करोड़ का ऋण दिया था और मूलधन की चुकौती 48 मासिक समान किश्तों में है। एनएलसीआईएल को यह ऋण पात्र निवेश के रूप में सीपीएसई द्वारा अधिशेष निधि के निवेश पर दिशानिर्देशों के खंड 8 (iv) के तहत कवर किया गया है। 31.03.2022 के अनुसार बकाया ऋण शेष शून्य है।
- (l) इस अवधि के दौरान, कंपनी ने और एनएलसीआईएल से ₹ 103.56 करोड़ की राशि का कोयला खरीदा है। खरीदे गए कोयले की बिक्री, सतह परिवहन शुल्क और निकासी सुविधा शुल्क सहित ₹118.35 करोड़ की राशि है। खरीदे गए कोयले का अंतिम स्टॉक शून्य है।
- (m) **शीर्ष प्रभारों में संशोधन का प्रभाव**
सीआईएल बोर्ड ने अपनी 431वीं बैठक दिनांक 17.09.2021 में शीर्ष शुल्क की दर को ₹ 10 से ₹ 20 प्रति टन उत्पादन के संशोधन के लिए अनुमोदित किया है। 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए उसी का प्रभाव ₹ 168.17 करोड़ है।
- (n) कंपनी ने राजस्व वसूलने के बजाय अधिशेष भूमि की लागत के साथ पूंजीकरण करके रोजगार के बदले वार्षिकी के रूप में मुआवजे के संबंध में लेखांकन पद्धति को संशोधित किया है। तदनुसार, ₹12.62 करोड़ का पूंजीकरण किया गया है और इस अवधि के दौरान उसी पर परिशोधन प्रभार ₹ 1.19 करोड़ है।
- (o) कोल ब्लॉक उत्कल ए और गोपालप्रसाद वेस्ट (पश्चिम) जो पहले एमजेएसजे कोल लिमिटेड, एमसीएल की एक अनुषंगी कंपनी को आवंटित किया गया था, अब एमसीएल को आवंटित कर दी गई है। नामित प्राधिकारी, एमओसी के माध्यम से पिछले आवंटि को भूमि की लागत देय है । हालांकि मुआवजे की राशि का अभी तक दावा नहीं किया गया है, इसलिए भूमि की लागत का पूंजीकरण नहीं किया गया है।
- (p) वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान अंशदायी सेवानिवृत्त उपरांत चिकित्सा योजना गैर कार्यकारी-वर्तमान के संबंध में वीमांकिक मूल्यांकन किया गया है, और गैर-कार्यकारियों (वर्तमान) से वसूल की गई राशि को समायोजित करने के बाद सीपीआरएमएस एनई के लिए ₹ 138.07 करोड़ की वीमांकिक देयता का हिसाब लगाया गया है। (नोट संख्या 21 देखें)
- (q) "कंपनी ने ₹ 11.75 करोड़ की राशि के वाशरीज पर किए गए प्रारंभिक व्यय को बटुटे खाते में डाल दिया है। (नोट संख्या 34 देखें)"
कंपनी ने एमसीएल बोर्ड के अनुमोदन के आधार पर ₹17.37 करोड़ की पुरानी देनदारियाँ और प्रावधानों को वापस बटुटे खाते में डाल दिया है और ₹0.59 करोड़ राशि के पुराने अचिर्त और प्राप्ति को बटुटे खाते में डाल दिया है।
- (r) विभिन्न सरकारी न्यायालय के निर्देश के अनुसार ₹ 20.64 करोड़ (पीवाई- ₹ 26.59 करोड़) का जमा खाता (विशिष्ट उद्देश्य के लिए) बनाया गया है तथा नोट -15 और नोट -9 के तहत बैंक गारंटी जारी की जाती है। विवरण नीचे दिया गया है:
- नोट-15- ₹18.88 करोड़**
i.न्यायालय के आदेश के अनुसार वर्ष 2005-06 में विस्फोटक दर अनुबंधों के लिए वसूल किए गए मूल्य अंतर के विरुद्ध सावधि जमा में ₹ 6.96 करोड़ शामिल हैं।
ii.सावधि जमा में माननीय उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश के तहत मेसर्स आईआरसी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के बीजी के नकदीकरण के लिए सावधि जमा में ₹ 0.25 करोड़ शामिल हैं।
iii. माननीय उच्च न्यायालय, कटक के आदेश के अनुसार रिट याचिका संख्या 2015 का 3109 के अंतिम परिणाम तक मेसर्स श्री महावीर फेरो अलॉयज प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में कंपनी द्वारा 40% टैपिंग मनी के लिए सावधि जमा में ₹ 0.21 करोड़ शामिल हैं।
iv. माननीय उच्च न्यायालय कटक (ओडिशा) के अंतरिम आदेश अर्थात् विवादित भूमि में मुआवजे की शेष राशि के लिए किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक में सावधि जमा में ₹ 7.16 करोड़ शामिल हैं।
v. मेसर्स मोटेकार्लो लिमिटेड (एमसीएल) और मेसर्स कुणाल स्ट्रक्चर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (केएसआईपीएल) को संयुक्त उद्यम द्वारा प्रस्तुत बैंक गारंटी के नकदीकरण के संबंध में माननीय ओडिशा उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार ₹ 1.31 करोड़ की सावधि जमा।
x.क्रमशः ₹ 0.37 करोड़ की बैंक जमाराशि, जिसे जल बांध प्रभाग के पक्ष में एमओय/हस्ताक्षरित करार के हेतु गिरवी है, बैंक के पास रखी गई है
xi.लीलारी नाले से निकासी के समझौते के निष्पादन के लिए टीडीआर के रूप में ₹ 0.02 करोड़ की बैंक जमा राशि।
xii.ओडिशा के माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश पर मेसर्स उत्कल राजमार्गों के लिए टीडीआर के रूप में ₹ 1.32 करोड़ की बैंक जमा राशि।
xiii. कार्यपालक अभियंता, बुर्ला सिंचाई प्रमंडल, बुर्ला के लिए टीडीआर के रूप में ₹ 0.08 करोड़ की बैंक जमाराशि।
xiv. कार्यपालक अभियंता, बुर्ला सिंचाई प्रमंडल, बुर्ला के पक्ष टीडीआर के रूप में ₹ 1.20 करोड़ की बैंक जमा राशि।
- नोट-9- ₹ 1.39 करोड़**
i. कार्यपालक अभियंता, मुख्य बांध संभाग, बुर्ला के पक्ष में एफडीआर के रूप में ₹0.37 करोड़ जमा कराये गये
ii. एमआईएमएसआर के लिए संस्थागत भवन योजना का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए टीएमडीए के पक्ष में बीजी जारी ₹0.97 करोड़ बैंक जमा शामिल हैं।
iii.अधीक्षण अभियंता, मुख्य बांध संभाग, बुर्ला के पक्ष में एफडीआर के रूप में ₹0.05 करोड़ जमा
- (s) निर्माण एवं अनुरक्षण कार्य के लिए रेलवे को भुगतान की गई राशि के लिए रिवर्स चार्ज मैकेनिसम आधार पर जीएसटी देयता के संबंध में रेलवे के साथ मामला ठाया गया है और विशेषज्ञ की राय मांगी जा रही है।
- (t) **एमसीएल में, 23 ओपन कास्ट खदानें और 12 भूमिगत खदानें हैं, जिनमें से 4 ओपन कास्ट खदानें और 8 भूमिगत खदानें गैर-उत्पादक हैं और 4 ओपन कास्ट खदानें विकास के अधीन हैं:-**

गेर उत्पादक खानों की सूची:-

क्र.	खान का नाम	अनुत्पादक होने का कारण
1	चेदीपाड़ा ओसीपी	खदान बंद होने के कारण।
2	लिल्लारी ओसीपी	लिल्लारी ओसीपी की खनन योजना के कारण मार्च 2018 तक वैध था।
3	दक्षिण बालण्डाओसीपी	कोयला भंडार समाप्त होने के कारण।
4	वसुंधरा पूर्व ओसीपी	सभी कोयले की निकासी के कारण खदान बंद है।
5	हिमगीर रामपुर कोलियरी भूमिगत	ओरिएंट एरिया से खदान बंद करने के लिए जारी की गई सूचना के साथ यह खदान 27.05.2013 से बंद है। विकास भूमि की अनुपलब्धता के कारण 02.07.2017 से उत्पादन बंद कर दिया गया है क्योंकि खदान की पूरी संपत्ति पहले ही विकसित हो चुकी है और चरण II वन मंजूरी के अभाव में कोई डीपिलरिंग अनुमति नहीं है।
6	ओरिएंट खान सं.-4 भूमिगत	a. विकास भूमि की अनुपलब्धता के कारण 02.07.2017 से उत्पादन बंद कर दिया गया है क्योंकि खदान की पूरी संपत्ति पहले ही विकसित हो चुकी है और चरण II वन मंजूरी के अभाव में कोई डीपिलरिंग अनुमति नहीं है। b. सेवानिवृत्ति आदि के कारण ओरिएंट क्षेत्र में जनशक्ति की कमी है। चूंकि ओरिएंट एरिया की अन्य खदानों की उत्पादक इकाइयों में जनशक्ति की कमी है, इस खदान की उपलब्ध जनशक्ति को लाभकारी उपयोग के लिए उन उत्पादक खदानों में स्थानांतरित कर दिया गया है। अब खदान को आउटसोर्स मोड में चलाने की प्रक्रिया चल रही है।
7	तालचरभूमिगत	खान अधिनियम 1952 की धारा 22ए (1) का पालन न करने के कारण डीएमएस, भुवनेश्वर द्वारा जारी नोटिस संख्या - 010686/BBR-DH/CO-6/Notice-22A (1)/2015/4562 दिनांक 03.09.2015 द्वारा फ्रिफ्ट टॉप सेक्शन के लिए तीसरी प्रविष्टि प्रदान करने हेतु कोयले का खनन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है तथा सीएमआर-2017, पंजी.सं. - 158 (3) के प्रावधान के अनुसार उत्पादन 24.02.2018 से उत्पादन निलंबित कर दिया गया था।
8	टेडलबेरा भूमिगत	अधीक्षक इंजीनियर की सूचना, जिसमें दाहिनी तट नहर में पानी छोड़ा जाएगा, जिसके नीचे दिनांक 19.07.2006 से खनन कार्य चल रहा है, के द्वारा उत्पादन बंद करना पड़ा।
9	हंडीधुआ भूमिगत	भारी नुकसान की वजह से 16.09.1998 से उत्पादन ठप हो गया है।
10	तालचर पश्चिम (भूमिगत)	एमसीएल बोर्ड ने 19.11.2021 को आयोजित अपनी 241वीं बैठक में भूमिगत परियोजना को वापस लेने की मंजूरी दे दी है
11	जगन्नाथ (भूमिगत)	एमसीएल बोर्ड ने 19.11.2021 को आयोजित अपनी 241वीं बैठक में भूमिगत परियोजना को वापस लेने की मंजूरी दे दी है
12	नटराज भूमिगत	एमसीएल बोर्ड ने 19.11.2021 को आयोजित अपनी 241वीं बैठक में भूमिगत परियोजना को वापस लेने की मंजूरी दे दी है

विकास खानों की सूची:-

क्र.	विकास खान
1	सियारमल ओसीपी
2	वसुंधरा पश्चिम (विस्तार) ओसीपी
3	सुभद्रा ओसीपी
4	बलभद्र ओसीपी

साथ में दी गई टिप्पणियां 1 से 38 वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

बोर्ड की ओर से

कृते लालदास एण्ड कंपनी

सनदी लेखाकार

संस्था पंजी. सं. 311147E

ह/-

(सनदी लेखाकार एसएस ब्रह्मा)

साझेदार

सदस्यता सं. 066706

दिनांक : 10.05.2022

स्थान : भुवनेश्वर

ह/-

संजीव कुमार देबनाथ

महाप्रबंधक (वित्त)

ह/-

(के. आर. वासुदेवन)

निदेशक (वित्त)

DIN : 07915732

ह/-

(एस. परिडा)

कंपनी सचिव

ह/-

(ओपी सिंह)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध -

निदेशक

DIN: 07627471

दिनांक 31.03.2022 तक समेकित तुलनपत्र

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी संख्या	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
परिसंपत्तियाँ			
गैर चालू परिसंपत्तियाँ			
(क). संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	3	9,943.65	8,227.56
(ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर	4	3,424.59	2,200.85
(ग) अन्वेषण और मूल्यांकन आस्तियाँ	5	101.88	137.79
(घ) अमूर्त आस्तियाँ	6.1	6.37	4.84
(ड.) विकास के तहत अमूर्त संपत्ति	6.2	6.35	-
(च) वित्तीय परिसंपत्ति			
(i) निवेश	7	-0.00	649.95
(ii) ऋण	8	1.20	125.78
(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्ति	9	1,296.04	1,153.70
(छ) आस्थगित कर परिसंपत्ति (शुद्ध)		-	-
(ज) अन्य गैर-चालू परिसंपत्ति	10	1,006.46	612.98
कुल गैर-चालू परिसंपत्ति (क)		15,786.54	13,113.45
 चालू परिसंपत्ति			
(क) वस्तुसूची	12	988.20	1,103.52
(ख) वित्तीय परिसंपत्ति			
(i) निवेश	7	4,102.73	3,056.03
(ii) व्यापार प्राप्त्य	13	1,040.90	1,292.63
(iii) नगद एवं नगद समतुल्य	14	395.09	1,093.14
(iv) अन्य बैंक शेष	15	11,776.50	7,250.00
(v) ऋण	8	-	500.51
(vi) अन्य वित्तीय परिसंपत्ति	9	603.39	327.13
(ग) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)		2,426.47	2,631.46
(घ) अन्य चालू परिसंपत्ति	11	3,290.02	2,677.55
कुल चालू परिसंपत्ति (ख)		24,623.29	19,931.97
कुल परिसंपत्ति (क+ख)		40,409.83	33,045.42

दिनांक 31.03.2022 तक समेकित तुलनपत्र

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी संख्या	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
इक्विटी एवं देयताएँ			
इक्विटी			
क) इक्विटी शेयर पूँजी	16	661.84	661.84
(ख) अन्य इक्विटी	17	7,485.29	
कंपनी के इक्विटी धारकों के लिए इक्विटी		8,147.13	5,499.67
गैर नियंत्रित व्याज		68.42	57.08
कुल इक्विटी (क)		8,215.54	5,556.75
देयताएँ			
गैर- चालू देयताएं			
(क) वित्तीय देयताएं			
(i) उधार	18	4.31	5.03
(ii) पट्टा देयताएँ		2.29	-
(iii) व्यापार प्राप्त्य		-	-
(iv) अन्य वित्तीय देयताएँ	20	1,100.22	366.26
(ख) प्रावधान	21	18,764.50	19,074.94
(ग) आस्थगित कर देयताएं (शुद्ध)		539.46	529.58
(घ) अन्य गैर-चालू देयताएं	22	139.06	152.96
कुल गैर-चालू देयताएं (ख)		20,549.85	20,128.77
चालू देयताएँ			
(क) वित्तीय देयताएं			
(i) उधार	18	0.62	0.64
(ii) पट्टा देयताएँ		-	-
(iii) व्यापार प्राप्त्य	19		
(I) सूक्ष्म और लघु उद्यमों का कुल बकाया देय		1.55	0.18
(II) सूक्ष्म और लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों की कुल बकाया राशि		1,464.88	1,014.13
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	20	2,971.13	2,255.95
(ख) अन्य चालू देयताएं	23	6,761.04	3,636.90
(ग) प्रावधान	21	445.21	452.10
(घ) चालू कर देयताएं (निवल)		-	-
कुल चालू देयताएं (ग)		11,644.43	7,359.90
कुल इक्विटी एवं देयताएं (क+ख+ग)		40,409.83	33,045.42

साथ में दी गई टिप्पणियां 1 से 38 वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

बोर्ड की ओर से

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

कृते लालदास एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
संस्था पंजी. सं. 311147E

ह/-

(सनदी लेखाकार एसएस ब्रह्मा)

साइनेदार
सदस्यता सं. 066706

दिनांक : 10.05.2022

स्थान : भुवनेश्वर

ह/-

संजीव कुमार देबनाथ

महाप्रबंधक (वित्त)

ह/-

(के. आर. वासुदेवन)

निदेशक (वित्त)

DIN : 07915732

ह/-

(एस. परिडा)

कंपनी सचिव

ह/-

(ओपी सिंह)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध -

निदेशक

DIN: 07627471

दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित लाभ-हानि विवरण

		(₹ करोड़ में)	
	टिप्पणी संख्या	दिनांक के	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
संचालन से राजस्व			
क. बिक्री (सांविधिक लेवी का शुद्ध)	24	19,165.50	14,474.08
ख. अन्य परिचालन राजस्व (सांविधिक लेवी का शुद्ध)		2,646.69	2,018.25
(I) संचालन से राजस्व (क + ख)		21,812.19	16,492.33
(II) अन्य आय	25	1,153.92	1,021.46
(III) कुल आय (I+II)		22,966.11	17,513.79
(IV) व्यय			
उपभोग की गई सामग्री की लागत	26	992.07	705.87
बिक्री के लिए माल की खरीद		103.56	282.34
तैयार माल के वस्तुसूची में परिवर्तन / कार्य में प्रगति और व्यापार में स्टॉक	27	181.53	(294.23)
कर्मचारी लाभ व्यय	28	3,620.29	3,188.61
बिजली व्यय		163.27	153.30
निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय	29	181.62	168.44
मरम्मत	30	172.22	169.11
संविदात्मक व्यय	31	4,528.98	3,370.67
वित्तीय लागत	32	61.13	68.38
मूल्यहास / परिशोधन / हानि व्यय		723.86	583.41
प्रावधान	33	6.67	63.10
बढ़ते खाते में डालना	34	11.50	-
स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन		(289.29)	(1,059.17)
अन्य व्यय	35	1,077.69	799.36
कुल व्यय (IV)		11,535.10	8,199.19
(V) संयुक्त उद्यम / सहयोगी के लाभ/ (हानि) के शेयर से पूर्व लाभ (III-IV)		11,431.01	9,314.60
(VI) संयुक्त उद्यम/सहयोगी के लाभ/(हानि) का शेयर			
(VI) असाधारण मद्दे		-	-
(VII) कर पूर्व लाभ (V+VI)		11,431.01	9,314.60
(VIII) कर व्यय	36		
चालू कर		2,972.32	2,292.97
आस्थगित कर		9.89	151.90
कुल कर व्यय (VIII)		2,982.21	2,444.87
(IX) सतत संचालन से अवधि के लिए लाभ (VII-VIII)		8,448.80	6,869.73
(X) बंद परिचालन से लाभ/(हानि)		-	-
(XI) बंद परिचालन का कर व्यय		-	-
(XII) बंद परिचालन से लाभ/(हानि) (कर पश्चात) (X-XI)		-	-
(XIII) अवधि के लिए लाभ (IX+X+XI+XII)		8,448.80	6,869.73

दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित लाभ-हानि विवरण

		(₹ करोड़ में)	
	टिप्पणी संख्या	दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
(XIV) अन्य व्यापक आय			
क (i) मदे जिन्हें लाभ या हानि में पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा	37	(1.32)	(50.00)
(ii) उन मदों से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		0.33	12.58
ख (i) मदे, जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा		-	-
(ii) उन मदों से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा		-	-
(XV) कुल अन्य व्यापक आय		(0.99)	(37.42)
(XVI) वर्ष के लिए कुल व्यापक आय (XIV + XV) (जिनमें अवधि के लिए लाभ (हानि) और अन्य व्यापक आय शामिल हैं)		8,447.81	6,832.31
लाभ का कारण:			
कंपनी के मालिक		8,448.51	6,869.69
अनियंत्रित व्याज		0.29	0.04
		8,448.80	6,869.73
अन्य व्यापक आय का कारण :			
कंपनी के मालिक		(0.99)	(37.42)
अनियंत्रित व्याज		-	-
		(0.99)	(37.42)
कुल व्यापक आय का कारण :			
कंपनी के मालिक		8,447.52	6,832.27
अनियंत्रित व्याज		0.29	0.04
		8,447.81	6,832.31
(XVII) प्रति इक्विटी शेयर आय (जारी संचालन के लिए) :			
(1) मूलभूत		12,763.76	10,327.22
(2) तरलीकृत		12,763.76	10,327.22
(XVIII) प्रति इक्विटी शेयर आय (बंद परिचालन के लिए) :			
(1) मूलभूत		-	-
(2) तरलीकृत		-	-
(XIX) प्रति इक्विटी शेयर आय (बंद और सतत संचालन के लिए) :			
(1) मूलभूत		12,763.76	10,327.22
(2) तरलीकृत		12,763.76	10,327.22

साथ में दी गई टिप्पणियां 1 से 38 वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

बोर्ड की ओर से

कृते लालदास एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
संस्था पंजी. सं. 311147E
ह/-

(सनदी लेखाकार एसएस ब्रह्मा)

साझेदार
सदस्यता सं. 066706

दिनांक : 10.05.2022

स्थान : भुवनेश्वर

ह/-
संजीव कुमार देबनाथ
महाप्रबंधक (वित्त)

ह/-
(के. आर. वासुदेवन)

निदेशक (वित्त)

DIN : 07915732

ह/-
(एस. परिडा)
कंपनी सचिव

ह/-
(ओपी सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध -

निदेशक

DIN: 07627471

समेकित नगद प्रवाह का विवरण

(₹ करोड़ में)

		दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रचालन गतिविधियों से नगद प्रवाह:			
कर पूर्व लाभ		11,431.01	9,314.60
के लिए समायोजन :			
संयुक्त उद्यम/सहयोगी के लाभ/(हानि) का शेयर		-	-
मूल्यहास, परिशोधन और हानि व्यय		723.86	583.41
निवेश से आय		(650.92)	(747.91)
लाभांश आय		-	(0.01)
उचित मूल्य परिवर्तन		(41.87)	(6.21)
वित्तीय लागत		61.13	68.38
संपत्ति की बिक्री पर लाभ/ (हानि)		(2.76)	(0.17)
दायित्व और प्रावधान वापस लिखा गया		(159.50)	(147.36)
बटुटे खाते डालना		11.42	-
व्यापार प्राप्ति के लिए भत्ता		-	45.40
अन्य प्रावधान		6.67	17.70
स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन		(289.29)	(1,059.17)
चालू/गैर चालू आस्तियों और देयताओं से पहले परिचालन लाभ		11,089.75	8,068.66
के लिए समायोजन :			
व्यापार प्राप्य (प्रावधान का शुद्ध)		251.73	30.44
वस्तु सूची		115.32	(309.90)
ऋण और अग्रिम तथा अन्य वित्तीय संपत्ति		(449.64)	246.99
वित्तीय और अन्य देयताएं		3,811.16	561.17
व्यापार देय		452.12	604.87
प्रचालन से उत्पन्न नकद		15,270.45	9,202.23
आयकर (भुगतान किया गया)/ धनवापसी		(2,767.00)	(2,383.86)
परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह	(क)	12,503.45	6,818.37
निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह			
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की खरीद		(3,067.34)	(2,269.96)
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण से बिक्री आय		6.18	1.28
अन्वेषण और मूल्यांकन संपत्ति में परिवर्तन		35.91	(13.06)
बैंक जमा में आय/(निवेश)		(4,659.84)	5,016.40
म्युचुअल फंड, बांड आदि में आय / (निवेश)		(354.88)	(2,740.61)
निवेश से व्याज		555.84	1,035.85
म्युचुअल फंड से व्याज / लाभांश		83.41	36.42
निवेश गतिविधियों से शुद्ध नकद	(ख)	(7,400.72)	1,066.32

समेकित नगद प्रवाह का विवरण जारी...

(₹ करोड़ में)

		दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाह			
उधार में पुनर्भुगतान / वृद्धि		(0.73)	(1,706.26)
वित्तीय गतिविधियों से संबंधित ब्याज और वित्त लागत		(0.05)	(11.77)
इक्विटी शेयरों पर लाभांश		(5,800.00)	(5,225.00)
वित्तीय गतिविधियों से शुद्ध नकद	(ग)	(5,800.79)	(6,943.03)
नकद और नकद समकक्ष (ए + बी + सी) में शुद्ध वृद्धि / (कमी)		(698.05)	941.66
वर्ष की शुरुआत में नकद और नकद समकक्ष		1,093.14	151.48
अवधि के अंत में नकद और नकद समकक्ष		395.09	1,093.14
नकद और नकद समकक्षों का समाधान (टिप्पणी-14)			
नकद और नकद समकक्ष (बैंक ओवरड्राफ्ट का शुद्ध)		395.09	1,093.14
नकद और नकद समकक्ष (नकद और नकद समकक्ष के घटकों के लिए टिप्पणी- 14 देखें)		395.09	1,093.14
बैंक ओवरड्राफ्ट (टिप्पणी-18) से		-	-

(कोष्ठक में दिए गए सभी आंकड़े बहिर्वाह को दर्शाते हैं।)

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

बोर्ड की ओर से

कृते लालदास एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
संस्था पंजी. सं. 311147E
ह/-

(सनदी लेखाकार एसएस ब्रह्मा)

साझेदार
सदस्यता सं. 066706

दिनांक : 10.05.2022

स्थान : भुवनेश्वर

ह/-
संजीव कुमार देबनाथ
महाप्रबंधक (वित्त)

ह/-
(के. आर. वासुदेवन)

निदेशक (वित्त)

DIN : 07915732

ह/-
(एस. परिडा)
कंपनी सचिव

ह/-
(ओपी सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध -
निदेशक
DIN: 07627471

दिनांक 31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए इक्विटी में परिवर्तन का विवरण

क इक्विटी शेयर पूंजी

31 मार्च 2022

(₹ करोड़ में)

	01-04-2021 तक शेष	पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	दिनांक 01.04.2021 तक पुनःवर्णित शेष	चालू अवधि के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	दिनांक 31.03.2022 तक
विवरण					
पूर्ण भुगतान किए गए प्रति ₹. 1000 के 66,18,363 इक्विटी शेयर	661.84	-	661.84	-	661.84

31 मार्च 2021 तक

(₹ करोड़ में)

	01-04-2020 तक शेष	पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	01-04-2020 तक शेष	चालू अवधि के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	31.03.2021 तक शेष
विवरण					
पूर्ण भुगतान किए गए प्रति ₹. 1000 के 66,18,363 इक्विटी शेयर	661.84	-	661.84	-	661.84

ख.अन्य इक्विटी

विवरण	पूँजी प्रतिदान रिजर्व	सामान्य रिजर्व	प्रतिधारित आय	परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्माप (कर का नियम)- (ओसीआई)	कुल
दिनांक 01.04.2021 तक शेष	44.29	2,612.29	2,278.75	(97.50)	4,837.83
अवधि के लिए कुल व्यापक आय	-	-	8,448.51	(0.99)	8,447.52
अन्तरिम लाभांश	-	-	(5,000.00)	-	(5,000.00)
वित्तीय वर्ष 20-21 के अन्तरिम लाभांश	-	-	(800.00)	-	(800.00)
सामान्य रिजर्व को/से अंतरण	-	424.03	(424.03)	-	-
अवधि के दौरान संयोजन	-	-	(0.06)	-	(0.06)
31.03.2022 तक शेष	44.29	3,036.32	4,503.17	-98.49	7,485.29

विवरण	पूँजी प्रतिदान रिजर्व	सामान्य रिजर्व	प्रतिधारित आय	परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्माप (कर का नियम)- (ओसीआई)	कुल
01.04.2020 तक शेष	44.29	2,268.67	977.68	(60.08)	3,230.56
अवधि के लिए कुल व्यापक आय	-	-	6,869.69	(37.42)	6,832.27
अन्तरिम लाभांश	-	-	(5,225.00)	-	(5,225.00)
अन्तिम लाभांश	-	-	-	-	-
सामान्य रिजर्व को/से अंतरण	-	343.62	(343.62)	-	-
अवधि के दौरान संयोजन	-	-	-	-	-
31.03.2021 तक शेष	44.29	2,612.29	2,278.75	-97.50	4,837.83

**वर्ष के दौरान लाभ में म्यूचुअल फंड में निवेश में उचित मूल्य परिवर्तन शामिल हैं जो प्रकृति में कार्पनिक / अप्राप्त हैं और लाभांश के वितरण के लिए उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे लाभ का विवरण नीचे दिया गया है:

	₹ करोड़
01.04.2020 तक शेष	0.00
वर्ष 2020-21 के दौरान योग	6.21
31.03.2021 तक शेष	6.21
वर्ष 2021-22 के दौरान योग	41.87
31.03.2021 तक शेष	48.08

पूँजी प्रतिदान रिजर्व का विवरण

विवरण	राशि (₹ करोड़ में)	अर्थ
इक्विटी शेयर का बायबैक	44.29	वित्तीय वर्ष 2018-19
कुल	44.29	

कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार पूंजी प्रतिदान रिजर्व में शेष राशि का उपयोग किया जाएगा।

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

बोर्ड की ओर से

कृते लालदास एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
संस्था पंजी. सं. 311147E

ह/-

(सनदी लेखाकार एसएस ब्रह्मा)

साझेदार
सदस्यता सं. 066706

दिनांक : 10.05.2022

स्थान : भुवनेश्वर

ह/-

संजीव कुमार देबनाथ

महाप्रबंधक (वित्त)

ह/-

(के. आर. वासुदेवन)

निदेशक (वित्त)

DIN : 07915732

ह/-

(एस. परिडा)

कंपनी सचिव

ह/-

(ओपी सिंह)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध -

निदेशक

DIN: 07627471

वित्तीय विवरणी के लिए टिप्पणी (समेकित)

टिप्पणी: 1 कॉर्पोरेट जानकारी

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, एक मिनी रत्न कंपनी है, जिसका मुख्यालय संबलपुर ओडिशा में स्थित है, जिसे 3 अप्रैल 1992 को कोल इंडिया लिमिटेड की 100% अनुषंगी कंपनी के रूप में शामिल किया गया था जिसमें ओडिशा राज्य में स्थित खानों में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की संपत्ति एवं देयताएं शामिल थी।

कंपनी मुख्य रूप से कोयले का खनन और उत्पादन करती है। कंपनी के प्रमुख उपभोक्ता ऊर्जा और इस्पात क्षेत्र हैं अन्य क्षेत्रों के उपभोक्ताओं में सीमेंट, उर्वरक, ईट-भट्ठे आदि सम्मिलित हैं।

टिप्पणी 2: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

2.1 वित्तीय विवरणों की तैयारी का आधार

i. कंपनी के वित्तीय विवरण (एमसीएल समेकित) कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") (भारतीय लेखांकन मानक) नियमावली, 2015 की धारा 133 के तहत अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानक के अनुसार तैयार किए गए हैं।

ii. वित्तीय विवरण को ऐतिहासिक अंकन लागत के आधार पर तैयार किया गया है, सिवाय इसके कि

- उचित वित्तीय आस्ति और देयताओं को उचित मूल्य पर मापा जाता है (अनुच्छेद 2.15 में वित्तीय साधनों पर लेखांकन नीति देखें)
- परिभाषित लाभ योजना को आस्ति योजना के उचित मूल्य पर मापा जाता है।
- वस्तु सूची पर लागत या एनआरवी, इनमें से जो भी कम हो (अनुच्छेद 2.21 में वर्णित लेखांकन नीति का अवलोकन करें)।

2.1.1 पूर्ण अंकों में राशि

इन वित्तीय विवरणों में राशि जब तक कि अन्यथा अपेक्षित न हो तब तक ₹ करोड़ में" दो दशमलव अंको तक राउंड ऑफ किए जाएंगे।

2.2 समेकन का आधार

2.2.1 अनुषंगियां

अनुषंगी कंपनियां वे संस्थाएं हैं जिन पर कंपनी का नियंत्रण है। एक इकाई पर कंपनी तब तक नियंत्रण करता है, जब तक कंपनी को इकाई के साथ अपनी भागीदारी से परिवर्तनीय लाभ हो या लाभ पर इनका अधिकार हो तथा इकाई की गतिविधियों को निर्देशित कर उन लाभों को प्रभावित करने की क्षमता हो। कंपनी को नियंत्रण हस्तांतरित होने की तिथि से इसकी अनुषंगियों को समेकित किया जाता है। नियंत्रण समाप्त होने की तिथि से उन्हें डिस्कॉन्सॉलिडेट कर दिया जाता है।

कंपनी द्वारा व्यापारिक संयोजन के लिए लेखांकन के अधिग्रहण विधि का उपयोग किया जाता है।

कंपनी आस्ति, देयताओं, इक्विटी, नकदी प्रवाह, आय एवं व्यय की वस्तुओं को शामिल करने के उपरांत मुख्य कंपनी एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों के वित्तीय विवरण को जोड़ती है। इंटर कंपनी लेन-देन, शेष राशि और समूह कंपनियों के बीच लेन-देन पर अप्राप्त अभिलाभ को समाप्त कर दिया जाता है। समूह कंपनियों के मध्य अप्राप्त हानियों को भी समाप्त कर दिया गया है, जब तक अंतरित आस्तियों की क्षति का प्रमाण नहीं मिलता है। सीआईएल के समेकित सभी कंपनियाँ समरूप अंतरण तथा समान परिस्थितियों में घटनाओं के लिए आमतौर पर सीआईएल द्वारा अपनाई गयी नीतियों का पालन करती है। सीआईएल के समेकित एक सहायक कंपनी विशेष के महत्वपूर्ण विचलन के मामलों में सीआईएल के समेकित लेखांकन नीतियों के अनुरूप होने के लिए इस तरह के एक सहायक समूह के वित्तीय विवरण के लिए उचित समायोजन किया जाता है।

अनुषंगियों के परिणामों और इक्विटी में गैर-नियंत्रित हित को पृथक रूप से क्रमशः लाभ एवं हानि विवरण, इक्विटी में बदलाव के समेकित विवरण एवं तुलन-पत्र में दर्शाया गया है।

2.2.2 सहायिकाएँ

सहायक कंपनियाँ वे संस्थाएँ हैं जिन पर कंपनी का महत्वपूर्ण प्रभाव होता है लेकिन उस पर कोई नियंत्रण या संयुक्त नियंत्रण नहीं होता। यह वह मामला है जहां कंपनी के पास 20% से 50% तक का मताधिकार होता है।

लागत के रूप में मान्यता प्राप्त होने के पश्चात सहयोगी कंपनियों में निवेश का लेखा-जोखा लेखांकन की इक्विटी पद्धति का उपयोग कर किया जाता है, जब तक बिक्री के लिए आयोजित निवेश व इसके एक हिस्से को वर्गीकृत नहीं किया जाता है, जिसका लेखा-जोखा भारतीय लेखांकन मानक 105 के अनुरूप किया जाएगा।

कंपनी अपनी सहायक कंपनियों में शुद्ध निवेश को उद्देश्यपूर्ण साक्ष्य के आधार पर कम करती है।

2.2.3 संयुक्त व्यवस्था

संयुक्त व्यवस्था वह व्यवस्था है जहां कंपनी एक या एक से अधिक पार्टियों के साथ संयुक्त नियंत्रण करती है।

संयुक्त नियंत्रण अनुबंध की सहमति से सहमत होने की वह व्यवस्था है, जहां प्रासंगिक गतिविधियों से संबंधित फैसले को साझा करने के लिए पार्टियों के सर्वसम्मत संकल्प की आवश्यकता होती है।

संयुक्त व्यवस्था को संयुक्त अभियान या संयुक्त उद्यम के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वर्गीकरण संयुक्त व्यवस्था के कानूनी ढांचे के बजाए प्रत्येक निवेशक के अनुबंध के अधिकारों और दायित्व पर निर्भर करता है।

2.2.4 संयुक्त संचालन

संयुक्त संचालन वह संयुक्त व्यवस्था है जिसके तहत कंपनी को संपत्ति से संबंधित देयताओं के लिए आस्तियों और देयताओं के अधिकार मिले हैं।

कंपनी आस्तियों, देयताओं, राजस्व और संयुक्त संचालन के खर्चों और उसके किसी भी संयुक्त रूप में आयोजित किए गए आस्तियों, देयताओं, राजस्व और व्ययों का अपना प्रत्यक्ष अधिकार रखती है इसे उचित शीर्षकों के तहत वित्तीय वक्तव्य में शामिल किया गया है।

2.2.5 संयुक्त उद्यम

कंपनी को शुद्ध संपत्ति व्यवस्था के अधिकार प्राप्त हैं।

समेकित तुलन-पत्र में लागत के रूप में मान्यता प्राप्त होने के पश्चात संयुक्त उद्यम में हितों का लेखा-जोखा इक्विटी पद्धति का उपयोग कर किया जाता है।

लागत के रूप में मान्यता प्राप्त होने के पश्चात संयुक्त उद्यम में निवेश का लेखा-जोखा लेखांकन की इक्विटी पद्धति का उपयोग कर किया जाता है, जब तक बिक्री के लिए आयोजित निवेश व इसके एक हिस्से को वर्गीकृत नहीं किया जाता, जिसका लेखा-जोखा भारतीय लेखांकन मानक 105 के अनुरूप किया जाएगा।

कंपनी अपनी संयुक्त उद्यम में शुद्ध निवेश को उद्देश्यपूर्ण साक्ष्य के आधार पर कम करती है।

2.2.6 इक्विटी पद्धति

लेखांकन की इक्विटी पद्धति के तहत निवेश को शुरुआती लागत पर मान्यता प्राप्त है, इसके बाद कंपनी के शेयरों के अधिग्रहण के लाभ व हानि में निवेशक के नुकसान को पहचानने के लिए तथा कंपनी शेयरों के अन्य व्यापक आय में निवेशक के अन्य व्यापक आय को पहचानने के लिए उसका समायोजन किया जाता है। सहयोगियों और संयुक्त उद्यम से प्राप्त या प्राप्त होने वाली लाभांश को निवेश की मात्रा में कमी के रूप में लिया जाता है।

जब कंपनी के इक्विटी शेयर के निवेश में नुकसान, जो इकाई के हितों के बराबर या उससे अधिक हो जाता है , जिसमें किसी अन्य असुरक्षित दीर्घकालिक प्राप्त्य भी शामिल है, तो कंपनी अधिक नुकसान नहीं पहचानती है जब तक कि अन्य इकाई की तरफ से कार्य या भुगतान न किया गया हो।

कंपनी और उसके सहयोगियों एवं संयुक्त उपक्रम के बीच लेन-देन के फायदे इन संस्थाओं में कंपनी के हित की सीमा तक समाप्त हो जाते हैं। अनावृत नुकसान भी समाप्त हो जाते हैं जब तक कि अपनाई गई लेन देन की नीतियों में संपत्ति की हानि का सबूत नहीं मिलता, कंपनी द्वारा अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिए जहां आवश्यक हो वहां निवेशक को ध्यान में रखते हुए इक्विटी की लेखांकन नीतियों में बदलाव किया जाता है।

2.2.7 स्वामित्व के हितों में बदलाव

कंपनी इक्विटी स्वामित्व के साथ लेन देन की प्रक्रिया में होने वाले गैर नियंत्रण हितों के नुकसान को नियंत्रित करती है। स्वामित्व के हितों में बदलाव वर्तमान राशियों के नियंत्रण एवं गैर-नियंत्रण हितों को उनके संबंधित सहायक कंपनियों में दर्शाने हेतु समायोजित करती है। गैर-नियंत्रित हितों की राशि में एवं किसी भुगतान या प्राप्त किए गए उचित मूल्य में किसी भी प्रकार के अंतर को इक्विटी के भीतर स्वीकार किया जाएगा।

जब कंपनी नियंत्रण ,संयुक्त नियंत्रण या महत्वपूर्ण प्रभाव के नुकसान के कारण एक निवेश हेतु समेकित या इक्विटी खाते को समाप्त करती है तो किसी भी इक्विटी में बनाए गए हित लाभ व हानि में स्वीकार किए गए वर्तमान राशि में बदलाव सहित उसके उचित मूल्य पर पुनः मापे जाते हैं। यह उचित मूल्य सहयोगी कंपनी ,संयुक्त उद्यम व वित्तीय संपत्ति के बनाए गए हित के रूप में लेखांकन प्रयोजन हेतु वर्तमान राशि होंगे। इसके अलावा उस इकाई के संबंध में अन्य व्यापक आय में पहले से स्वीकृत राशि का विवरण दिया जाता है जैसे कि कंपनी में संबंधित संपत्ति या देयताओं का सीधे निपटारा किया गया है। इसका मतलब यह हो सकता है कि अन्य व्यापक व्यय में पहले से स्वीकृत राशियों का लाभ व हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत किया गया है।

यदि संयुक्त उद्यम व सहयोगी कंपनी में स्वामित्व हित कम है परंतु संयुक्त नियंत्रण व महत्वपूर्ण प्रभाव बने हुए हैं तो केवल अन्य व्यापक व्यय में पहले से स्वीकृत राशि का समानुपात शेयर हानि व लाभ में जहां आवश्यक हो वर्गीकृत किया जाएगा।

2.3 चालू एवं गैर-चालू वर्गीकरण

कंपनी अपने तुलन-पत्र में चालू/ गैर-चालू वर्गीकरण के आधार पर आस्तियों एवं देयताओं को प्रस्तुत करती है। कंपनी द्वारा किसी आस्ति को चालू तब माना जाता है जब,

क. यह सामान्य परिचालन चक्र में आस्तियों की वसूली अथवा बिक्री अथवा इसके उपभोग की इच्छा रखती है।;

ख. यह आस्ति को मुख्य तौर पर व्यापार के उद्देश्य के लिए रखती है;

ग. यह रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीने के भीतर आस्ति के वसूली की अपेक्षा रखती है; अथवा

घ. आस्ति नकद व नकद समकक्ष (लेखांकन नीति 7 में यथा-परिभाषित) रूप में तब तक रहती है जब तक आस्ति को रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए विनिमय किए जाने या देयता के निपटान के लिए उपयोग किए जाने पर प्रतिबंध न लगा दिया गया हो। अन्य सभी आस्तियों को गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

कंपनी के द्वारा किसी देयता को चालू के रूप में तब माना जाता है जब:

(क) यह अपने सामान्य परिचालन चक्र में देयता के निपटान की अपेक्षा रखती है।;

(ख) इसकी देयता मुख्य तौर पर व्यापार के लिए होती है।;

(ग) रिपोर्टिंग अवधि के 12 माह के भीतर बकाये देयता का निपटान किया जाना है; अथवा

(घ) रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम 12 माह के लिए देयता के निपटान को आस्थगित करने का कोई शर्तहीन अधिकार इसके पास नहीं है। प्रतिरूप के विकल्प पर किसी देयता के जो नियम इक्विटी-विपत्रों को जारी करके इसके निपटान के फलस्वरूप हो सकते थे, वे इसके वर्गीकरण को प्रभावित नहीं करते हैं।

अन्य सभी देयताओं को गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

2.4 राजस्व स्वीकृति

ग्राहकों के साथ अनुबंध से प्राप्त राजस्व

ग्राहकों के साथ अनुबंधों से प्राप्त राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब वस्तुओं या सेवाओं का नियंत्रण ग्राहक को उस राशि पर हस्तांतरित किया जाता है जो उस प्रतिफल को दर्शाता है जिसके लिए कंपनी उन वस्तुओं या सेवाओं के बदले हकदार होने की अपेक्षा करती है। कंपनी ने आमतौर पर यह निष्कर्ष निकाला है कि यह अपनी राजस्व व्यवस्था में प्रमुख है क्योंकि यह आमतौर पर ग्राहकों को स्थानांतरित करने से पहले वस्तुओं या सेवाओं को नियंत्रित करता है।

निम्नलिखित पाँच चरणों का उपयोग करते हुये भारतीय लेखांकन मानक 115 के सिद्धांतों को लागू किया जाता है:

चरण 1: अनुबंध की पहचान:

कंपनी किसी ग्राहक के साथ अनुबंध तभी करती है जब निम्नलिखित सभी मानदंड पूरे होते हैं:

- क. अनुबंध के पक्षकारों को अनुबंध को स्वीकार करना होता है और वे अपने संबंधित दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं;
- ख. कंपनी स्थानांतरित किए जाने वाले वस्तु या सेवाओं से संबंधित प्रत्येक पार्टी के अधिकारों की पहचान कर सकती है;
- ग. कंपनी हस्तांतरित की जाने वाली वस्तुओं या सेवाओं के लिए भुगतान की शर्तों की पहचान कर सकती है;
- घ. अनुबंध में वाणिज्यिक विषय वस्तु है (अर्थात् कंपनी के भविष्य के नकदी प्रवाह का जोखिम, समय या राशि अनुबंध के परिणामस्वरूप बदलने की उम्मीद है); तथा
- ङ. यह संभव है कि कंपनी उस पर विचार करेगी जिसके लिए वह ग्राहक को हस्तांतरित की जाने वाली वस्तुओं या सेवाओं हेतु विनिमय के लिए हकदार होगा। तय की गई राशि जिस पर कंपनी हकदार होगी, वह अनुबंध में निर्दिष्ट कीमत से कम हो सकती है, यदि तय की गई राशि परिवर्तनशील है क्योंकि कंपनी ग्राहक को मूल्य रियायत, बट्टा, छूट, धन वापसी, क्रेडिट की पेशकश कर सकती है या प्रोत्साहन, प्रदर्शन बोनस, या इसी तरह पारितोषिक प्रदान किए जा सकते हैं।

अनुबंधों का संयोजन

कंपनी दो या दो से अधिक अनुबंधों को समेकित करती है यदि एक ही ग्राहक द्वारा एक ही समय में या एक ही समय के आस-पास अनुबंध दाखिल की जाती है (या ग्राहक के संबंधित पक्षों) और अनुबंध एक एकल अनुबंध के रूप में मान्य होगा, यदि निम्न में से एक या अधिक मानदंडों को पूरा किया जाता है।

- क. एकल वाणिज्यिक उद्देश्य के साथ एक मुश्त में अनुबंध तय की जा सकती है;
- ख. अनुबंध में भुगतान किए जाने वाले तय राशि दूसरे अनुबंध के निष्पादन या कीमत पर निर्भर करती है; या
- ग. अनुबंध में तय किए गए वस्तु या सेवाएँ (या प्रत्येक अनुबंध में तय किए गए कुछ वस्तु या सेवाएँ) एकल कार्य निष्पादन दायित्व हैं।

अनुबंध संशोधन

कंपनी एक अलग अनुबंध के रूप में अनुबंध संशोधन के लिए उत्तरदायी है यदि निम्न दोनों स्थितियाँ मौजूद हैं:

- क. अनुबंध की गुंजाइश बढ़ जाती है क्योंकि तय किए गए वस्तुओं या सेवाओं से यदि वे अलग हों,
- ख. अनुबंध की कीमत तय की गई कीमत से बढ़ सकती है यह कंपनी की स्टैंड-अलोन अतिरिक्त तय की गई वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री मूल्यों और उस मूल्य के कोई उपयुक्त समायोजन जो विशेष अनुबंध के परिस्थितियों को दर्शाता हो।

चरण2: कार्यनिष्पादन दायित्वों की पहचान

अनुबंध की शुरुआत में, कंपनी एक ग्राहक के साथ अनुबंध में तय किए गए सामान या सेवाओं का आकलन करती है और ग्राहक को हस्तांतरित करने के प्रत्येक वादे को एक प्रदर्शन दायित्व के रूप में पहचानती है।

क. वस्तुओं या सेवाओं (वस्तुओं या सेवाओं का एक समूह) जो अलग हैं; या

ख. विशिष्ट वस्तुओं या सेवाओं की एक श्रृंखला जो काफी हद तक समान हैं और जिनका ग्राहक को हस्तांतरण का समान पैटर्न है।

चरण 3: लेन-देन मूल्य का निर्धारण

कंपनी लेन-देन की कीमत निर्धारित करने के लिए अनुबंध की शर्तों और इसकी प्रथागत व्यावसायिक कार्यों पर विचार करती है। लेन-देन का मूल्य तय की गई वह राशि है, जिसके संबंध में कंपनी आशा करती है कि वह तीसरे पक्ष की ओर से एकत्र की गई राशियों को छोड़कर, किसी ग्राहक को प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं को हस्तांतरित करने हेतु विनिमय के लिए हकदार होगी। एक ग्राहक के साथ एक अनुबंध में तय किए गए प्रतिबद्धता में नियत राशि, परिवर्तनीय राशि या दोनों शामिल हो सकते हैं।

लेन-देन की कीमत के निर्धारण के समय, एक कंपनी निम्नलिखित सभी प्रभावों पर विचार करती है:

- परिवर्तनीय स्वीकार्यता;
- परिवर्तनीय निर्णय के आकलन;
- महत्वपूर्ण वित्त पोषण घटक का अस्तित्व;
- गैर-नकद प्रतिफल;
- ग्राहक को देय प्रतिफल

बट्टा, छूट, प्रतिदाय, क्रेडिट, मूल्य रियायतें, प्रोत्साहन, प्रदर्शन बोनस, या अन्य समान पारितोषकों के कारण तय की गई राशि भिन्न हो सकती है। यदि कंपनी भविष्य में होने वाली घटना के होने या न होने पर विचार करती है तो प्रतिबद्ध निर्णय भी भिन्न हो सकता है।

कुछ अनुबंधों में, दंड निर्दिष्ट हैं। ऐसे मामलों में, अनुबंध के सारांश के अनुसार दंड की गणना की जाती है। जहां लेन-देन के मूल्य के निर्धारण में जुर्माना निहित है, यह परिवर्तनीय निर्णय का हिस्सा है।

कंपनी लेन-देन की कीमत में अनुमानित परिवर्तनीय प्रतिफल की कुछ या सभी राशि को केवल उस सीमा तक शामिल करती है, जिसकी अत्यधिक संभावना है कि मान्यता प्राप्त संचयी राजस्व की राशि में एक महत्वपूर्ण उलट फेर तब नहीं होगा जब परिवर्तनशील प्रतिफल से जुड़ी अनिश्चितता बाद में हो।

कंपनी एक महत्वपूर्ण वित्त पोषण घटक के प्रभावों के लिए तय की गई प्रतिबद्ध राशि को समायोजित नहीं करती है यदि वह अनुबंध की आरंभ में अपेक्षा करता है, कि उस अवधि के दौरान जब वह ग्राहक को प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाएं हस्तांतरित करता है और जब ग्राहक उस वस्तु या सेवा के लिए भुगतान करता है, तो वह अवधि एक वर्ष या उससे कम की हो।

कंपनी प्रतिदाय दायित्व को स्वीकार करती है यदि कंपनी ग्राहक से भुगतान प्राप्त करती है और कंपनी ग्राहक को उस भुगतान के कुछ या पूर्ण प्रतिदाय की उम्मीद करती है। प्रतिदाय दायित्व को प्राप्त भुगतान (या प्राप्त) की उस राशि के आधार पर तय किया जाता है, जिसके लिए कंपनी स्वत्वाधिकारी की उम्मीद नहीं करती है (यानी लेन-देन मूल्य में शामिल नहीं की गई राशि) प्रतिदाय दायित्व (और लेन-देन मूल्य में संगत परिवर्तन और, इसलिए, अनुबंध दायित्व) को परिस्थितियों में बदलाव के लिए प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अद्यतन किया जाता है।

अनुबंध की प्रारंभ होने के बाद, लेन-देन की कीमत विभिन्न कारणों से बदल सकती है, जिसमें अनिश्चित घटनाओं का समाधान या परिस्थितियों में अन्य परिवर्तन शामिल हैं जो उस भुगतान की राशि को बदल सकती है, जिसके लिए कंपनी प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं के लिए विनिमय में हकदार होने की उम्मीद करती है।

चरण 4: लेन-देन मूल्य का आवंटन:

लेन-देन मूल्य का आवंटन करते समय कंपनी का उद्देश्य कंपनी के लिए प्रत्येक कार्यनिष्पादन दायित्व (या अलग-अलग वस्तुओं या सेवा) के लिए उस राशि पर लेन-देन मूल्य आवंटित करना है जो इस में कंपनी को ग्राहक को दिए गए माल या सेवाओं को हस्तांतरित करने के लिए विनिमय में कंपनी द्वारा अपेक्षित हकदार होने की भुगतान की गई राशि को प्रदर्शित करती है।

संबंधित स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्य आधार पर प्रत्येक कार्यनिष्पादन दायित्व के लिए लेन-देन मूल्य आवंटित करने के लिए कंपनी अनुबंध में प्रत्येक कार्यनिष्पादन बाध्यता के आधार पर अलग वस्तुओं या सेवाओं के अनुबंध के प्रारंभ पर स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्य निर्धारित करती है और उन स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्यों के अनुपात में लेन-देन मूल्य आवंटित करती है।

चरण 5: राजस्व को दर्शाना:

कंपनी राजस्व को तब दर्शाती है जब (या जैसे) कंपनी ग्राहक को प्रतिबद्ध माल या सेवाओं को अंतरित करके निष्पादन बाध्यता को पूरा करती है। वस्तु या सेवा तब हस्तांतरित की जाती है जब (या जैसे) ग्राहक उस वस्तु या सेवा का नियंत्रण प्राप्त कर लेता है।

कंपनी समय पर माल या सेवा का नियंत्रण हस्तांतरित करती है, और इसलिए, कंपनी समय पर कार्यनिष्पादन बाध्यता को पूरा करती है और राजस्व को मान्यता देती है, यदि निम्न मानदंडों में से एक को पूरा किया जाता है:

- क. ग्राहक कंपनी के साथ-साथ कंपनी के निष्पादन द्वारा प्राप्त लाभों को प्राप्त करता है और उनका उपभोग करता है, जैसा कि कंपनी प्रदर्शन करती है;
- ख. कंपनी का निष्पादन संपत्ति सृजित करता है या बढ़ाता है और जितनी संपत्ति सृजित या बढ़ाई जाती है, उतना ही ग्राहक उसे संपत्ति के रूप में नियंत्रित करता है।

ग. कंपनी का कार्यनिष्पादन कंपनी के लिए एक वैकल्पिक उपयोग के साथ आस्ति सृजित नहीं करती है तो कंपनी को अब तक के निष्पादन के लिए भुगतान का प्रवर्तनीय अधिकार है।

समय के साथ संतुष्ट प्रत्येक कार्यप्रदर्शन दायित्व के लिए, कंपनी उस प्रदर्शन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में प्रगति को मापकर समय के साथ राजस्व को पहचानती है।

कंपनी समय के साथ संतुष्ट प्रत्येक प्रदर्शन दायित्व के लिए प्रगति को मापने का एक ही तरीका लागू करती है और कंपनी उस पद्धति को समान प्रदर्शन दायित्वों और समान परिस्थितियों में लगातार लागू करती है। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, कंपनी समय के साथ संतुष्ट एक कार्यनिष्पादन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में अपनी प्रगति को फिर से मापती है।

कंपनी अनुबंध के तहत वादा किए गए शेष वस्तुओं या सेवाओं के सापेक्ष तिथि को हस्तांतरित वस्तुओं या सेवाओं के मूल्य के प्रत्यक्ष माप के आधार पर राजस्व को पहचानने के लिए आउटपुट विधियों को लागू करती है। आउटपुट विधियों में ऐसे तरीके शामिल हैं जैसे कि आज तक पूर्ण किए गए प्रदर्शन के सर्वेक्षण, प्राप्त परिणामों का मूल्यांकन, प्राप्त उपलब्धि, व्यतीत समय और उत्पादित इकाइयाँ या सुपुर्द इकाइयाँ।

जैसे-जैसे समय के साथ परिस्थितियाँ बदलती हैं, कंपनी निष्पादन बाध्यता के परिणाम में किसी भी बदलाव को दर्शाने की प्रगति के अपने उपाय को अद्यतन करती है। कंपनी की प्रगति के आंकलन में इस तरह के बदलावों को भारतीय लेखांकन मानक 8, लेखांकन नीतियों, लेखांकन अनुमानों और त्रुटियों में परिवर्तन के अनुसार लेखांकन अनुमान में परिवर्तन के रूप में जाना जाता है।

कंपनी सिर्फ समय पर पूर्ण निष्पादन बाध्यता के लिए राजस्व को मान्यता देती है, यदि जब कंपनी निष्पादन बाध्यता की पूर्ण समाधान के लिए अपनी प्रगति का आंकलन यथोचित रूप से करती है। जब (या जैसे) निष्पादन बाध्यता पूरा हो जाता है, तो कंपनी लेन-देन मूल्य की राशि को राजस्व के रूप में मान्यता देती है जो कि परिवर्तनीय भुगतान के अनुमानों को शामिल नहीं करता है जो उस कार्यनिष्पादन बाध्यता के लिए आवंटित होता है।

यदि कार्यनिष्पादन कर्तव्य समय पर पूरा नहीं हो, तो कंपनी एक निर्धारित समय में कार्यनिष्पादन पूरा करती है। उस समय को निर्धारित करने के लिए, जिस पर ग्राहक प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं पर नियंत्रण प्राप्त करता है और कंपनी कार्यनिष्पादन बाध्यता को पूरा करती है, कंपनी नियंत्रण हस्तांतरण के संकेतकों को तय करती है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं, लेकिन यहाँ तक सीमित नहीं हैं:

- क. कंपनी के पास माल या सेवा के भुगतान का अधिकार होता है;
- ख. ग्राहक के पास माल या सेवा का कानूनी हक होता है;
- ग. कंपनी ने वस्तु या सेवा के भौतिक कब्जे को स्थानांतरित कर दिया है;
- घ. ग्राहक के पास महत्वपूर्ण जोखिम और माल या सेवा का स्वामित्व होता है।
- ड. ग्राहक ने माल या सेवा को स्वीकार कर लिया है।

जब अनुबंध के किसी भी पक्ष ने कार्यनिष्पादन किया है, तो कंपनी, कंपनी के कार्यनिष्पादन और ग्राहक के भुगतान के बीच संबंधों के आधार पर अनुबंध को अनुबंध संपत्ति या अनुबंध देयता के रूप में तुलन-पत्र में प्रस्तुत करती है। कंपनी प्राप्य के रूप में अलग से विचार करने के लिए कोई भी बिना शर्त अधिकार प्रस्तुत करती है।

अनुबंध आस्ति:

एक अनुबंध संपत्ति, ग्राहक को हस्तांतरित वस्तुओं या सेवाओं के बदले में, निर्णय का अधिकार है। यदि कंपनी ग्राहक पर विचार करने से पहले या भुगतान देय होने से पहले किसी वस्तु या सेवाओं को किसी ग्राहक को हस्तांतरित करती है, तो अनुबंध आस्ति अर्जित निर्णय के लिए मान्यता प्राप्त है जो सशर्त है।

व्यापार प्राप्य:

एक प्राप्य कंपनी के अधिकार का प्रतिनिधित्व करता है जो बिना शर्त है (यानी, विचार के भुगतान से पहले केवल समय बीतने की आवश्यकता है)।

अनुबंध देयताएं:

अनुबंध देयता ग्राहक को वस्तुओं या सेवाओं को स्थानांतरित करने का दायित्व रखती है जिससे कंपनी को ग्राहक के विचार (या विचार की राशि देय है) प्राप्त होते हैं। ग्राहक के विचार करने से पूर्व कंपनी ग्राहक को वस्तुओं या सेवाओं को हस्तांतरित करती है, जब भुगतान किया जाता है या देय (जो भी पहले हो) तब अनुबंध देयता को दर्शाया जाता है।

ब्याज

भुगतान प्राप्त करने के अधिकार स्थापित होने पर निवेश से लाभांश आय को दर्शाया जाता है।

लाभांश

भुगतान प्राप्त करने के अधिकार स्थापित होने पर निवेश से लाभांश आय को दर्शाया जाता है।

अन्य दावे

अन्य दावों (ग्राहकों से विलंबित ब्याज पर प्राप्ति) की गणना तब कि जाती है, जब प्राप्ति की निश्चितता होती है तथा विश्वसनीय रूप से मापन किया जा सकता है।

2.5 सरकार से अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब तक मान्यता नहीं दी जाती है जब तक कि उचित आश्वासन न हो कि कंपनी उनसे जुड़ी शर्तों का पालन करेगी और उचित निश्चितता है कि अनुदान प्राप्त होगा।

सरकारी अनुदान को लाभ और हानि के विवरण में व्यवस्थित आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसमें कंपनी संबंधित लागतों को खर्च के रूप में मान्यता देती है जिससे अनुदान की क्षतिपूर्ति की जाती है।

आस्तियों से संबंधित सरकारी अनुदानों को आस्थगित आय के रूप में अनुदान की स्थापना करके तुलन पत्र में प्रस्तुत किया जाता है और परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन पर व्यवस्थित आधार पर लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है।

आय से संबंधित अनुदान (यानी संपत्ति के अलावा अन्य अनुदान) सामान्य शीर्षक अन्य आय' के तहत लाभ या हानि के विवरण के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

एक सरकारी अनुदान/सहायता जो पहले से किए गए खर्चों या हानियों के मुआवजे के रूप में या भविष्य से संबंधित लागतों के बिना कंपनी को तत्काल वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से प्राप्य हो जाती है, को उस अवधि के लाभ या हानि में मान्यता दी जाती है जिसमें यह प्राप्य हो जाता है।

सरकार अनुदान या संवर्धक योगदान की प्रकृति में सीधे "कैपिटल रिजर्व" में दी गई है जो "शेयर धारकों के फंड" का हिस्सा है।

2.6 पट्टे

यदि एक अनुबंध विचार के बदले में समय की अवधि के लिए किसी पहचाने गयी आस्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देता है, तो वह अनुबंध पट्टा है, या पट्टे को सम्मिलित करता है।

2.6.1 पट्टेदार के रूप में कंपनी

प्रारंभ तिथि पर, एक पट्टेदार लागत पर उपयोग के अधिकार की संपत्ति और पट्टे के भुगतान के वर्तमान मूल्य पर एक पट्टा देयता को मान्यता देगा जो उस तिथि पर सभी पट्टों के लिए भुगतान नहीं किया जाता है जब तक कि पट्टे की अवधि 12 महीने या उससे कम न हो या अंतर्निहित परिसंपत्ति कम मूल्य की न हो।

इसके बाद, उपयोग के अधिकार की संपत्ति को लागत मॉडल का उपयोग करके मापा जाता है, जबकि लीज देयता को लीज देयता पर ब्याज को प्रतिबिंबित करने के लिए वहन राशि में वृद्धि करके, लीज भुगतान को प्रतिबिंबित करने के लिए वहन राशि को कम करके और तथा पुनर्मूल्यांकन या पट्टे में संशोधन दर्शाने हेतु वहन राशि को पुनरांकित कर आँका जाता है।

वित्त प्रभागों को लाभ और हानि के विवरण में वित्त लागतों में मान्यता दी जाती है, जब तक कि लागतों को अन्य लागू मानकों को लागू करने वाली किसी अन्य परिसंपत्ति की अग्रणीत राशि में शामिल नहीं किया जाता है।

संपत्ति के उपयोगी जीवन पर उपयोग के अधिकार का मूल्यहास किया जाता है, यदि पट्टा पट्टे की अवधि के अंत तक संपत्ति के स्वामित्व को पट्टेदार को हस्तांतरित करता है या यदि उपयोग के अधिकार की संपत्ति की लागत दर्शाती है कि पट्टेदार खरीद विकल्प का प्रयोग करेंगे। अन्यथा, पट्टेदार उपयोग-से-उपयोग की संपत्ति का मूल्यहास प्रारंभ तिथि से लेकर उपयोग के अधिकार की संपत्ति के उपयोगी जीवन के अंत तक या पट्टे की अवधि के अंत तक करेगा।

2.6.2 पट्टादाता के रूप में कंपनी

सभी पट्टे या तो परिचालन पट्टे या वित्त पट्टे के रूप में हैं।

एक पट्टे को एक वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह एक अंतर्निहित परिसंपत्ति के स्वामित्व के लिए प्रासंगिक सभी जोखिमों और प्रतिफलों को पर्याप्त रूप से अंतरित करता है। एक पट्टे को परिचालन पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता

है यदि यह एक अंतर्निहित परिसंपत्ति के स्वामित्व के लिए प्रासंगिक सभी जोखिमों और प्रतिफलों को पर्याप्त रूप से अंतरित नहीं करता है

परिचालन पट्टे - परिचालन पट्टों से पट्टे पर भुगतान को या तो सीधी से आय के रूप में मान्यता दी जाती है जब तक कि कोई अन्य व्यवस्थित आधार उस पैटर्न का अधिक प्रतिनिधित्व न हो जिसमें अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोग से लाभ कम हो।

वित्तीय पट्टे - एक वित्त पट्टे के तहत रखी गई आस्ति को शुरू में इसकी तुलन-पत्र में दर्शाया जाता है और पट्टे में शुद्ध निवेश को आँकने के लिए पट्टे में निहित ब्याज दर का उपयोग करके पट्टे में शुद्ध निवेश के बराबर राशि के रूप में प्राप्य के रूप में प्रस्तुत करता है।

2.7 बिक्री हेतु गैर चालू संपत्ति

कंपनी गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों और (या निपटान समूहों) को बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत करती है यदि उनकी अग्रणीत राशि मुख्य रूप से निरंतर उपयोग के बजाय बिक्री के माध्यम से वसूल की जाएगी। बिक्री को पूरा करने के लिए आवश्यक कार्रवाइयों से संकेत मिलता है कि यह संभावना नहीं है कि बिक्री में महत्वपूर्ण बदलाव किए जाएंगे या बेचने का निर्णय वापस ले लिया जाएगा। प्रबंधन को वर्गीकरण की तारीख से एक वर्ष के भीतर अपेक्षित बिक्री के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

इन उद्देश्यों के लिए, बिक्री लेनदेन में अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियों के लिए गैर-चालू परिसंपत्तियों का आदान-प्रदान शामिल होता है, जब एक्सचेंज में वाणिज्यिक पदार्थ होता है। बिक्री वर्गीकरण के लिए मानदंड तभी पूरा माना जाता है जब संपत्ति या निपटान समूह अपनी वर्तमान स्थिति में तत्काल बिक्री के लिए उपलब्ध हो, केवल ऐसी शर्तों के अधीन जो ऐसी परिसंपत्तियों (या निपटान समूहों) की बिक्री के लिए सामान्य और प्रथागत हैं, इसकी बिक्री अत्यधिक संभावना है; और यह वास्तव में बेचा जाएगा, छोड़ा नहीं जाएगा। कंपनी परिसंपत्ति या निपटान समूह की बिक्री को अत्यधिक संभावित मानती है जब:

- प्रबंधन का उपयुक्त स्तर परिसंपत्ति (या निपटान समूह) को बेचने की योजना के लिए प्रतिबद्ध है,
- एक खरीदार का पता लगाने और योजना को पूरा करने के लिए एक सक्रिय कार्यक्रम शुरू किया गया हो
- संपत्ति (निष्पादन समूह) के विक्रय मूल्य के लिए सटिक कदम उठाए जा रहे हैं जिसे चालू कीमत के अनुरूप इसका व्यवहारिक मूल्य को आकलित किया जाना अपेक्षित हो,
- यह विक्रय वर्गीकरण की तिथि से 1 वर्ष के अंदर अनुमानतः तैयार कर ली जाएगी, तथा
- इस योजना से संबंधित सभी यथोचित योजना जिसमें कतिपय कुछ संशोधन व सुधार आवश्यक हो उसकी भी समीक्षा कर तैयार करना अपेक्षित होगा ताकि जरूरत पड़ने पर इस योजना को निरस्त भी किया जा सके।

2.8 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

जमीन की खरीदी ऐतिहासिक लागत पर की जाती है। इस ऐतिहासिक लागत में भूमि अधिग्रहण से जुड़े खर्च, पुनर्वास खर्च, पुनःस्थापन लागत तथा संबंधित विस्थापित व्यक्तियों को रोजगार के बदले दिए गए मुआवजे आदि शामिल हैं।

मान्यता के बाद, अन्य सभी आस्तियों, संयंत्रों और उपकरणों की मद को कम लागत पर किसी भी संचित मूल्यह्रास और लागत मॉडल के तहत किसी भी संचित हानि के नुकसान पर ले जाया जाता है। किसी भी संपत्ति की कीमत, संयंत्र तथा उसके उपकरण में निम्नलिखित तथ्यों का होना वांछित है:

- क. व्यापार छूट में मिले कटौती के बाद इनका क्रय मूल्य जिसमें निर्यात शुल्क तथा गैर-वापसी क्रय शुल्क शामिल हो।
- ख. स्थान तक संपत्ति को लाने के लिए किसी भी प्रत्यक्ष व्यय/सामयिक व्यय तथा प्रबंधन द्वारा क्षमतानुसार परिचालन के लिए उठाया गया अत्यावश्यक कदम।
- ग. सामग्री के परिवर्धन तथा हटाये जाने हेतु प्रारंभिक अनुमानित खर्च तथा समेकित स्थान तक इसे पहुँचाने के लिए व इसके व्यवहार के लिए जिसे कंपनी ने उस स्थिति में खर्च किया है जब इस सामग्री को उसने अपने आधिपत्य में रखा हो या एक निर्धारित अवधि के अंतर्गत उसका व्यवहार किया गया हो, जिसके लिए उसने अपना निवेश किया था।

संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण में खर्च किए गए प्रत्येक अंश को कुल लागत के अनुसार विखंडित कर साफ-साफ दर्शाया जाना अपेक्षित है। हालांकि, पीपीई के मद के महत्वपूर्ण भाग (एस) में एक ही उपयोगी जीवन और अवमूल्यन विधि है, जो मूल्यह्रास शुल्क निर्धारित करने के लिए एक साथ समूहबद्ध होती है।

'मरम्मत और रखरखाव' के लिए वर्णित दिन-प्रतिदिन की सेवा की लागत को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है, जिसमें समान खर्च होता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की एक वस्तु की कुल लागत के संबंध में महत्वपूर्ण भागों को बदलने की बाद की लागत को मद की वहन राशि में मान्यता दी जाती है, यदि यह संभव है कि मद से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को प्रवाहित होंगे; और वस्तु की लागत को मजबूती से मापा जा सकता है। न पुर्जों की वहन राशि जिन्हें प्रतिस्थापित किया गया है, उन्हें नीचे उल्लिखित मान्यता रद्द करने की नीति के अनुसार अमान्य कर दिया गया है।

जब प्रमुख निरीक्षण किया जाता है, तो इसकी लागत को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मद की वहन राशि में एक प्रतिस्थापन के रूप में पहचाना जाता है यदि यह संभव है कि मद से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को प्रवाहित होंगे; और वस्तु की लागत को मजबूती से मापा जा सकता है। पिछले निरीक्षण (भौतिक भागों से अलग) की लागत की किसी भी शेष वहन राशि को अमान्य कर दिया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र या उपकरण की एक वस्तु को निपटान पर या संपत्ति के निरंतर उपयोग से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं होने पर अमान्य कर दिया जाता है। संपत्ति संयंत्र और उपकरण की एक वस्तु की ऐसी मान्यता से उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को लाभ और हानि के रूप में पहचाना जाता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर मूल्यह्रास, फ्रीहोल्ड भूमि को छोड़कर, संपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवन पर सीधी तरीके साईं लागत मॉडल के अनुसार निम्नानुसार प्रदान किया जाता है:

अन्य भूमि

(पट्टेकृत भूमि सहित)	: परियोजना की अवधि या पट्टा अवधि में से जो भी कम हो
भवन	: 3-60 वर्ष
सड़क	: 3-10 वर्ष

दूरसंचार	: 3-9 वर्ष
रेलवे साईडिंग	: 15 वर्ष
संयंत्र एवं उपकरण	: 5-30 वर्ष
कम्प्यूटर एवं लैपटॉप	: 3 वर्ष
कार्यालय के उपकरण	: 3-6 वर्ष
फर्नीचर व फिक्सचर	: 10 वर्ष
वाहन	: 8-10 वर्ष

तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर, प्रबंधन का मानना है कि ऊपर दिया गया उपयोगी जीवन उस सर्वोत्कृष्ट अवधि को दर्शाता है जिस पर प्रबंधन परिसंपत्ति का उपयोग करने की अपेक्षा करता है। इसलिए संपत्ति का उपयोगी जीवन कंपनी अधिनियम, की अनुसूची 2013II के भाग सी के तहत निर्धारित उपयोगी जीवन से भिन्न हो सकता है।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में संपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवन की समीक्षा की जाती है।

संपत्ति, संयंत्र या उपकरण का अवशिष्ट मूल्य आस्ति की कुछ वस्तुओं को छोड़कर मूल संपत्ति का 5% माना जाता है, जिसमें कोयला टब, घुमावदार रस्सियाँ, ढुलाई की रस्सियाँ, स्टोविंग पाइप और सुरक्षा लैम्प आदि सम्मिलित हैं, जिसके लिए तकनीकी तौर पर अनुमानित उपयोगी जीवन एक वर्ष के साथ शून्य अवशिष्ट मूल्य के रूप में निर्धारित की जाती है।

वर्ष के दौरान जोड़ी गई/निपटान की गई संपत्ति पर मूल्यह्रास अतिरिक्त/निपटान के महीने के संदर्भ में आनुपातिक आधार पर प्रदान किया जाता है।

कोयला धारण क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) (सीबीए) अधिनियम 1957 के तहत “अन्य भूमि” का मूल्य अधिग्रहित भूमि के रूप में शामिल है, भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 के तहत भूमि अधिग्रहण के अंतर्गत मुआवजा, पारदर्शिता के अधिकार, पुनर्वास और पुनर्स्थापना (आर.एफ.सी.टी.एल.ए.ए.आर) अधिनियम, 2013 के तहत सरकारी भूमि के दीर्घकालीन हस्तांतरण आदि शामिल हैं, जोकि परियोजना के शेष जीवन के आधार पर परिशोधित होता है और पट्टेकृत भूमि के मामले में इस तरह के परिशोधन पट्टे की अवधि पर आधारित होते हैं या इनमें से जो भी कम हो के तहत परियोजना के शेष राशि पर आधारित होते हैं।

पूरी तरह से विखंडित, उपयोग के लिए अनुपयुक्त संपत्तियों को दर्शाया जाता है जो इस संपत्ति, संयंत्र या उपकरण के अंतर्गत इसके समाहित मूल्य को केवल दर्शाते ही नहीं हैं अपितु जांचकर इसकी संपुष्टि भी करते हैं।

कंपनी द्वारा कुछ परिसंपत्तियों के निर्माण/विकास पर किए गए पूंजीगत व्यय जो उत्पादन, माल की आपूर्ति या कंपनी की किसी भी मौजूदा संपत्ति तक पहुंच के लिए आवश्यक हैं, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के तहत सक्षम संपत्ति के रूप में पहचाने जाते हैं।

भारतीय लेखांकन मानक में परिवर्तन

कंपनी ने लागत मॉडल के अनुसार वहन मूल्य जारी रखने के लिए चुना है (इसकी सभी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए जैसा कि वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त है, जैसा कि भारतीय लेखांकन मानक में परिवर्तन के तारीख पर जीएएपी के अनुसार मापा गया है)।

2.9 खदान बंदी, साइट का उद्धार एवं डिमिसिनिंग बाध्यताएँ

भूमि सुधार एवं संरचनाओं के निषेध के लिए कंपनी के कार्य में भू-तल एवं भूमिगत दोनों प्रकार के खदानों पर भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के निर्देशानुसार होने वाले खर्च सम्मिलित हैं। कंपनी खदान बंदी क्षेत्र की मरम्मत एवं निषेध कार्य का आकलन इस कार्य पर भविष्य में होने वाली नगद खर्च एवं लगाने वाली खर्च की विस्तृत लेखा-जोखा तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर करती है। खदान बंदी व्यय अनुमोदित खदान बंदी योजना के अनुसार उपलब्ध करायी जाती है। खर्च के आकलन मुद्रास्फीति के अनुसार बढ़ते हैं एवं इसकी दर कम होने पर घटते हैं, जो मुद्रा और जोखिमों के समय मूल्य के वर्तमान बाजार के मूल्यांकन को सूचित करती है। यथा प्रावधान में वर्णित कार्य को सम्पन्न करने के लिए आवश्यक अनुमानित खर्च के वर्तमान मूल्य को सूचित किया जाता है। कंपनी सुधार एवं खदान बंदी के समापन के देय धन से संलग्न संपत्ति का लेखा जोखा रखती है। कार्य तथा संपत्ति देय धन को खर्च होने की समयावधि में मान्यता प्राप्त होती है। क्षेत्र के मरम्मत के समस्त मूल्य को सूचित करने वाली संपत्ति (केंद्रीय खनन योजना एवं रचना संस्थान समिति के आकलन के अनुसार) खदान बंदी योजना के अनुसार पीपीई में एक भिन्न वस्तुओं के रूप में जानी जाएगी तथा शेष परियोजना/ खदान के जीवन काल के आधार पर परिशोधित होगी।

रियायत का प्रभाव खत्म होते ही समय के साथ प्रावधान के मूल्य में उतरोत्तर बढ़ोतरी होगी। एक खर्च के रूप में इसे वित्तीय खर्च माना जाता है।

अग्रिम अनुमोदित खदान बंदी योजना के अनुसार इस उद्देश्य से एक विशेष निलंबनिधि खाता रखे जाने का प्रावधान है।

खान बंदी करने के दायित्वों को कार्य का हिस्सा बनाने हेतु साल दर साल प्रगतिशील खनन बंद के खर्चों को शुरू में निलंबखाते से प्राप्त किया जाता है और उसके बाद उस वर्ष में उनका दायित्व के साथ समायोजन किया जाता है जिसमें राशि प्रमाणित एजेंसी की सहमति के बाद इसे वापस लेने का अधिकार रखती है।

2.10 अन्वेषित एवं मूल्यांकित आस्तियाँ-

अन्वेषित तथा मूल्यांकित आस्तियों में पूंजीगत लागत शामिल होती हैं जो कि कोयला और संबन्धित संसाधनों की खोज के कारण उत्पन्न होती हैं। तकनीकी व्यवहार्यता के निर्धारण और पहचान वाले संसाधन की व्यावसायिक व्यवहार्यता के मूल्यांकन निम्न बातों के तहत सम्मिलित किये गये हैं :

- अन्वेषण के अधिकारों का अधिग्रहण।
- ऐतिहासिक अन्वेषण डेटा के शोध एवं विश्लेषण;
- स्थलाकृतिक, भौगोलिक, रासायनिक और भू-भौतिक अध्ययन के माध्यम से अन्वेषित आधार सामग्री को उपलब्ध करना;

- अन्वेषित ड्रिलिंग, ट्रेचिंग तथा नमूने;
- संसाधनों की मात्रा तथा उनके संवर्ग का निर्धारण करना एवं जाँचना;
- परिवहन तथा आधारीक संरचनाओं की आवश्यकताओं का सर्वेक्षण;
- बाजार का आयोजन तथा वित्त अध्ययन;

उपर्युक्त संस्करण में कर्मचारी पारिश्रमिक, उपयोग किए गए सामग्री एवं ईंधन की लागत, ठेकेदारों को किए गए भुगतान आदि शामिल हैं।

चूंकि अमूर्त घटक समग्र अपेक्षित मूर्त लागतों के एक नगण्य/अभेद्य हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है और भविष्य के दोहन से वसूल किया जाता है, इन लागतों को अन्य पूंजीकृत अन्वेषण लागतों के साथ अन्वेषण और मूल्यांकन संपत्ति के रूप में दर्ज किया जाता है।

तकनीकी व्यवहार्यता और परियोजना की वाणिज्यिक व्यवहार्यता के निर्धारण के लंबित परियोजना के आधार पर अन्वेषण और मूल्यांकन लागतों को परियोजना के आधार पर पूंजीकृत किया जाता है और गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों के तहत एक अलग लाइन आइटम के रूप में खुलासा किया जाता है। बाद में उन्हें लागत कम संचित हानि/प्रावधान पर मापा जाता है।

एक बार साबित होने के बाद भंडार का निर्धारण एवं खानों/ परियोजनाओं के विकास हेतु मंजूरी अन्वेषण एवं परिसंपत्तियों का मूल्यांकन पूंजीगत कार्य के तहत "विकास" में स्थानांतरित की गई है। हालांकि यदि यह साबित होता है कि भंडार का निर्धारण नहीं किया गया है तो अन्वेषण तथा मूल्यांकन की गई आस्तियों को अस्वीकृत किया जाएगा।

2.11 विकास व्यय

जब प्रमाणित भंडार निर्धारित किए जाते हैं और खानों/परियोजना के विकास को मंजूरी दी जाती है, पूंजीकृत अन्वेषण और मूल्यांकन लागत को निर्माणाधीन संपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है और "विकास" शीर्षक के तहत प्रगति पर पूंजीगत कार्य के एक घटक के रूप में खुलासा किया जाता है। बाद के सभी विकास व्यय भी पूंजीकृत हैं। पूंजीकृत विकास व्यय विकास चरण के दौरान निकाले गए कोयले की बिक्री से प्राप्त आय का शुद्ध है।

वाणिज्यिक संचालन :

परियोजना/खानों को राजस्व में लाया जाता है; जब स्थायी आधार पर उत्पादन के लिए किसी परियोजना/खान की व्यावसायिक तत्परता या तो परियोजना रिपोर्ट में विशेष रूप से बताई गई शर्तों के आधार पर या निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर स्थापित की जाती है:

- अनुमोदित परियोजना प्रतिवेदन के आधार पर वित्तीय वर्ष के आरंभ में जिसमें कि परियोजना ने निर्धारित क्षमता का 25% उत्पादन प्राप्त किया है या
- कोयले के 2 साल के उत्पादन,या
- वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ से जिसमें उत्पादन मूल्य कुल मूल्य से ज्यादा हो,

जो भी घटना पहले हो।

राजस्व में लाए जाने पर, पूंजीगत कार्य के तहत चल रही संपत्ति को "अन्य खनन अवसंरचना" नाम के तहत संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के एक घटक के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है। अन्य खनन अवसंरचना का परिशोधन उस वर्ष से किया जाता है जब खदान को 20 वर्षों में राजस्व के तहत लाया जाता है या परियोजना का कामकाजी जीवन जो भी कम हो।

2.12 अमूर्त आस्तियाँ

अर्जित अमूर्त संपत्ति को लागत पर प्रारंभिक मान्यता पर मापा जाता है। एक व्यावसायिक संयोजन में अर्जित अमूर्त संपत्ति की लागत अधिग्रहण की तिथि पर उनका उचित मूल्य है। प्रारम्भिक मान्यता के अनुसार अमूर्त सम्पत्ति किसी भी संचित परिशोधन (उनके उपयोगी कार्यकाल में प्रत्यक्ष आधार पर गणना की जाती है) एवं संचित नुकसान यदि कोई हो, पर खर्च किये जाते हैं।

आंतरिक रूप से उत्पन्न अमूर्त पूंजीकृत विकास लागत को छोड़कर पूंजीकृत नहीं किया जाता है। इसके अलावा संबन्धित व्यय उस अवधि के हानि व लाभ के विवरण एवं व्यापक आय के रूप में पहचाने जाते हैं, जिसमें व्यय किया गया है। अमूर्त सम्पत्ति के उपयोगिता को सीमित/ अनिश्चित काल के रूप में मूल्यांकित किया जाता है। सीमित उपयोगिता के साथ अमूर्त आस्तियों का उनके उपयोगी आर्थिक जीवन पर परिशोधित किया जाता है एवं जब भी संकेत मिले कि अमूर्त सम्पत्ति में घटा होगा, तभी इन कमियों का मूल्यांकन किया जाना अपेक्षित होगा। परिशोधन अवधि एवं सीमित उपयोगी जीवन के साथ एक अमूर्त सम्पत्ति के लिए परिशोधन विधि कम से कम प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है। अपेक्षित उपयोगी जीवन या आस्तियों में अंकित भविष्य के आर्थिक लाभों के उपभोग को अपेक्षित पद्धति द्वारा परिशोधन अवधि या विधि को संशोधित करने हेतु ध्यान में लाया जाता है एवं लेखांकन अनुमानों में उसे परिवर्तन के रूप में माना जाता है। अमूर्त आस्तियों पर परिशोधित व्यय को लाभ व हानि के विवरण में स्वीकार किया गया है।

एक अमूर्त आस्ति उनके अनिश्चित उपयोगिता के साथ परिशोधित नहीं की जाती अपितु प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में कमी हेतु उसका परीक्षण किया जाता है।

अमूर्त आस्ति की पहचान न होने से उत्पन्न लाभ व हानि को शुद्ध निपटान आय एवं आस्ति की वर्तमान राशि में अंतर के रूप में मापा जाता है, जिसे कि लाभ व हानि में मान्यता प्राप्त है।

अन्वेषण और मूल्यांकन आस्तियों को बेचने हेतु पहचाने गए ब्लॉक या बाहरी एजेंसियों को बेचने का प्रस्ताव प्रदान किया गया है (अर्थात्, सीआईएल के निर्धारित नहीं किए गए ब्लॉक के लिए) तथा अमूर्त संपत्ति के रूप में उसे वर्गीकृत भी किया गया है एवं हानि के लिए परीक्षण भी किया गया है।

अनुसंधान और विकास को व्यय होने पर व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।

2.13 आस्तियों की हानि (वित्तीय आस्तियों के अलावा):

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में आस्तियों में कमी का आकलन करती है। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद है, तो कंपनी संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। आस्तियों से प्राप्त राशि, आस्ति या उपयोगिता से उत्पन्न इकाई मूल्य एवं व्यक्तिगत आस्तियों को निर्धारित करने हेतु निर्धारित मूल्य में वृद्धि की जाती है। जब तक आस्ति में नगदी प्रवाह नहीं की गई हो तो वह अन्य आस्तियों या आस्तियों के समूह से स्वतंत्र होती है जिसमें

नगद उत्पन्न इकाई आस्तियों से जुड़ी होती है, उसके लिए प्राप्त राशि निर्धारित की जाती है। हानि परीक्षण हेतु कंपनी व्यक्तिगत खदान के रूप में नकदी उत्पन्न इकाई पर विचार करती है।

यदि वर्तमान राशि आस्ति से प्राप्त अनुमानित राशि से कम हो तो वर्तमान आस्ति राशि को प्राप्त राशि से घटाया जाता है एवं हानि से हुई कमी को लाभ व हानि के विवरण में स्वीकार किया जाता है।

2.14 निवेश संपत्ति

संपत्ति (भूमि या भवन या भवन का हिस्सा या दोनों) किराये या पूंजी वृद्धि या दोनों के लिए धारित है, न कि वस्तुओं या सेवाओं के उत्पादन या आपूर्ति में या प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करने के लिए; या व्यवसायों के सामान्य क्रम में बिक्री को निवेश संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

निवेश संपत्ति का आकलन प्रारम्भिक रूप से इसके लागत के आधार पर किया जाता है तथा इस से संबन्धित लेनदेन लागत पर भी लागू किया जाता है।

निवेशित सम्पत्तियों का मूल्यहास विधि के तहत उनके प्रत्यक्ष उपयोगी जीवन पर आधारित होते हैं।

2.15 वित्तीय साधन

वित्तीय साधन एक अनुबंध है जो कि आस्ति और किसी अन्य वित्तीय इकाई को देयता या इक्विटी उपकरण प्रदान करती है।

2.15.1 वित्तीय आस्तियाँ

2.15.1 प्रारंभिक स्वीकृति और माप

वित्तीय आस्तियाँ जिन्हें लाभ या हानि के उचित मूल्य पर साथ ही वित्तीय आस्तियों के विशेष रूप से अधिग्रहण के मामलों में एवं सभी वित्तीय आस्तियों को उचित मूल्य पर आरंभिक स्तर पर पहचाना जाता है। खरीदारी या वित्तीय आस्तियों की बिक्री जो बाजार की जगह पर विनियमन या सम्मेलन द्वारा स्थापित समय सीमा के भीतर आस्तियों की वितरण के लिए आवश्यक होती है, उन्हें व्यापार तिथि पर मान्यता प्राप्त है अर्थात वह तिथि जिसमें कंपनी की संपत्ति को खरीदने या बेचने की प्रतिबद्धता है।

2.15.2 आगामी माप

वित्तीय आस्तियों को आगामी माप हेतु चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

- ऋण उपकरणों पर परिशोधित लागत
- अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर ऋण साधन (एफ.वी.टी.ओ.सी.आई)।
- लाभ-हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर ऋण, व्युत्पन्न और इक्विटी साधन। (एफवीटीपीएल)
- उचित मूल्य पर मापे गए इक्विटी साधनों के माध्यम से अन्य व्यापक आय। (एफवीटीओसीआई)।

2.15.2.1 परिशोधित लागत पर ऋण साधन

निम्नलिखित दोनों शर्तों के पूरा होने के उपरांत ऋण साधन परिशोधित लागत पर मापे जाते हैं:

क. आस्तियों को व्यापार मॉडल के अंतर्गत बनाएं रखने का प्रावधान है, जिसका उद्देश्य आस्तियों के संविदात्मक नगद प्रवाह संग्रह करना है और

ख. नगदी प्रवाह की निर्दिष्ट तिथि पर आस्तियों के संविदात्मक शर्तों के तहत भुगतान किए गए मूल एवं ब्याज (एसपीपीआई) की राशि को बकाया राशि में सम्मिलित किया गया है।

प्रारंभिक माप के बाद प्रभावी ब्याज दर विधि का उपयोग (ईआईआर) करते हुए ऐसे वित्तीय आस्तियों को परिशोधित लागत पर मापा जाता है। परिशोधित लागत की गणना अधिग्रहण पर या अभिगत प्रभावी ब्याज या शुल्क जिस पर ईआईआर के एक भाग के रूप में अधिग्रहण की कीमत पर व्यक्त होती है। ईआईआर वित्तीय आय के तहत लाभ और हानि के अंतर्गत परिशोधित होती है। लाभ व हानि में कमी के कारण हुई हानियों को स्वीकार किया गया है।

2.15.2.2 एफ.वी.टी.ओ.सी. आई में ऋण साधन

एक 'ऋण साधन' को एफ.वी.टी.ओ.सी.आई के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि निम्नलिखित दोनों मानदंड पूरे होते हैं:

क. व्यापार मॉडल का उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करके और वित्तीय परिसंपत्तियों को बेचकर दोनों को प्राप्त किया जाता है, और

ख. आस्ति संविदात्मक नकदी प्रवाह एसपीपीआई का प्रतिनिधित्व करता है।

एफ.वी.टी.ओ.सी.आई श्रेणी के अंतर्गत शामिल ऋण साधन को उचित मूल्य पर प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर आरम्भ में मापा जाता है। उचित मूल्य संचार को अन्य विस्तृत आय में पहले से ही मान्यता प्राप्त है। जैसे कंपनी ने पी एंड एल में ब्याज आय, क्षति, नुकसान तथा बदलाव और विदेशी मुद्रा लाभ या हानि को पहचान लिया है। आस्तियों के गैर पहचान जो कि ओसीआई में पहचाने गए हैं, को संचयी लाभ या नुकसान के तहत पी एंड एल के लिए इक्विटी में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है। ब्याज अर्जित होने पर अर्जित किये गए एफवीटीओसीआई ऋण साधन को ब्याज में जिस ईआईआर तरीके का उपयोग किया जाता है, उसी रूप में रिपोर्ट किया जाता है।

2.15.2.3 एफवीटीपीएल में ऋण साधन

एफवीटीपीएल ऋण साधनों के लिए एक अवशिष्ट श्रेणी है। कोई भी ऋण साधन, जो परिशोधन लागत पर या एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकरण के मानदंडों को पूरा नहीं करता है, उसे एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

इसके साथ ही कंपनी एक ऋण साधन को नामित करने का चुनाव भी कर सकती है। जो एफवीटीपीएल में ऋण चुकाने की लागत तथा एफवीटीओसीआई के मानदंडों को पूरा करते हैं। जैसे ऐसे चुनाव की अनुमति सिर्फ तभी दी जाएगी जब ऐसा करना एक पहचाने गए असंगति को कम या समाप्त करने के लिए उचित हो।

एफवीटीपीएल श्रेणी में शामिल ऋण साधनों को पी एंड एल में मान्यता प्राप्त सभी परिवर्तनों के साथ उचित मूल्य पर मापा जाता है।

2.15.2.4 अनुषंगी, सहयोगियों तथा संयुक्त उद्यमों में इक्विटी निवेश

भारतीय लेखांकन मानक 101 (भारतीय लेखांकन मानक में प्रथम बार अंगीकरण) एवं पिछले जीएएपी के अनुसार इन निवेशों की वहन राशि संक्रमण की तिथि में उल्लेखित लागत राशि के रूप में निर्धारित की जाएगी। बाद में अनुषंगियों, सहयोगियों एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश किये गए मूल्य को मापा जाता है।

समेकित वित्तीय विवरणी से संबंधित भारतीय लेखांकन मानक 28 के पैरा 10 में विहित इक्विटी प्रणाली के अनुसार सहयोगियों तथा संयुक्त उद्यमों में इक्विटी निवेश की गणना की जाती है।

2.15.2.5 अन्य इक्विटी निवेश

भारतीय लेखांकन मानक 109 के दायरे में सम्मिलित सभी अन्य इक्विटी निवेश के लाभ एवं हानि को उचित मूल्य पर मापा जाता है।

अन्य सभी इक्विटी साधनों में परिवर्तन के उपरांत कंपनी उचित मूल्य में प्रस्तुत करने हेतु चुनाव कर सकती है। कंपनी ऐसा चुनाव साधन-से-साधन के आधार पर करती है। वर्गीकरण आरंभिक पहचान करने हेतु की गई है जो कि अटल है।

अगर कंपनी एफवीटीओसीआई पर इक्विटी साधन को वर्गीकृत करने का निर्णय लेती है तब ओसीआई में पहचाने गए लाभांश को छोड़कर साधन पर सभी उचित मूल्य में परिवर्तन हो जाता है। पी एंड एल से ओसीआई में यहां तक कि निवेश की राशि में भी कोई पुनरावृत्ति नहीं हुई है। हालांकि, कंपनी इक्विटी के भीतर संचयी लाभ या हानि को स्थानांतरित कर सकती है।

पीएंड एल में पहचाने गए सभी बदलावों के साथ उचित मूल्य पर एफवीटीपीएल श्रेणी में शामिल इक्विटी इंस्ट्रूमेंट को मापा जाता है।

2.15.2.6 मान्यता रद्द करना

एक वित्तीय परिसंपत्ति (या, जहां लागू हो, एक वित्तीय परिसंपत्ति का एक हिस्सा या समान वित्तीय परिसंपत्तियों के समूह का हिस्सा) प्राथमिक रूप से अमान्य हो जाती है (यानी तुलन पत्र से हटा दी जाती है) जब:

- आस्तियों से नगद प्रवाह को प्राप्त करने का अधिकार समाप्त हो गया हो, या
- कंपनी ने आस्तियों से नगद प्रवाह को प्राप्त करने के अधिकार को स्थानांतरित किया या प्राप्त नगद प्रवाह का भुगतान करने हेतु दायित्व निकासी व्यवस्था के अंतर्गत तीसरी पार्टी के लिए बिना सामग्री विलंब के ग्रहण किया और या तो (क) कंपनी ने आस्ति के सभी जोखिम और पुरस्कार को काफी हद तक स्थानांतरित कर दिया है या (ख) कंपनी ने न तो हस्तांतरित किया है और न ही संपत्ति के सभी जोखिम और पुरस्कार को काफी हद तक बनाए रखा है लेकिन आस्ति पर नियंत्रण को स्थानांतरित अवश्य किया है।

जब कंपनी ने आस्ति से प्राप्त नगद प्रवाह पर अपने अधिकार को स्थानांतरित किया या निकासी व्यवस्था में प्रवेश किया तो यह मूल्यांकित हुआ कि इसने किस हद तक स्वामित्व के जोखिमों एवं पुरस्कारों को बरकरार रखा है। कंपनी ने न तो संपत्ति को हस्तांतरित किया, न ही संपत्ति के सभी पुरस्कारों व जोखिम को बनाए रखा और न ही उनके नियंत्रण को हस्तांतरित किया। जब कंपनी सतत भागीदारी को बनाए रखने तथा स्थानांतरित संपत्ति की पहचान रखने का प्रयास करती है, तो ऐसे मामलों में कंपनी भी एक सहयोगी देयता की पहचान करती है। स्थानांतरित संपत्ति तथा सहयोगी देयता को एक आधार पर मापा जाता है। कंपनी द्वारा उसके दायित्वों तथा

अधिकारों को प्रतिबंधित किया जाता है। सतत भागीदारी जो कि संपत्ति पर प्रतिभूति के रूप में चिन्हित है जिसे संपत्ति के मूल तथा जारी राशि के आवश्यकतानुसार चुकाया जाता है, उसे निम्न स्तर पर मापा जाता है।

2.15.2.7 वित्तीय संपत्ति की हानि (उचित मूल्य को छोड़कर)

भारतीय लेखांकन मानक 109 के अनुसार, कंपनी निम्नलिखित वित्तीय परिसंपत्तियों और क्रेडिट जोखिम, हानि की माप और पहचान के लिए अपेक्षित क्रेडिट लॉस (ईसीएल) मॉडल लागू करती है:

क. वित्तीय आस्तियां जो कि ऋण साधन है और जिनका मापन परिशोधित लागत पर किया जाता है उदाहरणतः ऋण प्रतिभूति, व्यापार प्राप्त, बैंक बैलेन्स इत्यादि।

ख. वित्तीय आस्ति जो ऋण साधन है तथा उसे एफवीटीओसीआई पर मापा जाता है।

ग. भारतीय लेखांकन मानक 116 के अंतर्गत प्राप्त पट्टे।

घ. व्यापार प्राप्त्य या नकद या अन्य वित्तीय संपत्ति प्राप्त करने का कोई संविदात्मक अधिकार जो भारतीय लेखांकन मानक 115 के दायरे में लेनदेन के परिणामस्वरूप होता है।

हानि की गुजाइश की पहचान के लिए कंपनी ने निम्न सरल दृष्टिकोण का पालन किया:-

- व्यापार प्राप्त्य या अनुबंध राजस्व प्राप्त्य; और
- भारतीय लेखांकन मानक 116 के अंतर्गत लेनदेन से प्राप्त सभी पट्टे

सरलीकृत दृष्टिकोण के आवेदन के लिए कंपनी को क्रेडिट जोखिम में परिवर्तनों को ट्रैक करने की आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय, यह प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर, इसकी प्रारंभिक मान्यता से ही, आजीवन ईसीएल के आधार पर मूल्यहास भत्ता को मान्यता देता है।

2.15.3 वित्तीय देयताएँ

2.15.3.1 आरंभिक पहचान तथा माप-

कंपनी की वित्तीय देयताएं व्यापार तथा अन्य ऋण देयताओं और उधार सहित बैंक ओवरड्राफ्ट को शामिल करती है। ऋण और उधार लेने के मामले में तथा विशेष कर लेन देन की लागतों पर शुद्ध भुगतान करने हेतु सभी वित्तीय देयताएँ प्रारंभिक स्तर पर उचित मूल्य में दर्शायी जाती हैं।

2.15.3.2 अनुवर्ती माप

वित्तीय देयताओं की माप उनके वर्गीकरण पर निर्भर करती है जो कि नीचे वर्णित है:

2.15.3.3 लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएँ

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताओं में व्यापार के लिए धारित वित्तीय देयताओं और लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य के रूप में प्रारंभिक मान्यता पर नामित वित्तीय देयताएं शामिल हैं। वित्तीय देयताओं को व्यापार के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि वे निकट अवधि में पुनर्खरीद के उद्देश्य से खर्च की जाती हैं। इस श्रेणी में कंपनी द्वारा दर्ज किए गए व्युत्पन्न वित्तीय साधन भी शामिल हैं जिन्हें भारतीय लेखांकन मानक 109 द्वारा परिभाषित हेज संबंधों में हेजिंग उपकरणों के रूप में नामित नहीं किया गया है। अलग-

अलग एम्बेडेड डेरिवेटिव को भी ट्रेडिंग के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जब तक कि उन्हें प्रभावी हेजिंग इंस्ट्रूमेंट के रूप में नामित नहीं किया जाता है।

देयताओं पर लाभ या हानियों को व्यापार के लिए आयोजित लाभ या हानि के रूप में पहचाना गया है।

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर प्रारंभिक मान्यता पर नामित वित्तीय देयताओं को मान्यता की प्रारंभिक तिथि के रूप में नामित किया जाता है, और केवल तभी जब भारतीय लेखांकन मानक 109 में मानदंड संतुष्टजनक होते हैं। एफवीटीपीएल के रूप में नामित देयताओं के लिए, उचित मूल्य लाभ/हानि को स्वयं के क्रेडिट जोखिम में परिवर्तन के कारण ओसीआई में मान्यता प्राप्त है। ये लाभ/हानि बाद में पी एंड एल को हस्तांतरित नहीं किए जाते हैं। हालाँकि, कंपनी संचयी लाभ या हानि को इक्विटी के भीतर स्थानांतरित कर सकती है। ऐसी देयता के उचित मूल्य में अन्य सभी परिवर्तनों को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी गई है। कंपनी ने लाभ और हानि के माध्यम से किसी भी वित्तीय दायित्व को उचित मूल्य के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया है।

2.15.3.4 परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएँ

प्रारंभिक मान्यता के पश्चात इन्हें बाद में प्रभावी ब्याज दर का उपयोग करते हुए परिशोधित लागत पर मापा जाता है। जब प्रभावी ब्याज पर परिशोधन की प्रक्रिया द्वारा देयताओं को वापस लिया जाता है, तब लाभ या हानि में नफा या नुकसान को पहचाना जाता है। परिशोधित लागत का आकलन अधिग्रहण और शुल्क या लागतों पर किसी भी छूट या प्रीमियम को ध्यान में रखते हुए की जाती है, जो कि प्रभावी ब्याज दर का अभिन्न हिस्सा है। प्रभावी ब्याज दर परिशोधन को लाभ और हानि के विवरण में वित्त लागत के रूप में शामिल किया गया है। यह श्रेणी आमतौर पर उधार लेने पर लागू होती है।

2.15.3.5 मान्यता रद्द करना

एक वित्तीय देयता की मान्यता को तब वापस लिया जाता है जब देयताओं के तहत दायित्व का निर्वहन रद्द या समाप्त हो गया हो। जब वित्तीय देयताओं को समान ऋण दाता के साथ विभिन्न शर्तों पर पुनःप्रतिस्थापित किया जाता है तब यह मौजूदा देयताओं के शर्तों को संशोधित करेगा, तत्पश्चात इस तरह के एक विनियम या संशोधन को मूल दायित्व की मान्यता और एक नई देयता की पहचान के रूप में माना जाएगा। किसी अन्य पार्टी को समझाए गए या हस्तांतरित किये गये वित्तीय लेन देन राशि और उसमें से किसी भी हस्तांतरित आस्तियों या दायित्वों सहित भुगतान किए गए विचारों को लाभ व हानि के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

2.15.4 वित्तीय देयताओं का पुनःवर्गीकरण

कंपनी प्रारंभिक मान्यता पर वित्तीय संपत्तियों और देयताओं का वर्गीकरण करती है। प्रारंभिक मान्यता के बाद वित्तीय आस्तियां जो कि इक्विटी साधन एवं वित्तीय देयताएं हैं उसे पुनःवर्गीकृत किया जाएगा। वित्तीय देयताएं वे ऋण साधन हैं जिनका पुनःवर्गीकरण सिर्फ तभी किया जा सकता है जब उनके व्यावसायिक मॉडल की आस्तियों में बदलाव किया जाए। कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन आंतरिक और बाह्य बदलाव के परिणाम स्वरूप व्यापार मॉडल में परिवर्तन करता है जो कंपनी के संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं और बाहरी पार्टियों के लिए स्वतः स्पष्ट है। व्यापार मॉडल में परिवर्तन तब होता है जब कंपनी महत्वपूर्ण संचालन हेतु कार्य को प्रारंभ या समाप्त करती है। कंपनी वित्तीय आस्ति को पुनः पेश करती है या पुनः वर्गीकृत करती है ,जो कि व्यापार मॉडल में बदलाव के तुरंत बाद आगामी प्रतिवेदन का पहला दिन समझा जाता है। कंपनी पहले से स्वीकृत किसी लाभ हानि (लाभ व हानि में कमी सहित) या ब्याज को पुनःवर्णित नहीं करती है।

निम्नलिखित सारणी पुनःवर्गीकरण विधि तथा उनकी जिम्मेदारियों को दर्शाते हैं :-

वास्तविक वर्गीकरण	संशोधित वर्गीकरण	लेखांकन विधि
परिशोधित लागत	एफवीटीपीएल	उचित मूल्य को पुनर्वर्गीकरण तिथि पर मापा जाता है। पिछली परिशोधन लागत और उचित मूल्य के बीच अंतर को पी एंड एल में मान्यता दी गई है।
एफवीटीपीएल	परिशोधित लागत	पुनर्वर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य इसकी नई सकल वहन राशि बन जाती है। ईआईआर की गणना नई सकल वहन राशि के आधार पर की जाती है।
परिशोधित लागत	एफवीटीओसीआई	उचित मूल्य को पुनर्वर्गीकरण तिथि पर मापा जाता है। पिछली परिशोधन लागत और उचित मूल्य के बीच अंतर को ओसीआई में मान्यता दी गई है। पुनर्वर्गीकरण के कारण ईआईआर में कोई परिवर्तन नहीं।
एफवीटीओसीआई	परिशोधित लागत	पुनर्वर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य इसकी नई परिशोधन लागत वहन राशि बन जाती है। हालाँकि, ओसीआई में संचयी लाभ या हानि को उचित मूल्य के विरुद्ध समायोजित किया जाता है। नतीजतन, परिसंपत्ति को मापा जाता है जैसे कि इसे हमेशा परिशोधन लागत पर मापा गया हो।
एफवीटीपीएल	एफवीटीओसीआई	पुनर्वर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य इसकी नई अग्रणीत राशि बन जाती है। किसी अन्य समायोजन की आवश्यकता नहीं है।
एफवीटीओसीआई	एफवीटीपीएल	परिसंपत्तियों को उचित मूल्य पर मापा जाना जारी है। ओसीआई में पहले से मान्यता प्राप्त संचयी लाभ या हानि को पुनर्वर्गीकरण तिथि पर पी एंड एल में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है।

2.15.5 वित्तीय साधन को पूरा करना

वित्तीय आस्ति तथा वित्तीय देयताओं को पूरा किया गया और समिति द्वारा तुलन पत्र में शुद्ध राशि की सूचना दी गई। अगर उसे प्राप्त मात्रा में पूरा करने हेतु वर्तमान में कानूनी अधिकार मिलते हो, तो संपत्ति को प्राप्त करने साथ ही साथ देयताओं के निपटान हेतु एक शुद्ध आधार पर समझौता किया जा सकता है

2.15.6 नकद और नकद समकक्ष

तुलन पत्र में नकद और नकद समकक्ष में बैंकों और हाथ में नकद और तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ अल्पकालिक जमा शामिल हैं, जो मूल्य में परिवर्तन के एक महत्वहीन जोखिम के अधीन हैं। नकदी प्रवाह के समेकित विवरण के प्रयोजन के लिए, नकद और नकद समकक्षों में नकद और अल्पकालिक जमा शामिल हैं, जैसा कि ऊपर परिभाषित किया गया है, बकाया बैंक ओवरड्राफ्ट का शुद्ध है क्योंकि उन्हें कंपनी के नकद प्रबंधन का एक अभिन्न अंग माना जाता है।

2.16. उधार लेने की लागत

उधार लेने की लागत को खर्च किए जाने या खर्च किया जाता है, सिवाय इसके कि जहां वे सीधे तौर पर अर्हक संपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के लिए जिम्मेदार होते हैं यानी ऐसी संपत्ति जो अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार होने के लिए आवश्यक रूप से पर्याप्त समय लेती है, जिस स्थिति में उन्हें भाग के रूप में पूंजीकृत किया जाता है जब तक अर्हक आस्ति अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं हो जाती।

2.17 कर निर्धारण

आयकर व्यय वर्तमान में देय और आस्थगित कर के योग को दर्शाता है।

वर्तमान कर एक अवधि के लिए कर योग्य लाभ (कर हानि) के संबंध में देय (वसूली योग्य) आयकर की राशि है। कर योग्य लाभ "आयकर से पहले लाभ" से भिन्न होता है जैसा कि लाभ और हानि और अन्य व्यापक आय के विवरण में बताया गया है क्योंकि इसमें आय या व्यय की वस्तुओं को शामिल नहीं किया गया है जो अन्य वर्षों में कर योग्य या कटौती योग्य हैं और इसमें उन वस्तुओं को शामिल नहीं किया गया है जो कभी भी कर योग्य या कटौती योग्य नहीं हैं। वर्तमान कर के लिए कंपनी की देयता की गणना उन कर दरों का उपयोग करके की जाती है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक अधिनियमित या वास्तविक रूप से अधिनियमित की गई हैं।

आस्थगित कर देयताओं को आम तौर पर सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यता दी जाती है। आस्थगित कर संपत्ति को आम तौर पर सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतर के लिए मान्यता दी जाती है। यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके खिलाफ उन कटौती योग्य अस्थायी अंतरों का उपयोग किया जा सकता है। ऐसी संपत्ति और देयताओं को मान्यता नहीं दी जाती है यदि अस्थायी अंतर सद्भावना से या अन्य परिसंपत्तियों और देयताओं की प्रारंभिक मान्यता (व्यापार संयोजन के अलावा) से उत्पन्न होता है जो न तो कर योग्य लाभ और न ही लेखांकन लाभ को प्रभावित करता है।

जहां कंपनी अस्थायी अंतर के उत्क्रम को नियंत्रित करने में सक्षम है या उसको छोड़कर सहायिकाओं तथा अनुषंगियों में निवेश करती है, वहां ऐसे कर योग्यों के अस्थायी अंतरों के लिए आस्थगित कर देयताओं को मान्यता प्राप्त होती है। यह संभव है कि अस्थायी अंतर निकट भविष्य में रद्द नहीं होगी, ऐसे निवेशों तथा ब्याजों के साथ जुड़े अथवा घटाए गए अस्थायी अंतर से उत्पन्न आस्थगित कर आस्तियों को कुछ हद तक मान्यता प्राप्त है, यह संभव है कि वहां अस्थायी अंतरों के लाभ का उपयोग करने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगी।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में आस्थगित कर संपत्ति के वहन राशि की समीक्षा की जाती है और उसे कम भी किया जा सकता है। यह संभव नहीं है कि संपत्ति के किसी या सभी हिस्से को पुनःप्राप्त करने की अनुमति के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा। प्रत्येक रिपोर्टिंग वर्ष के अंत में अमान्यता प्राप्त आस्थगित कर संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है और इसे इस हद तक मान्यता दी जाती है कि आस्थगित कर संपत्ति के सभी या कुछ हिस्सों को पुनःप्राप्त करने की अनुमति के लिए पर्याप्त कर लाभ उपलब्ध हो सके।

आस्थगित कर संपत्तियों और देयताओं को कर दरों पर मापा जाता है और इसे उस अवधि में लागू करने की अपेक्षा भी की जाती है, जिससे कि कर दरों (तथा कर कानून) पर आधारित देयताओं व आस्तियों का निपटारा किया जा सके। इसे रिपोर्टिंग तिथि के अंत तक लागू या मूल रूप से अधिनियमित किया जाता है।

आस्थगित कर देयताओं और परिसंपत्तियों का माप उन कर परिणामों को दर्शाता है जो उस तरीके से अनुसरण करेंगे जिस तरह से कंपनी को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, अपनी संपत्ति और देयताओं की वहन राशि को पुनर्प्राप्त या व्यवस्थित करने की उम्मीद है।

संबन्धित मदों को छोड़कर चालू और आस्थगित कर को क्रमशः उनके अन्य व्यापक आय या सीधे इक्विटी में स्वीकार किया गया है। चालू और आस्थगित कर को अन्य व्यापक आय में सीधे इक्विटी के अंतर्गत लाभ या हानि के रूप में स्वीकार किया जाता है। जब चालू कर या आस्थगित कर व्यावसायिक संगठन के प्रारम्भिक लेखांकन में आते हैं तो उसके कर प्रभाव को व्यावसायिक संगठन के लेखांकन में शामिल किया जाता है।

2.18 कर्मचारी हित लाभ

2.18.1 अल्पावधि हित लाभ

अल्पकालिक कर्मचारी लाभ ऐसे कर्मचारी लाभ (समाप्ति लाभों के अलावा) हैं जो वार्षिक प्रतिवेदन के अंत में, जिसमें संबंधित कर्मचारी सेवा प्रदान करते हैं, बारह महीने से पूर्व निपटाए जाने की उम्मीद है।

कर्मचारियों के सभी अल्पावधि लाभ को उस अवधि में मान्यता प्राप्त होते हैं जिस अवधि तक वे खर्च किए जाते हैं।

2.18.2 रोजगार पश्चात लाभ एवं अन्य कर्मचारियों के लिए दीर्घावधि लाभ

2.18.2.1 परिभाषित योगदान योजनाएं

एक परिभाषित योगदान योजना एक रोजगारोत्तर लाभ योजना है जिसके तहत कंपनी एक अलग निकाय द्वारा बनाए गए फंड में निश्चित योगदान का भुगतान करती है और कंपनी के पास आगे की राशि का भुगतान करने के लिए कोई कानूनी या रचनात्मक दायित्व नहीं होगा। परिभाषित योगदान योजनाओं में योगदान के लिए दायित्वों को कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली अवधि के दौरान लाभ और हानि के विवरण में कर्मचारी लाभ व्यय के रूप में पहचाना जाता है।

2.18.2.2 परिभाषित लाभ योजनाएं-

परिभाषित लाभ योजनाएं एक परिभाषित योगदान योजनाओं के अलावा एक अन्य रोजगार लाभ योजनाएं भी हैं। उपदान, छुट्टी भुगतान आदि परिभाषित लाभ योजनाएं हैं। परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में कंपनी की शुद्ध दायित्वों को भविष्य लाभ राशियों के तहत आकलन कर के गणना की जाती है, जिसे कर्मचारियों ने अपने सेवा के बदले वर्तमान और पूर्व की अवधि में अर्जित किया है। लाभ में रियायत अपने वर्तमान मूल्य को लेकर किया जाता है तथा संपत्तियों के उचित मूल्य के द्वारा उसे हटाया भी जाता है, इनमें से जो भी उचित हो, के द्वारा कार्य निष्पादित किया जाता है। छूट की दर जो कि वर्तमान समय में कंपनी के दायित्वों में उल्लेखित शर्तों के अंतर्गत परिपक्व होने वाली रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों की मौजूदा बाजार पर आधारित होती है और यह एक ही मुद्रा में अंकित होगी, जिसमें लाभ का भुगतान करने की अपेक्षा होती है।

बीमांकिक मूल्यांकन के प्रयोग में छूट दर के बारे में धारणाएं आस्तियों पर अपेक्षित वसूल किए गए भावी दर, वेतन वृद्धि दर तथा नैतिकता दर आदि के अंतर्गत शामिल होती हैं। इस तरह के अनुमान इन योजनाओं की दीर्घावधि के कारण अनिश्चितताओं के अधीन हैं। अनुमानित इकाई क्रेडिट विधि का उपयोग कर प्रत्येक तुलनपत्र पर अंकित होती

हैं जिनकी गणना बीमांकक द्वारा की जाती है। जब गणना कंपनी के हित में हों, तो भविष्य में योजना के योगदान में कमी या योजना से धन वापसी के रूप में आर्थिक लाभों में स्वीकृत आस्तियों का उपलब्ध वर्तमान मूल्य पर सीमित किया जाता है। यदि योजना देयताओं के समाधान पर या योजना के दौरान वसूली योग्य हो तो कंपनी को आर्थिक लाभ उपलब्ध होगा।

कुल पारिभाषित देयताओं का पुनःमाप किया जाता है जिसमें आस्ति योजना (ब्याज छोड़कर) पर वसूली को ध्यान में लेते हुए बीमांकिक लाभ व हानि को शामिल किया गया हो तथा आस्तियों (ब्याज छोड़कर यदि कोई हो) का प्रभाव अन्य व्यापक आय में तुरंत स्वीकार किया जाता है। कंपनी निर्धारित अवधि के लिए पारिभाषित लाभ दायित्वों को मापने एवं उपयोग होने वाली छूट दर को लागू करने के लिए शुद्ध पारिभाषित लाभ देयताओं (आस्ति) पर शुद्ध ब्याज (आय) निर्धारित करती है। इसके बाद वार्षिक अवधि के दौरान पारिभाषित लाभ देयताएं (आस्ति) योगदान और लाभ भुगतान के परिणामों के फलस्वरूप प्राप्त पारिभाषित लाभ देयताओं के अंतर्गत आस्तिओं में परिवर्तन करती है।

पारिभाषित लाभ योजनाओं से संबंधित कुल ब्याज खर्च एवं अन्य खर्चों को लाभ व हानि में स्वीकार किया जाता है। जब योजना से प्राप्त लाभों में बढ़ोतरी की जाती है तब कर्मचारियों द्वारा पिछले सेवा से संबंधित बढ़ाये गए लाभों को लाभ व हानि विवरण में खर्च के रूप में दर्शाया जाता है।

2.18.3 अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

अल्पकालिक कर्मचारी लाभ, रोजगार के बाद के लाभ और समाप्ति लाभों के अलावा अन्य सभी कर्मचारी लाभ अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ हैं।

अन्य लंबी अवधि के कर्मचारी लाभों में वे वस्तुएं शामिल हैं जिसके निपटान की उम्मीद वार्षिक प्रतिवेदन जिसमें कर्मचारी ने संबंधित सेवा प्रदान की है, के बारह महीने के पूर्व नहीं है।

अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के लिए, निम्नलिखित राशियों का कुल योग लाभ या हानि के विवरण में स्वीकार किया जाता है:

(क) सेवा लागत

(ख) शुद्ध पारिभाषित लाभ देयता (परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज

(ग) शुद्ध पारिभाषित लाभ देयता (परिसंपत्ति) के पुनः मापन

2.19 विदेशी मुद्रा

भारतीय रुपए (आईएनआर) आर्थिक क्षेत्र में प्रमुख मुद्रा होने के कारण कंपनी ने अपने मुख्य संचालनों के लिए मुद्रा एवं कार्यात्मक मुद्रा को भारतीय रुप में प्रतिवेदित किया है।

लेनदेन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दर का उपयोग करते हुए कंपनी ने विदेशी मुद्राओं में हुए लेन देन को प्रतिवेदित मुद्रा में परिवर्तित किया है। प्रतिवेदित अवधि के अंत में बकाया विदेशी मुद्राओं में अंकित मौद्रिक संपत्ति और देयताएं, प्रतिवेदित अवधि के अंत में प्रचलित विनिमय दरों पर बदली की जाती है। मौद्रिक संपत्ति एवं देयताओं का निपटान अवधि के दौरान प्रारंभिक पहचान पूर्व से परिवर्तित दर पर भिन्न मौद्रिक संपत्ति एवं देयताओं के दर में परिवर्तित होने के कारण होती है, इसे भिन्न विनिमय लाभ व हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त है।

विदेशी मुद्रा में अंकित गैर मौद्रिक मदों को लेनदेन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दरों में शामिल किया जाता है।

2.20 स्ट्रिपिंग गतिविधि व्यय/समायोजन

खुली खदान, खनन के मामलों में खदान के अनुपयोगी सामानों (ओवरबर्डन) जैसे मिट्टी एवं चट्टान को कोयला सीमा के ऊपर से निकालना आवश्यक होता है ताकि कोयला एवं उसके निष्कर्षण को प्राप्त किया जा सके। खुली खदानों में कंपनी को खानों की सुरक्षा (तकनीकी रूप से अनुमानित) करने हेतु ऐसे खर्चों का सामना करना पड़ता है।

इसलिए एक नीति के अंतर्गत प्रतिवर्ष 1 लाख टन की क्षमता के साथ खानों में स्ट्रिपिंग की लागत पर, स्ट्रिपिंग गतिविधि आस्ति और अनुपात विवरण के समायोजन पर एवं प्रत्येक खदान पर तकनीकी मूल्यांकन वाले औसत स्ट्रिपिंग अनुपात (ओबी:कोयला) के रूप में खर्च किया जाता है। खानों के बाद खाते को राजस्व में लाया जाता है।

स्ट्रिपिंग गतिविधियों के तहत आस्ति एवं तुलनपत्र की तिथि में अनुपात भिन्नता की कुल शेष राशि को गैर वर्तमान प्रावधान/ अन्य गैर वर्तमान आस्तियों के शीर्ष के अंतर्गत स्ट्रिपिंग गतिविधि के समायोजन के रूप में अंकित किया जाता है।

रिकॉर्ड के अनुसार प्रतिवेदित अपशिष्ट पदार्थों की मात्रा ओबीआर लेखांकन अनुपात जहां प्रतिवेदित मात्रा एवं मापी गई मात्रा में भिन्नता हो, को दो वैकल्पिक अनुमेय सीमा के भीतर गणना हेतु ध्यान में लाया जाता है जैसा कि नीचे उल्लेखित है।

खान के ओबीआर का वार्षिक क्वांटम	विचलन की अनुमानित सीमाएं(%)
1 मिलियन घन-मीटर से कम	+/- 5%
1 से 5 मिलियन घन-मीटर के बीच	+/- 3%
5 मिलियन घन-मीटर से अधिक	+/- 2%

हालांकि, जहां उपरोक्त भिन्नता मुनासिब सीमा से परे हो, तो वहां उसे मात्रा के रूप में माना जाएगा।

1 मिलियन टन से कम क्षमता वाले खानों के मामलों में उपरोक्त नीति लागू नहीं होगी और वर्ष के दौरान खर्च किये गए स्ट्रिपिंग गतिविधि के वास्तविक लागत को लाभ और हानि के रूप में मान्यता प्राप्त होगी।

2.21 वस्तु सूची

2.21.1 कोयला भंडार:

कोल/कोक की वस्तुसूची कम लागत और शुद्ध वसूली मूल्य पर दर्शायी जाती है। वस्तुसूची की लागत की गणना औसत भार पद्धति के माध्यम से की जाती है। शुद्ध प्राप्त मूल्य वस्तु की अनुमानित बिक्री मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है और बिक्री करने के लिए सभी आवश्यक लागत को पूर्ण भी करती है।

कोल आरक्षित स्टॉक खाते में यह माना जाता है कि जहां आरक्षित स्टॉक और मापी गई स्टॉक के बीच का अंतर +/-5% तक हो या ऐसे मामलों में जहां अंतर +/-5% से अधिक हो वहां उसे मापा हुआ स्टॉक माना जायेगा। ऐसे स्टॉक का मूल्य शुद्ध वास्तविक मूल्य या लागत में से जो भी कम हो, माना जाएगा। कोक को कोयला स्टॉक के हिस्से के रूप में माना जाता है।

कोयला, कोक-फाइन कोयला के मूल्य को कम लागत या शुद्ध वसूली मूल्य पर लगाया जाता है और उसे कोयला स्टॉक के हिस्से के रूप में माना जाता है।

स्लरी (कोकिंग/सेमी-कोकिंग) वाशरी के मिडलिंग्स और उनके उत्पाद का मूल्य शुद्ध वसूली मूल्य पर लगाया जाता है और उन्हें कोल स्टॉक के हिस्से के रूप में माना जाता है।

2.21.2 भंडार और पुर्जे

केंद्रीय और क्षेत्रीय भंडार स्टॉक और कल पुर्जे (जिसमें अव्यवस्थित उपकरण भी शामिल हैं) के स्टॉक को मूल्य भंडार लेजर में प्रदर्शित शेष राशि के अनुसार माना जाता है और भारित औसत पद्धति के आधार पर गणना की गई लागत पर मूल्यांकित किया जाता है। कोलियरी/उप-भंडार/ड्रिलिंग कैप/उपभोक्ता केंद्रों पर पड़े भंडार और कल पुर्जे की सूची को वर्ष के अंत में केवल भौतिक रूप से सत्यापित भंडार के अनुसार माना जाता है और लागत पर मूल्यांकित किया जाता है।

अनुपयोगी, क्षतिग्रस्त और अप्रचलित भंडार और पुर्जे के लिए 100% की दर से एवं विगत 5 वर्षों से जो भंडार व पुर्जे उपयोग में नहीं लाये गए हैं उनके लिए 50% की दर का प्रावधान बनाया गया।

2.21.3 अन्य वस्तु सूची

कार्यशाला के कार्यों का मूल्यांकन उनके कार्य की प्रगति पर निर्धारित होती है। प्रेस कार्य का स्टॉक (कार्य प्रगति के साथ) मुद्रण प्रेस में स्टेशनरी और केंद्रीय अस्पताल में दवाओं की लागत मूल्य पर निर्धारित होती है।

हालांकि स्टेशनरी (प्रिंटिंग प्रेस में लाने के अलावा) ईंटों, रेत, दवाइयों (केंद्रीय अस्पताल को छोड़कर) विमान के पुर्जे और स्क्रेप आदि को सूची में उल्लेखित नहीं किया जाता है क्योंकि उनका मूल्य महत्वपूर्ण नहीं होता।

2.22 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं एवं संपत्तियां

प्रावधान को तब मान्यता प्राप्त होता है जब कंपनी की पिछली घटना के परिणाम स्वरूप वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) उसे प्राप्त हो, और यह संभव है कि दायित्वों का निपटान करने के लिए आर्थिक लाभों की आवश्यकता होनी आवश्यक है और उसे दायित्वों की विश्वसनीयता के रूप में भी लिया जा सकता है। जहां समय मूल्यवान है वहां दायित्व का निपटान करने के लिए अपेक्षित व्यय को वर्तमान मूल्य के अनुरूप रखा जाता है।

सभी प्रावधानों की समीक्षा प्रत्येक तुलनपत्र तिथि पर की जाती है और वर्तमान सर्वोत्तम अनुमान को दर्शाने के लिए उसका समायोजन किया जाता है।

जहां यह संभावना हो कि आर्थिक लाभों का आउटफ्लो आवश्यक होगा या राशि का सटीक रूप से अनुमान नहीं लगाया गया हो, तो वहाँ दायित्वों को आकस्मिक देयताओं के रूप में प्रकट किया जाना प्रासंगिक हो जाता है जब तक कि आर्थिक लाभ के आउटफ्लो की संभावना रिमोट नहीं होती। संभावित दायित्व के अस्तित्व की केवल एक या अधिक भावी अनिश्चित घटनाओं की उपस्थिति या गैर-घटना से पुष्टि की जाएगी, जो कि पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं होगी एवं जब तक कि आर्थिक लाभ के आउटफ्लो की संभावना रिमोट नहीं होती, तब तक उन्हें प्रासंगिक देयताओं के रूप में प्रकट किया जाएगा।

प्रासंगिक संपत्तियों को वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त नहीं है। हालांकि जब आय की प्राप्ति वास्तव में निश्चित होती है, तो संबंधित कोई भी संपत्ति आकस्मिक संपत्ति नहीं होती है और इनकी मान्यताएं यथोचित होती हैं।

2.23 उपार्जित शेयर

अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों को भारित औसत संख्या द्वारा कर के बाद शुद्ध लाभ से विभाजित करके प्रति शेयर मूल आय की गणना की जाती है। प्रति शेयरों में मंदित आय की गणना इक्विटी शेयरों की औसत लाभ को विभाजित करके की जाती है, जो कि शेयरों की मूल आय से प्राप्त होती है और इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या जो कि सभी डिलिटिव संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी की जाती है।

2.24 निर्णय, आकलन और धारणाएं

भारतीय लेखांकन मानक के अनुरूप वित्तीय विवरणों की तैयारी में लेखांकन नीतियों के लागू करने को प्रभावित करने वाले अनुमान, निर्णय और धारणाएं बनाने के लिए प्रबंधन की आवश्यकता होती है जो लेखांकन नीतियों और संपत्तियों और देयताओं की रिपोर्ट की गई राशि, वित्तीय विवरणों की तारीख पर आकस्मिक संपत्तियों और देयताओं के प्रकटीकरण और रिपोर्ट अवधि के दौरान राजस्व और व्यय की राशि को प्रभावित करता है। जटिल और व्यक्ति पर निर्णयों से जुड़े लेखांकन नीतियों का उपयोग और इन वित्तीय विवरणों में धारणाओं के उपयोग का खुलासा किया गया है। लेखांकन परिणाम समय-समय पर परिवर्तित होते रहते हैं। वास्तविक परिणाम अनुमानित लागत से भिन्न होते हैं। अनुमान के आधार पर इनकी निरंतर समीक्षा की जाती है और समयानुरूप लेखा अनुमानों का पुनर्निरीक्षण एवं उनका संशोधन भी किया जाता है। सामग्रियों को उनके वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में प्रभावी रूप से प्रकट किया जाता है।

2.24.1 निर्णय

कंपनी की लेखांकन नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया में प्रबंधन ने निम्नलिखित फैसले लिए हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण प्रकाश वित्तीय वक्तव्यों में मान्यता प्राप्त राशियों पर डाला गया है:

2.24.1.1 लेखांकन नीतियों का निर्माण

लेखांकन नीतियां ऐसे वित्तीय वक्तव्य हैं जिसमें लेनदेन, अन्य घटनाओं और शर्तों के बारे में प्रासंगिक और विश्वसनीय जानकारी प्राप्त होती है, जिसमें वे प्रयुक्त हैं। जिन नीतियों का प्रभाव अव्यवस्थित हो उन नीतियों को लागू करने की आवश्यकता नहीं होती।

प्रबंधन ने भारतीय लेखांकन मानक के अभाव में जो विशिष्ट रूप से लेनदेन, घटना की स्थिति पर लागू होते हैं, के अंतर्गत अपने निर्णयानुसार लेखांकन नीतियों के विकास तथा उसे लागू करने के लिए तथा परिणाम प्राप्त करने हेतु निम्न जानकारीयाँ उद्धृत की है।

क. उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णय लेने के अनुरूप और

ख. वित्तीय वक्तव्यों में विश्वसनीयता:

(i) कंपनी ईमानदारी से वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नगदी प्रवाह का प्रतिनिधित्व करती है। (ii) आर्थिक लेनदेन, अन्य घटनाएं और स्थितियां अवैध रूप से प्रतिबिंबित है। (iii) तटस्थ, अर्थात् पूर्वाग्रह से मुक्त है (iv) विवेकी, तथा (v) सभी सामग्रियां पूर्ण रूप से निरंतरता पर आधारित होती हैं।

निर्णय लेने में प्रबंधन निम्नलिखित स्रोतों को अवरोही क्रम में संदर्भित करता है, और उनकी प्रयोज्यता पर विचार करता है:

(क) भारतीय लेखांकन मानक में लेनदेन से संबंधित मुद्दों की आवश्यकताएं, और

(ख). परिभाषित मानदंड और आस्तियां, देनदारी आय और खर्च की अवधारणा।

निर्णय लेने के लिए प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानक बोर्ड की सबसे हाल की घोषणाओं पर विचार करती है और उनकी अनुपस्थिति में अन्य मानक स्थापित निकायों जो कि सामान्य विचारात्मक तंत्र का उपयोग करते हुए लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन साहित्य और स्वीकृत उद्योग कार्य का विकास करती है जिससे कि उपरोक्त अनुच्छेद में स्रोतों के साथ विवाद की स्थिति न पैदा हो।

कंपनी खनन क्षेत्र का संचालन करती है (एक ऐसा क्षेत्र जहां अन्वेषण, मूल्यांकन, उत्पादन चरण का विकास विभिन्न स्थलाकृति और भू-क्षेत्र के इलाकों पर आधारित है, जो दशकों से चल रहे पट्टे में फैला हुआ है और जहां लगातार परिवर्तन की संभावनाएं होती हैं) जहां लेखांकन नीतियों की वृद्धि हुई है। पिछले कई दशकों से अनुसंधान समितियों द्वारा विशिष्ट उद्योग प्रथाओं की नियमावली के रूप में उसे अनुमोदित किया गया है। कंपनी लेखांकन साहित्य के विकास के साथ-साथ लेखांकन नीतियों के भी विकास का प्रयास करती है और इसमें भारतीय लेखांकन मानक 8 के विकास का विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है।

वित्तीय वक्तव्यों को लेखांकन के आधार पर तैयार किया जाता है।

2.24.1.2 सामग्रीयाँ

भारतीय लेखांकन मानक सामग्री युक्त वस्तुओं का उपयोग करती है। प्रबंधन विचार करते हुए यह निर्णय लेते हैं कि एकीकृत वस्तुओं या वस्तुओं के समूह को वित्तीय विवरणों में सामग्री के रूप में लिया जा सकता है। सामग्री का आकलन वस्तुओं के आकार और प्रकृति के अनुरूप किया जाता है। निर्णायक कारण यह है कि उपयोगकर्ता वित्तीय निर्णयों के आधार पर निर्णय लेते हैं जो कि भूल चूक से आर्थिक निर्णय को प्रभावित भी करते हैं। प्रबंधन भारतीय लेखांकन मानक के मदों का निर्धारण करते हुए आवश्यकताओं को पूर्ण करती है एवं किसी विशेष परिस्थिति में या तो प्रकृति या किसी मद की मात्रा या कुल वस्तुओं का निर्धारण भी करती है। इसके अलावा कंपनी अपने जरूरत के अनुरूप मौजूदा सभी वस्तुओं को अलग से रखती है ताकि नियमानुरूप जब उन्हें इनकी आवश्यकता हो तब इनका उपयोग किया जा सके।

01.04.2019 से पूर्व की अवधि से संबंधित चालू वर्ष में पाई गई त्रुटियों / चूक को महत्वहीन माना जाता है और चालू वर्ष के दौरान समायोजित किया जाता है, कंपनी के अंतिम लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण के अनुसार यदि ऐसी सभी त्रुटियाँ और चूक कुल परिचालन से कुल राजस्व (सांविधिक लेवी का शुद्ध) के 1% से अधिक नहीं हैं।

2.24.1.3 परिचालन पट्टा

कंपनी ने पट्टा समझौते में प्रवेश किया है। कंपनी शर्तों और निबंधन समझौते के मूल्यांकन के आधार पर यह निर्धारित करती है कि पट्टे आर्थिक जीवन के वाणिज्यिक संपत्ति का मुख्य भाग और आस्ति के उचित मूल्य के रूप में गठित नहीं किए जा सकते हैं, ताकि जो बरकरार है वे सभी महत्वपूर्ण जोखिमों, स्वामित्व और परिचालन पट्टे को अनुबंध खाते में रखे जा सके।

2.24.2 आकलन और धारणाएँ

रिपोर्टिंग तिथि में भावी भविष्य और अन्य महत्वपूर्ण स्रोतों के बारे में मुख्य धारणाएँ दी गई हैं, जो कि अगले वित्तीय वर्ष में आस्तियों और देयताओं की मात्रा के रूप में समायोजित किए जायेंगे, जिनका विवरण नीचे दिया गया है। कंपनी आकलन और धारणाओं के आधार पर समेकित वित्तीय वक्तव्यों को तैयार करती है। कंपनी भविष्य में होने वाले विकास जिसमें बाजार में होने वाली परिवर्तनों पर मौजूदा परिस्थिति के अनुरूप उन पर नियंत्रण रखती है। ऐसे बदलाव तब होते हैं जब वे घटित होती हैं।

2.24.2.1 गैर वित्तीय सम्पत्तियों की हानि

अगर किसी आस्ति या नकद उत्पन्न करने वाली इकाई का वहन मूल्य उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक हो, तो हानि का संकेत है, जोकि इसके उचित मूल्य से निपटने की कम लागत और उपयोग में इसके मूल्य से अधिक है। कंपनी हानि के परीक्षण के उद्देश्य से अलग-अलग खानों को अलग नकद उत्पादन इकाइयों के रूप में मानती है। उपयोग की जाने वाली गणक मान डीसीएफ मॉडल पर आधारित होती है। नगदी प्रवाह को अगले पाँच वर्षों के लिए बजट से प्राप्त किया जाता है और जिसमें पुनर्गठन की गतिविधियाँ शामिल नहीं की जाती, जिसके लिए कंपनी अभी तक प्रतिबद्ध नहीं है एवं जिसमें सीजीयू की आस्तियों के प्रदर्शनों का भविष्य में उपयोग किया जा सके। वसूली राशि संवेदनशील होती है जो कम दर पर डीसीएफ मॉडल के साथ-साथ अपेक्षित भावी नगदी और प्रविष्टि प्रयोजन के विकास दर को बढ़ाती है। यह अनुमान अन्य खनन के बुनियादी ढांचे के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है। विभिन्न सीजीयू के लिए वसूली योग्य राशि का निर्धारण करने के लिए प्रमुख मान्यताओं का वर्णन किया गया है और जिसे आगे संबन्धित टिप्पणियों में भी वर्णित किया गया है।

2.24.2.2 कर

अस्थायी आस्तियाँ को अप्रयुक्त कर हानियों के लिए उस सीमा तक मान्यता प्राप्त है, जिस सीमा तक कर लगाने योग्य लाभों की उपलब्धता को उनके घाटे में भी उपयोग किया जा सके। प्रबंधन के महत्वपूर्ण निर्णयों की आवश्यकता इसलिए है कि आस्थगित कर आस्तियों की राशि का निर्धारण किया जा सके जिससे वह पहचाने जा सके। उपरोक्त समय के आधार पर और भविष्य में कर के लाभों के स्तर के साथ भावी कर योजनाओं के तहत रणनीतियाँ बनाई जायेंगी।

2.24.2.3 योजनाओं के लाभ की परिभाषा

पारिभाषित लाभ, ग्रेजुएटी योजना और अन्य रोजगार चिकित्सा लाभों की लागत और ग्रेजुएटी दायित्वों के वर्तमान मूल्य का निर्धारण बीमांकिक मूल्यांकन से किया जाता है। मूल्यांकन में विभिन्न धारणाएँ शामिल होती हैं, जो भविष्य में वास्तविक विकास से भिन्न हो सकती हैं। इसमें छूट दर, भविष्य में वेतन बढ़ोतरी और मृत्यु दर का निर्धारण शामिल किया जाता है।

मूल्यांकन और इसकी दीर्घकालिक प्रकृति में शामिल जटिलता, परिभाषित लाभ, दायित्वों की मान्यताओं में परिवर्तन अत्यंत ही संवेदनशील होते हैं। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में सभी मान्यताओं की समीक्षा की जाती है। सबसे अधिक परिवर्तन होने वाला विषय छूट दर होता है। भारत में संचालित योजनाओं के लिए उपर्युक्त छूट दर को निर्धारित करने में प्रबंधन सरकारी बॉन्ड के ब्याज दरों के साथ मुद्रित रोजगार के ब्याज दायित्वों पर विचार करती है।

मृत्यु दर देश की सार्वजनिक रूप से उपलब्ध मृत्यु दर तालिकाओं पर आधारित है। जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के जवाब में उन मृत्यु दर तालिकाओं में अंतराल पर ही परिवर्तन होता है।

2.24.2.4 वित्तीय साधनों का उचित मूल्य माप

जब तुलनपत्र में दर्ज वित्तीय आस्तियों और वित्तीय देयताओं के उचित मूल्य को सक्रिय बाजारों में उद्धृत कीमतों के आधार पर मापा नहीं जा सकता, तो उनका उचित मूल्य डीसीएफ मॉडल के साथ आमतौर पर स्वीकृत मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके मापा जाता है। जहां तक संभव हो इन मॉडलों को बाजार से लिया जाता है। परंतु जहां तक संभावना हो, वहाँ उचित मूल्यों को स्थापित करने के लिए निर्णायक परिणामों की आवश्यकता पड़ती है। निर्णय में नगदी की जोखिम, क्रेडिट जोखिम, अस्थिरता और अन्य प्रासंगिक इनपुट जैसे विचाराधीन निवेश शामिल होते हैं। धारणाओं में परिवर्तन और अनुमानित ऐसे कारक वित्तीय रिपोर्ट में दिये गए उचित मूल्य को प्रभावित करते हैं।

2.24.2.5 विकास के तहत अमूर्त संपत्तियां

कंपनी ने लेखांकन नीति के अनुसार अमूर्त आस्तियों का उपयोग परियोजना के विकास के लिए किया है। आमतौर पर जब परियोजना की रिपोर्ट तैयार की जाती है, तब निर्णयों के आधार पर प्रबंधन द्वारा प्रारम्भिक पूँजी लागत की तकनीक और आर्थिक व्यवहार को स्वीकार किया जाता है।

2.24.2.6 खानों को बंद करने, साइट पुनः स्थापना व डीकमिस्निंग दायित्वों के लिए प्रावधान

खदानों को बंद करने के लिए उचित कारणों का होना अनिवार्य है। साइट पुनः स्थापना और डीकमिस्निंग दायित्व निम्न छूट दर पर प्राप्त होती है। साइट पुनः स्थापना और निराकरण अपेक्षित समय पर एवं अपेक्षित लागत के अनुरूप होते हैं। कंपनी परियोजना/ खानों में डीसीएफ पद्धति को चलाने का प्रावधान करती है।

- कोल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों में विनिर्दिष्ट, के अनुसार अनुमानित लागत प्रति हेक्टर होगी।
- छूट दर (प्रति कर दर) जो समय के वर्तमान मूल्यों के मूल्यांकन और देयताओं के लिए वर्तमान बाजार द्वारा किए गए आकलन को दर्शाती है।

2.25 संक्षेपों का प्रयोग:

क.	सीजीयू	नगद उत्पाद इकाई	झ.	ईसीएल	ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ख.	डीसीएफ	रियायती नगद प्रवाह	ट.	बीसीसीएल	भारत कोकिंग कोल लिमिटेड
ग.	एफवीटीओसीआई	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	ठ.	सीसीएल	सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
घ.	एफवीटीपीएल	लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य)	ड.	एसईसीएल	साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ड.	जीएएपी	आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत	ढ.	एमसीएल	महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
च.	भारतीय लेखांकन मानक	भारतीय लेखांकन मानक	त..	एनसीएल	नोर्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
छ.	ओसीआई	अन्य व्यापक आय	थ.	डब्लूसीएल	वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ज.	पी एंड एल	लाभ और हानि	द.	सीएमपीडी आईएल	सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड
झ	पीपीई	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	ध.	एनईसी	नॉर्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स
ट	एसपीपीआई	केवल मूलधन और ब्याज का भुगतान	न.	आईआईसी एम	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कोल मैनेजमेंट
ठ.	ईआईआर	प्रभावी ब्याज दर	प.	सीआईएल	कोल इंडिया लिमिटेड

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 3 :संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

(₹ करोड़ में)

	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	अन्य भूमि	भूमि सुधार / साइट पुनर्स्थापना लागत	निर्माण (पानी की आपूर्ति, सड़कों और पुल सहित)	संयंत्र एवं उपकरण	दूरसंचार	रेलवे साईडिंग	फर्नीचर व फिक्सचर	कार्यालय उपकरण	वाहन	अन्य खनन आधार संरचना	सर्वे आफ की गई आस्तियां	रेल कोरीडोर	अन्य (सौर)	कुल
सकल वहन राशि : 1 अप्रैल 2020 तक जोड़	30.49	4,620.74	310.82	642.19	1,805.53	27.56	249.29	23.59	25.45	22.54	1,498.53	19.63	-	-	9,276.36
विलोपन /समायोजन	(0.13)	6.84	(4.38)	79.80	(147.61)	3.06	49.49	(0.01)	(8.81)	1.49	(1,269.63)	(2.76)	1,124.35	-	(168.30)
31 मार्च 2021 तक	30.36	5,606.19	353.33	869.21	2,000.91	32.08	299.67	28.56	26.67	25.29	261.62	36.49	1,124.36	-	10,694.74
1 अप्रैल 2021 के तक जोड़	30.36	5,606.19	353.33	869.21	2,000.91	32.08	299.67	28.56	26.67	25.29	261.62	36.49	1,124.36	-	10,694.74
विलोपन /समायोजन	-	1,300.13	61.78	103.54	700.34	7.53	95.11	2.77	8.19	6.30	46.91	10.69	-	0.52	2,343.81
31 मार्च 2022 तक	(27.93)	27.02	(32.33)	7.00	(206.30)	(0.06)	-	(1.01)	(3.10)	(1.77)	7.44	(8.55)	-	-	(239.59)
	2.43	6,933.34	382.78	979.75	2,494.95	39.55	394.78	30.32	31.76	29.82	315.97	38.63	1,124.36	0.52	12,798.96
संचित,मूल्यह्रास एवं हानि 1 अप्रैल 2020 तक वर्ष के लिए प्रभार हानि	-	728.56	148.44	87.73	692.74	22.43	55.86	9.44	12.42	10.56	255.93	8.08	-	-	2,032.19
विलोपन /समायोजन	-	198.88	20.01	64.38	186.72	1.87	21.44	2.45	5.78	2.90	18.27	-	74.96	-	597.66
31 मार्च 2021 तक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	11.74	-	-	11.74
	-	(23.65)	-	21.35	(137.58)	0.53	20.01	0.45	(5.96)	1.08	(198.09)	(1.65)	149.10	-	(174.41)
	-	903.79	168.45	173.46	741.88	24.83	97.31	12.34	12.24	14.54	76.11	18.17	224.06	-	2,467.18
1 अप्रैल 2021 के तक अवोध के लिए प्रभार हानि	-	903.79	168.45	173.46	741.88	24.83	97.31	12.34	12.24	14.54	76.11	18.17	224.06	-	2,467.18
विलोपन /समायोजन	-	182.23	17.39	66.58	197.85	1.85	21.30	2.43	6.61	2.65	20.31	-	76.28	0.02	595.50
31 मार्च 2022 तक	-	-	-	0.17	-	-	-	-	0.01	1.09	6.36	-	-	-	7.63
	-	(0.21)	-	-	(203.73)	-	-	(1.03)	(2.91)	(1.99)	-	(5.13)	-	-	(215.00)
	-	1,085.81	185.84	240.21	736.00	26.68	118.61	13.74	15.95	15.20	97.51	19.40	300.34	0.02	2,855.31
निवल वहन राशि 31 मार्च 2022 तक	2.43	5,847.53	196.94	739.54	1,758.95	12.87	276.17	16.58	15.81	14.62	218.46	19.23	824.02	0.50	9,943.65
31 मार्च 2021 तक	30.36	4,702.40	184.88	695.75	1,259.03	7.25	202.36	16.22	14.43	10.75	185.51	18.32	900.30	-	8,227.56

1. अचल संपत्तियों के शीर्षक विलेख (टाइटल डीड) कंपनी के नाम पर नहीं हैं।

संपत्ति की वस्तु का विवरण	सकल वहन मूल्य	के नाम पर किए गए टाइटल डीड	क्या टाइटल डीड धारक प्रमोटर, निर्देशक या प्रमोटर/निर्देशक के रिश्तेदार= या प्रमोटर/निर्देशक के कर्मचारी हैं।	संपत्ति किस तारीख से धारित है
पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	2.43	लागू नहीं	लागू नहीं	विविध तारीख
अन्य भूमि	6,933.34	लागू नहीं	लागू नहीं	विविध तारीख

कंपनी के नाम नहीं होने का कारण

फ्रीहोल्ड भूमि के कुछ मामलों को छोड़कर, जहां कानूनी औपचारिकताओं के संबंधित रहने तक यह प्रगति पर है, अधिग्रहीत भूमि के लिए शीर्षक विलेख

कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) अधिनियम, 1957 और भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 के तहत अधिग्रहीत भूमि के लिए स्वामित्व विलेख

2. कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण एवं विकास) अधिनियम, 1957 के तहत अधिग्रहीत भूमि को भूमि के स्वामित्व के हस्तांतरण की अधिसूचना के आधार पर पूंजीकृत किया गया है, जिसके लिए विश्वसनीय अनुमान/मुआवजा रोल निर्धारित किया गया है

3. टिप्पणी 2.8 में उल्लिखित उपयोगी जीवन के आधार पर मूल्यह्रास प्रदान किया गया है। हालांकि, परिसंपत्ति के एक अलग वर्ग के भीतर एम्बेडेड कतिपय परिसंपत्तियों के मूल्य को अलग करने के लिए तकनीकी मूल्यांकन के पूरा होने तक, इन परिसंपत्तियों

4. भूमि सुधार/साइट बहाली लागत में अनुमानित लागत शामिल है जो खान बंद होने के चरण में मुद्रास्फीति (5% प्रतिवर्ष) के लिए विधिवत रूप से बढ़ी है और फिर 8% छूट दर पर छूट दी गई है जो उचित मूल्य और जोखिम की वर्तमान बाजार दर को दर्शाती है।

5. ₹ 1124.36 करोड़ लागत की सक्षम संपत्ति को रेल कोरिडोर हेड में शामिल किया गया है।

6. सीआईएल से परिचालित समिति की अनुशंसा दिनांक 17.04.2017 के अनुसार घटक लेखांकन का पालन किया जा रहा है।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 4 : पूँजीगत कार्य प्रगति पर

(₹ करोड़ में)

	भवन (पानी की आपूर्ति, सड़कों और कान्स्ट्रिक्ट सहित)	संयंत्र एवं उपकरण	रेलवे साईडिंग	अन्य खनन अवसंरचना / विकास	निर्माणाधीन रेल कोरिडोर	सौर परियोजना	अन्य	कुल
सकल वहन राशि								
1 अप्रैल 2020 तक योग	206.38	518.71	91.41	678.14	52.45	-	-	1,547.09
पूँजीकरण / विलोपन	184.49	254.28	117.40	317.31	46.30	-	-	919.78
31 मार्च 2021 तक	(80.16)	(73.45)	(8.26)	(69.58)	0.26	-	-	(231.19)
	310.71	699.54	200.55	925.87	99.01	-	-	2,235.68
1 अप्रैल 2021 के तक योग	310.71	699.54	200.55	925.87	99.01	-	-	2,235.68
पूँजीकरण / विलोपन	164.66	469.90	24.11	582.92	384.19	1.41	-	1,627.19
31 मार्च 2022 तक	(47.98)	(37.03)	(86.06)	(261.54)	109.11	-	-	(323.50)
	427.39	1,132.41	138.60	1,247.25	592.31	1.41	-	3,539.37
संचित हानि								
1 अप्रैल 2020 तक वर्ष के लिए प्रभार	0.11	12.75	0.12	18.55	-	-	-	31.53
हानि	-	-	-	-	-	-	-	-
विलोपन/समायोजन	3.30	-	-	-	-	-	-	3.30
31 मार्च 2021 तक	-	-	-	-	-	-	-	-
	3.41	12.75	0.12	18.55	-	-	-	34.83
1 अप्रैल 2021 के तक अवधि के लिए प्रभार	3.41	12.75	0.12	18.55	-	-	-	34.83
हानि	-	-	-	-	-	-	-	-
विलोपन / समायोजन	-	0.13	-	79.82	-	-	-	79.95
31 मार्च 2022 तक	-	-	-	-	-	-	-	-
	3.41	12.88	0.12	98.37	-	-	-	114.78
शुद्ध वहन राशि								
31 मार्च 2022 तक	423.98	1,119.53	138.48	1,148.88	592.31	1.41	-	3,424.59
31 मार्च 2021 तक	307.30	686.79	200.43	907.32	99.01	-	-	2,200.85

पूँजीगत कार्य - प्रगति पर (सीडब्ल्यूआईपी)
(क) पूँजीगत कार्य हेतु समय-सीमा अनुसूची :

	अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि					कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष		3 वर्ष से अधिक	
परियोजनाएं प्रगति पर :						
भवन (पानी की आपूर्ति, सड़कों और पुलियों सहित)	141.25	52.83	38.55		194.77	427.40
संयंत्र और उपकरण	410.31	231.53	184.78		305.78	1,132.40
रेलवे साईडिंग	24.37	102.14	7.45		5.16	139.12
अन्य खनन अवसंरचना/विकास	409.05	159.92	68.06		511.99	1,149.02
निर्माणाधीन रेल कोरिडोर	79.94	331.44	-		180.41	591.79
सौर परियोजना	1.41					1.41
अन्य						-
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं ::						
(प्रमुख का नाम (अर्थात् भवन/संयंत्र और उपकरण))						
जगन्नाथ भूमिगत खदान का विकास व्यय					11.90	11.90
तालचौर (पश्चिम) भूमिगत खदान का विकास व्यय					21.05	21.05
नटराज भूमिगत खदान का विकास व्यय	-	-	-		47.91	47.91
एमजेएसजे का विकास व्यय					17.37	17.37
कुल	1,066.33	877.86	298.84		1,296.34	3539.37

टिप्पणी 4 : पूँजीगत कार्य प्रगति पर

जारी.....

(ख) अतिदेय पूँजी-कार्य-प्रगति

परियोजनाएं प्रगति पर :	में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्षों	3 वर्ष से अधिक
भवन (पानी की आपूर्ति, सड़कों और पुलियाँ सहित)				
बसुंधरा में आरसीसी स्वागत द्वार	0.11			
गर्जनबहाल में ई एंड एम कार्यशाला	1.61			
गर्जनबहाली में एचईएमएम कार्यशाला	5.92			
सामुदायिक केंद्र का विकास	2.53			
928 क्वार्टरों का निर्माण	43.96			
कुलदा वर्कशॉप से लालमा चौक तक ब्लैक टॉपिंग रोड	1.73			
ईटीपी का संशोधन	0.39			
928 क्वार्टरों का निर्माण	14.74			
शॉपिंग सेंटर का विकास	0.45			
1 नं ब्रिज का निर्माण	1.66			
2 नं ब्रिज का निर्माण	2.67			
कार्यकर्ता छात्रावास का निर्माण	0.5			
बीओसीपी में 100 सीटर कैटिन का निर्माण	0.25			
पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का निर्माण	0.2			
ओरिएंट में भवन	7.89			
ए प्रकार के 7 क्वार्टर और बी प्रकार के 42 क्वार्टर का निर्माण	3.12			
एलओसीपी में सीटी रोड का निर्माण	20.97			
एसओसीपी में सीटी रोड का निर्माण	17.32			
संयंत्र और उपकरण				
वेस्को ओएच लाइन को 33/11 सबस्टेशन से पुलिस फांडी में स्थानांतरण	0.46			
वहील वाशिंग सिस्टम कुलदा	0.26			
वहील वाशिंग सिस्टम कुलदा	0.7			
रैपिड लोडिंग सिस्टम	92.27			
2*10 एसवीए, 33/6.6 केवी. सबस्टेशन	0.53			
चरण - 1 में भुवनेश्वर ओसीपी में सीएचपी/साइलो को एल एंड टी को प्रदान किया	104.06			
साइलॉ एओसीपी से रेल संपर्क के लिए एफएसआर और डीपीआर की तैयारी		3.43		
साइलॉ एओसीपी से रेल संपर्क के लिए एफएसआर और डीपीआर की तैयारी	1.03			
ओरिएंट में पी एंड एम	0.07	0.24		
रेलवे साइडिंग				
बांकीबहाल से भेडाबहाल तक 4 लेन रोड		234.81		
बांकीबहाल से कनिका तक 4 लेन रोड	232.74			
अन्य खनन अवसंरचना/विकास				
1 ब्रिज का निर्माण	2.02			
2 ब्रिज का निर्माण	4.32			
तालचेर से पारादीप बंदरगाह के बीच स्वचालित सिग्नलिंग		16.9		
ओरिएंट में ओएमआई	1.18			
निर्माणाधीन रेल कॉरिडोर			0	0
जेएसजी से सरडेगा के लिए डबल लाइन		331.44		
अन्य				
	0	0	0	0
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं:				
	0	0	0	0
	0	0	0	0
कुल	564.38	586.82	0	0

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी 5 :अन्वेषण और मूल्यांकन परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

	अन्वेषण और मूल्यांकन लागत
सकल वहन राशि::	
1 अप्रैल 2020 तक	124.73
योग	17.21
पूँजीकरण /विलोपन	(4.15)
31 मार्च 2021 तक	137.79
1 अप्रैल 2021 के तक	137.79
योग	10.59
विलोपन /समायोजन	(46.50)
31 मार्च 2022 तक	101.88
परिशोधन और हानि	
1 अप्रैल 2020 तक	
वर्ष के लिए प्रभार	-
हानि	-
विलोपन / समायोजन	-
31 मार्च 2021 तक	-
1 अप्रैल 2021 के तक	-
अवधि के लिए प्रभार	-
हानि	-
विलोपन / समायोजन	-
31 मार्च 2022 तक	-
शुद्ध वहन राशि	
31 मार्च 2022 तक	101.88
31 मार्च 2021 तक	137.79

(क) अन्वेषण और मूल्यांकन संपत्तियों के लिए समय-सीमा अनुसूची

	की अवधि के लिए अन्वेषण और मूल्यांकन में राशि				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	कुल
ई एंड ई परियोजनाएं प्रगति पर :	16.32	35.16	4.74	45.66	101.88
ई एंड ई परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित :					
परियोजना का नाम					
कुल	16.32	35.16	4.74	45.66	101.88

(ख) अतिदेय अन्वेषण और मूल्यांकन संपत्ति

	में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक
ई एंड ई परियोजनाएं प्रगति पर :				
परियोजना का नाम				
कुल	-	-	-	-

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 6 : अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

	(₹ करोड़ में)			
	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	अन्वेषणीय अमूर्त परिसंपत्तियाँ	अन्य	कुल
सकल वहन राशि :				
1 अप्रैल 2020 तक	0.60	4.56	-	5.16
योग	0.17	-	-	0.17
पूँजीकरण / विलोपन	-	-	-	-
31 मार्च 2021 तक	0.77	4.56	-	5.33
1 अप्रैल 2021 के तक	0.77	4.56	-	5.33
योग	1.76	-	-	1.76
विलोपन / समायोजन	-	0.01	-	0.01
31 मार्च 2022 तक	2.53	4.57	-	7.10
परिशोधन और हानि				
1 अप्रैल 2020 तक	0.47	-	-	0.47
अवधि के लिए प्रभार	0.02	-	-	0.02
हानि	-	-	-	-
विलोपन / समायोजन	-	-	-	-
31 मार्च 2021 तक	0.49	-	-	0.49
1 अप्रैल 2021 के तक	0.49	-	-	0.49
अवधि के लिए प्रभार	0.24	-	-	0.24
हानि	-	-	-	0.00
विलोपन / समायोजन	-	-	-	0.00
31 मार्च 2022 तक	0.73	-	-	0.73
शुद्ध वहन राशि				
31 मार्च 2022 तक	1.80	4.57	-	6.37
31 मार्च 2021 तक	0.28	4.56	-	4.84

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 6.2: विकास के तहत अमूर्त संपत्ति

(₹ करोड़ में)

	विकास के तहत ईआरपी
सकल वहन राशि:	
1 अप्रैल 2020 तक	-
योग	-
पूँजीकरण / विलोपन	-
31 मार्च 2021 तक	-
1 अप्रैल 2021 के तक	-
योग	0.97
विलोपन / समायोजन	5.38
31 मार्च 2022 तक	6.35
परिशोधन और हानि	
1 अप्रैल 2020 तक	-
अवधि के लिए प्रभार	-
हानि	-
विलोपन / समायोजन	-
31 मार्च 2021 तक	-
1 अप्रैल 2021 के तक	-
अवधि के लिए प्रभार	-
हानि	-
विलोपन / समायोजन	-
31 मार्च 2022 तक	-
शुद्ध वहन राशि	
31 मार्च 2022 तक	6.35
31 मार्च 2021 तक	-

विकास के तहत अमूर्त संपत्ति

(क) विकास के तहत अमूर्त संपत्ति के लिए समय-सीमा अनुसूची

की अवधि के लिए विकास के तहत अमूर्त संपत्ति में राशि

	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	कुल
परियोजनाएं प्रगति पर :					
विकास के तहत ईआरपी		6.35	-	-	6.35
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं :					
(प्रमुख का नाम (अर्थात् कंप्यूटर आदि) का उल्लेख करें।)	-	-	-	-	-
परियोजना का नाम					
कुल	-	6.35	-	-	6.35

(ख) विकास के तहत अतिदेय अमूर्त संपत्ति

	में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक
विकास के तहत ईआरपी	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

टिप्पणी : कंपनी ने दिनांक 01.04.2021 से (ईआरपी) एसएपी सॉफ्टवेयर लागू किया है। लेखांकन सॉफ्टवेयर कोलनेट से स्थानांतरण उक्त तिथि से किया गया है। हालांकि चूंकि एसएपी-ईआरपी सॉफ्टवेयर पूरी तरह से स्थिर नहीं है, इसलिए इसे अंतिम संपत्ति के रूप में पूँजीकृत नहीं किया गया है।

**समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी 7 : निवेश**

(₹ करोड़ में)

गैर-चालू निवेश			दिनांक 31.03.2022	दिनांक 31.03.2021
	होलडिंग का %	शेयरों/इकाइयों की संख्या	तक	तक
सुरक्षित बांड में निवेश (उद्धृत)				
7.22 % सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त		--	-	499.95
		(4999)	(1000100)	
7.22 % सुरक्षित प्रतिदेय आरईसी कर-मुक्त बॉण्ड		--	-	150
		(1500000)	(1000)	
कुल (ख)			-1E-05	649.95
कुल योग (क+ख)			-1E-05	649.95
गैर-उद्धृत निवेश की कुल राशि:			-	-
उद्धृत निवेश की कुल राशि :			-0.00	649.95
उद्धृत निवेश का बाजार मूल्य			-	661.18
निवेश के मूल्य में हानि की कुल राशि :			-	-

**समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी - 7 (जारी)**

(₹ करोड़ में)

चालू	इकाइयों की संख्या	भारित औसत एनएवी (₹ में)	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
म्यूचुअल फंड निवेश				
एसबीआई म्यूचुअल फंड	7560989.08/ (8527627.045)	3738.05	2826.33	2747.28
केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड	500.32	2527.90	0.13	0
यूनियन केबीसी म्यूचुअल फंड	671.78	2032.67	0.14	0
बडौदा म्यूचुअल फंड	733.48	2430.76	0.18	0
सुरक्षित बांड में निवेश (उद्धृत)				
7.55 % सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त 2021 सीरीज 79 बॉण्ड	20000/ (20000)	100000/ (100000)	0	200
8% सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त बॉण्ड	1087537/ (1087537)	1000/ (1000)		108.75
7.22 % सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त बॉण्ड	4999	1000100	499.95	0
7.22 % सुरक्षित प्रतिदेय आरईसी कर मुक्त बॉण्ड	1500000	1000	150	0
अंतर कॉर्पोरेट जमा (आईसीडी) में निवेश				
एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड			248	0
पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड			288	0
आईसीआईसीआई प्रतिभूति			90	0
कुल :			4102.73	3056.03
अनुद्धृत निवेश की कुल राशि :			626	0
उद्धृत निवेश की कुल राशि :			3476.73	3056.03
उद्धृत निवेश का बाजार मूल्य:			3483.97	3072.62
निवेश मूल्य में हानि की कुल राशि:			0	0

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी - 8 : ऋण

गैर-चालू	इकाइयों की संख्या	भारित औसत एनएवी (₹ में)	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
संबंधित पक्षों को ऋण				
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया			0	0
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया			0	0
- क्रेडिट जोखिम में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि			0	0
- क्रेडिट हानि			0	0
घटाव: संदेहास्पद ऋण हेतु भत्ते			0	0
संबंधित पक्षों के अलावा अन्य को ऋण निगमित निकाय तथा कर्मचारियों को ऋण				
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया			1.198244009	0.78
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया			0	125
- क्रेडिट हानि			0	0
घटाव: संदेहास्पद ऋण हेतु भत्ते			1.198244009	125.78
कुल			0	0
			1.198244009	125.78

संबंधित पक्षों को गैर-चालू ऋणों का विवरण	दिनांक 31.03.2022 तक		दिनांक 31.03.2021 तक	
उधारकर्ता का प्रकार	सकल बकाया राशि	सकल ऋण का कुल %	सकल बकाया राशि	सकल ऋण का कुल %
निदेशकगण	-	-	-	-
मुख्य कार्मिक प्रबन्धकगण	-	-	-	-
संबन्धित पार्टी	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-
चालू				
संबंधित पक्षों को ऋण				
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया		0		0
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया		0		0
- क्रेडिट जोखिम में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि		0		0
- क्रेडिट हानि		0		0
		0		0
घटाव: संदेहास्पद ऋण हेतु भत्ते		0		0
		0		0
निगमित निकाय तथा कर्मचारियों को ऋण				
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	-0.000722217			0.51
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया	0			500
- क्रेडिट जोखिम में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि	0			0
- क्रेडिट हानि	0			0
	0			500.51
घटाव: संदेहास्पद ऋण हेतु भत्ते	0			0
कुल		0		500.51

1. निदेशकों से बकाया राशि के लिए - टिप्पणी 38(4)(vii) देखें।

संबंधित पक्षों को गैर-चालू ऋणों का विवरण			दिनांक 31.03.2022 तक		दिनांक 31.03.2021 तक	
उधारकर्ता का प्रकार			सकल बकाया राशि	सकल ऋण का कुल %	सकल बकाया राशि	सकल ऋण का कुल %
निदेशकगण			-	-	-	-
मुख्य कार्मिक प्रबन्धकगण			-	-	-	-
संबन्धित पार्टी			-	-	-	-
कुल			-	-	-	-

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी 9 :अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
गैर-चालू		
12 महीने से अधिक की परिपक्वता वाली बैंक जमा राशि	1.39	-
खदान बंदी योजना के तहत बैंक में जमा	1,250.98	1,119.04
प्रतिभूति जमा	42.91	33.91
घटाएं : संदिग्ध प्रतिभूति जमा राशि के लिए भत्ता	-	-
	42.91	33.91
अन्य जमा और प्राप्त्य	0.91	0.91
घटाएं : संदिग्ध जमाराशियों और प्राप्त्य राशियों के लिए भत्ता	0.16	0.16
	0.75	0.75
कुल	1,296.04	1,153.70
टिप्पणी :		
खदान बंदी योजना के तहत बैंक में जमा		
खदान बंदी योजना तैयार करने के लिए कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए एक एस्क्रो खाता		
एस्क्रो खाता शेष का समाधान	31.03.2022	31.03.2021
एस्करो अकाउंट में प्रारम्भिक शेष	1119.04	1082.09
योग: चालू अवधि के दौरान जमा की गई शेष राशि	98.36	79.60
योग: अवधि के दौरान जमा किया गया ब्याज	33.58	47.83
घटाव: वर्तमान अवधि के दौरान निकाली गई राशि	-	90.48
समापन तिथि पर एस्करो खाते में शेष राशि	1250.98	1119.04
चालू		
होल्टिंग कंपनी के साथ चालू खाता शेष	0.83	32.30
घटाव : सहायक कंपनियों के साथ संदिग्ध शेष के लिए भत्ता	-	-
	0.83	32.30
अर्जित ब्याज	216.33	204.67
अन्य जमा और प्राप्त्य	386.23	90.22
घटाव :संदिग्ध जमा और प्राप्त्य के लिए भत्ता	-	0.06
	386.23	90.16
प्रतिभूति जमा	-	-
घटाव: संदिग्ध प्रतिभूति जमा राशि के लिए भत्ता	-	-
	-	-
कुल	603.39	327.13

1. निदेशकों से बकाया राशि के लिए - टिप्पणी 38(4)(vii) देखें।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी 10 : अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
(i) पूंजीगत अग्रिम	720.40	499.07
घटाव : संदिग्ध अग्रिमों के लिए भत्ता	0.60	0.65
	719.80	498.42
(ii) पूंजीगत अग्रिमों के अलावा अन्य अग्रिम		
(क) उपयोगिताओं के लिए सुरक्षा जमा	0.01	0.02
घटाव : संदिग्ध जमाराशियों के लिए भत्ता	-	-
	0.01	0.02
(ख) अन्य जमा और अग्रिम	0.96	-
घटाव : संदिग्ध जमाराशियों के लिए भत्ता	-	-
	0.96	-
(ग) प्रगतिशील खदान बंदी पर किया गया व्यय	285.68	114.54
कुल	1,006.46	612.98

टिप्पणी: प्रगतिशील खान बंदी पर किया गया व्यय, जो बकाया है, इस उद्देश्य हेतु अनुरक्षित एस्क़्रो खातों से प्राप्त

टिप्पणी 11 : अन्य चालू परिसंपत्तियाँ

	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
(क) सांविधिक देय राशि का अग्रिम भुगतान	75.32	30.31
घटाव : संदिग्ध सांविधिक देय राशि के लिए भत्ता	-	-
	75.32	30.31
(ख) संबंधित पक्षों को अग्रिम	-	-
(ग) अन्य जमा तथा अग्रिम ¹	2,043.92	1,780.80
घटाव : संदिग्ध अन्य जमाराशियों और अग्रिमों के लिए भत्ता	6.10	6.52
	2,037.82	1,774.28
(घ) प्रगतिशील खदान बंदी पर किया गया व्यय	33.00	101.69
(ड.) इनपूट टैक्स क्रेडिट प्राप्य	1,143.88	771.27
कुल	3,290.02	2,677.55

1. अन्य अग्रिम और जमा में निम्नलिखित जमा शामिल हैं:- आयकर ₹1588.23 करोड़ (₹1408.03 करोड़), विक्रय कर ₹17.06 करोड़ (₹16.98 करोड़), सेवा कर ₹3.02 करोड़ (₹3.02 करोड़), केंद्रीय उत्पाद शुल्क ₹ 2.98 करोड़ (₹ 2.98 करोड़), स्वच्छ ऊर्जा उपकर ₹ 10.00 करोड़ (शून्य)।

2. अन्य अग्रिम और जमा में अतिरिक्त सीएसआर राशि को अग्रेषित करने के लिए ₹ 107.04 करोड़ (₹ 36.90 करोड़) भी शामिल हैं। [नोट 28 : निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय के तहत सीएसआर पर टिप्पणी देखें]।

3. प्रगतिशील खान बंदी पर किया गया व्यय, जो बकाया है, इस उद्देश्य हेतु अनुरक्षित एस्क़्रो खातों से प्राप्त किया जाना है।

4. निदेशकों से बकाया के लिए - टिप्पणी 38(4)(vii) देखें।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी - 12 : वस्तु-सूची

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
(क) कोयले का स्टॉक	806.98	990.76
विकासाधीन कोयला	-	-
कोयले का स्टॉक	806.98	990.76
(ख) भंडार एवं पुर्जों का स्टॉक (निवल)	151.29	81.62
योग: मार्गस्थ भंडार	-	3.64
भंडार एवं पुर्जों का निवल स्टॉक	151.29	85.26
(ग) केन्द्रीय अस्पताल में औषधियों का स्टॉक	0.91	0.73
(घ) कार्यशाला कार्य और प्रेस कार्य	29.02	26.77
कुल	988.20	1,103.52

मूल्यांकन पद्धति : टिप्पणी संख्या- 2.21 के "वस्तुसूची" पर महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां देखें।

टिप्पणी - 13 : व्यापार प्राप्य

	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
चाहू		
व्यापार प्राप्य	-	-
सुरक्षित जिसे अच्छा माना गया	1,040.90	1,292.63
असुरक्षित जिसे अच्छा माना गया	22.90	85.55
क्रेडिट हानि	1,063.80	1,378.18
घटाव: खराब और संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ते	22.90	85.55
कुल	1,040.90	1,292.63

1. निदेशकों से बकाया के लिए - टिप्पणी 38(4)(vii) देखें।

2. उपरोक्त व्यापार प्राप्तियों को कोयला गुणवत्ता भिन्नता के प्रावधान और कोयले पर नमी के प्रावधान द्वारा ₹ 110.63 करोड़ (गत वर्ष ₹ (50.71) करोड़) बढ़ाया गया है।

व्यापार प्राप्य समय-सीमा अनुसूची

विवरण	लेन-देन की तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					कुल
	6 महीने से कम	6 महीने से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य - अच्छा माना जाता है	822.31	34.62	49.8	0.55	22.99	930.27
(ii) अविवादित व्यापार प्राप्य-क्रेडिट हानि	-	-	-	-	22.90	22.90
(iii) विवादित व्यापार प्राप्य- अच्छा माना जाता है	-	-	-	-	-	-
(iv) विवादित व्यापार प्राप्य - क्रेडिट हानि	-	-	-	-	-	-
(v) कोयला गुणवत्ता भिन्नता	145.58	60.57	-13.25	-16.55	-65.72	110.63
कुल	967.89	95.19	36.55	-16.00	-19.83	1,063.80
बिल न किया गया देय						
खराब और संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता					22.90	22.9
अपेक्षित ऋण हानि (हानि भत्ता प्रावधान) -%	0%	0%	0%	0%	-115%	0.021526603

कोयला गुणवत्ता भिन्नता का मिलान

	दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
कोयले की गुणवत्ता भिन्नता का प्रारंभिक शेष	50.71	155.63
अवधि के दौरान योग	-110.63	50.71
अवधि के दौरान उत्क्रमण	50.71	155.63
कोयला गुणवत्ता भिन्नता का अंतिम शेष	-110.63	50.71

* कोयला गुणवत्ता भिन्नता नकारात्मक का अर्थ है शुद्ध प्राप्य।

टिप्पणी - 12 के लिए अनुलग्नक

मात्रा लाख टन में (मूल्य लाख रुपये में)
तालिका:क

अवधि के अंत में बही स्टॉक के साथ खाते में अपनाए गए समापन स्टॉक का बिलान

	कुल स्टॉक		गैर-विक्रय स्टॉक		विक्रय योग्य स्टॉक	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
1. (क) दिनांक 01.04.21 तक प्रारम्भिक शेष	236.85	1,01,044.04	-	-	236.85	1,01,044.04
(ख) 5% से अधिक की कमी	1.17	1,967.71	-	-	1.17	1,967.71
खाता खोलने में अपनाया गया स्टॉक	235.68	99,076.33	-	-	235.68	99,076.33
2.(क) अवधि के दौरान उत्पादन	1,681.67	18,87,865.21	-	-	1,681.67	18,87,865.21
(ख) कोयले की खरीद	9.79	10,356.49	-	-	9.79	10,356.49
3. उप-योग (1 क+2)	1,928.31	19,99,265.75	-	-	1,928.31	19,99,265.75
4. अवधि के दौरान ऑफ-सेक						
(क) बाहरी प्रेषण	1,753.88	19,04,714.99	-	-	1,753.88	19,04,714.99
(ख) वाशरीज को कोयला चारा	-	-	-	-	-	-
(ग) स्वयं की खपत	0.02	40.91	-	-	0.02	40.91
(घ) खरीदे गए कोयला	9.84	11,834.52	-	-	9.84	11,834.52
कुल (क)	1,763.74	19,16,590.42	-	-	1,763.74	19,16,590.42
5. व्युत्पन्न स्टॉक	164.57	82,675.33	-	-	164.57	82,675.33
6. मापा गया स्टॉक	164.20	81,183.87	-	-	164.20	81,183.87
7. भिन्नता (5-6)	0.37	1,491.46	-	-	0.37	1,491.46
8. अंतर का टूटना::						
(क) 5% के भीतर अतिरिक्त	1.28	646.71	-	-	1.28	646.71
(ख) 5% के भीतर कमी	0.47	161.12	-	-	0.47	161.12
(ग) 5% से अधिक	-	-	-	-	-	-
(घ) 5% से अधिक की कमी	1.17	1,977.06	-	-	1.17	1,977.06
9. अपनाया गया अंतिम स्टॉक खाते में (6-8क+8घ)	163.39	80,698.28	-	-	163.39	80,698.28

कोयले के अंतिम स्टॉक का सारांश

तालिका : ख

	करचा कोयला				धुला/बिखरा हुआ कोयला				अन्य उत्पाद		कुल	
	कोकिंग		नॉन-कोकिंग		कोकिंग		नॉन-कोकिंग					
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
प्रारंभिक स्टॉक (लेखापरीक्षित)	-	-	236.85	1,01,044.04	-	-	-	-	-	-	236.85	1,01,044.04
5% से अधिक की कमी			1.17	1,967.71							1.17	1,967.71
समायोजित प्रारम्भिक स्टॉक (विक्रय योग्य)	-	-	235.68	99,076.33	-	-	-	-	-	-	235.68	99,076.33
उत्पादन	-	-	1,681.67	18,87,865.21	-	-	-	-	-	-	1,681.67	18,87,865.21
कोयले की खरीद	-	-	9.79	10,356.49	-	-	-	-	-	-	9.79	10,356.49
ऑफ-सेक												
(क) बाहरी प्रेषण	-	-	1,753.88	19,04,714.99	-	-	-	-	-	-	1,753.88	19,04,714.99
(ख) वाशरीज को कोयला चारा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ग) स्वयं की खपत	-	-	0.02	40.91	-	-	-	-	-	-	0.02	40.91
(घ) खरीदे गए कोयले का प्रेषण	-	-	9.84	11,834.52	-	-	-	-	-	-	9.84	11,834.52
समापन स्टॉक व्युत्पन्न	-	-	164.57	82,675.33	-	-	-	-	-	-	164.57	82,675.33
घटाव: कमी	-	-	1.17	1,977.06	-	-	-	-	-	-	1.17	1,977.06
अतिरिक्त			-	-							-	-
अंतिम स्टॉक	-	-	163.39	80,698.28	-	-	-	-	-	-	163.39	80,698.28

आंतरिक सर्वेक्षण माप टीमों ने कोयले के समापन स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया है। कुछ क्षेत्रों में इसे बाहरी टीमों द्वारा भी सत्यापित किया गया है। कोयला स्टॉक के भौतिक सत्यापन पर +/- 5% बुक स्टॉक (खान/कोलियरी वार) के भीतर पाई गई कमी/अधिशेष को लेखांकन नीति के अनुसार अनदेखा कर दिया जाता है। 5% से अधिक की कमी का विवरण निम्नानुसार है :-

क्षेत्र	खान	बुक स्टॉक (मात्रा लि टन में)		मापा स्टॉक (मात्रा लि टन में)		भिन्नता %	
		दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
ओरिएंट	माइन नं 3-जी- 9	0.12	0.12	-	-	100.00	100.00
	एचबीएफ- जी 9	0.30	0.30	-	-	100.00	100.00
	नंरिग-जी 8	0.50	0.50	-	-	100.00	100.00
तालचौर	तालचौर -जी 5	0.25	0.25	-	-	100.00	100.00
कुल		1.17	1.17	-	-		

उन मामलों में, चूंकि अंतर +/- 5% से अधिक है, नीति के अनुसार, मापे गए स्टॉक को खातों में माना गया है और दिनांक 31.03.2022 को 1.17 लाख टन, जिसका मूल्य ₹ 19.77 करोड़ मूल्य है, की कमी पर विचार किया गया है।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 14 : नगद एवं नगद समतुल्य

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
(क) बैंक में शेष		
जमा खातों में	308.00	937.10
चालू खातों में		
- ब्याज वहन (सीएलटीडी)	59.56	99.09
- गैर ब्याज वहन	27.53	56.95
नगद क्रेडिट खातों में	-	-
(ख) भारत से बाहर बैंक खाता में शेष	-	-
(ग) उपलब्ध चेक, ड्राफ्ट एवं स्टैम्प	-	-
(घ) उपलब्ध नगद	0.00	-
(ङ.) अन्य	0.00	-
कुल नगद एवं नगद समतुल्य	395.09	1,093.14

नगद और नकद समकक्ष में, तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ उपलब्ध बैंक में नगद, स्वीप खाता तथा सावधि जमा शामिल हैं।

टिप्पणी- 15 : अन्य बैंक शेष

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
बैंक में शेष		
जमा	11,757.62	7,223.41
अन्य जमा- विशिष्ट उद्देश्य हेतु	18.88	26.59
कुल	11,776.50	7,250.00

अन्य बैंक शेष में - विशिष्ट उद्देश्यों के लिए और बैंक जमा शामिल हैं, जिसके रिपोर्टिंग तिथि के बाद 12 महीनों के भीतर नकद में प्राप्त होने की उम्मीद है।

1. विशिष्ट प्रयोजनों के लिए जमा में बैंक जमा शामिल है, जो न्यायालय के आदेश के अनुसार और अन्य विशिष्ट उद्देश्यों के लिए ग्रहणाधिकार के तहत रखी गई / निर्धारित है। इसके लिए टिप्पणी 38(9)(आर) देखें।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 16 : इक्विटी शेयर पूँजी

(₹ करोड़ में)

प्राधिकृत	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
₹ प्रत्येक 1000/- के 77,58,200 इक्विटी शेयर (₹ 1000/- के 77,58,200 इक्विटी शेयर)	775.82	775.82
	775.82	775.82
निर्गत, अभिदत्त एवं प्रदत्त		
प्रत्येक ₹ 1000/- के पूर्ण प्रदत्त 66,18,363 इक्विटी शेयर (प्रत्येक ₹ 1000/- के पूर्ण प्रदत्त 66,18,363 इक्विटी शेयर)	661.84	661.84
	661.84	661.84

1. कंपनी में 5% से अधिक शेयर रखनेवाले प्रत्येक शेयरधारक के शेयर

शेयरधारकों के नाम	धारित शेयरों की संख्या (प्रत्येक का अंकित मूल्य ₹1000)	कुल शेयरों का %	वर्ष के दौरान परिवर्तन का %
कोल इंडिया लिमिटेड (नियंत्रक कंपनी) एवं इसकी नामित व्यक्ति	6618363.00	100.00	-

2. रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत और अंत में बकाया इक्विटी शेयरों का मिलान:-

विवरण	शेयरों की संख्या	राशि (₹ करोड़ में)
31.03.2017 को शेष	14,12,266	141.23
योग/(घटाव):	56,49,064	564.91
31.03.2018 को शेष	70,61,330	706.13
योग/(घटाव):	(442967.00)	(44.30)
31.03.2019 को शेष	66,18,363	661.84
योग/(घटाव):	-	-
31.03.2020 को शेष	66,18,363	661.84
योग/(घटाव):	-	-
31.03.2021 को शेष	66,18,363	661.84
योग/(घटाव):	-	-
31.03.2022 को शेष	66,18,363	661.84

3. कंपनी के पास सिर्फ ₹. 1000/प्रति शेयर अंकित मूल्य के एक ही श्रेणी के इक्विटी शेयर हैं। इक्विटी शेयर धारक को समय-समय पर घोषित लाभांश को प्राप्त करने एवं शेयर धारकों की बैठक में उनके शेयरों के लिए मतदान करने का अधिकार है।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 17 : अन्य इक्विटी

(₹ करोड़ में)

विवरण	पूँजी प्रतिदान रिजर्व	सामान्य रिजर्व	प्रतिधारित आय	परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्माप (कर का शुद्ध) - (ओसीआई)	कुल
01-04-2021 तक शेष	44.29	2612.29	2278.75	(97.50)	4837.83
अवधि के लिए कुल व्यापक आय			8,448.51	(0.99)	8447.52
अन्तरिम लाभांश			(5,000.00)		(5000.00)
वित्तीय वर्ष 20-21 का अंतिम लाभांश			(800.00)		(800.00)
कॉर्पोरेट लाभांश कर					0.00
सामान्य रिजर्व में / से स्थानांतरण		424.03	(424.03)		0.00
वर्ष के दौरान समायोजन			(0.06)		(0.06)
31.03.2022 तक शेष	44.29	3036.32	4503.17	(98.49)	7485.29

(₹ करोड़ में)

विवरण	पूँजी प्रतिदान रिजर्व	सामान्य रिजर्व	प्रतिधारित आय	परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्माप (कर का शुद्ध) - (ओसीआई)	कुल
01-04-2020 तक शेष	44.29	2268.67	977.68	(60.08)	3230.56
अवधि के लिए कुल व्यापक आय			6869.69	(37.42)	6832.27
अन्तरिम लाभांश			(5225.00)		(5225.00)
अंतिम लाभांश					-
सामान्य रिजर्व में / से स्थानांतरण		343.62	(343.62)		-
वर्ष के दौरान समायोजन					
31.03.2021 तक शेष	44.29	2612.29	2278.75	(97.50)	4837.83

*वर्ष के दौरान लाभ में म्यूचुअल फंड में निवेश में उचित मूल्य परिवर्तन शामिल है जो प्रकृति में काल्पनिक / अप्राप्त है और लाभांश के वितरण के लिए उपलब्ध नहीं है। ऐसे लाभ का विवरण नीचे दिया गया है:

	(₹ करोड़)
01.04.2020 तक शेष	-
वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान योग	6.21
31.03.2021 तक शेष	6.21
वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान योग	41.87
31.03.2022 तक शेष	48.08

पूँजी प्रतिदान रिजर्व का विवरण

विवरण	राशि (₹ करोड़ में)	वर्ष
इक्विटी शेयर का बायबैक	44.29	वित्तीय वर्ष 2018-19
कुल	44.29	

कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार पूँजी प्रतिदान रिजर्व में शेष राशि का उपयोग किया जाएगा।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी- 18 : उधार

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
गैर-चालू		
अवधि ऋण		
बैंक से	4.312351877	5.03
कुल	4.312351877	5.03
वर्गीकरण		
सुरक्षित	0	0
असुरक्षित	4.312351877	5.03
चालू		
मांग पर चुकाने योग्य ऋण		
बैंक से		
- बैंक ओवरड्राफ्ट	0	0
- बैंकों से अन्य ऋण	-0.001034354	0
अन्य से	0	0
दीर्घावधि के उधार की चालू परिपक्वता	0.624157979	0.64
कुल	0.623123625	0.64
वर्गीकरण		
सुरक्षित	-0.001034354	0
असुरक्षित	0	0

टिप्पणी:

1. लिभेर, फ्रांस से 4 हाइड्रोलिक शोवेल की खरीद के लिए नेशनल बैंक ऑफ पेरिस और नैटेक्सिस बैंक के साथ समझौते के माध्यम से ऋण की व्यवस्था की गई थी। वर्तमान परिपक्वता सहित दिनांक 31.03.2022 (पुनर्भुगतान के बाद शुद्ध) के अनुसार बकाया ऋण ₹4.93 करोड़ है। (31.03.2021 के अनुसार ₹ 5.67 करोड़)।

शेष राशि का विवरण इस प्रकार है:-

	यूरो में	₹ करोड़ में
दिनांक 01.04.2021 को शेष	660283.64	5.67
31.03.2022 को समाप्त अवधि के दौरान पुनर्भुगतान	74113.58	0.64
विनिमय अंतर	0	-0.1
दिनांक 31.03.2022 को शेष	586170.06	4.93

निदेशकों और अन्य द्वारा गारंटीकृत ऋण::

ऋणों का विवरण	राशि ₹ करोड़ में	गारंटी की प्रकृति
नेशनल बैंक ऑफ पेरिस और नैटेक्सिस बैंक, फ्रांस	4.312351877	भारत सरकार ने हमारे सभी भुगतान दायित्वों के संबंध में एक अपरिवर्तनीय और शर्तहीन गारंटी प्रदान की है।

नेशनल बैंक ऑफ पेरिस और नैटेक्सिस बैंक, फ्रांस के संबंध में ₹ 0.62 करोड़ के लिए दीर्घकालिक उधार की वर्तमान परिपक्वता भी उपरोक्त के रूप में गारंटीकृत है।

पुनर्भुगतान अनुसूची :

इन ऋण सुविधाओं के तहत पुनर्भुगतान 30 सितंबर, 2030 को पूरी हो जाएगी।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी - 19 : व्यापार देय

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
चालू		
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम	1.55	0.18
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के अलावा	1,464.88	1,014.13
कुल	1,466.43	1,014.31

व्यापार देय - सूक्ष्म और लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि

क) मूलधन और ब्याज राशि बकाया है लेकिन वर्ष के अंत तक देय नहीं है।	1.55	0.18
ख) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के संदर्भ में कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान नियत दिन से परे आपूर्तिकर्ता को भुगतान की राशि के साथ ब्याज का भुगतान किया गया।	-	-
ग) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना, भुगतान में विलंब की अवधि के लिए देय ब्याज और देय (वर्ष के दौरान नियत दिन से परे जिसका भुगतान किया गया है)।	-	-
घ) अर्जित ब्याज और अवधि के अंत तक बकाया।	-	-
ड.) आगे के वर्षों में भी ब्याज देय और बकाया, उस तारीख तक जब तक कि उपरोक्त के रूप में ब्याज बकाया वास्तव में छोटे उद्यम को भुगतान नहीं किया जाता है।	-	-

व्यापार देय की समय-सीमा अनुसूची

विवरण	लेन-देन की तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
(i) एमएसएमई	1.55	0	0	0	1.55
(ii) अन्य	1414.33	11.93	17.34	21.28	1464.88
(iii) विवादित बकाया - एमएसएमई	0	0	0	0	0
(iv) विवादित बकाया - अन्य	0	0	0	0	0
कुल	1415.88	11.93	17.34	21.28	1466.43
बिल न किया गया बकाया	0	0	0	0	0

टिप्पणी- 20 : अन्य वित्तीय देयताएँ

गैर-चालू	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
प्रतिभूति जमा	1,070.23	185.77
बयाना जमा	29.99	178.63
अन्य	0.01	1.86
	1,100.22	366.26
चालू		
सीआईएल के साथ चालू खाता	0.00	-
प्रतिभूति जमा	251.45	292.63
बयाना जमा	56.83	56.82
पूँजीगत व्यय के लिए देय	2,142.39	1,301.93
कर्मचारी लाभ के लिए देयता	272.64	281.28
अन्य	247.83	323.29
कुल	2,971.13	2,255.95

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी- 21 : प्रावधान

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
गैर-चालू		
कर्मचारी हितलाभ		
उपदान	-0.00	-
अवकाश नगदीकरण	0.00	107.58
सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ	64.10	52.93
अन्य कर्मचारी हितलाभ	36.53	40.24
	100.64	200.75
अन्य प्रावधान		
साइट पुनर्स्थापना / खान बंदी ¹	957.52	878.56
स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन	17,706.34	17,995.63
अन्य	-	-
कुल	18,764.50	19,074.94
चालू		
कर्मचारी हितलाभ		
उपदान	2.55	39.43
अवकाश नगदीकरण	10.20	56.97
सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ	9.49	18.18
अनुग्रह राशि	145.11	137.45
कार्य-निष्पादन से संबंधित भुगतान	182.09	121.09
अन्य कर्मचारी लाभ	77.69	37.63
	427.14	410.75
अन्य प्रावधान		
अन्य	18.07	41.35
कुल	445.21	452.10
1. साइट पुनर्स्थापना / खान बंदी प्रावधान		
कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार भूमि सुधार और ढांचों के डी-कमीशनिंग के लिए कंपनी के दायित्व में सरफेस और भूमिगत दोनों खानों पर खर्च करना शामिल है। खान बंदी, साइट बहाली और डिकमीशनिंग के लिए दायित्व का अनुमान आवश्यक कार्य के लिए भविष्य के नकद व्यय की राशि और समय की विस्तृत गणना तथा तकनीकी मूल्यांकन पर आधारित है। खान बंदी व्यय अनुमोदित खान बंदी योजना के अनुसार प्रदान किया जाता है। व्यय का अनुमान मुद्रास्फीति के लिए बढ़ाया जाता है, और फिर 8% की छूट दर पर छूट दी जाती है जो पैसे के समय मूल्य और भूमि के पुनरुद्धार/स्थल पुनर्स्थापन/खान बंदी का मिलान :		
	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
प्रारम्भिक तिथि पर साइट बहाली प्रावधान	878.56	867.40
बाद में साइट बहाली प्रावधान जोड़ना	14.02	42.51
योग: अवधि के दौरान प्रभारित प्रावधान की अनवाईडिंग	64.94	59.37
घटाव: अवधि के दौरान निकासी	-	90.72
खान बंदी प्रावधान	957.52	878.56

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 22 : अन्य गैर चालू देयताएं

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
स्थगित आय	139.06	152.96
कुल	139.06	152.96

टिप्पणी: ₹13.90 करोड़ (₹13.90 करोड़) की आस्थगित आय के वर्तमान भाग को टिप्पणी 23 (अन्य) में शामिल किया गया है।

टिप्पणी- 23 : अन्य चालू देयताएं

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
सांविधिक बकाया	1,431.18	1,000.25
ग्राहकों / अन्यो से अग्रिम	5,314.86	2,622.43
अन्य देयताएँ	15.00	14.22
कुल	6,761.04	3,636.90

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी- 24 :संचालन से राजस्व

	दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
क. कोयले का विक्रय	30,557.39	23,619.94
घटाव: सांविधिक लेवी	11,391.89	9,145.86
कोयले का विक्रय (निवल) (क)	19,165.50	14,474.08
ख. अन्य संचालन राजस्व		
लदान और अतिरिक्त परिवहन शुल्क	1,741.98	1,392.40
घटाव : वैधानिक लेवी	82.95	66.30
	1,659.03	1,326.10
निकासी सुविधा शुल्क	1,037.05	726.76
घटाव : वैधानिक लेवी	49.38	34.61
	987.67	692.15
सेवाओं से राजस्व	-	
घटाव : वैधानिक लेवी	-	-
अन्य संचालन राजस्व (निवल)(ख)	2,646.69	2,018.25
संचालन से राजस्व (क+ख)	21,812.19	16,492.33

1. बिक्री में ईंधन आपूर्ति समझौते के तहत कार्य -निष्पादन प्रोत्साहन और मुआवजा आय के रूप में ₹ 102.14 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 9.39 करोड़) शामिल हैं।

2. उपरोक्त कोयले की बिक्री में कोयला गुणवत्ता भिन्नता और कोयले पर नमी के प्रावधान (रिवर्सल का शुद्ध) की अनुमानित राशि ₹ 163.76 करोड़ (गत वर्ष ₹ 107.05 करोड़) तक बढ़ा दी गई है।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 25 : अन्य आय

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
व्याज आय	800.08	715.17
म्यूचुअल फंड से लाभांश आय	-	0.01
अन्य गैर-संचालन आय		
परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ	2.87	0.88
विदेशी मुद्रा विनिमय से लाभ	0.10	-
म्यूचुअल फंड की बिक्री पर लाभ	83.41	36.41
पट्टा किराया	5.87	5.94
देयता / प्रावधान प्रतिलेखन (राइट बैक)	159.50	147.36
उचित मूल्य परिवर्तन (निवल)	41.87	6.21
विविध आय	60.22	109.48
कुल	1,153.92	1,021.46

1. व्याज आय में आयकर रिफंड पर व्याज ₹32.57 करोड़ (₹3.67 करोड़ तक) शामिल है।

नोट 26: उपभोग की गई सामग्री की लागत

	दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
विस्फोटक	382.64	189.66
लकड़ी	0.44	0.16
तेल एवं लुब्रिकेंट	446.11	338.52
एचईएमएम के पुर्जे	92.97	118.75
अन्य उपभोग्य भंडार और पुर्जे	69.91	58.78
कुल	992.07	705.87

टिप्पणी -27 : तैयार माल की वस्तु सूची, कार्य प्रगति पर एवं व्यापार स्टॉक में परिवर्तन

	दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
कोयले का प्रारंभिक स्टॉक	990.76	704.56
कोयले का अंतिम स्टॉक	806.98	990.76
क. कोयले की सूची में परिवर्तन	183.78	(286.20)
कार्यशाला निर्मित तैयार माल और कार्य प्रगति एवं प्रेस जॉब का प्रारंभिक स्टॉक	26.77	18.74
कार्यशाला निर्मित तैयार माल और कार्य प्रगति एवं प्रेस जॉब का अंतिम स्टॉक	29.02	26.77
ख. कर्मशाला की वस्तुसूची में परिवर्तन	(2.25)	(8.03)
व्यापार में कर्मशाला की वस्तुसूची में परिवर्तन (क+ख) (घटाव/अभिवृद्धि)	181.53	(294.23)

टिप्पणी- 28 : कर्मचारी हितलाभ व्यय

	दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
वेतन और मजदूरी (भत्ता और बोनस इत्यादि)	2,614.13	2,356.96
भविष्य निधि और अन्य निधि में अंशदान	828.42	632.95
कर्मचारी कल्याण हेतु व्यय	177.74	198.70
कुल	3,620.29	3,188.61

टिप्पणी- 29 : सीएसआर संबंधी व्यय

कुल	181.62	168.44

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 30 : मरम्मतें

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
भवन	108.99	89.89
संयंत्र एवं मशीन	61.29	76.94
अन्य	1.95	2.28
कुल	172.22	169.11
टिप्पणी- 31 : संविदात्मक व्यय		
परिवहन शुल्क:	1,806.54	1,427.37
वैगन लदाई	98.57	81.25
संयंत्र एवं उपकरण भाड़ा पर लेना	2,551.92	1,762.55
अन्य संविदात्मक कार्य	71.95	99.50
कुल	4,528.98	3,370.67

टिप्पणी- 32 : वित्तीय लागत

ब्याज पर व्यय		
छूट की समाप्ति	61.08	56.61
अन्य उधार लागत	0.05	11.77
कुल	61.13	68.38

टिप्पणी 33 : प्रावधान

संदिग्ध ऋण	-	45.40
संदिग्ध अग्रिम एवं दावे	-	-
भंडार एवं पुर्जे	6.67	0.07
अन्य	-	17.63
कुल	6.67	63.10

टिप्पणी 34 : बट्टे खाते (गत प्रावधानों का निवल)

संदिग्ध ऋण	-	-
घटाव : पूर्व प्रदत्त	-	-
	-	-
संदिग्ध अग्रिम	0.08	-
घटाव : पूर्व प्रदत्त	-	-
	0.08	-
अन्य	11.42	-
घटाव : पूर्व प्रदत्त	-	-
	11.42	-
कुल	11.50	-

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी- 35 अन्य व्यय

(₹ करोड़ में)

	दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
यात्रा व्यय	12.18306674	9.27
प्रशिक्षण व्यय	3.162717209	2.37
दूरभाष एवं डाक खर्च	5.838239638	5.65
विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार	4.849401535	2.63
भाड़ा प्रभार	0.013376166	0.16
विलंब शुल्क	6.088749462	0.85
सुरक्षा व्यय	108.1670869	106.88
सीआईएल का सेवा प्रभार	336.34	148.01
भाड़ा प्रभार	68.3576974	64.7
सीएमपीडीआईएल को परामर्श प्रभार	26.78261711	21.43
विधिक व्यय	6.534931201	4.49
परामर्श शुल्क	2.459934996	2.49
लदान शुल्क के तहत	110.2413213	87.63
विक्रय/अस्वीकार/सर्वेऑफ परिसंपत्तियों पर हानि	0.114511013	0.71
लेखा परीक्षकों का मानदेय एवं व्यय		
लेखा परीक्षा शुल्क के लिए	0.234240499	0.24
कर संबंधी मामले के लिए	0.00154	0
अन्य सेवाओं के लिए	0.168522885	0.17
व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए	0.149955016	0.15
आंतरिक एवं अन्य लेखा परीक्षा शुल्क पर व्यय	2.679399265	2.88
पुनर्वास शुल्क	105.696	87.61
पट्टा किराया	0.648409696	0.53
दर एवं कर	31.21728268	40.51
बीमा	0.754423957	0.85
विनियम दर में अंतर से हानि	0	0.22
बचाव/सुरक्षा हेतु व्यय	3.26314085	2.59
डेड रेन्ट/सरफेस रेन्ट	0.8283924	0.67
साईडिंग अनुरक्षण शुल्क	42.34592461	50.98
आर एंड डी व्यय	0.346286441	0.46
पर्यावरण और वृक्षारोपण व्यय	33.21850525	22.22
दान	-0.0026	0
विविध व्यय	165.0071145	132.01
कुल	1077.690189	799.36

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी- 36 : कर व्यय

	दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
	(₹ करोड़ में)	
चालू वर्ष	2972.3196	2,289.92
स्थगित कर	9.8857	151.9
पूर्व वर्ष	0	3.05
कुल	2,982.21	2,444.87
भारतीय आंतरिक कर दर से गुणित व्यय और लेखा लाभ का मिलान		
कर पूर्व लाभ/(हानि)	11,431.01	9,314.60
भारत की वैधानिक आयकर दर पर	2,876.96	2,344.30
घटाव : कर से मुक्त आय	16.08	17.80
घटाव : कर उद्देश्यों के लिए अनुमत अतिरिक्त खर्च	369.37	271.33
जोड़: कर उद्देश्यों के लिए गैर-कटौती योग्य व्यय	480.81	234.75
जोड़: पिछले वर्ष के लिए समायोजन	-	3.05
जोड़: मेट प्रावधानों के तहत कर के लिए समायोजन	-	0
समायोजन: आस्थगित कर	9.89	151.9
लाभ और हानि के विवरण में सूचित आयकर व्यय	2982.209148	2444.871061
प्रभावी आयकर दर: :	0.260887651	0.2624773
आस्थगित कर देयता निम्नलिखित से संबंधित है::		
क. आस्थगित कर परिसंपत्तियां::		
संदिग्ध अग्रिमों, दावों और ऋणों के लिए प्रावधान	13.04	13.01
कर्मचारी लाभ	10.88	59
अन्य (कर योग्य हानियाँ सहित)	3.81	28.25
(क) का कुल	27.73	100.26
ख. स्थगित कर देयता		
अचल संपत्तियों से संबंधित	567.19	388.15
अन्य		241.69
(ख) का कुल	567.19	629.84
ग. (क-ख) निवल	(539.46)	(529.58)
घ. परिभाषित लाभ योजना का पुनर्मापन		
निवल आस्थगित कर परिसंपत्ति/(आस्थगित कर देयता) (ग+घ)	(539.46)	(529.58)

टिप्पणी- 37 : अन्य व्यापक आय

(क) (i) लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं किए जानेवाले मद		
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनःमापन	-1.3211532	-50
	-1.3211532	-50
(ii) उन मदों से संबंधित आयकर, जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनःमापन	0.33	12.58
	0.33	12.58
कुल (क)	(0.99)	(37.42)
(ख) (i) उन मदों से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किया जाएगा		
संयुक्त उद्यमों में ओसीआई का शेयर	0	
	-	0
(ii) उन मदों से संबंधित आयकर, जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किया जाएगा		
संयुक्त उद्यमों में ओसीआई का शेयर	0	0
	-	-
कुल (ख)	-	-
कुल (क+ख)	(0.99)	(37.42)

1. ग्रेच्युटी के लिए ₹ (15.50) करोड़ (गत वर्ष ₹ (50) करोड़), सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभों के लिए ₹ 14.18 करोड़ (गत वर्ष ₹ शून्य) शामिल है।

टिप्पणी : 38 दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए समेकन वित्तीय विवरण हेतु अतिरिक्त टिप्पणियाँ

1 संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं और सहायक कंपनियों में समेकन और ध्वाज की वित्तीय रिपोर्टिंग के सिद्धांत

- i) 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए समेकन में प्रयुक्त सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरण उसी रिपोर्टिंग तिथि तक तैयार किए जाते हैं, जो मूल कंपनी की थी।
- ii) समेकित वित्तीय विवरण महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, इसकी आंशिक/पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों, अर्थात् एमएनएच शक्ति लिमिटेड, एमजेएसजे कोल लिमिटेड, महानदी कोल रेलवे लिमिटेड और महानदी बेसिन पावर लिमिटेड से संबंधित हैं।
- iii) समूह के वित्तीय विवरणों को इसकी चार सहायक कंपनियों के साथ समेकित किया गया है जो निम्नानुसार हैं:

31.03.2022 को अनुषंगी कंपनियों की स्थिति इस प्रकार है:-

अनुषंगियों के नाम	पता	निगमन की तिथि	सहायक में हिस्सेदारी (%)		गैर-नियंत्रित ध्वाज (₹ करोड़ में)	
			दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक	दिनांक 31.03.2022 तक	दिनांक 31.03.2021 तक
1) एमएनएच शक्ति लिमिटेड	आनंद विहार, बुर्ला, सम्बलपुर	16.07.2008	0.7	0.7	0.3	0.3
2) एमजेएसजे कोल लिमिटेड	हाउस नं. 42, प्रथम तल, आनंद नगर, हाकिम पाड़ा, अनगुल	13.08.2008	0.6	0.6	0.4	0.4
3) महानदी बेसिन पावर लिमिटेड	प्लॉट नं. जी-3, भंडेस्वर रेलवे कॉलोनी, भुवनेश्वर	02.12.2011	1	1	0	0
4) महानदी कोल रेलवे लिमिटेड	एमडीएच रुज, कोर्पोरेट ऑफिस, एमसीएल मुख्यालय, जागृति विहार बुर्ला सम्बलपुर	31.08.2015	0.71107	0.64	0.28893	0.36

समेकन में उपरोक्त सहायक कंपनी के 31.03.2022 को समाप्त वर्ष तक के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों पर विचार किया गया है।

iv)

इन समेकित वित्तीय विवरणों के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और टिप्पणियां समूह की समेकित स्थिति को बेहतर ढंग से समझने के लिए सूचनात्मक प्रकटीकरण और एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करने के लिए अभिप्रेत हैं। इस उद्देश्य को स्वीकार करते हुए, समूह ने व्यक्तिगत वित्तीय विवरणों से केवल ऐसी नीतियों और टिप्पणियों का खुलासा किया है, जो आवश्यक प्रकटीकरण को उचित रूप से प्रस्तुत करती हैं।

v) सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यमों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी (कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अनुसार)

संस्था का नाम	शुद्ध संपत्ति, यानी कुल संपत्ति घटा कुल देयताएँ	लाभ या हानि में शेयर	अन्य व्यापक आय में शेयर	कुल व्यापक आय में शेयर
	समेकित शुद्ध संपत्ति के % के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)	समेकित अन्य व्यापक आय के % के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)
अनुषंगियाँ				
भारतीय				
1) एमएनएच शक्ति लिमिटेड	0.11	42.72	0.013611394	1.15
2) एमजेएसजे कोल लिमिटेड	0.20	79.36	0.00106524	0.09
3) महानदी बेसिन पावर लिमिटेड	0.05	22.12	-0.00023672	(0.02)
4) महानदी कोल रेलवे लिमिटेड	0.63	256.12	-0.00023672	(0.02)
कुल (का)	0.99	400.32	0.014203194	1.20
संयुक्त उद्यम (इक्विटी पद्धति के				
भारतीय	-	-	-	-
कुल (ख)	-	-	-	-
कुल (का+ख)	0.99	400.32	0.01	1.20

2. अपरिचित भर्दे

क आकस्मिक देयताएँ

1. कंपनी पर किए गए दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया।

	केन्द्रीय सरकार	राज्य सरकार और स्थानीय प्राधिकरण	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम	अन्य	कुल
दिनांक 01-04-2021 तक प्रारम्भिक शेष	8430.91	4017.71	1.13	285.53	12735.28
वर्ष के दौरान योग	805.3	750.65	0	53.09	1609.04
अवधि के दौरान निपटाए गए दावे					
क. प्रारम्भिक शेष से	573.51	28.88	0	52.59	654.98
ख. वर्ष के दौरान योग से	0	43.5	0	0	43.5
31.03.2022 तक अंतिम शेष	8662.7	4695.98	1.13	286.03	13645.84

आकस्मिक देयता

क्रमांक.	विवरण	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
1	केंद्रीय सरकार		
	आय कर	7684.56	7471.2563
	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	328.07	327.94
	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	504.96	504.85
	केंद्रीय विक्रय कर	0	0
	सेवा कर	137.41	125.68
	अन्य	7.71	1.18
	उप-योग	8662.71	8430.9063
2	राज्य सरकार और स्थानीय प्राधिकरण		
	रोयल्टी	1016.83	895.22
	पर्यावरण मंजूरी	2914.96	2914.96
	विक्रय कर/वैट	28.33	44.39
	प्रवेश कर	5.23	5.76
	विपुल शुल्क	0	0
	अन्य	730.63	157.38
	उप-कुल	4695.98	4017.71
3	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम		
	मध्यस्थता कार्यवाही	1.13	1.13
	कंपनी के अधीन मुकदमेवाजी के विरुद्ध मुकदमा		
	अन्य	0	0
	उप-कुल	1.13	1.13
4	अन्य: (यादें कोई हो)		
	विविध - भूमि एवं अन्य	30.15	32.83
	कर्मचारी संबंधित और आदि	255.87	252.7
	उप-कुल	286.02	285.53
	कुल योग	13645.84	12735.2763

टिप्पणी: सीबीए (ए एंड डी) अधिनियम के तहत अधिसूचित कुछ भूमि के मामले में, मुआवजे की राशि का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, उनके लिए देयता पर विचार नहीं किया गया है।

II. गारंटी

दिनांक 31.03.2022 को जारी की गई बैंक गारंटी ₹ 608.55 (₹ 75.54 करोड़ (मूल कंपनी का शेयर ₹66.64 करोड़ है) है।

III. साख पत्र एवं आश्वासन पत्र

दिनांक 31.03.2022 के अनुसार अनुसार बकाया साख पत्र ₹ शून्य (₹ 51.42 करोड़) है और आश्वासन पत्र ₹ शून्य (शून्य) है।

(ख) प्रतिबद्धताएं

पूँजी खाते पर निष्पादित की जाने वाली शेष संविदाओं की अनुमानित राशि और इसके लिए प्रावधान नहीं: ₹ ₹ 2386.07 करोड़ (₹ 1641.62 करोड़).

अन्य प्रतिबद्धताएँ ₹ 3799.60 करोड़ (₹ 5497.61 करोड़).

3. प्राधिकृत पूँजी

	31.03.2022	31.03.2021
प्रत्येक ₹ 1000/- के 77,58,200 इक्विटी शेयर	775.82	775.82
प्रत्येक ₹ 1000/ के 20,41,800 10% संचयी प्रतिदेय अधिमानी शेयर (जल्द से जल्द प्रतिदान की शर्तों के अनुसार भुनाया गया)	204.18	204.18

4. संबन्धित पार्टी सूचनाएँ

क समूह सूचना

i) अनुबंधी कंपनियाँ	मुख्य गतिविधियाँ	निगमन का देश	% इक्विटी ब्याज	
			31.03.2022	31.03.2021
1) एमएनएच शक्ति लिमिटेड .	कोयला उत्पादन	भारत	0.7	0.7
2) एमजेएसजे कोल लिमिटेड	कोयला उत्पादन	भारत	0.6	0.6
3) महानदी बेसिन पावर लिमिटेड	कोयला उत्पादन	भारत	1	1
4) महानदी कोल रेलवे लिमिटेड	कोयला उत्पादन	भारत	0.7111	0.64

ii) रोजगार पूर्व लाभ निधि तथा अन्य ट्रस्ट

- 1) कोल इंडिया कर्मचारी ग्रेज्युटी फंड
- 2) कोयला खान भविष्य निधि (सीएमपीएफ)
- 3) कोल इंडिया अधिवर्षिता लाभ निधि ट्रस्ट
- 4) गैर-कार्यकारियों के लिए संशोधित अंशदायी सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा योजना
- 5) सीआईएल कार्यकारी परिभाषित अंशदान पेंशन ट्रस्ट

(iii) प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

नाम	पदनाम	से प्रभावी
श्री पी. के. सिन्हा	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक	01.11.2020-31.12.2021
श्री ओ. पी. सिंह	सीएमडी /निदेशक (तकनीकी-संचालन)	01.09.2016 सीएमडी के रूप में दिनांक 01.01.2022 से प्रभावी
श्री के. आर. वासुदेवन	निदेशक (वित्त)	04.02.2018
श्री बबन सिंह	निदेशक (तकनीकी-योजना एवं परियोजना)	29.04.2020-30.11.2021
श्री एस . के. पाल	निदेशक (तकनीकी-योजना एवं परियोजना)	01.12.2021
श्री केशव राव	निदेशक (कार्मिक)	18.12.2019
श्री ए. के सिंह	कंपनी सचिव	19.11.2012-15.11.2021
श्री एस. के. बेहेरा	कंपनी सचिव	15.11.2021
श्री एस. एन. तिवारी	अंशकालिक	23.12.2019
श्री नागराज मंदिराला	अंशकालिक	17.03.2020
श्री एस. मोहन	स्वतंत्र निदेशक	10.07.2019
डॉ आशा लाकरा	स्वतंत्र निदेशक	01.11.2021

(iv) प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का पारित्रमिक

		(₹ करोड़ में)	
क्रमांक.	सीएमडी, पूर्णकालिक निदेशकों और कंपनी सचिव को भुगतान	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
i)	अल्पकालिक कर्मचारी लाभ		
	सकल वेतन	1.26	2.25
	चिकित्सीय लाभ	0.19	
	अनुलाभ और अन्य लाभ	0.48	
ii)	रोजगार पश्चात लाभ		
	भविष्य निधि और अन्य निधि में योगदान	0.24	0.2
iii)	समाप्ति लाभ	0.14	
	कुल	2.31	2.45

टिप्पणी :

(i) उपरोक्त के अलावा, पूर्णकालिक निदेशकों को भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, लोक उद्यम व्यूरो के कार्यालय जापन संख्या 2 (18)/पीसी-64 दिनांक 20.11.1964 द्वारा तथा समय-समय पर यथा संशोधित प्रावधानों के अनुसार रियायती दर के भुगतान पर 750 किलोमीटर की सीमा तक निजी यात्रा के लिए कारों के उपयोग की अनुमति दी गई है।

(v) स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान

		(₹ करोड़ में)	
क्रमांक.	स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए
i)	बैठक शुल्क	0.06	0.07

(vi) दिनांक 31.03.2022 को प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का बकाया शेष

		(₹ करोड़ में)	
क्रमांक.	विवरण	31-03-2022	31-03-2021
i)	देय राशि	शून्य	शून्य
ii)	प्राप्य राशि	शून्य	शून्य

(vii)

कंपनी के निदेशकों या अन्य अधिकारियों से अलग-अलग या किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से कोई व्यापार या अन्य प्राप्तियां देय नहीं हैं। न ही फर्मों या निजी कंपनियों से कोई व्यापार या अन्य प्राप्य क्रमशः देय है जिसमें कोई निदेशक भागीदार, निदेशक या सदस्य है।

ख. समूह के भीतर संबंधित पार्टी लेनदेन

कोल इंडिया लिमिटेड ने अपनी अनुबंधी कंपनियों के साथ लेन-देन किया है जिसमें शीर्ष शुल्क, पुनर्वास शुल्क, पट्टा किराया, सहायक कंपनियों द्वारा रखी गई निधि पर व्याज और चालू खाते के माध्यम से अन्य अनुबंधी कंपनियों द्वारा या उनकी ओर से किए गए अन्य व्यय शामिल हैं। भारतीय लेखांकन मानक 24 के अनुसार, महत्वपूर्ण लेनदेन की प्रकृति और राशि के संबंध में निम्नलिखित खुलासे किए गए हैं:

1) अनुबंधी कंपनियाँ

दिनांक 31.03.2022 को बकाया शेष राशि और उसके बाद समाप्त अवधि के लिए लेनदेन*

(₹ करोड़ में)

	शीर्ष प्रकार	पुनर्वास शुल्क,	प्रदान लाभोपर	परिसंपत्तियों / बंधार संपत्ती की विलो	अनुबंधियों द्वारा रखी गई निधियों पर व्याज	अन्य	चालू खाता शेष देय/प्राप्तियाँ	बकाया शेष (देय)/प्राप्तियाँ
संबंधित पार्टियों का नाम								
इंस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				-		0.23		
भारत कृषि कोल लिमिटेड				-0.03				
सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड				-				
वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				-0.19				
साउथ इंस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड	शि			-0.30		-1.92		
नॉर्थर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				-0.51				
सीएम्पीडीआईएल				-				-33.00
कोल इंडिया लिमिटेड		336.34	105.70	5,800.00			0.95	
महानदी बेसिन पावर लिमिटेड					-0.99		28.02	
महानदी कोल रेलवे लिमिटेड				-54.13	-4.63		151.34	
एमएनएच शक्ति लिमिटेड **					-0.17		1.08	
एमजेएसबे कोल लिमिटेड					-0.03		4.93	
कुल चालू अवधि		336.34	105.70	5,800.00	-55.16	-5.82	186.32	-33.00

* कोइरू में दिए गए आंकड़े शुद्ध आय या क्रेडिट शेष को दर्शाते हैं।

* एमसीआरएल को संपत्ति के हस्तांतरण में भूमि की विक्रय के लिए ₹ 32.07 करोड़ और बलराम-अंगुल रेल लाइन पर राइट्स द्वारा निष्पादित कार्यों के हस्तांतरण के लिए ₹ 22.06 करोड़ शामिल हैं।

* कंपनी ने एमसीआरएल के अन्य इक्विटी शेयरों में चालू खाता शेष से स्थानांतरित करके ₹ 63.97 करोड़ की राशि का निवेश किया है और शेयरों का आवंटन किया गया है, तदनुसार इसे एमसीआरएल के इक्विटी शेयरों में निवेश

** एमएनएच शक्ति लिमिटेड ने मौजूदा शेयर पूंजी ₹85.10 करोड़ से ₹35.10 करोड़ की पूंजी में ₹50 करोड़ की कमी की है। तदनुसार एमएनएच शक्ति लिमिटेड में धारित इक्विटी पूंजी के प्रतिशत के आधार पर एमसीएल को ₹ 35 अन्य में एकडीवीएम और सीआईटीएमसी शुल्क के लिए ईसीएल के डेबिट ज़ापन के लिए 0.23 करोड़ और एसईसीएल को कार्यशाला डेबिट के लिए ₹1.92 करोड़ शामिल हैं।

31.03.2021 को बकाया शेष राशि और उसके बाद समाप्त अवधि के लिए लेन-देन

(₹ करोड़ में)

	शीर्ष प्रकार	पुनर्वास शुल्क,	प्रदान लाभोपर	परिसंपत्तियों / बंधार संपत्ती की विलो	अनुबंधियों द्वारा रखी गई निधियों पर व्याज	अन्य	चालू खाता शेष देय/प्राप्तियाँ	बकाया शेष (देय)/प्राप्तियाँ
संबंधित पार्टियों का नाम								
इंस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				0.30		0.25		
भारत कृषि कोल लिमिटेड				0.02				
सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड				-0.02				
वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				0.44				
साउथ इंस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				0.99				
नॉर्थर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड				0.38				
सीएम्पीडीआईएल								-37.76
कोल इंडिया लिमिटेड		148.01	87.61	5,225.00	-0.20		32.30	
महानदी बेसिन पावर लिमिटेड					-0.86		26.91	
महानदी कोल रेलवे लिमिटेड					-2.50		106.72	
एमएनएच शक्ति लिमिटेड **					-0.02		0.83	
एमजेएसबे कोल लिमिटेड					-0.11		4.03	
कुल चालू अवधि		148.01	87.61	5,225.00	2.11	-3.69	170.79	-37.76

ग. एक ही सरकार के नियंत्रण में संस्थाएं:

कंपनी एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (सीपीएसयू) है जो केंद्र सरकार द्वारा अधिकांश शेयर धारण करके नियंत्रित होती है (नोट-16 देखें)। एक सरकारी इकाई होने के नाते कंपनी को संबंधित पार्टी लेनदेन के संबंध में सामान्य प्रकटीकरण आवश्यकताओं और नियंत्रक सरकार और एक ही सरकार के तहत अन्य इकाई के साथ बकाया शेष राशि से छूट प्राप्त है। निम्नलिखित लेनदेन एक ही सरकार के नियंत्रण में संस्थाओं के साथ आमने-सामने की कीमत पर दर्ज किए गए हैं।

5. विविध जानकारी

(क) महत्वपूर्ण लेखांकन नीति

कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के तहत कोरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों के अनुसार कंपनी द्वारा अपनाई गई लेखांकन नीतियों को स्पष्ट करने के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीति (टिप्पणी-2) का मसौदा तैयार किया गया है।

(ख) लेखांकन नीति में बदलाव

वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए, महत्वपूर्ण लेखा नीति को खंड 2.11 अमूर्त संपत्ति तथा 2.17 कर्मचारी लाभ और 2.23.2 अनुमानों और अनुमानों में संशोधित/फिर से परिभाषित किया गया है। हालांकि, उपरोक्त परिवर्तन का कोई वित्तीय प्रभाव नहीं है।

(ग) हितियाँ घोषणाएं:

" कोर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ("एमसीए") समय-समय पर जारी कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियमों के तहत मौजूदा मानकों में नए मानक या संशोधन को अधिसूचित करता है। 23 मार्च, 2022 को, एमसीए ने जीएसआर 255 (ई) के माध्यम से कंपनी (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियमावली, 2022 में संशोधन किया, जो 1 अप्रैल, 2022 से लागू है। कंपनी ने संशोधन का मूल्यांकन किया है और इससे इस के वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।"

(घ) अन्य

i. पिछले वर्ष के आँकड़ों को जहाँ भी आवश्यक समझा गया, पुनर्वर्गीकृत, पुनर्समूहित और पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

ii.

" टिप्पणी - 1 और 2 क्रमशः कोर्पोरेट जानकारी और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, टिप्पणी 3 से 23 31.03.2021 तक के तुलन-पत्र का हिस्सा है और 24 से 37 उस तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ और हानि के विवरण का हिस्सा हैं। टिप्पणी - 38 वित्तीय विवरणों के अतिरिक्त टिप्पणियों का प्रतिनिधित्व करता है।

6 उचित मूल्य माप
(क) वर्गवार वित्तीय साधन

(₹ करोड़ में)

	31-03-2022		31-03-2021	
	एफ.वी.टी.पी.एल.	परिशोधित लागत	एफ.वी.टी.पी.एल.	परिशोधित लागत
वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
निवेश :				
सुरक्षित बॉन्ड		649.95		958.70
म्यूचुअल फंड/आईसीडी	3,452.78		2,747.28	
ऋण		1.20		626.29
जमा एवं प्राप्त्य		1,899.43		1,480.83
व्यापार प्राप्त्य		1,040.90		1,292.63
नगद एवं नगद समकक्ष		395.09		1,093.14
अन्य बैंक शेष		11,776.50		7,250.00
वित्तीय देयताएँ				
उधार		4.94		5.67
व्यापार देय		1,466.43		1,014.31
प्रतिभूति जमा और बयाना राशि		1,408.49		713.85
पट्टा देयताएँ		2.29		-
अन्य देयताएँ		2,662.86		1,908.36

*कोयला गुणवत्ता भिन्नता के लिए भत्ता व्यापार प्राप्त्य से काटा गया।

(ख) उचित मूल्य अनुक्रम

वित्तीय साधन के उचित मूल्यों को निर्धारित करने हेतु लिए गए फैसलों एवं अनुमानों को नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है, जिसे (क) उचित मूल्य पर मापा तथा पहचाना जाता है एवं (ख) परिशोधित लागत पर मापा जाता है तथा जिसके लिए वित्तीय विवरणी में उचित मूल्यों का उल्लेख भी किया गया है। उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए उपयोग किये गए इनपुट की विश्वसनीयता के बारे में एक संकेत प्रदान करने हेतु समूह ने अपने वित्तीय साधन को लेखांकन मानक के तहत निर्धारित तीन स्तरों में विभाजित किया है।

उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताओं को मापा गया	31-03-2022		31-03-2021	
	स्तर 1	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 3
एफवीटीपीएल में वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
निवेश :				
म्यूचुअल फंड/आईसीडी	3,452.78	0.00	2,747.28	0.00

परिशोधन लागत पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देनदारियाँ जिसके लिए उचित मूल्यों को 31.03.2022 को प्रकट किया गया

	31-03-2022		31-03-2021	
	स्तर 1	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 3
वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
निवेश :				
सुरक्षित बॉन्ड		649.95		626.29
ऋण		1.20		1480.83
जमा एवं प्राप्त्य		1,899.43		1292.63
व्यापार प्राप्त्य		1,040.90		1093.14
नगद एवं नगद समकक्ष		395.09		7250.00
अन्य बैंक शेष		11,776.50		
वित्तीय देयताएँ				
उधार		4.94		5.67
व्यापार देय		1,466.43		1014.31
प्रतिभूति जमा और बयाना राशि		1,408.49		713.85
पट्टा देयताएँ		2.29		-
अन्य देयताएँ		2,662.86		1908.36

प्रत्येक स्तर का एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

स्तर 1: स्तर 1 पदानुक्रम में उद्धृत कीमतों का उपयोग करके वित्तीय साधनों का मूल्यांकन किया गया है। इसमें म्यूचुअल फंड्स शामिल हैं, जिन्हें रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार सकल आस्ति मूल्य (एन.ए.वी.) का उपयोग कर मूल्यांकित किया जाता है।

स्तर 2: वे वित्तीय उपकरण जिनका सक्रिय बाजार में कारोबार नहीं किया गया है, उनके उचित मूल्य का निर्धारण मूल्यांकन तकनीक का उपयोग करके किया जाना अपेक्षित है, जो कि निरीक्षण बाजार के आंकड़ों के उपयोग को अधिक बढ़ाता है एवं इकाई विशिष्ट के अनुमानों पर यथासंभव कम निर्भर करता है। यदि एक उपकरण के उचित मूल्य के लिए आवश्यक सभी महत्वपूर्ण इनपुट देखे जा सकते हैं, तो उपकरण को स्तर 2 में शामिल किया जाता है।

स्तर 3: यदि एक या अधिक महत्वपूर्ण निविष्टियाँ प्रत्यक्ष बाजार के आंकड़ों पर आधारित नहीं हो तो उपकरण स्तर 3 में उसे शामिल किया जाएगा। यह निवेश, सुरक्षा जमा और स्तर 3 में शामिल अन्य देनदारियों का मामला है।

(ग) उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए मूल्यांकन तकनीक का उपयोग:

वित्तीय साधनों का मूल्यांकन करने के लिए उपयोग की जाने वाली मूल्यांकन तकनीकों में म्यूचुअल फंड में निवेश के संबंध में उपकरणों के उद्धृत बाजार मूल्य (एनएवी) का उपयोग शामिल है।

(घ) महत्वपूर्ण अप्रत्यक्ष इनपुट का उपयोग कर उचित मूल्य मापन:

वर्तमान में उल्लेखनीय अप्रभावित निवेश का प्रयोग कर किसी उचित मूल्य का मापन नहीं किया गया है।

(ङ.) परिशोधन लागत पर मापी गई वित्तीय आस्तियों और देनदारियों का उचित मूल्य

उनके अल्पावधि के कारण व्यापार प्राप्तियों की वर्तमान राशि, अल्पावधि जमा, नकद एवं नकद समकक्ष तथा व्यापार भुगतान को उनके उचित मूल्यों के समान ध्यान में लिया जाता है। समूह का मानना है कि सुरक्षा जमा में एक महत्वपूर्ण वित्तीय घटक शामिल नहीं है। सुरक्षा जमा समूह के प्रदर्शन के साथ मेल खाता है और अनुबंध के लिए वित्त के प्रावधान के अलावा अन्य कारणों से राशि को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। यदि ठेकेदार अनुबंध के तहत अपने दायित्वों को पूर्ण करने में असफल होते हैं तो प्रत्येक माइलस्टोन भुगतान निर्दिष्ट प्रतिशत धारण कर कंपनी के हित की रक्षा करते हैं। तदुसार, सुरक्षा जमा की लेन-देन लागत को प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य माना जाता है और बाद में उसे अमूर्त लागत पर मापा जाता है।

महत्वपूर्ण अनुमान: एक सक्रिय बाजार में कारोबार नहीं करने वाले वित्तीय साधनों का उचित मूल्य मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है। समूह एक विधि का चयन करने के लिए अपने निर्णय का उपयोग करता है और प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उपयुक्त धारणा बनाता है।

7 वित्तीय जोखिम प्रबंधन
वित्तीय जोखिम प्रबंधन उद्देश्य एवं नीतियां

समूह के मुख्य वित्तीय देयताओं में व्यापार एवं अन्य देय आदि शामिल हैं। इन वित्तीय देयताओं का मुख्य उद्देश्य कंपनी के संचालन हेतु उन्हें वित्तीय सहायता एवं गारंटी प्रदान करना है। समूह के मुख्य वित्तीय आस्तियों में संचालन से सीधे व्युत्पन्न ऋण, व्यापार एवं अन्य प्राप्तियां, नगद एवं नगद समकक्ष शामिल हैं।

समूह बाजार जोखिम, क्रेडिट जोखिम एवं नकदी जोखिम के संपर्क में है। समूह के वरिष्ठ प्रबंधन इन जोखिमों की निगरानी करते हैं। समूह के वरिष्ठ प्रबंधन जोखिम समिति के द्वारा मंडित किए गए हैं, जो परस्पर वित्तीय जोखिम तथा समूह के लिए उपयुक्त वित्तीय जोखिमों के शासन ढांचे पर अपनी सलाह देते हैं। जोखिम समिति समूह की वित्तीय जोखिम गतिविधियों के लिए अपना आश्वासन निदेशक मंडल को देती है जो कि उचित नीतियां एवं प्रक्रिया द्वारा शासित होती हैं तथा वित्तीय जोखिम समूह के नीतियों के उद्देश्यानुसार पहचाने, मापे एवं प्रबंधित किए जाते हैं। निदेशक मंडल जोखिमों के प्रबंधन हेतु की गई समीक्षा एवं नीतियों से सहमत है, जो संक्षेप में नीचे दिए गए हैं।

यह टिप्पणी जोखिम के खोतों की जानकारी देती है जिससे यह स्पष्ट है कि यह इसके इकाई के संपर्क में है तथा किस तरह यह जोखिम एवं वित्तीय लेखांकन विवरण के प्रभावों का प्रबंधन करती है। .

जोखिम	जोखिम से उत्पन्न	माप	प्रबंधन
क्रेडिट जोखिम	नकद और नकद समतुल्य, व्यापार प्राप्य तथा परिशोधित लागत पर मापे गए वित्तीय परिसंपत्तियां	काल प्रभाव विश्लेषण/क्रेडिट रेटिंग	सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई दिशानिर्देश), बैंक जमा क्रेडिट सीमा एवं अन्य प्रतिभूतियों का विविधीकरण ।
नगदी जोखिम	उधार तथा अन्य देयताएँ	आवधिक नकदी प्रवाह	प्रतिबद्धित क्रेडिट लाइन उपलब्धता एवं उधार की सुविधाएं।
बाजार जोखिम-विदेशी मुद्रा	भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन, मान्यता प्राप्त वित्तीय परिसंपत्तियां और देनदारियों को आईएनआर में नहीं दर्शाया गया है।	नकदी प्रवाह पूर्वानुमान संवेदनशीलता विश्लेषण	लेखा समिति एवं वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा नियमित रूप से निगरानी एवं समीक्षा।
बाजार जोखिम-व्याज दर	नकद और नकद समकक्ष, बैंक जमा और म्यूचुअल फंड	नकदी प्रवाह पूर्वानुमान संवेदनशीलता विश्लेषण	सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई दिशानिर्देश), वरिष्ठ प्रबंधन और लेखा परीक्षा समिति द्वारा नियमित निगरानी और समीक्षा।

भारत सरकार द्वारा जारी किए गए डीपीई के दिशानिर्देशानुसार निदेशक मंडल द्वारा समूह के जोखिम का प्रबंधन किया जाता है। मंडल अत्यधिक नगदी निवेश की नीतियों सहित कुल प्रबंधन जोखिम हेतु लिखित रूप में सिद्धांत प्रदान करती है।

क. क्रेडिट जोखिम:-

क्रेडिट जोखिम प्रबंधन :

प्राप्तियां मुख्य रूप से कोयले की बिक्री से उत्पन्न होती हैं। कोयले की बिक्री ई-नीलामी एवं ईंधन आपूर्ति अनुबंध (एफ.एस.ए.) के माध्यम से की गई बिक्री के अंतर्गत वर्गीकृत है।

वृहद आर्थिक जानकारी (जैसे की विनियामक परिवर्तन) को ईंधन आपूर्ति अनुबंध(एफ.एस.ए.) एवं ई-नीलामी शर्तों के हिस्से के रूप में शामिल किया गया है।

ईंधन आपूर्ति अनुबंध (एफएसए)

नई कोयला वितरण नीति (एन.सी.डी.पी.) के शर्तों के अनुसार एवं इस पर विचार करते हुए समूह अपने ग्राहकों या राज्य नामांकित एजेंसियों के साथ कानूनी तौर पर लागू किये गए एफएसए में प्रवेश करते हैं, जो बदले में अंतिम ग्राहकों के साथ उचित वितरण व्यवस्था में प्रवेश करता है। हमारे एफएसए को निम्न तरीके से वर्गीकृत किया जा सकता है।

• राज्य बिजली उपयोगिताओं, निजी बिजली सहित बिजली उपयोगिताओं के क्षेत्र में ग्राहकों के साथ एफएसए।

उपयोगिताओं ("पीपीयू") और स्वतंत्र बिजली उत्पादक ("आईपीपी");

• गैर ऊर्जा उद्योग (केपिटल पावर प्लांट(सीपीपीएस)) में ग्राहकों के साथ एफएसएएस।

• राज्य द्वारा नामित एजेंसियों के साथ एफएसएएस।

ई-नीलामी योजना-

जो ग्राहक कोयला की आवश्यकताओं को एनसीडीपी के अंतर्गत उपलब्ध संस्थागत तंत्र के माध्यम से पूर्ण नहीं कर पा रहे हैं, उनको कोयला उपलब्ध कराने हेतु कोयला ई-नीलामी योजना का प्रारंभ किया गया है। उदाहरणतः

एनसीडीपी के तहत आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु आवंटन में की गई कमी, मौसम के अनुरूप कोयले की आवश्यकताओं का उपयोग एवं सीमित कोयले की आवश्यकताएं जो दीर्घावधि लिकेज की आधारस्ति नहीं देते हैं, इसके अंतर्गत आते हैं। ई-नीलामी के तहत प्रस्तावित कोयले की मात्रा की समीक्षा कोल मंत्रालय द्वारा समय-समय पर की जाती है।

जब एक प्रतिपक्ष संविदात्मक दायित्वों पर चूक करता है तब क्रेडिट जोखिम उत्पन्न होता है जिसके परिणामस्वरूप समूह को वित्तीय नुकसान होता है।

प्रत्याशित ऋण हानि के लिए प्रावधान: समूह आजीवन प्रत्याशित ऋण हानि (सरलीकृत दृष्टिकोण) द्वारा संदिग्ध/ऋण बाधित आस्तियों के लिए अपेक्षित ऋण जोखिम हानि प्रदान करता है। टिप्पणी - 13, व्यापार प्राप्तियां का संदर्भ ले।

वित्तीय परिसंपत्तियों में हुई हानि हेतु किये गए महत्वपूर्ण आकलन एवं निर्णय :

ऊपर बताए गए वित्तीय संपत्ति के लिए हानि प्रावधान की धारणा अपेक्षित हानि दर तथा न्यूनतम जोखिम पर आधारित होती है। समूह इन मान्यताओं को बनाने के लिए समूह के पूर्व इतिहास, मौजूदा बाजार की स्थिति और प्रत्येक रिपोर्टिंग वर्ष के अंत में किए गए हानि के आकलनों के आधार पर इनपुट का चयन करती है।

ख. नगदी जोखिम

विवेकपूर्ण नगदी जोखिम प्रबंधन का अर्थ है पर्याप्त नकदी और विपणन योग्य प्रतिभूतियों को बनाए रखना और देय होने पर दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में प्रतिबद्ध ऋण सुविधाओं के माध्यम से धन की उपलब्धता। अंतर्निहित व्यवसायों की गतिशील प्रकृति के कारण, समूह कोषागार प्रतिबद्ध क्रेडिट लाइनों के तहत उपलब्धता बनाए रखते हुए वित्त पोषण में लचीलापन बनाए रखता है।

प्रबंधन अपेक्षित नकदी प्रवाह के आधार पर समूह की नगद स्थिति (आहरित उधार सुविधाओं सहित) और नकदी और नकद समकक्षों के पूर्वानुमानों की निगरानी करता है। यह आम तौर पर समूह द्वारा निर्धारित अभ्यास और सीमाओं के अनुसार स्थानीय स्तर पर किया जाता है।

ग. बाजार जोखिम
(क) विदेशी मुद्रा जोखिम

विदेशी मुद्रा जोखिम भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन और मान्यता प्राप्त परिसंपत्तियों या देनदारियों से उत्पन्न होता है जो एक मुद्रा में मूल्यवर्गित होते हैं जो समूह की कार्यात्मक मुद्रा (आईएनआर) नहीं है। समूह विदेशी मुद्रा लेनदेन से उत्पन्न होने वाले विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में है। विदेशी परिचालन के संबंध में विदेशी मुद्रा जोखिम को महत्वहीन माना जाता है। समूह भी आयात करता है और जोखिम का प्रबंधन नियमित अनुवर्ती कार्रवाई द्वारा किया जाता है। समूह की एक नीति होती है जिसे विदेशी मुद्रा जोखिम महत्वपूर्ण होने के बाद लागू किया जाता है।

ख) नगदी प्रवाह एवं उचित मूल्य व्याज दर जोखिम

समूह का मुख्य व्याज दर जोखिम व्याज दर में परिवर्तन के साथ बैंक जमाओं से उत्पन्न होता है, समूह को नकदी प्रवाह व्याज दर जोखिम के लिए उजागर करता है। समूह की नीति अपनी अधिकांश जमा राशियों को नियत दर पर बनाए रखने की है।

समूह बैंक जमा क्रेडिट सीमा और अन्य प्रतिभूतियों के विविधीकरण पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी दिशानिर्देशों का उपयोग करके जोखिम का प्रबंधन करता है।

घ) पूंजी प्रबंधन

समूह एक सरकारी इकाई होने के नाते वित्त मंत्रालय के तहत निवेश विभाग एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन के दिशानिर्देशों के अनुसार अपनी पूंजी का प्रबंध करती है।

कंपनी की पूंजीगत संरचना निम्नानुसार है :

	31-03-2022	31-03-2021
इक्विटी शेयर पूंजी	661.84	661.84
दीर्घावधि ऋण	4.31	5.03

8 कर्मचारी लाभ: मान्यता और मापन (भारतीय लेखांकन मानक-19)

परिभाषित लाभ योजना

क ग्रेज्युटी

समूह पात्र कर्मचारियों को शामिल करते हुए ग्रेज्युटी, एक रोजगार के बाद परिभाषित लाभ योजना ("ग्रेज्युटी योजना") प्रदान करता है। ग्रेज्युटी योजना पूरी तरह से भारतीय जीवन बीमा निगम के ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित है, जिसमें नियोजित का योगदान मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 2.01% है। ग्रेज्युटी भुगतान अधिनियम 1972 के संशोधित प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए समूह से अलग होने के समय अधिकतम 0.20 करोड़ रुपये की सेवा के अधीन प्रत्येक कर्मचारी जिसने 5 वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा प्रदान की है, सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन के बराबर ग्रेज्युटी राशि प्राप्त करने का हकदार है (सेवा के पूर्ण वर्षों में एक महीने में 15 दिन/26 दिन * अंतिम आहरित वेतन और महंगाई भत्ता*)। ग्रेज्युटी योजना के संबंध में बैलेंस शीट में मान्यता प्राप्त देयता या परिसंपत्ति रिपोर्टिंग वर्ष के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य है, जिसमें से योजना संपत्ति का उचित मूल्य घटा दिया जाता है। परिभाषित लाभ दायित्व की गणना प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके बीमांकिकों द्वारा की जाती है। अनुभव समायोजन और बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले पूनः माप लाभ और हानियों को उस वर्ष में मान्यता दी जाती है जिसमें वे सीधे अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में होते हैं।

ख) सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ - कार्यकारी (सीपीआरएमएसई)

समूह के पास समय-समय पर तैयार और लागू की गई स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत या सामान्य कोयला संवर्ग के तहत स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत चिकित्सा आधार पर या सेवानिवृत्ति के आधार पर सेवानिवृत्ति के कारण केवल भारत में समूह अस्पताल / पैनलबद्ध अस्पतालों या आउट पेशेंट / अधिवास में अधिकारियों और उनके जीवनसाथी को चिकित्सा प्रदान करने के लिए सेवानिवृत्ति के पश्चात चिकित्सा लाभ योजना है, जिसे सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों (सीपीआरएमएसई) के कार्यकारी के लिए अंशदायी पोस्ट सेवानिवृत्ति चिकित्सा योजना के रूप में जाना जाता है। सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों की सेवाओं से इस्तीफा देने वाले अधिकारियों को सदस्यता नहीं दी जाती है। बिना किसी अधिकतम सीमा के निरिद्ध बीमारियों को छोड़कर, संयुक्त रूप से या अलग-अलग साथ में लिए गए सेवानिवृत्त अधिकारियों और पति या पत्नी के लिए पूरे जीवन के दौरान प्रतिपूर्ति योग्य अधिकतम राशि 25 लाख रुपये है। इस उद्देश्य के लिए पूरी तरह से समूह स्तर पर सीआईएल द्वारा बनाए गए ट्रस्ट के माध्यम से योजना को वित्त पोषित किया जाता है। योजना के लिए दायित्व प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पहचाना जाता है।

ग) सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ - गैर कार्यकारी (सीपीआरएमएस-एनई)

वेतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक भाग के रूप में, समूह गैर-कार्यकारियों और उनके जीवनसाथी को अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्ति के कारण या समय-समय पर लागू स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत सेवानिवृत्ति पर या चिकित्सा आधार पर समूह द्वारा अलग किए जाने पर या 57 वर्ष या उससे अधिक की आयु में समूह से इस्तीफा देने पर या पति या पत्नी और दिव्यांग बच्चे (बच्चों) की मृत्यु पर केवल भारत में समूह अस्पताल / पैनलबद्ध अस्पताल या आउट पेशेंट / केवल में अधिकतम सीमा तक दिव्यांग बच्चे (बच्चों) को चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए गैर-कार्यकारियों (सीपीआरएमएसई-एनई) के लिए अंशदायी सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा योजना योजना प्रदान कर रहा है। सेवानिवृत्त गैर-कार्यकारियों, पति या पत्नी और दिव्यांग बच्चे (बच्चों) के लिए पूरे जीवन के दौरान प्रतिपूर्ति योग्य अधिकतम राशि बिना किसी ऊपरी सीमा के निरिद्ध बीमारियों को छोड़कर, संयुक्त रूप से या अलग-अलग 8 लाख रुपये है। इस योजना का वित्तपोषण केवल इस उद्देश्य के लिए समूह स्तर पर सीआईएल द्वारा बनाए गए ट्रस्ट के माध्यम से किया जाता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर योजना के लिए देयता की पहचान की जाती है।

परिभाषित योगदान योजना

क) भविष्य निधि एवं पेंशन

समूह पात्र कर्मचारियों के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर पूर्व निर्धारित दरों पर भविष्य निधि और पेंशन निधि के लिए निश्चित योगदान अर्थात् मूल वेतन और महंगाई भत्ता का 12% भविष्य निधि के लिए और पेंशन निधि के लिए 7% का भुगतान करता है। इन निधियों को कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के नियंत्रण में एक अलग सांविधिक निकाय द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जिसका नाम कोयला खान भविष्य निधि संगठन (सीएमपीएफओ) है। इस अवधि के लिए निधि में योगदान को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी गई है।

ख) सीआईएल कार्यकारी परिभाषित अंशदान पेंशन योजना (एनपीएस)

समूह अधिकारियों को रोजगार के बाद अंशदायी पेंशन योजना प्रदान करता है जिसे "सीआईएल कार्यकारी परिभाषित अंशदान पेंशन योजना -2007" (एनपीएस) के रूप में जाना जाता है। एनपीएस को इस उद्देश्य के लिए गठित समूह स्तर पर अलग ट्रस्ट के माध्यम से प्रशंसित किया जा रहा है। समूह का दायित्व मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 30% से अधिक राशि तक ट्रस्ट में योगदान करना है, जिसमें भविष्य निधि, ग्रेज्युटी, सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ-कार्यकारी यानी सीपीआरएमएसई या किसी अन्य सेवानिवृत्ति लाभ के लिए नियोजित का योगदान शामिल है। मूल और महंगाई भत्ते के 6.99% के चालू नियोजित योगदान को लाभ और हानि के विवरण के लिए प्रभावित किया जा रहा है। अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभ

क) छुट्टी नगदीकरण

समूह अपने अधिकारियों को 30 दिनों की कुल अर्जित छुट्टी (ईएल) और 20 दिनों के आधे भुगतान अवकाश (एचपीएल) का लाभ प्रदान करता है, जो हर साल जनवरी और जुलाई के पहले दिन अर्ध-वार्षिक आधार पर अर्जित और जमा किया जाता है। सेवा के दौरान, 75% ईएल जमा शेष राशि प्रत्येक फेब्रुवरी वर्ष में एक बार भुनाई जा सकती है, जो अधिकतम 60 दिनों के ईएल नकदीकरण की सीमा के अधीन है। संचित एचपीएल को सेवा की अवधि के दौरान नकदीकरण की अनुमति नहीं है। अधिवर्षिता पर, ईएल और एचपीएल को एक साथ नकदीकरण के लिए माना जाता है, जो एचपीएल के विनिमय के बिना 300 दिनों की समय सीमा के अधीन है। गैर-कार्यपालकों के मामले में, छुट्टी नकदीकरण राष्ट्रीय कोयला मंत्रालय (एनसीडब्ल्यूए) द्वारा शासित है और वर्तमान में कामगारों को प्रति वर्ष 15 दिनों की दर से अर्जित अवकाश का नकदीकरण प्राप्त करने और मृत्यु, सेवानिवृत्ति, अधिवर्षिता और वीआरएस के कारण सेवा बंद करने पर शेष अवकाश या 150 दिन जो भी कम हो, को नगदीकरण की अनुमति है। इसलिए, अर्जित छुट्टी के लिए देनदारियों को सेवा के दौरान और साथ ही कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के बाद निपटाने की उम्मीद है। इसलिए उन्हें अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के संबंध में अपेक्षित भविष्य के भुगतान के वर्तमान मूल्य के रूप में मापा जाता है। रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मार्केट यील्ड का उपयोग करके लाभों को छूट दी जाती है, जिसमें संबंधित दायित्व की शर्तों के अनुसार शर्तें होती हैं। योजना के तहत दायित्व प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार समूह द्वारा वहन किया जाता है।

ख) जीवन बीमा योजना (एलसीएस)

वेतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक हिस्से के रूप में, समूह के पास जमा लिंक बीमा योजना, 1976 के तहत श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित जीवन बीमा योजना है, जिसे "कोल इंडिया लिमिटेड की जीवन सुरक्षा योजना" (एलसीएस) के रूप में जाना जाता है। योजना के तहत दिनांक 01.10.2017 से 1,25,000 रुपये की राशि का भुगतान किया जाता है। लाभ की अपेक्षित लागत को तब पहचाना जाता है जब कोई घटना घटित होती है जो योजना के तहत देय लाभ का कारण बनती है।

ग) निपटान भत्ता

वेतन समझौते के हिस्से के रूप में, एनसीडब्ल्यूए के तहत शासित सभी गैर-कार्यकारी संवर्ग कर्मचारियों को दिनांक 31.10.2010 को या उसके बाद सेवानिवृत्ति भत्ते के रूप में 12000/- रुपये की एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाता है जो योजना के तहत दायित्व प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार समूह द्वारा वहन किया जाता है।

घ) समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (जीपीएआईएस)

समूह ने "कोल इंडिया एक्जीक्यूटिव्स ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट इश्योरेंस स्कीम" (जीपीएआईएस) के रूप में जानी जाने वाली व्यक्तिगत दुर्घटना के खिलाफ समूह के अधिकारियों को शामिल करने के लिए यूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस ग्रुप लिमिटेड से समूह बीमा योजना ली है। जीपीएआईएसद्वारा भर में 24 घंटे के आधार पर सभी प्रकार की दुर्घटनाओं को कवर करता है। योजना का प्रीमियम समूह द्वारा वहन किया जाता है।

ड.) अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी)

वेतन समझौते के एक भाग के रूप में, गैर-कार्यकारी कर्मचारी 4 साल के ब्लॉक में एक बार अपने होम टाउन और "भारत भ्रमण" के लिए यात्रा सहायता के हकदार हैं। होम टाउन और "भारत भ्रमण" का दौरा करने के लिए क्रमशः 8000 / - और 12000 / - रुपये की एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर योजना के लिए देयता की पहचान की जाती है।

च) खान दुर्घटना पर आर्बितों को मुआवजा लाभ

वेतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक हिस्से के रूप में, समूह कर्मचारी मुआवजा अधिनियम, 1923 के तहत स्वीकृत लाभ प्रदान करता है। एक घातक खदान दुर्घटना के मामले में एक कर्मचारी के परिजनों को दिनांक 07.11.2019 से 15 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया जाता है। लाभ की अपेक्षित लागत को तब पहचाना जाता है जब कोई घटना घटित होती है जो योजना के तहत देय लाभ का कारण बनती है। परिभाषित लाभ योजनाओं और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाओं की वित्तीय स्थिति निम्नानुसार है:

(i) वित्त पोषित

- उपदान
- छुट्टी नगदीकरण
- सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ - कार्यकारी (सीपीआरएमएसई)
- सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ - गैर कार्यकारी (सीपीआरएमएस-एनई)

- (ii) गैर-वित्त पोषित
 - o जीवन बीमा योजना
 - o निपटान भत्ता
 - o समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा
 - o अवकाश यात्रा रियायत
 - o खान दुर्घटना लाभ पर आश्रित को मूआवजा

बीमांकिक द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर दिनांक 31.03.2022 को कुल देयता, जिसका विवरण नीचे दिया गया है-

(₹ करोड़ में)			
विवरण	दिनांक 01.04.2021 को प्रारंभिक बीमांकिक देयता	अवधि के दौरान वृद्धिशील दायित्व/(समायोजन)	31.03.2022 को समापन बीमांकिक देयता
उपदान	1318.8	50.38	1369.18
अर्जित अवकाश और आधा वेतन अवकाश	449.46	31.76	481.22
जीवन बीमा योजना	5.97	-5.97	0
कार्यकारी व्यवस्थापन भत्ता	6.41	3.87	10.28
निपटान भत्ता-गैर-कार्यकारी	9.02	-2.69	6.33
समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना	0.12	-0.12	0
अवकाश यात्रा रियायत	28.33	-7.26	21.07
कार्यकारी चिकित्सा लाभ	126.75	-2.49	124.26
चिकित्सा लाभ गैर-कार्यकारी	9.55	158.8	168.35
खान दुर्घटनावश मृत्यु होने पर आश्रितों को मूआवजा	27.21	-27.21	0
कुल	1981.62	199.07	2180.69

ग्रेच्युटी (वित्त पोषित) और छुट्टी नकदीकरण (वित्त पोषित) के लिए कर्मचारी लाभ हेतु बीमांकिक के प्रमाण पत्र के अनुसार प्रकटीकरण नीचे दिया गया है: -

भारतीय लेखांकन मानक 19 (2015) के अनुसार 31.03.2022 को प्रमाणपत्रों के अनुसार ग्रेच्युटी देयता का वास्तविक मूल्यांकन (₹ करोड़ में)

वर्ष के लिए निर्धारित लाभ लागत का प्रकटीकरण			
क	लाभ तथा हानि (पी एंड एल)	3/31/2021 को समाप्त वर्ष	3/31/2022 को समाप्त वर्ष
1	चालू सेवा लागत	77.36	77.97
2	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	0	0
3	कटौती लागत / (क्रेडिट)	0	0
4	निपटान लागत / (क्रेडिट)	0	0
5	सेवा लागत	77.3614222	77.9743
6	निवल परिभाषित लाभ देयता / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	-0.650727	-1.7046
7	(लाभ)/हानि की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	-	-
8	लाभ तथा हानि में मान्यता प्राप्त लागत	76.71	76.27
ख	अन्य व्यापक आय (ओसीआई)		(₹ करोड़ में)
1	डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	72.6717713	18.9168066
2	डीबीओ धारणा परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	-26.101957	5.0225
3	अवधि के दौरान होने वाली बीमांकिक (लाभ)/ हानि	46.57	23.94
4	वापसी	3.4335638	-8.4366853
5	ओसीआई में मान्यता प्राप्त बीमांकिक (लाभ)/ हानियां	50.00	15.50
ग	परिभाषित लाभ लागत		(₹ करोड़ में)
1	सेवा लागत	77.36	77.97
2	निवल परिभाषित लाभ देयता / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	-0.650727	-1.7046
3	ओसीआई में मान्यता प्राप्त बीमांकिक (लाभ)/हानियां	50.00	15.50
4	(लाभ)/हानि की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	-	-
5	परिभाषित लाभ लागत	126.71	91.77
			(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2022 तक निवल तुलन-पत्र की स्थिति			
क	निवल तुलन-पत्र स्थिति का विकास	3/31/2021 को समाप्त वर्ष	3/31/2022 को समाप्त वर्ष
1	परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ)	-1318.803207	-1369.1804
2	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य (एफवीए)	1279.368	1366.611103
3	वित्त पोषित स्थिति (अधिशेष/घाटा)	-39.4352077	-2.5692974
4	एसेट सीलिंग का प्रभाव	-	-
5	निवल परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/(देयता)	-39.4352077	-2.5692974
ख	निवल तुलन-पत्र की स्थिति का मिलान		(₹ करोड़ में)
1	पूर्व अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/(दायित्व)	-57.0539067	-39.4352077
2	सेवा लागत	-77.3614222	-77.9743
3	निवल परिभाषित लाभ देयता/(संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	0.650727	1.7046
4	ओसीआई में मान्यता प्राप्त राशि	-50.003378	-15.5026213
5	नियोक्ता योगदान	144.3327722	128.6382316
6	कंपनी द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	0	0
7	अधिशेष क्रेडिट/(लागत)	0	0
8	अनावरण	0	0
9	सेवा-समाप्ति लाभ लागत	-	-
10	चालू अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/(दायित्व)	-39.4352077	-2.5692974
			(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष में लाभ दायित्वों और परिसंपत्तियों में परिवर्तन			
क	परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ) में परिवर्तन	3/31/2021 को समाप्त वर्ष	3/31/2022 को समाप्त वर्ष
1	पूर्व अवधि के अंत में डीबीओ	1247.110933	1318.803207
2	चालू सेवा लागत	77.3614222	77.9743
3	डीबीओ पर ब्याज लागत	80.8681793	85.6397
4	कटौती (क्रेडिट)/लागत	0	0
5	निपटान (क्रेडिट)/लागत	0	0
6	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	0	0
7	अधिशेष क्रेडिट/(लागत)	0	0
8	बीमांकिक (लाभ)/हानि - अनुभव	72.6717713	18.9168066
9	बीमांकिक (लाभ)/हानि - जनसांख्यिकीय धारणाएं	0	0
10	बीमांकिक (लाभ)/हानि - वित्तीय अनुमान	-26.101957	5.0225
11	भुगतान किया गया लाभ	-133.1071416	-137.1761139
12	चालू अवधि के अंत में डीबीओ	1,318.80	1,369.18

ख	परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन		(₹ in Crore)
1	पूर्व अवधि के अंत में संपत्ति का उचित मूल्य	1190.057026	1279.368
2	अधिग्रहण समायोजन	0	0
3	योजना संपत्ति पर ब्याज आय	81.5189063	87.3443
4	नियोक्ता योगदान	144.3327722	128.6382316
5	छूट दर से अधिक/(कम) योजना संपत्ति पर रिटर्न	-3.4335638	8.4366853
6	भुगतान किया गया लाभ	-133.1071416	-137.1761139
7	चालू अवधि के अंत में संपत्ति का उचित मूल्य	1,279.37	1,366.61

अतिरिक्त प्रकटीकरण जानकारी

(₹ करोड़ में)

क	समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ भुगतान	3/31/2022 को समाप्त वर्ष
1	31, मार्च 2023	120.82
2	31, मार्च 2024	132.53
3	31, मार्च 2025	134.27
4	31, मार्च 2026	141.46
5	31, मार्च 2027	142.78
6	31, मार्च 2028 से 31, मार्च 2032	622.45
7	10 वर्ष से अधिक	1,356.60
ख	31 मार्च 2023 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए अपेक्षित नियोक्ता योगदान	49.05
ग	परिभाषित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि	8 वर्ष
घ	31 मार्च 2022 को उपाजित लाभ दायित्व	993.29
ड.	31 मार्च 2022 तक योजना की संपत्ति की जानकारी	प्रतिशतता
	भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ (केंद्रीय और राज्य)	0.00%
	उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड (सार्वजनिक क्षेत्र के बॉन्ड सहित)	0.00%
	सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	0.00%
	संपत्ति	0.00%
	नकद (विशेष जमा सहित)	0.00%
	बीमा योजनाएं - पारंपरिक उत्पाद	100.00%
	बीमा योजनाएं - यूलिप (यूलिप) उत्पाद	0.00%
	अन्य	0.00%
	कुल	100.00%

टिप्पणी: उनकी रिपोर्ट योजनागत संपत्तियों के संबंध में बुनियादी जानकारी प्रदान करती है। कंपनी द्वारा योजना परिसंपत्ति के संबंध में भारतीय लेखांकन मानक 19 के अनुच्छेद 142, 143 में निर्दिष्ट प्रकटीकरण

(₹ करोड़ में)

च	31 मार्च 2022 तक चालू और गैर-चालू देयता ब्रेकअप	आईएनआर कुल
1	चालू देयता	116.91
2	गैर-चालू देयता	1,252.27
3	31 मार्च 2022 तक देयता	1,369.18

मान्यताएँ	31-Mar-21	31-Mar-22
छूट दर	6.85%	6.80%
वेतन वृद्धि दर	कार्यकारी : 9%; गैर-कार्यकारी : 6.25%	कार्यकारी: 9%; गैर-कार्यका: 6.25%
निकासी दर	0.30%	0.30%
मृत्यु दर	भारतीय बीमित जीवन मृत्यु दर (2012-14) अंतिम	भारतीय बीमित जीवन मृत्यु दर (2006-08) अंतिम

***31 मार्च 2021 की धारणाएँ पिछले बीमांकिक द्वारा प्रमाणित हैं।

नमूना मृत्यु दर

आयु	दर	आयु	दर
20	0.000888	45	0.002874
25	0.000984	50	0.004946
30	0.001056	55	0.007888
35	0.001282	60	0.011534
40	0.001803	65	0.017009

भारतीय लेखा मानक (भा.लेखा.मा.) 19 के तहत छुट्टी लाभ योजना का बीमांकिक मूल्यांकन

(₹ करोड़ में)

वर्ष के लिए निर्धारित लाभ लागत का प्रकटीकरण

क	लाभ तथा हानि (पी एंड एल)	3/31/2021 को समाप्त वर्ष	3/31/2022 को समाप्त वर्ष
1	चालू सेवा लागत	28.51	32.01
2	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	-	-
3	कटौती लागत / (क्रेडिट)	-	-
4	निपटान लागत / (क्रेडिट)	-	-
5	सेवा लागत	28.51	32.01
6	निवल परिभाषित लाभ देयता / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	9.34	3.36
7	(लाभ)/हानि की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	19.58	40.62
8	पी एंड एल . में मान्यता प्राप्त लागत	57.43	76.00

ख	अन्य व्यापक आय (ओसीआई)		(₹ in Crore)
1	डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	31.2677608	39.5325613
2	डीबीओ धारणा परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	-11.094587	2.2642
3	बीमांकिक अवधि के दौरान होने वाली हानि/(लाभ)	20.1731738	41.7967613
4	छूट दर से कम /(अधिक) योजना संपत्ति पर वापसी	-0.591665	-1.1749297
5	ओसीआई में मान्यता प्राप्त बीमांकिक (लाभ)/ हानियां	0	0

ग	परिभाषित लाभ लागत		(₹ करोड़ में)
1	सेवा लागत	28.51	32.01
2	निवल परिभाषित लाभ देयता/ (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	9.34	3.36
3	ओसीआई में मान्यता प्राप्त बीमांकिक (लाभ)/ हानियां	-	-
4	(लाभ)/हानि की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	19.58	40.62
5	परिभाषित लाभ लागत	57.43	76.00
			(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2022 तक निवल तुलन-पत्र की स्थिति

		3/31/2021 को समाप्त वर्ष	3/31/2022 को समाप्त वर्ष
क	निवल तुलन-पत्र स्थिति का विकास		
1	परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ)	-449.4571926	-481.2247
2	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य (एफवीए)	285.5349732	471.0128036
3	वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)]	-163.9222194	-10.2118964
4	एसेट सीलिंग का प्रभाव	-	-
5	निवल परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/(देयता)	-163.9222194	-10.2118964

ख	निवल तुलन-पत्र की स्थिति का मिलान		(₹ in Crore)
1	पूर्व अवधि के अंत में निवल परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/(दायित्व)	-150.6534899	-163.9222194
2	सेवा लागत	-28.5111343	-32.0146
3	निवल परिभाषित लाभ देयता/(संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	-9.3400347	-3.3611
4	ओसीआई में मान्यता प्राप्त राशि	-19.5815089	-40.6218316
5	नियोक्ता योगदान	44.1639483	229.7078546
6	कंपनी द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	0	0
7	अधिग्रहण क्रेडिट/(लागत)	0	0
8	अनावरण	0	0
9	सेवा समाप्ति लाभ की लागत	0	0
10	चालू अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/(देयता)	-163.9222195	-10.2118964
			(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष में लाभ दायित्वों और परिसंपत्तियों में परिवर्तन

		3/31/2021 को समाप्त वर्ष	3/31/2022 को समाप्त वर्ष
क	परिभाषित लाभ दायित्व में परिवर्तन (डीबीओ)		
1	पूर्व अवधि के अंत में डीबीओ	402.7682288	449.4571926
2	चालू सेवा लागत	28.5111343	32.0146
3	डीबीओ पर ब्याज लागत	26.6098943	28.3759
4	कटौती (क्रेडिट)/लागत	0	0
5	निपटान (क्रेडिट)/लागत	0	0
6	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	0	0
7	अधिग्रहण (क्रेडिट)/लागत	0	0
8	बीमांकिक (लाभ)/हानि - अनुभव	31.2677608	39.5325613
9	बीमांकिक (लाभ)/हानि - जनसांख्यिकीय धारणाएं	0	0
10	बीमांकिक (लाभ)/हानि - वित्तीय अनुमान	-11.094587	2.2642
11	भुगतान किया गया लाभ	-28.6052386	-70.4197539
12	चालू अवधि के अंत में डीबीओ	449.46	481.22

ख	परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन		(₹ करोड़ में)
1	पूर्व अवधि के अंत में संपत्ति का उचित मूल्य	252.1147389	285.5349732
2	अधिग्रहण समायोजन	0	0
3	योजना संपत्ति पर ब्याज आय	17.2698596	25.0148
4	नियोक्ता योगदान	44.1639483	229.7078546
5	छूट दर से अधिक/(कम) योजना संपत्ति पर रिटर्न	0.591665	1.1749297
6	भुगतान किया गया लाभ	-28.6052386	-70.4197539
7	चालू अवधि के अंत में संपत्ति का उचित मूल्य	285.53	471.01

अतिरिक्त प्रकटीकरण जानकारी

		3/31/2022 को समाप्त वर्ष	(₹ करोड़ में)
क	समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ भुगतान		
1	31, मार्च 2023	33.50	
2	31, मार्च 2024	38.82	
3	31, मार्च 2025	41.65	
4	31, मार्च 2026	43.11	
5	31, मार्च 2027	45.17	
6	31, मार्च 2028 से मार्च 31, 2032	199.10	
7	10 वर्ष से अधिक	748.89	

ख	31 मार्च 2023 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए अपेक्षित नियोक्ता योगदान	78.42
ग	परिभाषित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि	10 वर्ष
घ	31 मार्च 2022 को उपार्जित लाभ दायित्व	278.17

ड.	31 मार्च 2022 तक योजना की संपत्ति की जानकारी	प्रतिशतता
	भारत सरकार (केंद्रीय और राज्य) की प्रतिभूतियां	0.00%
	उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड (सार्वजनिक क्षेत्र के बॉन्ड सहित)	0.00%
	सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	0.00%
	संपत्ति	0.00%
	नकद (विशेष जमा सहित)	0.00%
	बीमा की योजनाएं - पारंपरिक उत्पाद	100.00%
	बीमा की योजनाएं - यूलिप उत्पाद	0.00%
	अन्य	0.00%
	कुल	100.00%

टिप्पणी: यह रिपोर्ट योजनागत संपत्तियों के संबंध में बुनियादी जानकारी प्रदान करती है। कंपनी द्वारा योजना परिसंपत्ति के संबंध में अतिरिक्त इनपुट की आवश्यकता हो सकती है।

भारतीय लेखांकन मानक 19 के अनुच्छेद 142, 143 में निर्दिष्ट प्रकटीकरण

च	31 मार्च 2022 तक चालू और गैर-चालू देयता ब्रेकअप	आईएनआर कुल	(₹ करोड़ में)
	1 चालू देयता	32.41	
	2 गैर-चालू देयता	448.81	
	3 31 मार्च 2022 तक देयता	481.22	

मान्यताएँ	31-Mar-21	31-Mar-22
छूट दर	6.85%	6.80%
	कार्यकारी : 9%;	कार्यकारी: 9%;
वेतन वृद्धि दर	गैर-कार्यकारी : 6.25%	गैर-कार्यकारी: 6.25%
वापसी दर	0.30%	0.30%
	भारतीय बीमित जीवन	भारतीय बीमित जीवन
मृत्यु दर	मृत्यु दर (2012-14) अंतिम	मृत्यु दर (2006-08) अंतिम
***31 मार्च 2021 को उनकी धारणाएं पिछले बीमांकिक द्वारा प्रमाणित हैं।		

नमूना मृत्यु दर				
आयु	दर	आयु	दर	
	20	0.000888	45	0.002874
	25	0.000984	50	0.004946
	30	0.001056	55	0.007888
	35	0.001282	60	0.011534
	40	0.001803	65	0.017009

भारतीय लेखा मानक (भा.लेखा.मा.) 19 के तहत सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजना का बीमांकिक मूल्यांकन

(₹ करोड़ में)

वर्ष के लिए निर्धारित लाभ लागत का प्रकटीकरण

3/31/2022 को समाप्त वर्ष

क	लाभ तथा हानि (पी एंड एल)	
	1 चालू सेवा लागत	9.23
	2 पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	137.66
	3 कटौती लागत / (क्रेडिट)	-
	4 निपटान लागत / (क्रेडिट)	-
	5 सेवा लागत	146.89
	6 निवल परिभाषित लाभ देयता / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	6.82
	7 (लाभ)/हानि की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	-
	8 पी एंड एल . में मान्यता प्राप्त लागत	153.71
ख	अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	(₹ करोड़ में)
	1 डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	-18.0043107
	2 डीबीओ धारणा परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	15.2495
	3 बीमांकिक अवधि के दौरान होने वाली हानि/(लाभ)	-2.7548107
	4 छूट दर से कम /(अधिक) योजना संपत्ति पर वापसी	-11.4266574
	5 ओसीआई में मान्यता प्राप्त बीमांकिक (लाभ)/ हानियां	-14.1814681
ग	परिभाषित लाभ लागत	(₹ करोड़ में)
	1 सेवा लागत	146.8889
	2 निवल परिभाषित लाभ देयता/ (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	6.8179
	3 ओसीआई में मान्यता प्राप्त बीमांकिक (लाभ)/ हानियां	-14.1814681
	4 (लाभ)/हानि की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	-
	5 परिभाषित लाभ लागत	139.53

(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2022 तक निवल तुलन-पत्र की स्थिति

3/31/2022 को समाप्त वर्ष

क	निवल तुलन-पत्र स्थिति का विकास	
	1 परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ)	-292.6111
	2 योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य (एफवीए)	219.5066317
	3 वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)]	-73.1044683
	4 एसेट सीलिंग का प्रभाव	0
	5 निवल परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/(देयता)	-73.1044683

ख	निवल तुलन-पत्र की स्थिति का मिलान	(₹ करोड़ में)
	1 पूर्व अवधि के अंत में निवल परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/(दायित्व)	-58.9971836
	2 सेवा लागत	-146.8889
	3 निवल परिभाषित लाभ देयता/(संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	-6.8179
	4 ओसीआई में मान्यता प्राप्त राशि	14.1814681
	5 नियोक्ता योगदान	125.4180472
	6 कंपनी द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	0
	7 अधिग्रहण क्रेडिट/(लागत)	0
	8 अनावरण	0
	9 सेवा समाप्ति लाभ की लागत	0
	10 चालू अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/(देयता)	-73.1044683
		(₹ करोड़ में)

31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष में लाभ दायित्वों और परिसंपत्तियों में परिवर्तन

3/31/2022 को समाप्त वर्ष

क	परिभाषित लाभ दायित्व में परिवर्तन (डीबीओ)	
	1 पूर्व अवधि के अंत में डीबीओ	136.2946
	2 चालू सेवा लागत	9.2305
	3 डीबीओ पर ब्याज लागत	16.2684
	4 कटौती (क्रेडिट)/लागत	0
	5 निपटान (क्रेडिट)/लागत	0
	6 पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	137.6584
	7 अधिग्रहण (क्रेडिट)/लागत	0
	8 बीमांकिक (लाभ)/हानि - अनुभव	-18.0043107
	9 बीमांकिक (लाभ)/हानि - जनसांख्यिकीय धारणाएं	13.3328
	10 बीमांकिक (लाभ)/हानि - वित्तीय अनुमान	1.9167
	11 भुगतान किया गया लाभ	-4.0859893
	12 चालू अवधि के अंत में डीबीओ	292.61

ख	परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन	(₹ in Crore)
	1 पूर्व अवधि के अंत में संपत्ति का उचित मूल्य	77.2974164
	2 अधिग्रहण समायोजन	0
	3 योजना संपत्ति पर ब्याज आय	9.4505
	4 नियोक्ता योगदान	125.4180472
	5 छूट दर से अधिक/(कम) योजना संपत्ति पर रिटर्न	11.4266574
	6 भुगतान किया गया लाभ	-4.0859893
	7 चालू अवधि के अंत में संपत्ति का उचित मूल्य	219.51

अतिरिक्त प्रकटीकरण जानकारी

क	समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ भुगतान	3/31/2022 को समाप्त वर्ष
	1 31, मार्च 2023	9.81
	2 31, मार्च 2024	11.76
	3 31, मार्च 2025	13.72
	4 31, मार्च 2026	15.61
	5 31, मार्च 2027	17.20
	6 31, मार्च 2028 से 31, मार्च 2032	106.61
	7 10 वर्ष से अधिक	679.23

ख	परिभाषित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि	परिभाषित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि 31 मार्च 2022 को उपार्जित लाभ दायित्व	14 वर्ष
ग	31 मार्च 2022 को उपार्जित लाभ दायित्व	दायित्व	292.61

मान्यताएँ		31-Mar-21	31-Mar-22
छूट दर		6.85%	6.80%
चिकित्सा मुद्रास्फीति दर		उपलब्ध नहीं	0.00%**
मृत्यु दर - सेवा में		भारतीय बीमित जीवन मृत्यु दर (2012 - 14) अंतिम	भारतीय बीमित जीवन मृत्यु दर (2006-08) अंतिम
मृत्यु दर - सेवानिवृत्ति के बाद		उपलब्ध नहीं	भारतीय व्यक्तिगत वार्षिकीदार की मृत्यु तालिका (2012-15)
औसत चिकित्सा लागत (आईएनआर)		उपलब्ध नहीं	कार्यकारी कर्मचारी: अधिवास लाभ - आईएनआर 36,000 प्रति वर्ष। अस्पताल में भर्ती लाभ - आईएनआर 35,000 प्रति वर्ष। गैर कार्यकारी कर्मचारी: अधिवास लाभ+अस्पताल में भर्ती लाभ संयुक्त - आईएनआर 18,000 प्रति माह
जीवनसाथी की उम्र का अंतर		उपलब्ध नहीं	जीवनसाथी सदस्य से 5 वर्ष छोटा है
निकासी दर		0.30%	0.30%

***31 मार्च 2021 की धारणाएं पिछले बीमांकिक द्वारा प्रमाणित हैं।

** कंपनी के साथ सहमति के अनुसार, चिकित्सा मुद्रास्फीति को शून्य माना गया है क्योंकि कंपनी की चिकित्सा लागत भारत सरकार द्वारा घोषित सीएचजीएस दरों द्वारा नियंत्रित होती है।

नमूना मृत्यु दर

भारतीय बीमित जीवन मृत्यु दर (2006-08) अंतिम तालिका

आयु	दर	आयु	दर
20	0.000888	45	0.002874
25	0.000984	50	0.004946
30	0.001056	55	0.007888
35	0.001282	60	0.011534
40	0.001803	65	0.017009

भारतीय व्यक्तिगत वार्षिकीदार की मृत्यु तालिका (2012-15)

आयु	दर
60	0.006349
65	0.01007
70	0.016393
75	0.027379
80	0.04673

a

(क) प्रावधान

31.03.2022 को बीमांकिक रूप से मूल्यांकित कर्मचारी लाभों से संबंधित प्रावधानों को छोड़कर भारतीय लेखा मानक-37 के अनुसार विभिन्न प्रावधानों की स्थिति और संचालन नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

	01-04-2021 तक प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान योग	वर्ष के दौरान वापस /समायोजित/भुगतान किया गया	31.03.2022 को अंतिम शेषराशि
प्रावधान				
टिप्पणी 3:- संपत्ति, संयंत्र और उपकरण :				
परिसंपत्तियों की हानि:	58.13	7.63	-5.13	60.63
टिप्पणी 4: पूँजीगत कार्य प्रगति पर: :				
सीडव्ल्यूआईपी के तहत: :	34.83	79.95	0	114.78
नोट 5: परिसंपत्तियों का अंवेक्षण एवं मूल्यांकन:				
प्रावधान एवं हानि :	0	0	0	0
टिप्पणी 8:- ऋण :				
अन्य ऋण :	0	0	0	0
टिप्पणी 9: अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों :				
अन्य जमा एवं प्राप्त्य	0.22		-0.060298279	0.159701721
उपयोगिता के लिए प्रतिभूति जमा	0			0
सहायक कंपनियों के साथ चालू खाता	0			0
टिप्पणी 10:- अन्य गैर चालू परिसंपत्तियाँ ::				
पूँजीगत अग्रिम	0.65		-0.054523731	0.595476269
उपयोगिता के लिए प्रतिभूति जमा	0			0
अन्य जमा एवं प्राप्त्य	0			0
टिप्पणी 11:- अन्य वर्तमान परिसंपत्तियाँ: :				
सांविधिक देय राशि का अग्रिम भुगतान:	0			0
कर्मचारियों को अन्य अग्रिम और जमा	6.52		-0.415752648	6.104247352
टिप्पणी 13:- व्यापार प्राप्त्य:				
अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान ::	85.55		-62.64696745	22.90303255
नोट 21: गैर चालू एवं चालू प्रावधान :				
अनुग्रहपूर्वक	137.45	145.1111049	-137.45	145.1111049
प्रदर्शन से संबंधित भुगतान	121.09	98.49	-37.48990619	182.0900938
अन्य कर्मचारी लाभ	352.96		-152.3826325	200.5773675
साइट बहाली /खान बंदी	878.56	78.96114301		957.521143
स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन	17995.63		-289.2885651	17706.34143

(ख) प्रति शेयर आय

क्रमांक	विवरण	31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए	31.03.2021 को समाप्त अवधि के लिए
i)	इक्विटी शेयर धारकों के लिए कर के बाद शुद्ध लाभ ₹ करोड़ में	8448.80	6869.73
ii)	भारित बकाया औसत इक्विटी शेयर की संख्या	6618363	6618363
iii)	रुपए में प्रति शेयर मूल एवं लघु आय (अंकित मूल्य ₹ .1000 प्रति शेयर)	₹ 12,765.70	10379.8

(ग) बीमा और वृद्धि के दावे
प्रवेश/अंतिम निपटान के आधार पर बीमा और वृद्धि दावों का हिसाब लगाया जाता है।

(घ) खातों में किए गए प्रावधान

धीमी गति से चलने वाले /नॉन-मूविंग /अप्रचलित भंडार, दावों को प्राप्त्य, अग्रिमों, संदिग्ध ऋणों आदि के खिलाफ खातों में किए गए प्रावधान को संभावित नुकसान को कवर करने के लिए पर्याप्त माना जाता है।

(ङ.) चालू संपत्ति, ऋण और अग्रिम आदि।

प्रबंधन के विचार से अचल संपत्ति के अतिरिक्त अन्य संपत्ति और गैर चालू निवेश का मूल्य कम से कम व्यवसाय के सामान्य अवधि के दौरान वसूली पर या जिस पर मूल्य निर्धारित किया जाता है, के बराबर होता है।

(च) चालू देयताएँ
जहाँ वास्तविक देयताएँ नहीं मापी जा सकती, वहाँ अनुमानित देयताएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

(छ) पृथक राजस्व जानकारी :
नीचे दी गई तालिका भारतीय लेखांकन मानक 115, ग्राहक के साथ अनुबंध से राजस्व की आवश्यकता के अनुसार ग्राहकों की जानकारी के साथ अनुबंध से पृथक राजस्व प्रस्तुत करती है:

(₹ करोड़ में)

	31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए	31.03.2021 को समाप्त अवधि के लिए
पृथक राजस्व जानकारी:		
सामग्री या सेवा के प्रकार		
- कोयला	19,165.50	14,474.08
- अन्य	-	-
कोयले और अन्य की बिक्री से कुल राजस्व	19,165.50	14,474.08
ग्राहकों के प्रकार		
- विद्युत क्षेत्र	11,568.29	8,955.80
- गैर-विद्युत क्षेत्र	7,597.21	5,518.28
- अन्य या सेवाएँ	-	-
कोयले और अन्य की बिक्री से कुल राजस्व	19,165.50	14,474.08
संविदा के प्रकार		
- एफ.एस.ए.	12,432.03	10,824.25
- ई-नीलामी	6,733.47	3,649.83
- अन्य	-	-
कोयले और अन्य की बिक्री से कुल राजस्व	19,165.50	14,474.08
सामग्री या सेवा का समय		
- एक समय में वस्तु का हस्तांतरण	19,165.50	14,474.08
- समय के साथ स्थानांतरित किया गया वस्तु	-	-
- एक समय में स्थानांतरित की गई सेवाएँ	-	-
- समय के साथ स्थानांतरित की गई सेवाएँ	-	-
कोयले और अन्य की बिक्री से कुल राजस्व	19,165.50	14,474.08

(ज) अनुपात

विवरण	31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए	31-03-2021 को समाप्त अवधि के लिए	भिन्नता
(क) चालू अनुपात: वर्तमान अनुपात एक समूह की समय नगदी स्थिति को इंगित करता है। बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों को कार्यशील पूंजी ऋण देने के संबंध में निर्णय लेने में इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। चालू अनुपात की गणना चालू परिसंपत्तियों को चालू देनदारियों से विभाजित करके की गई है।	2.11	2.71	-22%
(ख) ऋण-इक्विटी अनुपात: ऋण-से-इक्विटी अनुपात एक समूह के कुल ऋण की तुलना शेयरधारकों की इक्विटी से करता है। इन दोनों नंबरों को समूह की तुलन-पत्र में पाया जा सकता है। ऋण-इक्विटी अनुपात की गणना शेयरधारक की इक्विटी से विभाजित कुल ऋण के रूप में की गई है।	0.00	0.00	-42%
(ग) ऋण सेवा कवरेज अनुपात: ऋण सेवा कवरेज अनुपात का उपयोग फर्म की चालू व्याज और किश्तों का भुगतान करने की क्षमता का विश्लेषण करने के लिए किया जाता है। ऋण सेवा कवरेज अनुपात की गणना ऋण सेवा के लिए उपलब्ध आय को ऋण सेवा से विभाजित करके की जाती है।	13,663.13	606.14	2154%
ऋण सेवा के लिए आय = कर पश्चात शुद्ध लाभ + गैर-नकद परिचालन व्यय जैसे मूल्यह्रास और अन्य परिशोधन + व्याज + अन्य समायोजन जैसे अचल संपत्तियों की बिक्री पर हानि आदि। ऋण सेवा = व्याज और पट्टा भुगतान + मूलधन पुनर्भुगतान "कर पश्चात शुद्ध लाभ" का अर्थ है "अवधि के लिए लाभ / (हानि) की रिपोर्ट की गई राशि" और इसमें अन्य व्यापक आय की वस्तुएं शामिल नहीं हैं।			
(घ) इक्विटी अनुपात पर वापसी: यह समूह में निवेश किए गए इक्विटी फंड की लाभप्रदता को मापता है। अनुपात से पता चलता है कि समूह द्वारा इक्विटी-धारकों के फंड की लाभप्रदता का उपयोग कैसे किया गया है। यह इक्विटी-धारकों को उत्पन्न प्रतिशत रिटर्न को भी मापता है। अनुपात की गणना : (कर पश्चात शुद्ध लाभ कम वरीयता लाभांश (यदि कोई हो)) को औसत शेयरधारक की इक्विटी से विभाजित किया जाता है।	1.23	1.24	-1%
(ङ.) वस्तु-सूची आवर्त अनुपात : इस अनुपात को स्टॉक टर्नओवर अनुपात के रूप में भी जाना जाता है और यह अवधि के दौरान बेची गई वस्तुओं की लागत या अवधि के दौरान बिक्री और अवधि के दौरान आयोजित औसत सूची के बीच संबंध स्थापित करता है। यह उस दक्षता को मापता है जिसके साथ एक समूह अपनी सूची का उपयोग या प्रबंधन करता है। वस्तु-सूची आवर्त अनुपात की गणना बेची गई वस्तुओं की लागत या औसत वस्तु-सूची से विभाजित बिक्री के रूप में की जाती है।	12.86	10.57	22%
औसत वस्तु-सूची है (शुरुआती + अंतिम शेष / 2) जब वस्तु-सूची के प्रारम्भिक और समापन शेष की जानकारी उपलब्ध नहीं होती है, तो अनुपात की गणना सीओजीएस या बिक्री को वस्तु-सूची के समापन शेष से विभाजित करके की जा सकती है।			
च) व्यापार प्राप्य आवर्त अनुपात: यह उस दक्षता को मापता है जिस पर फर्म प्राप्तियों का प्रबंधन कर रही है।			
व्यापार प्राप्य आवर्त अनुपात = निवल क्रेडिट बिक्री / औसत प्राप्य खाते निवल क्रेडिट बिक्री में सकल क्रेडिट बिक्री घटा बिक्री रिटर्न शामिल है। व्यापार प्राप्तियों में विविध देनदार और प्राप्य बिल शामिल हैं। औसत व्यापार देनदार = (प्रारम्भिक + समापन शेष / 2) जब व्यापार देनदारों के क्रेडिट बिक्री, प्रारम्भिक और समापन शेष के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है तो अनुपात की गणना व्यापार प्राप्तियों के समापन शेष को कुल बिक्री से विभाजित करके की जा सकती है।	28.57	38.91	-27%
छ) व्यापार देय आवर्त अनुपात: यह दर्शाता है कि एक अवधि के दौरान विविध लेनदारों को कितनी बार भुगतान किया गया है। इसकी गणना विविध लेनदारों को भुगतान करने के लिए नकदी की आवश्यकताओं का निर्णय करने के लिए की जाती है। इसकी गणना औसत लेनदारों द्वारा निवल ऋण खरीद को विभाजित करके की जाती है।	5.67	16.42	-65%
व्यापार देय आवर्त अनुपात = निवल क्रेडिट खरीद / औसत व्यापार देय निवल क्रेडिट खरीद में सकल क्रेडिट खरीद घटा खरीद रिटर्न शामिल है। जब क्रेडिट खरीद, व्यापार लेनदारों के प्रारम्भिक और समापन शेष के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं होती है तो अनुपात की गणना व्यापार लेनदारों के समापन शेष से कुल खरीद को विभाजित करके की जाती है।			
(ज) शुद्ध पूंजी कारोबार अनुपात: यह अपनी कार्यशील पूंजी का उपयोग करने में समूह की प्रभावशीलता को इंगित करता है। कार्यशील पूंजी कारोबार अनुपात की गणना निम्नानुसार की जाती है: शुद्ध बिक्री को उसी अवधि के दौरान कार्यशील पूंजी की औसत राशि से विभाजित किया जाता है। शुद्ध पूंजी कारोबार अनुपात = निवल बिक्री / कार्यशील पूंजी निवल बिक्री की गणना कुल बिक्री घटा बिक्री रिटर्न के रूप में की जाएगी। कार्यशील पूंजी की गणना चालू परिसंपत्तियों को घटाकर चालू देनदारियों के रूप में की जाएगी।	1.48	1.15	28%
(झ) निवल लाभ अनुपात: यह व्यवसाय के शुद्ध लाभ और बिक्री के बीच संबंध को मापता है।			
निवल लाभ अनुपात = निवल लाभ / निवल बिक्री शुद्ध लाभ कर के बाद का होगा निवल बिक्री की गणना कुल बिक्री घटा बिक्री रिटर्न के रूप में की जाएगी।	0.44	0.47	-7%
(ञ) नियोजित पूंजी पर रिटर्न: नियोजित पूंजी पर रिटर्न ऋण धारकों और इक्विटी धारकों दोनों के लिए रिटर्न उत्पन्न करने के लिए समूह के प्रबंधन की क्षमता को दर्शाता है। अनुपात जितना अधिक होगा, समूह द्वारा रिटर्न उत्पन्न करने के लिए नियोजित पूंजी अधिक कुशलता से होगी। आरओसीई = व्याज और कर से पूर्व आय / नियोजित पूंजी नियोजित पूंजी = मुक्त निवल मूल्य + कुल ऋण + आस्थगित कर देयता	132.42%	155.60%	-15%
ट) निवेश पर प्रतिलाभ (संदर्भ: नोट-7): निवेश पर प्रतिलाभ (आरओआई) एक वित्तीय अनुपात है जिसका उपयोग समूह द्वारा उसकी निवेश लागत के संबंध में प्राप्त लाभ की गणना के लिए किया जाता है। जितना अधिक अनुपात, उतना अधिक लाभ अर्जित किया। (i) गैर-सूचीबद्ध अनुभागों में इक्विटी निवेश पर आरओआई: अनुभागों की इक्विटी में लाभांश/औसत निवेश।	0.00%	0.00%	0%
(ii) संयुक्त उपग्रहों में इक्विटी निवेश पर आरओआई: आरओआई = प्राप्त लाभांश/संयुक्त उपग्रहों की इक्विटी में औसत निवेश	0.00%	0.00%	0%
(iii) निश्चित आय निवेश (बॉन्ड/डिविडेंड इत्यादि) पर आरओआई = व्याज आय/औसत निवेश	7.38%	7.38%	0%
(iv) म्यूचुअल फंड पर आरओआई = लाभांश+पूँजीगत लाभ+उचित मूल्य लाभ(हानि)/औसत निवेश	3.46%	3.19%	8%
(v) जमाप्राप्तियों पर आरओआई (बैंकों, वित्तीय संस्थाओं सहित आर्डीसीडी) = व्याज आय/औसत निवेश	3.97%	5.34%	-26%

(झ) एमसीएल प्राकृतिक संसाधन और ऊर्जा प्रबंधन संस्थान (मिनरेम) का निर्माण

समूह ठेकेदार मेसर्स एनबीसीसी के माध्यम से रु.138.83 करोड़ के प्रारम्भिक अनुमानित लागत पर 'एमसीएल प्राकृतिक संसाधन और ऊर्जा प्रबंधन संस्थान (मिनरेम), भुवनेश्वर' संस्थान का निर्माण कर रहा है। निर्माण कार्य रोक दिया गया था क्योंकि भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण ने पहले अनुमोदन के प्रस्ताव पर विचार नहीं किया था। हालांकि दिनांक 02.11.2018 को बीडीए ने एमसीएल के पक्ष में आवश्यक अनुमति प्रदान की है। एमओयू को 09.01.2020 से दो साल की अवधि के लिए पुनर्बद्ध किया गया है और उपरोक्त कार्य 12 महीने के भीतर पूरा किया जाना है और संशोधित परियोजना की लागत रु. 155.33 करोड़ है। एनबीसीसी ने दिनांक 04.08.2021 को सचिव, एमओसी द्वारा दी गई समय-सीमा के अनुसार 15 दिनों में काम फिर से शुरू नहीं किया था। कई पत्रों के बाद, एनबीसीसी को पत्र जारी होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर यानी 12.10.2021 को काम शुरू करने के लिए अंतिम नोटिस दिया गया है, जिसके विफल होने पर एमसीएल के पास समझौता ज्ञापन को समाप्त करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।
दिनांक 05.01.2022 को एनबीसीसी को समझौते ज्ञापन के अनुसार दंडात्मक प्रावधानों के साथ सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित एनबीसीसी के साथ समझौता ज्ञापन की समाप्ति के बारे में सूचित किया गया है।
शेष कार्य के लिए एमसीसी का कार्य सीएनपीडीआईएल, रांची को पत्र संख्या एमसीएल/संबलपुर/सिविल-21-22/1641 दिनांक 02.02.2022 द्वारा सौंपा गया है।
समूह ने 31.03.2022 तक संस्थान के निर्माण के लिए रु.121.27 करोड़ खर्च किए हैं।

(ञ) बलियापांडा मौजा, पुरी में भूमि

बलियापांडा मौजा, पुरी में 5 एकड़ भूमि, जिसकी अनुमानित राशि रु.0.94 करोड़ (चारदीवारी के लिए जमा सहित) है, पुरी नगर पालिका से 99 साल की लीज अवधि के साथ दिनांक 01.04.1996 से लीज के रूप में ली गई है। तथापि, तहसीलदार पुरी ने अपने कार्यालय ज्ञापन सं. 7206 दिनांक 21.08.2004 को एमसीएल, भुवनेश्वर को एक प्रति के साथ कलेक्टर पुरी को संबोधित करते हुए कहा कि उस क्षेत्र "स्वीट वाटर जॉन" के अंतर्गत आता है और इसे सरकार द्वारा आवास एवं शहरी विकास विभाग में प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। यद्यपि उस भूमि स्वीट वाटर जॉन के अंतर्गत आती है, तहसीलदार, पुरी ने 2008-09 तक उपकर सहित भूमि किराया स्वीकार किया है। इसके अलावा निदेशक (कामिका), एमसीएल पत्र संख्या. 4707 दिनांक 08.01.2019 को स्टाल परियोजना शुरू करने के लिए वैकल्पिक भूमि जल्द से जल्द सौंपने के लिए कलेक्टर, पुरी से अनुरोध किया। भूमि के वैकल्पिक पैच के आवंटन के लिए दिनांक 05.12.2019 को उप-महाप्रबंधक, एमसीएल द्वारा कलेक्टर, पुरी को पत्र लिखा गया है। इसके बाद, उप-महाप्रबंधक, एमसीएल और मुख्य-प्रबंधक (खनन) ने दिनांक 18.12.2020 को कलेक्टर, पुरी से मुलाकात की। कलेक्टर का मत था कि नगर पालिका द्वारा भूमि उनके अधिकार क्षेत्र से परे गलत तरीके से एमसीएल को पट्टे पर दी गई थी, इसलिए नगर पालिका एमसीएल के पक्ष में कोई वैकल्पिक भूमि आवंटित नहीं कर सकती है और पूर्व में नगर पालिका, पुरी के पास जमा की गई भूमि के प्रीमियम की वापसी के लिए आवेदन करने का सुझाव दिया। एमसीएल ने नगर पालिका, पुरी में धनवापसी के लिए आवेदन किया है और मामला प्रक्रियाधीन है।

(ट) एनएलसीआईएल को ऋण

समूह ने एनएलसीआईएल को पूर्व के वर्षों में मासिक आधार पर देय @7% व्याज की दर से सामान्य वित्त पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रु.2000 करोड़ का ऋण दिया था और मूलधन का पुनर्भुगतान 48 मासिक समान किश्तों में है। एनएलसीआईएल को यह ऋण पात्र निवेश के रूप में सीपीएसई द्वारा अधिशेष निधि के निवेश पर दिशानिर्देशों के खंड 8 (iv) के तहत कवर किया गया है। दिनांक 31.03.2022 को बकाया ऋण शेष शून्य है।

(ठ) इस अवधि के दौरान, समूह ने औसीपीएल और एनएलसीआईएल से रु.103.56 करोड़ का कोयला खरीदा है। खरीदे गए कोयले की बिक्री सरफेस परिवहन शुल्क और निकासी सुविधा शुल्क सहित रु.118.35 करोड़ है। खरीदे गए कोयले का अंतिम स्टॉक शून्य है।

- (ड) शीर्ष प्रभारों में संशोधन का प्रभाव
सीआईएल बोर्ड ने अपनी 431 वीं बैठक दिनांक 17.09.2021 में शीर्ष शुल्क की दर को ₹ 10 से ₹ 20 प्रति टन उत्पादन के संशोधन हेतु अनुमोदित किया है। दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए उसी का प्रभाव ₹ 168.17 करोड़ है।
- (ढ) समूह ने राजस्व वसूलने के बजाय अधिग्रहीत भूमि की लागत के साथ पूंजीकरण करके रोजगार के बदले वार्षिकी के रूप में मुआवजे के संबंध में लेखांकन पद्धति को संशोधित किया है। तदनुसार, ₹12.62 करोड़ का पूंजीकरण किया गया है और इस अवधि के दौरान उसी पर परिशोधन प्रभार ₹ 1.19 करोड़ है।
- (ण) कोल ब्लॉक उत्कल ए और गोपालप्रसाद वेस्ट (वेस्ट) को पहले एमजेएसजे कोल लिमिटेड, एमसीएल की सहायक कंपनी है, को आवंटित किया गया था, अब एमसीएल को आवंटित कर दी गई है। नामित प्राधिकारी, एमओसी के माध्यम से भूमि की लागत पिछले आवंटितों को देय है। हालांकि, चूंकि मुआवजे की राशि का अभी तक दावा नहीं किया गया है, इसलिए भूमि की लागत का पूंजीकरण नहीं किया गया है।
- (त) वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान अंशदायी पद सेवानिवृत्त चिकित्सा योजना गैर कार्यकारी मौजूदा के संबंध में बीमांकिक मूल्यांकन किया गया है, और सीपीआरएमएस -एनई (नोट संख्या 21 देखें) के संबंध में गैर-कार्यकारियों (मौजूदा) से वसूल की गई राशि को समायोजित करने के बाद ₹ 138.07 करोड़ की बीमांकिक देयता का हिसाब लगाया गया है।
- (थ) समूह ने वाशरीज पर किए गए ₹ 11.75 करोड़ के प्रारंभिक व्यय को बटुटे खाते में डाल दिया है।
(नोट संख्या 34 देखें)
मूह ने एमसीएल बोर्ड के अनुमोदन के आधार पर ₹17.37 करोड़ की पुरानी देयताओं और प्रावधानों को वापस लिख दिया है और ₹0.59 करोड़ के पुराने अग्रिमों और प्रप्तियों को बटुटे खाते में डाल दिया है।
- (द) न्यायालय, विभिन्न सरकारी प्राधिकारियों के निर्देश के अनुसार और नोट-15 और नोट-9 के तहत दिखाए गए बीजी जारी करने के लिए ₹ 20.64 करोड़ (पीवाई- ₹ 26.59 करोड़) का जमा खाता (विशिष्ट उद्देश्य के लिए) बनाया गया है। जिसका विवरण निम्नवत है:
टिप्पणी-15- ₹ 18.88 करोड़
- सावधि जमा में न्यायालय के आदेश के अनुसार वर्ष 2005-06 में विस्फोटक दर अनुबंधों के विरुद्ध वसूल किए गए मूल्य अंतर के विरुद्ध किए गए ₹ 6.96 करोड़ शामिल हैं।
 - सावधि जमा में मेसर्स आईआरसी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के बीजी के नकदीकरण के लिए माननीय उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश के खिलाफ किए गए ₹ 0.25 करोड़ शामिल हैं।
 - सावधि जमा में 2015 की रिट याचिका संख्या 3109 के अंतिम परिणाम तक माननीय उच्च न्यायालय, कटक के आदेश के अनुसार मेसर्स श्री महावीर फेरो एलॉयज प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में कंपनी द्वारा 40% टेपरिंग मनी के लिए किए गए ₹ 0.21 करोड़ रुपये शामिल हैं।
 - सावधि जमा में माननीय उच्च न्यायालय कटक (ओडिशा) के अंतरिम आदेश के विरुद्ध किए गए ₹ 7.16 करोड़ रुपये शामिल हैं, अर्थात् जिसे विवादित भूमि में शामिल मुआवजे की शेष राशि के लिए किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा किया जाना है।
 - मेसर्स मोटेकाली लिमिटेड (एमसीएल) और मेसर्स कुणाल स्ट्रक्चर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (केएसआईपीएल) जेवी द्वारा प्रस्तुत बीजी के नकदीकरण के संबंध में ओडिशा के माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार ₹ 1.31 करोड़ की सावधि जमा किया गया।
 - बैंक के पास क्रमशः ₹ 0.37 करोड़ की बैंक जमाराशि रखी गई है, जिसे जल बांध प्रभाग के पक्ष में एमओयू/हस्ताक्षरित करार के विरुद्ध गिरवी रखा गया है।
 - लीलारी नाले से निकासी के लिए करार के निष्पादन हेतु टीडीआर के रूप में ₹ 0.02 करोड़ की बैंक जमाराशि।
 - माननीय उड़ीसा उच्च न्यायालय के निर्देश पर मेसर्स उत्कल हाईवे के लिए टीडीआर के रूप में ₹ 1.32 करोड़ की बैंक जमा राशि।
 - कार्यपालक अभियंता, बुर्ला सिंचाई प्रभाग, बुर्ला के लिए टीडीआर के रूप में ₹ 0.08 करोड़ की बैंक जमाराशि।
 - कार्यपालक अभियंता, बुर्ला सिंचाई प्रभाग, बुर्ला के लिए टीडीआर के रूप में ₹ 1.20 करोड़ की बैंक जमाराशि।
- टिप्पणी-9- ₹ 1.39 करोड़
- ₹ 0.37 करोड़ एफडीआर के रूप में कार्यपालक अभियंता, मुख्य बांध प्रभाग, बुर्ला के पक्ष में जमा कराये गए।
 - बैंक जमा में एमआईएमएसआर के लिए संस्थागत भवन योजना का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए टीएमडीए के पक्ष में बीजी जारी करने के लिए ₹0.97 करोड़ शामिल हैं।
 - ₹ 0.05 करोड़ अधीक्षण अभियंता, मुख्य बांध प्रभाग, बुर्ला के पक्ष में एफडीआर के रूप में जमा किया गया।
- (ध) निर्माण एवं अनुरक्षण कार्य के लिए रेलवे को भुगतान की गई राशि के लिए रिवर्स चार्ज यांत्रिक आधार पर जीएसटी देयता के संबंध में, मामला रेलवे के साथ देखा गया है और विशेषज्ञ की राय मांगी जा रही है।
- (न) एमसीएल में, 23 खुली खदानें और 12 भूमिगत खदानें हैं, जिनमें से 4 खुली खदानें और 8 भूमिगत खदानें गैर-उत्पादक हैं और 4 खुली खदानें विकासशील हैं:-

गैर-उत्पादक खदानों की सूची

क्रमांक	खदान का नाम	गैर-उत्पादकता के कारण
1	छेंटीपड़ा ओसीपी	खदान बंदी के कारण।
2	लिलारी ओसीपी	लिलारी ओसीपी की खनन योजना मार्च 2018 तक वैध होने के कारण।
3	साउथ वालंडा ओसीपी	कोयला भंडार समाप्त होने के कारण।
4	बसुंधरा ईस्ट ओसीपी	सभी कोयले की निष्कर्षण के कारण खदान बंद है।
5	हिमगीर रामपुर कोलियरी भूमिगत खदान	ओरिएंट क्षेत्र से जारी खदान बंद करने के नोटिस के साथ यह खदान दिनांक 27.05.2013 से बंद है।

क. विकास पैच की अनुपलब्धता के कारण 02.07.2017 से उत्पादन बंद कर दिया गया है क्योंकि खदान की पूरी संपत्ति पहले ही विकसित हो चुकी है और स्टेज II वन मंजूरी के अभाव में कोई डीपिलरिंग (विस्तार) अनुमति नहीं है।

ख. ओरिएंट एरिया में सेवानिवृत्ति आदि के कारण जनशक्ति की कमी है। चूंकि ओरिएंट एरिया की अन्य खदानों की उत्पादक इकाइयों में जनशक्ति की कमी है, इस खदान की उपलब्ध जनशक्ति को लाभकारी उपयोग के लिए उन उत्पादक खदानों में स्थानांतरित कर दिया गया है। अब खदान को बाढ़ स्वीत मोड में चलाने की प्रक्रिया चल रही है।

6 ओरिएंट माइन नं -4 भूमिगत खदान

7	तालचेर भूमिगत खदान	ड्रिफ्ट टॉप सेक्शन (चालू कार्यशील जिला) में तीसरी प्रविष्टि प्रदान करने के लिए डीएमएस, भुवनेश्वर द्वारा नोटिस संख्या- 010686/बीबीआर-डीएच/सीओ-6/नोटिस-22ए (1)/2015/4562, दिनांक 03.09.2015 के माध्यम से खान अधिनियम 1952 की धारा 22ए (1) का पालन न करने के कारण कोयले का खनन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है और सीएमआर-2017, पंजी संख्या - 158 (3) के प्रावधान के अनुसार उत्पादन दिनांक 24.02.2018 से निलंबित कर दिया गया था। अधीक्षक अभियंता के नोटिस के अनुसार उत्पादन बंद करना पड़ा, उन्होंने कहा कि पानी दाहिने किनारे की नहर में छोड़ा जाएगा, जिसके तहत खदान दिनांक 19.07.2006 से काम कर रहा था। भारी नुकसान की वजह से दिनांक 16.09.1998 से उत्पादन ठप हो गया है।
8	देउलवेरा भूमिगत खदान	एमसीएल बोर्ड ने दिनांक 19.11.2021 को आयोजित अपनी 241वीं बैठक में भूमिगत परियोजना को वापस लेने की मंजूरी दी है।
9	हांडीधुआ भूमिगत खदान	एमसीएल बोर्ड ने दिनांक 19.11.2021 को आयोजित अपनी 241वीं बैठक में भूमिगत परियोजना को वापस लेने की मंजूरी दी है।
10	तालचेर वेस्ट (भूमिगत खदान)	एमसीएल बोर्ड ने दिनांक 19.11.2021 को आयोजित अपनी 241वीं बैठक में भूमिगत परियोजना को वापस लेने की मंजूरी दी है।
11	जगन्नाथ (भूमिगत खदान)	एमसीएल बोर्ड ने दिनांक 19.11.2021 को आयोजित अपनी 241वीं बैठक में भूमिगत परियोजना को वापस लेने की मंजूरी दी है।
12	नटराज भूमिगत खदान	एमसीएल बोर्ड ने दिनांक 19.11.2021 को आयोजित अपनी 241वीं बैठक में भूमिगत परियोजना को वापस लेने की मंजूरी दी है।

विकासशील खानों की सूची:-

क्रमांक	विकासशील खानें
1	सिआरमल ओसीपी
2	बसुन्धरा वेस्ट (विस्तार) ओसीपी
3	सुभद्रा ओसीपी
4	बलभद्र ओसीपी

(प)

अनुषंगी कंपनियों के वित्तीय विवरणों में रिपोर्ट किए गए अन्य मामले

i) 24 सितंबर 2014 को, माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने आवंटन प्रक्रिया को मनमाना और आवंटन को अवैध बताते हुए 1993-2012 के दौरान किए गए 204 कोयला ब्लॉकों के आवंटन को रद्द कर दिया। तदनुसार उत्कल ए (गोपाल प्रसाद पश्चिम सहित) और तालावीरा II और III (एमएच शक्ति लिमिटेड, एमसीएल की सहायक कंपनी) नामक कोल ब्लॉक, जिसे समूह के पक्ष में पहले आवंटित किया गया था, को भी गैर-आवंटित किया गया था।

ii) कोल माईंस (विशेष प्रावधान) अधिनियम 2015 के प्रावधानों के अनुसार, 17 फरवरी 2016 को लिखे गए अपने पत्र के अनुसार सरकार ने नैवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पिछले आवंटियों में से एक) को तालावीरा II और III कोयला ब्लॉक आवंटित किया है। एमएनएच शक्ति लिमिटेड, एमसीएल की अनुषंगी कंपनी को नामांकित प्राधिकारी, कोयला मंत्रालय द्वारा भूमि के अधिग्रहण, प्रगति और अमूर्त आस्ति में पूंजीगत कार्य के लिए इसके द्वारा खर्च की गई राशि के माध्यम से नए आवंटियों से मुआवजा प्राप्त करने का अधिकार प्रदान किया गया है। मुआवजा नामित प्राधिकारी द्वारा कोयला खान (विशेष प्रावधान) अधिनियम के तहत निर्धारित किया जा रहा है और चरणबद्ध तरीके से समूह द्वारा प्राप्त किया जाएगा।

समूह को वित्तीय वर्ष 2016-17 में भूवैज्ञानिक रिपोर्ट और रेलवे साइडिंग आदि के लिए ₹ 18.55 करोड़ प्राप्त हुए हैं।

साथ में दी गई टिप्पणियां 1 से 38 वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

बोर्ड की ओर से

कृते लालदास एण्ड कंपनी

सनदी लेखाकार

संस्था पंजी. सं. 311147E

ह/-

(सनदी लेखाकार एसएस ब्रह्मा)

साझेदार

सदस्यता सं. 066706

दिनांक : 10.05.2022

स्थान : भुवनेश्वर

ह/-

संजीव कुमार देबनाथ

महाप्रबंधक (वित्त)

ह/-

(के. आर. वासुदेवन)

निदेशक (वित्त)

DIN : 07915732

ह/-

(एस. परिडा)

कंपनी सचिव

ह/-

(ओपी सिंह)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध -

निदेशक

DIN: 07627471